

विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-2023

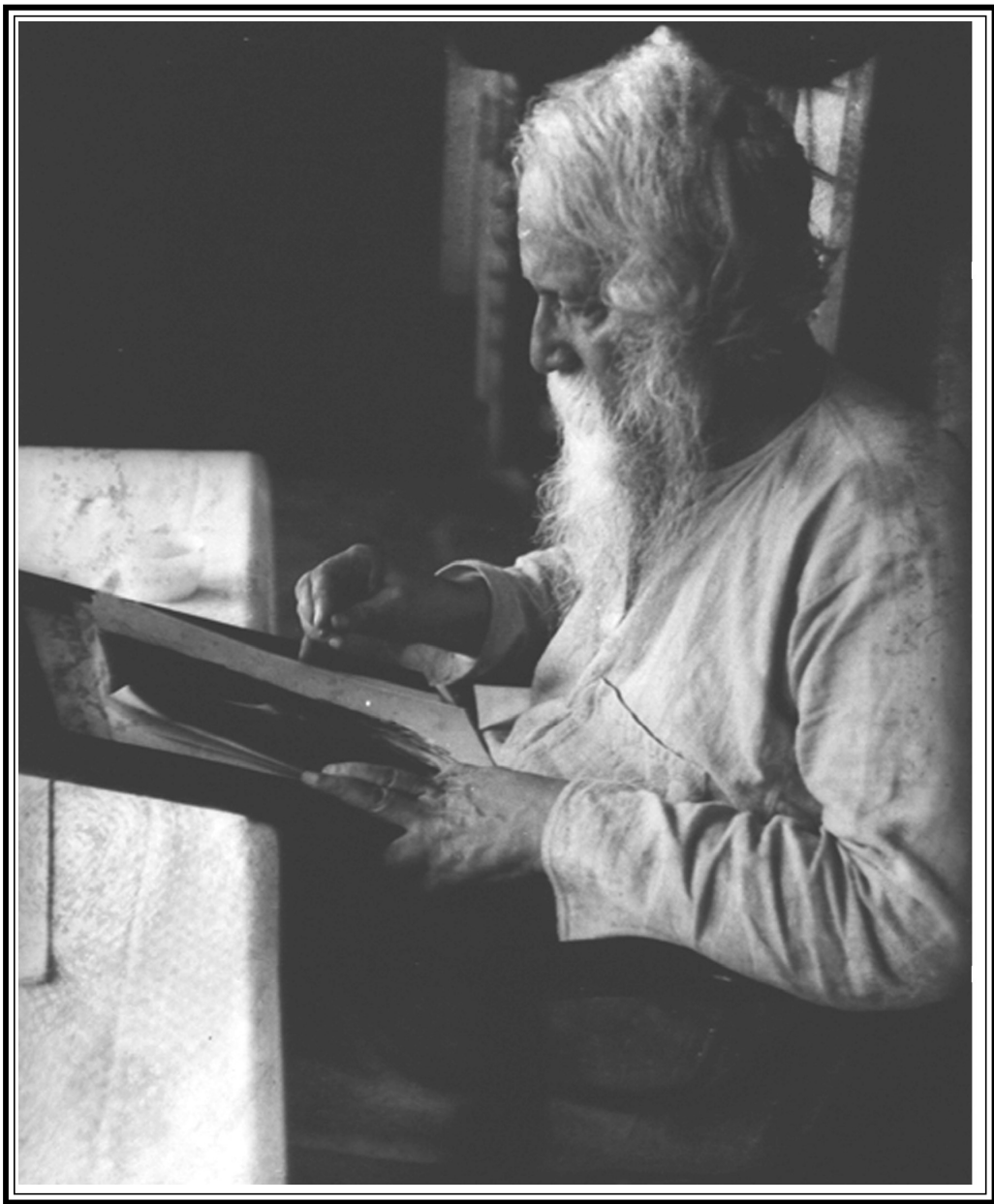


शान्तिनिकेतन

2023

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

॥ जहाँ विश्व एक नीड़ में निवास करता है॥





आचार्य: श्री नरेंद्र मोदी
ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI

संस्थापक: रवीन्द्रनाथ ठाकुर
Founder: Rabindranath Tagore

उपाचार्य: प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती
UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

प्रस्तावना

संकाय सदस्यों के शैक्षणिक कौशल का आकलन करने का सबसे आसान और त्वरित तरीका वार्षिक प्रतिवेदन की जांच करना है, प्रशासनिक रूप से शैक्षणिक संस्थान की प्रगति को समझने के लिए, आसानी से उपलब्ध विकल्प विश्वविद्यालय के प्रशासनिक उपखंड द्वारा की गई गतिविधियों से संबंधित पाठ को पढ़ना है। यहां भी, वार्षिक प्रतिवेदन बहुत मददगार है। यहां यह बात निहित है कि किन्हीं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रशासनिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए वार्षिक प्रतिवेदन आवश्यक है। विश्वभारती का वार्षिक प्रतिवेदन, 2022-23, एक स्तर पर, पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान गतिविधियों की एक चेकलिस्ट है जिसके साथ विश्वभारती जुड़ी हुई थी; दूसरे स्तर पर, यह प्रदर्शित करने वाला एक दस्तावेज भी है कि विश्वभारती केवल डिग्री प्रदान करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि अपने संस्थापक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार जीवन दर्शन को प्रसारित करने वाला अकादमिक केंद्र भी है।

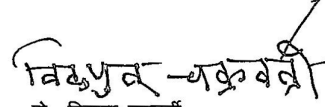
2022-23 की अवधि के दौरान हुई कुछ घटनाओं का उल्लेख करने के लिए, मैं कुछ प्रमुख घटनाओं से शुरुआत करता हूँ। हमने दो दीक्षांत समारोह आयोजित किए और यह खुशी की बात है कि हमारे माननीय राष्ट्रपति जी और माननीय रक्षा मंत्री जी क्रमशः इस अवसर पर उपस्थित हुए। माननीय पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति यू. यू. ललित ने परिसर का दौरा किया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माननीय अध्यक्ष प्रोफेसर जगदीश ममीडाला और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की मौजूदा कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने भी परिसर का दौरा किया। छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को समानांतर सिनेमा के प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेताओं में से एक श्री अनुपम खेर के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की इन औपचारिक यात्राओं के अलावा, विश्वभारती उन कई सांस्कृतिक गतिविधियों का जन्म मनाने में लगी हुई थी, जिन्हें इस शैक्षणिक संस्थान के प्रसिद्ध संस्थापक, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने शिक्षा के दर्शन की अपनी अनूठी विद्या को विस्तृत करने के लिए पेश किया था।

विगत वर्ष उन अति-उत्साही छात्रों की गतिविधियों के लिहाज से अलग नहीं लगता, जो रावीन्द्रिक परंपराओं की अपनी समझ को सुरक्षित रखने के नाम पर कभी-कभार लक्ष्मण रेखा लांघ जाते हैं। यह असामान्य नहीं लगता क्योंकि पूरे पश्चिम बंगाल राज्य में समान प्रकृति की कई घटनाएं देखी गई हैं। क्या यह उन लोगों की विफलता है जो विश्वभारती या, उस मामले में, विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक लक्ष्यों और राजनीतिक-वैचारिक दृष्टिकोणों की पूर्ति के लिए तत्पर अन्य शैक्षणिक संस्थानों की रक्षा करने के लिए जिम्मेदार हैं? उत्तर भ्रान्तिजनक प्रतीत होता है।

वार्षिक प्रतिवेदन संकाय सदस्यों की अकादमिक उपलब्धि का भी दर्पण है जिनके पास अब यह शिकायत करने का कोई कारण नहीं है कि उन्हें कम वेतन मिलता है। इसलिए, जब एक अकादमिक संकाय अपने मूल धर्म का निर्वहन नहीं करता है, तो उसे यह याद दिलाने से नहीं बचाया जा सकता है कि वह जो करने से बच रहा/रही है उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह चेतावनी नहीं नहीं लगती क्योंकि पश्चिम में इस प्रथा का धार्मिक रूप से पालन किया जा रहा है। वहां, विश्वविद्यालय में एक स्थायी ट्रैक स्थिति प्राप्त करने के लिए सदस्यों और छात्रों द्वारा एक अकादमिक संकाय का लगातार मूल्यांकन किया जा रहा है। विश्वभारती के कई संकाय सदस्य इसी दिशा में सोच रहे हैं। मुझे इसकी घोषणा करते हुए खुशी हो रही है और उम्मीद है कि जो विचार अभी अपनाया गया है, उसे निकट भविष्य में क्रियान्वित किया जाएगा।

मैं 2020 की नई शिक्षा नीति को लागू करने में सहयोग के लिए अपने सहयोगियों का व्यक्तिगत रूप से आभारी हूँ। हमारे पाठ्यक्रम को अनुकूलित किया गया है और ज्ञान के नए क्षेत्रों पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है। नए चार-वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए कई विकास नई शिक्षा नीति की प्रशाखाएं हैं और विश्वभारती, देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों के साथ, प्रसारण के इस नए तरीके और ज्ञान के सृजन को शुरू करने में अग्रणी है। यह मानने के कारण है कि शिक्षा की नई प्रणाली ज्ञान के नए आयामों को उजागर करेगी जो कि सीखने के प्रचलित तरीकों में प्रतिबंधित प्रतीत होते हैं।

अंत में, मैं अपने उन सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने में अपना समय और श्रम समर्पित किया। यह एक बहुत बड़ा कार्य है और इसे पूरा करने के विभिन्न चरणों में हमारे कई सहयोगी भी शामिल थे। मैं अपने संदेश को उन सभी लोगों के प्रति अपनी सराहना दर्ज करते हुए समाप्त करता हूँ जो इसके कुलपति (2018-23) के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान विश्वभारती से जुड़े हैं। यदि हम विश्वभारती के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हुए, तो यह मेरे सहयोगियों द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों के निर्वहन की कड़ी मेहनत के कारण था। मैं उनका बहुत आभारी हूँ।



प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
कुलपति
विश्वभारती
शान्तिनिकेतन

अनुक्रम

अध्याय-1	i-x
ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक	i
वर्तमान संस्थागत संरचना	iii
सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ	iv
उत्सव एवं त्योहार	vii
वित्त एवं संचित निधि व्याख्यान	ix
शिक्षण कर्मचारियों की स्थिति	x
प्रशासनिक कर्मचारियों की स्थिति	x
विद्यार्थी संघटन	x
अध्याय-2	1-511
भाषा भवन	1-74
बांग्ला विभाग	2
अंग्रेजी विभाग	11
हिन्दी विभाग	22
संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग	26
ओडिया विभाग	32
अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग	36
भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग	37
संताली विभाग	41
जापानी विभाग (निप्पन भवन)	43
चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	48
मराठी विभाग	53
तमिल विभाग	55
असमिया विभाग	59
आधुनिक यूरोपीय भाषा साहित्य और केंद्र (सीएमइएलएलसीएस)	60
तुलनात्मक साहित्य केंद्र	64
संकटग्रस्त भाषा केंद्र (सीएफइएल)	69
बौद्ध अध्ययन केंद्र	73
विद्या भवन	75-138
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व विभाग	76
नृत्य विभाग	83
अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग	87
भूगोल विभाग	98
इतिहास विभाग	104

दर्शन शास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग	109
पत्रकारिता और जनसंचार केन्द्र	116
स्त्री अध्ययन केन्द्र	135
शिक्षा, विद्याभवन	137
शिक्षा भवन	139-243
भौतिकी विभाग	141
रसायन शास्त्र विभाग	150
गणित विभाग	169
प्राणिविज्ञान विभाग	177
वनस्पति विज्ञान विभाग	195
सांख्यिकी विभाग	212
कम्प्यूटर एवं पद्धति विज्ञान विभाग	217
पर्यावरण अध्ययन विभाग	221
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	231
एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र	238
गणितीय शिक्षा केन्द्र (सी एम ई)	242
कला भवन	244-279
डिज़ाइन विभाग	246
मूर्तिकला विभाग	254
चित्रकला विभाग	260
ग्राफिक कला विभाग	267
कला इतिहास विभाग	271
नंदन संग्रहालय	277
संगीत भवन	280-298
रवीन्द्रसंगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग	281
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग	293
रवीन्द्र संगीत गवेषणा केन्द्र	298
विनय भवन	299-322
शिक्षा विभाग	299
शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग	313
योग कला एवं विज्ञान विभाग	319
पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)	323-375
आजीवन शिक्षा एवं विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र)	325
ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केन्द्र)	342
शिल्प सदन विभाग	344
समाज कार्य विभाग	353
पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान)	376-453

कृषि अर्थशास्त्र विभाग	380
कृषि अभियांत्रिकी विभाग	386
कृषि कीट-विज्ञान विभाग	389
कृषि विस्तार विभाग	395
कृषि सांख्यिकी विभाग	400
शस्यविज्ञान विभाग	404
पशु विज्ञान विभाग	417
फसल शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	418
आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग	421
उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग	427
पौध पैथोलॉजी विभाग	438
मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	450
प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा-संस्थान	454-459
पाठ भवन	454
शिक्षा सत्र	457
अन्य	461-513
कृषि आर्थिक शोध केन्द्र	461
राजभाषा प्रकोष्ठ	464
रवीन्द्र भवन	465
विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क	476
ग्रंथन विभाग	496
बांग्लादेश भवन	500
ए.के. दासगुप्ता योजना और विकास केन्द्र	503
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	505
इंदिरा गाँधी केन्द्र	507
उद्यान अनुभाग	508
शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्रीय सेवा और छात्र कल्याण (पीएसएनएस)	509
व्याख्यान शृंखला	512
अध्याय-3 : शैक्षणिक कैलेंडर / कार्यक्रम	514-516
अध्याय-4 : छात्र सांख्यिकी	517-519
अध्याय-5 : परिसर विकास	520
अध्याय-6 : विश्वविद्यालय वित्त	523
परिशिष्ट क से छ तक	524-566
परिशिष्ट-क : भवनों के अध्यक्ष	524
परिशिष्ट-ख : संस्थानों के अध्यक्ष / निदेशक	525
परिशिष्ट-ग : विश्वविद्यालय के पदाधिकारी	529
परिशिष्ट-घ : शैक्षिक कर्मचारी	532

परिशिष्ट-ड : संसद (कोर्ट) के सदस्य	554
परिशिष्ट-च : कर्म-समिति के सदस्य	563
परिशिष्ट-छ : नई नियुक्तियां	566
संपादकीय समिति	567

अध्याय - 1

ब्रह्मचर्याश्रम से विश्वभारती तक : एक छोटे से विद्यालय का एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शिक्षा-केंद्र में रूपांतरित होने का इतिहास

विश्वभारती जो एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजयी कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर के ऐसे संस्थान के स्वप्न की परिणति का प्रतीक है जहाँ उपनिषद् के शिक्षानुसार (जो स्वतंत्र करता है वह शिक्षा है) समग्र शिक्षा उपलब्ध होगी, उसकी शुरुआत अत्यंत साधारण थी। सन् 1863 में श्री देवेन्द्रनाथ ठाकुर, कविगुरु के पिता एवं 19वीं शताब्दी बंगाल के पुनर्जागरण के अग्रदूत, ने बीरभूम जिला की शुष्क मिट्टी में 20 रुपए के पूर्व भूमि दर पर 20 बीघा जमीन का उपयोगकर्ता अधिकार प्राप्त किया एवं वहाँ शांतिनिकेतन आश्रम स्थापना की। सन् 1888 ई. में उन्होंने मनन-प्रार्थना के उद्देश्य से ट्रस्ट की एक दलील को कार्यरूप देकर इसे समर्पित किया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा के माध्यम, जिसे वह यांत्रिक, निष्प्राण व उत्साह विहीन मानते थे, के प्रतिकूल 23 दिसंबर, 1901 में स्वीकृत शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केवल 5 विद्यार्थियों को लेकर एक विद्यालय की स्थापना की। जनवरी, 1924 के विश्वभारती बुलेटिन के अनुसार :

“...सीमित संख्यक बच्चों के लिए शिक्षा जीवन से कटकर नहीं होगी, जहाँ विद्यार्थी एक बड़े परिवार के सदस्य बनेंगे तथा संस्थान के सभी कार्यों को अपना मानेंगे एवं जहाँ यह सभी आजाद, आपसी विश्वास व खुशी के माहौल में रहेंगे तथा बढ़ेंगे।”

ब्रिटिश राज को बेजोड़ बनाने के लिए ब्रिटिश नेतृत्व द्वारा संवेदन-शून्य क्लर्कों को तैयार करने के लिए बनाई गई शिक्षा व्यवस्था के सचेत प्रत्याख्यान के फलस्वरूप रवीन्द्रनाथ ने एक नई शिक्षा व्यवस्था प्रारंभ की जहाँ कक्षाएँ खुली हवा में होती थीं, जहाँ मानव और प्रकृति एक सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित कर पाते हैं। 20 वर्ष बाद पैट्रिक गिड्डीज को एक पत्र में वह लिखते हैं :

“मैंने केवल एक सरल विचार के साथ प्रारंभ किया था कि शिक्षा को कभी भी जीवन से अलग नहीं किया जाना चाहिए।”

रवीन्द्रनाथ ने ‘सम्पूर्ण’ मानव को पोषण करने वाली समग्र शिक्षा की संकल्पना को हमारे प्राचीन भारतीय उपनिषद् के ग्रंथों से आत्मसात किया था जिसमें सांसारिक समृद्धि के बंधनों से आत्मा की मुक्ति के संबंध में लिखा हुआ है। उनके साधन सीमित थे परंतु उनके आदर्श अडिग। सन् 1917 तक एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की अवधारणा धीरे-धीरे आकार

Chapter-1

लेने लगी थी। यह केंद्र 'विभिन्न संस्कृतियों के समन्वित अध्ययन के लिए' बनाया जाएगा। 23 दिसंबर, 1918 को कवि-शिक्षक द्वारा विश्वभारती का शिलान्यास किया गया था। अपने संक्षिप्त व्याख्यान में उन्होंने इस संस्थान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए कहा था :

“एक विश्वविद्यालय का प्राथमिक लक्ष्य रचनात्मक कार्यों में योगदान करना और ज्ञान प्रदान करना है। मानव को एकत्र करना चाहिए और उन्हें न केवल बौद्धिक अन्वेषण बल्कि महत्वपूर्ण रचना के लिए भी पूर्ण अवसर मिलना चाहिए तथा शिक्षण में इस वसंतमय, सरल व अपरिहार्य संस्कृति का अतिप्रवाह होना चाहिए।”

विश्वभारती का पंजीकरण 16 मई, 1922 में हुआ था। विश्वभारती में विश्व की सभी जगहों से विद्वान आने लगे जिससे यह सही अर्थों में वैश्विक संस्कृति एवं शिक्षा का केंद्र बन गया।

सन् 1924 में ब्रह्मचर्य विद्यालय को विश्वभारती पूर्व विभाग का नाम दिया गया और आगे चलकर सन् 1925 में यह विश्वभारती का पाठ भवन बन गया।

सन् 1921 में उन्नत अध्ययन विभाग की स्थापना की गई थी जिसका सन् 1926 में नाम बदलकर विद्या भवन रखा गया।

सन् 1919 से संगीत एवं कला का शिक्षण कला भवन में होता था जिसको सन् 1933 में दो शाखाओं में बांट दिया गया- कला तथा संगीत भवन।

रवीन्द्रनाथ अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान शिलाइदह और शहजादपुर में रहते समय गरीबी और अज्ञानता में डूबे हुए गाँव के जीवन की व्यथा-वेदना को समझ पाए थे। इस वेदनादायक स्थिति का अंत करने के लिए रवीन्द्रनाथ ने व्यावसायिक प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रारंभ किया ताकि गाँव के लोग आत्मनिर्भर बन सकें। इसी उद्देश्य से 6 फरवरी, 1922 में सुरुल में लेनार्ड एल्महर्स्ट के प्रेरणादायक नेतृत्व से विश्वभारती कृषि एवं ग्राम पुनर्निर्माण विभाग प्रारंभ किया गया। आगे चलकर यह श्रीनिकेतन के नाम से जाना गया। इस संस्थान की स्थापना में निहित आदर्श गाँव के जीवन को संपूर्णता प्रदान करना तथा यहाँ के लोगों को उनकी सहजप्रवृत्ति के संबंध में जागरूक करवाना था। सन् 1924 में 'शिक्षा-सत्र' नाम से एक और विद्यालय स्थापित किया गया था जो 1927 में श्रीनिकेतन में सम्मिलित कर लिया गया।

14 अप्रैल, 1937 को गुरुदेव द्वारा चीना भवन का अनुसंधान विभाग के रूप में भारत और चीन के पुराने सांस्कृतिक संबंधों को बुलंद करने के उद्देश्य से उद्घाटन किया गया था। प्रोफेसर तान यू-शान के अथक उत्साह और प्रयास से विश्वभारती के माध्यम से चीन-भारतीय

सांस्कृतिक संगति के लिए संभावना का एक नया द्वार खुल गया। सन् 1994 में निप्पोन भवन की स्थापना से जापानी भाषा तथा संस्कृति के उन्नत अध्ययन को एक नई दिशा मिली। हिंदी भवन का शिलान्यास सी.एफ. एंड्रुज एवं क्षितिमोहन सेन द्वारा किया गया था तथा पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी जी के अथक प्रयास के कारण 31 जनवरी, 1939 को हिंदी भवन का निर्माण संपूर्ण हो पाया।

मई, 1951 में विश्वभारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और इसे 'राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान' माना गया।

इस प्रकार जो केवल एक विद्यालय के रूप में शुरू हुआ था, आर्थिक, प्रशासनिक व अन्य अनेक प्रकार की बाधाओं को पार कर एक लंबी राह तय करने के बाद आज विविध व्यावसायों व विषयों से परिपूर्ण एक आधुनिक विश्वविद्यालय में परिणत हुआ है जहाँ उत्कृष्टता, जीवंतता व प्रयोगात्मकता को निरंतर विकसित किया गया है। शांतिनिकेतन अर्थात् शांति का निवास तथा श्रीनिकेतन अर्थात् श्री का निवास - यही दो मिलकर विश्वभारती को स्वर्गीय सौंदर्य, शांति एवं शैक्षणिक जीवंतता पूर्ण बनाते हैं।

वर्तमान संस्थागत संरचना

संविधान के अधिनियम, 1951 के अनुसार विश्वभारती के परिदर्शक भारत के राष्ट्रपति हैं एवं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल यहाँ के प्रधानाचार्य हैं। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य एवं उपाचार्य को नियुक्त करते हैं। संसद द्वारा बनाया गया 1951 के अधिनियम का संशोधित संस्करण एवं विश्वभारती की नियमावलियाँ ही विश्वविद्यालय की शक्ति एवं कार्य का आधार हैं। विश्वविद्यालय के मुख्य निर्णायक मंडलियाँ हैं- संसद, कर्मसमिति, शिक्षा समिति, अर्थ समिति तथा विभिन्न संस्थान के बोर्ड व पाठ समितियाँ।

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित संस्थान हैं :

शांतिनिकेतन में

भाषा भवन (भाषा, साहित्य तथा संस्कृति संस्थान)

विद्या भवन (सामाजिक विज्ञान संस्थान)

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान)

कला भवन (ललित कला संस्थान)

Chapter-1

संगीत भवन (संगीत, नृत्य व नाटक संस्थान)

विनय भवन (शिक्षा संस्थान)

रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, संग्रहालय तथा अभिलेखागार संस्थान)

पाठ भवन (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

श्रीनिकेतन में

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संस्थान)

शिक्षा सत्र (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

कोलकाता में

ग्रंथन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अलावा, विश्वभारती कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र के कार्यों (विश्वभारती के साथ समन्वित कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक अनुसंधान केंद्र) एवं कंप्यूटर केंद्र, जो अपने शैक्षिक कार्यों के साथ ही शैक्षिक एवं प्रशासनिक विभागों के लिए भी सेवा केंद्र का कार्य करता है, के कार्य-कलापों का भी मार्गदर्शन करती है।

सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियाँ

मानविकी, भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान कार्यों तथा कमजोर वर्गों के आवश्यकता-उन्मुख विस्तार कार्यों की उन्नति के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

उपरोक्त के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों की संक्षिप्त समीक्षा नीचे दी गई है:

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) द्वारा कवर किए गए अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में पौधे और शाकनाशी, फसल-पोषण, वानिकी, मछली पालन, परमाणु अनुसंधान, कृषि उत्पादन और मत्स्य पालन से संबंधित पर्यावरण प्रदूषण और औद्योगिक प्रदूषण, पौधों का टीकाकरण और कुछ महामारी की पहचान शामिल हैं। प्राणिविज्ञान विभाग को शिक्षण और अनुसंधान के दो प्रमुख क्षेत्रों अर्थात् मछली जीव विज्ञान और पर्यावरण जीव विज्ञान के साथ यू.जी.सी. द्वारा विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत विशेष सहायता विभाग के रूप में पहचाना गया है। कृषि-आर्थिक

अनुसंधान केंद्र ने (क) बिहार में कृषि विकास में गैर-सरकारी एजेंसियों की भूमिका, (ख) प्रसंस्करण और इनपुट आपूर्ति से संबंधित कृषि वस्तुओं के विपणन, (ग) कृषि और ग्रामीण विकास में विकेंद्रीकृत योजना, (घ) कृषि विकास पर सब्सिडी का प्रभाव, (ङ) सीमांत और छोटे खेतों की आर्थिक व्यवहार्यता और (च) प्रगति और इनपुट आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि विपणन (पश्चिम बंगाल) से संबंधित अनुसंधान कार्य शुरू किया।

पल्ली संगठन विभाग ने शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन के आस-पास के गाँवों में कार्यन्मुख कार्यक्रमों से आत्म-सहायता एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से गाँव के जीवन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है जैसे ब्रती बालक व युवा संगठनों द्वारा किए गए कार्यक्रम, ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों में शिल्प व प्रशिक्षण आदि।

पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण अध्ययन केन्द्र) ने 'ऑपरेशन वर्ग', आई सी ए आर के तहत कृषि उत्पादन एवं कृषि विपणन, आदिवासी समुदायों विशेषकर संथाल समुदाय के भाषायी भ्रष्टाचार व संस्कृति भ्रम के अध्ययन से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी-विरोधी कार्यक्रमों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

पल्ली शिक्षा भवन ने जिन परियोजनाओं की शुरुआत की है, वे हैं- (i) आई सी ए आर एवं यू एस डी ए के तहत खरपतवार नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान (ii) चावल के खरपतवार नियंत्रण पर नोसिल अनुसंधान परियोजना (iii) तेल-बीज अनुसंधान योजना (iv) विभिन्न फसलों पर नीम के अर्क का प्रभाव (v) प्रकृति पर ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण तथा एन आर ओ ई आर की अगुआई में कचरों की संचलना तता उसका इसका उपयोग। (vi) फसलों की वृद्धि पर सिंचाई एवं नाइट्रोजेन का प्रभाव, विश्वभारती के प्रायोजन से बड़े पैमाने पर जूट, गन्ना, सरसों की खेती की शुरुआत कर कृषि पूंजी के विकास हेतु कृषि अर्थव्यवस्था। इसके अलावा, पादप संरक्षण विभाग ने सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाएँ भी लीं (i) एकीकृत हारिकारक कीट प्रबंधन (ii) फसल कटाई के पश्चात पैथोलॉजी (iii) नेमोटेड पारिस्थितिक आदि जैसी सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाओं को शुरू किया है। राज्य सरकार के सहयोग से एक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है ताकि चावल की फसल के उत्पादन के संबंध में बाढ़ की मिट्टी में उपलब्ध मृदा फॉस्फोरस व पोटेशियम के आकलन हेतु कुशल मृदा परीक्षण पद्धतियों को विकसित किया जा सके।

Chapter-1

सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्र अध्ययन संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया है जैसे - (i) बीच में विद्यालय छोड़ देने वालों को दोबारा विद्यालय में शामिल करना (ii) स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करना (iii) सहकारी बैंकों द्वारा कृषि और उद्योग में निवेश (iv) सामाजिक रूप से संकट में परिवार (v) ग्रामीण आबादी के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्वरोजगार तथा शारीरिक विकलांगों के लिए विशेष परियोजनाएँ। इस विभाग ने आस-पास के गाँवों में अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से एक समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम भी प्रारंभ किया।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान ने दर्शन शास्त्र, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, बंगला, संस्कृत, पाली व प्राकृत, फारसी, उर्दू, हिंदी, संथाली, उड़िया, तमिल, मराठी, तिब्बती, चीनी, जापानी, रूसी, जैसी भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुसंधान कार्यक्रम प्रारंभ किया है। चीनी भाषा और संस्कृति एवं इंडो-तिब्बती अध्ययन के विभागों में बौद्ध साहित्य और धर्म पर विशेष अध्ययन किए जा रहे हैं। उनके पास प्राचीन पांडुलिपियों का एक समृद्ध भंडार है। उड़िया भाषा के विभाग ने ओड़िशा की लोकभाषाओं पर विशेष अध्ययन शुरू किया है। निप्पन भवन अर्थात् जापानी अध्ययन एवं संस्कृति केंद्र को भारत और जापान के बीच विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ओर जापान की वित्तीय सहायता से पुनः उन्मुख किया गया है।

इसके अलावे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय संहति केंद्र माध्यमिक एवं उच्च-माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को पाठ्यक्रम के रूप में लाने हेतु पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशालाओं व संगोष्ठियों का आयोजन करता है।

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तरों पर कम्प्यूटर विज्ञान के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा भी आगे की पीढ़ियों में कम्प्यूटर संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु यहाँ एक विशिष्ट कम्प्यूटर केंद्र है जहाँ नियमित रूप से विश्वभारती के शैक्षिक व प्रशासनिक समुदाय को प्रशिक्षण तथा अभिकलन सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, कला भवन, गणित, पल्ली शिक्षा भवन, भौतिक विज्ञान, रवीन्द्र भवन, प्राणी विज्ञान तथा कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र जैसे विभागों में अभिकलन सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों की उन विस्तार गतिविधियों का उल्लेख करना भी उचित होगा जिनका एक विशेष और सामाजिक-आर्थिक महत्व है। यह एनसीसी, एनएसएस, शारीरिक शिक्षा, कार्यों एवं

त्योहारों के नियमित कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किए जाने थे जिनमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों, मूलतः जहाँ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं, में शैक्षिक भ्रमण किया जाता था ताकि वहाँ के लोगों के साथ बातचीत हो सके। इन विस्तार गतिविधियों की मुख्य विशेषताएँ हैं - समाज सेवा, पर्यावरण सुरक्षा, अशिक्षा उन्मूलन, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तथा मादक पदार्थों की लत के खिलाफ अभियान।

उपर्युक्त तथ्यों से विश्वविद्यालय द्वारा अपने संस्थापक रवीन्द्रनाथ टैगोर, जो सामाजिक रूप से सामाजिक प्रासंगिक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में सामाजिक उत्थान के लिए सर्वथा तत्पर रहे हैं, के सपनों के अनुरूप सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का एक व्यापक दृष्टिकोण मिलता है।

उत्सव एवं त्योहार

विश्वभारती के कार्यक्रम एवं उत्सव अनुपम हैं, जिन्होंने इसके सदस्यों की जीवन शैली को प्रभावित किया है। ऐसे अवसरों पर विश्वविद्यालय का समस्त जन समुदाय एक स्थान पर होकर प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद लेते हुए पूर्णतया आश्रम-जीवन का अनुभव करता है तथा मंदिर, छातिमतला एवं आमकुंज वैदिक मंत्रोच्चार एवं रवीन्द्र-संगीत से गुंजायमान हो उठते हैं।

शान्तिनिकेतन कर्ममंडली ने 2022-2023 की अवधि में विश्वविद्यालय के निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं उत्सवों का आयोजन किया :

01. 01. 30 चैत्र, 1428 (15 अप्रैल 2022) को समाप्त होने वाले बंगाली वर्ष के अवसर पर वर्ष-शेष
02. नव-वर्ष 01 बैशाख, 1429 (16 अप्रैल, 2022), 16 अप्रैल, 2022 को शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम।
03. 30 मई 2022 की शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम
04. रक्तदान जागरूकता शिविर 14-06-2022 एवं रक्तदान शिविर 17 जून 2022
05. 29 जुलाई 2023 को पद्मश्री डॉ. सुशोभन बनर्जी के निधन पर विशेष उपासना।
06. गुरुदेव की पुण्य तिथि 22 श्रावण, 1429 (7 अगस्त, 2022) को गुरुदेव स्मरण, और बृक्ष रोपण मनाई गई।

Chapter-1

07. हलकर्षण उत्सव, 9 अगस्त, 2021 (श्रावण 23, 1428 बंगाब्द) इस अवसर पर श्रीनिकेतन में मनाया गया।
08. 23श्रावण, 1429 (8 अगस्त,2022) से 30श्रावण, 1429(16 अगस्त,2022) तक रवीन्द्र सप्ताह मनाया गया, 15 अगस्त, 2022 को छातीमतला में आलोकसज्जा का उत्सव मनाया गया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के विभिन्न पहलुओं पर श्रीनिकेतन और शांतिनिकेतन में कई व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए।
17 अगस्त 2022 शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम (वर्षामंगल)
09. 7 कार्तिक, 1429 (24 अक्टूबर, 2022) दीपावली की पूर्व संध्या पर आलोकसज्जा, उदयन बारी और छातीमतला
10. अग्रहायण, 1429 (26 नवंबर, 2022) को 'संविधान दिवस' मनाया गया
11. 18 दिसंबर, 2022 को महर्षि देबेन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर विशेष प्रार्थना
12. पौह उत्सव 06 पौष से 09 पौष, 1429 (22 दिसंबर, 2022 से 25 दिसंबर, 2022) के दौरान छातीमतला में मनाया गया, जो विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और अन्य मनोरंजन के साथ चार दिवसीय उत्सव की शुरुआत थी, जिसे व्यापक रूप से पौष मेला के रूप में जाना जाता है।
13. 25 दिसंबर, 2022 को उपासना-गृह में "स्त्रीस्तोत्सव" के लिए विशेष प्रार्थना
14. 12 जनवरी, 2023 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विशेष प्रार्थना एवं सांस्कृतिक संध्या।
15. महर्षि स्मरण, महर्षि देवेन्द्र नाथ टैगोर की पुण्य तिथि 06 माघ, 1429 (21 जनवरी, 2023) को मनाई गई।
16. 23 जनवरी, 2023 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के लिए विशेष प्रार्थना
17. 26 जनवरी, 2023 को माघ उत्सव के लिए विशेष प्रार्थना (11 माघ, 1429)
18. 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस का जश्न (11 माघ, 1429)
19. श्रीनिकेतन का वार्षिकोत्सव 06 फरवरी 2023 से मनाया गया।
20. 16 फरवरी, 2023 और 18 फरवरी, 2023 को भारत-तीर्थ, शांतिनिकेतन में संगीतमय शाम

21. 23 फरवरी 2023 को लिपिका ऑडिटोरियम में नृत्य नाटिका कार्यक्रम आयोजित हुआ।
22. बसंत-वंदना 02 मार्च, 2023, 03 मार्च, 2023 को मनाई गई
23. 07 मार्च, 2023 को गौर-प्रांगन में श्री पूर्ण चंद्र दास द्वारा बाउल गीत।
24. गांधी पुण्याह 10 मार्च, 2023 को मनाया गया।
25. 13 मार्च 2023 को लिपिका ऑडिटोरियम में नृत्य-नाटक कार्यक्रम आयोजित।
26. 30 मार्च 2023 को रामकिंकर मंच, भारत-तीर्थ में लोक-गीत का आयोजन।

अन्य समारोह एवं त्यौहार:

15 अगस्त 2022:	स्वाधीनता दिवस (स्वतंत्रता दिवस)
02 अक्टूबर 2022 :	गांधी जन्मजयंती
25 दिसंबर, 2022:	ख्रिष्टोत्सव
23 जनवरी, 2023:	नेताजी का जन्म दिवस
26 जनवरी 2023 :	गणतंत्र दिवस
12 फरवरी 2023:	दीनबंधुजन्मोत्सव
10 मार्च 2023 :	गांधी पुण्याह

वित्त

विश्वविद्यालय दिन-प्रतिदिन के व्यय के लिए लगभग पूरी तरह से यू.जी.सी. के अनुदान पर निर्भर है, जिसका एक बड़ा हिस्सा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को वेतन/पेंशन/ सेवानिवृत्ति लाभ आदि के रूप में होता है। यू.जी.सी. से प्राप्त रखरखाव अनुदान (2022-2023 के दौरान) रु. 33699.00 लाख आंतरिक उत्पादन के साथ वास्तविक व्यय रु.34388.29 की तुलना में 1183.35 लाख रुपये है।

संचितनिधि व्याख्यान :

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित संचितनिधि व्याख्यान आयोजित किए गए थे।

- क) महर्षि देवेन्द्रनाथ स्मारक व्याख्यान।
- ख) प्रोफेसर असिन दास गुप्ता स्मारक व्याख्यान।

Chapter-1

- ग) हजारि प्रसाद द्विवेदी स्मारक व्याख्यान।
घ) डा. देवकीनन्दन श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान।
ङ) पीयूष कुमार मुखोपाध्याय स्मारक व्याख्यान।
च) प्रोफेसर अशोक रुद्र स्मारक व्याख्यान।
छ) डा. शिवानी शंकर चक्रवर्ती स्मारक व्याख्यान।
ज) सुश्री करवी मुखर्जी स्मारक व्याख्यान।
झ) विनोद बिहारी मुखर्जी आर्काइव वं रिसर्च केंद्र स्मारक व्याख्यान।

शैक्षणिक कर्मचारियों की स्थिति 31.03.2023 तक

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	सहायक अध्यापक
पुरुष	108	71	186	53
महिला	15	15	74	39

प्रशासनिक कर्मचारी संरचना:

श्रेणी	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		दिव्यांग	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
क	32	1	10	0	3	0	0	1	0	0	0	0
ख	102	20	24	9	10	5	10	0	0	0	1	0
ग	138	21	64	14	15	4	23	2	0	0	2	0

31.03.2023 तक छात्र संरचना

प्रवेशित छात्र: यूजी-1185, पीजी-1638

पीएच.डी.-147, डिप्लोमा-72, सर्टिफिकेट-184

पाठ-भवन के छात्र (कुल): 1167

शिक्षा-सत्र के छात्र (कुल): 1041

अध्याय – द्वितीय

भाषा भवन (भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान)

भाषा भवन, भाषा, साहित्य और संस्कृति संस्थान में दस प्रमुख भाषा और साहित्य विभाग, दो केंद्र और तीन भाषा इकाइयाँ शामिल हैं, इसे फरवरी 2010 में पूर्ववर्ती विद्या भवन से अलग कर बनाया गया और इसे अपनी एक पहचान दी गई, इसके कार्यालय और कुछ प्रमुख विभागों को 2014 में पूर्वापल्ली में नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि कुछ विभागों ने अपने पुराने परिसर को बरकरार रखा,

भाषा भवन के घटक विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल. प्रदान करते हैं, और पीएच.डी. पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र के साथ, भाषा और साहित्य में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, विदेशी छात्रों के लिए भी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन भवन), भारत में चीनी अध्ययन का सबसे पुराना संस्थान, और जापानी (निप्पॉन भवन) ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सार्थक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा दिया है, भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा ओडिया विभाग को 'उत्कृष्टता केंद्र' घोषित किया गया था, जनजातीय मामलों से संबंधित ओडिया विभाग के तहत एक पुस्तकालय और एक संग्रहालय स्थापित किया गया है।

महामारी की स्थिति के कारण भाषा भवन के तहत प्रत्येक घटक विभाग ने ऑनलाइन मोड में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अपने स्वयं के सेमिनार/सम्मेलन और विशेष व्याख्यान आयोजित किए हैं, भाषा भवन के अंतर्गत विभिन्न विभागों के छात्रों ने पूरे वर्ष कई पाठ्येतर गतिविधियों में भी भाग लिया, भाषा भवन की विशिष्टता भारतीय और विदेशी भाषाओं/साहित्यों/संस्कृतियों के संगम केंद्र के रूप में सेवा करने में निहित है, पूर्व और पश्चिम के सर्वोत्तम सांस्कृतिक पहलुओं के लिए मेल्टिंग पॉट के रूप में कार्य करते हुए, भाषा भवन संस्था के आदर्श वाक्य, "जहां पूरी दुनिया एक ही घोंसले में मिलती है" को प्रदर्शित करता है, जिससे संस्थापक रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों को कायम रखा जाता है।

बांग्ला विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

यूजीसी-नेट: 2

1. अन्वेषा मंडल
2. सायंतनी बनर्जी (जेआरएफ)

डब्ल्यूबीसीएससी-सेट: 6

1. सायंतनी बनर्जी
2. अन्वेषा मंडल
3. संगीता बिश्वास
4. चैताली घोष
5. कमल हुसैन
6. दीपकुमार रॉय

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

- 28.11.2022. शक्तिसाधन मुखोपाध्याय ने रथींद्रनाथ टैगोर मेमोरियल व्याख्यान दिया,
- 01.12.2022. बांग्ला विभाग ने ताराशंकर बंद्योपाध्याय पर शोध करने वाले विद्वानों के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया, प्रसिद्ध लेखक रामकुमार मुखोपाध्याय और प्रसिद्ध निबंधकार रुशोति सेन ने ताराशंकर की साहित्यिक प्रतिष्ठा पर अपना व्याख्यान दिया,

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

मृणाल कांति मंडल

- 27.02.2023. रवीन्द्र अध्ययन केंद्र, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में "रवीन्द्र ओन्यासे प्रोकोरोंगोटो पोरिक्खा-निरिक्खा" पर एक विशेष व्याख्यान (ऑनलाइन मोड) दिया,
- 28.02.2023. रवीन्द्र अध्ययन केंद्र, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में "रवीन्द्र गोलपे प्रोकोरोंगोटो पोरिक्खा-निरिक्खा" पर एक विशेष व्याख्यान (ऑनलाइन मोड) दिया,

सुदीप बसु

- 02.06.2022. बांग्ला विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखंड द्वारा आयोजित "गोएंदर बौ: उपन्यासे उपेक्षिता" विषय पर व्याख्यान दिया,
- 10.12.2022. बांग्ला विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखंड द्वारा आयोजित "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर " बांग्ला सामायिक पत्रे बंगवंगा आंदोलन" पर व्याख्यान दिया

अपर्णा रॉय

- 10.12.2022. विश्वभारती द्वारा आयोजित "ठाकुर बाड़ीर नारि शिक्षार प्रथमिक पर्वो" पर महर्षि देबेंद्रनाथ स्मारक बक्तृता दी ,

- 25.03.2023. सेरामपुर कॉलेज द्वारा आयोजित "यूनीश शतोकर मेयरा" पर एक विशेष व्याख्यान दिया

अभ्र बोस

- 07.05.2022. उलूबेरिया कॉलेज के बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित 'रवीन्द्रनाथ कबिता पथर भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया,
- 23.09.2022. कोलकाता में साधारण ब्रह्मसमाज द्वारा आयोजित आनंदमोहन बोस की 175^{वीं} जयंती पर व्याख्यान दिया ,
- 27.11.2022. रवीन्द्र भारती सोसायटी में 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर' पर व्याख्यान दिया।
- 21.12.2022. बर्दवान विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग में 'बंगदर्शन पत्रिकार दुशो बछर पर' व्याख्यान दिया,
- 13.02.2023. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के रवीन्द्रसंगीत विभाग द्वारा 'रवीन्द्रनाथ आनंदगान' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया

मानवेन्द्रनाथ साहा

- 15.09.2022. बंगाली विभाग, सूरी विद्यासागर कॉलेज, बीरभूम द्वारा आयोजित, तरुण मजूमदार की फिल्म पर प्रोफेसर देबरंजन मुखर्जी मेमोरियल व्याख्यान दिया,
- 11.01.2023. सीजेएमसी, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स' पर व्याख्यान दिया
- 27.02.2023. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में 'नई शिक्षा नीति' पर व्याख्यान दिया

मानवेन्द्र मुखोपाध्याय

- 18.05.2022. 'जिबोनेर पाठ्यक्रमे रवीन्द्रनाथ' शीर्षक से एक विशेष व्याख्यान दिया, महाराजाधिराज उदय चंद महिला कॉलेज, बर्दवान, पूर्व बर्धमान द्वारा आयोजित,
- 18.05.2022. विश्व-भारती द्वारा आयोजित विश्व-भारती में नए पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण के लिए एक कार्यशाला में 'विश्व-भारती - अद्वितीय संकेतों के साथ संस्कृति का एक स्थान' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया,
- 23.09.2022. कोलकाता में साधारण ब्रह्मसमाज द्वारा आयोजित आनंदमोहन बोस की 175^{वीं} जयंती पर व्याख्यान दिया , प्रस्तुति का शीर्षक: 'साधारण ब्रह्मसमाज—यह आदि के पास वापस क्यों नहीं आया?'
- 12.11.2022. रामकृष्ण मिशन शिक्षणमंदिर, बेलुड़ा, हावड़ा द्वारा रूस 2.0 घटक 8 अनुदान (एमओई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) के तहत स्कूल शिक्षकों के लिए एक सेवाकालीन प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया, प्रस्तुति का शीर्षक: 'गांधीवाद: सत्याग्रह और अहिंसा'.
- 16.11.2022. कटवा कॉलेज, पूर्व बर्धमान द्वारा राममोहन राय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर एक पेपर प्रस्तुत किया, प्रस्तुति का शीर्षक: ' राममोहन विद्यासागर ओ तादेर चिंताकथामोगता किच्छु प्रसंग' , एक सत्र की अध्यक्षता भी की.
- 07.12.2022. बिजॉयकृष्ण गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता के बंगाली विभाग और आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक विस्तार व्याख्यान दिया, प्रस्तुति का शीर्षक: 'रवीन्द्रनाथ: आमादेर परिग्रहनेर समस्या ओ संभावना'.

अतनु ससमल

अध्याय-2

- 19.07.2022. विश्वभारती के उड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग द्वारा आयोजित 'स्पेक्टेटर ऑफ कोलकाता एट द डॉन ऑफ बंगाली नॉवेल' नामक सेमिनार में व्याख्यान दिया,
- 05.09.2022. शांतिनिकेतन, बोलपुर, पश्चिम बंगाल में 'स्रोत' (त्रिपुरा) द्वारा आयोजित 'बांग्ला भाषा संकट' नामक सेमिनार में 'उत्तर पूर्व भारतेर कथासाहित्ये देशभाग-उदबस्तु जंत्रोना एबोंग बोई उत्सव: 2022' पर व्याख्यान दिया,
- 20.11.2022. निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, रानीगंज शाखा, पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'पारिवारिक स्मृतिलिपि पुस्तक ओ रवीन्द्रनाथ बिषये' नामक सेमिनार में '35^{वें} वार्षिक सम्मेलन ओ सम्मेलनेर शतवर्ष पूर्ति' पर व्याख्यान दिया

रीता मोदक

- 02.06.2022. सूर्य सेन महाविद्यालय के बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर व्याख्यान दिया,
- 02.03.2023. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा 'रवीन्द्रनाथ शिक्षा दर्शन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान दिया

श्रीला बोस

- 22.06.2022. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (ऑनलाइन मोड) की एक इकाई कार्का में 'बिष्णुपुर में गौड़ीय वैष्णववाद और शाही संरक्षण: ग्रंथ और मंदिर' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया,
- 12.08.2022. 'राजाओं से आम लोगों तक;' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, कलानिधि सांस्कृतिक अभिलेखागार, नई दिल्ली (ऑनलाइन मोड) में बंगाल टेराकोटा मंदिरों में संरक्षण की बदलती भूमिका,
- 06.01.2023. किशोर भारती भगिनी निबेदिता कॉलेज, कोलकाता में 'बांग्लार भक्ति आंदोलन ओ मंदिरों पर व्याख्यान' शीर्षक से व्याख्यान दिया

विश्वजीत रे

- 24.01.2023. एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल द्वारा "लोकगीत, फिल्म, रंगमंच: संबंध और प्रासंगिकता" विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'बांग्ला लोककथा निर्भर चलचित्र' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया.
- 24.01.2023. अलिया विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'भारतबोर्शेर हिंदू ओ मुसलमानों के योक्तोसाधना: फिरे देखा' नामक एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 25.02.2023. बीरभूम महाविद्यालय के सहयोग से ताराशंकर-स्मृति साहित्य समाज द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ताराशंकर ग्रामदर्शन' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 17.03.2023. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रवीन्द्रनाथ राष्ट्र ओ समाज' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

मिलनकांति विश्वास

- 25.03.2023. असमिया विभाग, उत्तरी लखीमपुर कॉलेज, असम और सेंट पॉल सीएम कॉलेज, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से 'भारतीय उपमहाद्वीप में भक्ति साहित्य' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय भक्ति आंदोलन पुराधा ब्यक्तिबर्ग: रबींद्रनाथ टैगोर' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

पायल मुखर्जी

- 30.06.2022. केडी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड जनरल स्टडीज, मिदनापुर द्वारा आयोजित 'उनीश शतकेर बांग्ला नाटक: ऐतिहासिक उपनिवेश' पर व्याख्यान दिया।
- 16.09.2022. ओडिया विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'उत्तर-उपनिवेश ओ बादल सरकार-एर थर्ड थिएटर' पर आमंत्रित व्याख्यान।

नीलरतन सरकार

- 27.02.2023. राजकीय महाविद्यालय में 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में "बांग्ला: लेखार भाषा, मुखेर भाषा" पर व्याख्यान दिया, शासकीय जनरल डिग्री कॉलेज, नाकाशीपारा, नदिया
- 17.02.2023. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'रवीन्द्रनाथ: कवि-कर्मि-सम्पादक' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया, प्रस्तुति का शीर्षक: "रवीन्द्रनाथ सम्पादितो दुइ अप्रकाशितो संकलन"
- 24.03.2023. तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के 'बांग्ला भाषा तुलानमूलक साहित्य चर्चा' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला में "तुलानामूलक साहित्य चर्चा रवीन्द्रनाथ ओ तार विश्वभारती" पर व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

मृणाल कांति मंडल

किताबों में लेख

- 'असमाप्त कथा: मास्टर मशायेर संगे', पशुपति शाशमल स्मारक ग्रंथ, अतनु शाशमल द्वारा संपादित, पीपी. 58-63 दोशोर प्रकाशन, 2022 आईएसबीएन: 978-81-953349-6-4, पीपी.58-63

अमल कुमार पाल

पुस्तकें

- आनंदबाजार: शांतिनिकेतन, बोईवाला बुक कैफे, सितंबर 2022, आईएसबीएन 978-93-94087-04-0

संपादित पुस्तकें

- नोटन नोटन पायरा: छोटोदेर चिरकालीन छड़ा, शांतिनिकेतन: बोईवाला बुक कैफे, फरवरी 2023, आईएसबीएन: 9789394 087507
- यूक्रेनेर उपकथा कोलकाता: लालमाटी प्रकाशन, फरवरी 2022, आईएसबीएन: 978-93-95097-50-5

किताबों में लेख

- 'पशुपतिदा', पशुपति शाशमल स्मारक ग्रंथ, दोसर प्रकाशन, जनवरी 2023 आईएसबीएन 978-81-953349-6-4

सुदीप बसु

संपादित पुस्तक:

- पश्चिम बंगाल (जिलावार) के स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और समर्पण पर निबंधों का एक संग्रह, "आजादी का अमृत महोत्सव", कोलकाता पुस्तक मेला 2023 के अवसर पर प्रकाशित, सुदीप बसु द्वारा संपादित, कोलकाता : दीया प्रकाशन, कोलकाता, आईएसबीएन: 978-93-92110-67-2.

पुस्तकों में लेख:

- नारीर क्षमातायन: एककालीन बिबेचनाय, समाज और साहित्य में महिला सशक्तिकरण पर आलोचनात्मक निबंधों का एक संग्रह, 'समाज और साहित्य में महिला सशक्तिकरण के बारे में पुनर्विचार' की अंतर्राष्ट्रीय कार्यवाही में प्रकाशित, पीपी. 193-198. पश्चिम बंगाल, भारत: नलक प्रकाशक, दिसंबर 2022 आईएसबीएन: 978-81-951412-7-2 (ई-पुस्तक)

पत्रिकाओं में लेख

- मधुसूदनर 'ब्रजंगना': समकाले एवं कालोत्तरे, माइकल मधुसूदन दत्त पर आलोचनात्मक निबंधों का एक संग्रह, कोरोक, जनवरी 2023, 123-137,

अपर्णा रॉय

किताबों में लेख

- 'परिचय', प्राचीन बंग साहित्य: कालिदास राय, कोलकाता: भराबी. जुलाई 2022. आईएसबीएन: 978-93-82653-15-8

मानवेन्द्रनाथ साहा

पुस्तकें

- लम्हा लम्हा, दीप्ति नवल, मानवेन्द्रनाथ साहा द्वारा बंगाली में अनुवादित, कोलकाता: सप्तर्षि. मई 2022. आईएसबीएन: 9789390830237s,
- कालेर भाषणे आधुनिक कोबिता, कोलकाता: एकुश शतक. फरवरी, 2023. आईएसबीएन: 978-93-93903-48-8.

संपादित पुस्तकें

- बिसन्ना अताताई: जीन ल्यूक गोडार्ड, पुस्तक मानवेन्द्रनाथ साहा द्वारा संपादित, कोलकाता: पलक. फरवरी 2023. आईएसबीएन: 978-93-94278-44-8

किताबों में लेख

- 'भाष्कर चक्रवर्तिर कोबिता', पशुपति शासमल स्मारक ग्रंथ, संस्करण, अतनु ससमल द्वारा, कोलकाता: दोसर. जनवरी 2023. आईएसबीएन: 978-81-953349-6-4.

पत्रिकाओं में लेख

- 'बंगाली सिनेमा में पटकथा का विकास', यापनचित्रा, प्रबल कुमार बसु द्वारा संपादित, विशेष अंक, अप्रैल 2022, आईएसएसएन: 581-7043

- सत्यजीतेर चलोचित्रे नारिरा, सत्यजीत संदेश, शिबादित्य दासगुप्ता और अन्य द्वारा संपादित, सत्यजीत रे जन्मो शतवर्षो उद्घापन समिति, 2 मई 2022, कोलकाता

मानवेंद्र मुखोपाध्याय

पुस्तकें

- कोथाय आमार शेष , बोईवाला बुक कैफे संस्करण, शांतिनिकेतन: बोईवाला बुक कैफे, जनवरी 2023. आईएसबीएन: 978-93940-8736-1

संपादित पुस्तकें

- गुणमय मन्ना द्वारा बंगाली उपन्यासों का संग्रह: खंड 2 , कोलकाता: एबम् मुशायरा. जनवरी 2023. आईएसबीएन: 978-93-93516-16-9.
- साहित्येर रूप-रीति हे अनुशांगिक: कोलकाता: पश्चिम बंगाल राज्य पुस्तक बोर्ड, जनवरी 2023. आईएसबीएन: 978-81956-120-1-7.

किताबों में लेख

- ' राममोहन विद्यासागर ओ तादेर चिंताकथामोगता किछु प्रसंग', राममोहनेर बहुमात्रिकता (राजेश चंद्र मंडल द्वारा संपादित).पीपी. 261-268. कोलकाता: अक्षर प्रकाशनी. नवंबर 2022. आईएसबीएन: 978-93-83161-39-3
- 'प्राककथन दुई बांगलार संस्कृति: परबंतरेर कथा', दुई बांगलार संस्कृति: पर्वोत्तरेर कथा (जयंत गौड़ और राजश्री बसु द्वारा संपादित), पीपी.1-8. वर्धमान: भारत विद्या चर्चा केंद्र, मार्च 2023. आईएसबीएन: 978-81-956177-1-5.

पत्रिकाओं में लेख:

- 'मांगलिकता, नांदनिकता ओ आश्रमिक क्षितिमोहोन', दिवारात्रि काव्य, अप्रैल-जून 2022, (एड. अफीफ फुआद), पीपी.240-254, आईएसएसएन: 2229-5763.
- 'उपनिवेश ठेके सहनिबेश: एकति कल्पभाषण', स्वरांतर (संपादक द्विजेंद्र भौमिक), जुलाई-दिसंबर 2022 पृ.32-47. आईएसएसएन: 2395-0935
- 'शांतिनिकेतनेर वसंतोत्सव: इतिहास ओ अनुधाबन' , वीओए बांग्ला (ई-मैग: www.voabangla.com), यूएसए, 7 मार्च 2023.

अतनु ससमल

पुस्तकें

- पशुपति शाशमल स्मारक ग्रंथ, अतनु सासमल द्वारा संपादित, कोलकाता: दोशोर प्रकाशन, जनवरी 2023. आईएसबीएन: 978-81-953349-6-4.

किताबों में लेख

- पशुपति ससमलेर संक्षिप्त जीवनपंजी, पशुपति शाशमल स्मारक ग्रंथ अतनु शाशमल दोशोर प्रकाशन द्वारा संपादित, जनवरी 2023, आईएसबीएन: 978-81-953349-6-4.

रीता मोदक

अध्याय-2

किताबों में लेख

- 'रवीन्द्रनाथ ठाकुरेर शिक्षाचिंता: भावना-परिकल्पना-रूपायन', रवीन्द्र चिंता चर्चा, संपादित उत्पल मंडल-आशीष रॉय, बांग्ला विभाग, उत्तरबंग विश्व विद्यालय, 2 मार्च 2023.

श्रीला बोस

प्रकाशित पुस्तक (संपादित)

- आलो बसुर खाता, गांगचिल, आईएसबीएन 978-93-93569-79-0,

किताबों में लेख

- 'कोलकाता शिल्पे रागां- ब्यांगा ओ केच्छा कथा : कालीघटेर पॉट ओ ओन्यान्यो' बांग्ला साहित्य ओ संस्कृतिर रंगा ब्यांगा केच्छा में, पूजा कर्माकर सारदवत मन्ना और नुरुल मुर्तजा द्वारा संपादित, डेका प्रकाशन, सितंबर 2022. आईएसबीएन 978-93-94742-52-9.
- मेयेदेर मोनोलॉग संस्करण में 'माथाय मुकुट कोमोरे शिकोल', गार्गी रॉयचौधरी, कारीगर, जनवरी 2023, आईएसबीएन 978-93-93669-37-7

पत्रिकाओं में लेख

- 'परिचय ओ रवीन्द्रनाथ, परिचय' मार्च-जून 2022, सं. अभ्र घोष द्वारा, आईएसएसएन 2321-936एक्स
- 'भिन्नतर साहबस्थान: बांग्लाट मोंडीरी अंदर ओ बहिरे' विभाग पत्रिका , बांग्ला विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, ईडी, राजवेशर सिन्हा द्वारा.पृ. 190-200.

विश्वजीत रे

किताबों में लेख

- 'बांगलाय भद्रलोक-संगस्कृती ओ ब्रम्हा आनंदमोहन', आनंदमोहन बसु: जिवोन हे कर्म , अर्नब नाग (सं.).पृ.100-111.कोलकाता: साधरण ब्रम्हसमाज. सितंबर 2022, आईएसबीएन: 978-81-955774-1-5
- देबानांग प्रियो में 'शांतिनिकेतन पत्र/विश्व-भारतिर परिकल्पना प्रसंग' , इंद्रजीत चौधरी (सं.).पृ.33-54, कोलकाता: कारबाक. दिसंबर 2022, आईएसबीएन: 978-81-955889-2-3
- दर्पण में 'गोयेंदा जखोन कालिदास: सुकुमार सेनेर स्वदेशी गोयेंदा' , रनिता चटर्जी (सं.).पृ.86-105, कोलकाता: सृष्टिसुख जनवरी 2023, आईएसबीएन: 978-93-89953-93-0.
- 'नातुन कोरे गडयेर भासा तैरिर काज', सेमंती घोष (सं.) पृ. 44-46. आनंद पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जनवरी 2023, आईएसबीएन: 978-93-5425-322-5.
- 'फेलुदा लालमोहन द्वंद अहर्निश', अनुस्टुपेर सत्यजीत , चांडक सेनगुप्ता (सं.).पृ. 339-382. अनुस्तुप: कोलकाता, जनवरी 2023, आईएसबीएन: 978-93-93472-22-9
- 'रोमांस ओ उपन्यास/ कथा ओ आख्यायिका/ नक्षत्रधर्मी उपन्यास', साहित्यकार रूप-रीति ओ अनुसांगिक , मनबेद मुखोपाध्याय (सं.).पृ.114-119. पश्चिम बंगाल राज्य पुस्तक बोर्ड, कोलकाता, जनवरी 2023 आईएसबीएन: 978-81956-120-1-7
- 'अहिंसा का विचार: गांधी रवीन्द्रनाथ तुलना', द इन्कैंडेसेंट क्लासरूम, प्रणब कुमार मंडल-संखा घोष (सं.).पीपी.86-99. अंग्रेजी विभाग, आरकेएम आवासीय कॉलेज, नरेंद्रपुर, 2023

पत्रिकाओं में लेख

- 'इंगरेजपूर्व भारत बर्षेर रूप संबंधे सुभाष', जिज्ञासा , 2022-2023, आरएन 73148/80 पृष्ठ 99-108

- 'कालाहेर रसतत्व संबंधियो प्रस्तबना', सुभाश्री, 2022-2023, आईएसएसएन 2320-4141, पीपी.7-21
- 'नि-धातु निस्पन्नो शब्दो संबंधे किचु अगोचलो कथा', परिचय, 22 नवंबर - 23 फरवरी, आईएसएसएन नंबर 2321-936X, पीपी.1-10

मिलन कांति विश्वास

पुस्तकें

- रवीन्द्रनाथ ओ लोकसंस्कृति .कोलकाता: डेज पब्लिशिंग जनवरी 2023. आईएसबीएन 978-81-19033-08-9
- प्रबंधसंग्रह: लोकसंस्कृति, शांतिनिकेतन: बोईवाला बुक कैफे, जनवरी, 2023. आईएसबीएन 978-93-94087-51-4.

संपादित पुस्तकें

- मतीते जन्म निलाम, अब्दुल जब्बार, शांतिनिकेतन: बोईवाला बुक कैफे, जनवरी 2023, आईएसबीएन 978-93-94087-27-9

किताबों में लेख

- 'रक्तकरबी: लोकायोतो ऐतिह्येर आलोके, रक्तकरबी: बहुमातृक भबोनय' पुस्तकों में प्रकाशित, संस्करण, डॉ.तपन मंडल द्वारा. संपादित, पृ.265-280. कोलकाता: बंगीय साहित्य संसद. मई 2022. आईएसबीएन 978-93-90993-54-3,

पत्रिकाओं में लेख

- 'लोकसंस्कृतिर क्षेत्र समीक्षा : तत्त्व ओ पद्धति', लोकोजो संस्कृति, सौगत चट्टोपाध्याय द्वारा, खंड-3, 2022, 61-66.
- 'लोकसंस्कृति परिवेश भावना', अभिमुख, संस्करण, सौगत चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित, अंक-1, अप्रैल 2022, पीपी 70-78, आईएसएसएन-2349-4107.
- 'सुंदरबन अंचलेर लुप्तप्राय किछु लोकसंगीत', लोक-उत्सव, संस्करण, डॉ. परिमल बर्मण द्वारा संपादित, खंड, 2, अंक-1, पृ. 46-52. आईएसएसएन - 2321-7340, ई आईएसएसएन - 2583-360एक्स.

पायल मुखर्जी

पुस्तकें

- चरित्राभिधान, पायल मुखर्जी (सह-लेखक डॉ. पीसी दास) जनवरी, 2023, कोलकाता: कथा-ओ-कहानी, आईएसबीएन: 978-93-92328-20-6.

किताबों में लेख

- 'ओइतिहासिक नाटक, पौराणिक ओ भक्तिमूलक नाटक, सामाजिक नाटक और श्रुति नाटक ओ बेतार नाटक', साहित्ये रूप-रीति ओ आनुषंगिक में, मानबेंद्र मुखोपाध्याय (सं.) जनवरी, 2023.पृ.78-86, कोलकाता: पश्चिम बंगाल राज्य पुस्तक बोर्ड, आईएसबीएन 978-81956-120-1-7.

नीलरतन सरकार

पत्रिकाओं में लेख

- "विशेष संस्कार परिचय", परिचय, जून 2022.पृ. 86-105., आईएसएसएन 2321-936एक्स.

अध्याय-2

- "रामकृष्ण भट्टाचार्य 'विकल्प जीवनदर्शन' ओ तार नीति-दुर्नीति", परिचय, जनवरी 2023. पृष्ठ 211-24. आईएसएसएन 2321-936एक्स.
- "देश भागेर स्मृति ओ उत्तराधिकार", परिचय, जनवरी 2023. पृष्ठ 168-72. [आईएसएसएन 2321-936 एक्स.

विद्यार्थी सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में निम्नलिखित छात्रों ने ताराशंकर पर पेपर प्रस्तुत किया

- 01.12.2022. साबेरी मंडल, "ताराशंकर जलसाघर: गल्पो थेके चलचित्र"
- 01.12.2022. पिकी मंडल, "साहित्य थेके नाटक: ताराशंकर बंद्योपाध्याय"
- 01.12.2022. बिस्वजीत सरकार, "ताराशंकर बंद्योपाध्याय जलसाघर: सत्यजीत रायेर चलचित्र"
- 01.12.2022. राहुल घोष, "अतीतेर भाषा अर्थर खोंज, चरित्रर छंदो"
- 01.12.2022. ओइंद्रिला तिवारी, "हार्डी ताराशंकर हे जीवनानंद: अख्याने समाज बस्ताबता"
- 01.12.2022. बिपुल पाल, "ताराशंकर छोटी गल्पे लोकसंस्कृतिर उपादान"
- 01.12.2022. बादल पाल, "ताराशंकर उपन्यासे वास्तवता ओ मतादर्शर द्वंदो"
- 01.12.2022. शेली साहा, "श्रीकुमार बंद्योपाध्याय दृष्टि ताराशंकर उपन्यासे जीवन वास्तव"
- 01.12.2022. रोमियो सरकार, "देशज आख्यान रीति-आर अनुषंगे: कबि उपन्यास"
- 01.12.2022. गोपाल मुर्मू, "कालिंदी उपन्यासे संताल"

अन्य विभागीय गतिविधियाँ

- विभागीय साहित्यिक पत्रिका 'एषना' का प्रकाशन

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डीएसए या सीएसए आदि के रूप में मान्यता)

प्रोफेसर सुदीप बसु

- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के न्यासी बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित, भारत

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना

- इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल कक्षाएं आरंभ की गईं।

अंग्रेजी विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

कुल: 05

1. अर्घ्य दे. (गेट, मार्च 2023), पंजीकरण संख्या XH23S36508038
2. डेबाबर्निन भट्टाचार्य. (नेट, नवंबर 2022), रोल नंबर: WB10671340
3. मयूरी भक्त. (नेट, नवंबर 2022), रोल नंबर WB02670067,
4. स्वर्णेंद्र घोष (नेट, नवंबर, 2022), रोल नंबर: WB10670569
5. ऋतुपर्णा चक्रवर्ती. (नेट, नवंबर, 2022), रोल नंबर: WB01670141.

विभागीय संगोष्ठी वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक

विभाग द्वारा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों/संकाय द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन और मेजबानी

- 23.06.2022. "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और लिबरल आर्ट्स/लिबरल आर्ट्स विश्वविद्यालय", सैकत मजूमदार, अंग्रेजी और रचनात्मक लेखन के प्रोफेसर, अशोक विश्वविद्यालय, अनन्या दत्ता गुप्ता के साथ बातचीत
- 23.06.2022. "द क्राफ्ट ऑफ राइटिंग: ए क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप" में अशोका यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी और क्रिएटिव राइटिंग के प्रोफेसर सैकत मजूमदार, रिसोर्स पर्सन/फैसिलिटेटर/विशेषज्ञ के रूप में शामिल हैं,
- 09.01.2023. "पाठ के रूप में लोग, स्थान और प्रथाएँ: सुंदरबन के बोनोबीबी के विकसित मिथक के साथ मेरी नृजातीय संपादित, "डॉ. पॉलोमी दास, लेखन, उदार कला और मानविकी के सहायक प्रोफेसर, ज़िंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हरियाणा द्वारा एक आमंत्रित विशेष व्याख्यान,
- 20.01.2023. "नाम में क्या रखा है? राम-लीला का नामांतरण, भंशाली ने रोमियो और जूलियट पर प्रतिबंध लगा दिया, "डॉ. थिया बकले, रिसर्च फेलो, क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफ़ास्ट, यूनाइटेड किंगडम द्वारा एक आमंत्रित विशेष व्याख्यान (ऑनलाइन),

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

कुल संख्या: 31

अमृत सेन

- 05.05.2022. आईसीसीआर के सहयोग से सर्वेड्स इंस्टीट्यूट, मैड्रिड द्वारा "जुआन रेमन जिमेनेज और ज़ेनोबिया पर टैगोर का प्रभाव" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन में "टैगोर और जिमेनेज" शीर्षक से एक पूर्ण भाषण दिया।
- 07.05.2022. आईसीसीआर के सहयोग से स्पेन के वलाडोलिड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "टैगोर एक शिक्षक के रूप में" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टैगोर और उनके प्राइमर्स" शीर्षक से एक पूर्ण भाषण दिया।

अध्याय-2

- 23.06.2022. में "ज्ञानोदय का सौंदर्यशास्त्र" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया भाषा, साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा "सौंदर्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- 23.07.2022. आईस्पेल, कोलकाता फोरम द्वारा आयोजित "हैरी पॉटर में वे अक्षम्य अभिशाप" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 13.09.2022. गोखले कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "2022 में आधुनिकतावादी सौंदर्यशास्त्र का पुनरावलोकन" नामक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ग्वेर्निका और आधुनिकतावादी सौंदर्यशास्त्र" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 05.09.2022 - 17.09.2022, एचआरडीसी, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी में समकालीन लेखन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "द फिक्शन ऑफ अब्दुलरजाक गुरनाह" पर एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।
- 27.09.2022 - 29.09.2022. भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर कोलकाता द्वारा आयोजित "बंकिमचंद्र और भारतीय राष्ट्रवाद" राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बंकिमचंद्र और मुचिराम गुरुर आत्मचरित" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- रामकृष्ण मिशन शिक्षामंदिर, बेलूर द्वारा आयोजित आरयूसए के तहत भारत सरकार के एमओई द्वारा प्रायोजित 'स्कूल शिक्षकों के लिए इन-सर्विस ट्रेनिंग/ओरिएंटेशन प्रोग्राम' में "अंग्रेजी पढ़ाने की पद्धति" शीर्षक से मुख्य भाषण दिया।
- 16.11.2022. 18-19 नवंबर 2022 को कासा डे ला इंडिया, वलाडोलिड, स्पेन में "अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं और अनुभवों" पर आयोजित अन्तराष्ट्रीय कांग्रेस में "शांतिनिकेतन, शिक्षा, ग्रामीण विकास और अंतर्राष्ट्रीय संबंध" शीर्षक से एक पूर्ण भाषण दिया।
- 21.11.2022. 16.11.2022 से 15.12.2022 तक एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे संकाय प्रेरण कार्यक्रम में "राष्ट्रगान और संवैधानिक मूल्यों" पर एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।
- 28.11.2022. 16.11.2022 से 15.12.2022 तक एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे संकाय प्रेरण कार्यक्रम में "एक अच्छा शोध मार्गदर्शक कैसे बनें" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।
- 05.12.2022. 28.11.2022 - 10.12.2022 तक एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतः विषय अध्ययन और बंगाली अनुशासन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "साहित्य और गीत: भारतीय डायस्पोरा का मामला" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।
- 08.12.2022. एचआरडीसी, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आधुनिक भारतीय साहित्य पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "बीमेन एंड दी सुगर डायस्पोरा" पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अनन्या दत्ता गुप्ता

- 20.09.2022. गैर-तमिलों के बीच शास्त्रीय तमिल साहित्य (तोलकाप्पियम) के प्रसार में "परंपरा और व्यक्तिगत प्रतिभा: टोलकाप्पियम में स्टाइलिस्टिक मानदंडों को पढ़ने वाला एक बाहरी व्यक्ति" शीर्षक से एक आमंत्रित पूर्ण व्याख्यान दिया : केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला और तमिल विभाग, भाषा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

- 10.11.2022 – 12.11.2022. अनमास्किंग शेक्सपियर में " द अनवर्थिंएस्ट शोज़ एज़ फेयरली इन द मास्क : वॉर एंड अन-ट्रुथ इन ट्रोइलस एंड क्रेसिडा " शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया : एशियन शेक्सपियर एसोसिएशन का 5 वां सम्मेलन, दक्षिण कोरिया, एशिया से ऑनलाइन, <https://youtu.be/nShhcZ-Afhl>
- 02.12.2022. टेल मी योर स्टोरी द्वारा आयोजित "स्वदेशी संस्कृतियों और धर्मों के भंडार का संरक्षण" विषय पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया , ऑनलाइन, <https://www.facebook.com/events/664755058711778>
- 02.03.2023 – 04.03.2023. जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा साहित्य, साहित्यिक द्वीपों, द्वीप साहित्य में द्वीपों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " नो मैन इज ए आइलैंड : क्लाइमेट चेंज एंड द चैलेंज टू इंसुलैरिटी इन अमिताव घोष के गन आइलैंड " शीर्षक से एक पेपर ऑनलाइन प्रस्तुत किया, दिल्ली विश्वविद्यालय
- 03.03.2023 सुरेश अमिय मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव नबन्ना अर्थ वीकेंड , शांतिनिकेतन में सुमना रॉय के साथ माई नेचुरल वर्ल्ड नामक सत्र में व्यक्तिगत रूप से चर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

देबारति बंद्योपाध्याय

- 26.06.2022. साहित्य अकादमी, कोलकाता द्वारा "बिमल कर " पर आयोजित राष्ट्रीय जन्म शताब्दी संगोष्ठी में "बिमल कर का जीवन और कार्य" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया,
- 18.09.2022. "नबा अंगिकर संधान ओ बिमल कर", साहित्य संस्कृति , टेलीविजन साक्षात्कार में विशेषज्ञ के रूप में एस. चट्टोपाध्याय, एस. (लेखक) और टी. बीर के साथ मॉडरेटर के रूप में भाग लिया, दूरदर्शन केंद्र कोलकाता के लिए कार्यकारी निर्माता, के. दास

सौरभ दास ठाकुर

- 08.12.2022. अंग्रेजी विभाग, बसंती देवी कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में "कवि क्या है?: बंजर भूमि और लेखकत्व का बीसवीं शताब्दी का प्रवचन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया,
- 17.12.2022. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग, दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में "वह विभिन्न आवाजों में पुलिस करते हैं : आधुनिकतावाद, पहचान की समस्या और दि वेस्ट बैंड बंजर भूमि" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया,
- 18.12.2023. अंग्रेजी विभाग, दुर्गापुर महिला कॉलेज, दुर्गापुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में "साहित्यिक अध्ययन का परिचय: साहित्य, आलोचना और सिद्धांत" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया,

स्वाति गांगुली

- 01.12.2022. बैंगलोर लिट फेस्ट, बैंगलोर में मोनोग्राफ टैगोर विश्वविद्यालय: विश्व-भारती का इतिहास 1921-1961 पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया,

अध्याय-2

- 15.1.2023. एपीजे कोलकाता साहित्य महोत्सव , पार्क मेशन, कोलकाता में शिक्षा में टैगोर की विरासत पर टॉकिंग टैगोर नामक पैनल में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया ,
- 26.1.2023. टाटा स्टील कोलकाता लिटरेरी मीट , बिड़ला म्यूजियम, कोलकाता में मोनोग्राफ टैगोर यूनिवर्सिटी: ए हिस्ट्री ऑफ विश्व-भारती 1921-1961 पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया,
- 01.3.2023. सुरेश अमिया मेमोरियल ट्रस्ट और अर्थशिला, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन में एक अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव, नबन्ना अर्थ वीकेंड में मोनोग्राफ टैगोर विश्वविद्यालय: विश्वभारती का इतिहास 1921-1961 पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया ,
- 04.3.2023. सुरेश अमिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा शांतिनिकेतन में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव, नबन्ना अर्थ वीकेंड में "शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन में कलाकार और कारीगर" विषय पर आर. शिवकुमार के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया,
- 22.3 2023, साउथ एशिया स्टडीज, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, एनजे, यूएस ऑफ अमेरिका द्वारा आयोजित "टैगोर यूनिवर्सिटी: ए हिस्ट्री ऑफ विश्व-भारती 1921-1961)" शीर्षक से एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया,

उषम रोजियो सिंह

- 05.02.2023. एचएस शिवप्रकाश और उषम रोजियो द्वारा सह-लेखक हेइस्त्रम साबित्री: द वे ऑफ द थमोई (2022) पुस्तक पर कोलकाता अंतराष्ट्रीय पुस्तक मेले में व्यक्तिगत रूप से पुस्तक चर्चा ,
- 01.03.2023. मणिपुर द्वारा आयोजित "भाषा और ज्ञान प्रणाली: उत्तर पूर्व भारत में ग्रंथों और वक्तृताओं की विशिष्टता और समृद्ध विशेषताएं" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से "भाषा की राजनीति और कविता की भाषा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, विश्वविद्यालय, इंफाल, और पूर्वोत्तर भारत के अध्ययन के लिए विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित,

अनुसंधान विद्वानों का सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला भागीदारी/प्रस्तुतियाँ (कुल = 12)

सामंत, अभिषेक

- 05.08.2022 – 06.08.2022. बंगाली विभाग (यूजी और पीजी) द्वारा आयोजित "स्वतंत्रता के बाद के भारतीय साहित्य में रुझान" नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी में " शशि थरूर के रॉयट ए नॉवल पर बहुलवादी विमर्श के रूप में इतिहास का उपचार: एक उपन्यास "शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, मानकर कॉलेज, पुरबा बर्धमान, पश्चिम बंगाल की हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और संथाली,

मित्रा, अर्कदीप

- 11.03.2023 – 12.03.2023. आईआईटी मद्रास के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "डर" विषय पर अंतराष्ट्रीय सेमिनार में "रक्त का डर: उपनिवेशवाद और रक्त का राजनीतिक रूपक" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया,
- 25.02.2023 – 26.02.2023. "दि वेस्ट लैंड, यूलिसिस और जैकब्स रुम के 100 वर्ष " विषय पर आयोजित एक अंतराष्ट्रीय सेमिनार में, "सुदूर अतीत की गूँज (हिंसा की): हिंसा की आलोचना के रूप में जे. अल्फ्रेड प्रूफ्रॉक का प्रेम गीत" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, अंग्रेजी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा,

- 23.08.2022 – 25.08.2022. सेंटर ऑफ मेमोरी स्टडीज, आईआईटी द्वारा आयोजित "मेमोरी इन ए डिजिटल एज" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "मेमोरीज ऑफ द अनलिब्ड एंड अनबॉर्न: ओरहान पामुक की ए स्ट्रेंजनेस इन माई माइंडस एन आर्काइव ऑफ द नॉन-एक्सिस्टेंट " शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, मद्रास,

चौधरी, पल्लबी

- 06.01.2023 – 07.01.2023. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "ग्रेजुएट रिसर्च मीट" में "पारिस्थितिकी का राजनीतिकरण: 'पारिस्थितिकी तंत्र के लोगों' के दृश्य कथनों को पढ़ना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया,

घटक, संघमित्रा

- 20.08.2022 – 21.08.2022. शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया और टैगोर द्वारा आयोजित "लिटरेचर एंड सोसाइटी अक्रॉस कल्चर्स" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " एपोकैलिप्स, गॉथिक एंड द रट्टरिंग ऑफ सोशल हायरार्की: एन इंटरप्रिटेशन ऑफ मार्क्सियन टेडेंसीज इन प्राइड एंड प्रेजुडिस एंड जॉम्बीज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, गांधी संस्थान.
- 25.02.2023 – 26.02.2023. "अवास्तविक शहर, सर्दियों की सुबह के भूरे कोहरे के तहत": एलियटियन प्रवृत्तियों के माध्यम से गेम ऑफ थ्रोन्स में शहरी मानस की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, "100 इयर्स ऑफ द वेस्ट लैंड , यूलिसिस और जैकब रूम " विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अंग्रेजी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, भारत द्वारा,

घोष, स्वर्णेंद्र

- 20.08.2022 – 21.08.2022. शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया और टैगोर-गांधी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित "साहित्य और समाज के पार संस्कृतियों" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शेक्सपियर और मंगा: हेमलेट के दो इक्कीसवीं सदी के ग्राफिक रूपांतरणों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया,

मंडल, बिधान

- 22.07.2022. "बंगाली लोक कथाओं और युवा वयस्क कहानियों में एक चरित्र के रूप में बाघ के बदलते प्रतिमान" चरित्रविज्ञान पर राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में : सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा साहित्य और संस्कृति में चरित्र और चरित्र चित्रण पढ़ना ,
- 20.08.2022 – 21.08.2022. आईसीसीआर के सहयोग से शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया और टैगोर गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर स्टडीज द्वारा विश्व साहित्य, संस्कृति और समाज पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में "मंच पर लोक का साहित्यिक चित्रण: नाटक, प्रदर्शन और बीरभूम में परिधि" कोलकाता.
- 20.07.2022 – 02.08.2022. यूजीसी, एचआरडीसी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा मानवाधिकार पर आयोजित ऑनलाइन विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया,

यास्मीन, सफ़िया

- 23.08.2022-25.08.2022. "जैसा कि, आपको कैसे पता चलेगा कि कोई मशीन वास्तविक भावना व्यक्त कर रही है या बस उसका अनुकरण कर रही है?" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, सेंटर फॉर मेमोरी स्टडीज, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा आयोजित डिजिटल युग में मेमोरी पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एलेक्स गारलैंड की एक्स माचिना का वाचन,

विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ विभाग द्वारा आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया, विभाग ने छात्रों और अनुसंधान विद्वानों की सक्रिय भागीदारी के साथ निम्नलिखित पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया:

- 25.09.2022. आनंद बाजार, शरदोत्सव की आय से विश्वविद्यालय के सेवा (दान) कोष में विभाग का 25,200/- रुपये का योगदान, विश्वविद्यालय के अन्य सभी विभागों की तुलना में सबसे अधिक था,
- 21.12.2022. विभाग ने "कमलासुंदरि पाला" नामक एक प्रदर्शन की मेजबानी की, जो टैगोर की लघु कहानी "मुसलमानिर गैल्पो" पर आधारित है, जो डौल थिएटर ग्रुप, शांतिनिकेतन द्वारा किया गया है, और वर्तमान शोध विद्वान, बिभाष बिष्णु चौधरी द्वारा निर्देशित है,
- 19.02.2023. विभाग ने देउल, बर्धमान में छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, कर्मचारियों और संकाय के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया,
- 10.03.2023: छात्रों और संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने पारंपरिक वसंत-सफाई अभियान के साथ गांधी पुण्याह को मनाने के लिए हाथ मिलाया,

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग) डीएसए) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएस आदि के रूप में मान्यता

विभागीय संकाय के निम्नलिखित सदस्य व्यक्तिगत रूप से प्रशासनिक और विस्तार गतिविधियाँ कर रहे हैं:

- अमृत सेन निदेशक (कार्यवाहक), ग्रंथन विभाग, विश्वभारती, सदस्य आईक्यूएसी, विश्वभारती, सदस्य, पीएचडी निर्णय समिति, सदस्य, एमओयू समिति के रूप में कार्यरत रहे हैं, वह अलिया विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के बीओएस, बर्दवान विश्वविद्यालय में अनुसंधान समिति, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में आरएसी के सदस्य थे और हैं,
- अनन्या दत्ता गुप्ता विश्वभारती के महिला संघ के कार्यकारी सदस्य के रूप में बनी हुई हैं और उन्होंने एसोसिएशन द्वारा आयोजित और आयोजित सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है,
- अनन्या दत्ता गुप्ता विश्वभारती के महिला संघ की ई-पत्रिका जातिका की संपादकीय समिति की सदस्य हैं, और 13 अप्रैल, 2023 को ई-पत्रिका के उद्घाटन अंक के प्रकाशन में बहुत सक्रिय रूप से शामिल थीं, https://visvaभारती.ac.in/files/896130423_WAEM.pdf
- देबारति बंद्योपाध्याय ने महिला अध्ययन केंद्र की वार्षिक रिपोर्ट समिति और अध्ययन बोर्ड में कार्य किया,

- देबारति बंदोपाध्याय ने रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के अंग्रेजी विभाग के बीओएस के बाहरी सदस्य के रूप में कार्य किया,
- देबारति बंदोपाध्याय ने MELOW (द सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ द मल्टी-एथनिक लिटरेचर्स ऑफ द वर्ल्ड), पूर्व में MELUS-MELOW के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया,
- सौरव दासठाकुर ने संकाय प्रवेश समिति, भाषा-भवन के सदस्य के रूप में काम किया,
- सुदेव प्रतिम बसु निम्नलिखित प्रशासनिक कर्तव्यों का पालन करना जारी रखते हैं:
 - ☐ प्रॉक्टर (कार्यवाहक), विश्वभारती
 - ☐ सदस्य, कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए विश्वभारती आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी-पीएसएचडब्ल्यूडब्ल्यू)
 - ☐ अध्यक्ष, विश्वभारती कैटीन प्रबंधन और निविदा समिति
 - ☐ सदस्य, विश्वभारती स्विमिंग पूल प्रबंधन समिति
 - ☐ अध्यक्ष, विश्वभारती स्थायी छात्र अनुशासन समिति
 - ☐ अध्यक्ष, विश्वभारती विश्वविद्यालय स्तरीय रैगिंग विरोधी समिति
 - ☐ अध्यक्ष, विश्वभारती छात्रावास प्रबंधन समिति
 - ☐ सदस्य, विश्वभारती अंशदायी स्वास्थ्य योजना - 2022 के कार्यान्वयन के लिए समिति
 - ☐ अंग्रेजी विभाग, भाषा भवन के प्रमुख; 14.12.2022 से
 - ☐ सदस्य, विश्वभारती परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी), जो एचईएफए वित्त पोषित परियोजनाओं से संबंधित है
 - ☐ आंतरिक सदस्य, संस्थान बोर्ड, शिक्षा-सत्र, विश्वभारती
 - ☐ सदस्य, विश्वभारती अनुसंधान बोर्ड
 - ☐ सदस्य और चर्चाकर्ता, संवाद: विश्वभारती युवा विद्वानों की व्याख्यान श्रृंखला
 - ☐ सदस्य, विश्वभारती समान अवसर प्रकोष्ठ
- 20.09.2022 को अपनी नियुक्ति के बाद से तपू बिस्वास विश्वभारती के भाषा भवन के उप-प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं,

अनुसंधान विद्वान:

(कालानुक्रमिक क्रम में पीएचडी और एमफिल डिग्रियां प्रदान की गईं)

कुल = 10 (एमफिल: 07, पीएच.डी.: 03)

- 11.04.2022. मोनामी गोस्वामी को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, सौरव दासठाकुर की देखरेख में "लैंग्वेज एंड बिकमिंग: पॉलिटिक्स एंड प्रैक्टिस ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज इन नाइनटीन्थ सेंचुरी नेटिव इंग्लिश पीरियोडिकल्स" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री ,
- 03.05.2022. देबोत्तमा घोष को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, ट्रांसफ़िगरिंग मॉडर्निटी: जापानी डिटेक्टिव फिक्शन इन द ट्वेंटीएथ सेंचुरी (1925-1961) शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री , अनन्या दत्ता गुप्ता की देखरेख में,

अध्याय-2

- 23.05.2022. मधुमिता राँय को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया, विज्ञान के साथ रवीन्द्रनाथ टैगोर के जुड़ाव पर उनके शोध प्रबंध के लिए डिग्री, अमृत सेन की देखरेख में,
- 24.06.2022. राजेश दास को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, सुदेव प्रतिम बसु की देखरेख में "नारायण देबनाथ की चुनिंदा कॉमिक्स में बोर्डिंग स्कूल लाइफ का प्रतिनिधित्व" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,
- 28.6.2022 रिमन रक्षित को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, स्वाति गांगुली की देखरेख में "यहूदी कलकत्ता: जैल सिलिमन के चुनिंदा कार्यों के माध्यम से शहर और उसके बगदादी यहूदी समुदाय का एक अध्ययन" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,
- 29.09.2022. चंद्रिमा दास को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया, अमृत सेन की देखरेख में "अपराध और कॉलोनी: अठारहवीं शताब्दी में आपराधिक और औपनिवेशिक प्रवचनों का अंतर्संबंध" पर उनके शोध प्रबंध के लिए डिग्री,
- 26.10.2022. रितुपर्णा सेनगुप्ता को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, अनन्या दत्ता गुप्ता की देखरेख में "द आइडिया ऑफ ए प्लैटर: रेसिपी बुक्स, आइडेंटिटी एंड कल्चर इन कोलोनिअल बंगाल फ्रॉम 1883-1927" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,
- 26.10.2022. शिजिनी घोषाल को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया, सुदेव प्रतिम बसु की देखरेख में शोपेनहावर, नीत्सो और फ्रायड की चुनिंदा अवधारणाओं के माध्यम से शर्लक होम्स को पुनः प्रस्तुत करने नामक अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,
- 01.12.2022. शबनाज परवीन को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, अमृत सेन की देखरेख में "9/11 के बाद पाकिस्तानी प्रवासी मुसलमानों की पहचान के संकट पर बातचीत: अयाद अख्तर और वजाहत अली के चुनिंदा नाटकों का एक अध्ययन" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,
- 01.12.2022. पिंटू नस्कर को एम.फिल. से सम्मानित किया गया, अमृत सेन की देखरेख में "दि व्होल कंट्री इज माइ इनमी नाटक" : नाटकों और ऋत्विक् घटक की चुनिंदा लघु कहानियों में वर्ग, लिंग और पहचान का प्रतिनिधित्व" शीर्षक से अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद डिग्री,

प्रकाशन:

- i) मोनोग्राफ कुल: (02)
 - बंधोपाध्याय, डी. (2022), बिमल कर. भारतीय साहित्य शृंखला के निर्माता, नई दिल्ली: साहित्य अकादमी. आईएसबीएन 978-93-5548-236-5
 - गांगुली, एस. (2022), टैगोर विश्वविद्यालय: विश्वभारती का इतिहास 1921-1961, रानीखेत: परमानेंट ब्लैक, न्यू इंडिया फाउंडेशन और अशोका यूनिवर्सिटी [द हेजहोग एंड फॉक्स सीरीज़] के सहयोग से, आईएसबीएन-13: 978-8178246406
- ii) पीयर-रिव्यूड/रेफरीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

व्यक्तिगत प्रकाशन:

- a) एकल लेखक
- शिक्षकों के प्रकाशन:

पुस्तक/संकलन में अध्याय (कुल: 05)

- सेन, ए. (2023), पिनाकी रॉय, संस्करण में "द फॉरगॉटन वॉयस: चुनिंदा डायस्पोरिक उपन्यासों में भारतीय गिरमिटिया महिलाएं", पश्चिम में भारत के शब्द: प्रवासी भारतीय साहित्यकारों द्वारा चयनित लेखन के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण (पृ. 117-28), न्यूयार्क, कोलंबिया विश्वविद्यालय प्रेस, आईएसबीएन 9783838217185,
- बंद्योपाध्याय, डी. (2023), टैगोर का शैक्षिक दर्शन: जुड़े हुए सिद्धांत और व्यवहार, मोहम्मद ए. कयूम (सं.) में, एक शिक्षक के रूप में रबींद्रनाथ टैगोर की यात्रा: उनकी कविताओं और अभ्यास पर महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य (140-156), लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज, आईएसबीएन 9780367695002
- रॉय, डी. (2022), "टूटी हुई छतरियों और पंखों वाले घोड़ों की: रवीन्द्रनाथ टैगोर की बाल साहित्य की दुनिया और उनका शिक्षा दर्शन", मोहम्मद ए. कयूम (सं.), एक शिक्षक के रूप में रवींद्रनाथ टैगोर की यात्रा: उनकी कविताओं और अभ्यास पर महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य (पीपी 232-251), लंदन: रूटलेज. आईएसबीएन 9780367695002.
- दासठाकुर, एस. (2022), नित्यप्रिया घोष के "उदबस्तु, उदबस्तु ना होयो" का अनुवाद "रिफ्यूजी, नॉट बीइंग वन" अंगशुमान कर (सं.). विभाजित: दो बंगालों से विभाजन संस्मरण ,कोलकाता: गैंगचिल. 74-92. आईएसबीएन: 978-93-93569-75-2.
- दस्ताकुर, एस. (2023), "क्लासिकिज्म," "नियोक्लासिसिज्म" और "रोमांटिकिज्म" पर प्रविष्टियाँ, मानवेंद्र मुखोपाध्याय (सं.). साहित्यकार रूप-रीति ओ अनुशौंगिक, कोलकाता: पश्चिमबंगा राज्य पुस्तक पृष्ठ, 247-54. आईएसबीएन: 978-81596-120-1-7.

प्रिंट पत्रिकाओं में लेख (कुल = 04)

- सेन, ए. (2022) 'ऐनी एर्नाक्स: साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2022', विज्ञान और संस्कृति , खंड 88, संख्या 10-11, 439-440, आईएसएसएन-00368036
- रॉय, डी. (2022), "कबिता ओनुबादर बिशोये दू-एकती प्रश्रोडिक कथा", एग्रोबीज , वर्ष 15, अंक 1, 195-199
- बिस्वास, टी. (2022), "एडवर्ड एल्बी की द जू स्टोरी : ए स्टडी में एक्सर्डिज्म का सौंदर्यशास्त्र और राजनीतिक" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज , पीपी 111-19, कोलकाता: अवंतगार्ड प्रेस. आईएसएसएन-3347-4777.
- बिस्वास, टी. (2022), "बंगाली शेक्सपियर: अनुवाद की द्वंद्वत्मकता" थिएटर इंटरनेशनल , पीपी. 24-38. कोलकाता: अवंतगार्ड प्रेस. आईएसएसएन 2378-2036,

ई-पत्रिकाओं में लेख (कुल = 02)

- दत्ता गुप्ता, ए. (2022, 9 अक्टूबर), "आदिम प्रांतीयकरण: दुर्गा पूजा करीब से "कैफ़े डिसेन्सस एवरीडे, <https://cafedisensuseeveryday.com/2022/10/09/> प्रांतीयकरण-द-प्रिमिटिव-दुर्गा-पूजा-अप-क्लोज/ आईएसएसएन 2373-177X
- दत्ता गुप्ता, ए. (2023, 19 मार्च), " आरो एक पृथ्वी : अतनु घोष के सिनेमा में संसारों के भीतर संसार", कैफ़े डिसेन्सस एवरीडे, <https://cafedisensuseeveryday.com/2023/03/19/aaro-ek-prithibi-worlds-within-worlds-in-atanu-ghoss-cinema/> ISSN 2373-177X.

ई-पत्रिकाओं में पुस्तक समीक्षाएँ (कुल = 02)

- दत्ता गुप्ता, ए. (2022, 9 अप्रैल), "कुणाल बसु की इन एन आइडियल वर्ल्ड : एन ओल्ड कंट्री ऑफ़ यंग पीपल" पंच पत्रिका, <https://thepunchmagazine.com/the-byword/review/kunal-basu-amp-rsquo-s-in-an-ideal-world-an-old-country-of-young-people>
- दत्ता गुप्ता, ए. (2023, 1 नवंबर), "द इंक ब्लैक हार्ट : रॉबर्ट गैलब्रेथ्स न्यू-एज लॉकड रूम मिस्ट्री", <https://thepunchmagazine.com/the-byword/review/amp-lsquo-the-ink-black-heart-amp-rsquo-robert-galbraith-amp-rsquo-s-new-age-locked-room-mystery>

अनुसंधान विद्वानों के प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय (कुल = 09)

- मित्रा, ए. (2023), "नग्न महिला की हंसी: महाश्वेता देवी की 'द्रौपदी' में नग्नता और हंसी" ए. भट्टाचार्य और एस. चौधरी (संस्करण), महिलाओं की आवाज: प्रतिनिधित्व और प्रतिरोध (पीपी. 140-152) में, दिल्ली: वर्ल्डव्यू प्रकाशन, आईएसबीएन 978-9382267980,
- मंडल, बी. (2022), "ब्रेकिंग द फोर्थ वॉल: ए केस स्टडी ऑफ़ अल्टरनेटिव प्रोडक्शंस बाय थिएटर ग्रुप्स इन बीरभूम", वब्रा थिएटर, 11(5), 12-14.
- मंडल, बी. (2022), "म्यूज़िक ऑफ़ द रूट: बीरभूम के थिएटरों में भक्तिपूर्ण लोकगीतों का मंचन", एबांग प्रांतिक, 9(20), 123-125.
- चौधरी, पी. और मुखोपाध्याय, ए. (2023), 'वॉयस ट्रेडिंग द नो मैन्स लैंड: ए स्टडी ऑफ़ द सबवर्सिव फीमेल नैरेटिव्स इन सेलेक्ट रेडियो प्लेज ऑफ़ एंजेला कार्टर', महिला लिंक - एक द्वि-वार्षिक सहकर्मी समीक्षित जर्नल, 30(1), 55-61.
- चौधरी, पी. (2022), "घातक स्मृति: कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा और उनकी 'काल्पनिक मातृभूमि'", टीएमवाईएस समीक्षा, ग्लोबल साउथ कोलोकियम, विक्टोरिया विश्वविद्यालय के सहयोग से, 67-82.
- मुखोपाध्याय, आर. सुशांत कुमार बर्धन (2022) के साथ सह-लेखक, "'वह कौन सा खूनी आदमी है?': शेक्सपियर के मैकबेथ में आपराधिकता के रूपक से पूछताछ " विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ में: एक महत्वपूर्ण अध्ययन, सुनीता सिन्हा द्वारा संपादित, पृष्ठ 194-206, नई दिल्ली: अटलांटिक. आईएसबीएन 978-81-269-3497-3.
- घटक, एस. (2022), प्रोसेनियम से स्ट्रीट तक: बादल सरकार के तीसरे थिएटर के माध्यम से थिएटर के स्थापित स्वरूप को उजागर करना, डॉ. नीलांजन चक्रवर्ती (सं.) में, द डायलेक्टिक्स ऑफ़ सेंटर एंड मार्जिन: कल्चर, थ्योरी एंड प्रैक्सिस (पीपी. 73-83), अमेज़ॅन किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग, आईएसबीएन-13: 979-8838422460,
- घटक, एस. (2022), फ्रॉम प्रोसेनियम टू स्ट्रीट : प्रोसेनियम टू स्ट्रीट तक: बादल सरकार के तीसरे थिएटर के माध्यम से थिएटर के स्थापित स्वरूप को उजागर करना, डॉ. नीलांजन चक्रवर्ती (सं.) में, द डायलेक्टिक्स ऑफ़ सेंटर एंड मार्जिन: कल्चर, थ्योरी एंड प्रैक्सिस, स्मैशवर्ड्स इंक. ई-बुक, ई-आईएसबीएन: 9781005733643,
- पॉल, एसके (2022), 'स्वप्नभूमि' (वादा किया हुआ देश): अनकही कथाओं का एक रिकॉर्ड, एमडी आई. ए और एमके मंडल (संस्करण) में, बंगाल विभाजन परिवेश को स्थानांतरित करना: उत्तरजीविता, लचीलापन और

विश्वास (पीपी. 55-64), सीएलटीसीएस, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, आईएसबीएन 978-93-82112-86-0.

प्रिंट पत्रिकाओं में लेख (कुल = 02)

- हलदर, पी. (2022), 'मिथक और संस्कृति के संदर्भ में इसके प्रतिरोध के साथ पेरुमल मुरुगन की 'वन पार्ट वुमन' का उत्तर-औपनिवेशिक नारीवादी पाठ,' अकाडेमोस: साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन का एक अंतःविषय जर्नल, खंड- 2. पृ. 69-78. आईएसएसएन 2583-2875,
- घटक, एस. (2022), प्रचलित पश्चिमी तर्क की शक्ति संरचना को खारिज करना: डेरिडियन फिलॉसफी के लेंस के माध्यम से बॉब डायलन की व्याख्या करना, न्यू लिटरेरिया, 3(2), 106-115, doi: 10.48189/nl.2022.v03i2.012. आईएसएसएन - 2582-7375.

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- एमए वैकल्पिक पेपर: एम. ऑप. 67: पाठ और प्रदर्शन
- एमए वैकल्पिक पेपर: एम. ऑप. 68: उत्तर-पूर्व भारतीय साहित्य का परिचय
- एमए वैकल्पिक पेपर: एम. ऑप. 69: भारत और विश्व में लोक साहित्य

कोई भी प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने लायक हो, शामिल की जानी चाहिए :

- विभाग ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से एनईपी के तहत चार वर्षीय बीए पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम के उद्देश्यों और सीखने के परिणामों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम मॉड्यूल तैयार और पुनः प्रारूपित कर रहा है,
- विभाग हेमलेट के इन-हाउस नाट्य निर्माण के साथ शेक्सपियर दिवस के अपने पारंपरिक स्मरणोत्सव को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया में है , शिक्षाशास्त्र में नवाचारों के लिए ऐसे प्रदर्शन महत्वपूर्ण होंगे।

हिंदी विभाग

हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन 1938 में भाषा-भवन, विश्व-भारती का एक अभिन्न अंग बन गया, हिंदी अध्ययन का कार्यक्रम पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किया गया था, हिंदी-भावन की नींव सी एफ एंड्रयूज, क्षितिमोहन सेन और बनारसीदास चतुर्वेदी के अथक प्रयास से 31 जनवरी, 1938 को रखी गई थी, मध्यकालीन हिंदी साहित्य और संत साहित्य का अध्ययन कवि रवींद्रनाथ टैगोर के लिए बहुत रुचिकर था, वर्तमान में यह शिक्षण विभाग आधुनिक और मध्यकालीन साहित्य, तुलनात्मक साहित्य और हिंदी अनुवाद में रवीन्द्र साहित्य पर शोध कर रहा है, इसके अलावा हिंदी साहित्य में स्नातक, स्नातकोत्तर और एम.फिल. की पढ़ाई के साथ-साथ सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी एक साल के विदेशी आकस्मिक पाठ्यक्रम के साथ पाठ्यक्रम में हैं,

वर्ष में नेट/जेआरएफ: 2022-2023

वर्ष 2022-2023 में नेट/जेआरएफ से सम्मानित छात्र: 01

1. अमित कुमार सिंह (नेट)

विभाग के सेमिनार:

- 19.05.2022. देवकीनंदन श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यान के अवसर पर विचारक एवं कवि श्री नंद किशोर आचार्य द्वारा 'साहित्य की प्रक्रियागत संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- 22.08.2022. 'तुलसी जयंती'. विभाग में वार्षिक साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 14.09.2022. केन्द्रीय पुस्तकालय के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा हिन्दी दिवस मनाया गया। जनजातीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टीवी कट्टीमनी मुख्य अतिथि थे, हमारे माननीय कुलपति प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया।
- 15.09.2022. अभिनेता-लेखक श्री विजय कुमार ने विभाग का दौरा किया और 'एक अभिनेता की रचना - प्रक्रिया' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 23.09.2022. विभाग में 'दिनकर जयंती' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में दिवंगत कवि के पुत्र श्री केदार नाथ सिंह ऑनलाइन शामिल हुए.
- 25.10.2022. ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने 'कबीरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर छात्रों और शिक्षकों की सभा को संबोधित किया,
- 30.11.2022. कवि द्वय कुमार अंबुज और नीलेश रघुवंसी ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया और अपनी कुछ कविताएँ सुनाई,
- 08.12.2022. विभाग में कवयित्री वंदना टेटे और आलोचक श्री अश्विनी कुमार पंकज का स्वागत किया गया और उन्होंने 'अल्पकालिक अस्मिता' विषय पर व्याख्यान दिया,
- 05.01.2023. बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपना राजभाषा व्याख्यान आयोजित किया और हिंदी विश्वविद्यालय, हावड़ा के कुलपति प्रोफेसर दामोदर मिश्रा को 'हजारीप्रसाद देवेंदी पुरस्कार' से सम्मानित किया,
- 06.02.2023. हलवासिया मेमोरियल व्याख्यान जनजातीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टीवी कट्टीमनी द्वारा दिया गया, उन्होंने 'हिन्दी भाषा की सीमाएँ और संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान दिया,

- 10.03.2023. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता परिप्रेक्ष्य को चिह्नित करने के लिए विभाग में गांधी पुण्याह मनाया गया
- 13.03.2023. ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. इमरे बंगा ने विभाग का दौरा किया और 'हिन्दुस्तानी भाषा का स्वरूप और विस्तार' विषय पर व्याख्यान दिया,

सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन:

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

- 16.06.2022. एचआरडीसी, एससी रांची यूनिवर्सिटी के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में 'रिसर्च मेथडोलॉजी' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया,
- 05.08.2022. मानकर कॉलेज, मानकर में 'स्वातंत्रता के पचास वर्षों का हिंदी साहित्य : एक पर्यवेक्षण' विषय पर व्याख्यान दिया
- 06.01.2023. एचआरडीसी, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में 'समकालीन हिंदी कविता' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया
- 20.01.2023. एचआरडीसी, एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय में आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में 'रिसर्च मेथडोलॉजी' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया
- 16.02.2023. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन हिन्दी साहित्य' विषय पर मुख्य भाषण दिया

शकुंतला मिश्रा

- 19.03.2023. भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद द्वारा जलगाँव, महाराष्ट्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी-बांग्ला साहित्य का अंतर संवाद' विषय पर भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया,
- 31.03.2023. 'भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया और 'बंगाल के मुसलमान भक्त कवि' पर एक पेपर प्रस्तुत किया,

सुभाष चंद्र रॉय

- 15.03.2023. ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'देश विदेश में हिंदी की दशा एवं दिशा' विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया,
- 16.11.2022. शांतिनिकेतन हिंदी प्रचार सभा, शांतिनिकेतन पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य एवं पर्यावरण' विषय पर व्याख्यान दिया,
- 14.01.2023. 'महाविद्या' बी. देवघर झारखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इंटरनेट की दुनिया में किताबों का महत्व' विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया,

मेरी हांसदा

- 20.09.2022. सरदार बाबासाहेब माने कॉलेज रहीमतपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित सेमिनार में ऑनलाइन मोड में 'हिंदीभाषा : साहित्य और लोकपक्ष' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया

अध्याय-2

- 20.03.2023. बैरकपुर राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज, कोलकाता द्वारा 'साहित्य के माध्यम से शिक्षा' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया गया

जगदीश भगत

- 19.02.2023. अंतर्राष्ट्रीय साहित्य संगम, सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) द्वारा आयोजित 'आलोचना के शलाका पुरुष नामवर सिंह' विषय पर व्याख्यान दिया
- 19.03.2023. अंतर्राष्ट्रीय साहित्य संगम, सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) द्वारा आयोजित 'परछाइयों की आधीखुली रात' विषय पर व्याख्यान दिया

अर्जुन कुमार

- 16.03.2023. केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'देश विदेश में हिंदी की दशा एवं दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया
- 29.01.2023. अन्ययात्रा, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन हिंदी कहानी की दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया

श्रुति कुमुद

- 19.11.2022. टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, मिंटो हॉल, भोपाल में 'मनोजपाण्डेय की कहानियों पर बातचीत' विषय पर व्याख्यान दिया

सुकेश लोहार

- 19.09.2022: हिंदी, बांग्ला, संस्कृत, अंग्रेजी और आईक्यूएसी विभाग, सिटी कॉलेज, रवीन्द्र सरणी, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "हिंदी साहित्य की प्रयोजनीयता" विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया

शैक्षणिक विशिष्टता

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता,
- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल,
- सदस्य, संपादक मंडल, 'सत्राची' जर्नल, पटना,

शकुंतला मिश्रा

- यूजीसी द्वारा मिदनापुर (बदला हुआ नाम) कॉलेज, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के शासी निकाय के सदस्य के रूप में नामांकित

मेरी हांसदा

- पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय बारासात कोलकाता के यूजीबीओएस के सदस्य,

- आरएसी के सदस्य काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल,

प्रकाशन : पुस्तकें/लेख

पत्रिकाओं में लेख:

- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2022, अप्रैल-जून), संपादकीय ' अपनी बात ' विश्वभारती पत्रिका , आईएसएसएन: 2348-4997, 82 (1), 153-168,
- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2022, जुलाई-सितंबर), संपादकीय ' अपनी बात ' विश्वभारती पत्रिका , आईएसएसएन: 2348-4997, 83 (2), 168-175,
- तिवारी, मुक्तेश्वर नाथ, (2022-2023, अक्टूबर-मार्च), संपादकीय ' अपनी बात ' विश्वभारती पत्रिका , आईएसएसएन: 2348-4997, 84(3), 170-179,
- रॉय, सुभाष चंद्रा, (2022, मई), आदिम संस्कृति की महक ' अथरवा ', अक्षरा 206, 159-61 . आईएसएसएन नंबर-2456-7167.
- कुमार, अर्जुन, (2022, अप्रैल-जून), जीवनदृष्टि का अपूर्व आख्यान देवप्रिया : एक प्रेमाख्यान , विश्वभारती पत्रिका. शांतिनिकेतन. 82(1), 146-152. आईएसएसएन: 2348-4977.
- कुमार, अर्जुन, (2022, अप्रैल-जून), भाषा के बहाने दृश्यरचता कवि विनोद कुमारशुक्ल , गवेषणा पत्रिका, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 28, पीपी-पीपी, आईएसएसएन: 0435-1460,
- कुमुद, श्रुति, (2022, मई-जून), तंत्र की चिमनी में घुटे लोग , माटीपत्रिका . 10, 177-180 . आईएसएसएन: 2320-3022.
- कुमुद, श्रुति, (2022, नवंबर-दिसंबर), ' नये तेवर – और नये कलेबर की कहानियाँ ' वनमाली कथापत्रिका , RNI=MPHIN 37775, संयुक्त संस्करण 10-11, 243-246 ,

पुस्तकों में अध्याय:

- भगत, जगदीश, (2022), आदमियत की तलाश का नाटककार : असगर वजाहत , हिंदी नाटक के विविध आयाम , आनंद प्रकाशन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), ईडी, डॉ बिजय रवानी. आईएसएसएन: 978-93-93378-09-5.

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- बभ्राबी घोष - नेट-जेआरएफ
- बिक्रम बाद्याकर - नेट-जेआरएफ
- सुमंत सरदार - नेट-जेआरएफ
- विश्वजीत महतो - नेट-जेआरएफ
- दिलीप तापदार - नेट-जेआरएफ
- तानिया पायने - नेट-जेआरएफ
- सुखेन घोष - नेट-जेआरएफ
- दीपसिखा घोष - नेट-जेआरएफ
- रबीदास किस्कू - नेट-जेआरएफ
- ब्योमकेश गराई - नेट-जेआरएफ
- सुमंत मंडल - नेट और सेट
- पियाली मंडल - नेट
- रमेश टुडू - नेट
- प्रतिमा धीबर - नेट
- कनाई टुडु - सेट

विभागीय सेमिनार

राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला:

- 21.11.2022-30.11.2022, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा प्राकृत भाषा पर 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन,
- 12.12.2022-21.12.2022, संस्कृत, पाली और प्राकृत, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय स्पोकन संस्कृत शिविरा,
- 27.3.2023, विश्वभारती के संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग द्वारा बौद्ध अध्ययन केंद्र के सहयोग से 'वेद और बौद्ध धर्म' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसमें डॉ. प्रतिभा मंजरी रथ, पूर्व प्रोफेसर जैसे प्रमुख वक्ता शामिल थे, संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और डॉ. परम्बा श्री योगमाया, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, संस्कृत विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी

विशेष व्याख्यान का आयोजन:

- 21.12.2022 मॉरीशस के डॉ. केके झा ने "भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक संपर्क" विषय पर भारत के विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग में एक विशेष व्याख्यान दिया है।

- 27.01.2023 डॉ. शैलेन्द्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, बोधगया विश्वविद्यालय, बिहार और प्रो. हरीश चंद्र मिश्रा, पूर्व प्राचार्य, भाषा-भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में "भारतीय संस्कृति और धर्म में महिलाओं की स्थिति" पर व्याख्यान दिया गया, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि, शिक्षकों/शोध विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण

जगत राम भट्टाचार्य

- 08.10.2022-17.10.2022 अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्रावक संघ, बीकानेर द्वारा आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत कार्यशाला में प्राकृत भाषा एवं व्याकरण सिखाया गया,
- 06.01.2023-14.01.2023 प्राकृत पर राष्ट्रीय कार्यशाला, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी में प्राकृत भाषा और साहित्य पढ़ाया,
- 06.03.2023 बौद्ध अध्ययन विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय (ऑनलाइन मोड), नई दिल्ली और श्री एसएस जैन सभा, शालीमारबाग, दिल्ली द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित शॉर्ट टर्म कोर्स में "शांति, जैन नैतिकता का अंतर्निहित खजाना" पर व्याख्यान दिया,

निरंजन जेना

- 26.07.2022-27.07.2022 " दारा शिखो के मुजमा-उल बहरीन: धर्म और आध्यात्मिकता के प्रति बहुलवादी दृष्टिकोण के अग्रदूत" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित "मनुष्य और आत्मा की अवधारणा के बारे में हिंदू-मुस्लिम विचारों की समानता" पर पेपर प्रस्तुत किया गया, , मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद,
- 10.10.2022-11.10.2022 " भारतीय उपमहाद्वीप में अल्पसंख्यक शिक्षा के मुद्दे: प्राचीन वस्तुएँ, संभावनाएँ और चुनौतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बंगाल मदरसा शिक्षा मंच द्वारा ईजीसीसी, साल्ट लेक, कोलकाता, पश्चिम में आयोजित "भारतीय उपमहाद्वीप में अल्पसंख्यक शिक्षा और वर्तमान चुनौतियाँ" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया, बंगाल.
- 12.11.2022-13.11.2022 हावड़ा संस्कृत साहित्य समाज, हावड़ा द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर एक शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की,
- 09.11.2022-11.11.2022 संस्कृत साहित्य परिषद, कोलकाता और महर्षि सांदीपनि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संयुक्त रूप से "भारतीय समाज पर वैदिक संस्कृति का प्रभाव" विषय पर अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी और "यज्ञों में प्रयुक्त 'पशु' शब्द का एक आलोचनात्मक विश्लेषण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया,
- 27.03.2023 एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी वेद और बौद्ध धर्म, बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन के सहयोग से आयोजित "बौद्ध साहित्य में परिलक्षित वैदिक विचार" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया,

अध्याय-2

प्रीतिलक्ष्मी स्वैन

- 21.11.2022-30.11.2022 संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "प्राकृत भाषा" पर 10 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया,
- 22.03.2023-23.03.2023 केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड) में "तथितेसु मत्यार्थिया प्रत्यर्थ विमर्श" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया

बिष्णु पद पाल

- 21.11.2022-30.11.2022. प्राकृत भाषा पर 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संस्कृत पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा किया जाता है,

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डीएसए या सीएसएस आदि के रूप में मान्यता):

निरंजन जेना

- विभागाध्यक्ष, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन 12.05.2020 से और जारी...
- अध्ययन बोर्ड, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में अध्यक्ष,
- अकादमिक परिषद, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सदस्य,
- बीओएस, संस्कृत विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय के बाहरी सदस्य,
- बीओएस, संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के बाहरी सदस्य,
- विश्वभारती के अरबी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य,
- अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य, भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती,

नरोत्तम सेनापति

- पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, आरकेएमवीईआरआई और राजा एनएल खान महिला कॉलेज के अध्ययन बोर्ड के सदस्य

ललिता चक्रवर्ती

- अध्ययन बोर्ड, संस्कृत कॉलेज और विश्वविद्यालय, कोलकाता के सदस्य,
- अध्ययन बोर्ड, पाली विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के सदस्य,
- अनुसंधान बोर्ड के सदस्य, संस्कृत विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान,
- अनुसंधान मंडल के सदस्य, संस्कृत विभाग, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, उत्तर दिनाजपुर
- आरएसी के सदस्य, संस्कृत विभाग, गौर बंग विश्वविद्यालय, मालदा,

प्रकाशन:

कागज़/लेख/पुस्तक-अध्याय:

पुस्तकें

संजय कुमार मंडल

- मंडल, एसके (2022), महाभारत में वरदान एवं अभिशाप की तात्त्विक समीक्षा , संजय कुमार मंडल, कोलकाता द बनारस मर्केटाइल कंपनी. आईएसबीएन-978-93-92072-04-8,

राम प्रमोल कुमार

- आरपीके (2023), उत्तर रामचरित का नाटकीय विश्लेषण, नई दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन: आईएसबीएन 978-93-91214-76-0 2023,

पुस्तक में अध्याय

अरुण कुमार मंडल

- मंडल, एके (2022), बनेस्वर विद्यालंकार ओ तत्कालीन बंगसमा., शारदीय गोधूलि संगीत , पृष्ठ 52-60, कोलकाता: रूमी प्रकाशन. पंजीकरण संख्या-3832/जे/बीर/87.
- मंडल, एके (2022), रबींद्रनाथकृत बलाका काव्येर नागेंद्रनाथकृत संस्कृत अनुवाद , गोधूलि संगीतेर बचाई प्रबंध, गीतिकथा मजूमदार, कोलकाता: अणिमा प्रकाशनी, पीपी- 92-109, आईएसबीएन-978-93-83129-93-3,

ललिता चक्रवर्ती

- चक्रवर्ती, एल. (2023), प्रतिकुलतर अन्य नाम प्रतिनायकत्व', एबंगामारा , आईएसएसएन-2394-4927. कोलकाता. पश्चिम बंगाल,

अरुण रंजन मिश्रा

- मिश्रा, एआर (2022), इंडिक रिसर्च के स्पेक्ट्रा में "कृषि का वैदिक विज्ञान" , एड, पीएम रथ एट अल.पीपी.56-65.नई दिल्ली: प्रतिभा प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-81-7702-490-6.
- मिश्रा, एआर (2022), " शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा : एक महत्वपूर्ण टिप्पणी", शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा में , पृष्ठ 46-67 , नई दिल्ली: प्रतिभा प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-81-7702-499-9.
- मिश्रा, एआर (2022), उज्ज्वला- शास्त्र-वैभवम, पृष्ठ 3-11 में "दिवंगत प्रोफेसर उज्ज्वला झा का इंडोलॉजी में योगदान , नई दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-93-91214-44-9.
- मिश्रा, एआर (2022), "प्रस्तावना", अन्यथा , ई.डी. शुभ्रजीत सेन, पीपी. xi-xxii.कोलकाता: संस्कृत पुस्तक भंडार, आईएसबीएन: 978-93-92622-43-4.

हरेकृष्ण मिश्र

- मिश्रा, एचके (2022), 'सोशल कंसर्न कौटिल्य एंड लॉज़ ऑन वेज एंड कंज्यूमर राइट्स', 'सियासत, जर्नल ऑफ रिलीजन, सोशल, कल्चरल एंड पॉलिटिकल साइंसेज, इंडोनेशिया वॉल्यूम- 7 , इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल अंक-3, आईएसएसएन-2721-7450,
- मिश्रा, एचके (2022), 'आर्थिक सुरक्षा पर कानून: कुछ प्राचीन भारतीय कानूनों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन', सियासत, जर्नल ऑफ रिलीजन, सोशल, कल्चरल एंड पॉलिटिकल साइंसेज, इंडोनेशिया वॉल्यूम-7 , अंक-3, आईएसएसएन-2721-7450 इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, सह-लेखक ,गुणधारा भंडारी,

गार्गी भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, जी. (2022), " अद्वैतवेदांत में मैक्सिमस : सिमेंटिक इंटरप्रिटेशन", शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा , ईडी, अरुणा रंजन मिश्रा. पृष्ठ 16-27. दिल्ली: प्रतिभा प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-81-7702-499-9.
- भट्टाचार्य, जी. (2022), " मृच्छकटिकम् में हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म ", शूद्रक का मृच्छकटिकम्: एक पाठक , ईडी, सप्तर्षि मल्लिक. पृ. 271-286. बोलपुर: बिरुतजतिओ, आईएसबीएन: 978-93-91736-32-3.
- भट्टाचार्य, जी. (2022), " समुद्र-संगम या दारा शुकोह द्वारा मजमा-उल-बेरियन का संस्कृत प्रतिपादन : प्रारंभिक आधुनिक भारत में सूफीवाद और वेदांतिक हिंदू धर्म का मिश्रण", अन्वीक्षा (संस्कृत विभाग , यादवपुर विश्वविद्यालय का अनुसंधान जर्नल), खंड, एक्सएलआईवी, भाग- II, कोलकाता: जादवपुर विश्वविद्यालय, आईएसएसएन: 0587-1646,

प्रीतिलक्ष्मी स्वैन

- स्वैन, पी. (2022), 'अष्टाध्यायी के प्राथमिक प्रत्ययों में वृद्धि नियमों का कार्यान्वयन', किरणावली: जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च फाउंडेशन, खंड XIV, पुस्तक-II , आईएसएसएन: 0975-4067, यूजीसी केयर लिस्टेड, ग्रुप-1, जर्नल, आईडी=101002378,
- स्वैन, पी. (2022), ' तिगंतप्रकरणे व्याकरणप्रत्यायनं महत्वम्', खगोला: , खंड, 7, आईएसएसएन: 2456-3420,
- स्वैन, पी. (2022), श्रीहरिणाममर्तपाणिनीयव्याकरणयोहसंधिप्रकरणस्य तुलानात्मकमध्ययानम् , किरणावली : जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च फाउंडेशन , खंड XIV, पुस्तक-3-4, आईएसएसएन: 0975-4067,
- स्वैन, पी. (2022), काशिकावृत्ति और व्याकरणसिद्धांतकौमुदी में हलसंधि के उदाहरण: एक तुलनात्मक अध्ययन, तुलसी प्रज्ञा , खंड 195, आईएसएसएन: 0974-8857,
- स्वैन, पी. (2022), 'महिला, महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर नज़रुल के विचार', एक संपादित पुस्तक " काज़ी नज़रूल इस्लाम: विद्रोही कवि, रेडशाइन , आईएसबीएन: 978-1-387-48451-5 के कार्यों और विचारों को उजागर करना" में,

विभाग द्वारा संबंधित भवन/सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास,

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी शिक्षा प्रणाली में 1901 में शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य विद्यालय की स्थापना के बाद से शैक्षणिक पाठ्यक्रम में संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में पेश किया था, विश्व भारती के प्रारंभिक काल में संस्कृत अध्ययन की जड़ को बिधुशेखर शास्त्री, क्षिति मोहन सेन जैसे प्रतिभाशाली विद्वानों द्वारा पोषित किया गया था, , सिल्वान लेवी, एमक्यूरिस विंटरनिलज़ आदि

विद्या भवन 8 पौष, 1332 (दिसंबर 1925 के अंतिम सप्ताह में) अस्तित्व में आया और पंडित बिधुशेखर शास्त्री इसके प्राचार्य थे, इसने विभिन्न डिग्रियों के लिए संस्कृत, पाली और प्राकृत सहित विभिन्न विषयों की पेशकश की, विद्या भवन को व्यापक प्रभाव वाली एक शोध संस्था माना जाता था, 1972 में जब सभी भवनों का पुनर्गठन किया गया, तो विद्या भवन संस्कृत, पाली और प्राकृत सहित 15 विभागों के साथ कला संकाय बन गया, विभाग 2011 में नवनिर्मित भाषा भवन के अंतर्गत आ गया

संस्कृत, पाली और प्राकृत के मुख्य शिक्षण को 1951 में एक अलग और पूर्ण विभा दर्जा दिया गया था जब विश्व भारती को केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का नाम दिया गया था, यह संस्कृत, पाली और प्राकृत

में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, उन्नत डिप्लोमा, विदेशी छात्रों के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम आदि प्रदान करता है
विभाग ने 2011-12 सत्र से बीए (ऑनर्स) और एमए स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली शुरू की, विभाग ने 2014 में एम.फिल पाठ्यक्रम भी शुरू किया

**अन्य प्रासंगिक जानकारी,
प्राप्त पुरस्कार (सम्मानित एवं सम्मानित)**

निरंजन जेना

- 25.12.2022 परम्परा इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, रामपुरहाट, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित पौरहित्य प्रशिक्षण के अवसर पर "संस्कृत शास्त्र-निधि" से सम्मानित और सम्मानित किया गया,
- 24.02.2023 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल हेरिटेज, सरकार द्वारा ओरिएंटल हेरिटेज पर आयोजित 44 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर "विद्यासागर पुरस्कार" से सम्मानित और सम्मानित किया गया , भारत की, कोलकाता शाखा रवीन्द्र भवन सभागार, दम दम रोड, कोलकाता में

उड़िया विभाग

यूजीसी नेटजेआरएफ में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- सिपुन साहू (यूजीसी नेट जेआरएफ)
- तुषार रंजन थानापति (यूजीसी नेट)
- संतोष दास (यूजीसी नेट)
- कमल लोचन दास (यूजीसी नेट)
- राजलक्ष्मी पांडा (यूजीसी नेट)
- सत्य नारायण रेडी (यूजीसी नेट)
- बिपद कुमार बारिक (यूजीसी नेट)
- गीतारानी बिसोयी (यूजीसी नेट)
- सीमांचल पात्रा (यूजीसी नेट)
- प्रियंका पोलाई (यूजीसी नेट)
- शिबानी बरिहा (यूजीसी नेट)

विभागीय संगोष्ठी

- 29.07.2022 अतनु ससमल
- 19.09.2022 पायल मुखर्जी
- 28.11.2022 अभिराम बिस्वाल
- 24.03.2023 निरंजन जेना

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/आदि:

मनोरंजन प्रधान:

- 16.09.2022-17.09.2022 यूजीसी, मानव संसाधन केंद्र, संबलपुर विश्वविद्यालय में "भाषा, साहित्य और संस्कृति और लुप्तप्राय ओडिया भाषा" विषय पर एक शोध व्यक्ति के रूप में चार व्याख्यान दिए
- 20.09.2022-21.09.2022 तमिल केंद्र, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा "गैर-तमिलों के बीच शास्त्रीय तमिल साहित्य का प्रसार" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन और अध्यक्षता की,
- 31.10.2022 यूजीसी, मानव संसाधन केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में एक शोध व्यक्ति के रूप में ओडिया भाषा संप्रतीक स्थिति पर दो वार्ताएँ दीं,
- 1.11.2022 यूजीसी, मानव संसाधन केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय में एक शोध व्यक्ति के रूप में "19^{वीं} सदी के ओडिया उपन्यास में ओडिया संस्कृति" विषय पर चार व्याख्यान दिए और विषय पर जापानी विभाग, विश्व-भारती के अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता की, शांतिनिकेतन-भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलू

- 30.11.2022 विश्वभारती के चीनी विभाग द्वारा भारत-चीन संबंध विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की ,
- 27.01.2023 उत्कल विश्वविद्यालय के ओडिशा विभाग द्वारा आयोजित 'ओडिया डिक्शनरी और पंडित श्रीधर दास' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उनाबिम्शा शतकरे रचिता ओडिया ओ बांग्ला समाभासी अभिधान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया,

प्रमिला पटुलिया:

- 23.03.2023-25.03.2023 ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के ओडिया भाषा और साहित्य विभाग द्वारा आयोजित 'प्रवासी ओडिया साहित्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पश्चिम बंगाल प्रवासी ओडियंका संस्कृति प्रीति' पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया

शरत कुमार जेना:

- 06.06.2022 ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित "बेनीमाधबा पाधिक जीवन ओ सृजन" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "समलोचका बेनिमाधबा पाधि" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया,
- 19.08.2022-20.08.2022 "समकालीन हिंदी-ओडिया कविता और गोपालकृष्ण रथ" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी , नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें 'प्रगतिशिला कबी गोपालकृष्ण रथ' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया,
- 12.06.2022 ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित "अमा गान अमा साहित्य कार्यक्रम" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बुगुड़ा आंचलरा साहित्य ओ संस्कृति" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया,
- 08.12.2022 जीएम यूनिवर्सिटी, संबलपुर में "ओडिया साहित्ये दलित चेतना" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "ओडिया साहित्ये दलित चेतना" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया,
- 17.03.2023 विदेशी भाषा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित "एक भाषा में सोच और भावना: क्रॉस-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के माध्यम से विदेशी भाषाओं, संस्कृतियों और समाजों से आख्यान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने "ओडिया साहित्य से परिप्रेक्ष्य: जीवन और भावनाएं" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया , 20^{वीं} सदी की शुरुआत में रंगून में उड़िया लोगों की ,
- 23.03.2023-25.03.2023. ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के ओडिया भाषा और साहित्य विभाग द्वारा आयोजित 'प्रवासी ओडिया साहित्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "20 वीं शताब्दी की शुरुआत में प्रवासी चेतना ओडिया साहित्य: रंगून परिप्रेक्ष्य विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया,

इंद्रमणि साहू.

- 01.03.2023 हमारे समय में महिमा धर्म और भीम भोई पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: पाठ और संदर्भ, भीम भोई अनुसंधान केंद्र, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा आयोजित 'भाबासिंधु ओ भाबासिंधु रा महिमा अबगाही: भीमा भोई' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया ,

शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ:

- 2020-23. शरत कुमार जेना, सदस्य, ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर,

प्रकाशन

(आई) पाठ्य पुस्तकें:

- जेना, शरत कुमार (सं.), (2022), भ्रमण एकाबिंशति (सं.), भुवनेश्वर: गायत्री प्रकाशक.
- जेना, शरत कुमार, (2023), नारी ओ नारीबादा प्रसंगा, भुवनेश्वर: पक्षीघरा प्रकाशनी, आईएसबीएन-978-81-938885-3-5,
- जेना, शरत कुमार (सं.), (2023), बिमुग्ध गल्पा विमर्श , भुवनेश्वर: एथेना बुक्स, आईएसबीएन-978-93-95597-35-7,
- जेना, शरत कुमार (सं.), (2023), अरबिंदा रे: कथाबिभाबा (सं.), कटक: फ्रेंड्स पब्लिशर्स, आईएसएसएन: 978-93-92898-35-8,
- जेना, शरत कुमार (सं.), (2023), देबाशीष पाणिग्रही: कथाबिस्वा (सं.), भुवनेश्वर: पक्षीघरा, आईएसएसएन: 978-81938885-3-3,
- जेना, शरत कुमार (सं.), (2023), अजॉय महापात्र: सर्जना समीक्षा (सं.), भुवनेश्वर: पक्षीघरा, आईएसएसएन: 13 978-81938885-3-6,

(II) संदर्भ पुस्तकों में लेख:

- जेना, एसके (2022), 'सरला हृदयारा तरला कहानी: मेला रा मर्मबानी', क्रांति कुंभकार (एड-ज्ञानी देबाशीष मिश्रा और...), भुवनेश्वर, पेन इन बुक्स, 2022, आईएसएसएन- 978-9391388-17-1,

(IV) शोध पत्र:

- पातुलिया प्रमिला, 2022, सितंबर, 'बिबिधतारे बिहाला फकीरमोहन सेनापतिका मानविकाता धर्मी कविता' झंकार , कटक, खंड संख्या- 74, अंक संख्या 6
- जेना, एसके 2022, अक्टूबर महत्तर चेतनारा नबदिगंता: शेष बसंतारा चिथि, कोणार्क, ओडिशा साहित्य अकादमी,
- जेना, एसके(2022, जून,27), द स्टाइल ऑफ कंटेम्परेरी ओडिया ड्रामा- थिएटर स्ट्रीट जर्नल, वॉल्यूम-6, नंबर- 1, पीयर रिव्यूड जर्नल, आईएसएसएन 2456-754एक्स, पीपी. 172-185
- जेना, एसके(2022, अप्रैल), संस्कृत स्तरभेद ओ लोक संस्कृति, प्राची, आईएसएसएन-2583-147 एक्स, खंड- 8, अंक संख्या-1, पीयर रिव्यूड एंड रेफरीड रिसर्च जर्नल,
- जेना, एसके(2022, अक्टूबर), नारीवाद : अतीत वर्तमाना ओ भबिस्वत, पक्षीघरा,
- जेना, एसके (2022, अक्टूबर), औपन्यासिका उमेश चरण पाथी, शिबानी,
- जेना, एसके (2022, अक्टूबर), आदिबासी चित्रा ओ सोशनारा क्षेत्र: स्वाधीनता परबर्ती ओडिया गलपारा भाबाबैचित्रा, बैजयंती ,
- जेना, एसके(2022, अक्टूबर), कबितर परिभाषा: अनंत अन्वेषा, कव्यलोक , आईएसएसएन-2349-016,

विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास और भविष्य की योजना का संकेत:

ओडिया विभाग , विश्वभारती की कल्पना 1947 में की गई थी और इसे 1951 में एक नियमित स्नातकोत्तर विभाग के रूप में स्थापित किया गया था, यह विभाग ओडिशा के बाहर देश में ओडिया भाषा और साहित्य का

अध्याय-2

एकमात्र स्नातकोत्तर विभाग और शिक्षण केंद्र है , यह अंडर-ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट, एम.फिल और पीएचडी दोनों में शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है, स्तर, इसके अलावा यह सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है, अपनी स्थापना के बाद से, विभाग अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों में उच्च मानक बनाए रख रहा है,

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि अध्यापकों/शोधार्थियों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण:

अतीकुर रहमान

- 30.07.2022-31.07.2022. ईरान सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित "फारसी अध्ययन को बढ़ावा देने में सिखों का योगदान" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महाराजा रणजीत सिंह के विशेष संदर्भ में फारसी अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए सिखों का योगदान" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 30.01.2023-31.01.2023 यूजीसी-एचआरडीसी, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा एएमयू सेंटर मल्लापुरम के सहयोग से आयोजित "नई शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन पर कार्यशाला" नामक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन:

अतीकुर रहमान

- रहमान, अतीकुर (2022)। "बंगाली भाषा और साहित्य पर फारसी का प्रभाव"। दबीर, लखनऊ, दबीर हसन मेमोरियल लाइब्रेरी काकोरी, खंड IX, अंक: III-IV, S. नंबर 23, पृष्ठ 168-179
- रहमान, अतीकुर (2022)। "गुलिस्तान-ए-सादी फारसी की एक अहम नासरी तसनीफ"। उर्दू दुनिया, नई दिल्ली, राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, खंड 24, अंक: 10, पृष्ठ 66-67
- रहमान, अतीकुर (2022)। मोशारफ आलम जैकीब हैसियत, उपन्यासकार, फैजान - ए-अदब- मउ, इदारा-ए-तहकीकात-ए उर्दू और फारसी खण्ड-7, अंक-2, पृष्ठ 124-129।

अब्दुल्ला मोल्ला

- मोल्ला, अब्दुल्ला (2022)। "मुस्तफा लुत्फी अल-मनफालुती की कहानियां एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर) (एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस पीयर रिव्यू, रेफर्ड जर्नल), वॉल्यूम 9, अंक - 2, पीपी 443-445, प्रभाव कारक: 7.17, doi: <http://doi.org/10.1729/Journal.29943>.
- मोल्ला, अब्दुल्ला (2022)। "अल्लामाह अनवरशाह कश्मीरी की संक्षिप्त जीवन रेखा और उनका कृतित्व : क विश्लेषणात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आई जे आर ए आर) (एक अन्तर्राष्ट्रीय ओपन एक्सेस पीयर रिव्यूड, रेफर्ड जर्नल), खण्ड-10 अंक-1, पृष्ठ 56-58, इंपैक्ट फैक्टर 7-17
- मोल्ला, अब्दुल्ला (2022)। "अब्दुर रहमान मुबारकपुरी और हदीस साहित्य में उनका योगदान"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर) (एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस पीयर रिव्यू, रेफर्ड जर्नल), वॉल्यूम 9, अंक - 4, पीपी 693-696, प्रभाव कारक: 7.17

भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

अनुवाद परियोजना

- केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ द्वारा संचालित तिब्बत से राहुल सांकृत्यायन द्वारा भारत लाए गए बौद्ध ग्रंथों का तिब्बती से हिंदी में अनुवाद। [प्रगति पर]
- एफपीएमटी, यूएसए द्वारा प्रायोजित तिब्बती से बंगाली और अंग्रेजी में एक लघु अनुवाद परियोजना पूरी की और इसे प्रकाशित भी किया।
- 84000 अनुवाद समिति, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रायोजित तिब्बती से अंग्रेजी में एक लघु अनुवाद परियोजना पूरी की। प्रस्तुत किया गया है और स्वीकार भी किया गया है।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

- 21.02.2023. भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग के छात्रों ने रामकिंकर मंच, भारततीर्थ, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर तिब्बती कविता (शीर्षक: डॉ. शेडुप तेनजिन द्वारा रचित मातृ भूमि की प्रतिष्ठा) पाठ का प्रदर्शन किया। (इंदिरा गांधी केंद्र, बांग्लादेश भवन और विश्व भारती की कर्मपरिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित)।
- अध्यापकों/अध्येताओं या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षिक विभेद (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या प्रगत अध् ययन केन् द्र (सी.ए.एस.) आदि के रूप में मान् यता प्राप् त करना)

संजीव कुमार दास:

- जादवपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन रिक्रेशर कोर्स में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और "बौद्ध तर्क और महामारी विज्ञान के अध्ययन में तिब्बती विद्वानों का योगदान" पर एक व्याख्यान दिया।
- एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा एक रेफरी के रूप में नामित किया गया था, जो "भारतीय राजाओं का एक ऐतिहासिक कालक्रम जो कि भारतीय राजाओं पर आधारित है" शीर्षक से अंतिम रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए नामित किया गया था।
- एनआईओएस (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग) द्वारा शुरू किए गए बौद्ध दर्शन पाठ्यक्रम की सामग्री के समीक्षक के रूप में कार्य किया।

शेडुप तेनजिन

23.02.2023 से 28.02.2023. यूजी-क्यूईटी के लिए तिब्बती भाषा के आइटम राइटर में से एक के रूप में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आमंत्रित

प्रकाशन:

संजीव कुमार दास:

अनुवादित और संपादित पुस्तकें

अध्याय-2

- दास, संजीव कुमार (2022), बुद्ध के सात उत्तराधिकारी और सोलह महास्थवीर (बंगाली और अंग्रेजी), तथागत प्रेस: कोलकाता, आईएसबीएन: 9789391867553
- दास, संजीव कुमार (2022), सिद्धांत-रत्नावली (हिंदी), बौद्ध वर्ल्ड प्रेस: दिल्ली, आईएसबीएन: 9789391867782
- दास, संजीव कुमार (2022), प्रज्ञा पारमिता दयासूत्र (संस्कृत, तिब्बती, हिंदी, बंगाली और अंग्रेजी), तथागत प्रेस: कोलकाता, आईएसबीएन: 9789391867546
- दास, संजीव कुमार (2023), बुद्ध एवं प्रतित्यासमुत्पाद (बंगाली), तथागत प्रेस, आईएसबीएन: 978-93-91867-90-4

लेख:

- "बौद्ध धर्म में अहिंसा का एक दृष्टिकोण", धर्मदूत, सारनाथ: महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, नवंबर 2022, आईएसएसएन- 2347-3428 (यूजीसी केयर जर्नल)
- "बौद्ध साहित्य मे पंच महाविद्या", विश्व भारती पत्रिका, 2022. विश्व भारती। आईएसएसएन: 2348-4977
- "बौद्ध दृष्टिकोण माँ पूर्वजन्म एवं अपर जन्म", बोधि-पथ, 2022, वॉल्यूम 22, आईएसएसएन 2347-8004

पुस्तक में अध्याय:

- दास, संजीव कुमार, पाठक, सुनीति कुमार (2022)। बौद्ध संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद: उत्पत्ति और महत्व, प्रोफेसर जोयिता गांगुली स्मरणोत्सव खंड, आईएसबीएन: 978-81-952533-0-2
- दास, संजीव कुमार। (सं। कुमार बिमलेंद्र और कुमार, उज्ज्वल (2022)। सूक्ष्म-वृद्धिकर्ता (अनुषाया), अस्तित्व का मूल: एक अभिधर्मकोषकारिका दृष्टिकोण, धम्म-अनुशीलन, आईएसबीएन: 978-81-246-1116-6
- दास, संजीव कुमार (एड.), प्रोफेसर जम्पा समतेन, डॉ. लोबसांग दोरजी, डॉ. नगावांग तेनफेल और डॉ. दावा शेरपा (2022)। "बुद्ध का मानव धर्म", तिब्बती और हिमालयी अध्ययन पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसबीएन: 978-1-948203-18-0

पुस्तक

शेडुप तेनज़िन

पुस्तक में अध्याय :

- "तिब्बती और हिमालयी अध्ययन पर सीआईएचटीएस के पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2022, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान: सारनाथ, आईएसबीएन: 978-1-948203-18-0।

जर्नल में लेख:

- "तिब्बती और वियतनामी बौद्ध परंपराओं में अवलोकितेश्वर: एक अवलोकन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी)। एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू, रेफर्ड जर्नल, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882
- "मानव की सोलह शुद्ध नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन (Mi chos gtsang ma bcu दवा), एक प्राचीन तिब्बती कानून", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू, रेफर्ड जर्नल, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882

- "तिब्बती नाटकीय नाटक के संदर्भ में ग्यासा बालसा के आख्यानो पर अवलोकन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू, रेफर्ड जर्नल, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882
- "सुहरलेखा का अवलोकन और शाक्य पंडिता की सुहरलेखा की रूपरेखा का अनुवाद", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, एक अंतर्राष्ट्रीय ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू, रेफरी जर्नल, 2022, अंक 2, आईएसएसएन नंबर 2320-2882
- "आचे ल्हामो, तिब्बत का सामाजिक-धार्मिक ओपेरा और प्रिंस ड्रिमी कुंडेन की कथा", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, एक इंटरनेशनल ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू, रेफर्ड जर्नल, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882,
- "तिब्बती बौद्ध धर्म के शाक्यपा स्कूल में बौद्ध तार्किक अध्ययन", जर्नल इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 2022, आईएसएसएन नंबर 2349-5162
- "सांगफू न्यूथेग मठ (एस्टब) में बौद्ध तार्किक अध्ययन का प्रसार। तिब्बती बौद्ध स्कूल के 1073", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, वॉल्यूम 10, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882
- "तिब्बत में बौद्ध धर्म के बाद के प्रसार के दौरान इंडो-तिब्बती अध्ययन का परिचय", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882
- "तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रारंभिक प्रसार के दौरान इंडो-तिब्बती अध्ययन का परिचय", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 2022, आईएसएसएन नंबर 2320-2882

प्रकृति चक्रवर्ती

लेख:

- "त्सोंगखापा: तिब्बती बौद्ध धर्म के सुधारक", धर्मदूत, नवंबर 2022, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, अनागारिका धर्मपाल इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पाली एंड बुद्धिस्ट स्टडीज, सारनाथ, वाराणसी, यूजीसी केयर जर्नल वॉल्यूम 88, आईएसएसएन: 2347-3428
- "महायान बौद्ध धर्म के सत्रह भारतीय बौद्ध स्वामी", नालंदा, 2022, बौद्ध धर्म और भारतीय सांस्कृतिक जर्नल, आईएसएसएन: 2320-7264

मनोतोष मंडल

लेख:

- "भगवत गीता और बौद्ध अवधारणा के संदर्भ में योग का तुलनात्मक अध्ययन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), सितंबर-2022
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी) अगस्त-2022 में दि 'दि इंटेलेक्चुअल एज इंटरप्रेटंड इन दि इंडियन बुद्धिस्ट लिटेरेचर'।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), अगस्त-2022 में प्रकाशित हुआ था, "द महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया बुद्ध के जीवन पर बौद्ध सामग्री का एक अनूठा खजाना"
- "बौद्ध तर्क के अनुसार वैध अनुभूति की अवधारणा", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), अगस्त-2022

अध्याय-2

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), अगस्त-2022 में प्रकाशित हुआ है, "वैध अनुभूति के बौद्ध दृष्टिकोण पर नाययिका की आपत्ति पर आलोचनात्मक प्रतिबिंब"
- "बुद्ध के शिष्यों और उनके उत्तराधिकारियों के खातों का अवलोकन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), अगस्त-2022

संताली विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि। शिक्षकों/शोधार्थियों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण:

धनेश्वर मांझी

- 14.4.2022. "संताली साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "संताली भाषा, साहित्य संस्कृति और शिक्षा" पर एक चर्चा सत्र व्याख्यान की अध्यक्षता की। और प्रणवानंद विद्या मंदिर, पथरा रानीसवार ब्लॉक, दुमका, जेएच
- 16.05.2022. प्रीतिकोना जेना एंड कंपनी द्वारा आयोजित "पंडित रघुनाथ मुर्मू" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "पंडित रघुनाथ मुर्मू" पर एक व्याख्यान दिया।
- 10.05.2022. मानकर कॉलेज मानकर द्वारा आयोजित "रघुनाथ मुर्मू आग सिरजन रे का.री: जुग खोन जुग जाग जाग" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "चिकी आर पारसी पासनाओ रे गुरु गोमकेयाग गायन को रेयाग एनीम" पर व्याख्यान दिया।
- 16.05.2022. वी.यू. मिदनापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पंडित आर.एन. मुर्मू-जन्मदिन समारोह 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पं.आर.एन.मुर्मू डोरसन" पर व्याख्यान दिया।
- 22.05.2022. साहित्य अकादमी द्वारा एआईएसडब्ल्यूए, पश्चिम बंगाल शाखा साहित्यिक मंच के सहयोग से आयोजित "संताल, डोंग गीत और उनका साहित्यिक महत्व और कवि संधि" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संताली होर साओहेट रे डोंग सेरेंग" पर व्याख्यान दिया।
- 10.06.2022. संताली रिलोमाला अखाड़ा, सुरुगा बाजार (झापा) और रतुवामई नगर पालिका, वार्ड नंबर -09 (मोरांग), नेपाल द्वारा आयोजित "विश्व की संताली शिक्षा और संस्कृति" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संताली शिक्षा और संस्कृति" पर व्याख्यान दिया।
- 10.06.2022. परिहय फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रथम परिचय साहित्य महोत्सव पर "राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक महोत्सव में कविता प्रस्तुति" पर व्याख्यान दिया।
- 08.01.2023. सिदो कान्हू ताड़ी, पहाड़गोड़ा, कुंडहित, जामताड़ा, झारखंड द्वारा आयोजित "दिसोम सोहराई" पर राष्ट्रीय स्तर के सोहराई महोत्सव में "सोहराई" पर व्याख्यान दिया।
- 08.01.2023. शांतिनिकेतन पुशबोंगा मेला-2023 द्वारा शांतिनिकेतन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बोलपुर, पश्चिम बंगाल, भारत में आयोजित "पारंपरिक और वंशानुगत संताल सोहराई फेसटिवल" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सोहराई-प्राचीन और आधुनिक" पर व्याख्यान दिया।
- 11.02.2023: "संताल समुदाय के विकास के लिए संताल भाषा, लिपि, संस्कृति और साहित्य का महत्व" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संताल समुदाय के विकास के लिए संताल भाषा, लिपि, संस्कृति और साहित्य का महत्व" पर व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन नेपाल के रिलोमाला संथाली आखाड़े द्वारा कंकई मल्टीपल कैम्पस कंकई नगर पालिका के सहयोग से किया गया था। कंकई मल्टीपल कैम्पस, सुरुगा, झापा, नेपाल में सुरुगा, झापा।

अध्याय-2

रामू हेम्ब्रम

- 11.02.2023. कंकई मल्टीपल कैम्पोस कंकई नगर पालिका के सहयोग से नेपाल के रिलोमाला संथाली आखाड़े द्वारा आयोजित संथाल स्वदेशी उत्थान संघ द्वारा आयोजित "संथाल समुदाय के विकास के लिए संथाली भाषा, लिपि, संस्कृति और साहित्य का महत्व" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संथाल के विकास के लिए संथाल सामाजिक, सांस्कृतिक का महत्व" पर व्याख्यान दिया। कंकई मल्टीपल कैम्पोस, सुरुगा, झापा, नेपाल में सुरुगा, झापा।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

01.02.2023: रामकिंकर मंच, भारत तीर्थ, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए संथाली स्टाफ और छात्रों के विभाग की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

- अध्येताओं या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षिक भेद (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.एस.ए.) आदि के रूप में मान्यता):
- 17.06.2022: संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2022 की प्रतियोगिता में डिजिटल शासन' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन:

- मांझी, डी., (2022, जून), 'संथाल सौंटा साओहेद रे गो को'. खोड़ा, 69-73
- मुर्मू, डी., (2022, अगस्त), 'मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ'. दिसोम गोडेट, वर्ष -3, अंक -4, 12-14
- मुर्मू, एम., (2022, दिसंबर), 'सोहराई', उमुल, खंड 20, 4.
- मुर्मू, एम., (2022, जून). 'अरजाविन', उमुल, खंड - 20, 1-2
- मुर्मू, एम., (2023, मार्च)। 'कुम्बा जपीड', आशा, 14-16

जापानी विभाग (निष्पन्न भवन)

यूजीसी/ सीएसआईआर/ नेट/ एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

1. सुश्री रितिका भक्त (यूजीसी नेट के साथ जेआरएफ, नवंबर 2022)
2. सुश्री पद्मा बास्की (यूजीसी नेट के साथ जेआरएफ, नवंबर 2022)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

- 14-15.11.2022. इस अवसर पर जापान फाउंडेशन के सहयोग से 'शांतिनिकेतन- भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया गया।
- 05.01.2023. बंगाल के वनस्पतियों की प्रसिद्ध विद्वान श्री नाओकी निशिओका द्वारा "जापान के मौसम और फूल" पर एक वार्ता का आयोजन किया गया।
- 14.02.2023. दोशीशा विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान के विजिटिंग प्रोफेसर प्रोफेसर मासायुकी ओनिशी द्वारा "नंदलाल बोस, अबनिंद्रनाथ और रवींद्रनाथ टैगोर" पर एक वार्ता का आयोजन किया गया।
- 25.03.2023. टोक्यो बंको विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान के प्रोफेसर सुजुकी कीजी द्वारा "टेपंटारेर मठ और मियाज़ावा केनजी" पर एक वार्ता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि:

सम्मेलन/ संगोष्ठी में भागीदारी

गीता ए कीनी

- 20-22.09.2022. पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, जापानी द्वारा वर्चुअल मोड में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत-जापान @ 70: आत्मनिरीक्षण, अंतर्दृष्टि और पहल में "भारत-जापान सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान के एक मंच के रूप में शांतिनिकेतन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रभाग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत-जापान संबंधों में 70वें महत्वपूर्ण मील के पत्थर, 2022 के अवसर पर।
- 25.11.2022. विदेशी भाषा अध्ययन विभाग, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुरगी, कर्नाटक द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में भाग लेकर भाषण दिया।
- 20.12.2022. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यान श्रृंखला कारक: तुलनात्मकता में अभ्यास के एक भाग के रूप में "अंतःविषय और जापानोलॉजी" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 07-08.02.2023. क्षेत्रीय पदचिह्न को कैलिब्रेट करने और भारत और दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन के नए आयामों की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक अकादमिक सत्र की अध्यक्षता की। 新たな次元の追球, जापानी

अध्याय-2

केंद्र द्वारा आयोजित अध्ययन, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन स्कूल, नई दिल्ली में जापान फाउंडेशन के सहयोग से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।

अर्पिता पॉल

- 1-2.12.2022. चीन भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक "मीजी जापान में वांग यांगमिंग का दार्शनिक प्रकाश।"
- 14-15. 11.2022. जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से जापानी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित "शांतिनिकेतन-भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलू" शीर्षक वाले दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक "कितामुरा टोकोकू की ऑन्टोलॉजिकल एथिक्स : योमेगाकु के प्रकाश में"
- 21.01.2023. एम.एस. में "ओकिनावान परिप्रेक्ष्य से ओकिनावा स्थिति मुद्दा 1945-1951" शीर्षक पर एक व्याख्यान बुलाया और उसकी अध्यक्षता की। विश्वेश्वरैया-ओकाकुरा तेनशिन व्याख्यान श्रृंखला जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से जेएसआई (जापानी स्टडीज इंडिया) ऑनलाइन प्लेटफॉर्म <https://japanesestudiesindia.home.blog> पर आयोजित की गई।
- 11.02.2023. जापान फाउंडेशन के सहयोग से जेएसआई (जापानी स्टडीज इंडिया) ऑनलाइन प्लेटफॉर्म <https://japanesestudiesindia.home.blog> पर आयोजित एम.एस. विश्वेश्वरैया-ओकाकुरा तेनशिन व्याख्यान श्रृंखला में "कात्यामा सेन: द ट्रांसनेशनल लाइफ ऑफ ए जापानी कम्युनिस्ट" शीर्षक से एक व्याख्यान आयोजित और अध्यक्षता की, नयी दिल्ली में।

प्रसेनजीत चक्रवर्ती (अतिथि-शिक्षक)

- 14-15.11.2022. जापान के सहयोग से शांतिनिकेतन- भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "पारिस्थितिकी शर्तों के अनुवाद में चुनौतियाँ: केंजी मियाज़ावा द्वारा योदाका नो होशी का एक केस अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जापान में।

देबप्रिय दास (शोध विद्वान)

- 14-15.11.2022. जापान फाउंडेशन, जापान के सहयोग से शांतिनिकेतन-भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और नानकिची निमी के "किट्स्यून नो त्सुकाई" में परिलक्षित जापान के सांस्कृतिक तत्वों पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री रितिका भक्त (शोध विद्वान)

- 14-15.11.2022। जापान फाउंडेशन, जापान के सहयोग से शांतिनिकेतन- भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जापान में महिलाओं की रोजगार स्थिति" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एसके. अज़हर (शोध विद्वान)

- 14-15.11.2022. जापान फाउंडेशन, जापान के सहयोग से शांतिनिकेतन- भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जापान की उच्च शिक्षा में दूरस्थ शिक्षा के प्रमुख रुझान और मुद्दे" पर एक पेपर में भाग लेकर पेपर प्रस्तुत किया।

नीलांजन बंद्योपाध्याय (शोध विद्वान)

- 14-15.11.2022: जापान फाउंडेशन के सहयोग से, शांतिनिकेतन- भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वाबी-सबी का विचार: एक दृश्य यात्रा" पर भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया, जापान।

कार्यशाला में भागीदारी

अर्पिता पॉल

- 06.09.2022. 5-9 सितंबर, 2022 को "शिक्षक पर्व" के अवसर पर एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा "एनईपी 2020 और प्रौद्योगिकी: शिक्षकों की बदलती भूमिका" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

शेख अज़हर (शोध विद्वान)

- 06.12.2022-21.02.2023: द जापान फाउंडेशन, जापान द्वारा आयोजित "आकांक्षी जापानी विद्वानों के लिए चौथी सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यशाला" नामक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/ एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 20-22.02.2023. चिकुशी जोगाकुएन विश्वविद्यालय, क्यूशू, जापान के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम
- 18.01.2023: एक डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग [その道: 2018 年パルパティバウル日本の旅 "द पाथ: पार्वती बौल इन जापान 2018", निर्देशक और निर्माता सुश्री सकुराको अबे, टोक्यो, जापान द्वारा।
- 27.03.2023. प्रारंभिक पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए थिएटर कंपनी KAZE, टोक्यो थिएटर कंपनी, सांस्कृतिक मामलों की एजेंसी, जापान के सहयोग से "トビウオの森 (टोबिउओ नो मोरी)" शीर्षक से ओरिगेमी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। यह जापान में एक राष्ट्रीय परियोजना है, जिसे जापान सरकार की सांस्कृतिक मामलों की एजेंसी स्ट्रैटेजिक आर्ट्स एंड कल्चर क्रिएशन प्रमोशन प्रोजेक्ट के समन्वय से टोक्यो थिएटर कंपनी KAZE द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। थिएटर कंपनी KAZE कई वर्षों से "प्रदर्शन कला द्वारा क्षेत्रीय पुनरुद्धार परियोजना" के नाम से इस परियोजना को चला रही है।

अध्याय-2

शिक्षकों/ विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

- जापानी में सहायक प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त दास को दो साल की अवधि के लिए टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो, जापान में जापान में शोध कार्य करने के लिए जेएसपीएस (विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए जापान सोसायटी) पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप प्राप्त हुई। अगस्त 2022 से प्रभावी।

प्रकाशन:

पुस्तकें:

- अजीम मो० ए (2022)। "द मॉडर्न रिव्यू" में प्रकाशित जापान-संबंधित लेखों, चित्रों की सूची, इनसाइट: कला और मानविकी का एक अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी जर्नल, (आईएसएसएन: 2582-8002), पीपी 323-326।
- अजीम, मो० ए और एसके ए. (2022), "भारत और जापान में उच्च शिक्षा: एक तुलनात्मक अध्ययन"। आईजेएफएमआर-इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, ई-आईएसएसएन: 2582-2160
- अजीम, मो० ए. और दास, डी. (2022), 'नानकिची निमी और जापानी बाल साहित्य में उनका योगदान', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, ई-आईएसएसएन - 2320-2882
- अजीम, मो० ए. और भक्त, आर. (2022), 'महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण: भारत और जापान का तुलनात्मक अध्ययन', IJRAR - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़, 284-289। ई-आईएसएसएन 2348-1269

अर्पिता पॉल

- 「明治期の精神革命におけるキリスト教と陽明学」学芸大学国語国文学会第55号、351-358頁、3月15日2023年 ऑनलाइन आईएसएसएन: 2433-7617, प्रिंट आईएसएसएन: 0387-9135, अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने योग्य है, को शामिल किया जाना चाहिए।

जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा जुलाई 2019:

- 03.07.2022. जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा (जेएलपीटी) जापान फाउंडेशन, जापान के सहयोग से और कोलकाता में जापान के महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। विभाग 2015 से टेस्ट का आयोजन कर रहा है जिसे COVID 19 महामारी के कारण कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया था। पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से 388 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया और परीक्षा दी।

जापानी सरकार MEXT छात्रवृत्ति 2023 के लिए चयन परीक्षा

- 19.02.2023. जापानी सरकार MEXT छात्रवृत्ति 2023 के लिए चयन परीक्षा कोलकाता में जापान के महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से आयोजित की गई थी।

छात्र की उपलब्धि:

अनुसंधान विद्वान

- श्री. सुदीप सिंह , पीएच.डी. से सम्मानित, अगस्त 2022 में जापानी में डिग्री।

IJWA द्वारा आयोजित 34वीं पूर्वी भारत जापानी भाषा भाषण प्रतियोगिता 25.02.2023 को आयोजित की गई।

- सायंतनी दास (बीए द्वितीय वर्ष) जूनियर तृतीय
- सतशिखा माइती (एमए प्रथम वर्ष) सीनियर प्रथम
- सुस्मिता दास (एमए प्रथम वर्ष) सीनियर सेकेंड

(जापानी भाषा शिक्षक संघ ऑफ इंडिया) निबंध प्रतियोगिता 2022

- सुश्री अरन्या बाग (एमए प्रथम वर्ष) तृतीय पुरस्कार

जेनेसिस (छात्रों और युवाओं के लिए जापान-पूर्वी एशिया नेटवर्क ऑफ़ एक्सचेंज) 2022-23

- यह कार्यक्रम जापान सरकार (जीओजे) द्वारा जापान और आसियान सदस्य देशों के बीच और जापान और एशिया-प्रशांत के क्षेत्रों में अन्य देशों के बीच लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया, 24.01.2023 - 02.02.2023

सुश्री सुस्मिता पाल (बीए तृतीय वर्ष)

श्री बरुण साहा (बीए तृतीय वर्ष)

चीनी भाषा और संस्कृति विभाग

यूजीसी/ सीएसआईआर/ नेट/ एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- सुप्रोदीप दास - नेट और जेआरएफ

छात्रवृत्ति/उपलब्धियाँ:

- 2022 में, चीन में अध्ययन करने के लिए पांच (05) छात्रों को चीनी सरकार छात्रवृत्ति के लिए नामांकित किया गया।
- अठारह (18) छात्रों को ऑन कैपस और ऑफ कैपस चयन प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी मिली।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 20.10.2022. चीना भवन की ओर से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वक्ता- शिव नादर विश्वविद्यालय के अंतराष्ट्रीय संबंध और शासन अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जेविन जैकब। प्रस्तुति का विषय- "चीन क्या चाहता है?" सीपीसी की 20वीं पार्टी कांग्रेस में विदेश नीति"
- 1-12.2022-2.12.2022. चीना भवन ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जहां देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। विषय - "भारत चीन संबंध और आगे का रास्ता"।
- 1.02.2023. चीना भवन द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया गया। वक्ता- प्रो. प्रोजीत कुमार पालित, प्रोफेसर और निदेशक, सेंटर फॉर इंडोलॉजिकल स्टडीज, इतिहास विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, प्रस्तुति का विषय- "स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और भारतीय संस्कृति: प्राचीन भारत के ज्ञान के साथ जुड़ाव"
- 1.02.2023. चीना भवन द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया गया। वक्ता-डॉ. अल्बर्ट तांग वेई मिन, एसोसिएट प्रोफेसर, संचार कला विभाग, फू जेन कैथोलिक विश्वविद्यालय, ताइवान और उपाध्यक्ष, दक्षिण एशियाई अध्ययन संघ ताइवान, प्रस्तुति का विषय- "कोलकाता में चीनी स्थान"।
- 27.02.2023. चीना भवन द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया गया। वक्ता- श्रीमती तंद्रिमा पैट्रिया- एसोसिएट प्रोफेसर, चीना भवन, विश्वभारती। प्रस्तुति का विषय- 'चीनी महिलाओं की एक प्राचीन पारंपरिक प्रथा और पैर बांधने पर टैगोर के विचार'।

राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि में शिक्षकों/ शोध विद्वानों ने भाग लिया।

अभिजित बनर्जी

- 27.05.2022. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी, चीन के निमंत्रण पर ऑनलाइन मोड में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "चीनी और भारतीय सभ्यताओं के बीच संवाद: सामान्य संस्कृति से सामान्य विकास तक"

- 21.06.2022. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर युन्नान मिंजू विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन द्वारा आयोजित "समानांतर फोरम 3: योग और चीन के सार्वजनिक स्वास्थ्य आंदोलन का प्रचार" में ऑनलाइन मोड में एक व्याख्यान दिया।
- 23.06.2022. लान्चो यूनिवर्सिटी इंडिया स्टडी सेंटर, लान्चो, चीन द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "भारत में सिनोलॉजी का अध्ययन और चीनी शिक्षण का विकास"
- 25.7.2022. चाइना इंटरनेशनल कम्युनिकेशंस ग्रुप, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित चीन-भारत युवा नेतृत्व संवाद में ऑनलाइन मोड में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "लोगों से लोगों की बातचीत के माध्यम से भारत-चीन संबंधों का पुनर्निर्माण"
- 14.09.2022. चाइना सेंटर फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक एक्सचेंज, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित "2022 ब्रिक्स थिंक टैंक राउंडटेबल" के सत्र 1 में ऑनलाइन मोड में एक वार्ता दी। प्रस्तुति का शीर्षक: वैश्विक सतत विकास को बढ़ावा देने में ब्रिक्स की भूमिका
- 19.09.2023. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित " तुलनात्मकवाद पर अभ्यास" नामक मासिक व्याख्यान श्रृंखला में एक पेपर प्रस्तुत किया, प्रस्तुति का शीर्षक: "चीनी अध्ययन में अंतःविषयवाद"
- 24.09.2022. पारंपरिक चीनी संस्कृति में मानवता के सामान्य मूल्यों पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम में ऑनलाइन मोड में एक व्याख्यान दिया, सिचुआन विश्वविद्यालय "इनोवेशन 2035" पायलट कार्यक्रम- सभ्यताओं के बीच पारस्परिक शिक्षा और वैश्विक शासन अनुसंधान परियोजना, चीनी बहु-जातीय सांस्कृतिक द्वारा सह-मेजबानी की गई। सामंजस्य और वैश्विक संचार सहयोगात्मक नवाचार केंद्र, और चीन दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, सिचुआन विश्वविद्यालय, चीन। प्रस्तुति का शीर्षक: "भारत-चीन शैक्षिक सहयोग के इतिहास और संभावना पर नज़र डालें: नींव के रूप में भारत-चीन भाषा का अध्ययन।
- 14.11.2022. जादवपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित व्यापक विषय "भारत और विदेश में बौद्ध धर्म का विकास" के तहत पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ऑनलाइन मोड में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "चीन में बौद्ध धर्म"।
- 18.11.2022. चीनी अध्ययन संस्थान (आईसीएस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित चीन अध्ययन पर 15वें अखिल भारतीय सम्मेलन (एआईसीसीएस) में "विषयगत पैनल II: पूर्वोत्तर भारत और चीन: सांस्कृतिक और शैक्षिक इंटरफेस" में वर्चुअल मोड में एक सत्र की अध्यक्षता की। , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गौहाटी विश्वविद्यालय, ओमेओ कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी और कोनराड-एडेनॉर-स्टिफ्टिंग, भारत।
- 16.12.2022. भाषा शिक्षा और सहयोग केंद्र, शिक्षा मंत्रालय और शेन्जेन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत में चीनी भाषा शिक्षा और भारत-चीन भाषा आदान-प्रदान और कोविड-19 के बाद के युग में सहयोग" विषय पर ऑनलाइन मोड में एक व्याख्यान दिया। , चीन। प्रस्तुति का शीर्षक: नई स्थिति और चुनौतियाँ जिनका भारत में चीनी शिक्षण को कोविड-19 की पृष्ठभूमि में सामना करना पड़ रहा है- उदाहरण के तौर पर विश्वभारती विश्वविद्यालय की चीना भावन को लेते हुए।

अध्याय-2

श्रीमती तंद्रिमा पैट्रिया

- 29.07.2022. चीना भवन, विश्वभारती में आर्मी एजुकेशन कोर ट्रेनिंग कॉलेज एंड सेंटर, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश से आए सेना कर्मियों के लिए एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "दाओवाद।"
- 16.11.2022. चीना भवन, विश्वभारती में आर्मी एजुकेशन कोर ट्रेनिंग कॉलेज एंड सेंटर, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश से आए सेना कर्मियों के लिए एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "टैन युनशान की जीवनी।"
- 7.02.2023. चीन भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक विभागीय व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "फुट बाइंडिंग पर टैगोर का दृष्टिकोण।"
- 30.03.2023. चीना भवन, विश्वभारती में आर्मी एजुकेशन कोर ट्रेनिंग कॉलेज एंड सेंटर, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश से आए सेना कर्मियों के लिए एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "पैर बांधना: चीनी महिलाओं की एक प्राचीन पारंपरिक प्रथा।"

सुभेदु घोषाल

- 01.12.2022: चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति: "द चाइना स्टोरी-थ्रू द आइज़ ऑफ़ चाइनीज़ नेटिज़न्स।"

रविन्द्र कुमार

- 02.12.2022. चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "चीनी और हिंदी कहावतों में सांस्कृतिक समानता।"

छात्र

सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशाला

अंकुश भट्टाचार्य, एमए सेमेस्टर-III के छात्र

01.12.2022. चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "एआई प्रभुत्व के लिए चीन की खोज"

बिदिशा सेठ, एमए सेमेस्टर-III की छात्रा

- 01.12.2022. चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "शी जिनपिंग के नेतृत्व में नारीवादी सक्रियता।"

राजर्षि विश्वास, एमए सेमेस्टर-III के छात्र

- 02.12.2022. चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन-भवन) भाषा-भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित "भारत-चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "भारतीय और चीनी पारंपरिक चिकित्सा के बीच समानताएं और संबंधों को उजागर करना।"

अन्य विभागीय गतिविधियाँ

- 13.05.2022. कोलकाता में चीनी महावाणिज्य दूत श्री झा लियू ने चीनी विभाग का दौरा किया: कोलकाता में चीनी महावाणिज्य दूत, महामहिम श्री झा लियू ने चीना भवन का दौरा किया। उन्होंने विभाग के विकास के बारे में बात की, दिवंगत चीनी प्रीमियर झोउ एनलाई द्वारा प्रस्तुत मूल्यवान पुस्तकों के संरक्षण और उपयोग में सुधार के तरीकों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया और कैसे चीन भवन चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

- 06.12.2022. चीनी दूतावास के प्रतिनिधिमंडल ने चीना भवन का दौरा किया

चीनी दूतावास के एक प्रतिनिधिमंडल ने चीन भवन, विश्व भारती का दौरा किया।

- 28.07.2022, 17.11.2022, 19.03.2023. पंचमारी से सेना कर्मियों का दौरा: सेना शिक्षा कोर प्रशिक्षण कॉलेज और केंद्र, पंचमारी के दौरे पर आए सदस्यों और चीना भवन के संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच एक बातचीत कार्यक्रम चीना भवन, विश्व भारती द्वारा क्रमिक रूप से तीन अवसरों पर आयोजित किया गया था।

विभाग द्वारा आयोजित अन्यान्य गतिविधियाँ/ एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

सोनारझुरी, शांतिनिकेतन में बाहरी गतिविधि

- 21.09.2022. एमए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने सोनारझुरी में आउटडोर गतिविधि का आयोजन किया। चीना भवन में नवनामांकित विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये। सभी छात्रों और संकायों ने चीनी भाषा में गायन और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

19.07.2022. ताइवान के साथ ऑनलाइन इंटरएक्टिव सांस्कृतिक आदान-प्रदान

- चीना भवन, विश्व भारती द्वारा ताइवान विश्वविद्यालय के साथ एक ऑनलाइन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया

वसंत महोत्सव समारोह

- 14.02.2023. चीना भवन ने विभिन्न चीनी सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखकर और पकौड़ी खाकर चीन का वसंत महोत्सव मनाया गया।

शिक्षकों/ विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

अभिजीत बनर्जी

दिसंबर 2021 से दो साल की अवधि के लिए चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू की केंद्र समिति के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया

प्रकाशन

अभिजीत बनर्जी

- बनर्जी, ए. (2022), कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में चीनी शिक्षण और शिक्षा: एक परिचय और एक प्रतिबिंब (新冠疫情期间的印度中文教学简介和反思) (शिन गुआन यिआकिंग क्रिजियन डी यिन्दु झोंगवेन जियाओक्सू जियानजी हे फैनसी), 2020 में मोनोग्राफ ऑनलाइन चाइनीज टीचिंग एंड लर्निंग में शिजुआन लियू द्वारा संपादित (पीपी. 212-217), राष्ट्रीय विदेशी भाषा संसाधन केंद्र।
- बनर्जी, ए. (2022बी)। प्रोफेसर जू केक्रियाओ के पेपर चीन - पूर्वी जिन और सांग राजवंशों के दौरान समुद्री मार्ग द्वारा भारत बौद्ध इंटरैक्शन का अनुवाद। प्रोफेसर जयीता गांगुली स्मरणोत्सव खंड में प्रोफेसर सुनीति कुमार पाठक द्वारा संपादित (पीपी. 253-263)। जयीता पब्लिशिंग हाउस।
- बनर्जी, ए. (2022c). चीन में प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म का परिचय और भारत-चीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान। प्रोफेसर जयीता गांगुली स्मरणोत्सव खंड में प्रोफेसर सुनीति कुमार पाठक द्वारा संपादित (पीपी. 340-346)। जयीता पब्लिशिंग हाउस।
- बनर्जी, ए. (2022डी). सांस्कृतिक क्रांति के बाद की अवधि में नई चीनी शब्दावली के उद्भव का एक अध्ययन। सांस्कृतिक क्रांति के बाद से चीन और चीनीपन के अध्ययन में: खंड 1: विचारधाराओं और वैचारिक पुनर्व्याख्याओं की पुनर्व्याख्या, प्रोफेसर चिह-यू शिह, स्वर्ण सिंह और रीना मारवाह द्वारा संपादित। वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- बनर्जी, ए. (2023)। चौथे मई आंदोलन में हू शी की ऐतिहासिक भूमिका। चीन के मई चौथे आंदोलन में: नई कथाएँ और परिप्रेक्ष्य प्रोफेसर सबरी मित्रा द्वारा संपादित। रूटलेज इंडिया।

शुभेदु घोषाल: पुस्तकों में अध्याय:

- घोषाल, एस. (2022)। चीनी भाषा पर बौद्ध प्रभाव की एक रूपरेखा। प्रोफेसर जयीता गांगुली स्मरणोत्सव खंड में प्रोफेसर सुनीति कुमार पाठक द्वारा संपादित। जयीता पब्लिशिंग हाउस।

रवीन्द्र कुमार: पुस्तकों में अध्याय:

- कुमार, आर. (2022), चीनी कहावतों पर बौद्ध धर्म का प्रभाव. प्रोफेसर जयीता गांगुली स्मरणोत्सव खंड में प्रोफेसर सुनीति कुमार पाठक द्वारा संपादित। जयीता पब्लिशिंग हाउस।

मराठी विभाग

छात्रवृत्ति/उपलब्धियाँ

• सर्टिफिकेट कोर्स की छात्रा निरुपमा पधान ने जोन यूथ फेस्टिवल में मेहंदी इवेंट में प्रथम स्थान हासिल किया और उन्होंने 2022-23 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में भी इसी इवेंट में पहला स्थान हासिल किया।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

• 02.03.2023- मराठी विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ता- डॉ.अमरेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, विश्वभारती। प्रस्तुति का विषय- "छत्रपति शिवाजी और मराठा स्वराज्य का निर्माण" छत्रपति शिवाजी जन्म उत्सव के अवसर पर यह विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

रणवीर सुमेध भगवान

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला- 04

• 14.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित "महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर.अंबेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया, पेपर प्रस्तुति का शीर्षक: "क्रांतिकारी पहलू" सवित्रीबाई फुले"

• 30 एवं 31.07.2022. एमएलटी कॉलेज, सहरसा, बिहार द्वारा आयोजित "इंडिया@75: संस्कृति, इतिहास और राजनीति" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया, पेपर प्रस्तुति का शीर्षक: "मराठी सिनेमा में सांस्कृतिक स्थान"।

• 17.10.2022. यशवंतराव चव्हाण कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, अंबेजोगाई, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित "लोकगीत पर वैश्वीकरण का प्रभाव" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक मुख्य भाषण (ऑनलाइन) दिया। मुख्य भाषण का शीर्षक, "लोकसाहित्य पर वैश्वीकरण का प्रभाव"।

• 17 एवं 18.12.2022. यशवन्त महाविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित "साहित्य के माध्यम से नैतिकता और मानवीय मूल्य" विषय पर अंतरभाषी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, पेपर प्रस्तुति का शीर्षक "मानवीय मूल्यनसथी बंदखोरिचे तत्वदन्यां मंदनारे तत्वदन्या संत.कबीर"।

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय: 01

• रणवीर सुमेध भगवान, (2022) मानवीय मूल्यनसथी बंदखोरिचे तत्वदन्यां मंदनारे तत्वदन्या संत.कबीर। मराठी साहित्य वा मानवीय मूल्या (डॉ.गणेशचंद्र शिंदे, डॉ.संजय जगताप द्वारा संपादित) आईएसबीएन-978-93-95104-09-8, (पीपी.453-456) परिकल्पना प्रकाशन, नांदेड़, महाराष्ट्र।

अध्याय-2

जर्नल में शोध लेख: 02

- रणवीर सुमेध भगवान, (2023) महात्मा फुले के नारीवादी दार्शनिक विचार: महिलाओं की सामाजिक स्थिति के विशेष संदर्भ में। बहुविषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। खंड 5, अंक-1, जनवरी-फरवरी 2023। ई-आईएसएसएन-2582-2160,
- रणवीर सुमेध भगवान, (2023) गौतमीपुत्र कांबले: मराठी चिंतनपरक कथावों को नै उंचै डेनेवाले कथाकार। अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मि समीक्षा पत्रिका पेरोनकर, आईएसएसएन-2320-5601, (पीपी.02-06) अंक-जनवरी से मार्च 2023

तमिल विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

छात्रवृत्ति/उपलब्धियाँ:

1) 2022. विभाग के पीएचडी अनुसंधान विद्वान श्री मुरलीधरन को सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए चुना गया।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 07.04. 2022. तमिल शंकर, एस, अरसियाल सिन्थानैयलर बुद्धर।
- 21.04. 2022. सतीश्वरन, जी, तमिल समोगाथिल अरमम एट्टलम।
- 28.04. 2022. मुरलीधरन. एम, इलाक्कियामुम मोझी अमैप्पम।
- 05.05.2022 तमिल शंकर. एस, थोल्लियाल नोक्किल एज़थथिल पंडई मथामुम कलैयुम।
- 12.05.2022 सतीश्वरन. जी, इरुथालियामम मार्क्सियामम।
- 19.05.2022. मुरलीधरन. एम, तमिलाइविल कांडा अनमैगल।
- 26.05.2022. तमिल शंकर. एस, पुराथाना इलंगैयिल तमिल, सिंगला उरावुकल।
- 23.06.2022. सतीश्वरन. जी, वरलारम वक्किरंगलम।
- 30.06.2022. मुरलीधरन. एम, तमिलिन नवीनथुवम।
- 07.07.2022. तमिल शंकर. एस, बौथमम तमिलम।
- 14.07.2022. सतीश्वरन. जी, थोलकुडी वेलिर वेंधर।
- 21.07.2022. तमिल शंकर. एस, मुरकला भारत।
- 28.07.2022. सतीश्वरन. जी, ऐरोप्पिया थथुवंगल।
- 04.8.2022. मुरलीधरन. एम, संग्गा इल्विकया वरलारु।
- 11.08.2022. सेंथिल प्रकाश.एस., यज़प्पना थोनमई वरलारु।
- 18.08.2022. सतीश्वरन. जी, पलियाल अरासियाल।
- 25.08.2022. सेंथिल प्रकाश.एस., बौथा समय कलै वरलारु।

अध्याय-2

- 15.09.2022. सतीस्वरन, जी, संगी कविथैयाक्कम मारबुम मात्रम्।
- 22.09.2022. मुरलीधरन, एम, तमिल सिनेमाविन मुगंगल।
- 29.09.2022. सतीस्वरन, जी, संगकला इनक्कुलु समुथयामुम अरसु उरुवक्कम।
- 20.10.2022. मुरलीधरन. एम, समुगवियाल नोक्किल सेववियाल इलक्कियाम।
- 27.10.2022.सतीस्वरन. जी, तमिल वीरानीलाई कविथाई।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

सैथिल प्रकाश.एस

- 20-21.09.2022. केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान की वित्तीय सहायता से "गैर-तमिलों के बीच शास्त्रीय तमिल साहित्य (तोलकाप्पियम) का प्रसार" विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।
- 21.09.2022. तमिल विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में एक पेपर प्रस्तुत किया।

शोध:

सतीश्वरन.जी

- 14.04.2022. थानिचोल साहित्यिक संगठन, तिरुवरुर, तमिलनाडु द्वारा अम्बेडकर जन्मदिन समारोह संगोष्ठी में "अम्बेडकरिन इनरैया पोरुथप्पाडु" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 26.04.2022. उनकी कविताओं को चेन्नई में थोल सीलाई पोरट्टम शताब्दी समारोह की गुरुवनम ड्राइंग और कविता प्रदर्शनी में पेश किया गया था।
- 29.01.2023. अनन्या साहित्य महोत्सव, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में "समकालीन भारतीय कविता का महत्व" विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया।
- 29.01.2023. अनन्या साहित्य महोत्सव, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में काव्य पाठ सत्र में भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/ एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

- 19.12.2022.विश्वभारती के छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए एक विशेष फिल्म स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मैनुअल स्कैवेजिंग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए "विटनेस" तमिल फिल्म का निर्माण किया गया था।
- 09.01.2023.तमिल विभाग में पोंगल महोत्सव मनाया गया। संबंधित विभाग के छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

शिक्षकों/ विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

सेथिल प्रकाश.एस

- डॉ.सेथिल प्रकाश.एस को "विश्व शिक्षक दिवस" के शानदार अवसर पर मलेशिया, तमिल शिक्षा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में साहित्यिक अनुसंधान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए "अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है। भारतीय छात्रों और परमथी वेलूर के लिए साइट, कविरासर कलई तमिल संगम (तमिलनाडु सरकार पंजीकरण संख्या 165/2009) 05/10/2022 को आयोजित की गई।
- डॉ.सेथिल प्रकाश.एस, भाषा भवन की एंटी-रैगिंग सह अनुशासन समिति के समन्वयक और प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। वह शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के सदस्य भी हैं। वह भारतीय भाषा विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बीओएस, आधुनिक यूरोपीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन केंद्र, विश्वभारती में आरएसी के सदस्य।
- सतीस्वरन.हमारे विभाग के जी, पीएचडी सीनियर रिसर्च फेलो को द एंटोनिम और भाषा संसद द्वारा कोलकाता काव्य संगम में तमिल-बंगाली अनुवाद के लिए "शोनाली घोषाल पुरस्कार" मिला है।
- श्री सतीस्वरन, विभाग के पीएचडी सीनियर रिसर्च फेलो, ने बंगाली विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल में "बंगाली में दो साल का सर्टिफिकेट कोर्स" सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- विभाग के श्री मुरलीधरन एम पीएचडी रिसर्च फेलो ने संस्कृत भारती, तमिलनाडु द्वारा संपर्क किया गया "प्रवेश, परिचय, शिक्षा" सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

प्रकाशन:

सेथिल प्रकाश.एस

पुस्तकें

- बांग्ला भासाय तमिल शेखा, बिरुत्जातियो साथित्यो सम्मिलोनी, बोलपुर, मई, 2022 आईएसबीएन: 978-93-91736-43-9
- कासी आनंदनेर नारुक्कु कोबिता, टोबुओ प्रोयास प्रोकाशोनी, कोलकाता, जनवरी, 2023। आईएसबीएन: 978-93-91230-75-3

अनुसंधान अध्येता

सतीस्वरन. जी

- सतीस्वरन.जी (सह-लेखक), (2022), बांग्ला भासाई तमिल शेखा, बिरुत्जतिओ साहित्य सम्मिलोनी, बोलपुर, पश्चिम बंगाल, आईएसबीएन: 978-93-91736-43-9

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/ पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

- एपिग्राफी में डिप्लोमा, मंदिर कला और वास्तुकला में डिप्लोमा के लिए ई-सामग्री विकसित की गई

अध्याय-2

- सभी पाठ्यक्रमों के लिए Google meet के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की गईं।
- शोधार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण दिया गया।
- विभागीय पुस्तकालय के लिए तमिल वर्चुअल अकादमी से 500-ई-पुस्तकें एकत्रित की गईं।
- सभी पाठ्यक्रम पेपर पाठ्यक्रम, किताबें और अध्ययन सामग्री डिजिटलीकृत हैं और नए प्रवेशित छात्रों को वितरित की जाती हैं।

असमिया विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि:

संगीता सैकिया:

- 10.09.2022. असोम साहित्य सभा और तुलनात्मक साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 19वीं शताब्दी के दौरान कोलकाता में लेखकों की साहित्यिक यात्रा को दोहराने पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आधुनिक असमिया साहित्य में कलकत्ता के असमिया छात्रों का योगदान" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान
- 30.09.2022. दुधनोई कॉलेज, असम द्वारा यूजी/पीजी/एम फिल/पीएचडी छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "डेटा संग्रह और विश्लेषण" पर आमंत्रित व्याख्यान।
- 03.12.2022. शंकरदेव सांस्कृतिक समाज, पुरी प्रकल्प, ओडिशा द्वारा मानव जाति के लिए शंकरदेव और भारत के अन्य समकालीन वैष्णव संतों के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बोर्गेट और हिंदुस्तानी शास्त्री संगीत: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/ एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

- 09.05.2022: विभाग ने रवीन्द्र जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया
- 21.02.2023: विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशन:

संगीता सैकिया

- संगीता सैकिया और भास्करजीत सैकिया, 2022, "श्री श्री दिहिंग ना-मतिसत्रा नाज़िरा की विरासत सामग्री का पुनरीक्षण", ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय अनुसंधान जर्नल, संस्करण। एस, के खटाल, आईएसएसएन: 2249-9598, पीपी 118-128।
- संगीता सैकिया और प्रियंका देवी मंडल, 2023, "बोर्गेट अरु हिंदुस्तानी शास्त्री संगीत", सतसारी, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल वॉल्यूम -18, अंक 06, प्रकाशक- सैडिन प्रिंटर्स, आईएसएसएन 2319-8893, पीपी। 97-99।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

संगीता सैकिया

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (असमिया साहित्य का विकास) के लिए अध्ययन सामग्री विकसित की गई।

आधुनिक यूरोपीय भाषा साहित्य और केंद्र

विभागीय सेमिनार:

- 12.08.2022 प्रो.दीपा चक्रवर्ती, एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान: गाइ डे मौपासैंट और 19वीं सदी के यथार्थवादी साहित्य पर विशेष व्याख्यान।
- 28.09.2022 प्रोफेसर जोएल लिबोइस, पूर्व निदेशक, हाउते इकोले डी ट्रेवेल सोशल (एचईटीएस), जिनेवा, स्विट्जरलैंड: रवींद्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन और टैगोर के समुदाय और सतत विकास के विचारों पर विशेष व्याख्यान।
- 07.09.2022 डॉ.मार्टिन काम्पचेन: "हरमन हेस के उपन्यास सिद्धार्थ: इट्स रूट्स इन इंडियन फिलॉसफी" पर व्याख्यान श्रृंखला में पहला व्याख्यान।
- 15.09.2022 डॉ.मार्टिन काम्पचेन: "रवींद्रनाथ टैगोर और पॉल गेहीब: उनके शैक्षिक विचारों की तुलना" पर व्याख्यान श्रृंखला में दूसरा व्याख्यान।
- 06.12.2022 डॉ.मार्टिन काम्पचेन: "रवींद्रनाथ टैगोर का यूरोपीय संस्कृति में एकीकरण" पर व्याख्यान श्रृंखला में तीसरा व्याख्यान।
- 07.12.2022 डॉ.मार्टिन काम्पचेन: "रवींद्रनाथ टैगोर और जर्मनी - मेरे शोध के पीछे की कहानी" पर व्याख्यान श्रृंखला में चौथा और अंतिम व्याख्यान।
- 08.12.2022 डॉ. रोंगिली बिस्वास, बारासात कॉलेज: "द चाटरेस ग्रास: राइटिंग फ़्लौबर्ट, राइटिंग फिक्शन" पर विशेष व्याख्यान।
- 23.12.2023 प्रो.शुभा चक्रवर्ती दासगुप्ता, तुलनात्मक साहित्य की पूर्व प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय: "रोलांड बार्थेस और भाषा के प्रति उनके दृष्टिकोण का पुनरावलोकन" विषय पर विशेष व्याख्यान।
- 24.12.2023 प्रो.शुभा चक्रवर्ती दासगुप्ता, तुलनात्मक साहित्य की पूर्व प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय: "रीडिंग फ़्लौबर्ट" पर कक्षा-सह कार्यशाला।
- 13.03.2023-15.03.2023 डॉ.मार्टिन काम्पचेन: जर्मन अध्ययन के मध्यवर्ती और उन्नत छात्रों के लिए "अनुवाद और वार्तालाप कौशल: अनुवाद और चर्चा अनुवाद - टैगोर की कविताएँ (से) जर्मन" विषय पर 3 दिवसीय कार्यशाला।

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि। शिक्षकों/ शोध विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता/ मूल्यांकन/ प्रस्तुति का विवरण।

नीलांजन चक्रवर्ती

- 4.07.2022-8.07.2022 एमिटी स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज, एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
- 20.09.2022-21.09.2022 तमिल विभाग, विश्वभारती और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल, चेन्नई द्वारा संयुक्त रूप से गैर-तमिल के बीच शास्त्रीय तमिल साहित्य का प्रसार नामक राष्ट्रीय कार्यशाला में समापन भाषण दिया।
- 20.03.2023-21.03.2023 विश्व फ्रैंकोफोन दिवस के अवसर पर एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान द्वारा आयोजित फ्रैंकोफोनी 2023: न्यू पर्सपेक्टिव, एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक एवं वैज्ञानिक संवाद में युवाओं के लिए फ्रैंकोफोनी नामक व्याख्यान दिया।

रोमित रॉय

- 23.04.2022 रोमित रॉय द्वारा अनुवादित रोलैंड शिममेलपफेनिग के जर्मन नाटक डेर ज़िनसोल्लैट अंड डाई पपीएर्टनज़ेरिन का दर्शनीय वाचन, गोएथे इंस्टीट्यूट / मैक्स मुलर भवन कोलकाता में थिएटर ग्रुप कोलकाता कल्पक द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- 12.06.2022 रोमित रॉय द्वारा अनुवादित रोलैंड शिममेलपफेनिग के जर्मन नाटक डेर ज़िनसोल्लैट अंड डाई पपीएर्टनज़ेरिन का दर्शनीय पाठ, गोएथे इंस्टीट्यूट, ढाका, बांग्लादेश में थिएटर ग्रुप प्राच्यनाट द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- 04.12.2022 रोमित रॉय द्वारा अनुवादित रोलैंड शिममेलपफेनिग के जर्मन नाटक डेर ज़िनसोल्लैट अंड डाई पपीएर्टनज़ेरिन का दर्शनीय वाचन, थिएटर ग्रुप कोलकाता कल्पक द्वारा अर्थशिला शांतिनिकेतन में प्रस्तुत किया गया।
- 10.06.2022-11.06.2022 गोएथे इंस्टीट्यूट/मैक्स मुलर भवन नई दिल्ली में जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला "स्ट्रैटेजीवर्कशॉप: जर्मनिस्टिक" में भाग लिया; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के जर्मन अध्ययन केंद्र में डीएएडी-लेक्टर डॉ. माइकल स्टैडलर के साथ संयुक्त रूप से "जेमिनसेम करिकुला- अंड मॉड्यूलैटविकलुंग" पर ब्रेकआउट सत्र का संचालन किया।
- 31.10.2022 'कार्का: तुलनात्मकता में अभ्यास (एक मासिक व्याख्यान श्रृंखला)', तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा-भवन, विश्वभारती में "अंतरविषयकता और जर्मन अध्ययन" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 03.12.2022 गोएथे के फॉस्ट पर एक पैनल चर्चा में चर्चाकर्ता "फॉस्ट क्यों पढ़ें? फ़ॉस्ट अभी क्यों पढ़ें?" गोएथे इंस्टीट्यूट/मैक्स म्यूएलर भवन मुंबई में, गोएथे इंस्टीट्यूट/मैक्स म्यूएलर भवन मुंबई और जर्मन विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

प्रकाशन:

इंद्राणी दास

- दास, इंद्राणी. (2022, सितंबर-दिसंबर)। 'रवीन्द्रनाथर इटली भ्रमन', कोरक साहित्य पत्रिका, 223-234.

निपुण नूतन

अध्याय-2

• नूतन, निपुण. (2022) क्रिस्टियन बेसे द्वारा अमिताव घोष द्वारा "एक प्राचीन भूमि में" का अनुवाद: औपनिवेशिक काल के बाद का एक अध्ययन, रिप्लेक्संस, ईएफएलयू हैदराबाद।

सुभाष कुमार ठाकुर

• ठाकुर, सुभाष कुमार, (2023) इमारत का नींव. नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान, (आंद्रेई प्लैटोनोव के उपन्यास का रूसी से हिंदी में सह-अनुवादक)

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

• 04.04.2022 गोएथे इंस्टीट्यूट / मैक्स मुलर भवन कोलकाता के निदेशक डॉ. एस्ट्रिड वेगे ने अपने सहयोगियों सुश्री शर्मिष्ठा सरकार (कार्यक्रम अधिकारी) और श्री पार्थ चट्टोपाध्याय (लाइब्रेरियन) के साथ सीएमईएलसीएस का दौरा किया। डॉ.वेगे ने जर्मन छात्रों के साथ-साथ अन्य लोगों के लाभ के लिए सीएमईएलसीएस जर्मन यूनिट लाइब्रेरी को कई किताबें उपहार में दीं। गोएथे इंस्टीट्यूट के आगंतुकों ने भाषा-विद्या-भवन भवन में सीएमईएलसीएस में अपनी "डिजिटल वॉल लाइब्रेरी" स्थापित करने की संभावना भी तलाशी। भविष्य में सहयोग की संभावनाओं, विशेष रूप से जर्मन भाषा प्रशिक्षण के क्षेत्र में, पर चर्चा की गई। डॉ.वेगे ने जर्मन के यूजी और पीजी छात्रों से भी बात की।

• 05.09.2022 इटली, कोलकाता के महावाणिज्यदूत डॉ. जियानलुका रूबागोटी ने इतालवी, सीएमईएलसीएस के छात्रों से मुलाकात की और इतालवी भाषा, साहित्य और संस्कृति पर अच्छी संख्या में किताबें भेंट कीं।

• इतालवी से एमए सेमेस्टर एक के छात्र, श्री सौम्य घोष को इटली के पेरुगिया विश्वविद्यालय में भाषा पाठ्यक्रम (स्तर सी-1) में भाग लेने के लिए 3 महीने के लिए इतालवी सरकार की छात्रवृत्ति मिली।

• डॉ.सुनीता आचार्य को रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू की केंद्र समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें जर्नल क्रिटिक, अंक संख्या के लिए समीक्षक के रूप में भी नियुक्त किया गया था। रूसी अध्ययन केंद्र, जे.एन.यू. के 21.

सीएमईएलसीएस का संक्षिप्त इतिहास

आधुनिक यूरोपीय भाषाओं, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र (सीएमईएलसीएस) की स्थापना 2014 में रवींद्रनाथ टैगोर की अंतर्राष्ट्रीयवादी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए की गई थी: यत्र विश्वम भवत्येकनिदम (जहां दुनिया एक ही घोंसले में अपना घर बनाती है)। सीएमईएलसीएस का उद्देश्य यूरोपीय सभ्यता की समझ और इसकी भाषाओं, साहित्य और संस्कृतियों के अध्ययन और अनुवाद के माध्यम से दुनिया पर इसके विविध प्रभाव को बढ़ावा देना है। वर्तमान में सीएमईएलसीएस के तहत अध्ययन के लिए पेश की जाने वाली चार आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ फ्रेंच, जर्मन, इतालवी और रूसी हैं।

2014 तक फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, रूसी को अंशकालिक शाम के पाठ्यक्रमों के रूप में पेश किया गया था। अनगिनत दशकों से अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग (DEOMEL) के तहत संबंधित भाषा इकाइयों द्वारा सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में।

फ्रांस, जर्मनी, इटली और रूस के साथ-साथ अन्य यूरोपीय देशों के विद्वान विभिन्न विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए 1921 से नियमित रूप से विश्वभारती का दौरा करते रहे हैं। विश्वभारती के आधिकारिक उद्घाटन के वर्ष 1921 में फ्रेंच और जर्मन का शिक्षण शुरू हुआ। 1979 में इटालियन और 1980 में रूसी भाषा की शुरुआत हुई।

अध्याय-2

सीएमईएलसीएस ने 2014 में बी.ए. (ऑनर्स) कार्यक्रम और 2017 में एम.ए. कार्यक्रम शुरू किया है। सीबीसीएस प्रणाली 2017 से सभी यूजी कार्यक्रमों में पहले ही लागू की जा चुकी है। वर्तमान में, पीएच.डी. कार्यक्रम फ्रेंच, इतालवी और रूसी के छात्रों को पेश किया जा रहा है। इसके बाद पीएच.डी. निकट भविष्य में जर्मन में भी पेशकश की जाएगी।

तुलनात्मक साहित्य केंद्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

- 13.02.2023 टॉक का शीर्षक: कोस्टारिका में महाभारत: किताबों की दुकानों से कक्षाओं और उससे आगे तक।
वक्ता: डॉ.रॉबर्ट मोरालेस हार्ले-निदेशक, भाषाशास्त्र विभाग, कोस्टा रिका विश्वविद्यालय।
- 20.02.2023 वार्ता का शीर्षक: रोजेलियो सिनान की कविता के निर्देशांक: मास्टर के छंदों के लिए एक दृष्टिकोण।
वक्ता: रोडोल्फो डी ग्रासिया रेनाल्डो - लेखक और सदस्य-सचिव, पनामायन अकादमी ऑफ लैंग्वेज।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि:

सोमा मुखर्जी

- 24.07.2022-29.07.2022 इवने जवाक्सविली बिलिसी स्टेट यूनिवर्सिटी और शोटा रुस्तवेली इंस्टीट्यूट ऑफ जॉर्जियाई लिटरेचर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ, बिलिसी जॉर्जिया की XXIII कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "बांग्ला साहित्य की यात्रा कथाएँ: एक तुलनात्मक साहित्यिक विश्लेषण"।
- 23.03.2023-24.03.2023 तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला के पूर्ण सत्र "बांग्ला भाषा तुलानामूलक साहित्य चर्चा" में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "तुलानामूलक साहित्य चर्चा-एकति पर्जालचन"।
- 27.03.2023-29.03.2023 अंग्रेजी विभाग, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा 'मौखिकता से पाठ्यचर्या तक साहित्यिक अध्ययन: एक सभ्यतागत जलविभाजक' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता-प्रतिनिधि के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "आधुनिक भारतीय साहित्यिक परंपराओं में बहुलता का विचार: एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य"।

धीमान भट्टाचार्य

- 10.01.2023-11.02.2023 सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (सीजेएमसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित "सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता" शीर्षक से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "रियल से रील और परे तक: 'स्वतंत्र' सांस्कृतिक क्षेत्र में समय और स्थान के पार सीमांतताओं का अंतर्संबंध"।
- 09.02.2023-10.02.2023 इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश एंड यूजीसी एरिया स्टडी सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज, केरल विश्वविद्यालय द्वारा 'पारिस्थितिकी संरचनाएं: भारत और कनाडा से स्वदेशी प्रतिक्रियाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित पूर्ण वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "आधुनिकता के हताहत: कनाडा और भारत में स्वदेशी सांस्कृतिक प्रतिरोध"।
- 24.02.2023 उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के सहयोग से यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा 'उत्तर-आधुनिक युग में साहित्य और साहित्यिक कार्य' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में रिसोर्स

पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "'शास्त्रीय' को केंद्रीकृत करना: भारत में नृत्य अध्ययन (1948-2022)"

• 24.02.2023 उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के सहयोग से यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा 'उत्तर-आधुनिक युग में साहित्य और साहित्यिक कार्य' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "डी-कोडिंग द कोलोनीयल स्टेज: बुधन थिएटर एंड नेटिव अर्थ परफॉर्मिंग आर्ट्स (1998-2022)"

• 21.03.2023 तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय और यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सहयोग से यूके के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय (यूईए) द्वारा 'शैक्षणिक सामाजिक उत्तरदायित्व' पर आयोजित सेमिनार/कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक: "शैक्षणिक सामाजिक उत्तरदायित्व"

अंकना बाग (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर)

• 05.08.2022-07.08.2022 दक्षिण एशिया में बाल साहित्य एसोसिएशन के साथ जादवपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "बच्चों और युवा वयस्कों के साहित्य में आपराधिकता, सजा और सामाजिक न्याय की कथाएँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "कार्ल हियासेन के उपन्यासों के माध्यम से खोजी बच्चे और प्रकृति को पढ़ना"।

• 14.1.2022-15.11.2022 जापानी विभाग, भाषा-भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित सम्मेलन में "शांतिनिकेतन - भारत और जापान के बीच एक पुल और जापान के विभिन्न पहलू" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "एक अज्ञात भूमि को समझना: पी.सी. मोजूमदार और जापान"

• 17.12.2022-18.12.2022 खोई साहित्य संस्कृति समिति, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "जापानी बंगाली शिखरथी ओ मीजी जुगेर समाप्ति"

मृत्तिका घोष (पीएचडी रिसर्च स्कॉलर) • 24.07.2022-29.07.2022। इवने जवाक्सिविली ब्लिलिसी स्टेट यूनिवर्सिटी और शोटा रुस्तवेली इंस्टीट्यूट ऑफ जॉर्जियाई लिटरेचर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ, ब्लिलिसी जॉर्जिया की XXIII कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "द क्रीर शेड्स अंडर द उदला ट्री: लोकेटिंग एन अल्टरनेटिव इन द लिटरेचर्स ऑफ नाइजीरिया"।

• 14.03.2023-15.03.2023 अफ्रीकी अध्ययन के विद्वानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच, पलावर XVI में एक पेपर प्रस्तुत किया गया

अर्नब दास (एम.फिल.रिसर्च स्कॉलर) • 15.02.2023-16.02.2023 जादवपुर विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य विभाग के सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज द्वारा आयोजित कनाडाई अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारिस्थितिकी और व्यक्तिगत: इंडो-कैनेडियन परिप्रेक्ष्य से ट्रांसनेशनलिज्म को पढ़ना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "पारिस्थितिकी और व्यक्ति को समझना: इंटरएक्टिव फिक्शन के माध्यम से इंडो-कैनेडियन परिप्रेक्ष्य से ट्रांसनेशनलिज्म को पढ़ना"।

अध्याय-2

सुभम भौमिक (एम.फिल.रिसर्च स्कॉलर) • 15.02.2023-16.02.2023 जादवपुर विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य विभाग के सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज द्वारा आयोजित कनाडाई अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारिस्थितिकी और व्यक्तिगत: इंडो-कैनेडियन परिप्रेक्ष्य से ट्रांसनेशनलिज़्म को पढ़ना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक: "प्रकृति के साथ इनुइट लोगों के संबंधों की एक भारतीय धारणा: अंग्रेजी उपशीर्षक के माध्यम से"

शिक्षक/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

धीमान भट्टाचार्य:

- बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीसीएल के सदस्य
- विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य
- सीसीएल के भीतर और बाहर विभिन्न अनुसंधान सलाहकार समितियों के सदस्य
- विभागीय क्रय समिति के सदस्य
- विभागीय प्रवेश समिति के सदस्य
- डीक्यूएसी, सीसीएल के अध्यक्ष
- डीआईपी, सीसीएल के अध्यक्ष
- विभागीय छात्र शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष

सोमा मुखर्जी:

- बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीसीएल के सदस्य
- विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य
- सीसीएल के भीतर और बाहर विभिन्न अनुसंधान सलाहकार समितियों के सदस्य
- विभागीय क्रय समिति के सदस्य
- डीक्यूएसी, सीसीएल के सदस्य
- विभागीय प्रवेश समिति के सदस्य

नीलांजना भट्टाचार्य:

- बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीसीएल के सदस्य
- विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य

- सीसीएल के भीतर और बाहर विभिन्न अनुसंधान सलाहकार समितियों के सदस्य
- विभागीय क्रय समिति के सदस्य
- विभागीय प्रवेश समिति के सदस्य
- डीक्यूएसी, सीसीएल के सदस्य
- डीआईपी, सीसीएल के सदस्य
- विभागीय विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति के सदस्य

प्रकाशन:

नीलांजना भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, एन.(2022) शैली और लिंग: मच्चाकशिकम का एक पाठ। एस.मल्लिक (सं.)में, शूद्रक का मच्छकशिकम: ए रीडर (पीपी.26-41) बिरुत्जातियो.

धीमान भट्टाचार्य

- गंगा आर्ट गैलरी. (दिसंबर 10, 2022 से 10 जनवरी, 2023) लड़खड़ाता आराम (पीपी. 28-9)। [कैटलॉग] कोलकाता: महज़बीन इमाम मजूमदार.
- बंद्योपाध्याय, बरिश्चर। (2022)। "हेतो चारा, कबितय गांधी ओ चरका" (डी. भट्टाचार्य, ट्रांस.) इंद्रनील आचार्य (सं.), महात्मा गांधी इन बांग्ला (पृ.247-56)। भारतीय विद्या भवन.
- "अमर बारी खोला कैनवस"। (2022, 27 अगस्त) चतुष्पर्णी बर्तमान, पृ. 3.

इशानी दत्ता

- चौधरी, नारायण(2022) "रवीन्द्रनाथ, विवेकानन्द ओ गांधी" (आई.दत्ता और एस.कारक, ट्रांस.) इंद्रनील आचार्य (एड.), महात्मा गांधी इन बांग्ला (पृ.429-44)। भारतीय विद्या भवन.
- मुस्तफी, अशोक(2022) "गांधीजी ओ सुभाषचंद्र" (आई.दत्ता, ट्रांस.) इंद्रनील आचार्य (सं.), बांग्ला में महात्मा गांधी (पृ.479-500) में। भारतीय विद्या भवन.
- ठाकुर, कपिल कृष्ण(दिसंबर 2022) उजंतलिर उपकथा. (आई.दत्ता और एस.घोष, ट्रांस.) इंद्रनील आचार्य (सं.), जनजाति दर्पण (खंड 9, पृ. 51-74) में। सुचेतना मुद्रण और प्रकाशन।

सौनक दत्ता

- दत्ता, एस. (सितंबर 2022)। "समकालीन भारत में तुलनात्मक साहित्य: भाषा और उससे परे का प्रश्न।" बंगबिद्य इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बंगाल स्टडीज (खंड 11-12, पृ. 270-76)। आईएसएसएन: 2277-7717.

अध्याय-2

सुपर्णा मंडल

- धन्वा, आलोक (मई 2022) "गोली दागो पोस्टर" (एस. मॉडल, ट्रांस.) एपोरजॉन: सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक मुद्दों पर बंगाली वेबज़ीन, आईएसएसएन: 2582-3701.
<https://aparjan.wpcomstageing.com/2022/05/29/may2022-sumotr/>
- धन्वा, आलोक (मई 2022) "आस्मां जैसी हवाएँ" (एस. मंडल, ट्रांस.) एपोरजॉन: सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक मुद्दों पर बंगाली वेबज़ीन। आईएसएसएन: 2582-3701.
<https://aparjan.wpcomstageing.com/2022/05/29/may2022-sumotr/>
- धन्वा, आलोक (मई 2022). "सफ़ेद रात" (एस. मंडल, ट्रांस.) एपोरजॉन: सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक मुद्दों पर बंगाली वेबज़ीन, आईएसएसएन: 2582-3701.
<https://aparjan.wpcomstageing.com/2022/05/29/may2022-sumotr/>
- थॉमस, एडवर्ड.(सितंबर 2023) "लाइक द टच ऑफ़ रेन्स" (एस. मंडल, ट्रांस.) आईपीपीएल जर्नल (अंक 3)।
<https://ipljournal.org/issue-3-september-2022/suparna-mondal/>

संकटग्रस्त भाषा केन्द्र (सीएफईएल)

केंद्र का नाम: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र:

परंपरागत रूप से भारत को एक बहुलवादी समाज के रूप में देखा जाता है जो छोटी-बड़ी सभी भाषाओं का समर्थक है। हमारा संविधान भी सभी के भाषाई अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें मातृभाषा शिक्षा का अधिकार भी शामिल है। अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश की सीमांत भाषाओं को सहारा दे रही है। हालाँकि, शिक्षा प्रणाली ने प्रमुख भाषाओं के विकास को अधिक प्रोत्साहित किया है, और व्यवहार में अधिकांश छोटी भाषाएँ शामिल नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप विविध भाषाई समुदाय हाशिए पर चले गए हैं और उनकी भाषाओं पर खतरे की धारणाएं बढ़ गई हैं। इन भाषाओं की सुरक्षा के लिए, हमें इन भाषाओं और उनके बोलने वालों के सशक्तिकरण के लिए स्पष्ट योजनाएं बनाने की भी आवश्यकता है, साथ ही एनईपी-2020 की प्रासंगिक सिफारिशों को जल्द से जल्द जमीन पर लागू किया जाना चाहिए। इसमें भाषाओं को साक्षरता और शिक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक अवसरों के साथ जोड़ना शामिल होगा। लुप्तप्राय भाषाओं की 'संरचना' अब लगभग दो दशकों से सूचित भाषाई हलकों में गंभीर शोध के विषय के रूप में विकसित हुई है। निःसंदेह यह विशुद्ध रूप से भाषाई और टाइपोलॉजिकल रुचि का विषय है। लेकिन यह लुप्तप्राय भाषाओं का 'कार्य' और उनके 'परिणाम' हैं, जिन्होंने यूनेस्को एटलस द्वारा प्राप्त मीडिया कवरेज के कारण जनता का ध्यान आकर्षित किया है, जिसके तहत भारत को 197 लुप्तप्राय भाषाओं वाले देशों में शीर्ष पर पाया गया था।

केंद्र के उद्देश्य:

- लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित अंतरविभागीय और अंतरविषयक अनुसंधान करना।
- अत्याधुनिक भाषण और भाषा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके छोटी स्वदेशी/लुप्तप्राय भाषाओं के क्षेत्रीय कार्य, अनुसंधान, विश्लेषण, संग्रह और दस्तावेजीकरण का कार्य करना, उन प्रारूपों में जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हैं। डिजिटल पाठ्य, ऑडियो और वीडियो प्रारूप।
- लुप्तप्राय भाषाओं पर मोनोग्राफ, व्याकरण, व्याकरणिक रेखाचित्र, शब्दकोश और शब्दकोष, जातीय-भाषाई और सैद्धांतिक विवरण, मौखिक और लोक साहित्य का संग्रह और विद्वतापूर्ण पुस्तक का उत्पादन और प्रकाशन करना।
- अल्पसंख्यक और लुप्तप्राय भाषाओं के विशेष संदर्भ में भाषा और बोली एटलस तैयार करना।
- लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना।
- अन्य विभागों/केंद्रों के शिक्षकों और छात्रों को क्षेत्रीय भाषाविज्ञान, शब्दकोष विज्ञान और डेटा प्रबंधन और दस्तावेजीकरण की तकनीकों में प्रशिक्षित करना। क्षेत्र भाषाविज्ञान को केंद्र का एक अनिवार्य हिस्सा बनना चाहिए।
- केंद्र को केंद्र के अनुसंधान के उत्पादों यानी भाषाई डेटा, भाषा शिक्षण सामग्री और भाषा कलाकृतियों के डिजिटल और एनालॉग अभिलेखागार को सुलभ बनाकर स्वदेशी और लुप्तप्राय भाषा समुदायों की सेवा करनी चाहिए।

अध्याय-2

- लुप्तप्राय भाषाओं के विभिन्न डोमेन को बढ़ावा देना और बढ़ावा देना ताकि भाषा की जीवन शक्ति को बनाए रखने और संरक्षित करने में अल्पसंख्यक/लुप्तप्राय भाषा समुदायों को सुनिश्चित किया जा सके, जिसमें लिपियों, अक्षरों की पुस्तक प्राइमरों जैसे शब्दावली संसाधनों का विकास भी शामिल है।
- केंद्र में अनुसंधान के दौरान एकत्र किए गए डेटा को डिजिटल बनाना और इसे इंटरनेट के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध कराना।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- जून, 2022. शब्दकोष निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन।
- 5.08.2022. केंद्र ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम का अवलोकन किया।
- 29-30.11.2022 केंद्र ने विश्वभारती, शांतिनिकेतन में प्रगणकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का आयोजन किया।
- 30.11.2022. केंद्र ने अपनी पुस्तकें, शब्दकोष जारी किये।
- इसके वेब-पोर्टल (cfelvb.in) और मोबाइल ऐप पर डेटा अपग्रेडेशन।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

- 04-05-2022: रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अनुवाद और अनुवाद प्रौद्योगिकी: एक कैरियर परिप्रेक्ष्य (ऑनलाइन) पर व्याख्यान दिया।
- 06-06-2022 - 10-06-2022: आरआईई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला द्वारा राष्ट्रीय फोकस समूह - भाषा शिक्षा में योगदान दिया गया।
- 26-05-2022: एचआरडीसी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाषाविज्ञान में महिलाओं की भाषा पर (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया गया।
- 29-11-2022 - 30-11-2022: केंद्र में एक प्रशिक्षण कार्यशाला का समन्वय किया।

प्रकाशन:

केंद्र के प्रकाशन

- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (2022) अंग्रेजी-हिन्दी-बांग्ला-कोड़ा शब्दकोश। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।
- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (2022) कोड़ा-बांग्ला-हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।

- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (सं.)(2022) सीमांत भारतीय भाषाओं की ग्रंथ सूची। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।
- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (सं.) (2022) भारतीय परिदृश्य की ग्रंथ सूची। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।
- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (सं.)(2022) डेटा संग्रह के लिए लेक्सिकन सेट: पश्चिम बंगाल की सीमांत भाषाओं के अध्ययन के लिए एक अभ्यास पुस्तक। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।
- प्रधान, सबिता और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी (सं.) (2022) डेटा संग्रह के लिए लेक्सिकन सेट: हिंदी क्षेत्रों की सीमांत भाषाओं के अध्ययन के लिए एक अभ्यास पुस्तक। शांतिनिकेतन, भारत: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती।
- प्रधान, सबिता, अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी और आकाश भगत (2022) बिरहोर: भाषा और जीवन। लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

संकाय का प्रकाशन

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

(I) पुस्तक और पुस्तक अध्याय:

- त्रिपाठी, अरिमर्दन कुमार (2022) 'सूचना-प्रौद्योगिकी की सामाजिकी (सूचना प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र)'; प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
- त्रिपाठी, अरिमर्दन कुमार (2022) 'डिजिटल अर्थव्यवस्था के माध्यम से भाषा पुनरोद्धार' जर्नल ऑफ एशियन आर्ट्स, कल्चर एंड लिटरेचर (जेएएसीएल) खंड 3, संख्या 2 में।
- त्रिपाठी, अरिमर्दन कुमार (2022) 'भाषा पुनरोद्धार: एनईपी-2020। भाषा और भाषा शिक्षण', विद्या भवन सोसायटी। जयपुर, भारत: खंड 11, संख्या 2, अंक 22, पृष्ठ 96-104।

(II) भाषाई जागरूकता पर केंद्रित समाचार पत्र लेख:

- हिंदी के आग्रह और विरोध में कुछ बुनियादियां गलतियां, जो दोनों ओर से होती हैं (हिंदी के आग्रह और विरोध में कुछ बुनियादी गलतियां, जो दोनों तरफ से आती हैं।) 1 पर इंडिया टुडे ग्रुप के ऑनलाइन न्यूज प्लेटफॉर्म आईचौक में मई 2022.
- 17 अगस्त, 2022 को दैनिक हिंदी समाचार पत्र जनसत्ता में भाषा के भाग्य विधाता।
- 9 अक्टूबर 2022 को दैनिक हिंदी समाचार पत्र जनसत्ता में मातृभाषा बनाम शिक्षण (मातृभाषा बनाम शिक्षण)।
- संस्कृति में बढ़ती कैमरे की पैठ (संस्कृति में कैमरे की बढ़ती पैठ) 12 फरवरी, 2023 को दैनिक हिंदी समाचार पत्र लोकमत समाचार में।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित केंद्र के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

अध्याय-2

भविष्य योजना

- यूजीसी, नई दिल्ली के सुझाव के अनुसार सीमांत भाषाओं और सांस्कृतिक अध्ययन के लिए एक पूर्ण अंतःविषय भाषाविज्ञान विभाग स्थापित करना।
 - केंद्र की पुस्तकों और शब्दकोशों का प्रकाशन।
 - पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, ओडिशा, झारखंड और बिहार में भाषा और सांस्कृतिक दस्तावेज़ीकरण के लिए गहन क्षेत्रीय कार्य का संचालन करना।
 - भाषा विवरण, मानचित्र, उपकरण, रिपोर्ट, प्राइमर और अन्य संसाधनों का उत्पादन करना।
 - एनएलपी का अनुसंधान और विकास सीमांत भाषाओं पर केंद्रित है।
 - वीडियो दस्तावेज़ीकरण और वृत्तचित्र निर्माण।
 - भाषा विशेषज्ञों से भाषाई डेटा सत्यापन।
 - समुदाय आधारित कार्यशालाएँ और सामाजिक-सांस्कृतिक रिपोर्टिंग।
 - समाज और भाषण समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिए भाषा खतरे के अलार्म के लिए भारतीय भाषाओं का डेटा भरना।
 - डेटा सत्यापन और भाषाई जागरूकता के लिए समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ कार्यशालाएँ।
 - केंद्र के आदेश के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों को लागू करना।
 - एक राष्ट्रीय लोकगीत संग्रहालय और उसके लिए ऑनलाइन संग्रह स्थापित करना।
 - डिजिटल माध्यमों से देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना।
 - अपने पोर्टल के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक ऑनलाइन भाषा सूचना हब स्थापित करना।
- अपने पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से अंतर भाषाई समुदायों आदि के लिए भाषा सीखने के उपकरण और भाषा खेल विकसित और लोकप्रिय बनाना।

बौद्ध अध्ययन केंद्र

यूजीसी/ सीएसआईआर/ नेट/ सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

केंद्र किसी भी छात्र का नामांकन नहीं करता है. इसका कोई शिक्षक भी नहीं है. यह केवल सेमिनारों, वार्ता श्रृंखलाओं, काव्य उत्सवों और कार्यशालाओं आदि और अपने शोध प्रकाशनों के माध्यम से विश्वभारती के युवा छात्रों के बीच बुद्ध के आदर्शों के बारे में जागरूकता पैदा करता है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि:

• 27.3.2023. संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्वभारती के सहयोग से 'वेद और बौद्ध धर्म' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ.प्रतिभा मंजरी रथ, पूर्व प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और डॉ. परम्बा श्री योगमाया, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, संस्कृत विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी

जैसे प्रमुख वक्ता शामिल थे।

प्रकाशन:

अरुण रंजन मिश्रा (निदेशक, प्रभारी, बौद्ध अध्ययन केंद्र)

शोध की पुस्तकें प्रकाशित

• ए.आर. मिश्रा (सं.), (2022), शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन - 978-81-7702-499-9।

• ए.आर. मिश्रा (सं.), (2023).उज्ज्वला-शास्त्र-वैभवों, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन - 978-93-91214-44-9।

यूजीसी केयर-लिस्टेड जर्नल में पेपर

• 2022, "भाषाओं और नाटक में उनकी भूमिका पर भारत", विश्वेश्वरानंद इंडोलॉजिकल जर्नल, एड में, एस.के. सारंगी एट अल, (यूजीसी केयर लिस्टेड नंबर 452), वीवीबी इंस्टीट्यूट ऑफ संस्कृत एंड इंडोलॉजिकल स्टडीज, पंजाब यूनिवर्सिटी, होशियारपुर, पीपी 89-95। आईएसएसएन: 0507-1410।

पुस्तक में अध्याय :

• 2022, इंडिक रिसर्च के स्पेक्ट्रा में "कृषि का वैदिक विज्ञान", एड। पी.एम. रथ एट अल., प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली, पृष्ठ 56-65। आईएसबीएन: 978-81-7702-490-6,

• 2022, "शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा: एक महत्वपूर्ण टिप्पणी", शब्दशक्ति की भारतीय परंपरा में, एड। ए.आर. मिश्रा, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 46-67. आईएसबीएन: 978-81-7702-499-9,

अध्याय-2

- 2023, उज्ज्वला-शास्त्र-वैभवम में "दिवंगत प्रोफेसर उज्ज्वला झा का इंडोलॉजी में योगदान", संस्करण। ए.आर. मिश्रा, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 3-11. आईएसबीएन: 978-93-91214-44-9,
- 2023, उज्ज्वला-शास्त्र-वैभवम में "ऋग्वेद में भक्ति की अवधारणा", पूर्वोक्त, पृष्ठ 300-310। आईएसबीएन: 978-93-91214-44-9,
- 2023, "प्रस्तावना", अन्यथा, एड। सुभ्रजीत सेन, संस्कृत पुस्तक भंडार, कोलकाता, पृ. xi-xxii. आईएसबीएन: 978-93-92622-43-4,

वर्तमान सलाहकार बोर्ड:

1. अध्यक्ष: प्रो.विद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्वभारती
2. प्रो.सबिता प्रधान, अध्यक्ष, भाषा-भवन
3. प्रो.अमल कुमार पाल, निदेशक, रवीन्द्र भवन
4. डॉ. शेडुप तेनजिंग, प्रमुख (प्रभारी), भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग
5. प्रोफेसर अरुण रंजन मिश्रा, निदेशक (प्रभारी), सीबीएस और संयोजक

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

- बौद्ध अध्ययन केंद्र परिसर में भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म के आदर्शों के बारे में जागरूकता पैदा करने में सक्षम रहा है।

विद्या-भवन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान)

विद्या भवन उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की विश्वभारती की अवधारणा का आधार स्तंभ है। इसकी शुरुआत जुलाई 1919 में उन्नत अध्ययन विभाग, उत्तर-विभाग के रूप में हुई। 1921 में विश्वभारती के औपचारिक रूप से अस्तित्व में आने के बाद, 1925 में इसका नाम बदलकर विद्या-भवन - उच्च अध्ययन और अनुसंधान संस्थान कर दिया गया। अध्यापक विधुशेखर शास्त्री, - महान दार्शनिक और संस्कृत विद्वान, जिन्होंने विश्व-भारती का आदर्श वाक्य, "यत्र विश्वम भवत्येकनीडम का चयन किया गया था, विद्या भवन के प्रथम अध्यक्ष (प्रिंसिपल) थे।

विद्या-भवन अब मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान है, जो विश्वविद्यालय का एक प्रमुख संकाय है जिसके अंतर्गत कई विभाग और केंद्र - प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, मानव विज्ञान, पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र, अर्थशास्त्र और राजनीति, इतिहास, भूगोल, दर्शन और तुलनात्मक धर्म, महिला अध्ययन केंद्र, शिक्षा (सामाजिक विज्ञान के एक क्षेत्र के रूप में) कार्यरत हैं।

विद्या-भवन न केवल सार्क देशों से बल्कि उससे भी आगे बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों को आकर्षित करने में सफल रहा है।

विद्या-भवन के अधिकांश विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। विभागों के संकाय सदस्य और शोधार्थी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में व्यापक रूप से लेख प्रकाशित करते हैं, भारत और विदेशों में कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाते हैं, शोध करते हैं, और सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेते हैं। बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त की है और राष्ट्रीय और विदेशी संस्थानों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। भवन के छात्रों और विद्वानों को पूरे देश और उसके बाहर प्रतिष्ठित संस्थानों में रखा गया है।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- संदीपन गराई, डब्ल्यूबीएसईटी (रोल नंबर 18037283)
- सौरव लाई, डब्ल्यूबीएसईटी (रोल नंबर 19040466)
- मंगलदीप मंडल, डब्ल्यूबीएसईटी (रोल नंबर 18037431)
- सुकृत दास WBSET (रोल नंबर 18037523)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

- 04.04.2022- 05.04.2022. उमिया विश्वविद्यालय, स्वीडन के प्रोफेसर थॉमस लिंडग्रेन द्वारा 'धर्म के मनोविज्ञान' पर विशेष व्याख्यान श्रृंखला।
- 06.04.2022. प्रोफेसर थॉमस लिंडग्रेन के साथ छात्र बातचीत सत्र।
- 13.05.2022. नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर रॉब लिनरोथ द्वारा 'वृहत मगध में पुराण मूर्ति की पहचान' पर विशेष व्याख्यान (ऑनलाइन)।
- 13.04.2023. प्रोफेसर ओसमंड बोपेर्चची, यूसी बर्केली के साथ छात्र बातचीत सत्र।
- 14.02.2023. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. रणबीर चक्रवर्ती (सेवानिवृत्त) द्वारा 'प्रारंभिक भारतीय इतिहास: स्रोत अध्ययन और व्याख्याएँ' पर छात्रों के साथ बातचीत और कार्यशाला।

बी.डी. चट्टोपाध्याय स्मृति व्याख्यान श्रृंखला:

प्रोफेसर बी. डी. चट्टोपाध्याय, एक प्रख्यात इतिहासकार और स्कूल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज, विश्व भारती के संस्थापकों में से एक का 13 जुलाई, 2022 को निधन हो गया। एआईएचसी और ए विभाग ने अगस्त 2022 से मासिक स्मारक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन शुरू किया है। निम्नलिखित सूची में दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वानों के नाम शामिल हैं जिन्होंने दिग्गज प्रोफेसर चट्टोपाध्याय के सम्मान में ऑनलाइन और ऑफलाइन व्याख्यान दिए हैं।

- 01.08.2022. प्रोफेसर टी. वेंकटसुब्रमण्यम, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान
- 20.09.2022. डॉ. शोनालीका कौल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान
- 14. 11.2022. प्रोफेसर अलोका पाराशर सेन, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान
- 13.12.2022. डॉ. मनु वी देवदेवन, आईआईटी, मंडी द्वारा व्याख्यान
- 16.01.2023. प्रोफेसर स्वाधीन सेन, जहागीरनगर विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान
- 13.02.2023. प्रो. ओसमंड बोपेर्चची, यूसी बर्केली द्वारा व्याख्यान

- 13.03.2023. प्रोफेसर केसवन वेलुथट (सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान

अनुसंधान प्रकाशन और संकायों की अन्य उपलब्धियाँ

चल रही अनुसंधान परियोजनाएं और अनुसंधान प्रकाशन

अनिल कुमार

अनुसंधान परियोजना: वह लगातार दूसरे वर्ष आईआईटी, धनबाद के साथ कार्य/सहयोग कर रहे हैं। झारखंड के चतरा जिले में इटखोरी मंदिर के आसपास भूभौतिकीय सर्वेक्षण पहले ही किया जा चुका है। झारखंड राज्य के चतरा जिले में अन्वेषण कार्य करने के लिए इस वर्ष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अन्वेषण के लिए नए लाइसेंस की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है। जुलाई 2023 से शुरू होने वाले भूभौतिकीय सर्वेक्षण के संचालन के लिए 15 साइटों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। अन्वेषण में साइटों को समझने और पहचानने के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले ड्रोन, जीपीआर और अन्य वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग शामिल है।

- एएसआई, 2023 द्वारा झारखंड के चतरा जिले में अन्वेषण के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया।
- मोहने नदी घाटी का भूभौतिकीय सर्वेक्षण करने के लिए डीएसटी द्वारा एक परियोजना को जारी रखना।
- 10.02.2023. इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संकाय विकास केंद्र द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 11.01.2023. भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित एवं भाग लिया।

शोध आलेख

- कुमार, ए. (2022). "मगध में एक प्राचीन भिक्षुणी विहार की खोज: थाईलैंड के भिक्षुणी संघों पर इसका निहितार्थ", मानविकी और सामाजिक विज्ञान में प्रवचन के लिए एएनसी जर्नल, I(II), 1-25।
- कुमार, ए. (2022). "पुस्तक समीक्षा, बिजय कुमार चौधरी: समस्तीपुर जिले, वैशाली जिले, नालंदा जिले, कैमूर जिले और गया जिले के पुरातात्विक गजेटियर्स" (सह-लेखक अभिषेक सिंह अमर), एएनसी जर्नल फॉर डिस्कवरी इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, I(II), 179-189।

सरिता खेत्री

- 11.02.2023-13.02.2023. इतिहास विभाग, रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलूर मठ, हावड़ा द्वारा 'मल्टीपल लेंस के माध्यम से प्रारंभिक भारत' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "एपिग्राफी के लेंस के माध्यम से उत्तर-पश्चिम में लोकप्रिय बौद्ध धर्म" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 17.03.2023-18.03.2023. बौद्ध अध्ययन विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता द्वारा 'बौद्ध अध्ययन में हालिया रुझान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'गांधार (सी. पहली शताब्दी सीई-दूसरी शताब्दी सीई) की बौद्ध कला में पारलौकिक ज्ञान के महायान देवता मंजुश्री की छवि की उत्पत्ति' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डी.के. मावली राजन

- 30.01.2023. इतिहास विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर द्वारा आयोजित "प्रारंभिक भारतीय परंपराएँ: तरीके और दृष्टिकोण" नामक एक आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिया।
- 06.03.2023-08.03.2023. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर के इतिहास विभाग द्वारा 'ऐतिहासिक अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता में हालिया रुझान' पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "प्रारंभिक भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 26.08.2022-28.08.2022. इतिहास विभाग, जीटीएन द्वारा आयोजित दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस के 41वें वार्षिक सत्र में सांस्कृतिक इतिहास सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "फसल, खेती और संस्कृति: तमिल ग्रंथों से अंतर्दृष्टि" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। आर्ट्स कॉलेज (स्वायत्त), डिंडीगुल, तमिलनाडु।
- 20.11.2022-21.11.2022. फकीर मोहन विश्वविद्यालय, व्यास विहार, बालासोर, ओडिशा द्वारा आयोजित ओडिशा इतिहास कांग्रेस के 42वें वार्षिक सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और एक शोध पत्र "भारतीय परिदृश्य में जाति संरचना और सामाजिक हाशिए पर एक पूर्वव्यापी दृष्टिकोण" प्रस्तुत किया।
- 27.12.2022-29.12.2022. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज (स्वायत्त), चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के 81वें सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और प्राचीन भारत में "बौद्ध धर्म: तमिल महाकाव्य मणिमेकलाई में इसका प्रभाव और प्रतिबिंब" शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित एक्सएलवीआई भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और एक शोध पत्र "मध्यकालीन दक्षिण भारत में कृषि दास मजदूर: दासता के रूपों पर एक मूल्यांकन" प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 47 वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और एक संयुक्त शोध पत्र "दलित मुक्ति आंदोलन: अयोधिदास और बौद्ध धर्म की अम्बेडकर विचारधारा का आकलन" प्रस्तुत किया।
- 02.03.2023-03.03.2023. ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै द्वारा आयोजित 'दक्षिण भारत में स्वदेशी विचारों, सांप्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता का आत्मनिरीक्षण और पूर्वव्यापीकरण' विषय पर दो दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और एक शोध पत्र 'अस्पृश्यता को समझना: प्रारंभिक भारतीय समाज में विचार और अभ्यास' प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 47 वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस के दौरान पुरातत्व, इतिहास और संस्कृति अनुसंधान समिति के एक सत्र को आमंत्रित किया और अध्यक्षता की।

शोध आलेख:

- राजन, के.एम. (2022). "मंदिरों के अनुष्ठान सेवक: चोल काल के पुरालेख अभिलेखों से प्राप्त जानकारी", भारतीय इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही-2019, 80वां सत्र, कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल, 78-86।

- राजन, के.एम. (2022). "उत्तरी बंगाल के कामता-कुचबिहार क्षेत्र में शैववाद के पहलू", जर्नल ऑफ बंगाल आर्ट, 26, 199-214।

पुस्तक अध्याय:

- राजन, के.एम. (2022). एस जीवानंदम, एट अल में "मध्यकालीन तमिल देश में कृषि मजदूर और मजदूरी"। (संस्करण), इतिहास में हालिया रुझान: प्रोफेसर रेखा पांडे के सम्मान में निबंध, साहित्यिक मंडली, जयपुर, 300-319।
- राजन, के.एम.(2022). "जाति आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन: दक्षिण भारत में सामाजिक गतिशीलता का एक अध्ययन" पी. चेन्ना रेड्डी (सं.), रीविज़िटिंग इंडियाज़ पास्ट (प्रो. विजय कुमार ठाकुर का स्मरणोत्सव खंड), 294-312, ब्लू रोज़ पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

बीना गांधी देवरी

- उप निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर) - 2 जनवरी, 2023 को सार्क सांस्कृतिक केंद्र, कोलंबो, श्रीलंका में अनुसंधान।

सुचिरा रॉयचौधरी

- 21.01. 2023. भारतीय संग्रहालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'प्रोफेसर एस.एन.राजागुरु की स्मृति में भू-पुरातत्व में वर्तमान विकास और भविष्य की दिशाएँ' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "मंगलकोट के विशेष संदर्भ में पश्चिम बंगाल की अजय नदी का भू-पुरातत्व: गुरुजी को एक श्रद्धांजलि" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शोध आलेख

- रॉय चौधरी, एस. (2022). "बकरेश्वर नदी घाटी सीज़न 2007-08 और 2009-10 में अन्वेषण और उत्खनन", प्रब्र समीक्षा, नई श्रृंखला 12: 1-138।

सुजाता रक्षित

- 12.10.2022-13.10.2022. 'एशियन एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड हिस्टोरियन्स (AAWH)', नई दिल्ली, भारत में 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "ए टेल ऑफ़ ए ब्राह्मणिकल किंग एंड एन ऑटोचथोनस गॉड: इमर्जेंस ऑफ़ निलाकला एज़ ए सेक्रेड सेंटर इन अर्ली मेडीवल कलिंग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.12.2022-29.12.2022. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'संस्कृति की अस्थिर प्रक्रिया: प्रारंभिक मध्यकालीन ओडिशा में ब्राह्मणवादी आधिपत्य के निर्माण में एक पवित्र स्थान की भूमिका' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

एल लैमिन्थांग सिमटे

- 02.03.2023-03.03.2023. ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै द्वारा आयोजित 'दक्षिण भारत में स्वदेशी विचारों, सांप्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता का आत्मनिरीक्षण और पूर्वव्यापीकरण' विषय पर दो

अध्याय-2

दिवसीय आईसीएसएसआर-प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "स्वतंत्र भारत में उच्च शिक्षा और जनजातीय उत्थान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 04.03.2023. एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "द (अन)मेकिंग ऑफ़ ए "बौद्ध" साइट: मध्य भारत में प्रारंभिक ऐतिहासिक परिदृश्य का पुरातत्व सर्वेक्षण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया; तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित।

- 06.03.2023-08.03.2023. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित "ऐतिहासिक अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता में हालिया रुझान" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "पुरातात्विक सामग्रियों के विश्लेषण और व्याख्या में हालिया प्रगति" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुकेन शाह

- 23.01.2023-21.02.2023. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से '9वें गुरु- दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) (फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम)' में भाग लिया और पूरा किया।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, वैचारिक अध्ययन की प्रत्यक्ष कड़ी है, जो रबींद्रनाथ के आशीर्वाद से शांतिनिकेतन में शुरू किया गया था, और पंडित क्षितिमोहन सेन और विधुशेखर शास्त्री द्वारा 1900 के दशक की शुरुआत में, ठीक 1907 के बाद से शुरू किया गया था, तब जब कवि रबींद्रनाथ के मन में विश्वभारती के विचार का अंकुरण नहीं हुआ था, उन्हें अपने संस्कृति केंद्र को विश्वविद्यालय के रूप में नामित करने में हिचकिचाहट थी। " दुर्भाग्य यह है कि" कवि ने 1919 में ही लिखा था, "जैसे ही एक विश्वविद्यालय का विचार हमारे दिमाग में प्रवेश करता है, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कई अन्य यूरोपीय विश्वविद्यालयों का विचार एक ही समय में आता है और पूरे स्थान को भर देता है"। फिर हम कल्पना करते हैं कि हमारा उद्धार एक उदार पूर्णता में एक साथ जुड़े प्रत्येक के सर्वोत्तम बिंदुओं के चयन में निहित है। भारतीय शिक्षा के केंद्र की उनकी रूपरेखा में, परिणाम के लिए कोई अधीर लालसा, नकल के लिए कोई दुर्भाग्यपूर्ण कमजोरी और अपने जन्म से ही एक पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय की अप्राकृतिक इच्छा नहीं थी। विश्वभारती का विचार एक महान विचार है। यह "न केवल भारत के बौद्धिक जीवन का केंद्र होना चाहिए, बल्कि उसके आर्थिक जीवन का भी केंद्र होना चाहिए।" लेकिन एक अभिकेन्द्रीय शक्ति उत्पन्न करने में सक्षम हुए बिना जो हमारी विविध सांस्कृतिक विरासत और हमारी सभी सामग्रियों को एक साथ आकर्षित और समूहित करेगी, भारतीय संस्कृति के एक पूर्ण और गतिशील चक्र का निर्माण एक दूर का सपना बना रहेगा। इस प्रकार, अपने प्रारंभिक चरण में भारतीय शिक्षा के केंद्र को आकार देने और बौद्धिक एकता स्थापित करने के लिए, विश्वभारती के संस्थापक ने विभिन्न संस्कृतियों - वैदिक, पौराणिक, बौद्ध, जैन, इस्लामी, सिख, पारसी और यूरोपीय के सह-समन्वित अध्ययन की व्यवस्था की, जो संस्थान को दूसरों के सर्वोत्तम को आत्मसात करने में सक्षम करेगा जो प्राचीन भारत में घोषित शाश्वत सत्य को प्रकट करेगा: आत्मवत् सवभूतेषु या पश्यति स पश्यति - वही देखता है, जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है। यहीं पर विश्वभारती में स्कूल ऑफ इंडोलॉजी की जड़ निहित है, भारतीय इतिहास का पौधा जिसे रवींद्रनाथ ने लगाया था और देश और विदेश के विद्वानों द्वारा पोषित किया गया था - उनमें से सबसे प्रतिष्ठित में सिल्वेन लेवी, मौरिस विंटरनिट्ज़, विसेंट लेस्ली, स्टेन कोनोव, ग्यूसेप टुकी, क्षितिमोहन सेन, विधुशेखर शास्त्री और प्रोबोधचंद्र बागची शामिल थे।

रवीन्द्रनाथ की विश्वभारती को 1951 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में सीमित कर दिया गया था। कवि के कई सपने केंद्रीय विश्वविद्यालय के दलदल में खो गए थे, विचारधारा का स्कूल भी खो गया था, इसके टुकड़े प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति, आधुनिक भारतीय इतिहास, अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन, संस्कृत, पाली और प्राकृत, चीनी भाषा और संस्कृति और भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग के रूप में बचे हैं।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग विभाग, जिसे 1951 में यह नाम दिया गया था, को 1977 में पाठ्यक्रम संरचना के एक घटक के रूप में पुरातत्व की शुरूआत के साथ फिर से यह नाम दिया गया, वह नाम अब भी है।

विभाग बी.ए. में तीन साल, छह सेमेस्टर ऑनर्स स्तर में सेमेस्टर प्रणाली में स्नातक और दो साल, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व में एम.ए. में चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह भारतीय सभ्यतागत लोकाचार की मूल बातें जानने के इच्छुक विदेशी छात्रों को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व में एक साल का कैजुअल कोर्स भी प्रदान करता है। उक्त पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग एम.फिल, (दो वर्ष) कार्यक्रम और एप्लाइड और फील्ड अनुसंधान उन्मुख प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व में पीएच.डी. प्रदान करता है।

संग्रहालय एवं पुरातत्व प्रयोगशाला

प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग ने नए भवन (भूतल), विद्या-भवन में एक नया संग्रहालय और पुरातत्व प्रयोगशाला खोली है। संग्रहालय में ज्यादातर हटिकरा, बालूपुर और कोटासुर जैसे पुरातात्विक स्थलों से सिरेमिक संग्रह शामिल हैं। पुरातत्व प्रयोगशाला ने हाल ही में छात्रों के शिक्षण उद्देश्य के लिए एक मानव कंकाल मॉडल (170 सेमी) और निचले, मध्य, ऊपरी पुरापाषाण और नवपाषाण संस्कृति के प्रतिकृति उपकरण (3डी) के 41 टुकड़े प्राप्त किए हैं।

स्नातक छात्रों द्वारा पुरातत्व क्षेत्र का दौरा

पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, स्नातक छात्रों को साइटों की पहचान करने और साइट निर्माण प्रक्रियाओं को समझने का व्यावहारिक अनुभव देने के लिए मंगलकोट, पांडु राजार ढिबी और बहिरी के आसपास के क्षेत्रों में पुरातात्विक स्थलों के दौरे पर ले जाया गया।

पुरातत्व संग्रहालय में सिक्का कैबिनेट का उद्घाटन

13 फरवरी 2023 को एआईएचसी एंड ए विभाग ने पुरातत्व संग्रहालय में एक सिक्का कैबिनेट का उद्घाटन किया। प्रो. ओसमंड बोपराची (एमेरिटस अनुसंधान निदेशक, फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च) ने कैबिनेट का उद्घाटन किया। प्रोफेसर बिपाशा राहा (प्रिंसिपल, विद्या भवन), प्रोफेसर सुष्मिता बसु मजूमदार (एचओडी, एआईएच एंड सी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय), रजिस्ट्रार, विश्व भारती, प्रिंसिपल, कला भवन, विश्व भारती, प्रोफेसर वी.सी. झा, भूगोल विभाग, अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग के प्रोफेसर सरबोजीत सेन गुप्ता और भूगोल और इतिहास विभागों के अन्य संकाय सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे। कैबिनेट में छिद्रित सिक्के, बिना अंकित तांबे के सिक्के, कुषाण और पुरी कुषाण सिक्के प्रदर्शित किए गए थे। इनका समय काल 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 6/7वीं शताब्दी ई.पू. तक है।

अध्याय-2

भविष्य योजना

विभाग पूर्वी भारत में पुरातात्विक स्थलों के पाठ्य और दृश्य पैटर्न के लिए एक डेटाबेस स्थापित करने का प्रस्ताव करता है। हम विश्वभारती में एक पुरातत्व सूचना प्रणाली (एआईएस) भी विकसित करना चाहेंगे। इसे पूर्वी भारत में नियमित अन्वेषण और उत्खनन कार्य द्वारा पूरक किया जाएगा जो विभाग के शैक्षणिक पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। यह हमारे स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध छात्रों को क्षेत्रीय पुरातात्विक तरीकों और तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा।

नृतत्व विभाग

विभागीय संगोष्ठी

- 02.04.2022. मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी, जर्मनी के प्रोफेसर मार्क स्टोनकिंग द्वारा दिए गए 'पुरातन जीनोम और मानव विकास में अंतर्दृष्टि' नामक एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 09.04.2022. प्रोफेसर (एमरेटस) नोएल कैमरून, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स, एक्सरसाइज एंड हेल्थ साइंसेज, लॉफबोरो यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा दिए गए "इन सर्च ऑफ द कर्व: द मेजरमेंट ऑफ ह्यूमन ग्रोथ" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 03.05.2022. "शारीरिक गतिविधि और मोटापे के क्षेत्रीय अनुमान: आर्थिक विकास और पोषण संक्रमण के निहितार्थ" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया, जो पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर, यूएसए के प्रोफेसर पीटर टी काटज़मारज़िक ने दिया।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी

रंग्या गाचुई

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लाफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा 'उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "बुनाई: मणिपुर की तांगखुल महिलाओं के लिए एक उद्यमिता उपकरण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सिपाँय सर्वेश्वर

- 30.03.2023. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'कार्का: तुलनात्मकवाद पर अभ्यास' नामक मासिक व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में 'भाषा और संस्कृति की अंतर्विभाजन: इंद्रधनुष और समूह गठन की भारतीय शर्तों का भाषाई-मानवशास्त्रीय विश्लेषण' नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21.02.2023. श्री श्री सेंटर फॉर ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रेटिंग स्टडीज, श्री श्री यूनिवर्सिटी, कटक और कलकत्ता कंपैरेटिस्ट 1919, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत तमिल में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने के उद्घाटन समारोह में 'भारत में भाषा आंदोलनों के सामाजिक-राजनीतिक निहितार्थ: तमिल भाषा राजनीति का मानवशास्त्रीय विश्लेषण' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान (पूर्ण वक्ता के रूप में) दिया।
- 01.10.2022-04.10.2022. भूटान और जीएनएच अध्ययन केंद्र (सीबीएस), भूटान के केंद्रीय मठ निकाय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), भारत द्वारा झिचेनखार, थिम्पू, भूटान में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय वज्रयान बौद्ध धर्म सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'भारत में मातृसत्तात्मक मिथकों का पितृसत्तात्मककरण: बौद्ध धर्म को किनारे करने की प्रक्रिया को समझना' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 15.02.2023-16.02.2023. संस्कृति और सेंट पियस एक्स डिग्री और पीजी कॉलेज ऑफ विमेन, हैदराबाद द्वारा 'कोविड-19 आपदा के रूप में: सामाजिक भेद्यता और जोखिम विश्लेषण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में

अध्याय-2

एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'युवाओं के बीच स्थायी रूढ़िवादिता में सोशल मीडिया का प्रभाव: पश्चिम बंगाल में महामारी की धारणा की मानवशास्त्रीय जांच' शीर्षक से एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया।

- 10.01.2023-11.01.2023. पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र, विद्या भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता' में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'नव-उदारवाद, अलगाव और उपकरण के रूप में फिल्में' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्व-भारती और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लाफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा 'उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "ग्रामीण विकास के बारे में टैगोर और गांधी की धारणा की समकालीन प्रासंगिकता: एक मानवशास्त्रीय विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन:

अर्नब घोष (शोध लेख)

- मित्रा, एम. एवं घोष, ए. (2022). "एशियाई भारतीयों के विशेष संदर्भ में वृद्धावस्था आबादी में मानवशास्त्रीय और शारीरिक संरचना विशेषताएँ: एक व्यवस्थित समीक्षा"। इंडियन जर्नल ऑफ जेरोन्टोलॉजी, 36 (4), 496-517।

ज्योति रतन घोष

किताब

- घोष, जे.आर., और गाचुई, आर. (2022). "मानवविज्ञान अनुसंधान में रुझान"। रेड फ्लावर पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड दिल्ली.

रंग्या गाचुई

किताब

- घोष, जे.आर., गाचुई, आर. (2022). "मानवविज्ञान अनुसंधान में रुझान"। रेड फ्लावर पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड दिल्ली.) श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में।

पुस्तक अध्याय

- गचुई, आर. (2022). "मणिपुर के इनपुई में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: मौजूदा संस्कृति और पहचान में बदलाव"। मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

सिपाही सर्वेश्वर

इयू के पाठ्यक्रम सामग्री में योगदान की गई इकाइयाँ:

- इकाई 10: मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एन03डीसी: संस्कृति और समाज के सिद्धांत, ब्लॉक VI: श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व-निर्देश सामग्री) के लिए समकालीन दुनिया में मानवविज्ञान की समकालीन प्रासंगिकता।
- इकाई 05: मुख्य पाठ्यक्रम में संस्कृति और व्यक्तित्व 'बी21एन03डीसी: संस्कृति और समाज के सिद्धांत, ब्लॉक III: श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व-निर्देश सामग्री) के लिए सामाजिक संरचना और कार्य के सिद्धांत।
- इकाई 07: मुख्य पाठ्यक्रम में नव विकासवाद 'बी21एन03डीसी: संस्कृति और समाज के सिद्धांत, ब्लॉक IV: श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व-निर्देश सामग्री) के लिए नव-विकासवाद और भौतिकवाद के सिद्धांत।
- इकाई 08: मुख्य पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भौतिकवाद 'बी21एन03डीसी: संस्कृति और समाज के सिद्धांत, ब्लॉक IV: श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व-निर्देश सामग्री) के लिए नव-विकासवाद और भौतिकवाद के सिद्धांत।
- इकाई 10: मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एन03डीसी: संस्कृति और समाज के सिद्धांत, खंड VI: उत्तर आधुनिक सिद्धांत, श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व-निर्देश सामग्री) में परंपरा, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता को समझना।
- इकाई 07: मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एन03डीई: लिंग और संस्कृति, ब्लॉक VII: नारीवादी सिद्धांत बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री) श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में शेरी ऑर्टनर, लीला अबू-लुघोड का योगदान।
- इकाई 05: राज्य की उत्पत्ति, मुख्य पाठ्यक्रम में राज्य की विशेषताएं 'बी21एन05डीई: राजनीतिक मानवविज्ञान, ब्लॉक IV: राज्य और नागरिक समाज श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- इकाई 06: मुख्य पाठ्यक्रम में नागरिक समाज की अवधारणा 'बी21एन05डीई: राजनीतिक मानवविज्ञान, ब्लॉक IV: राज्य और नागरिक समाज श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- इकाई 07: मुख्य पाठ्यक्रम में जनजातीय और ग्राम पंचायतें 'बी21एन05डीई: राजनीतिक मानवविज्ञान, खंड 5: भारत में स्थानीय राजनीतिक व्यवस्था श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- इकाई 08: मुख्य पाठ्यक्रम में क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता और जातीय आंदोलन 'बी21एन05डीई: राजनीतिक मानवविज्ञान, खंड VI: राजनीतिक विचारधाराएं और राजनीतिक आंदोलन श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- यूनिट 01: एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी की उत्पत्ति - उपनिवेशवाद का मानव विज्ञान, राष्ट्र निर्माण मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एन01एसई: प्रैक्टिसिंग एंथ्रोपोलॉजी, ब्लॉक I: एप्लाइडिंग एंथ्रोपोलॉजी- श्रीनारायणगुरु ओपन यूनिवर्सिटी, केरल में बीए एंथ्रोपोलॉजी (स्व निर्देश सामग्री)।

अध्याय-2

- यूनिट02: एक्शन एंथ्रोपोलॉजी, एंगेज्ड एंथ्रोपोलॉजी, पब्लिक एंथ्रोपोलॉजी इन कोर कोर्स 'बी21एएन01एसई: प्रैक्टिसिंग एंथ्रोपोलॉजी, ब्लॉक 1: एप्लाइडिंग एंथ्रोपोलॉजी- श्रीनारायणगुरु ओपन यूनिवर्सिटी, केरल में बीए एंथ्रोपोलॉजी (स्व निर्देश सामग्री)।
- इकाई 03: नीति और लोगों का मानवविज्ञान मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एएन01एसई: अभ्यास मानवविज्ञान, ब्लॉक 2: नीति का मानवविज्ञान- श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- यूनिट 01: नृवंशविज्ञान - मुख्य पाठ्यक्रम 'बी21एएन02एसई' में प्रतिभागियों का अवलोकन और साक्षात्कार: नृवंशविज्ञान का परिचय - श्रीनारायणगुरु मुक्त विश्वविद्यालय, केरल में बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।
- इकाई 02: मुख्य पाठ्यक्रम में सर्वेक्षण, अनुसूची और प्रश्नावली 'बी21एएन02एसई: नृवंशविज्ञान का परिचय- बीए मानवविज्ञान (स्व निर्देश सामग्री)।

अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- अनीशा हाजरा -यूजीसी-नेट
- सुषमदीप भक्त-यूजीसी-नेट (जेआरएफ)
- बिककी शर्मा-यूजीसी-नेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- 01.04.2022 -02.04.2022. विभाग ने वर्चुअल फोरम पर आयोजित किया: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह में छाया गतिविधियों पर ऑनलाइन सम्मेलन, बॉन विश्वविद्यालय (जर्मनी) और विश्व भारती द्वारा सह-आयोजित और अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन (जर्मनी) द्वारा प्रायोजित।

प्रस्तुतकर्ता:

- डॉ. लुकास लिंसी, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग और अंतर्राष्ट्रीय संगठन, ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड।
- प्रोफेसर फ्रेडरिक श्राइडर, जोहान्स केपलर यूनिवर्सिटी ऑफ लिंज़, ऑस्ट्रिया।
- डॉ. विभा भंडारी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय निज़वा, ओमान सल्तनत।
- प्रो. सौमेन चट्टोपाध्याय, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत।
- प्रवीण तिवारी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, भारत।
- डॉ. देबस्मिता बसु, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, भारत।
- शुभाशीष दास, अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय, भारत।
- समीर कुमार दास, अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय, भारत।
- डॉ. वासिलियोस व्लाचोस, इंटरनेशनल हेलेनिक यूनिवर्सिटी और डेमोक्रेटिस यूनिवर्सिटी ऑफ थ्रेस, ग्रीस।
- शर्मी सेन, अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

सौम्य चक्रवर्ती

- 21.12.2022. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता के संकाय विकास कार्यक्रम में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 21.12.2022. हेरिटेज कॉलेज, कोलकाता द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्दे" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 46वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "कृषि के आधुनिकीकरण की आलोचना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023- 31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति के अध्यक्ष, 46वें भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में "समावेशी विकास की आलोचना" शीर्षक से एक आमंत्रित अध्यक्ष का भाषण दिया।
- 17.02.2023-18.02.2023. आईपीईए और आईडीएसएपी के सहयोग से जीआईटीएम स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा आयोजित वैश्विक और भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था: सिद्धांत, अभ्यास और चुनौतियां पर आईपीईए के 26वें वार्षिक सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "इमाइज़राइज़िंग वैश्वीकरण: भारत का अनौपचारिक क्षेत्र" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विश्वजीत मंडल

- 25.06.2022 –26.06.2022. एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और टोक्यो विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान द्वारा आयोजित 17वें एपीटीएस (ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म) में "एकाधिकार प्रतिस्पर्धा, इष्टतम उत्पाद विविधता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार - कारक बंदोबस्ती और कारक तीव्रता की महत्वपूर्ण भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 20.01.2023. भैरव गांगुली कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में "समय क्षेत्रों, व्यापार और अनौपचारिकता में वित्तीय पूंजी की गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित मुख्य भाषण दिया।

अमित कुमार विश्वास

- 01.04.2022 – 02.04.2022. अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी द्वारा प्रायोजित, बॉन विश्वविद्यालय के सहयोग से हमारे चल रहे प्रोजेक्ट थीम, "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह में छाया गतिविधियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" पर एक हाइब्रिड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (संदर्भ वेबपेज: <https://www.iiv.uni-bonn.de/en/shadow-activities-conference>)।
- 13.06.2022. एबीएन सील कॉलेज, कूच बिहार द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "विकास अर्थशास्त्र में भ्रष्टाचार की घटनाएं और उन्मूलन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17.10.2022. अंतर्राष्ट्रीय विभाग में "व्यापार, निवेश और डेटा मिथ्याकरण की घटना: अनौपचारिक पूंजी आंदोलन पर एक अध्ययन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अचिरांशु आचार्य

- 28.06.2022 - 01.07 2022. यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एनवायरनमेंटल एंड रिसोर्स इकोनॉमिस्ट्स (2022 EAERE), रिमिनी, इटली के 27वें वार्षिक सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "पीने के पानी में फ्लोराइड संदूषण से स्वास्थ्य क्षति का मूल्यांकन: भुगतान और खुराक-प्रतिक्रिया दृष्टिकोण की इच्छा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 25.08.2022-26.08.2022. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल इनोवेशन एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज: प्रायोरिटीज एंड पर्सपेक्टिव्स" पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "जलवायु परिवर्तन के तहत एमएसएमई की स्थिरता: एक कोविड -19 विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। असम विश्वविद्यालय, असम और आईसीएसएसआर (एमएचआरडी, भारत सरकार) द्वारा प्रायोजित
- 06.11.2022. स्कूल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, ईस्ट डेल्टा यूनिवर्सिटी, चटगांव, बांग्लादेश द्वारा आयोजित "जल और कृषि के बीच अंतर संबंधों का अर्थशास्त्र" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 16.12.2022. कलकत्ता विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में बाहरी सदस्य के रूप में ऑनलाइन भाग लिया।
- 18.03.2023. श्री बालाजी विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा "सतत व्यवसाय के लिए नवीन अभ्यास" विषय पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन आमंत्रित और एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रिय ब्रत दत्ता

- 05.02.2023 – 07.02.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज (ऑटोनॉमस), कोलकाता द्वारा आयोजित 'बदलती दुनिया में अपूर्ण संसाधन गतिशीलता और आर्थिक समायोजन – स्पेसिफिक फैक्टर मॉडल के 50 वर्षों का जश्न' विषय पर सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "आर्थिक विकास और पर्यावरण: पर्यटन अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अनामिका मोक्तान

- 12.10.2022-26.10.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, नॉर्थईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और पूरा किया।

माधवेन्द्र सिन्हा

- 06.03.2023 – 10.03.2023. एसआरएम विश्वविद्यालय सिक्किम के सहयोग से वाणिज्य विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित "फ्री एंड ओपन सोर्स (जामोवी और ग्रेटल) सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अनुसंधान डेटा एनालिटिक्स" विषय पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 28.10.2022 – 29.10.2022. भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया, भारत और वाइकाटो प्रबंधन स्कूल, वाइकाटो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) में "कोविड-19 के दौरान फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रदर्शन का विश्लेषण: भारतीय स्टॉक बाजार डेटा के साथ जीजेआर-गार्च अनुमानों से साक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 25.08.2022 – 26.08.2022. बैंक इंडोनेशिया इंस्टीट्यूट और एशिया-पैसिफिक एप्लाइड इकोनॉमिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित मौद्रिक अर्थशास्त्र और बैंकिंग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कॉल फॉर पेपर्स के 16 वें बुलेटिन में "डिजिटलीकरण के युग में एफडीआई, व्यापार और CO2 उत्सर्जन: एशिया-प्रशांत विकासशील देशों से साक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया और एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शोध विद्वानों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय (सुपरवाइजर)

अभिजीत पाठक (पीएचडी स्कॉलर)

- 08.04.2-022-09-04-2022. राममोहन लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता के सहयोग से कलकत्ता विश्वविद्यालय के ध्रुवा चंद हलदार कॉलेज द्वारा आयोजित "स्थानीय इतिहास को पुनर्स्थापित करने में सार्वजनिक पुस्तकालय की पुनरुद्धार और बदलती भूमिका: बंगाल परिप्रेक्ष्य" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में भाग लिया और "स्वतंत्रता-पूर्व काल में भारत में किसान आंदोलन: एक महत्वपूर्ण लड़ाई में हार" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

हेमन्त सरकार (पीएचडी स्कॉलर)

- 18.08.2022. भारतीय सांख्यिकी संस्थान के आईएसएस प्रशिक्षुओं के लिए कार्यशाला में भाग लिया और आईआरसी, विश्व-भारती द्वारा आयोजित "आधिकारिक सांख्यिकी का संग्रह: कुछ परिचयात्मक नोट्स" पर बात की।
- 09.12.2022. एनएसओ द्वारा अनिगमित क्षेत्र उद्यमों पर आयोजित वार्षिक सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

मौमिता मैत्रा (पीएचडी स्कॉलर)

- 23.11.2022. बीईए के सहयोग से राजा पियरी मोहन कॉलेज द्वारा "धन और वित्तीय संकट" पर आयोजित राज्य स्तरीय सेमिनार में भाग लिया।

सौम्या चक्रवर्ती (सुपरवाइजर)

हर्ष तिवारी (पीएचडी स्कॉलर)

- 20.01.2023. विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास के समसामयिक मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: आगे की राह में गरीब और गैर-गरीब राज्यों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (एमजीएनआरईजीपी) का प्रदर्शन: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया। अर्थशास्त्र के, भैरव गांगुली कॉलेज IQAC के सहयोग से।

सोमनाथ घोष (पीएचडी स्कॉलर)

- 17.01.2023. कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शहरी अध्ययन के राष्ट्रीय सम्मेलन में "शहरीकरण और श्रम सीमान्तीकरण: सुधार के बाद के भारत में स्लम रोजगार का एक विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

हिमाद्रिजा चक्रवर्ती (पीएचडी स्कॉलर)

- 6.12.2022-7.12.2022. आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित और अर्थशास्त्र विभाग, सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत की आजादी के 75 वर्ष: समावेशी विकास और सतत यात्रा की दिशा में यात्रा" विषय पर प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "फर्म स्ट्रक्चर, मार्केट स्ट्रक्चर, और फर्म डायनेमिक्स: पश्चिम बंगाल की कुछ सूक्ष्म फर्मों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 17.02.2023-18.02.2023. जीआईटीएएम द्वारा आयोजित वैश्विक और भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था: सिद्धांत, अभ्यास और चुनौतियां पर आईपीईए के 26वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और "फर्म स्ट्रक्चर, मार्केट स्ट्रक्चर, और फर्म डायनेमिक्स: पश्चिम बंगाल की कुछ सूक्ष्म फर्मों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। आईपीईए और आईडीएसएपी के सहयोग से स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा आयोजित।
- 1.03.2023-3.03.2023. विकास अध्ययन केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग राजीव गांधी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईएसएलई के 63वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और "फर्म स्ट्रक्चर, मार्केट स्ट्रक्चर, और फर्म डायनेमिक्स: पश्चिम बंगाल की कुछ सूक्ष्म फर्मों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

राहुल पाल (पीएचडी स्कॉलर)

- 6.12.2022-7.12.2023. आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित और अर्थशास्त्र विभाग, सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत की आजादी के 75 वर्ष: समावेशी विकास और सतत विकास की ओर यात्रा"-पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "भारत में अनौपचारिक क्षेत्र की दृढ़ संरचना, बाजार संरचना और दृढ़ गतिशीलता: एक आलोचनात्मक समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विश्वजीत मंडल (सुपरवाइजर)

भास्कर भट्टाचार्य (पीएचडी स्कॉलर)

- 04.01.2023- 06.01.2023. स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय और द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 57वें वार्षिक सम्मेलन में "भारत में संस्थागत प्रसव के मामले में संकट वित्तपोषण के सहसंबंध" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 05.02.2023- 07.02.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज (ऑटोनोंमस), कोलकाता द्वारा आयोजित "विशिष्ट कारक मॉडल के 50 वर्षों के जश्न में बदलती दुनिया में अपूर्ण संसाधन गतिशीलता और आर्थिक समायोजन" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

मैत्रेयी दास (पीएचडी स्कॉलर)

- 05.02.2023- 07.02.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज (ऑटोनोंमस), कोलकाता द्वारा आयोजित "विशिष्ट कारक मॉडल के 50 वर्षों के जश्न में बदलती दुनिया में अपूर्ण संसाधन गतिशीलता और आर्थिक समायोजन" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

अमित कुमार विश्वास (सुपरवाइजर)

शुभाशीष दास (पीएचडी स्कॉलर)

- 02.04.2022. अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी द्वारा प्रायोजित और, विश्वभारती विश्वविद्यालय और बॉन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह में छाया गतिविधियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " मिथ्या व्यापार और एफडीआई डेटा के माध्यम से छिपी हुई पूंजी आंदोलन: ब्रिक्स को समझना" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

समीर कुमार दास (पीएचडी स्कॉलर)

• 02.04.2022. अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी द्वारा प्रायोजित और, विश्वभारती विश्वविद्यालय और बॉन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह में छाया गतिविधियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यापार डेटा मिथ्याकरण और संभावित पूंजी आंदोलन: बांग्लादेश पर एक अध्ययन" नामक पेपर प्रस्तुत किया।

• 11.10.2022. बॉन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "व्यापार गलत रिपोर्टिंग और छिपी पूंजी उड़ान: बांग्लादेश पर एक अध्ययन - ओईसीडी व्यापार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक नीति विभाग में एक आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय स्तर का व्याख्यान दिया।

उपल दास (एमफिल स्कॉलर)

• 22.02.2023. जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नेशनल रिसर्च स्कॉलर वर्कशॉप में "अपराध की घटनाएं और उसके निर्धारक: भारतीय राज्यों पर एक अध्ययन" पेपर प्रस्तुत किया।

अचिरांशु आचार्य (सुपरवाइजर)

पूजा दास (पीएचडी स्कॉलर)

• 13.6.2022-15.06.2022. इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूट्स (आईएसएसआई) के 21वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और "ब्रह्मपुत्र नदी पर जल बंटवारा विवाद और असम के चार क्षेत्रों में रहने वाले हितधारकों पर इसका सामाजिक-आर्थिक प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ
प्रधान अन्वेषक का नाम: अमित कुमार विश्वास

परियोजना का नाम: ट्रेड डेटा फैब्रिकेशन ऐन्ड पॉसिबल कैपिटल् फ्लाइट: भारत और अन्य विकासशील देशों के अनुभव।

प्रायोजक एजेंसियाँ: अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन द्वारा रिसर्च ग्रुप लिंकेज प्रोग्राम प्रोजेक्ट

स्वीकृत राशि: EUR 55000 (INR 5000000 लगभग)

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने इसमें भाग लिया।

• 10.11.2022. विभाग ने अर्थशास्त्र में डेटा साइंस/बिजनेस एनालिटिक्स के अनुप्रयोग पर छात्रों और शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य वक्ता डॉ. सायंतनी रॉय चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रैक्सिस बिजनेस स्कूल थीं।

• 06.01.2023. विभाग ने टीच फॉर इंडिया के साथ संयुक्त रूप से छात्रों के लिए टीच फॉर इंडिया की भर्ती प्रबंधक, प्रज्ञा बोस द्वारा संचालित "शिक्षा में नेतृत्व: द टीच फॉर इंडिया फ़ेलोशिप" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

- 09.01. 2023. विभाग ने "निवेश के सिद्धांत" नामक एक वेबिनार का आयोजन किया, यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है। रिसोर्स पर्सन सुश्री मरीना जोस थीं। यह बीएसई के निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का एक हिस्सा था। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को निवेश की दुनिया से परिचित कराना है, जिसमें सही कंपनी का चयन कैसे करें और निवेशकों द्वारा की जाने वाली सामान्य गलतियों को उजागर करना है।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

सौम्य चक्रवर्ती

- 46वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, जनवरी 2023 में अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति के बाहरी अध्यक्ष के पद से सम्मानित।

अनामिका मोक्तान

- यूजीसी-एचआरडीसी, नॉर्थईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा 12.10.2022-26.10.2022 तक आयोजित अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।

पीएचडी स्कॉलर

- **काबेरी पाल** को 30/06/2022 को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया है। प्रोफेसर अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय की देखरेख में उनकी थीसिस, "सुधार के बाद की अवधि में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में महिलाओं की बदलती स्थिति का एक सामाजिक-आर्थिक अध्ययन" के लिए।
- **श्री हेमन्त सरकार** ने मार्च 2023 में "पश्चिम बंगाल में कृषि परिवारों की स्थिति का आकलन: बीरभूम जिले में एक केस स्टडी" शीर्षक से अपनी थीसिस पूरी कर ली है।
- **श्री अभिजीत पाठक** ने सोमवार, 27 मार्च, 2023 को सफलतापूर्वक अपना प्री-पीएचडी प्रस्तुत किया है। प्री-पीएचडी सेमिनार का शीर्षक है, "भारत में कृषि के लिए संस्थागत ऋण और इसका प्रभाव: उदारीकरण के बाद की अवधि का एक अध्ययन"।
- **हिमाद्रिजा चक्रवर्ती** को आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फर्म स्ट्रक्चर, मार्केट स्ट्रक्चर, और फर्म डायनेमिक्स: पश्चिम बंगाल की कुछ सूक्ष्म फर्मों का एक अध्ययन" नामक पेपर की प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार मिला है। भारत की आजादी के 75 वर्ष: समावेशी विकास और सतत कल्याण की ओर यात्रा" अर्थशास्त्र विभाग, सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई।
- **तापस कुमार सूत्रधार**, जो यूजीसी-जेआरएफ के प्राप्तकर्ता थे, को नवंबर 2022 से सफलतापूर्वक सीनियर रिसर्च फेलो के रूप में पदोन्नत किया गया है, नवंबर 2022।
- **अलका श्री प्रसाद** ने 09.11.2022 को अपनी पीएचडी थीसिस जमा की।
- **आनंद मुखर्जी** ने सितंबर 2022 में "भारत में शिक्षा और मानव पूंजी वितरण की जांच" विषय पर अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की (सुपरवाइजर प्रोफेसर सर्बजीत सेनगुप्ता)

अध्याय-2

- **सुभाशीष दास** को 16.12.2022 को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। डिसर्टेशन का विषय: व्यापार, भ्रष्टाचार और अवैध पूंजी प्रवाह: ब्रिक्स से साक्ष्य।
- **समीर कुमार दास** को 15.03.2022 को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। डिसर्टेशन का विषय: मिथ्या व्यापार सांख्यिकी और छिपी हुई पूंजी गतिविधियां: बांग्लादेश और उसके प्रमुख व्यापार भागीदारों पर एक अध्ययन।
- **लेखरानी गोहेन** को 21.03.2022 को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। डिसर्टेशन का विषय: भारतीय कृषि की पारंपरिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता: एक पूछताछ।
- **उपल दास** को एम.फिल. से सम्मानित किया गया। 31.03.2023 को डिग्री। डिसर्टेशन का विषय: अपराध की घटनाएं और उसके निर्धारक: भारतीय राज्यों पर आधारित एक एक्सरसाइज।

प्रकाशन:

पुस्तकें

अचिरांशु आचार्य

- आचार्य, ए.(सं.). (2023). "विकासशील देशों में पर्यावरण अर्थशास्त्र: मुद्दे और चुनौतियाँ". ऑक्सन, और न्यूयॉर्क: रूटलेज, और टेलर और फ्रांसिस <https://doi.org/10.4324/9781003253884>

पुस्तक अध्याय

अचिरांशु आचार्य

- आचार्य, ए. (2023). "परिचय और अवलोकन: आचार्य अचिरांसु में विकासशील देशों में पर्यावरण अर्थशास्त्र (सं.2023). विकासशील देशों में पर्यावरणीय अर्थशास्त्र: मुद्दे और चुनौतियाँ। ऑक्सन, और न्यूयॉर्क: रूटलेज, और टेलर और फ्रांसिस। <https://doi.org/10.4324/9781003253884-1>
- आचार्य, ए. (2023). आचार्य अचिरांसु (सं.2023) में "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जलवायु-स्मार्ट कृषि: रणनीतियों और नीतियों का विश्लेषण"। विकासशील देशों में पर्यावरणीय अर्थशास्त्र: मुद्दे और चुनौतियाँ। ऑक्सन, और न्यूयॉर्क: रूटलेज, और टेलर और फ्रांसिस। <https://doi.org/10.4324/9781003253884-14>

माधवेन्द्र सिन्हा

- दत्ता, ए., मुखोपाध्याय, पी., सिन्हा, एम., और चौधरी, ए. आर. (2022). "महामारी का प्रकोप और गरीबी और असमानता का भविष्य परिदृश्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य"। महामारी में फंसे भारत में आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन: उभरती चुनौतियाँ और लचीली नीति के नुस्खे (पीपी. 189-201)। सिंगापुर: स्पिंगर नेचर।
- सिन्हा, एम., सरकार, डी., चौधरी, ए. आर., और मेटिया, ए. (2023). "आर्थिक विकास पर सामाजिक-क्षेत्र व्यय और शासन की प्रभावशीलता: विकासशील और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन"। सामाजिक क्षेत्र का खर्च, शासन और आर्थिक विकास: दुनिया भर से परिप्रेक्ष्य (पीपी. 173-187)। भारत: रूटलेज।

- सिन्हा, एम. (2023). "वैश्वीकरण और कार्बन उत्सर्जन: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से सबक". उद्योग पर पर्यावरणीय उत्सर्जन और समग्र आर्थिक गतिविधि का प्रभाव: सैद्धांतिक और अनुभवजन्य परिप्रेक्ष्य (पीपी. 169-181). एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड।

शोध पत्र

संतादास घोष

- रॉय, एस. और घोष, एस. (2022). "श्रमिक प्रवासन के माध्यम से मैग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण: भारत में सुंदरबन से निष्कर्ष"। विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, XXVI, 59-75।

विश्वजीत मंडल

- मंडल, बी. (2022). "अनौपचारिक इनपुट क्षेत्र और आउटपुट बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसका प्रभाव"। भारतीय आर्थिक समीक्षा, 57(2), 553-564. <https://link.springer.com/article/10.1007/s41775-022-00146-9>
- मंडल, बी. (2022). "कम भ्रष्टाचार कम वारंट करता है, लेकिन उच्च भ्रष्टाचार इसे हटा देता है: एक रिकार्डियन नोट", जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, (20), 479-486। <https://doi.org/10.1007/s40953-022-00287x>

अमित कुमार विश्वास

- दास, एस.के., और बिस्वास, ए.के. (2022). "व्यापार डेटा मिथ्याकरण और अनौपचारिक व्यक्ति आंदोलन: प्रमुख एशियाई व्यापार भागीदारों के साथ बांग्लादेश का एक अध्ययन"। विदेश व्यापार समीक्षा, सेज, 00157325221120720।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

- चट्टोपाध्याय, एस. (2022). "शहरी पश्चिम बंगाल में बुनियादी सेवाओं तक पहुंच का स्थानिक विश्लेषण: असमानताएं और निर्धारक"। एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन जर्नल. (<https://doi.org/10.1177/00219096221141343>) (सेज)
- चट्टोपाध्याय, एस. (2022). "भारत में शहरी शासन के ब्लैकबॉक्स को खोलना", इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली। 57(22). (पुस्तक समीक्षा)।
- कुमार, ए. और चट्टोपाध्याय, एस. (2022). "किफायती शहरी आवास और बजट 2022-23 - एक वास्तविकता जांच", इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली। 57(21). 13-16.
- चट्टोपाध्याय, एस., डी., आई., मिश्रा, पी., पारे, ए. और दत्ता, एस. (2022). "सहभागी जल संस्थान और सतत सिंचाई प्रबंधन: पश्चिम बंगाल से साक्ष्य और सबक", जल नीति। 24(4), 667-684. (डीओआई: 10.2166/डब्ल्यूपी.2022.306)।

अध्याय-2

प्रियव्रत दत्ता

- गुप्ता, एम.आर. और दत्ता, पी.बी. (2022). "आव्रजन विरोधी नीति के दीर्घकालिक प्रभाव", भारतीय विकास और विकास समीक्षा (एमराल्ड इनसाइट), 16(1), 18-40।
- दत्ता, पी.बी. और साहा, एन. (2022). "वैतन असमानता और कौशल निर्माण पर व्यापार उदारीकरण का प्रभाव: एक सैद्धांतिक विश्लेषण", विदेश व्यापार समीक्षा (सेज प्रकाशन भारत)।

माधवेन्द्र सिन्हा

- रे चौधरी, ए., और सिन्हा, एम. (2022). "भारत में अंतरसमूह व्यावसायिक असमानता की दृढ़ता", गरीबी और सार्वजनिक नीति (विली), 14(4), 437-467।
- सरकार, एस., रे चौधरी, ए., और सिन्हा, एम. (2022). "संज्ञानात्मक कौशल पर पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच", द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल (सेज), 70(3), 533-545।
- रे चौधरी, ए., और सिन्हा, एम. (2022). "भारत में शैक्षिक संक्रमण में क्षेत्रीय असमानता को पकड़ना: एक अनुक्रमिक लॉगिट आधारित संक्रमणकालीन संभाव्यता विश्लेषण", सामाजिक संकेतक अनुसंधान (स्प्रिंगर), 164(2), 893-928।
- सिन्हा, एम., तिर्त्तुहाटो, डी., रे चौधरी, ए., और बसु, पी. (2022). "एफडीआई, डिजिटलीकरण और रोजगार: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से अनुभवजन्य साक्ष्य"। अर्थशास्त्र और वित्त में अध्ययन (एमराल्ड), डीओआई: <https://doi.org/10.1108/SEF-10-2021-0450>।
- रे चौधरी, ए., सरकार, एस., और सिन्हा, एम. (2023). "शैक्षिक रिटर्न और पारिवारिक पृष्ठभूमि के लेंस में शैक्षिक भागीदारी में असमानता: भारत से साक्ष्य", जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज (सेज), डीओआई: <https://doi.org/10.1177/00219096231158342>।

विद्वानों/पीएचडी स्कॉलर द्वारा प्रकाशन

श्रीजीत रॉय

- रॉय, एस. और घोष, एस. (2022). "श्रमिक प्रवासन के माध्यम से मैग्रेव पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण: भारत में सुंदरबन से निष्कर्ष", विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, XXVI, 59-75।

भास्कर भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, बी. (2022). "भारत में संस्थागत प्रसव के मामले में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय की प्रगति और संकट वित्तपोषण के निर्धारक", अर्थविश्लेषण, 6: 36-57।

समीर कुमार दास

- दास, एस.के., और बिस्वास, ए.के. (2022). "व्यापार डेटा मिथ्याकरण और अनौपचारिक व्यक्ति आंदोलन: प्रमुख एशियाई व्यापार भागीदारों के साथ बांग्लादेश का एक अध्ययन", विदेश व्यापार समीक्षा, सेज, 00157325221120720।

पियर-रीव्यूड पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 20

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग की मुख्य बातें (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022)

- देबाश्री पाल राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के रूप में विभाग में शामिल हुईं।

विभाग की भविष्य की योजनाएँ

- नई शिक्षा नीति द्वारा निर्धारित 4-वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का संशोधन और आधुनिकीकरण।
- नीति और अनुप्रयोग-उन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम का संशोधन जो छात्रों को नौकरी बाजार में मदद करेगा।
- स्मार्ट कक्षाओं सहित विभाग में बुनियादी सुविधाओं में सुधार।
- विभाग ने पहले ही एक प्लेसमेंट सेल का गठन कर लिया है और वह प्लेसमेंट से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न रहेगा।

भूगोल विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- सोमनाथ मंडल-यूजीसी नेट- (रोल नंबर WB10303606)
- सौविक मंडल - यूजीसी नेट- (रोल नंबर WB10300120)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

वी.सी. झा

- 19.12.2022. एनएजीआई, आरसीयू, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा 'डिजिटल भूगोल' पर आयोजित पैनल चर्चा में आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिए।
- 21.12.2022. एनएजीआई, आरसीयू, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा 'कनेक्टिंग इंडियन रिवर्स' विषय पर पैनल चर्चा में आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिया।
- 16.03.2023-17.03/2023. एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सम्मेलन (आईटीएचसी 2023) में "पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी और सतत विकास के लिए भू-स्थानिक प्रणाली" शीर्षक से एक आमंत्रित विशेष अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रेमांशु चक्रवर्ती

- 19.12.2022-21.12.2022. एनएजीआई, आरसीयू, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा आयोजित 44वें भारतीय भूगोल कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "डिजिटल कार्टोग्राफी और जियोइन्फॉर्मेटिक्स पर्यटन भूगोल को एक व्यावसायिक अनुशासन बनाते हैं" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 19.12.2022-21.12.2022. एनएजीआई, आरसीयू, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा आयोजित 44वें भारतीय भूगोल कांग्रेस में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 22.06.2022-28.06.2022. कल्याणी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित 'भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का परिचय और क्यू-जीआईएस का उपयोग करके मानचित्रण' विषय पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला में "ट्रेकिंग और पर्यटन के क्षेत्र में भू-स्थानिक विश्लेषण के लिए क्यू-जीआईएस सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। कल्याणी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित 'जीआईएस सॉफ्टवेयर'।
- 15.06.2022. भूगोल विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा 'सुंदरबन के मौसुनी द्वीप में होमस्टे पर्यटन उद्यमिता विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला में "पर्यटन उद्यमियों के लिए ऑपरेटिव फ्रेमवर्क डिजाइन करने के संदर्भ में सुंदरबन की सांस्कृतिक पारिस्थितिकी के पहलू" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13.07.2022. एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भूगोल के चौथे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "बंगाल वैष्णववाद और पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में इसकी संस्कृति का प्रसार" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 02.08.2022. एचआरडीसी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चौथे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पर्यटन संबंधी खतरे और आपदाएँ" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

भैरू लाल यादव

- 02.10.2022. बेंगलुरु में बायोजेनेसिस हेल्थ क्लस्टर द्वारा आयोजित बदलती दुनिया में स्वस्थ उम्र बढ़ने पर विश्व कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और पश्चिम बंगाल के 'मुर्शिदाबाद जिले के बरहामपुर सीडी ब्लॉक के शहरी क्षेत्र की बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ -

वी.सी.झा

- 27.02.2023-01.03.2023. अध्यक्ष, एनएएसी पीयर टीम का दौरा, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा।
- 02.02.2023- 03.02.2023. अध्यक्ष, श्री रंभपुरी जगद्गुरु वीरगंगाधर आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, शिगगांव, कर्नाटक।
- 29.12.2022-30.12.2022. अध्यक्ष एनएएसी, सहकर्मी टीम ने श्री राम कला महिला महाविद्यालय, धामनगांव रेलवे, अमरावती, महाराष्ट्र का दौरा किया।
- 29.11.2022-30.11.2022. अध्यक्ष, नैक, पीयर टीम ने राजा हरपाल सिंह शासकीय महाविद्यालय, हरपालपुर, छतरपुर, म.प्र. का दौरा किया।
- 23.08.2022-24.08.2022. अध्यक्ष, एनएएसी, सहकर्मी टीम ने सरकारी डिग्री कॉलेज, पंपोर, पुलवामा जिला, श्रीनगर, कश्मीर का दौरा किया।
- 01.08.2022- 03.08.2022. अध्यक्ष, एनएएसी, सहकर्मी टीम का दौरा, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), त्रिपुरा।
- 30.06.2022-01.07.2022. चेयरपर्सन, NAAC, पीयर टीम विजिट, VECC&A, बेंगलुरु (बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी)।
- पश्चिम बंगाल राज्य भू-स्थानिक नीति, जून 2022 के लिए एक दस्तावेज़ तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य।
- एमएससी भूगोल कार्यक्रम के पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम डिजाइन के लिए सदस्य विशेषज्ञ समिति, इग्नू, नई दिल्ली, मई 2022
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवरुर, जनवरी 2022 (03.01.2022 से 08.12.2024 तक)

अध्याय-2

· इंडियन कार्टोग्राफर के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष, जर्नल ऑफ इंडियन नेशनल कार्टोग्राफी एसोसिएशन (आईएनसीए) 2019-2022।

प्रकाशन

वी.सी.झा

पुस्तक अध्याय:

· झा, वी.सी. (2022). "मानचित्र, डिजिटलीकरण, और नागरिकता (कोविड-19 के विशेष संदर्भ में)", संपादित खंड 1, आर सी सोबती, कोविड-19 महामारी से सीखना: विज्ञान, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल के लिए निहितार्थ। सीआरसी प्रकाशन।

· झा, वी.सी. (2022). "कोविड-19 महामारी: बदलती जीवनशैली के माध्यम से सामाजिक प्रतिक्रिया", संपादित खंड 2, आर सी सोबती, कोविड-19 महामारी से सीखना: विज्ञान, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल के लिए निहितार्थ। सीआरसी प्रकाशन।

शोध आलेख

· सरकार, एस. एवं झा, वी.सी. (2022). "स्थलाकृतिक शीट और जीआईएस का उपयोग करके राहत और जल निकासी का मात्रात्मक विश्लेषण: दुबराजपुर ब्लॉक, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल का एक केस स्टडी", IJRAR,9 (2)।

· मुखर्जी, एस. एवं झा, वी.सी. (2022). "कर्णप्रयाग सीडी ब्लॉक, उत्तराखंड - भारत में वन आवरण पुनर्ग्रहण का भू-स्थानिक तकनीक आधारित विश्लेषण", एनल्स, एनएजीआई, 42(2), 315-337।

· सरकार, एस. एवं झा, वी.सी. (2022). "दुबराजपुर ब्लॉक, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल, भारत के भूजल संभावित क्षेत्रों को रेखांकित करने के लिए एचपी और भू-स्थानिक तकनीकों का अनुप्रयोग", एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (IJRASET) 11(III).772-785।

प्रेमांशु चक्रवर्ती

पुस्तक अध्याय

· चक्रवर्ती, पी., और मंडल, टी. (2022). "बाउल-सूफ्री इंटरफ़ेस और सांस्कृतिक पर्यटन: पश्चिम बंगाल, भारत के उत्तरी रारह में एक अध्ययन", स्प्रिंगर। http://dx.doi.org/10.1007/978-981-16-6415-1_19

· मंडल, पी.के., और चक्रवर्ती, पी. (2022). "महामारी के प्रभाव से हरित पुनर्प्राप्ति: एक सतत और लचीली गंतव्य अर्थव्यवस्था का विकास", रूटलेज। 135-147. <http://dx.doi.org/10.1201/9781003283331-9>

शोध आलेख

· दास, एस., और चक्रवर्ती, पी. (2023). "महान और छोटी परंपराओं के बीच प्रतिस्पर्धा और समझौता: नबद्वीप मंडला, भारत में एक केस स्टडी", एसेम्पी डि आर्किटेचुरा", 10(2),

<https://www.aracneeditrice.eu/it/publicazioni/esempi-di-architettura-ओलम्पिया-निग्लियो-राणा-पी-बी-सिंघ-9791221805376.html>

• ढालि, एम.के., और चक्रवर्ती, पी. (2022). "दार्जिलिंग हिमालयी पीडमोंट क्षेत्र, भारत में नदियों के चैनल बार्स मॉर्फोडायनामिक पर नियोटेक्टोनिक प्रतिक्रिया का एक आत्मनिरीक्षण", भूविज्ञान, पारिस्थितिकी और परिदृश्य। टेलर और फ्रांसिस. 1-20. <http://dx.doi.org/10.1080/24749508.2022.2158558>

• दास, बी., मंडल, पी., दास, एस., और चक्रवर्ती, पी. (2022). बौद्ध पर्यटन विकास के संदर्भ में पश्चिम बंगाल में बौद्ध मठों के खंडहरों पर एक अध्ययन", भारतीय भूगोल पर्यावरण जर्नल, 19, 55-64। https://www.researchgate.net/publication/363539472_A_Study_on_the_Ruins_of_Buddhist_Monasteries_in_west_Bengal_in_the_Context_of_Buddhist_Tourism_Development

मंजरी भट्टाचार्य

शोध आलेख

• पाल, डी., और भट्टाचार्य, एम. (2022). "मुकुटमणिपुर बांध, रार बंगाल के डाउनस्ट्रीम में कांगसबाती नदी के बैंकलाइन स्थानांतरण और कटाव-जमाव की गतिशीलता का आकलन", रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी.7(8) डीओआई: <https://doi.org/10.31305/rrijm.20221.v07.i08.006>

• पॉल, ए., और भट्टाचार्य, एम. (2022). "पश्चिम बंगाल, भारत की हुगली नदी की ऊपरी पहुंच के भूमि कटाव और अभिवृद्धि गतिशीलता और नदी तट रेखा स्थानांतरण का आकलन", सतत जल संसाधन प्रबंधन.8:136, <https://doi.org/10.1007/s40899-022-00732-y>.

• पॉल, ए., और भट्टाचार्य, एम. (2022). "नदी तट कटाव के प्रभावों और आजीविका की संवेदनशीलता का आकलन: पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के चकदाह सी.डी. ब्लॉक में एक केस स्टडी", भारतीय भूगोल और पर्यावरण जर्नल, 19,82-97।

• पॉल, ए., और भट्टाचार्य, एम. (2022). "सीए-एनएन दृष्टिकोण का उपयोग करके भूमि उपयोग/भूमि आवरण की भविष्यवाणी और निचले गंगा मैदान के भागीरथी नदी के विस्तार पर नदी तट के कटाव के साथ इसका संबंध", जियोजर्नल, <https://doi.org/10.1007/s10708-022-10814-1>

अमित चटर्जी

पुस्तक अध्याय

• रे, आर., चटर्जी, ए., दत्ता, के., और सूसा-लिम्बु, डी. (2022). "महामारी के समय में देखभाल के बुनियादी ढांचे की पुनर्कल्पना: कोलकाता से रेखाचित्र", रूटलेज। 14 पेज. <https://www.taylorfrancis.com/chapters/edit/10.4324/9781003301905-10/reimagining-infrastructure-care-pandmic-time-sketches-kolkata-raktim-ray-amit-chatterjee-koumi-dutadana-sousa-लिम्बु?संदर्भ=ubx&refId=f0f9f852-d88e-4d1b-989c-93c10c1950ab>

अध्याय-2

• बागड़ी, एस.एस., मंडल, एम., और चटर्जी, ए. (2022). "गैस त्रासदी और सीओवीआईडी-19 कमजोरियाँ: भोपाल, भारत में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विश्लेषण", स्प्रिंगर। 99-114. https://doi.org/10.1007/978-981-19-5940-0_2

• तिवारी, वी., और चटर्जी, ए. (2022). "मास्टर प्लानिंग में कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का अनुप्रयोग-भोपाल में भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन के अनुकरण का एक मामला", स्प्रिंगर। 83-108. https://doi.org/10.1007/978-981-19-2564-1_2

शोध आलेख

• माधवी, पी., चौधरी, बी., और चटर्जी, ए. (2022). "मध्य भारत के एक ऑटोमोबाइल क्लस्टर में शेयरिंग और लेबर पूलिंग", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च एंड साइंटिफिक स्टडीज। 5(4), 391-399. <https://doi.org/10.53894/ijirss.v5i4.958>

भैरू लाल यादव

शोध आलेख

• यादव, बी.एल. और दास, एस.के. (2022). "पश्चिम बंगाल के बोलपुर उपखंड में आदिवासी और गैर-आदिवासी बुजुर्गों के बीच सामाजिक सुरक्षा और खुशी का तुलनात्मक अध्ययन", रिसर्च रिव्यूज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी। 07(12), 84-91.

कृष्णेंद्र गुप्ता

पुस्तक अध्याय

• अस्करी, एम. एच., और गुप्ता, के. (2023). "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य चुनौतियों की पहचान करना: भारत में एक जिला-स्तरीय अनुभवजन्य अध्ययन", आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर) और भारत में सतत संसाधन प्रबंधन (पृ. 132-148)। राजेश प्रकाशन. https://www.researchgate.net/publication/368977783_Identifying_the_Health_Challenges_to_Achieve_Universal_Health_Coverage_A_DistrictLevel_Empirical_Study_in_India

• चटर्जी, एस., दास, एस., और गुप्ता, के. (2022). "भूमि परिवर्तन के संबंध में शहरी ताप द्वीप निर्माण के स्थानिक पैटर्न की खोज: पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्द्धमान जिले पर एक अध्ययन", शहरीवाद, स्मार्ट शहरों और स्थिरता में प्रगति (पीपी. 19-37)। सीआरसी प्रेस. <https://www.taylorfrancis.com/chapters/edit/10.1201/9781003126195-3/exploring-spatial-pattern-urban-heat-island-formation-relation-land-transformation-study-paschim-barddhaman-district-west-bंगाल-सौमेन-चटर्जी-सुजीत-दास-कृष्णेंद्र-गुप्ता>

शोध आलेख

- आरिफ, एम., सेनगुप्ता, एस., मोहिनुद्दीन, एस.के., और गुप्ता, के. (2023). "भारत के बर्दवान शहर के पेरी शहरी क्षेत्र में भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन की गतिशीलता: एक रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित दृष्टिकोण"। जियोर्नल, 1-25. <https://doi.org/10.1007/s10708-023-10860-3>
- अंकुर, पी., गुप्ता, के. (2022). "पूर्वी भारत के दस लाख से अधिक आबादी वाले शहर में शहरीकरण के पारिस्थितिक तनाव की मात्रा निर्धारित करना"। जर्नल ऑफ़ इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रिमोट सेंसिंग, 50, 2025-2039 <https://doi.org/10.1007/s12524-022-01581-0>
- अस्करी, एम. एच., और गुप्ता, के. (2022). "स्थायी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल उपयोग व्यवहार को समझना - मालदा जिले, भारत का एक तुलनात्मक अध्ययन", एसएन सामाजिक विज्ञान, 2(9), 166। <https://doi.org/10.1007/s43545-022-00474 डब्ल्यू>
- गिनी, जे., और गुप्ता, के. (2022). "शहरी कार्यक्षमता और प्रभाव का क्षेत्र: दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिले, पश्चिम बंगाल के शहरी केंद्रों पर एक केस स्टडी", रिसर्च रिव्यू, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी, 7(9), 38-52। <https://doi.org/10.31305/rrijm.2022.v07.i09.007>

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

भूगोल विभाग की स्थापना साठ के दशक के अंत में (1968) केवल 3 साल के अंडर-ग्रेजुएट (यूजी) ऑनर्स कोर्स के साथ की गई थी। इसके बाद 1978 में भूगोल में दो साल का स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इसके अलावा, विभाग 80 के दशक के बाद से पीएचडी डिग्री के लिए शोध भी आयोजित करता है। वर्तमान में 39 शोधार्थी पीएचडी डिग्री के लिए अपने शोध कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। यूजी स्तर पर सीबीसीएस पाठ्यक्रम यूजीसी दिशानिर्देशों के बाद शुरू किया गया था और 'आपदा प्रबंधन' और 'जलवायु परिवर्तन' पर पाठ्यक्रम 2017 से यूजी स्तर पर जेनेरिक इलेक्टिव के रूप में पेश किए गए हैं।

भूगोल में वर्तमान विकासात्मक रुझानों को ध्यान में रखते हुए, विभाग ने हाल के वर्षों में विशेष रूप से जल संसाधन प्रबंधन, परिदृश्य पारिस्थितिकी, जनसंख्या और निपटान, बुनियादी ढांचे के विकास, शहरी और क्षेत्रीय योजना और विकास आदि जैसे विषय के निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान दिया है। मौजूदा पाठ्यक्रम के साथ। विभाग ने स्थानिक और गैर-स्थानिक डेटा से निपटने के लिए भू-स्थानिक प्रणाली ढांचे के साथ एक प्रयोगशाला स्थापित की। इस संदर्भ में कुशल मानव संसाधन प्रदान करने के लिए जियोइन्फॉर्मेटिक्स और सतत विकास में एक एडवांस और पीजी डिप्लोमा शुरू किया जाना है।

इतिहास विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- भास्कर घोष - यूजीसी-नेट
- कुशल बिस्वास-यूजीसी-नेट
- आराधना सामंत-डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- अरिंदम दास डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- भास्कर घोष-डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- बॉबी मंडल-डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- रितुपर्णा रॉय-डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- एस.एम. मुनीरुल इस्लाम- डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- सौरव मंडल डब्ल्यूबीसीएससी- सेट
- शुभजीत हाजरा डब्ल्यूबीसीएससी- सेट

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

संदीप बसु सर्वाधिकारी

- 17.03.2023-19.03.2023. स्कूल ऑफ स्टडीज इन हिस्ट्री, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय आंदोलन की विविध धाराएं: सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के विशेष संदर्भ में' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।
- 17.03.2023-19.03.2023. स्कूल ऑफ स्टडीज इन हिस्ट्री, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'राष्ट्रीय आंदोलन की विविध धाराएं: सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के विशेष संदर्भ में' में आमंत्रित और एक सत्र की अध्यक्षता की।

बिपाशा राहा

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैफ्लिन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित 'उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां' पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र और प्रस्तुति सत्र VI: समसामयिक मुद्दे में आमंत्रित और अध्यक्षता की। शांतिनिकेतन में आयोजित।

सैयद एज़ाज़ हुसैन

- 15.12.2022. एशियाटिक सोसाइटी के विद्यासागर हॉल कोलकाता में पश्चिमबंगा इतिहास संसद द्वारा एशियाटिक सोसाइटी के सहयोग से आयोजित "द लास्ट मेमॉयर्स ऑफ द मुगल्स बाय द लास्ट एंड अननोन मुगल प्रिंस: मौज-ए सुल्तानी ऑफ मिर्जा जुबैरुद्दीन गोरगन" शीर्षक से प्रोफेसर अनिरुद्ध रे मेमोरियल लेक्चर को आमंत्रित किया और दिया।
- 26.02.2023-28.02.2023. 'धन, मुद्राकरण और मौद्रिक इतिहास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "मुगल भारत में सिक्के, मजदूरी और कीमते: कुछ प्रतिबिंब" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ज्ञान-प्रवाह, वाराणसी के सहयोग से न्यूमिस्मैटिक सोसाइटी ऑफ इंडिया और सामाजिक विज्ञान एवं संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, द्वारा आयोजित।

अर्पिता सेन

- 03.12.2022. गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 'स्वतंत्रता, हिंसा और महिलाएं: 20वीं सदी के मध्य में बंगाल में व्यक्तिगत/राजनीतिक बातचीत' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित और अध्यक्षता की।
- 17.02.2022-19.02.2022. जंगीपुर कॉलेज, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद में पश्चिमबंगा इतिहास संसद द्वारा आयोजित XXXVIII वार्षिक सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय स्तर) में आधुनिक खंड में 'चिंता ओ चेतना' पर एक सत्र को आमंत्रित किया और उसकी अध्यक्षता की।
- 10.11.2022- 12.11.2022. नॉर्थ-ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन, तुरा के वार्षिक सम्मेलन के 41वें सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और 'द इमिग्रेशन इम्प्रोग्लियो इन असम: ए केस स्टडी ऑफ मैरिसबारी/मोरिचबारी मौजा, 1956' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 27.12.2022-29.12.2022. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के 81वें सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "एक राष्ट्रवादी मॉडल से परे: जवाहरलाल नेहरू के असंख्य विचारों में आयरलैंड" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 25.03.2023-26.03.2023. बंगीय इतिहास समिति, कोलकाता में, रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलूर मठ, हावड़ा में इतिहास विभाग के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "एक राजनीतिक हथियार के रूप में भूख पर काबू पाना: आयरिश भूख हड़ताल करने वाले टेरेंस मैकस्विनी और उनके स्वयं के आमरण अनशन, 1932" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अमरेंद्र कुमार

- 02.03.2023. मराठी विभाग, भाषा-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "छत्रपति शिवाजी और मराठा स्वराज्य का निर्माण" नामक विषय पर एक आमंत्रित विशेष व्याख्यान दिया।

शुभायु चट्टोपाध्याय

अध्याय-2

- 09.08.2022. इतिहास विभाग, कवि जॉयदेव कॉलेज, इलामबज़ार द्वारा आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के अवसर पर "विरोध और सजा: उन्नीसवीं सदी के बंगाल में रंगमंच" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 16.12.2022. सूरी विद्यासागर कॉलेज, बीरभूम द्वारा आयोजित "पश्चिमी विज्ञान और आधुनिक भारत: एक सगाई पर दोबारा गौर एन अंगेजमेंट " शीर्षक से ताराशंकर मेमोरियल आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सुधी मंडलोई

- 17.03.2023-19.03.2022. इतिहास अध्ययन विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, द्वारा आयोजित 'सुभाष चंद्र बोस: राष्ट्रवादी आंदोलन की विभिन्न धाराएँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सुभाष चंद्र बोस और उनकी योजना पर उनके विचार: मुक्त भारत के लिए उनका दृष्टिकोण" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 18.06.2022-19.06.2022. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बंगाली विभाग द्वारा 'स्वतंत्रता के बाद भारत और महिला प्रगति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "लिंग और राजनीति: स्वतंत्र महाराष्ट्र में दलित महिलाएँ" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशक (पुस्तक)

अरुणाभ दास

दास, ए (2022) 'मेघेर बेलाय बेला ओबेलाय' (कहानी संग्रह) आईएसबीएन 978-93-95110-15-0 कोलकाता, रा प्रकाशन।

पुस्तक अध्याय

अर्पिता सेन

- सेन, ए. (2022). "गुरु नानक और शंकरदेव के विचार: एक अनुरूप अध्ययन, परंपराएं, व्यक्तित्व और यादें सिख इतिहास के पहलू, 1469-1914", (छंदा चटर्जी, सं. .; प्राइमस बुक्स, पीपी 221-255। आईएसबीएन 978-93-5572-338-3), दिल्ली
- सेन, ए. (2022). " कैमॉप्लगिंग इरेफ्यूटबल: असम में भाषाई राष्ट्रवाद की राजनीति"। भारतीय इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही, 80वां सत्र (इरफ़ान हबीब एट अल., संपा., कन्नूर, आर. महालक्ष्मी द्वारा प्रकाशित, पृ. 763-771) दिल्ली।

श्री अरुणाभ दास

- दास, ए. (2023). "बिरियानिर् बोई (खाद्य पर्यटन और खाद्य संस्कृति)", (समरन हुडा और दामू मुखोपाध्याय संस्करण, लिрикल बुक्स, आईएसबीएन 978-93-93186-32-4) कोलकाता।
- दास, ए. (2023). "बंगालीर दार्जिलिंग (लोकप्रिय इतिहास)", (दमयंती दासगुप्ता और सुमेरु मुखोपाध्याय संस्करण, लिрикल बुक्स, आईएसबीएन 978-93-91386-32-4) कोलकाता।

सुधी मंडलोई

- मंडलोई, एस. (2022). "कबीर: एक व्यावहारिक विचारक, परंपराएं, व्यक्तित्व और यादें: सिख इतिहास के पहलू, 1469-1914", (चंदा चटर्जी, संस्करण पीपी. 190-220, आईएसबीएन 978-93-5572-338-3) दिल्ली: प्राइमस बुक्स।

बिद्युत पातर

- पातर, बी. (2022). "रवीन्द्रनाथर इतिहास चर्चा"। आधुनिक जुगेर बांग्ला: राजनीति, समाज, संस्कृति (सुभाष बिस्वास, संस्करण, आईएसबीएन-9789393490315)।

शोध पत्र

सैयद एज़ाज़ हुसैन

- हुसैन, एस. ई. (2022). "भारतीय इतिहास को आवधिक रूप देने का आधार बनाने वाले मुद्राशास्त्रीय साक्ष्य", मानविकी और सामाजिक विज्ञान में प्रवचनों के लिए एएनसी जर्नल, 1(आई), 92-103।

अमरेंद्र कुमार

- कुमार, ए. (2022). "खंडेरी रॉक: 17वीं शताब्दी के दौरान इसके रणनीतिक महत्व पर एक नोट", भारतीय मानचित्रकार। 42(1), 32-40.
- कुमार, ए. (2022). "शिवाजी काल में मैराथन की नौसेना", इतिहास दृष्टि। 54-63.

सब्यसाची दासगुप्ता

- दासगुप्ता, एस. (2022). "रानी का प्रतिनिधित्व", सेमिनार, स. -तेजबीर सिंह।
- दासगुप्ता, एस. (2023)। "मणिराम दीवान: एक नायक का जन्म", मनुष्य और समाज, विशेषांक।
- दासगुप्ता, एस. (2023). इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली में फोरशेडोइंग द ग्रेट रिबेलियन: द वेल्लोर रिवोल्ट ऑफ 1806 की पुस्तक समीक्षा।

सुधी मंडलोई

- मंडलोई, एस. (2022). "चुनावी राजनीति पर डॉ. अंबेडकर: औपनिवेशिक महाराष्ट्र में दलितों के राजनीतिकरण की प्रस्तावना", जर्नल ऑफ इंडियन हिस्ट्री एंड कल्चर. 29, 287-314।
- मंडलोई, एस. (2023). "तिलक और गांधी: हिंदू धर्म, जाति और अस्पृश्यता"। गांधी मार्ग, 44(4), 413-432।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना

2022-2023 में मास्टर्स प्रोग्राम में दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं

अध्याय-2

- डॉ. आतिग घोष ने एमए सेमेस्टर-III में "डीएसई-XI: मध्यकालीन और आधुनिक दक्षिण एशिया का पर्यावरण इतिहास" को डिजाइन और इंटीग्रेट किया।
- डॉ. सुधि मंडलोई ने एमए सेमेस्टर-IV में "डीएसई-बारहवीं: औपनिवेशिक भारत में विचारों का इतिहास" को डिजाइन और इंटीग्रेट किया।

दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग

विभागीय संगोष्ठी:

- 21.02.2023: विभाग ने आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'सत्य और औचित्य' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। मुख्य वक्ता प्रो. प्रोयश सरकार, प्रो. सबिता सामंत और प्रो. अंजन कुमार चक्रवर्ती हैं।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

रेखा ओझा

- 15.04.22. बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा 'भाषा, साहित्य, परंपरा, साहित्यिक आलोचना: आधुनिक दृष्टिकोण और संभावनाएं' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक व्यावहारिक सम्मेलन में भाग लिया। 'पुरुष नारीवादी लेखकों का परिप्रेक्ष्य: एक प्रवचन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 12.06.22-18.06.22. भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "पर्यावरण दर्शन और सतत विकास: भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- 26.08.22. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भाग लिया और "शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 05.10.22-06.10.22. दारुल ट्राफान रिसर्च इंस्टीट्यूट, बांग्लादेश द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया और "सूफी महिला विचार: एक नारीवादी दार्शनिक दृष्टिकोण, सूफी मनोविज्ञान, संपूर्ण मानवता और दिव्य प्रेरणा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.10.22-29.10.22. रामकृष्ण मिशन, कोलकाता और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा 'बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "बंकिम चंद्र के उपन्यास में महिलाएं: एक नारीवादी प्रवचन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 09.12.22-11.12.22. एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन, कोलकाता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन और भारत 2022, में भाग लिया और "गौतम बुद्ध की यात्रा के पीछे का दर्शन: एक नैतिक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 11.01.23-13.01.23. दर्शनशास्त्र विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र दर्शन शिक्षक बैठक में भाग लिया और "नारीवादी विश्लेषण के माध्यम से वज्रयान बौद्ध धर्म को समझना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

सिराजुल इस्लाम

- 13-05-2022. वैचारिक अध्ययन और अनुसंधान केंद्र, रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोलपार्क, कोलकाता द्वारा आयोजित यूनेस्को प्रोजेक्ट IUHU वार्षिक व्याख्यान में "इस्लाम और आज की चुनौतियाँ" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 19-09-2022. राणाघाट कॉलेज, राणाघाट, नदिया द्वारा आयोजित "दर्शनशास्त्र के माध्यम से छात्रों के बीच मूल्य जागरूकता" पर आईसीपीआर प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक मुख्य-नोट भाषण दिया।
- 09-10-2022. स्वामी हरिप्रसादजी मिशन, चेन्नई द्वारा आयोजित "सूफीवाद और अंतर-धार्मिक समझ: एक दार्शनिक प्रदर्शनी" पर एक व्याख्यान दिया।
- 28-12-2022. दर्शनशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित 'सच्चाई, सौंदर्य और अच्छाई: भारतीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 05-01-2023. दर्शनशास्त्र विभाग, साल्टोरा नेताजी सेंटनरी कॉलेज, साल्टोरा, बांकुरा द्वारा 'दार्शनिक प्रणालियों/आंदोलनों और धर्मों के तुलनात्मक और आलोचनात्मक अध्ययन' पर आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य-नोट भाषण दिया।
- 10-01-2023. बर्दवान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा 'भारतीय संस्कृति में सन्निहित बुनियादी मूल्य और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनकी प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित एक दिवसीय आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मानव प्रकृति और सतत विकास: सूफी दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 12-1-2023. प्रो. ने दर्शनशास्त्र विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आईसीपीआर-प्रायोजित पूर्वी क्षेत्र दर्शनशास्त्र शिक्षक सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया।
- 12-02-2023. गुर्डियन रिसर्च फाउंडेशन, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से अंतराष्ट्रीय ज्ञान कार्यक्रम को जज करने के लिए बेक्सिमको इस्लामिक आइकन सत्र -3, 2023 में अंतराष्ट्रीय न्यायाधीश के रूप में भाग लिया।
- 14-03-2023. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में "भारतीय दर्शन में भाषा की अवधारणा: एक दार्शनिक विश्लेषण" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'द्रविड़ियन और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग में भारतीय तार्किक समझौता प्रणाली' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन द्रविड़ विश्वविद्यालय, कुप्पम, आंध्र प्रदेश द्वारा किया गया।
- 22-03-2023. बौद्ध अध्ययन केंद्र, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म और पारिस्थितिक प्रतिमान" पर आईसीपीआर प्रायोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक मुख्य-नोट भाषण दिया।

मुरुगेसन

· 05.09.2022. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, केरल विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित "एनईपी 2020 - शिक्षकों की बदलती भूमिका" विषय पर यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

· 07.01.2023. केजी कॉलेज, पम्पाडी, केरल के सहयोग से गांधीवादी विचार और विकास अध्ययन स्कूल, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित गांधी व्याख्यान श्रृंखला - V में "तुलनात्मक धर्मवादी के रूप में महात्मा गांधी" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 11.01.2023 – 13.01.2023. दर्शनशास्त्र विभाग, रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित

'भारत के दर्शन: 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन और अनुसंधान' विषय पर आईसीपीआर प्रायोजित पूर्वी क्षेत्र दर्शनशास्त्र शिक्षकों की बैठक में "शैव सिद्धांत का दर्शन: समग्र समाज बनाने के लिए एक पर्याप्त प्रणाली" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 21.02.2023. दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस - 2022 में "सत्य और औचित्य" पर एक मुख्य भाषण दिया।

· 27.2.2023 – 28.2.2023. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'भारत में दर्शन के सौ वर्षों पर विचार' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विचारधारा, सामाजिक स्थिति और ज्ञान उत्पादन: दर्शनशास्त्र में उत्तर औपनिवेशिक हस्तक्षेप" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 20.03.2023 – 21.03.2023. 'भारत में स्वदेशी साहित्य' विषय पर अंग्रेजी विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाईनगर, तमिलनाडु द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में

एक व्याख्यान दिया और हाइब्रिड मोड में दिया और IQAC- सक्षम RUSA 2.0 में "अहिंसा के दर्शन पर जोर के साथ जैन परंपरा में पर्यावरण चेतना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया

· 17.12.2023. ईसाई अध्ययन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'धार्मिक अध्ययन और अंतर-धार्मिक समझ: संभावनाएं और चुनौतियाँ' पर राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन के छठे सत्र में अध्यक्षता की।

· 16.12.2023 – 17.12.2023. ईसाई अध्ययन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'धार्मिक अध्ययन और अंतर-धार्मिक समझ: संभावनाएं और चुनौतियाँ' विषय पर राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन में भाग लिया और "भारतीय ईसाई धर्मशास्त्रियों के विशेष संदर्भ में धर्मों का अकादमिक अध्ययन और अंतर-धार्मिक समझ" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुजय मंडल

· 27.10.22-29.10.22. रामकृष्ण मिशन, कोलकाता और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित 'बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के दर्शन' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "नैतिकता की अवधारणा पर बंकिमचंद्र और रवींद्रनाथ" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

· 11.01.23-13.01.2023. दर्शनशास्त्र विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय आईसीपीआर-प्रायोजित पूर्वी क्षेत्र दर्शनशास्त्र शिक्षक सम्मेलन में भाग लिया और "धर्मकीर्ति की अवधारणा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शुभ्र ज्योति दास

· 18.11.2022 -19.11.2022 आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, दक्षिण कामरूप गर्ल्स कॉलेज, मिर्जा, असम के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अविभाजित कामरूप जिला' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया। .

· 11.01.2023 -13.01.2023 दर्शनशास्त्र विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक ओडिशा द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र दर्शन शिक्षक बैठक में भाग लिया और "कन्या भ्रूण हत्या की समस्या: वैदिक परिप्रेक्ष्य से एक समाधान की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 21.01.2023 -23.01.2023. दर्शनशास्त्र और धर्म विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'स्वतंत्रता के बाद के अद्वैत विचारक' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "क्या शंकरदेव एक अद्वैतवादी थे?" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। · 27.1.2023 टी – 31.1.2023. एक्सएलवीआई भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली में भाग लिया और "स्वराज के विचारों का एक दार्शनिक विश्लेषण", शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 21.03.2023 आईसीपीआर, नई दिल्ली के सहयोग से दर्शनशास्त्र विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज (स्वायत्त), चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'आईसीपीआर आवधिक व्याख्यान श्रृंखला' में "शंकर और रूमी: क्या वे तुलनीय हैं?" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

मंजरी चक्रवर्ती

· 18.01.23. केरल के कालीकट विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'माइंड एंड मशीन: रिजिटिंग द डिबेट्स' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "चेतना पर दार्शनिक प्रतिबिंब-मस्तिष्क इंटरैक्शन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 11-12.02.23. रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "प्रोफेसर डी. पी. चट्टोपाध्याय का दार्शनिक योगदान" विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार (ऑनलाइन) में भाग लिया और "देबी प्रसाद चट्टोपाध्याय: द फिलोसोफर पार एक्सीलेंस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 18-19.03.2023. ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फिलॉसफी के एमेरिटस फेलो प्रोफेसर जेरेमी शीरमूर द्वारा 'कार्ल पॉपर के कार्य' पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "वैज्ञानिक विचार प्रयोगों पर पॉपर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अनूप बर्मन

· 31.03.2023. आईक्यूएसी, निस्टारिनी कॉलेज, पुरुलिया के सहयोग से दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'दैनिक जीवन में नैतिकता के महत्व' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "धर्म और हर दिन के जीवन की अवधारणा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिनमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया :-

- डॉ. रेखा ओझा: विद्या भवन की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी
- डॉ. मंजरी चक्रवर्ती:
- निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षक/ रेफरी के रूप में कार्य किया (अप्रैल 2021-मार्च 2022 के दौरान):
- तकनीक: दर्शनशास्त्र और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान (दर्शनशास्त्र और प्रौद्योगिकी सोसायटी की आधिकारिक पत्रिका)
- दर्शन एवं प्रौद्योगिकी (स्प्रिंगर प्रकृति)
- सिद्धांत एवं मनोविज्ञान (SAGE जर्नल्स)
- जादवपुर जर्नल ऑफ फिलॉसफी
- दार्शनिक पेपर: दर्शनशास्त्र विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय का जर्नल
- डॉ. सुजय मंडल: समन्वयक, आईसीपीआर प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस 2022
- डॉ. मुरुगेसन ए.: संयुक्त समन्वयक, आईसीपीआर प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस 2022
- डॉ. इप्सिता सरकार: संयुक्त समन्वयक, आईसीपीआर प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस 2022

शिक्षकों/ विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

सिराजुल इस्लाम:

- एनयूआर फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा 06-11-2022 को ग्लोबल बेस्ट प्रोफेशनल अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ।

प्रकाशन :-

अध्याय-2

· चक्रवर्ती, एम. (2023), "क्या मिथ्याकरणीयता आधुनिक भौतिकी के लिए एक 'कुंद उपकरण' है?" दार्शनिक जांच जर्नल (जेपीआई)। विशेष अंक: आलोचनात्मक बुद्धिवाद: इतिहास, उपलब्धियाँ, समसामयिक समस्याएँ और भविष्य के परिप्रेक्ष्य"।

· दास, एस.जे. (2022), "भगवद्गीता में शंकर के कर्मयोग का उपचार: टैगोर के विचारों के प्रकाश में एक परीक्षा"। रिवेशॉ जर्नल ऑफ़ फिलॉसफी। 48-51.

· इस्लाम, एमडी एस. (2022), "वैश्वीकरण और प्रौद्योगिकी के युग में सांस्कृतिक पहचान संकट: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य"। दर्शन और जीवन जगत, 24,9-22.

· इस्लाम, एमडी एस. (2022), "भारतीय संस्कृति पर सूफ़ी आंदोलन का प्रभाव: एक मूल्यांकन", जर्नल ऑफ़ द इंस्टीट्यूट ऑफ़ इस्लामिक स्टडीज़, (प्रोफ़ेसर मुहम्मद इस्माइल द्वारा संपादित), 47, 3-24।

· इस्लाम, एमडी एस. (2022), "वैश्विक उत्तरदायित्व के लिए सूफ़ीवाद: एक दार्शनिक प्रतिबिंब", फिलॉसफी एंड द कॉलिंग ऑफ़ ग्लोबल रिस्पॉन्सिबिलिटी, एस. पनीरसेल्वम और साजी वर्गीस द्वारा संपादित, लेखक प्रेस, नई दिल्ली, 223-230।

· इस्लाम, एमडी एस. (2022), "सूफ़ीवाद-ओ-रवीन्द्रनाथ: एकति दार्शनिक विश्लेषण" (बांग्ला), सांख्य, महाविद्या, चैतन्यमयानंद द्वारा संपादित, कोलकाता, 75-78।

· इस्लाम, एमडी एस. (2023)। "मुक्तोमोना अब्दुर रऊफ़ साहे, स्मरण अब्दुर राऊ"एफ़, अलिया संस्कृति संसद, कोलकाता, पीपी.79-82।

· इस्लाम, मोहम्मद एस मोहम्मद सिराजुल इस्लाम (2022)। "किरमानिया सिलसिला ऑफ़ बंगाल एंड इट्स ग्लोबल आउटलुक इन डाइमेंशन्स ऑफ़ इस्लामिक स्पिरिचुअलिटी इन साउथ एशिया एंड बियॉन्ड", काजी सुफीर रहमान द्वारा संपादित, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पृष्ठ 67-82।

· मो. सिराजुल इस्लाम (2022), "अनेकांतवाद और इसकी प्रासंगिकता: जैन दृष्टिकोण में एक दार्शनिक विश्लेषण"। दर्शन और प्रगति, LXVII-LXVIII और LXIX-LXX, 15-32।

मंडल, एस. (2023), "समाज, समानता और महिला शिक्षा पर बंकिमचंद्र दार्शनिक पत्र"। दर्शनशास्त्र विभाग का जर्नल, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय। XIX .

· मुरुगेसन, ए. (2022), "जैन धर्म की शिक्षाओं के विशेष संदर्भ में शिक्षार्थियों की नैतिकता को बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा का महत्व"। एस. अरिवुदैनांबी (सं.) में, सतत विकास के लिए शिक्षा, 1, 473-483, आईक्यूएसी, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, आईएसबीएन 978-93-9 2042-15-7।

· मुरुगेसन, ए. (2023), "प्रमुख भारतीय धार्मिक परंपराएँ: शैववाद, वैष्णववाद, शक्तिवाद और तंत्रवाद"। भारत में धर्म, दूरस्थ शिक्षा संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय।

· ओझा, आर. (2022), भारत में जेल सुधारों की यतिहासिक समीक्षा। GLOBALCULTURZ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चर एंड ग्लोबल स्टडीज। 3(2), 533-537.

· ओझा, आर. (2022), "गौतम बुद्ध और रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों में प्रतिबिंबित मानवता: एक तुलनात्मक अध्ययन"। मध्यभारती. 83, 116-120.

· टेरेस सैमुअल, एम.पी. (2022), "क्या सैडियन ओरिएंटलिज्म गैर-आदिवासी साहित्यिक प्रस्तुतियों में जनजातीय संस्कृति के साहित्यिक प्रतिनिधित्व को समझने के लिए उपयोगी हो सकता है"। (कालाचंद महली और दशरथ मुर्मू-संस्करण में) महली संस्कृति और विश्वदृष्टि (102-122)। महली आदिवासी कल्याण सोसायटी, शांतिनिकेतन। (आईएसबीएन: 978-81-954172-2-3)

· टेरेस सैमुअल, एम.पी. (2022), "मर्लेउ-पोंटी की धारणा की दुनिया में अन्य और अंतर व्यक्तिपरकता। सेटाना", द जर्नल ऑफ फिलॉसफी, II (2), 53 - 81।

· टेरेस सैमुअल, एम.पी. (2022), "आलोचना, प्रतिवाद और सामाजिक परिवर्तन - एक उत्तर औपनिवेशिक दार्शनिक मूल्यांकन"। इंडियन जर्नल ऑफ एथिक्स, लॉजिक एंड फिलॉसफी, I (1), 1 - 9

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग के पास दर्शन सदन में ही एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय स्थित है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के पिछले अंकों के अतिरिक्त व्यापक संग्रह के साथ, इसकी होलिंग्स 13500 से अधिक संस्करणों तक पहुंचती है। इसके अतिरिक्त अनेक विदेशी पत्रिकाएँ भी नियमित रूप से प्राप्त होती रहती हैं। संस्कृत, पाली, प्राकृत, चीनी और तिब्बती भाषा में लिखे गए ग्रंथों के साथ-साथ धर्म पर पुस्तकों का संग्रह विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में रखा गया है।

पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र

नेट (यूजीसी/सीएसएलआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम : --

- 1.सिमरन परवीन - यूजीसी नेट-जेआरएफ नवंबर, 2022. रोल नंबर: WB22700081
- 2.सुतृष्णा पासवान - WBCSC-SET, जनवरी, 2022, रोल नंबर: 10008348
- 3.दीपांजन मंडल-यूजीसी-नेट, नवंबर, 2022, रोल नंबर: WB10701957
- 4.दीपांजन मंडल- डब्ल्यूबीसीएससी- सेट - फरवरी, 2023, रोल नंबर: 25066833

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 04.04.2022. संदर्भ शैलियों पर विश्वभारती के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. निमाई सी. साहा द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा किया गया।
- 07.04.2022-08.04.2022. फिल्म साउंड रिकॉर्डिंग और डिजाइनिंग पर श्री सुदीप्तो दास, ऑडियोग्राफी और साउंड डिजाइन (प्रमुख), धीकास्ट और तकनीकी प्रशिक्षक, जेएमसी, आशुतोष कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. अर्पण पॉल द्वारा किया गया।
- 19.04.2022. विजुअल स्टोरीटेलिंग पर विजुअल स्टोरीटेलर, अकादमिक और लेखक श्री शरबेंदु दे द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।
- 19.04.2022. वेबसाइट डिजाइन और विकास - सत्र IV पर सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा किया गया।
- 20.04.2022. चुनौतीपूर्ण हैंडर पदानुक्रम: सीता, द्रौपदी और खाना पर एम. ए. सेमेस्टर IV, सीजेएमसी के लिंग और मीडिया विशेषज्ञता के छात्रों द्वारा डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित सेमिनार व्याख्यान दिया गया।
- 26.04.2022. ऑडियो-विजुअल प्रोडक्शन को बाजार से जोड़ना: कम्युनिकेशन प्रोफेशनल की यात्रा पर जैगसन ग्रुप के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस और पीआर प्रमुख और महिमा प्रोडक्शंस लिमिटेड के उपाध्यक्ष श्री सुमंत बनर्जी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी, डॉ. सुरहिता बसु, डॉ. अर्पण पॉल द्वारा किया गया।
- 27.04.2022. फेक न्यूज और फैक्ट चेकिंग पर भारतीय जनसंचार संस्थान, ढ़ेकनाल के प्रोफेसर और क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मृणाल चटर्जी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।

- 17.05.2022. सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा वेबसाइट डिजाइन और विकास पर आयोजित कार्यशाला - सत्र V, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।
- 26.05.2022. ऑडियो-विजुअल एडिटिंग पर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।
- 30.05.2022. फेक न्यूज को उजागर करने पर सीजेएमसी के रिसर्च स्कॉलर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा किया गया।
- 31.05.2022. आयोजित कार्यशाला का संचालन सहायक डॉ. तनुश्री पॉल ने किया। प्रोफेसर, महिला अध्ययन केंद्र, विश्वभारती लैंगिक हिंसा पर, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।
- 28.06.2022. मीडिया एथिक्स के परिचय पर सीजेएमसी के रिसर्च स्कॉलर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा किया गया।
- 29.06.2022. मीडिया में कानूनों और नैतिकता की परस्पर क्रिया पर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा किया गया।
- 07.07.2022. सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आयोजित कार्यशाला का संचालन सहायक प्रोफेसर, डॉ. डी. एस. धाकरे ने किया। डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वयित।
- 13.07.2022. डेटा विश्लेषण पर आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. निमाई सी. साहा, (प्रभारी) लाइब्रेरियन विश्वभारती यूनिवर्सिटी ने किया। डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वित।
- 18.07.2022. मीडिया सामग्री निर्माण और लेखन शैलियों पर श्री स्नेहाशीष सूर, अध्यक्ष, प्रेस क्लब-कोलकाता और शिक्षाविद् द्वारा आयोजित कार्यशाला - सत्र, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।
- 19.07.2022. मीडिया सामग्री निर्माण और लेखन शैलियों पर श्री स्नेहाशीष सूर, अध्यक्ष, प्रेस क्लब-कोलकाता और शिक्षाविद् द्वारा आयोजित कार्यशाला - सत्र, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।
- 19.07.2022. प्रेस क्लब-कोलकाता के अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् श्री स्नेहाशीष सूर द्वारा मीडिया द्वारा परीक्षण पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. संहिता चटर्जी ने किया।
- 20.07.2022. अनुवाद पत्रकारिता और समकालीन भारतीय मीडिया पर मीडिया शिक्षाविद् और लेखक श्री अरिंदम बसु द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य ने किया।
- 21.07.2022. एनवीवो के परिचय पर विश्वभारती की संकाय डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।

अध्याय-2

- 21.07.2022. अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अरूप बख्शी द्वारा एनवीवो के माध्यम से गुणात्मक डेटा विश्लेषण पर आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहीता बसु द्वारा किया गया।
- 27.07.2022. प्रिंट और साइबर मीडिया के दर्शक उपभोग पैटर्न पर श्री लोकेश चकमा, संकाय, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय और अनुसंधान विद्वान, सीजेएमसी, विश्वभारती द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा किया गया।
- 28.07.2022-29.07.2022. ऑडियो पोस्ट-प्रोडक्शन पर श्री सुदीप्तो दास, ऑडियोग्राफी और साउंड डिज़ाइन (प्रमुख), धीकास्ट और तकनीकी प्रशिक्षक, जेएमसी, आशुतोष कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यशाला का आयोजन डॉ. अर्पण पॉल द्वारा किया गया।
- 04.08.2022. ओटीटी बंगाली मूल के उदय पर विद्वानों की संगोष्ठी श्रृंखला के तहत, श्री लोकेश चकमा, संकाय, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय और अनुसंधान विद्वान, सीजेएमसी, विश्व-भारती द्वारा आयोजित सेमिनार व्याख्यान दिया गया: आला सामग्री के लिए विविध श्रोतागण, डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा समन्वित।
- 15.11.2022. अनुवाद पत्रकारिता पर, कार्यशाला का संचालन श्रीमती स्मिता खटोर, अनुवाद संपादक, पीपुल्स आर्काइव ऑफ रूरल इंडिया (PARI) द्वारा किया गया, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. सुरहीता बसु द्वारा समन्वित।
- 17.11.2022. "शुरुआती लोगों के लिए संचार अनुसंधान: प्रक्रिया, चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान, ओहियो विश्वविद्यालय, यूएसए के निदेशक डॉ. जतिन श्रीवास्तव द्वारा दिया गया विशेष व्याख्यान, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित किया गया।
- 18.11.2022. सीजेएमसी और डॉ. मौसमी भट्टाचार्य, सीजेएमसी द्वारा आयोजित संचार अनुसंधान प्रस्ताव की रूपरेखा पर कार्यशाला: सत्र , श्री लोकेश चकमा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय और अनुसंधान संकाय, विद्वान, डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा समन्वित।
- 21.11.2022. विज्ञापन की दुनिया के परिचय पर कार्यशाला का संचालन श्रीमती ऋचा राय, वरिष्ठ खाता प्रबंधक, ग्रे वर्ल्डवाइड द्वारा किया गया। डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा समन्वयन किया।
- 24.11.2022. श्री कुमार निशांत, अनुसंधान विद्वान, सीजेएमसी और प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी, प्रोफेसर, सीजेएमसी द्वारा 'संचार अनुसंधान प्रस्ताव रूपरेखा: सत्र पर आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा किया गया।
- 25.11.2022. श्री अप्रतिम भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी और डॉ. मौसमी भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, सीजेएमसी द्वारा संचार अनुसंधान प्रस्ताव रूपरेखा: सत्र II आयोजित कार्यशाला पर , डॉ. सुरहीता बसु द्वारा समन्वित।

- 22.11.2022. श्री अप्रतिम भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी द्वारा लेआउट और डिज़ाइन के लिए इन डिज़ाइन सॉफ्टवेयर - बेसिक लेवल पर, आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिताबासु द्वारा किया गया।
- 23.11.2022. श्री अप्रतिम भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी द्वारा लेआउट और डिज़ाइन के लिए डिज़ाइन सॉफ्टवेयर - उन्नत स्तर पर आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बासु द्वारा किया गया।
- 08.12.2022. संचार अनुसंधान में सैपलिंग पर सब्यसाची भट्टाचार्य, रिसर्च स्कॉलर, सीजेएमसी और डॉ. मौसमी भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, सीजेएमसी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. अर्पण पॉल द्वारा किया गया।
- 13.12.2022. संचार अनुसंधान में सांख्यिकी की मूल बातें पर सीजेएमसी के अनुसंधान विद्वान सब्यसाची भट्टाचार्य द्वारा आयोजित कार्यशाला का आयोजन किया गया। संचालन डॉ. अर्पण पॉल ने किया।
- 04.01.2023. व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला का संचालन श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रवर्ती, स्माइल ट्रेन इंडिया में इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशंस की निदेशक, द्वारा किया गया। डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वयित।
- 10.01.2023-11.01.2023. सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता विषय पर कई वक्ताओं के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य ने किया।
- 12.01.2023. फोटो एडिटिंग के लिए फोटोशॉप सॉफ्टवेयर पर सीजेएमसी के रिसर्च स्कॉलर श्री अप्रतिम भट्टाचार्य द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बासु और डॉ. अर्पण पॉल द्वारा किया गया।
- 19.01.2023. वेब प्रकाशन के लिए HTML के परिचय पर आयोजित कार्यशाला सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा किया गया जिसका संचालन डॉ. सुरहिता बासु द्वारा किया गया।
- 19.01.2023. आयोजित सेमिनार व्याख्यान, श्री कुणाल मजूमदार, भारत के प्रतिनिधि, पत्रकारों की सुरक्षा समिति और विजिटिंग फैकल्टी, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा नैतिक पत्रकारिता और फ्री प्रेस: एक सहजीवी संबंध पर दिया गया, जिसका संयोजन डॉ. सुरहिताबासु ने किया।
- 20.01.2023. फेक न्यूज (गूगल न्यूज इनिशिएटिव) को समझने और उसका पर्दाफाश करने पर इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क, गूगल न्यूज इनिशिएटिव के ट्रेनर श्री जॉयदीप दासगुप्ता द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा किया गया।
- 08.03.2023. ए रेजाउंडिंग साइलेंस: रिट्रेसिंग द फुटस्टेप्स ऑफ ट्रेलब्लेजिंग वूमेन फ्रॉम इंडियाज हिस्ट्री पर एम. ए. सेमेस्टर IV के लिंग और मीडिया विशेषज्ञता के छात्रों द्वारा दिए गए सेमिनार व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका समन्वयन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. संहिता चटर्जी द्वारा किया गया।

अध्याय-2

· 09.03.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा वेबसाइट डिजाइन और विकास पर आयोजित कार्यशाला - सत्र, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वित।

· 10.03.2023. वेबसाइट डिजाइन और विकास - सत्र II, पर सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।

· 13.03.2023-14.03.2023. रेडियो और फिल्म के लिए ऑडियो प्रोडक्शन पर आयोजित कार्यशाला ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, मल्टीमीडिया और फिल्म स्टडीज के सहायक प्रोफेसर, श्री सुदीप्तो दास द्वारा किया गया , डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 17.03.2023. वेबसाइट डिजाइन और विकास पर सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा आयोजित कार्यशाला - सत्र III, डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वित।

22.03.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा वेबसाइट डिजाइन और विकास पर आयोजित कार्यशाला - सत्र IV, डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वित।

· 24.03.2022. दृश्य सौंदर्यशास्त्र पर श्री शरबेंदु दे, विजुअल स्टोरीटेलर (फोटोग्राफर, शिक्षाविद और शोधकर्ता) द्वारा आयोजित सेमिनार व्याख्यान दिया गया, जिसका समन्वयन डॉ. सुरहिता बसु ने किया।

· 24.03.2023. वेबसाइट डिजाइन और विकास - सत्र V पर सेंट जेवियर्स कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर कौशिक गोस्वामी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।

· 27.03.2023. वोकल और वर्बल कम्युनिकेशन के सौंदर्यशास्त्र पर रेडियो जॉकी और वॉयस कोच श्रीमती सिमरन कोहली द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु ने किया।

· 27.03.2023. मिश्रित डेटा (गुणात्मक और मात्रात्मक) का विश्लेषण करने के लिए एप्लिकेशन टूल के उपयोग पर अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रो. अरूप बख्शी द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा किया गया।

· 29.03.2023. जमीनी स्तर पर विकास सुनिश्चित करने वाले संचार की चुनौतियों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर और अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) मनुकोंडा रवीन्द्रनाथ द्वारा दिया गया सेमिनार व्याख्यान, प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा समन्वित किया गया।

· 29.03.2023. प्रोफेसर (डॉ.) मनुकोंडा रवीन्द्रनाथ, प्रोफेसर और अध्यक्ष, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और एडवांस साइबर कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म स्पेशलाइजेशन के एमए सेमेस्टर IV के छात्रों द्वारा साइबरस्केप: लीगल एंड एथिकल डायनेमिक्स पर आयोजित सेमिनार व्याख्यान डॉ. द्वारा समन्वित किया गया। मुख्य संरक्षक के रूप में डॉ. मौसमी भट्टाचार्य के साथ सुरहिताबासु।

· 29.03.2023- 30.03.2023. ऑडियो सौंदर्यशास्त्र पर श्री सुजॉय दास, सहायक प्रोफेसर, ध्वनि रिकॉर्डिंग और डिजाइन विभाग, एसआरएफटी-कोलकाता द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. सुरहिता बसु द्वारा किया गया।

· 31.03.2023. मिश्रित डेटा (गुणात्मक और मात्रात्मक) का विश्लेषण करने के लिए एप्लिकेशन टूल के उपयोग पर अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रो. अरूप बख्शी द्वारा आयोजित कार्यशाला - सत्र II, डॉ. मौसुमी द्वारा समन्वित भट्टाचार्य।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

बिप्लब लोहा चौधरी

· 20.09.2022: गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन - श्रीनगर, मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च - बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल के साथ साझेदारी में ग्लोबेथिक्स, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उच्च शिक्षा में नैतिकता और गांधीवादी मूल्य" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। शांति, शिक्षा और विकास के लिए जर्नल।

· 11.11.2022: पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया, कोलकाता द्वारा आयोजित "ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में उच्च शिक्षा में पीआर" शीर्षक से एक पूर्ण सत्र भाषण दिया।

· 01.13.02.2023: ए.बी.एन.सील कॉलेज, कूच बिहार और सार्वजनिक सूचना ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत की स्वतंत्रता के गौरवशाली 75 वर्षों के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में एक व्याख्यान दिया।

· 26.12.2022: यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली संकाय प्रेरण कार्यक्रम - 11 में "उच्च शिक्षा में समग्र दृष्टिकोण की चुनौती-प्राचीन भारत से पाठ" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 2022: डॉ. एन.एन. के साथ क्रेडल ग्लोबल वेबिनार सीरीज फायरसाइड टॉक। मानव और सामाजिक विकास पर भारत सरकार के पूर्व आयकर महानिदेशक त्रिपाठी ने 20 दिनों में विश्व स्तर पर 514 K दर्शकों की संख्या और 1000 लाइक्स प्राप्त किए।

· 04.11.2022: सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज उत्कल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित नेशनल मीडिया कॉन्क्लेव, 2022 के दूसरे दिन सुबह के पूर्ण सत्र में अध्यक्षता की गई।

· 5.21.11.2022: सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज उत्कल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित नेशनल मीडिया कॉन्क्लेव, 2022 के पहले दिन "सांस्कृतिक बहुलवाद भारतीय समाज और मीडिया" शीर्षक वाले पहले पूर्ण सत्र में एक भाषण दिया।

मौसमी भट्टाचार्य

अध्याय-2

· 04.07.2022: दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (डीएमई), नोएडा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आई कैन -5 के तहत आईसीएसएसआर, विज्ञानप्रसार - भारत सरकार, अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान, ओहियो विश्वविद्यालय, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया स्थित संगठनों एएमसीएसएन, एआईएफपीआरएन और चार भारतीय विश्वविद्यालयों के सहयोग से आयोजित 'मीडिया टुडे में लैंगिक संतुलन हासिल करना: मिथक या वास्तविकता?' नामक पैनल में ओटीटी में विचित्र सामग्री पर एक व्याख्यान दिया।

16.07.2022: ग्रीस के प्रोजेक्ट पार्टनर, प्रोफेसर बेट्टी त्साकारेस्टो के साथ 'द रूम व्हेयर इट हैपन्स प्रोजेक्ट' के बारे में एक संयुक्त ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसे एलुमनी टाईज़, अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा वित्त पोषित किया गया, जिसने गलत सूचना/दुष्प्रचार को पहचानने में मदद की। ग्रीस और भारत में एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स पर 'वैकल्पिक सत्य' का प्रचार-प्रसार मीडिया, ग्रीस के थेसालोनिकी इंटरनेशनल समर अकादमी में आयोजित किया गया।

· 16.07.2022: अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट 'डिसइन्फो हैक्स पॉडकास्ट' में एक वक्ता के रूप में निमंत्रण पर ऑनलाइन इनपुट दिया, जो अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा वित्त पोषित डीसीएन ग्लोबल, एडी और पीआर लैब द्वारा आयोजित डिसइन्फो हैक्स प्रोजेक्ट का एक हिस्सा था और ग्रीस में अमेरिकी मिशन सोशल इनोवेशन एंड फाउंडेशन द्वारा समर्थित है।

04.03.2023: सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा 'अनुशासन से परे अनुसंधान पर विचार' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशल मीडिया' नामक तकनीकी सत्र में अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय

· 22.05.2023: भारतीय जन संचार संस्थान, ढेंकनाल और 'कम्युनिकेशन टुडे' द्वारा राजा राम मोहन रॉय की 250वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक वेबिनार में 'एक पत्रकार के रूप में राजा राम मोहन रॉय' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 27.05.2022: पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कोलकाता में आयोजित इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना और सांस्कृतिक मामलों के विभाग के युवा अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'प्रभावी शासन में सोशल मीडिया का उपयोग' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया गया।

· 30.05.2022: मुक्त शिक्षा द्वारा समर्थित 'स्कैनिंग मीडिया: शिक्षकों के लिए एक मीडिया साक्षरता प्राइमर' विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम के उद्घाटन के दौरान 'स्कूल स्तर पर मीडिया साक्षरता का बढ़ता महत्व' नामक एक ऑनलाइन चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। बिचित्रपाठशाला, कोलकाता द्वारा रिसोर्स फॉर ए बेटर वर्ल्ड (OER4BW) का आयोजन किया गया।

· 01.07.2022: कोलकाता में सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी द्वारा जनसंचार विषय में आयोजित चौथे डॉक्टरल कोलोकियम में सत्र विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित और अध्यक्षता की गई।

· 24.09.2022: यूनिसेफ, पश्चिम बंगाल के सहयोग से प्रेस क्लब कोलकाता और सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी कोलकाता द्वारा विकास पत्रकारिता पर आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम में 'लिंग संबंधी मुद्दों की रिपोर्टिंग' नामक एक व्याख्यान दिया।

· 18.11.2022, 25.11.2022 और 08.12.2022: सीजेएमसी में तीन शोध विद्वानों के साथ संसाधन व्यक्ति के रूप में एमए सेमेस्टर III के छात्रों के लिए तीन संचार अनुसंधान प्रस्ताव कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

· 13.12.2022: सिलीगुड़ी में यूनिसेफ के सहयोग से प्रेस क्लब, कोलकाता द्वारा आयोजित 'विकास पत्रकारिता' पर राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में 'लिंग और मीडिया' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 11.01.2023: विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, में सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित "सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता" नामक राष्ट्रीय सेमिनार में "इंडी इंडिया: इंडिपेंडेंट फिल्मस इन कंटेम्पररी इंडिया" शीर्षक से एक पैनल चर्चा को अध्यक्षता की।

03.02.2023: टाटा इंस्टीट्यूट फॉर सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), गुवाहाटी और पीरामल फाउंडेशन द्वारा आयोजित '21वीं सदी के कौशल का निर्माण - जीवन और करियर को बेहतर बनाना' नामक एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

· 09.03.2023: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव मनाने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय सम्मेलन हॉल, विश्व-भारती में विश्व-भारती महिला संघ द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में "महिलाएं, बेहतर रहने की स्थिति और सशक्तिकरण: लैंगिक समानता में प्रौद्योगिकी" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 17.03.2023: एफईएस, भारत, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली। मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया और फ्रीड्रिच-एबर्ट-स्टिफ्टिंग के सहयोग से इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वीमेन इन रेडियो एंड टेलीविजन (आईएडब्ल्यूआरटी), भारत द्वारा आयोजित 'जेंडर एंड क्लाइमेट चेंज इंटरसेक्शनल संबंध' नामक एक गोलमेज चर्चा में व्याख्यान दिया।

21.03. 2023: यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एमएमसी कार्यक्रम के लिए छात्रों के लिए 'ऑडियंस मेट्रिक्स' नामक एक आमंत्रित ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान दिया।

· 24.03.2023: गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ, दिल्ली, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, नई दिल्ली में द्वारा आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव: एनईपी 2020 और भारतीय शिक्षा में प्रतिमान बदलाव' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पूर्ण सत्र में 'लिंग समावेशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

संहिता चटर्जी

अध्याय-2

· 10.01.2023: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र। 'सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया और "सत्या टू गैंग्स ऑफ वासेपुर: द गॉडफादर का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुरहिता बसु

· 06.07.2022: डीकिन यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से शिक्षा

मीडिया स्कूल, दिल्ली मेट्रोपॉलिटन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ICAN5 में ओटीटी पर लिंग कथाओं के निर्माण पर पैनल चर्चा में: सामग्री के भविष्य की कल्पना में "पुरुषत्व पर बातचीत: के-ड्रामा" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

19.10.2022: यूनेस्को नई दिल्ली और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा प्रशिक्षकों के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता (एमआईएल) पर लघु अवधि कार्यक्रम में "गोपनीयता और डेटा संरक्षण" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 10.01.2023: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र द्वारा आयोजित सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया और "द न्यू हॉलीवुड: वॉल्ट्रूम" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अर्पण पॉल

7.01.2023. पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा 'अनुसंधान पद्धति' पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला पर 'पाठक एवं दर्शक सर्वेक्षण' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

· 11.01.2023. सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (सीजेएमसी), विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स: मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया और "बॉलीवुड: बोलड, क्रूर, ब्यूटीफुल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

10.12.2022. यूनिक्सन यूनिवर्सिटी, देहरादून, स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन डिजाइन, आईएमएस द्वारा आयोजित "मीडिया, संस्कृति और समाज: उभरते रुझान, मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया और "जड़ों को फिर से परिभाषित करना: अयान मुखर्जी के ब्रह्मास्त्र का सिनेमाई विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 24.04.2022, 01.05.2022 और 08.05.2022। अंग्रेजी विभाग, गुरुचरण कॉलेज, सिलचर, असम द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम डिप्लोमा इन क्रिएटिव राइटिंग इन इंग्लिश (डीसीडब्ल्यूई) के लिए "पत्रकारिता और जनसंचार" नामक तीन व्याख्यान दिए।

अनुसंधान विद्वानः

लोकेश चकमा

· 09.01.2023: इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च द्वारा आयोजित रिसर्च वेबिनार- मीडिया साक्षरता: युद्ध, महामारी और उससे आगे के कठिन समय में एक महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र

'आईएमसीआर प्रेसिडेंशियल पीएचडी' में सीजेएमसी विद्वान अप्रतिम भट्टाचार्य के साथ संयुक्त रूप से "भारत में फेसबुक के माध्यम से क्वीरफोबिया पर गलत सूचना का प्रसार" शीर्षक से एक पेपर ऑनलाइन प्रस्तुत किया।

27.07.2022: सीजेएमसी, विश्वभारती में एमए सेमेस्टर II के छात्रों के लिए 'प्रिंट और साइबर मीडिया के दर्शक उपभोग पैटर्न' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

· 04.08.2022: सीजेएमसी, विश्वभारती में सीजेएमसी स्कॉलर्स सेमिनार श्रृंखला के तहत 'ओटीटी बंगाली ओरिजिनल्स का उदय: विविध दर्शकों के लिए विशिष्ट सामग्री' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

· 22.09.2022: सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा 'डिजिटल इज द न्यू मेनस्ट्रीम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में 'बच्चों के लिए ओटीटी: भारत में बच्चों की ऑनलाइन सामग्री का उदय' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

· 18.11.2022: सीजेएमसी, विश्वभारती में एमए सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 'संचार अनुसंधान प्रस्ताव रूपरेखा - सत्र I' नामक पर्यवेक्षक के साथ संयुक्त रूप से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

· 17.03.2023: इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'जेंडर एंड क्लाइमेट चेंज इंटरसेक्शनलिटीज' पर एक गोलमेज चर्चा में एक वक्ता के रूप में भाग लिया, जिसका आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वीमेन इन रेडियो एंड टेलीविजन, भारत ने फ्रीड्रिच-एबर्ट-स्टिफ्टिंग के सहयोग से किया था।

· 24.03.2023: गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव: एनईपी 2020 और भारतीय शिक्षा में प्रतिमान बदलाव के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षा में ओटीटी और एनईपी 2020: भारत में ऑनलाइन लर्निंग ऐप्स का उदय और महत्व' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अप्रतिम भट्टाचार्य

· 09.01.2023: इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च द्वारा आयोजित रिसर्च वेबिनार- मीडिया साक्षरता: युद्ध, महामारी और उससे आगे के कठिन समय में एक महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र

'आईएमसीआर प्रेसिडेंशियल पीएचडी' में सीजेएमसी विद्वान लोकेश चकमा के साथ संयुक्त रूप से "भारत में फेसबुक के माध्यम से क्वीरफोबिया पर गलत सूचना का प्रसार" शीर्षक से एक पेपर ऑनलाइन प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

26.05.2022: एमए सेमेस्टर II के छात्रों के लिए सीजेएमसी, विश्वभारती में "ऑडियो-विजुअल एडिटिंग" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

· 30.05.2022: एमए सेमेस्टर II के छात्रों के लिए सीजेएमसी, विश्वभारती में 'फेक न्यूज को खारिज करने' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

· 28.06.2022-29.06.2022 ने सीजेएमसी, विश्वभारती, एमए सेमेस्टर II के छात्रों के लिए 'मीडिया नैतिकता का परिचय' और 'मीडिया में कानून और नैतिकता की परस्पर क्रिया' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

· 23.09.2022: सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'डिजिटल नई मुख्यधारा है' विषय पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में 'उत्कृष्ट अधिकार आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए इंस्टाग्राम का लाभ उठाना' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

· 23.09.2022: सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी, कोलकाता में 'डिजिटल नई मुख्यधारा है' विषय पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में 'राजनीति में युवा: मुख्य प्रेरक के रूप में सोशल मीडिया' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

· 25.11.2022 ने सीजेएमसी, विश्वभारती में एमए सेमेस्टर III के छात्रों के लिए पर्यवेक्षक डॉ. मौसमी भट्टाचार्य के साथ 'संचार अनुसंधान प्रस्ताव रूपरेखा - सत्र I' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया।

· 11.01.2023: सीजेएमसी, विश्वभारती द्वारा आयोजित "सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स, मोशन पिक्चर्स फ्रॉम कैलिफोर्निया टू कलकत्ता" शीर्षक वाले राष्ट्रीय सेमिनार में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च द्वारा आयोजित रिसर्च वेबिनार-मीडिया साक्षरता: युद्ध, महामारी और उससे आगे के कठिन समय में एक महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र "डिकोडिंग चटनी, 2016 की लघु फिल्म: मिसे-एन-सीन तत्वों का सेमियोटिक विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

12.01.2023: सीजेएमसी, विश्व-भारती द्वारा 'फोटो एडिटिंग के लिए फोटोशॉप सॉफ्टवेयर' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

· 9.03.2023: सीजेएमसी की एक विस्तार गतिविधि के रूप में 'सेंट्रल लाइब्रेरी वर्चुअल टूर' की शूटिंग, संपादन और विकास किया गया, जिसका उद्घाटन 9 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दौरान सेंट्रल लाइब्रेरी कॉन्फ्रेंस हॉल में माननीय कुलपति, विश्व-भारती द्वारा किया गया था।

· 17.03.2023: इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में फ्रीड्रिच-एबर्ट-स्टिफ्टिंग, भारत के सहयोग से इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वीमेन इन रेडियो एंड टेलीविजन, इंडिया द्वारा आयोजित 'लिंग और जलवायु परिवर्तन अंतर्विभागीयता' पर एक गोलमेज चर्चा में भाग लिया।

· 24.03.2023: गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव: एनईपी 2020 और भारतीय शिक्षा

में प्रतिमान बदलाव के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनईपी 2020 में सांस्कृतिक समावेशन का विकास और अंतःविषय शिक्षा का एकीकरण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सब्यसाची भट्टाचार्य

· 23.09.2022: सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा 'डिजिटल इज द न्यू मेनस्ट्रीम' विषय पर आयोजित नेशनल कॉन्फ्लेव में 'वर्चुअल ग्रुप कम्युनिकेशन एंड हेल्थ केयर सर्विसेज: द व्हाट्सएप वे' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

बिराज नारायण राय

· 13.02.2023 – 14.02.2023: संयुक्त संयोजक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग, आचार्य ब्रोजेंद्र नाथ सील कॉलेज, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित '75 पर भारत: पीछे और परे की तलाश' विषय पर राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी में भाग लिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/ एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ :-

विभाग ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, विस्तार गतिविधियों और अन्य सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन इस प्रकार किया:

· 13.02.2023. एम. ए. सेमेस्टर IV के ऑडियो-विजुअल विशेषज्ञता के छात्रों ने कोस्टा रिका विश्वविद्यालय के शास्त्रीय दर्शनशास्त्र विभाग के निदेशक डॉ. रॉबर्ट मोरालेस हार्ले द्वारा दिए गए "कोस्टा रिका में महाभारत: किताबों की दुकानों से कक्षाओं और परे" विषय पर एक व्याख्यान का मल्टीमीडिया कवरेज तैयार किया। तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा भवन द्वारा भारत में कोस्टा रिका गणराज्य के दूतावास के सहयोग से, विभाग की विस्तार गतिविधि के रूप में आयोजित किया गया।

· 20.02.2023. एम. ए. सेमेस्टर IV के ऑडियो-विजुअल विशेषज्ञता के छात्रों ने "रोजेलियो सिनान की कविता के समन्वय: मास्टर के छंदों के लिए एक दृष्टिकोण" विषय पर लेखक और सदस्य-सचिव पनामा भाषा अकादमी के रोडोल्फो डी ग्रासिया रेनाल्डो द्वारा एक व्याख्यान का मल्टीमीडिया कवरेज तैयार किया। "विभाग की विस्तार गतिविधि के रूप में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और पनामा गणराज्य के दूतावास के सहयोग से तुलनात्मक साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित किया गया।

· 09.03.2023. सीजेएमसी के अनुसंधान विद्वान और छात्रों ने एक विस्तार गतिविधि के रूप में 'सेंट्रल लाइब्रेरी वर्चुअल टूर' विकसित किया, जिसका उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय सम्मेलन हॉल में माननीय कुलपति, विश्व-भारती द्वारा किया गया।

अध्याय-2

· 26.05.2022-27.05.2022. द्वैतवाद पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी, संचार डिजाइन विशेषज्ञता, एम. ए. सेमेस्टर IV, सीजेएमसी के छात्रों की तस्वीरों के साथ, डॉ. सुरहिता बसु द्वारा आयोजित और क्यूरेटेड।

0.7.2022. ऑडियो-विजुअल प्रोडक्शंस की फिल्म स्क्रीनिंग, डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 25.09.2022. विश्वविद्यालय मेले आनंदबाजार में विभागीय पत्रिका प्रकाशन और बिक्री के लिए फोटो कार्यों के साथ विभागीय स्टॉल, डॉ. सुरहिता बसु द्वारा समन्वित।

· 17.11.2022. विभागीय पोटल में सीजेएमसी के छात्रों, पूर्व छात्रों, संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया और आयोजन किया।

· 18.11.2022. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग: चिल्ड्रेन ऑफ हेवन, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।

· 25.11.2022. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग: द साल्ट ऑफ द अर्थ, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।

· 02.12.2022. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग: द पियानिस्ट, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 09.12.2022. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग: सिनेमा पैराडाइसो, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 16.12.2022. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग: द रेड बैलून, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य और डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 16.12.2022. डिपार्टमेंटल स्टोरी क्लब और बुक रीडिंग सत्र का लॉन्च इवेंट और रीडिंग सत्र: अन्य दुनिया के बच्चे: वैश्विक बाजार में शोषण, जेरेमी सीब्रुक द्वारा, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित।

· 21.11.2022. डॉ. सुरहिता बसु द्वारा संचालित "वर्तमान समय में पत्रकारिता बाजार द्वारा नियंत्रित या संचालित हो रही है" शीर्षक प्रस्ताव पर छात्रों की बहस।

· 21.12.2022. ऑडियो पत्रिका "गोलपो होलेओ सोट्टी" पर विशेष सत्र सीजेएमसी एम.ए. छात्रों द्वारा बनाया गया, जिसका समन्वयन डॉ. अर्पण पॉल ने किया।

· 10.01.2023- 11.01.2023. सीजेएमसी के छात्रों, विद्वानों और पूर्व छात्रों द्वारा योगदान की गई तस्वीरों के साथ सिने-छवि पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी, फोटोग्राफी क्लब की गतिविधि के तहत डॉ. सुरहिता बसु द्वारा आयोजित और क्यूरेट की गई।

· 08.03.2023. डिपार्टमेंटल फिल्म क्लब, ऑरलैंडो के सहयोग से सीजेएमसी के एमए सेमेस्टर IV के लिंग और मीडिया विशेषज्ञता के छात्रों द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य, डॉ. संहिता चटर्जी और डॉ. अर्पण पॉल द्वारा समन्वित।

· 08.03.2023. विभागीय फिल्म क्लब: द ग्रेट इंडियन किचन के सहयोग से एम. ए. सेमेस्टर IV के लिंग और मीडिया विशेषज्ञता के छात्रों द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग, डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा समन्वित। डॉ. संहिता चटर्जी और डॉ. अर्पण पॉल।

शिक्षकों/ विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ : --

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.) आदि के रूप में मान्यता)

संहिता चटर्जी

· मई 2022: एसेक्स विश्वविद्यालय (यूके) से पीएचडी डिग्री का पुरस्कार।

सुरहिता बसु

· जुलाई, 2022: सीजेएमसी की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरहिता बसु को केरल स्थित वीएमएफटी फाउंडेशन द्वारा एक लाख रुपये की प्रस्तावित फंडिंग के साथ 'भारत में मीडिया में शैक्षिक आपातकाल' पर एक शोध अध्ययन के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में काम करने की पेशकश की गई है।

प्रकाशन: --

· विभाग नियमित रूप से कक्षा की गतिविधियों के लिए ऑनलाइन समाचार ब्लॉग प्रकाशनों को बनाए रखने के साथ-साथ विभागीय लैब जर्नल, विश्व-भारती क्रॉनिकल का प्रकाशन भी बनाए रखता है।

बिप्लब लोहाचौधरी

पुस्तक अध्याय

· लोहा चौधरी, बी.(2023)। "संचार अध्ययन और प्राइमर में समापन की यात्रा। जीआरटीएफ-नई दिल्ली पब्लिशर्स बुक सीरीज प्रकाशन में भारतीय संचार विचार पर एक प्राइमर.नई दिल्ली.नई दिल्ली पब्लिशर्स, आईएसबीएन:9789393878816

· लोहा चौधरी, बी.(2022)। "गांधी बापू शांति के माध्यम से सभ्यतागत निरंतरता का प्रतीक हैं", जीआरटीएफ-नई दिल्ली प्रकाशक पुस्तक श्रृंखला प्रकाशन पाथवेज़ टू ग्लोबल ट्रांसफॉर्मेशन कन्वर्सेशन्स विद बापू। नई दिल्ली, नई दिल्ली पब्लिशर्स, आईएसबीएन:9789393878908

शोध आलेख

· लोहा चौधरी, बी. एट अल, (2023), "पर्यावरण सूचना नीति भारत फ्रीड प्रो-पर्यावरण उद्योग ऑपरेशन: प्रस्तावित एकीकृत स्टील कॉम्प्लेक्स साइट, हलाकुंडी, कर्नाटक पर ईआईए रिपोर्ट का एक केस स्टडी", मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया 2023,407, डीओआई: 10.1002 / मैसी.202200078, विली-वीसीएच जीएमबीएच

· लोहा चौधरी, बी. (2022), "एक पुराने प्रतिमान के माध्यम से शांति की जानकारी के लिए लापता शिक्षा की खोज (संपादकीय), शांति शिक्षा और विकास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, IJPED: 10(01), DOI:10.30954/2454-9525.01.2022.1।

· लोहा चौधरी, बी.(2022), "यह सुनिश्चित करने के लिए कि वर्तमान 'युद्ध का युग नहीं है" (संपादकीय), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, आईजेपीईडी: 10(02)।

मौसमी भट्टाचार्य

पुस्तक अध्याय

भट्टाचार्य, एम. (2022), "लिंग और विकास रिपोर्टिंग: महत्वाकांक्षी पत्रकारों को संवेदनशील बनाना", विकास पत्रकारिता - मुद्दे, चुनौतियाँ और दिशाएँ, (एस. सूर और यू. पांडे (सं.), 385-389 में)। कोलकाता, भारत: यूनिक्स बुक इंटरनेशनल।

भट्टाचार्य, एम. (2022), "दक्षिण एशिया में मोबाइल-सक्षम डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और विस्तार करना"। जेएमसी मीडिया बज़ प्रकाशन फ़ॉल-2022, 14-16। पत्रकारिता, मीडिया और संचार विभाग, डैफोडिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ढाका।

शोध आलेख

भट्टाचार्य, एम. (2022), "संथाली संदर्भ में लोक संस्कृति दृष्टिकोण के संरक्षण के लिए नए मीडिया की शक्ति का उपयोग करना"। ग्लोबल मीडिया जर्नल-भारतीय संस्करण, 14(1)।

<https://gmj.manipal.edu/issues/जुलाई2022/>

Harnessing%20Power%20of%20New%20Media%20For%20Preserving%20Folk%20Culture.pdf

संहिता चटर्जी

· चटर्जी, एस. (2022)। "परस्पर विरोधी आदर्श और प्रथाएँ: समकालीन भारत में शहरी मध्य वर्गों के भीतर लिंग, विवाह और मानदंड" (डॉक्टरेट शोध प्रबंध, एसेक्स विश्वविद्यालय), आईएसएनआई:0000 0005 0742 388X

सुरहिता बसु

· बासु, एस. (2022)। "सोशल मीडिया: मीडिया के लिए एक गेम चेंजर", न्यू मीडिया (एकाधिक मंच पर मीडिया सामग्री का उत्पादन, (के.एस. कुसुमा (सं.), 69-80 में)। अर्शिया प्रकाशन। आईएसबीएन-10: 9393998604, आईएसबीएन-13: 978- 9393998606

नया पाठ्यक्रम/ पाठ्यचर्या डिजाइन करना:

भारत के शांतिनिकेतन में विश्व-भारती द्वारा प्रस्तावित संशोधित स्नातकोत्तर 'संचार और पत्रकारिता' कार्यक्रम, 17 फरवरी, 2023 को आयोजित विश्व-भारती अकादमिक परिषद की बैठक में पारित किया गया, एक अनूठा कार्यक्रम है जो आधुनिकता और परंपरा को सहजता से जोड़ता है और सभी पहलुओं को शामिल करता है। मीडिया और संचार अध्ययन.

यह कार्यक्रम छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे मीडिया और संचार जगत में फलने-फूलने के लिए आवश्यक आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह संचार-संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जैसे मीडिया प्रबंधन, मीडिया नैतिकता, मीडिया कानून, मीडिया अनुसंधान, लिंग अध्ययन, विचित्र अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संचार और उभरती मीडिया प्रौद्योगिकियां। छात्रों को लेखन, रिपोर्टिंग, संपादन, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और डिजिटल मीडिया सहित मीडिया उत्पादन के विभिन्न पहलुओं में व्यापक निर्देश प्राप्त होते हैं।

परंपरा और संस्कृति पर कार्यक्रम का जोर एक विशिष्ट विशेषता है जो इसे अन्य कार्यक्रमों से अलग करती है। पाठ्यक्रम में शास्त्रीय भारतीय भाषाओं, साहित्य और कला रूपों का अध्ययन, भारतीय मीडिया का इतिहास और विकास और भारतीय संचार विचार शामिल हैं। छात्रों को मीडिया और समाज पर इसके प्रभाव के बारे में गंभीर और रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि पारंपरिक मीडिया रूपों को संरक्षित और बढ़ावा दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि मीडिया और संचार अध्ययन के सभी समकालीन पहलुओं को पर्याप्त रूप से संबोधित किया जाता है, जिससे छात्रों को मीडिया और संचार में नवीनतम रुझानों और विकास, जैसे डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और नई मीडिया प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया जाता है। कार्यक्रम का लक्ष्य ऐसे स्नातक तैयार करना है जो सर्वांगीण, अनुकूलनीय और लगातार बदलते मीडिया परिदृश्य को पार करने में सक्षम हों।

अध्याय-2

कार्यक्रम शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार के मीडिया-संबंधित व्यवसायों के लिए तैयार करता है, जिनमें मीडिया संगठन, विज्ञापन एजेंसियां, जनसंपर्क फर्म और अन्य संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। उनके पास भारत की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए वैश्विक मीडिया वातावरण में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्य हैं। पाठ्यक्रम में सेमेस्टर लंबी शोध प्रबंध तैयारी के माध्यम से कठोर अनुसंधान प्रथाओं को भी शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम में छात्रों को उद्योग की कार्य प्रक्रिया और माहौल से परिचित कराने के लिए स्व-आरंभित अनिवार्य इंटरनशिप भी शामिल है। इसके अलावा यह पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम-कार्य के हिस्से के रूप में इन्क्यूबेशन और स्व-आरंभित परियोजना कार्य के माध्यम से उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है।

नवाचार सिखाना

- संचार सिद्धांत और अभ्यास पेपर को पढ़ाने का दृष्टिकोण प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा समग्र शिक्षाशास्त्र में किया जा रहा है।

- प्रदर्शन आधारित शिक्षा और मूल्यांकन को डॉ. मौसमी भट्टाचार्य द्वारा व्यक्तित्व विकास शिक्षण के एक भाग के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है।

- शिक्षण-सीखने-मूल्यांकन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में खुली जगह कक्षाएं आयोजित करने, छात्रों के पाठ्यक्रम आउटपुट की प्रदर्शनी, छात्र सेमिनार, कक्षा में छात्रों के वाद-विवाद सत्र आयोजित करने के अलावा, डॉ. सुरहिता बसु मल्टी-मीडिया तत्वों को शामिल करते हुए एप्लिकेशन आधारित मूल्यांकन पद्धति का उपयोग कर रही हैं। छात्रों में आलोचनात्मक सोच, विश्लेषणात्मक कौशल और समस्या सुलझाने की योग्यता विकसित करने के लिए नियमित मूल्यांकन। कक्षा चर्चाओं के विस्तार में संसाधनों की विस्तृत श्रृंखला साझा करने के लिए मूडल ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के साथ-साथ, डॉ. बसु छात्रों को मौजूदा सिद्धांतों और नवीन सैद्धांतिक फॉर्मूलेशन के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर कक्षा और मूल्यांकन अभ्यास के माध्यम से सैद्धांतिक गहराई विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

- डॉ. अर्पण पॉल ने शिक्षण के नवीन दृष्टिकोण को बढ़ाने के एक भाग के रूप में कक्षा के वातावरण के भीतर और बाहर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के रचनात्मक आयाम को बढ़ाने के साधनों को शामिल किया है। आलोचनात्मक सोच विकसित करने और संचार कौशल बढ़ाने वाली मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों के आयोजन के अलावा, सैद्धांतिक पहलुओं और इसके यथार्थवादी अनुप्रयोग के बीच अंतर को पाटने के लिए व्यावहारिक आधारित कार्य किए जाते हैं।

अन्य प्रासंगिक जानकारी : -

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (सीजेएमसी) ने सितंबर, 2022 से इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल जर्नलिज्म (आईआईजे), ओहियो यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ अपना सहयोग शुरू किया है। शैक्षणिक सहयोग में कार्यशालाएँ, विशेष व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

सीजेएमसी के छात्रों के प्लेसमेंट और इंटरनशिप विवरण:

संचारी पैन, 13.10.2022 से ड्रीमज़ क्राफ्ट - द वेडिंग कंपनी में मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव।

रहमा अनवर हुसैन, 01.12.2022 से पाई कंसल्टिंग, भारत में पॉलिसी एसोसिएट

सुलगा मैत्रा, 15.02.2023 से जन संस्कृति सेंटर फॉर द थिएटर ऑफ द ऑप्रिस्ट, भारत में कार्यक्रम समन्वयक और फील्ड अधिकारी।

- देबारशी सामंता, 09.01.2023 से स्ट्रैटकॉम कंसल्टिंग में देबारशी सामंताक्स
- सयाक मंडल, 24.04.2023 से ब्रांडस्टोरी में वीडियो एडिटर और मोशन ग्राफिक्स डिजाइनर
- चंद्रेयी दासगुप्ता, 17.10.2022 से वेरिज़ॉन समूह की कंपनियों में सामग्री लेखक
- अनासरिया तालुकदार, 15.11.2022 से प्रोटिडिनर बांग्लादेश में रिपोर्टर
- शैबलीना चौधरी, 02.02.2023 से पिकविला में कंटेंट राइटर
- दिशा चटर्जी, नो निर्वाण डिजिटल में सहायक विपणन सहयोगी 01.09.2022
- मौमिता माजी, 21.09.2022 से बंगाल वेब सॉल्यूशन में कंटेंट राइटर और डिजिटल विश्लेषक

ऋतुश्री सामंत, 07.01.2023 से इमामी फ्रैंक रॉस फार्मसी में जूनियर डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव हैं।

- बप्पादित्य दास, 03.09.2022-04.01.2023 तक सहज पथ में सामग्री लेखक
- बृष्टि भंडारी, पत्रकार 01.01.2022 से आनंदबाजार ऑनलाइन में

सागर महापात्र, सितंबर, 2022 से फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में इवेंट और प्रोडक्शन कोऑर्डिनेटर हैं।

- अंकिता बतब्याल, निर्देशन टीम - ज़ी बांग्ला में 02.01.2023 से नॉन फिक्शन
- प्रियंका भौमिक, 09.09.2022 से एनबी मार्क्स में कंटेंट राइटर और डिजिटल विश्लेषक

सागर कर, जनवरी और फरवरी, 2023 के लिए कोसेप्टुअल मीडिया में कंटेंट राइटर और सोशल मीडिया मैनेजर (अंशकालिक)

क्षेत्रीय परियोजनाएँ: --

अध्याय-2

· एम.ए. सेमेस्टर चतुर्थ ग्रामीण संचार विशेषज्ञता के छात्रों और ग्रामीण स्थिति की सराहना के लिए पीएचडी विद्वानों के लिए लोहागढ़ और चकपाली गांव का निरंतर क्षेत्र दौरा और प्रथम सूचना सर्वेक्षण और सूचना अंतर उन्मूलन के लिए चकपाली बैठक श्रृंखला की बैठक 24 फरवरी और 8, 11, 15 और 16 मार्च, 2023 को आयोजित किया गया, प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा समन्वित।

20 जनवरी, 2023 को प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा समन्वित विकास संचार पाठ्यक्रम के भाग के रूप में एम. ए. सेमेस्टर III के छात्रों के लिए सियान सहजपुर महलीपारा गांव का फील्ड-विजिट आयोजित किया गया।

अन्य प्रासंगिक उल्लेख (संकाय):

· प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी को नवंबर, 2022 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव के दौरान हर साल भारतीय संचार कांग्रेस के वार्षिक सत्र आयोजित करने के लिए शीर्ष निकाय, राष्ट्र संचार कांग्रेस के पहले अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है।

· प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी को एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित जर्नल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एजुकेशन एंड डेवलपमेंट के प्रधान संपादक (2022-2023) के रूप में नामित किया गया है।

· डॉ. मौसमी भट्टाचार्य को ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के मीडिया विज्ञान और पत्रकारिता विभाग के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

· डॉ. मौसमी भट्टाचार्य को पश्चिम बंगाल के स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

· डॉ. मौसमी भट्टाचार्य पाठ्यक्रम समिति में विषय विशेषज्ञ और नवगठित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सिधोकान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के पीजी बीओएस सदस्य के रूप में काम करना जारी रखे हुए हैं।

· डॉ. मौसमी भट्टाचार्य रेडियो और टेलीविजन में महिलाओं के अंतराष्ट्रीय संघ (IAWRT) की सदस्य रही हैं।

स्त्री अध्ययन केन्द्र

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशाला/ प्रदर्शनी आदि: --

तनुश्री पॉल

· 14.03.2023. मानकर कॉलेज, बर्दवान, भारत द्वारा आयोजित "महिलाएं और प्रौद्योगिकी: चिंताएं, ताकत, अवसर" शीर्षक से एक मुख्य व्याख्यान दिया।

प्रकाशन : -

पुस्तक अध्याय

· पॉल, टी. एवं भौमिक, टी. (2022)। "शहरी नियोजन के माध्यम से लिंग आधारित स्थान-निर्माण की राजनीति: राजारहाट, न्यू टाउन, भारत, लिंग और भारतीय शहर का एक केस अध्ययन"। लिंग और भारतीय शहर. (एड): माधवी देसाई), 27-55, साउथ एशिया प्रेस: नई दिल्ली [आईएसबीएन: 978-81-9502-048-5]

शोध आलेख

· पॉल, टी. एवं दत्ता, एस. (2023)। "मोबाइल फोन और दक्षिण एशिया और अफ्रीका में ग्रामीण महिलाएं: व्यवस्थित समीक्षा", तनुश्री पॉल, लिंग, प्रौद्योगिकी और विकास, 1-23. doi.org/10.1080/09718524.2022.2161127

· पॉल, टी. एवं कर्मकार, एस. (2022)। "भारत में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा: क्या सशक्तिकरण मायने रखता है?", जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज, 1-22, <https://doi.org/10.1177/00219096221143123>

अन्य प्रासंगिक जानकारी : --

अध्याय-2

डॉ. तनुश्री पॉल ने नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित समाजशास्त्र (ऑनर्स) (विषय: लिंग और कामुकता का समाजशास्त्र) के लिए स्नातक डिग्री कार्यक्रम पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में "श्रम बाजार में महिलाएं" नामक एक अध्याय का योगदान दिया।

ग्यारहवीं योजना के दौरान यूजीसी ने शिक्षा, अनुसंधान और लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से जागरूकता पैदा करने और महिलाओं के सशक्तीकरण की सुविधा के लिए पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों में महिला अध्ययन विभाग बनाने की एक बड़ी पहल की। महिला अध्ययन केंद्र, इस पहल का एक उत्पाद है विश्वभारती की स्थापना जुलाई 2009 में हुई थी।

विश्वभारती में महिला अध्ययन केंद्र लिंग और विकास पर अंतःविषय अनुसंधान पर केंद्रित है। केंद्र महिलाओं और लैंगिक प्रश्नों पर विस्तार कार्यों को व्यवस्थित करने का भी प्रयास करता है जिसका विभाग में किए गए शोध से गहरा संबंध है। केंद्र में अनुसंधान के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं: भारत में विकास का लैंगिक आयाम: शिक्षा और स्वास्थ्य का प्रश्न, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, एजेंसी और नीतिगत मुद्दों का प्रश्न, भारत के व्यापक विकासात्मक लक्ष्यों के आलोक में बालिकाएँ और दक्षिण एशिया, महिलाओं की श्रम बाजार पसंद और विवश इष्टतम, महिलाएं और संघर्ष और अंदर-बाहर द्वंद्व और घरेलूता की अवधारणा। लिंग संबंधी प्रश्न वैश्विक हैं। हमारा मानना है कि समकालीन दुनिया को समझने के लिए लिंग संबंधों की समझ आवश्यक है जो अतीत में निर्धारित सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक कारकों की जटिल परस्पर क्रिया पर निर्भर है। लिंग संबंध वर्ग, जाति, धर्म और जातीयता जैसी कई श्रेणियों में विभाजित हैं। इस प्रकार, अंतःविषय दृष्टिकोण के बिना, यह विश्लेषण संभव नहीं है। इस प्रकार केंद्र विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर शिक्षा के सभी विषयों से अपनी सदस्यता प्राप्त करता है।

केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य विकास के सवालों पर ध्यान केंद्रित करने वाली सामाजिक प्रक्रियाओं की लैंगिक प्रकृति का पता लगाना है। केंद्र में अनुसंधान और शिक्षण एक अंतःविषय और अंतरराष्ट्रीय दायरे के साथ सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ता है। केंद्र का लक्ष्य विकास के संदर्भ में लिंग संबंधों में अंतर्निहित शक्ति गतिशीलता के अध्ययन के भीतर सैद्धांतिक, पद्धतिगत और शैक्षणिक बहस में योगदान देना है। विशेष रूप से, केंद्र के उद्देश्यों को मोटे तौर पर दो प्रमुख विषयों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है: शैक्षणिक और व्यावहारिक। केंद्र लिंग और विकास पर एक नियमित एकीकृत एम.फिल/पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। एम.फिल पाठ्यक्रम को इस तरह से संरचित किया गया है कि यह न केवल एक छात्र को अपनी पीएचडी के लिए अच्छा शोध करने में सक्षम बनाएगा बल्कि उन्हें विकास क्षेत्र में नौकरियां लेने के लिए भी सक्षम बनाएगा।

शिक्षा

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ संगोष्ठी कार्यशाला/ प्रदर्शनी : --

शिल्पी घोष

· 28.11.2022 -30. 12.2022. एलाइड हेल्थ फाउंडेशन और कैपिटल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, भुवनेश्वर, भारत और नेशनल एसोसिएशन ऑफ मेंटल हेल्थ द्वारा '21वीं सदी के लिए वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां और मुद्दे' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया और "जैव विविधता: बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य बूस्टर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रोसेनजीत साहा

· 01.12.2022 – 02.12.2022. चीनी भाषा और संस्कृति विभाग (चीन भवन), विश्वभारती, द्वारा आयोजित "भारत चीन संबंध और आगे का रास्ता" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और "भारत में एक स्कूली विषय के रूप में चीनी: चुनौतियाँ और संभावनाएँ" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। -

प्रकाशन:

प्रोसेनजीत साहा

पुस्तक अध्याय

· साहा, पी. (2022)। "रवींद्रनाथ टैगोर और जिद्दू कृष्णमूर्ति के शैक्षिक विचार: संक्रमण में एक अध्ययन शिक्षा: 21वीं सदी का दर्पण"। (एस. सेन और बी.साहा-सं.), 52-63. क्रिसेंट प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन नंबर: 978-93-91771-51-5

· साहा, पी. (2022)। "समाज में अपराध: विकास का एक निवारक"। समाज-संग्रहित विचारों का चित्रण, (बी.साहा और ए. अधिकारी (सं.) में), 89-104। क्रिसेंट प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन नंबर: 978-93-91771-2

अध्याय-2

· साहा, पी. (2023)। "शांति, मूल्य और रवींद्रनाथ टैगोर की शैक्षिक प्रथाएं", शांतिवाद: शांति और मूल्य को बढ़ावा देना, (बी.साहा और ए. अधिकारी (सं.)), 89-104, क्रिसेंट प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन नंबर: 978-93-91771-2

शोध पत्र

· साहा, पी. (2022), "भारत में वयस्क शिक्षा की यात्रा: भारत में शिक्षा पर एक अध्ययन"। शिक्षा पर संवादों का एक त्रैमासिक संदर्भित जर्नल। 11(2), 1-8.

· साहा, पी. (2022), "राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 पर विशेष जोर देने के साथ भारत में समावेशी शिक्षा और शैक्षिक नीतियां: आईआरए में एक अध्ययन"। मानविकी और सामाजिक विज्ञान जर्नल. 3(2), 95-99, डीओआई-10.4731iarjhss.2022। vo31.02.14

· साहा, पी. (2023), "वेटेल: ग्रामीण भारत को बदलने का एक प्रयास", बहुविषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 4(6), 1-9. डीओआई: 10.36948/आईजेएफएमआर.2022। vo4i06.1016

शिल्पी घोष

शोध पत्र

घोष, एस. (2022)। "एकांतवास से समावेशन तक की यात्रा: स्वतंत्रता के बाद से भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास"। इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स, 59(5), 575-579। <http://doi.org/10.56042/ijbb.v.59i5.61610>

· अब्बासी, एन. और घोष, एस. (2022)। "परीक्षा की चिंता को कम करें और किशोर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का संरक्षण करें: राष्ट्र का भविष्य"। इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स, 59(11), 1081-1087। <http://doi.org/10.56042/ijbb.v59i11.66948>

शिक्षा भवन

(विज्ञान संस्थान)

शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) मूल रूप से मानविकी विषयों को पढ़ाने के लिए एक स्नातक महाविद्यालय था, जिसे 1961-1963 के दौरान अपने पाठ्यक्रम में बी.एससी. को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया था। (ऑनर्स) गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान में पाठ्यक्रम। एम.एससी. इन विषयों में कार्यक्रम 1963-1964 के दौरान शुरू किए गए थे। अंततः मानविकी और विज्ञान विषयों में अध्ययन के पाठ्यक्रमों के पुनर्गठन के कारण, विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले सभी विभागों को शिक्षा-भवन के अंतर्गत लाया गया।

शिक्षा-भवन में नौ विभाग शामिल हैं, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, सांख्यिकी, कंप्यूटर और सिस्टम विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरण अध्ययन, साथ ही दो केंद्र, एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र और गणित केंद्र। शिक्षा। ये सभी शिक्षण और अनुसंधान दोनों कार्यक्रम चलाते हैं और तीन वर्षीय बी.एससी. का पुरस्कार देते रहे हैं। (ऑनर्स) सात विषयों में डिग्री, दो वर्षीय एम.एससी. नौ विषयों में डिग्री, पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी. एक विषय में डिग्री के साथ-साथ पीएच.डी. उपरोक्त सभी विषयों में डिग्री।

अपने सभी शिक्षण और सीखने के कार्यक्रमों के माध्यम से भावना का मिशन छात्रों में मूल्यों को विकसित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, उन्हें जानकार और अंततः अच्छा इंसान बनाना है और इस प्रक्रिया में, उन्हें अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने, कई कैरियर अवसरों तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। उच्च शिक्षा और अनुसंधान में अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के बराबर। विश्वभारती के एक घटक के रूप में शिक्षा-भवन ऐसे स्थान की कल्पना करता है जहां ज्ञान को समग्र मानव और सामाजिक विकास के लिए एक अलग फ्रेम में देखा जा सके।

प्राणीशास्त्र विभाग को ढांचागत सुविधाओं में सुधार के लिए यूजीसी के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी प्रोग्राम और COSIST अनुदान से सम्मानित किया गया है। डीएसटी ने प्राणीशास्त्र, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी और एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र विभागों को एफआईएसटी अनुदान प्रदान किया है। गणित, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान विभागों को यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) से सम्मानित किया गया। गणित विभाग 1990 के दशक से एनबीएचएम पुस्तकालय अनुदान प्राप्त कर रहा है। इस अवधि में स्टेनफोर्ड 2% वैज्ञानिक में चार संकाय सदस्य शामिल हैं।

विचाराधीन अवधि के दौरान विभागीय सेवन क्षमता में पिछली संख्या की तुलना में 10% से अधिक की वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में संशोधन लगभग नियमित रूप से किया गया है। जैव प्रौद्योगिकी और वनस्पति विज्ञान विभागों में रोजगार/उद्यमशीलता प्रदान करने वाले पाठ्यक्रम हैं। वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग पाठ्यक्रम के भीतर क्षेत्र परियोजनाओं की पेशकश करते हैं। सभी कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम इस

प्रकार तैयार किया गया है कि छात्रों को अपने अध्ययन के विषय में अच्छी तरह से ज्ञान हो ताकि वे शिक्षण और अनुसंधान दोनों में शिक्षाविदों में बेहतर करियर के लिए सुसज्जित हों। विश्वविद्यालय में एक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क परिसर है जिसे हाल ही में वाई-फाई सक्षम बनाया गया है। शिक्षा-भवन में सभागार, कई सम्मेलन और सेमिनार हॉल और एक कैटीन है।

शिक्षा-भवन के अंतर्गत विभाग वैज्ञानिक अनुसंधान की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सभी संकाय सदस्य अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप सक्रिय अनुसंधान में शामिल हैं। वे अपने शोधार्थियों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं, जिनमें से कई अपने भविष्य के शैक्षणिक करियर में प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल हो रहे हैं। विभागों के पास सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए काफी अच्छी बुनियादी सुविधाएं हैं। सभी विभाग पर्याप्त आईसीटी सुविधाओं, उच्च श्रेणी के उपकरणों के साथ अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सेमिनार हॉल और इंटरनेट सुविधाओं से सुसज्जित हैं। बड़ी संख्या में शिक्षक विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा समर्थित परियोजनाएं चला रहे हैं, और उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षा भवन की संकाय प्रोफाइल उल्लेख योग्य है। संकाय सदस्यों ने उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और सहयोग कार्य के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान अर्जित की है। एक संकाय सदस्य को प्रतिष्ठित आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ। विचाराधीन अवधि में चार संकाय सदस्यों को स्टैनफोर्ड की 2% सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक की सूची में शामिल किया गया था। यहां के संकाय सदस्य अन्य उत्कृष्ट संस्थानों के विद्वानों के साथ अकादमिक आदान-प्रदान में नियमित रूप से जुड़े रहते हैं। अनुसंधान के अलावा, संकाय सदस्य काफी मात्रा में शिक्षण कार्यों में भी व्यस्त रहते हैं। औसतन, प्रत्येक को एक सेमेस्टर में साप्ताहिक आधार पर कम से कम बारह घंटे पढ़ाना पड़ता है। शिक्षक छात्रों को NET, GATE, SET, NBHM जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं जो उन्हें शैक्षणिक दुनिया में उच्च अध्ययन और करियर के लिए तैयार करते हैं। औसतन 30% से अधिक संकाय, प्रायोजित परियोजनाओं को संभालते हैं।

संकाय सदस्य शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वे अपने सभी छात्रों के साथ बहुत घनिष्ठ संबंध साझा करते हैं, और भविष्य के लिए अपने छात्रों को सलाह देने में सक्रिय रुचि लेते हैं। यहां शोध छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। व्यक्तिगत और विभागीय अनुसंधान योजनाएं अतिरिक्त-भित्ति अनुसंधान निधि में 900 लाख से अधिक उत्पन्न करती हैं। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन शिक्षकों की आदत है और प्रकाशन की गुणवत्ता उल्लेख के योग्य है। मौजूदा उपकरण सुविधा संतोषजनक है। शिक्षा-भवन में पूर्णतः स्वचालित अनुभागीय पुस्तकालय है। विज्ञान संकायों और छात्रों के लिए कुछ अच्छे विभागीय पुस्तकालय भी हैं। सम्मानित पीएच.डी. की संख्या प्रति वर्ष की डिग्री भी महत्वपूर्ण है।

विभिन्न विभागों और केंद्रों के संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता के साथ-साथ उपलब्ध बुनियादी ढांचे को ध्यान में रखते हुए रोजगार और उद्यमिता सृजन के लिए और अधिक पाठ्यक्रम शुरू करने की पर्याप्त गुंजाइश है।

भौतिकी विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम ।

- **सीएसआईआर-यूजीसी नेट:** गोपीनाथ गुइन, अरुन्धा घोष, नूतन दास, सुमन मंडल
- **गेट:** अर्घ्य घोष, भास्कर सरकार, दिलीप मुर्मू, गोपीनाथ गिनी, एप्सिट पॉल, प्रितिसा चंद, प्रियदर्शिनी तमांग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 14.09.2022-15.09.2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से डॉ. जयदीप चक्रवर्ती ने विभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम में " भौतिकी में समरूपता" विषय पर दो व्याख्यान दिये।
- 20.05.2022. रूडोल्फ पियरल्स सेंटर फॉर थियोरिटिकल फिजिक्स, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, क्लेरेंडन लेबोरेटरी, यूके के प्रोफेसर सुबीर सरकार ने विभागीय सेमिनार कार्यक्रम में "कनेक्टिंग इनर स्पेस एंड आउटर स्पेस" विषय पर एक संगोष्ठी दी।
- 06.03.2023. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के भौतिकी विभाग से डॉ. सुमन सरकार ने विभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम में "मशीन लर्निंग का उपयोग करके ग्रैंड-डिज़ाइन और फ्लोक्लेंट स्पाइरल की पहचान" पर एक व्याख्यान दिया।
- 12.04.2022. स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), कोलकाता से डॉ. सुमंत चक्रवर्ती ने विभागीय सेमिनार कार्यक्रम में "ब्लैक होल के कंधे पर" विषय पर एक संगोष्ठी दी।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य:

आशीष भट्टाचार्य

- 17.02.2023-18.02.2023. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के भौतिकी विभाग द्वारा भौतिकी में हालिया रुझानों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित भाषण दिया ।
- 09.09.2022-10.09.2022. हैदराबाद विश्वविद्यालय और आईजेएए द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आयोजन समिति के सदस्य के रूप में काम किया।

अध्याय-2

विश्वजीत पांडे

- 13.12.2022-14.12.2022. विश्वभारती के भौतिकी विभाग में "गैलेक्सी फॉर्मेशन एंड इवोल्यूशन अक्रॉस द कॉस्मिक टाइम" (GFEACT-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन में संयोजक के रूप में काम किया। कार्यशाला वेबपेज: <https://sites.google.com/view/gfeact-2022/home>
- 24.10.2022. खगोल विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ नैशनल डी कॉर्डोबा, अर्जेन्टीना में एक आमंत्रित सेमिनार (ऑनलाइन) दिया।

सुदीप्त दास

- 16.05.2022-28.05.2022. ऑनलाइन मोड में गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान पर पहला IAGRG स्कूल आयोजित किया गया (मेजबान संस्थान: आईआईटी गांधीनगर और सीएमआई, चेन्नई)
- 04.07.2022-14.07.2022. ऑनलाइन मोड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कॉस्मोलॉजी फ्रॉम होम 2022" में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 22.09.2022-24.09.2022. IEM कोलकाता में आयोजित उन्नत भौतिकी (IEMPHYS-22) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 22.10.2022. आईआईटी मद्रास के भौतिकी विभाग में कॉस्मोलॉजी ग्रुप मीट में एक आमंत्रित भाषण दिया।
- 19.12.2022-21.12.2022. IISER-कोलकाता में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (IAGRG32) की 32वीं बैठक में कॉस्मोलॉजी सत्र की अध्यक्षता की।
- 13.03.2023-18.03.2023. आईसीटीएस-टीआईएफआर, बेंगलुरु, भारत में आयोजित कार्यक्रम "लेस ट्रैवल्ड पाथ टू द डार्क यूनिवर्स" में एक व्याख्यान दिया।

अमिताव बंद्योपाध्याय

- 09.09.2022-10.09.2022. 12वें भारत-जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी कॉन्क्लेव: हैदराबाद विश्वविद्यालय, सीआर राव रोड में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICFAST-2022) में "चार-स्तरीय परमाणु प्रणाली में तीन-फोटॉन संक्रमण" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।, गाचीबोवली, हैदराबाद-500046।

अनुसंधान विद्वान

- 21.11.2022-23.11.2022. अपशंका दास ने "लाल सर्पिलों की उत्पत्ति पर: क्या असेंबली पूर्वाग्रह एक भूमिका निभाता है?" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति (ऑनलाइन मोड में) दी। सम्मेलन में "कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स IV में चुनौतियाँ और नवाचार"।
- 17.02.2023-18.02.2023. भरत खारपुसे ने डीएवीवी, इंदौर में आयोजित भौतिकी के हालिया रुझानों, आईसीआरटीपी-2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ^{66}Zn और $^{66,68}\text{Ge}$ में ऑक्ट्रूपोल सहसंबंध का शेल मॉडल विवरण" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 15.03.2023-16.03.2023. बनवारीलाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल में "भौतिकी और संबद्ध विज्ञान में हालिया रुझान" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुप्रियो घोष ने "समय पर निर्भर संतुलित हानि

और लाभ के साथ वेक्टर गैर-स्थानीय नॉनलाइनियर थ्रोडिंगर समीकरण के एक वर्ग के सटीक समाधान" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। .

- 09.09.2022-10.09.2022. सुप्रियो घोष ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों (ICFAST 2022) पर हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समय-निर्भर संतुलित हानि-लाभ और अंतरिक्ष-समय संग्राहक गैर-रेखीय इंटरैक्शन के साथ गैर-रेखीय थ्रोडिंगर समीकरण" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 09.09.2022-10.09.2022. पुष्पेंद्रु रॉय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों (ICFAST 2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संतुलित हानि और लाभ के साथ युग्मित वैन डेर पोल-डफिंग ऑसिलेटर्स के जटिल गतिशील गुण" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 19.12.2022-21.12.2022. प्रियंका अधिकारी ने IISER, कोलकाता में आयोजित IAGRG32 सम्मेलन में "गैर-शून्य बैरो होलोग्राफिक डार्क एनर्जी की ब्रह्माण्ड संबंधी गतिशीलता" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 13.12.2022-14.12.2022. प्रियंका अधिकारी ने विश्वभारती के भौतिकी विभाग में आयोजित GFEACT2022 सम्मेलन में "बैरो होलोग्राफिक डार्क एनर्जी के साथ गैर-शून्य वक्रता वाले ब्रह्माण्ड के ब्रह्माण्ड संबंधी विकास के निशान" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 15.03.2023-16.03.2023. सौम्यदीप बर्मन ने बनवारीलाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल में आयोजित भौतिकी और संबद्ध विज्ञान (आरटीपीएस-2023) में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एलएचसी में जेट सबस्ट्रक्चर चर के अध्ययन से क्यूसीडी को समझना" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 19.12.2022-21.12.2022. संगीता गोस्वामी ने इंडियन एसोसिएशन फॉर जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (आईएजीआरजी) 2022 की 32वीं बैठक में "क्रिटेसेंस या फैटम: हबल पैरामीटर के सामान्य पैरामीट्रिजेशन के माध्यम से स्केलर फील्ड डार्क एनर्जी मॉडल का अध्ययन" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 23.06.2022-25.06.2022. संगीता गोस्वामी ने जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (यूपी)। गणित विभाग द्वारा गणितीय विज्ञान और अंतःविषय क्षेत्रों में हालिया प्रगति (RAMSIA-2022) पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्केलर फील्ड डार्क एनर्जी मॉडल के लिए हबल पैरामीटर का एक नया पैरामीट्रिजेशन" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति (ऑनलाइन मोड) दी।
- 09.01.2023-10.01.2023. सौमेन दास ने बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल में आयोजित विज्ञान कांग्रेस में "ऑन द एंटैंगलमेंट" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 09.01.2023-10.01.2023. सौम्या कांति रॉय ने बांकुरा विश्वविद्यालय में आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में "घूर्णन ब्लैकहोल मीट्रिक के मापदंडों की विशेषता और अर्ध-शास्त्रीय दृष्टिकोण द्वारा हॉकिंग प्रकार के विकिरण का निर्धारण" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 09.09.2022-10.09.2022. मनीषा चक्रवर्ती ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों (ICFAST-2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "1-फेरोसेनिल इथेनॉल के थर्मल अपघटन के रिएक्शन कैनेटीक्स पर प्रतिक्रिया वातावरण का प्रभाव" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 18.12.2022-22.12.2022. मनीषा चक्रवर्ती ने बीआईटी मेसरा में आयोजित डीईई-एसएसपीएस 2022 सम्मेलन में "फेरोसिन कार्बोक्साइलहाइड का उपयोग करके हेमेटाइट नैनोकणों का थर्मल संश्लेषण: संरचना, आकृति विज्ञान और प्रतिक्रिया काइनेटिक अध्ययन" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।

अध्याय-2

- 09.01.2023-10.01.2023. मनीषा चक्रवर्ती ने बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल में आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2022-23 में "ऑक्सीडेटिव वायुमंडल में एसिटाइल फेरोसीन के थर्मल अपघटन के माध्यम से मैग्नेटाइट नैनोकणों का संश्लेषण" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 09.09.2022-10.09.2022. सुरजीत गोलदार ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों (ICFAST-2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कैस्केड कॉन्फ़िगरेशन के तहत बारह-स्तरीय परमाणु प्रणाली की जांच प्रतिक्रिया विशेषताओं" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 09.01.2023-10.01.2023. सुरजीत गोलदार ने बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल में आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2022-23 में "मल्टी-लेवल कैस्केड टाइप सिस्टम में ईआईटी" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 01.12.2022-05.12.2022. एके मोंडल ने कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम में परमाणु भौतिकी पर आयोजित 66 वें डीईई संगोष्ठी में " 77 एएस की थैस्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी" नामक एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 01.12.2022-05.12.2022. आर. शील ने कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम में परमाणु भौतिकी पर आयोजित 66 वें डीईई संगोष्ठी में " 162 हो में परमाणु स्तर घनत्व की सामूहिक वृद्धि" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 01.12.2022-05.12.2022. अनिरुद्ध डे ने कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम में परमाणु भौतिकी पर आयोजित 66 वें डीईई संगोष्ठी में "विखंडन खंड स्पेक्ट्रोस्कोपी के बाद ²³⁵ यू (एन व, एफ) में संभावित मल्टी-मोडल विखंडन मोड की जांच" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 09.09.2022-10.09.2022. सानी कुंडू ने हैदराबाद विश्वविद्यालय और आईजेएए द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 18.12.2022-22.12.2022. सानी कुंडू ने बीआईटी मेसरा, रांची द्वारा आयोजित 66 वें एसएसपी-डीईई संगोष्ठी में एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 09.01.2023-10.01.2023. सानी कुंडू ने बांकुरा विश्वविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा आयोजित 5 वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में एक मौखिक प्रस्तुति दी। पश्चिम बंगाल का।
- 28.02.2023-01.03.2023 सानी कुंडू ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित 30 वीं पश्चिम बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 09.09.2022-10.09.2022. टोटन सरकार ने हैदराबाद विश्वविद्यालय और आईजेएए द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सीमांत क्षेत्रों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 18.12.2022-22.12.2022. टोटन सरकार ने बीआईटी मेसरा, रांची द्वारा आयोजित 66 वें एसएसपी-डीईई संगोष्ठी में एक पोस्टर प्रस्तुति दी।
- 09.01.2023-10.01.2023 टोटन सरकार ने बांकुरा विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा आयोजित 5 वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में एक मौखिक प्रस्तुति दी। पश्चिम बंगाल का।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षक का नाम: प्रोफेसर आशीष भट्टाचार्य

परियोजना का नाम: 'लैथेनाइड-आधारित धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क सामग्री से एकल अणु चुंबक और आणविक चुंबकीय कूलर' (स्पार्क के तहत भारत-जापान सहयोगात्मक परियोजना)

प्रायोजक एजेंसियां: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

स्वीकृत राशि: रु. 49.58 लाख

- शिक्षक का नाम: डॉ. विश्वजीत पांडे

परियोजना का नाम: "स्लोअन डिजिटल स्काई सर्वे में आकाशगंगा संपत्तियों की बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय निर्भरता का एक सूचना सिद्धांत आधारित अध्ययन" (परियोजना कोड: सीआरजी/2019/001110)

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

स्वीकृत राशि: रु. 19,71,332 /-

- शिक्षिका का नाम: डॉ. अनघा चक्रवर्ती

परियोजना का नाम: कोणीय गति, तापमान के कार्य के रूप में परमाणु स्तर के घनत्व का अध्ययन और सामूहिकता और शेल संरचना की भूमिका का अनावरण

प्रायोजक एजेंसियां: यूजीसी-डीईई सीएसआर, कोलकाता

स्वीकृत राशि: तीन वर्षों के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप की फंडिंग + आकस्मिकताओं और उपभोग्य सामग्रियों के तहत अनुदान के रूप में 1,35,000 /- रुपये (यूजीसी-डीईई सीएसआर, कोलकाता की सीआरएस योजना के तहत)

- शिक्षिका का नाम: डॉ. अनघा चक्रवर्ती

परियोजना का नाम: दुर्लभ पृथ्वी नाभिक से जुड़ी परमाणु प्रतिक्रियाओं में आइसोस्पिन और जमीनी स्थिति विरूपण प्रभावों की जांच (फाइल संख्या: सीआरजी/2021/004680)

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)

स्वीकृत राशि: रु. 25,60,107 /-

- शिक्षिका का नाम: डॉ. अनघा चक्रवर्ती

परियोजना का नाम: संक्रमणकालीन नाभिक में विभिन्न आकृतियों और उत्तेजना तंत्रों के सह-अस्तित्व की खोज (परियोजना कोड संख्या यूएफआर-71344)

प्रायोजक एजेंसियां: IUAC, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: तीन वर्षों के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप की फंडिंग + आकस्मिकताओं के तहत अनुदान के रूप में 75,000 रुपये (आईयूएसी, नई दिल्ली की यूएफआर योजना के तहत)

- शिक्षक का नाम: डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी

अध्याय-2

परियोजना का नाम: ^{66}Zn और ^{66}Ga में उत्तेजित राज्यों का जीवनकाल माप

प्रायोजक एजेंसियां: IUAC, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: तीन वर्षों के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप की फंडिंग + आकस्मिकताओं के तहत अनुदान के रूप में 75,000 रुपये (आईयूएसी, नई दिल्ली की यूएफआर योजना के तहत)

• शिक्षक का नाम: डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी

परियोजना का नाम: डॉपलर शिफ्ट क्षीणन विधि (डीएसएएम) का उपयोग करके ^{66}Zn और ^{66}Ga में उत्तेजित राज्यों का जीवनकाल माप

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)

स्वीकृत राशि: रु. 20,87,272 /-

• शिक्षक का नाम: डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी

परियोजना का नाम: α -प्रेरित माप के माध्यम से $^{62,64,66}\text{Zn}$ में ऑक्ट्रूपोल सामूहिकता की खोज

प्रायोजक एजेंसियां: यूजीसी-डीई सीएसआर, कोलकाता

स्वीकृत राशि: तीन वर्षों के लिए एक जेआरएफ की फेलोशिप की फंडिंग + आकस्मिकताओं और उपभोग्य सामग्रियों के तहत अनुदान के रूप में 1,35,000 /- रुपये (यूजीसी-डीई सीएसआर, कोलकाता की सीएसआर योजना के तहत)

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डीएसए) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएसए) आदि के रूप में मान्यता)

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

अस्मिता सेनगुप्ता

जर्नल के समीक्षक: जर्नल ऑफ़ इलास्टोमर्स एंड प्लास्टिक्स, सेज पब्लिकेशन

सुदीप्त दास

• वर्तमान भारतीय विज्ञान (क्षेत्र: खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी) पत्रिका के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करना

• 1 अगस्त, 2020 से 3 वर्षों के लिए IUCAA के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चुना गया।

• पत्रिकाओं के समीक्षक:

a. जर्नल ऑफ़ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी, स्प्रिंगर

- b. प्रमाण - जर्नल ऑफ फिजिक्स , स्प्रिंगर
- c. खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान में फ्रंटियर्स , अनुभाग ब्रह्माण्ड विज्ञान
- d. सामान्य सापेक्षता और गुरुत्वाकर्षण , स्प्रिंगर

अनुसंधान विद्वान

सानी कुंडू

- 09.01.2023-10.01.2023. बांकुरा विश्वविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में उत्कृष्ट पेपर प्रस्तुति के लिए योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

सौमेन मंडल

- 09.01.2023-10.01.2023. बांकुरा विश्वविद्यालय में आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान कांग्रेस में उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया ।

एमडी आमिर सोहेल

- मार्च 2023 में कोरिया एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में पोस्ट डॉक्टरल रिसर्चर के पद के लिए प्रस्ताव मिला।

प्रकाशन:

अन्य पुस्तकें

- पुस्तक अध्याय: ' सामग्री विज्ञान अनुसंधान में प्रगति । खंड 55, संस्करण। मैरीएन सी. विथर्स (नोवा साइंस पब्लिशर्स इंक., यूएसए, 2022)। 'फेरोसीन - ठोस अवस्था थर्मल अपघटन के माध्यम से संभावित रूप से उपयोगी आयरन ऑक्साइड नैनोकणों के संश्लेषण के लिए अग्रदूत', आशीष भट्टाचार्य, आईएसबीएन: 979-8-88697-213-9, अध्याय 4.<https://novapublishers.com/shop/advances-सामग्री-विज्ञान-अनुसंधान-मात्रा-55/>

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफरीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

- भट्टाचार्य, के., कल्ला, एम., सिल, एस., और चटर्जी, ए. (2023)। स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन की उपस्थिति में अनंत क्षमता वाले दो-आयामी धातु-अर्धचालक इंटरफ़ेस में स्पिन-परिवहन: डबल अपवर्तन और स्पिन-फ़िल्टरिंग प्रभाव। सूक्ष्म और नैनोस्ट्रक्चर , 207496।

अध्याय-2

- शर्मा, एचके, सिल, एस., और चटर्जी, ए. (2022)। स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन की उपस्थिति में अशुद्धियों के साथ दो-आयामी प्रणाली में स्पिन-हॉल चालकता और हॉल कोण। वैज्ञानिक रिपोर्ट , 12(1), 14201.
- मुखर्जी, ए., नंदी, ए., सिल, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2022)। मल्टीस्ट्रैंड कुटज़ नेटवर्क में फ्लैट बैंड और टोपोलॉजिकल चरणों की सिलाई। फिजिकल रिव्यू बी , 105(3), 035428।
- कुंडू, एस., सरकार, टी., घोराई, जी., जुबको, एम., साहू, पी.के., वेसेल्स्की, एम., ... और भट्टाचार्य, ए. (2023)। आयरन (III) साइट्रेट के आयरन ऑक्साइड नैनोमटेरियल में सह-पूर्ववर्ती संचालित ठोस अवस्था थर्मल रूपांतरण पर अध्ययन। एप्लाइड फिजिक्स ए , 129(4), 264।
- चक्रवर्ती, एम., डे, ए., और भट्टाचार्य, ए. (2022)। हेमेटाइट नैनोकणों के संश्लेषण के अग्रदूत के रूप में ऑर्गेनोमेटेलिक यौगिक फेरोसीन कार्बोक्साइडहाइड के थर्मल अपघटन में अंतर्दृष्टि। ज़िट्सक्रिफ्ट फर फिजिकालिस्चे केमी , 236(9), 1137-1161।
- रॉय, डी., जुब्को, एम., कुस्ज़, जे., और भट्टाचार्य, ए. (2022)। विभिन्न धातु ऑक्साइडों की ओर ले जाने वाली ठोस अवस्था अपघटन प्रतिक्रिया की प्रकृति पर $\{N [n-C_4H_9]_4\} FeII [C_2O_4]_3\}_\infty$ के Di- और त्रिसंयोजक साइटों पर प्रतिस्थापन का प्रभाव। वर्तमान भौतिक रसायन विज्ञान , 12(3), 216-232।
- पांडे, बी. (2022)। तारकीय प्रभामंडल की टोमोग्राफी: तारकीय प्रभामंडल में अनिसोट्रॉपी हमें क्या बताती है ? जर्नल ऑफ कॉस्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स , 2022(10), 058।
- सरकार, पी., पांडे, बी., और सरकार, एस. (2023)। ब्रह्मांडीय वेब में फिलामेंट्स और शीट की अधिकतम सीमा: एसडीएसएस डीआर17 का विश्लेषण। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस , 519(3), 3227-3236।
- दास, ए., पांडे, बी., और सरकार, एस. (2022)। फिलामेंट्स और शीट्स में गैलेक्सी इंटरैक्शन: स्थानीय घनत्व बनाम बड़े पैमाने की संरचनाओं का प्रभाव। खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में अनुसंधान , 23, 025016।
- कोरा, एम., और मंडल, एस. (2022)। डॉपलर-मुक्त स्थिति के तहत डबल-लैम्ब्डा-प्रकार चार-स्तरीय प्रणाली में फैलाव रहित अवशोषण, फैलाव रहित उत्सर्जन और दो-फोटॉन फैलाव। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस , 137(1), 1-17।
- बायेन, डीके, और मंडल, एस. (2022)। सुसंगत प्रकाश के क्वांटम चरण के उतार-चढ़ाव पैरामीटर एक हार्मोनिक रूप से संचालित क्वार्टिक एन्हांमोनिक ऑसिलेटर से जुड़े होते हैं। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस , 137(3), 315।
- मंडल, एस., कोरा, एम., बायेन, डीके, और साहा, केसी (2022)। सुधार: समय पर निर्भर जटिल आवृत्तियों के शास्त्रीय और क्वांटम ऑसिलेटर का बिल्कुल हल करने योग्य मॉडल: सुसंगत क्षेत्र के निचोड़ने वाले गुण। ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स , 52(3), 77।
- मुखोपाध्याय, ए., और मंडल, एस. (2022)। एक्साइटन प्रेरित एक्साइटन-वैक्यूम क्षेत्र इंटरैक्शन में गैर-शास्त्रीय और क्वांटम चरण गुण। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस , 137(7), 1-12।
- सिन्हा, टी., आलम, एम., मुखोपाध्याय, ए., मंडल, एस., और हसन, एसएस (2022)। एक गैर-अपक्षयी पैरामीट्रिक एम्पलीफायर के गैर-शास्त्रीय गुण। ऑप्टिक , 271, 170040।
- बायेन, डीके, और मंडल, एस. (2023)। पॉल ट्रैप में आयन के निचोड़ने और गतिशील व्यवहार पर सूक्ष्म गति का प्रभाव। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस , 138(3), 1-9।

- रॉय, एन., गोस्वामी, एस., और दास, एस. (2022)। सर्वोत्कृष्टता या प्रेत: हबल पैरामीटर के सामान्य पैरामीट्रिजेशन के माध्यम से अदिश क्षेत्र डार्क एनर्जी मॉडल का अध्ययन। डार्क यूनिवर्स का भौतिकी , 36, 101037।
- मंडल, एस., दास, डी., डे, पी., भट्टाचार्य, डी., और बंद्योपाध्याय, ए. (2022)। तीन-फोटॉन उत्तेजना प्रक्रिया में विद्युतचुंबकीय रूप से प्रेरित पारदर्शिता, संकीर्ण अवशोषण और क्षणिक प्रतिक्रिया। ऑप्टिक , 265, 169410।
- गरेन, एस., बंद्योपाध्याय, ए., भट्टाचार्य, डी., मंडल, एस., और रॉय, एस. (2023)। डिजिटल नियंत्रण के साथ सरल उच्च परिशुद्धता डायोड लेजर प्रणाली। एप्लाइड ऑप्टिक्स , 62(4), 956-963।
- साहा, एस., और मंडल, एसके (2022)। अनडोपड और (Zn, Mn) डोपड Fe (फेन) 2 (NCS) 2 स्पिन-क्रॉसओवर पतली फिल्मों में मेथनॉल सेंसिंग विशेषताएँ। सामग्री आज: कार्यवाही , 66, 3387-3391।
- साहा, एस., चंद्रा, पी., और मंडल, एसके (2022)। कार्टज पर (एमएन, जेडएन) डोपड Fe (फेन) ₂ (एनसीएस) ₂ आणविक पतली फिल्म नैनोक्रिस्टल में स्पिन राज्य अस्थिरता। फिजिका बी: संघनित पदार्थ , 642, 414128।
- चंद्रा, पी., साहा, एस., और मंडल, एसके (2022)। सीसा रहित Br डोपड पेरॉक्साइड्स (CH₃NH₃)₃Bi₂Cl₉ और (CH₃NH₃)₃Bi₂Br_xCl_{9-x} की आवृत्ति और तापमान पर निर्भर ढांकता हुआ विशेषताएँ। सामग्री आज: कार्यवाही , 66, 3302-3306।
- चंद्रा, पी., साहा, एस., और मंडल, एसके (2022)। Br-डॉपड सीसा रहित मिथाइलमोनियम बिस्मथ क्लोराइड (CH₃NH₃)₃Bi₂Br_xCl_{9-x} का एक ढांकता हुआ अध्ययन। एप्लाइड फिजिक्स ए , 128(6), 541।
- मंडल, एस., मोदक, एम., माजी, बी., मंडल, एसके, घोष, बी., साहा, एस., सरदार, एम. और बनर्जी, एस. (2022)। Cu-डोपड पायरोक्लेर इरिडेट Eu₂(Ir_{1-x}Cu_x)₂O₇ में चुंबकीय और परिवहन गुणों का विकास। भौतिक समीक्षा B, 105(15), 155113।
- चंद्रा, पी., और मंडल, एसके (2022)। सीसा रहित पेरॉक्साइड सौर सेल के लिए आकृति विज्ञान नियंत्रित (CH₃NH₃)₃Bi₂Cl₉ पतली फिल्म। फिजिका बी: संघनित पदार्थ , 625, 413536।
- बसुनिया, एमएस, और चक्रवर्ती, ए. (2022)। A=24 के लिए परमाणु डेटा शीट। परमाणु डेटा शीट , 186, 3.
- शील, आर., बनर्जी, के., रॉय, पी., साधुखान, जे., राणा, टी.के., मुखर्जी, जी., कुंडू एस., घोष टी.के., मन्ना एस., सेन, ए., पांडे, आर. चक्रवर्ती , ए., पंडित, डी., मुखोपाध्याय, एस., मंडल, डी., पॉल, डी., भट्टाचार्य, सी. और भट्टाचार्य, एस. (2022)। A≈ 120 द्रव्यमान क्षेत्र पर परमाणु स्तर के घनत्व की आइसोस्पिन निर्भरता। भौतिकी पत्र बी , 831, 137145।
- सोहेल, मोहम्मद अमीर, मंडल, अभिजीत, सान्याल, दिर्था, और सेनगुप्ता, अस्मिता, (2023)। डीएससी और पीएलएस का उपयोग करके एबीएस/पीए6 पॉलिमर मिश्रण की मिश्रणीयता का अध्ययन किया गया। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही (उत्पादन पर)
- मंडल, अभिजीत, डॉ. सोहेल, मोहम्मद आमिर, पी, डॉ. मोहम्मद आरिफ, थॉमस, प्रो. साबू, सेनगुप्ता, प्रो. अस्मिता, (2023)। पीसी/पीपी (80/20) के गैर-आइसोथर्मल क्रिस्टलीकरण कैनेटीक्स पर कार्बन नैनो ट्यूब का प्रभाव। जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च (संचारित, 2023)
- मंडल, एस, रायचौधरी, बी., देवांगन, जीसी, और बेरी, ए. (2022)। एक्स-रे क्षणिक XTE J1739-285 से हार्ड पावर-लॉ स्पेक्ट्रल कटऑफ और डिस्क प्रतिबिंब सुविधाओं का साक्ष्य। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस , 516(1), 1256-1262।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या
(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय): 29

रसायन शास्त्र विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- **नेट जेआरएफ:** बिजॉय रुद्र, सिरशेंदु घोष, अनुप मंडल, सुप्रियो साहा, सुदीप मंडल, पौलमी चक्रवर्ती, सौगत साहा, संचारी सरकार, शुभ्रा मोहन दास, अद्रीश दास,
- **नेट एलएस:** अमरेंद्र घोष
- **गेट:** शुभ्रा मोहन दास, अद्रीश दास, सायंतनी बर्मा, नाज़िया सुल्ताना, पिकी लांबा, पिटू कर्मकार, शुभदीप कर्माकर, गेराल्ड लेप्पा, सौविक दास, बसंत भुइना, सैकत बाग, सुदीप्त पाल, चंदन लारू, सुभम गुप्ता, कौशिक मंडल, प्रजना पारमिता पाल, प्रीतम भौमिक, सुस्मिता विश्वास, शक्तिपद बारिक, नीलाग्रिबा दास, अनन्या विश्वास
- **टीआईएफआर प्रवेश परीक्षा:** नीलाग्रिबा दास, अनन्या विश्वास, सुभादीप नंदी, सत्यजीत सामंत
- **JAM 2023:** रोहेल हक, अनुपम दत्ता, अधिपा दास, रतन देबनाथ, कल्याणी बागड़ी, स्नेहाशीष माजी, सयंतनी गार्गेया, सुदीप्त दत्ता, नीलाग्रिबा दास

विभागीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएँ: (वक्ता, सेमिनार का शीर्षक, तिथि)

विभागीय सेमिनार

- 11.06.2022. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), हैदराबाद, भारत में रसायन विज्ञान और रासायनिक जीव विज्ञान के रीडर डॉ. कल्याणेश्वर मंडल ने गूगल मीट के माध्यम से "मलेरिया परजीवियों द्वारा लाल रक्त कोशिका के आक्रमण को रोकने के लिए **मिरर-इमेज** प्रोटीन" विषय पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।
- 28.05.2022. भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई के वरिष्ठ प्रोफेसर और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटी) मोहाली, भारत के सहायक संकाय प्रोफेसर हिरेंद्र नाथ घोष ने गूगल मीट के माध्यम से "पेरोव्स्काइट्स मैटेरियल्स में अल्ट्राफास्ट पोलारोन डायनेमिक्स" विषय पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।
- 10.02.2023. डॉ. सुमन गांगुली, एप्लाइड केमिस्ट्री और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश ने " **ओफियोरिज़ा जीनस की पत्ती के अर्क का उपयोग करके तैयार किए गए सिल्वर नैनोकणों के पर्यावरण**-अनुकूल आकार-नियंत्रित संश्लेषण और जैविक गतिविधि" पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

- 19.02.2023. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर), मोहाली, पंजाब, भारत के मेडिसिनल केमिस्ट्री विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. प्रसाद वी. भारतम ने गूगल मीट के माध्यम से "एज़ाइन्स का उपयोग करके ऑर्गेनोकेटलिसिस और ऑर्गेनोमेटेलिक कैटेलिसिस" विषय पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कागजात की अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति की।

- 06.01.2023-07.01.2023. प्रोफेसर प्राणेश चौधरी ने बर्दवान विश्वविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस, 2022-23 में "धातु-निर्देशित फोटोक्रोमिज्म: स्पेक्ट्रोकिनेटिक, थर्मोडायनामिक और सैद्धांतिक विश्लेषण" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।, पश्चिम बंगाल सरकार।
- 03.02.2023-04.02.2023. प्रोफेसर प्राणेश चौधरी ने भारतीय रासायनिक समाज और टीएमबीयू, भागलपुर बिहार द्वारा पर्यावरण के रसायन विज्ञान और मानव सभ्यता के उद्धार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आणविक कीपैड लॉक के लिए धातु-निर्देशित फोटोक्रोमिक प्रणाली: प्रायोगिक निष्कर्ष और सैद्धांतिक समझ" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17.03.2023-18.03.2023. प्रोफेसर प्रणब सरकार ने रसायन विज्ञान विभाग आईआईएसईआर भोपाल द्वारा आयोजित सातवें इन-हाउस संगोष्ठी "INTeRaCTIONS 2023" में फोटोवोल्टिक और फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोग के लिए कार्यात्मक सामग्रियों की इन-सिलिको डिजाइनिंग पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 26.03.2023-27.03.2023. प्रोफेसर प्राणेश चौधरी ने दुर्गापुर गवर्नमेंट कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला में "शिफ बेस मेटल कॉम्प्लेक्स में उत्साहित राज्य इंटर-आणविक प्रोटॉन ट्रांसफर: मैकेनिस्टिक पहलू और भविष्य की संभावनाएं" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 16.12.2022-18.12.2022. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी ने रसायन विज्ञान और रासायनिक जीवविज्ञान विभाग में भारतीय रसायन सोसायटी (आईसीएस) द्वारा रसायनज्ञों के 59वें वार्षिक सम्मेलन (एसीसी) में हरित-दृष्टिकोण के तहत कूमारिन के प्रत्यक्ष सीएच कार्यात्मकताओं पर एक आमंत्रित पुरस्कार व्याख्यान दिया: हमारे ईमानदार प्रयासों का पूर्वव्यापीकरण।, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद।
- 10.12.2022. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी ने रसायन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (विषय: रसायन विज्ञान में हालिया प्रगति) में "हरित रसायन विज्ञान का अभ्यास: कार्बनिक संश्लेषण में उभरती तकनीकों के साथ तालमेल कैसे रखें" शीर्षक के साथ एक आमंत्रित व्याख्यान (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में) दिया। रसायन विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा, 6-19 दिसंबर 2022।
- 14.05.2022. डॉ. अलकनंदा हाजरा ने सेंट जोसेफ कॉलेज (स्वायत्त), कर्नाटक, भारत में "फोटोकैमिस्ट्री में हालिया रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में फोटो, संश्लेषण और रसायन विज्ञान पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 31.08.2022. डॉ. अलकनंदा हाजरा ने भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के रसायन विज्ञान विभाग में इमिडाज़ोहेटेरोसायकल के डिजाइन, संश्लेषण और क्रियाशीलता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 16.12.2022-18.12.2022. डॉ. अलकनंदा हाजरा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद के रसायन विज्ञान और रासायनिक जीवविज्ञान विभाग में इंडियन केमिकल सोसाइटी (आईसीएस) द्वारा रसायनज्ञों (एसीसी) के 59वें वार्षिक सम्मेलन में इमिडाज़ोहेटेरोसायकल के डिजाइन, संश्लेषण और कार्यात्मकता पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 18.11.2022-19.11.2022. डॉ. बिस्वजीत डे ने सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सिक्किम, भारत में सतत विकास के लिए रासायनिक विज्ञान में हरित पहल (ICGICSSD-2022) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 18.11.2022-19.11.2022. डॉ. बिस्वजीत डे ने सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट में सतत विकास के लिए रासायनिक विज्ञान में हरित पहल (ICGICSSD-2022) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक सुपरमॉलेक्यूलर बेनाइन हाइड्रोजेल: नैनो, बायो और नैनो-बायो अनुप्रयोगों की खोज के लिए सॉफ्ट स्कैफोल्ड" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रौद्योगिकी विभाग, सिक्किम, भारत।
- 16.12.2022-18.12.2022. डॉ. बिस्वजीत डे ने केमिस्टों के 59वें वार्षिक सम्मेलन और "रासायनिक विज्ञान में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022" (आरटीसीएस-) में "नैनो और नैनो-जैव प्रौद्योगिकी के लिए 2डी नैनो-मटेरियल आधारित कार्यात्मक सुपरमॉलेक्यूलर जेल-स्कैफोल्ड्स" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। 2022) रसायन विज्ञान और रासायनिक जीवविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम), धनबाद द्वारा आयोजित किया गया।
- 16.12.2022-18.12.2022. डॉ. पृथ्वीदीपा साहू ने इंडियन केमिकल सोसाइटी और रसायन विज्ञान विभाग आईआईटी, धनबाद द्वारा आयोजित केमिस्ट्स के 59वें वार्षिक सम्मेलन-2022 में "पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों की निगरानी और रासायनिक सेंसर का परिचय" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 02.11.2022-04.11.2022. डॉ. प्रदीप डे ने "पॉलिमर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ पॉलिमर एंड एडवांस्ड" विषय पर 16^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मेलेनोमा के उपचार के लिए पी-सेलेक्टिन-लक्षित पीएलजीए-पीईजी नैनोकणों का उपयोग करके बीआरएफ और एमईके इनहिबिटर्स की सह-डिलीवरी" पर एक फ्लैश पोस्टर प्रस्तुति दी। नवाचार, उद्यमिता और उद्योग के माध्यम से सामग्री (एसपीएसआई मैक्रो-2022)" का आयोजन सीएसआईआर-एनसीएल, आईआईएसईआर-पी और एसपीपीयू द्वारा पुणे, भारत में किया गया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षक का नाम: प्रो प्राणेश चौधरी

परियोजना का नाम: वर्णमिति, फ्लोरोसेंट और फोटोकैमिकल जांच के लिए पानी में घुलनशील संयुग्म बहुलक का डिजाइन और संश्लेषण

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 19 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2019-2023, एक वर्ष विस्तारित)

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रणब सरकार
परियोजना का नाम: इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए सहसंयोजक कार्बनिक फ्रेमवर्क (सीओएफ) की कम्प्यूटेशनल जांच

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 24 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रणब सरकार
परियोजना का नाम: संक्रमण धातु प्रेरित कटैलिसीस द्वारा नाइट्रोजन निर्धारण और संभावित मूल्य वर्धित हाइड्रोजनीकृत उत्पाद: एक सैद्धांतिक अन्वेषण

प्रायोजक एजेंसियां: यूजीसी, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 10 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2022-2024)

- शिक्षक का नाम: प्रो. गौतम ब्रह्मचारी
परियोजना का नाम: सीएच फंक्शनलाइजेशन के माध्यम से कार्यात्मक हेटरोसायकल का इलेक्ट्रोसिंथेसिस

प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 46,49,832 /-

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2022-2025)

- शिक्षक का नाम: प्रो. स्वपन कुमार चंद्रा
शीर्षक: प्लेटफॉर्म के रूप में लचीले चलेट्स की खोज --- कीमो- और बायो-सेंसर के रूप में अनुप्रयोग

प्रायोजक एजेंसी: सीएसआईआर

स्वीकृत: रु. 6.0 लाख; लेकिन अब तक करीब 4.8 लाख खर्च हो चुके हैं.

की अवधि : तीन वर्ष (2019-2022)

- शिक्षक का नाम: डॉ. आदिनाथ माजी

अध्याय-2

परियोजना का शीर्षक: हरित पहलुओं में एपॉक्साइड और एज़िरिडीन रसायन विज्ञान पर विशेष जोर के साथ कार्बनिक संश्लेषण में ऑर्गेनोकैटलिस्ट के रूप में इमिडाज़ोलियम आधारित ज़िचटरियन और आयनिक तरल की तैयारी और अनुप्रयोग

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 22,00,000/-

की अवधि: तीन वर्ष (2019-2022)

- शिक्षिका का नाम: डॉ. नाज़नीन आरा बेगम

परियोजना का नाम: अमाइलॉइड प्रोटीन के विघटन की दिशा में छोटे अणु आधारित फ्लोरोसेंट एंटीऑक्सिडेंट की भूमिका को उजागर करना: अमाइलॉइड एकत्रीकरण का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एक अध्ययन

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार। पश्चिम बंगाल का

स्वीकृत राशि: रु. 4,30,000/-

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2023)

- शिक्षक का नाम: डॉ. अलकनंदा हाजरा

परियोजना का नाम: डाइऑक्सीजन-ट्रिगर रेडिकल-आधारित ऑक्सीडेटिव डिफंक्शनलाइजेशन प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, डीएसटी, नई दिल्ली।

प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 46 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2020-2023)

- शिक्षक का नाम: डॉ. अलकनंदा हाजरा

परियोजना का नाम: इलेक्ट्रोकेमिकल उत्पादन और ऑक्सीजन-केंद्रित रेडिकल्स का उपयोग

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 26 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)

- शिक्षक का नाम: डॉ. मोहम्मद मोतिन शेख

परियोजना का नाम: उच्च एन्ट्रापी स्थिर कार्यात्मक ऑक्साइड का विकास: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, चुंबकीय गुण और सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोग

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 35.93 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)

- शिक्षक का नाम: डॉ. सुदीप कुमार मंडल

परियोजना का नाम: नए लैंथेनाइड युक्त और कुछ अन्य धातु कार्बनिक यौगिकों की फोटोफिजिक्स और ऑप्टिकल उपकरणों के लिए इसका अनुप्रयोग

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि: रु. 20 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)

- शिक्षक का नाम: डॉ. पृथ्वीदीपा साहू

परियोजना का नाम: चिकित्सीय रुचि के महत्वपूर्ण प्रोटीनों को लक्षित और/या लेबल करने के लिए नवीन फ्लोरोसेंट केमोसेंसर का डिजाइन और संश्लेषण

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 51.15 ली

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2021-2024)

- शिक्षक का नाम: डॉ. पृथ्वीदीपा साहू

परियोजना का नाम: पानी में घुलनशील फ्लोरोसेंट केमोसेंसर: फ्यूरीन, पाइरीडीन डेरिवेटिव और न्यूक्लियोटाइड के साथ विशिष्ट पहचान के लिए उनके जैविक अनुप्रयोग का डिजाइन, संश्लेषण और अन्वेषण।

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 22 एल

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2019-2022)

- शिक्षक का नाम: डॉ. बिप्लब राजवंशी

अध्याय-2

परियोजना का शीर्षक: समर्थित धातु ऑक्साइड उत्प्रेरक पर ओलेफिन मेटाथिसिस की क्रांटम यांत्रिक जांच: उन्नत प्लास्टिक से ईंधन रूपांतरण की ओर एक कदम

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 32.21 लाख

परियोजना की अवधि: 2 वर्ष (2022-2024)

- शिक्षक का नाम: डॉ. बिप्लब राजवंशी

धातु और धातु ऑक्साइड उत्प्रेरक पर कैटेलिटिक डीहाइड्रोजनेशन और ऑक्सीडेटिव डीहाइड्रोजनेशन के माध्यम से अल्केन्स से अल्केन्स निर्माण की क्रांटम यांत्रिक खोज : प्लास्टिक को ईंधन में बदलने की एक नई पहल

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 41.82 लाख

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (2023-2025)

- शिक्षक का नाम: डॉ. प्रदीप डे

परियोजना का शीर्षक: ग्लिसरॉल आधारित एम्फिलिक पॉलीथियोरेथेन का संश्लेषण, स्व-संयोजन और जैविक अनुप्रयोग

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली, भारत

स्वीकृत राशि: रु. 32.97 लाख

परियोजना की अवधि: 2 वर्ष (2022-2024)

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

- 25.02.2023. विभाग ने अपना 11^{वाँ} पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित किया।

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ

- 2023. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी को डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) डिग्री (विश्वभारती) से सम्मानित किया गया है।
- 2021. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी को इंडियन केमिकल सोसाइटी की ओर से डॉ. बासुदेव बनर्जी मेमोरियल अवार्ड (रासायनिक विज्ञान में योगदान) से सम्मानित किया गया है।

- 2022. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी को शीर्ष 2% वैज्ञानिकों (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित कार्बनिक रसायन विज्ञान श्रेणी) की विश्व रैंकिंग की सूची में शामिल किया गया है (दोनों सूचियों में: संपूर्ण कैरियर, और एकल नवीनतम वर्ष)
- 2023. प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी को एडी वैज्ञानिक सूचकांक 2023 वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग में शामिल किया गया है।
- प्रोफेसर गौतम ब्रह्मचारी एल्सेवियर बुक सीरीज़ (प्राकृतिक उत्पाद औषधि खोज) में संपादक के रूप में कार्यरत हैं।
- प्रो. गौतम ब्रह्मचारी करंट ग्रीन केमिस्ट्री के सह-प्रधान संपादक के रूप में कार्यरत हैं
- 2022. डॉ. अलकनंदा हाजरा को कार्बनिक रसायन अनुभाग में "भारत के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग में शामिल किया गया है"।
- डॉ. अलकनंदा हाजरा विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक के रूप में "विज्ञापन वैज्ञानिक सूचकांक 2022 वैज्ञानिकों की विश्व रैंकिंग में प्रदर्शित" (<https://www.adscientificindex.com/scientist/alakanda-hajara/4324436>)
- डॉ. अलकनंदा हाजरा "रसायन विज्ञान के क्षेत्र में शीर्ष 1000 वैज्ञानिक" रहे हैं <https://research.com/u/alakanda-hajara>

प्रकाशन:

अन्य पुस्तकें

ब्रह्मचारी, जी. (सं.). (2023)। माइक्रोबियल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी: उत्पादन, बायोकैटलिसिस और औद्योगिक अनुप्रयोग (द्वितीय संस्करण), अकादमिक प्रेस, लंदन, एल्सेवियर, (आईएसएसबीएन: 9780443190599)

पुस्तक अध्याय

- **चौधरी, पी. एवं बार, एन** (2022)। धातु-निर्देशित फोटोक्रोमिज़म: प्रगति और संभावना। (एडवांस इन मैटेरियल्स साइंस रिसर्च , नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक, खंड 53 मैरीएन सी. विथर्स द्वारा संपादित) **आईएसबीएन** 9798886970968।
- **ब्रह्मचारी, जी.** (2022)। ऑर्गेनोफॉस्फोरस रसायन विज्ञान में हरित सिंथेटिक दृष्टिकोण: हालिया विकास, इन। आरएससी विशेषज्ञ आवधिक रिपोर्ट - ऑर्गेनोफॉस्फोरस रसायन-खंड। 51 , संपादक: डेविड डब्ल्यू. एलन, डेविड लोक्स, जॉन टेबी, पीपी. 398-414। डीओआई: डीओआई: 10.1039/9781839166198-00398
- **ब्रह्मचारी, जी.** (2022)। माइक्रोबियल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी: उत्पादन, बायोकैटलिसिस, और औद्योगिक अनुप्रयोग - एक सिंहावलोकन, इन। माइक्रोबियल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी: उत्पादन, बायोकैटलिसिस और औद्योगिक अनुप्रयोग (द्वितीय संस्करण), अकादमिक प्रेस, लंदन, एल्सेवियर, संपादक: जी. ब्रह्मचारी, पीपी. 1-10। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-443-19059-9.00026-8>
- **ब्रह्मचारी, जी.** (2022)। लाइपेज-उत्प्रेरित कार्बनिक परिवर्तन: एक हालिया अद्यतन, इन। माइक्रोबियल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी: उत्पादन, बायोकैटलिसिस और औद्योगिक अनुप्रयोग (द्वितीय संस्करण), अकादमिक प्रेस,

अध्याय-2

लंदन, एल्सेवियर, संपादक : जी. ब्रह्मचारी, पीपी. 297-321। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/B978-0-443-19059-9.00005-0>

- मंडल, एस., सामंता, एस. और **हाजरा, ए.** (2023)। सी-सी और सी-हेटरोएटम बॉन्ड बनाने के लिए आयरन-उत्प्रेरित सी-एच कार्यात्मकता । (सीएच-फंक्शनलाइजेशन की हैंडबुक , देबब्रत मैती द्वारा संपादित। © 2023 विली-वीसीएच जीएमबीएच); डीओआई: 10.1002/9783527834242.chf0048।
- घोष, एस., घोष, डी. और **हाजरा, ए.** (2022)। ज्विटरियोनिक इमिडाज़ोलियम नमक: सिंथेटिक रसायन विज्ञान में एक प्रभावी हरित ऑर्गेनोकैटलिस्ट । (बिमल कृष्ण बानिक और बुबुन बनर्जी द्वारा संपादित ऑर्गेनोकैटलिसिस © 2022 वाल्टर डी ग्रुइटर जीएमबीएच, बर्लिन/बोस्टन; आईएसबीएन 978-3-11-073753-0) <https://doi.org/10.1515/psr-2021-0018>।
- घोष, डी., घोष, एस. और **हाजरा, ए.** (2022)। जलीय माध्यम में इलेक्ट्रोकेमिकल CO₂ कमी के लिए आशाजनक उत्प्रेरक के रूप में सोने के नैनोकण । (असित के. चक्रवर्ती और बुबुन बनर्जी द्वारा संपादित जलीय मध्यस्थ विषम कटैलिसिस ;© 2022 वाल्टर डी ग्रुइटर जीएमबीएच, बर्लिन/बोस्टन; आईएसबीएन 978-3-11-073845-2); <https://doi.org/10.1515/9783110733846-006>।
- घोष, एस. और **हाजरा, ए.** (2022)। दृश्यमान-प्रकाश-मध्यस्थ धातु-मुक्त सी-सी बंधन निर्माण प्रतिक्रियाएं। (ग्रीन-बॉन्ड बनाने वाली प्रतिक्रियाएं, राकेश कुमार शर्मा और बुबुन बनर्जी द्वारा संपादित © 2022 वाल्टर डी ग्रुइटर जीएमबीएच, बर्लिन/बोस्टन; आईएसबीएन 978-3-11-075949-5) <https://doi.org/10.1515/psr-2021-0087>

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/ रेफरीड /यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

एकल लेखक

- दास, ए., और **दास, एके** (2022)। कोविड-19 और सीओपीडी रोगियों की सांस लेने के लिए पोर्टेबल मेडिकल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स में जिओलाइट और प्रेशर स्विंग सोखना के साथ चतुष्कोणीय इंटरैक्शन, रेजोनेंस, 27 (8), 1387-1409। <https://doi.org/10.1007%2Fs12045-022-1433-z>
- दास, ए., दास, यू., और **दास, एके** (2023)। भारी तत्वों और उनके यौगिकों के रासायनिक बंधन गुणों पर सापेक्ष प्रभाव, समन्वय रसायन विज्ञान समीक्षा , 479, 215000। <https://doi.org/10.1016/j.ccr.2022.215000>
- दास, यू., दास, ए., और **दास, एके** (2023)। पृथ्वी पर जीवित साम्राज्य की रक्षा के लिए मुख्य रूप से अंटार्कटिक स्ट्रेटोस्फियर में ओजोन छिद्र को सीमित करना: प्रकृति के इस अनोखे उपहार के पीछे रसायन विज्ञान, केमिस्ट्री टीचर इंटरनेशनल (आईयूपीएसी), <https://doi.org/10.1515/cti-2023-0006>।
- दास, ए., दास, यू., और **दास, एके** (2022)। हमारी दृष्टि के रसायन विज्ञान के ज्ञान की वर्तमान स्थिति: फोटोरिसेप्टर अणु और दृष्टि चक्र, एशियन जे. ऑर्ग। मेड. रसायन., 7(4), 309-320. <http://doi.org/10.14233/ajomc>.
- मजूमदार, एस.के., रॉय, डी., पाल, एस., बार, एन., रे, ए., बिस्वास, डी., चौधरी, एस., चौधरी, पी. नवीन जल-घुलनशील **चिटोसन** -आधारित "ऑफ-" का संश्लेषण Fe³⁺ और F⁻ आयनों की क्रमिक पहचान के लिए फ्लोरोसेंट जांच पर । ईरानी पॉलिमर जर्नल, 31, 425-439, <https://doi.org/10.1007/s13726-021-01013-9>।

- चौधरी, पी. , रॉय, डी. बहु-उत्सर्जक सिलिकॉन क्वांटम डॉट्स: संश्लेषण, विशेषताएँ और उनकी जैविक और विश्लेषणात्मक प्रासंगिकता। सामग्री विज्ञान बुलेटिन , 45, 143, <https://doi.org/10.1007/s12034-022-02706-4>।
- बार, एन., चौधरी, पी. . रोडामाइन बी आधारित क्रोमिक सामग्रियों में प्रगति और उनकी संभावनाओं पर एक संक्षिप्त समीक्षा। एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक सामग्री , 4, 3749-3771, <https://doi.org/10.1021/acsaelm.2c00107>।
- घोष, ए., मंडल, एस. और सरकार, पी. (2022)। 2डी सजातीय छिद्रित कार्बन नाइट्राइड: अल्ट्राहाई क्षमता वाली ली-आयन बैटरियों के लिए एक कुशल एनोड सामग्री। रसायन. भौतिक. रसायन , 23, e202200182।
- मंडल, एस., खान, बीए और सरकार, पी. (2022)। कुशल फोटोवोल्टिक सामग्री के रूप में 2डी लीड मुक्त रुडल्सडेन-पॉपर चरण पेरोव्स्काइट्स: एक प्रथम-सिद्धांत जांच। गणना. मेटर. विज्ञान. 211, 111545
- घोष, ए., बॉल, बी., पाल. एस. एवं सरकार, पी. (2022) ग्रेफाइटिक-सीएन/डब्ल्यूटीई2 वैन डेर वाल्स हेटरोस्ट्रक्चर में अल्ट्राफास्ट चार्ज ट्रांसफर और विलंबित पुनर्संयोजन: एक टाइम डोमेन एब इनिटियो स्टडी। जे. भौतिक. रसायन. लेट. 13, 7898-7905.
- दास, पी. बॉल, बी. और सरकार, पी. (2022) सोडियम/कैल्शियम आयन बैटरियों के लिए एक आशाजनक एनोड सामग्री के रूप में टेट्राज़िन आधारित सहसंयोजक कार्बनिक फ्रेमवर्क की सैद्धांतिक जांच। भौतिक. रसायन. रसायन. भौतिक. 24, 21729-21739.
- चटर्जी, ओ., रॉय, आर., प्रमाणिक, ए., दत्ता। टी., शर्मा, वी., सरकार, पी. और कोनेर, एएल (2022)। फोटो-रिड्यूस्ड पेरीलीन डायमाइड की गतिशील स्व-संयोजन: कार्बनिक रेडिकल्स से एकल-घटक सफेद प्रकाश उत्सर्जन। सलाह. ऑप्ट. सामग्री . 10, 2201187.
- घोषाल, एस., रॉय, पी., प्रमाणिक, ए. और सरकार, पी. (2022)। फॉर्मिक एसिड में सीओ₂ का आरयू/आरएच उत्प्रेरित चयनात्मक हाइड्रोजनीकरण : एक पहला सिद्धांत माइक्रोकैनेटिक विश्लेषण। कैटल. विज्ञान. तकनीक. 12, 7219-7232.
- सन्निग्रही, एस., घोष, ए., बॉल, बी. और सरकार, पी. (2022)। जल विभाजन के लिए प्रत्यक्ष जेड-स्कीम फोटोकैटलिस्ट के रूप में Ti₂CO₂-WSe₂ हेटरोस्ट्रक्चर की खोज: एक गैर-एडियाबेटिक अध्ययन। जे. भौतिक. रसायन. सी. 126, 20852-20863।
- घोषाल, एस., घोष, ए., रॉय, पी., बॉल, बी. प्रमाणिक, ए. और सरकार, पी. (2022)। इलेक्ट्रोकेमिकल और सौर-चालित एन₂ निर्धारण के लिए एकल-परमाणु/क्लस्टर उत्प्रेरक के कम्प्यूटेशनल डिजाइन में हालिया प्रगति। एसीएस कैटलिसिस । 12, 15541-15575.
- मंडल, एस. और सरकार, पी. (2023)। पी-टाइप बल्क RbX₂Sb (X=K, Na) में अल्ट्रा लैटिस थर्मल कंडक्टिविटी और हाई फिगर ऑफ मेरिट का कम्प्यूटेशनल अन्वेषण। एसीएस आवेदन. ऊर्जा सामग्री . 6, 939-949.
- गनार्ड, ए., बॉल. बी. एवं सरकार, पी. (2023)। मेटलेटेड पोर्फिरीनिक मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग करके मीथेन में सीएच बॉन्ड सक्रियण की ऊर्जा को संशोधित करना। जे. भौतिक. रसायन. लेट. 14, 1832-1839.
- नायेक, एन., कर्माकर, पी., मंडल, एम., कर्माकर, आई. और ब्रह्मचारी, जी. (2022)। फोटोकेमिकल और इलेक्ट्रोकेमिकल रीजियोसेलेक्टिव क्रॉस -डीहाइड्रोजेनेटिव सी (एसपी₂)-एच सल्फेनाइलेशन और प्रतिस्थापित

- बेंजो [ए] फेनाज़िन-5-ओल्स का सेलेनाइलेशन। रसायन विज्ञान का नया जर्नल ,46 , 13483-13497 .
डीओआई: 10.1039/डी2एनजे02224ए
- यादव, टी., विश्वकर्मा, ए.के., ब्रह्मचारी, जी., कर्माकर, आई., यादव, पी., कुमार, एस., महापात्रा, सी., चौधरी, जे., कुमार, आर., पांडे, जीएन, त्रिपाठी, पीके और पाठक, ए. (2022)। एन -एलिल-2-हाइड्रॉक्सी-5-मिथाइल-3-ऑक्सो-2, 3- डिहाइड्रोबेंजोफ्यूरन-2-कार्बोक्सामाइड और इसके मोनोहाइड्रेट क्लस्टर की संरचनात्मक पुष्टि और स्पेक्ट्रोस्कोपिक हस्ताक्षर । जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर , 1267, 133566. doi: 10.1016/j.molstruc.2022.133566
 - दास, एके, हुसैन, यू., घोष, एस., बिस्वास, एस., मंडल, एम., मंडल, बी., ब्रह्मचारी, जी., बागची, ए. और सिल, पीसी (2022)। एसटीजेड-प्रेरित हाइपरग्लाइसेमिक चूहों में ल्यूपॉल द्वारा अग्न्याशय के आइलेट्स में ऑक्सीडेटिव तनाव-मध्यस्थ सृजन और एपोटोसिस में सुधार। जीवन विज्ञान ,305,120769. डीओआई: 10.1016/जे.एलएफएस.2022.120769
 - दास, पी., ब्रह्मचारी, जी., चटर्जी, के. और चौधरी, टी. (2022)। प्राकृतिक स्रोत से सिंथेटिक एंटीऑक्सिडेंट ऑन्कोजेनिक तनाव प्रबंधन प्रणाली से आगे निकल सकते हैं और केएसएचवी-संक्रमित कैंसर कोशिकाओं की तनाव-संवेदनशील मृत्यु को सक्रिय कर सकते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर मेडिसिन , 50: 117. डीओआई: 10.3892/आईजेएमएम.2022.5173।
 - ब्रह्मचारी, जी. एवं कर्माकर, आई. (2022)। विलायक-मुक्त परिस्थितियों में ऑर्गेनोफॉस्फोरस यौगिकों के लिए हरित-प्रेरित सिंथेटिक ड्राइव। आर्किवोक , भाग III, 133-161। डीओआई: 10.24820/आर्क.5550190.पी011.807
 - ब्रह्मचारी, जी., भौमिक, ए. और कर्माकर, आई. (2022)। उत्प्रेरक- और योजक-मुक्त सी (एसपी 3) - परिवेशीय परिस्थितियों में सी-5 डिहाइड्रोजेनेटिव एजा-युग्मन के माध्यम से (थियो) बार्बिट्यूरिक एसिड का एच कार्यात्मककरण । एसिएस ओमेगा , 7, 30051-30063। डीओआई: 10.1021/acsomega.2c03073
 - मंडल, बी., कर्माकर, आई. और ब्रह्मचारी, जी. (2022)। जैविक रूप से आशाजनक प्राकृतिक ऑक्सेपाइन पर एक अद्यतन समीक्षा। रसायन विज्ञान एवं जैव विविधता , 19,e202200484। डीओआई: 10.1002/सीबीडीवी.202200484
 - यादव, टी., ब्रह्मचारी, जी., कर्माकर, आई., साहा, एस., चौधरी, जे., पाठक, ए., कुमार, आर., शर्मा, आर., आरएफ बेंटो, आर. और यादव, एनपी (2022). एन -आइसो-ब्यूटाइल, एस -2-नाइट्रो-1-फेनिलथाइल डाइथियोकार्बामेट - एक डीएफटी दृष्टिकोण द्वारा प्रतिस्थापित इलेक्ट्रॉन-विमोचन कार्यात्मक समूहों की स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच । पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक यौगिक , 42, 6917-6931। डीओआई: 10.1080/10406638.2022.2135546
 - शर्मा, वी., कर्माकर, आई., ब्रह्मचारी, जी. और गुप्ता, वीके (2022)। एन'-एसिटाइल-एन'-फिनाइल-2-नैफथोहाइड्राजाइड का एक्स-रे क्रिस्टल संरचना विश्लेषण। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री , 13(3), 253-258। doi: 10.5155/eurjchem.13.3.253-258.2235
 - नायेक, एन. एवं ब्रह्मचारी, जी. (2023)। दृश्यमान-प्रकाश-मध्यस्थ स्व-संवेदी ऑक्सीडेटिव और रीजियोसेलेक्टिव सी (एसपी 2) - एच सेलेनाइलेशन और प्रतिस्थापित 2-एमिनो-1,4-नैफथोक्विनोन का सल्फेनिलेशन। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री , 26, e202201343। doi: 10.1002/ejoc.202201343

- विश्वकर्मा, ए.के., यादव, टी., पाठक, ए. और **ब्रह्मचारी, जी.** (2023)। C24 और B12N12 फुलरीन के साथ एक सिंथेटिक जैव-प्रासंगिक दवा-अणु की सहभागिता: एक प्रथम-सिद्धांत कांटम रासायनिक जांच। हीरा और संबंधित सामग्री, 132, 109639. doi: 10.1016/j.jcrysgrow.2022.109639
- कर्माकर, पी., कर्माकर, आई., पाल, डी., दास, एस. और **ब्रह्मचारी, जी.** (2023)। इलेक्ट्रोकेमिकल रीजियोसेलेक्टिव सी (एसपी 2)-एच सेलेनाइलेशन और प्रतिस्थापित 2-एमिनो-1,4-नैफथोक्विनोन का सल्फेनाइलेशन। द जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 88, 1049-1060। डीओआई: 10.1021/acs.joc.2c02486
- भौमिक, ए. और **ब्रह्मचारी, जी.** (2023)। $\text{PhI}(\text{OAc})_2/\text{I}_2$ -मध्यस्थ डिकारबोक्सिलेटिव C_4 - परिवेशी परिस्थितियों में $\text{C}_{\text{sp}2}$ -H डिहाइड्रोजेनेटिव C-N क्रॉस-कपलिंग के माध्यम से Coumarin-3-कार्बोक्जिलिक एसिड का संशोधन। यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 26, e202300192। doi:10.1002/ejoc.202300192
- यादव, टी., विश्वकर्मा, एके, मंडल, एम., कर्माकर, आई., पाठक, ए., **ब्रह्मचारी, जी.**, त्रिपाठी, पीके, मद्देशिया, एके, यादव, एनपी और महापात्रा, सी. (2023)। आणविक मॉडलिंग, कंपन संबंधी गतिशीलता और सिंथेटिक जैव-प्रासंगिक वारफारिन एनालॉग का एनबीओ विश्लेषण। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1284, 135347. doi: 10.1016/j.molstruc.2023.135347
- पाल, पी. और दास, जीके (2022), मैकेनिस्टिक अंतर्दृष्टि आईआर (III)-उत्प्रेरित सीएच सक्रिय क्रोमोन उत्पादन में धातु के प्रमुख चरणों और महत्व पर प्रकाश डालती है, कार्बनिक और बायोमोलेक्यूलर रसायन विज्ञान, **20**, 9703-9721। doi: 10.1039/d2ob01785g.
- नाग, एस., प्रमाणिक, के., चट्टोपाध्याय, एमके, मालपहारिया, पी., **चंद्रा, एसके** और बनर्जी, पी. (2023)। ओरिज़ा एसपी से आईए और ओएस की पहचान के लिए एक रणनीतिक रूप से संश्लेषित आर्सेनो-भेदभावपूर्ण टेट्रा-फेनोक्सिडो हेटेरो-ट्रिन्सुक्लियर कॉम्प्लेक्स की कल्पना की गई है। और जलीय क्रिस्टलिन। डाल्टन ट्रांस., मुद्रणालय में। <https://doi.org/10.1039/D3DT00201B>
- सामंता, एस., चटर्जी, आर., सरकार, एस., पाल, एस., मुखर्जी, ए., बुटोरिन, द्वितीय, कोनोवलोवा, ओए, चौधरी, टी., चक्रवर्ती, के., संतरा, एस., ज़िर्यानोव, जीवी और **माजी, ए.** (2022)। ब्रॉस्टेड अम्लीय आयनिक तरल-उत्प्रेरित अग्रानुक्रम प्रतिक्रिया: कम ई-कारकों को प्रभावित करने वाले 4-हाइड्रॉक्सीकोमरिन प्रतिस्थापित इंडोल्स के रीजियोसेलेक्टिव संश्लेषण और आणविक डॉकिंग अध्ययन के लिए एक कुशल और टिकाऊ दृष्टिकोण। (2022) कार्बनिक एवं जैव आणविक रसायन विज्ञान, 20, 9161-9171
- कोवालेव, आईएस, ज़िर्यानोव, जीवी, सैंट्रा, एस., **माजी, ए.**, वराक्सिन, एमवी और चारुशिन, वीएन (2022)। फोलिक एसिड एंटीमेटाबोलाइट्स (एंटीफोलेट्स): सिंथेटिक रणनीतियों और अनुप्रयोग अवसरों पर एक संक्षिप्त समीक्षा। (समीक्षा लेख), अणु, 27, 6229। <https://www.mdpi.com/1420-3049/27/19/6229>
- चंद्रा, बीके, पाल, एस., **माजी, ए.** और भौमिक, ए. (2022)। विलायक मुक्त A3 युग्मन प्रतिक्रिया के लिए एक कुशल उत्प्रेरक के रूप में एजी नैनो कण ग्राफ्टेड झरझरा कार्बनिक बहुलक। आणविक कटैलिसिस, 532, 112686. <https://doi.org/10.1016/j.mcat.2022.112686>
- मुखर्जी, ए., कोपचुक, डीएस, सैंट्रा, एस., **माजी, ए.**, ज़िर्यानोव, जीवी और चुपाखिन, ओएन (2022)। आयरन (iii) अत्यधिक प्रतिस्थापित पाइरोलिल इंडोल्स का क्लोराइड-उत्प्रेरित मैकेनोकेमिकल कैस्केड संश्लेषण। मेंडेलीव कम्युनिकेशंस, 32, 624-626।

- चंद्रा, बीके, **माजी, ए.** और भौमिक, ए. (2022)। जलीय संदूषकों से हानिकारक रंगों को हटाने के लिए मजबूत और पुनः प्रयोज्य अवशोषक के रूप में एक धनायनित झरझरा बहुलक। पर्यावरण विज्ञान: नैनो, 9, 3943-3956। <https://doi.org/10.1039/D2EN00521B>
- ईगोरोव, आईएन, मुखर्जी, ए., सैट्टा, एस., कोपचुक, डीएस, कोवालेव, आईएस, लियू, वाई., ज़िर्यानोव, जीवी, माजी, ए., चुपाखिन, ओएन और रानू, बीसी (2022)। बॉल मिलिंग के तहत यांत्रिक रूप से प्रेरित क्रॉस डीहाइड्रोजेनेटिव युग्मन प्रतिक्रियाएं। (समीक्षा आलेख), उन्नत संश्लेषण एवं उत्प्रेरण, 362, 2462-2478। <https://doi.org/10.1002/adsc.202200296>
- सरकार, एस., डी., ए., संत्रा एस., खलिबद्झा, आईए, ज़िर्यानोव, जीवी, **माजी, ए.** (2022)। विनाइल एज़ाइड्स के साथ क्रिनोन्स के स्पिरोएनुलेशन द्वारा 1-ऑक्सा-4-एज़ा-स्पिरो ऑक्साज़ोलिन का दृश्य-प्रकाश-मध्यस्थ संश्लेषण। ईयूआर। जे. संगठन. केम., 28, पेजएसई202200503। <https://doi.org/10.1002/ejoc.202200503>
- क्रिनोचिन, एपी, स्टारनोव्सकाया, ईएस, वलीवा, एमआई, कोपचुक, डीएस, सैट्टा, एस., स्लीपुखिन, पीए, ज़िर्यानोव, जीवी, माजी, **ए.** और चुपाखिन, ओएन (2022)। एज़ा-डायल्स-एल्डर/एसएनिपसो प्रतिक्रियाओं के माध्यम से साइक्लोपेंटेन-फ्यूज्ड 5'-एरिल-4-साइक्लोएल्काइलामिनो-2, 2'-बाइपिरिडीन का एक-पॉट संश्लेषण।, मेंडेलीव कम्युनिकेशंस, 32(4), 449-451। <https://doi.org/10.1016/j.mencom.2022.07.007>
- मुखर्जी, ए., कोपचुक, डीएस, कोवालेव, आईएस, सैट्टा, एस., वराक्सिन, एमवी, ज़िर्यानोव, जीवी, माजी, **ए.**, चुपाखिन, ओएन और चारुशिन, वीएन (2022)। कैलिक्स[n](het)एरेनेस (n =4,6) का प्रत्यक्ष C-H कार्यकरण : एक संक्षिप्त अद्यतन। (समीक्षा लेख)। रसायन विज्ञान चयन, 7, e202103017। <https://doi.org/10.1002/slct.202103017>
- अर्तम'एव, जीए, रुसिनोव, वीएल, कोपचुक, डीएस, सवचुक, एमएस, सैट्टा, एस., उलोम्स्की, ई., ज़िर्यानोव, जीवी, माजी, ए., डु, डब्ल्यू., चारुशिन, वी. और चुपाखिन, ओएन SARS-CoV2(कोविड-19) (2022)। कार्बनिक एवं जैव-आणविक रसायन विज्ञान, 20(9), 1828-1837। <https://pubs.rsc.org/en/journals/journalissues/ob>
- बिस्वास, एलआरआर, दास, जे. और बैग, बीसी (2022)। चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति में संचालित नम कण की गतिशीलता: आउटपुट सिग्नल का असममित विभाजन। प्रमाण - जे. भौतिक, 96, 191. <https://doi.org/10.1007/s12043-022-02438-4>
- मल्लिक, टी., कर्माकर, ए., कर, एम., दत्ता, एस., मंडल, एसके, मंडल, डी., प्रमाणिक, ए. और **बेगम, एनए** (2022)। कार्बाज़ोल-सजाए गए फ्लोरोसेंट सीडीएस क्रांम डॉट्स: एक संभावित प्रकाश-संचयन सामग्री।, जे। भौतिक। रसायन. ठोस, 2022, 164, 110603. <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2022.110603>
- आरिफ, एसके. एमडी, रॉय, डी., बेरा, ए. और **घोष, एम.** (2022)। गाऊसी सफेद शोर के नेतृत्व में अशुद्धता के ऑप्टिकल लाभ की प्रोफाइल को डोप किए गए क्रांम डॉट्स। फिजिका स्टेटस सॉलिडी बी, 259, 2200035। <https://doi.org/10.1002/pssb.202200035>
- दत्ता, एस., आरिफ, एसके. एमडी, रॉय, डी. और **घोष, एम.** (2022)। अशुद्धता डोप क्रांम डॉट में स्पंदित क्षेत्र प्रेरित उत्तेजना: गाऊसी सफेद शोर के साथ परस्पर क्रिया। फिजिका बी, 643, 414163. <https://doi.org/10.1016/j.physb.2022.414163>

- रॉय चौधरी, पी., सिंघा, डी., सावू, एस., **घोष,एम.** एवं **पाल,एन.** (2022)। सोनोगाशिवा युग्मन प्रतिक्रिया और डेंड्रिमर संश्लेषण में इसका अनुप्रयोग। एशियन जर्नल ऑफ रसायन शास्त्र , 34, 1939-1957. <https://doi.org/10.14233/ajchem.2022.23748>
- रॉय, डी., आरिफ़, एसके. एमडी और **घोष,एम.** (2022)। शोर-अहामोनिकिटी इंटरप्ले द्वारा क्वांटम डॉट के विद्युत और ऑप्टिकल गुणों का मॉड्यूलेशन। ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ भौतिकी , 52, 178. <https://doi.org/10.1007/s13538-022-01174-9>
- दत्ता, एस., आरिफ़, एसके. एमडी, रॉय, डी. और **घोष,एम.** (2022)। पॉलीक्रोमैटिक फील्ड में अशुद्धता डोपड क्वांटम डॉट ईजेनस्टेट्स के बीच उत्तेजना गतिशीलता: गॉसियन व्हाइट शोर की भूमिका। रसायन विज्ञान का चयन करें , 07, ई202202244। doi.org/10.1002/slct.202202244
- आरिफ़, एसके. एमडी, दत्ता, एस., रॉय, डी. और **घोष,एम.** (2022)। चहचहाते स्पंदित क्षेत्र ने शोर के प्रभाव के तहत अशुद्धता डोप किए गए क्वांटम डॉट में उत्तेजना गतिशीलता की शुरुआत की। यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस , 137, 1170. <https://doi.org/10.1140/epjp/s13360-022-03398-9>
- दत्ता, एस., आरिफ़, एसके. एमडी, रॉय, डी. और **घोष,एम.** (2022)। समय-निर्भर शोर शक्ति द्वारा ट्रिगर क्वांटम डॉट ईजेनस्टेट्स के बीच समय-औसत उत्तेजना दर का विश्लेषण करना। फिजिका स्टेटस सोलिडी बी , 259, 2200216। <https://doi.org/10.1002/pssb.202200216>
- रॉय, डी., आरिफ़, एसके. एम.डी., दत्ता, एस. एवं **घोष,एम.** (2022)। शोर-अहामोनिकिटी इंटरप्ले द्वारा क्वांटम डॉट के नॉनलाइनियर ऑप्टिकल गुणों को ट्यून करना। परमाणु , 10, 122. **विशेष अंक जिसका शीर्षक है " अनुसूचक गहन क्षेत्रों में पदार्थ की क्वांटम गतिशीलता "**। <https://doi.org/10.3390/atoms10040122>
- दत्ता, एस., आरिफ़, एसके. एमडी, रॉय, डी. और **घोष,एम.** (2023)। समय-निर्भर एनामोनिक क्षमता द्वारा संचालित क्वांटम डॉट ईजेनस्टेट्स के बीच जनसंख्या स्थानांतरण: शोर की भूमिका। रसायन विज्ञान चयन , 8, e202204212। doi.org/10.1002/slct.202204212
- दत्ता, एस., आरिफ़, एसके. एमडी, रॉय, डी. और **घोष,एम.** (2023)। क्वांटम डॉट में बाहरी क्षेत्र-प्रेरित संक्रमण: शोर-एनामोनिकिटी इंटरप्ले की भूमिका। केमिस्ट्रीसेलेक्ट , 8, ई202203839। doi.org/10.1002/slct.202203839
- दत्ता, एस. एवं **घोष,एम.** (2023)। डोप किए गए GaAs क्वांटम डॉट की उत्तेजना गतिशीलता पर अशुद्धता बंधनकारी ऊर्जा का प्रभाव: शोर की भूमिका। जर्नल ऑफ़ केमिकल साइंस , 135, 15. **विशेष अंक जिसका शीर्षक है " प्रतिक्रिया मार्गों, रासायनिक प्रतिक्रियाशीलता और जैविक प्रणालियों में संरचना और गतिशीलता की परस्पर क्रिया "**। <https://doi.org/10.1007/s12039-023-02137-6>
- पाल, पीपी, घोष, एस. और **हाजरा,ए.** (2023)। एल्कीन और एल्काइन के कार्बोसिलिलेशन में हाल की प्रगति। संगठन. बायोमोल. रसायन. , 21, 2272. डीओआई: 10.1039/डी3ओबी00230एफ
- घोष, एस., पायने, पी., घोष, ए., चौधरी, एस. और **हाजरा,ए.** (2023)। दृश्य-प्रकाश-प्रेरित कैस्केड प्रतिक्रिया: आणविक जटिलता के प्रति एक स्थायी दृष्टिकोण। संगठन. बायोमोल. रसायन. , 21 , 1591. डीओआई: 10.1039/डी2ओबी02062ए

- लारू, एस., भट्टाचार्य, एस. और **हाजरा**, ए. (2022)। दृश्य-प्रकाश-प्रेरित एमएन(0)-उत्प्रेरित प्रत्यक्ष सी-3 मोनो-, डी- और 2 एच- इंडाज़ोल की पेरफ्लुओरोएल्काइलेशन प्रतिक्रियाएं। रसायन. कम्यून. 58, 13604. डीओआई: 10.1039/डी2सीसी05021एच
- घोष, एके, नियोगी, एस., दास, के. और **हाजरा**, ए. (2022)। परिवेश के तापमान पर एज़ोल्स के साथ एल्लिहाइड हाइड्राज़ोन का ऑर्गेनोकेटलिटिक ऑक्सीडेटिव सी-एच संशोधन। जे. संगठन. रसायन. ,87, 5682. <https://doi.org/10.1021/acs.joc.1c03146>
- घोष, पी. और **हाजरा**, ए. (2022)। इलेक्ट्रोलाइट-मुक्त स्थितियों के तहत 2H-इंडैज़ोल का इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से सक्षम डीहाइड्रोजेनेटिव फॉस्फोरोथिओलेशन। एडवोकेट सिंथ कैटल, 364, 4157. <https://doi.org/10.1002/adsc.202200932>
- भट्टाचार्य, एस., लारू, एस. और **हाजरा**, ए. (2022)। हाइपरवैलेंट आयोडीन (III)-इंडैज़ोलिल इंडैज़ोलोन की ओर 2H-इंडैज़ोल का मध्यस्थ ऑक्सीडेटिव डिओरोमैटाइजेशन। संगठन. बायोमोल. रसायन. ,20, 8893. DOI: 10.1039/d2ob01776h
- मंडल, के., एस. घोष. और **हाजरा**, ए. (2022)। 2-एरिलकिनॉक्सालिन्स का संक्रमण-धातु-उत्प्रेरित ऑर्थो सी-एच क्रियाशीलता। संगठन. बायोमोल. रसायन. ,20, 7361. DOI: 10.1039/d2ob01119k
- घोष, एस., घोष, ए., पायने, ए. और **हाजरा**, ए. (2022)। असममित C(sp³)-H बोरिलेशन: एक अद्यतन। संगठन. बायोमोल. रसायन. ,20, 4496. DOI: 10.1039/d2ob00688j
- रहमान, एम., घोष, एस., भट्टाचार्य, डी., ज़िर्यानोव, जीवी, बागड़ी, एके और **हाजरा**, ए. (2022)। माइक्रोवेव-असिस्टेड क्रॉस-कपलिंग प्रतिक्रियाओं में हालिया प्रगति। एशियाई जे. संगठन. रसायन.,e202200179. <https://doi.org/10.1002/ajoc.202200179>
- घोष, एस., पायने, पी., घोष, ए. और **हाजरा**, ए. (2022)। ऑर्थो सी-एच 2-एरिल-2 एच -इंडाज़ोल की कार्यप्रणाली। रसायन. Rec., 22,doi.org/10.1002/tcr.202200158।
- दास, केके, घोष, एके और **हाजरा**, ए. (2022)। मैंगनीज (I)-कैटलिसिस द्वारा जलीय माध्यम में 2-एरिलिंडाज़ोल का अंतिम चरण ऑर्थो -सी-एच अल्केनाइलेशन। आरएससी सलाहकार. ,12, 19412. डीओआई: 10.1039/डी2आरए03547बी
- दास, आर., पाल, एस., भट्टाचार्य, एस., चौधरी, एस., सुपिन, के.के., वसुंधरा, एम., गायन ए., और **शेख**, एमएम (2023)। उच्च एन्ट्रॉपी स्थिरीकृत फेरोमैग्नेटिक मैंगनीज पेरोव्स्काइट में आयनिक आकार और आकार विकार पैरामीटर के प्रभाव पर व्यापक विश्लेषण। भौतिक. रेव सामग्री, 7, 024411. doi:10.1103/PhysRevMaterials.7.024411
- साहा, एम., मुखर्जी, एस., बेरा, पी., **शेख**, एमएम और गायन, ए. (2022)। सीटीएबी-सहायता प्राप्त हाइड्रोथर्मल विधि द्वारा संश्लेषित स्पिनल एमएफई₂ ओ 4 (एम = सीओ और जेडएन) नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल, ढांकता हुआ और चुंबकीय गुण। सेरम. इंटर., 48, 35719-35732. Doi: 10.1016/j.ceramint.2022.07.058
- **शेख**, एमएम, कैमार्ट, वी., पेरेज़, ओ., वेइलॉन, एफ., साकली, एन., हार्डी, वी., और रेव्यू बी. (2022)। स्टोइकोमेट्रिक स्पिन चैन ऑक्साइड में एकल आयन और एकल श्रृंखला चुंबकत्व के बीच प्रतिस्पर्धा [एसआर₄ एमएन₂ सीओओ₉] एन [एसआर₅ एमएन₃ सीओओ₁₂]। जे. सॉलिड स्टेट केम., 313, 123278. doi: 10.1016/j.jssc.2022.123278

- भट्टाचार्य, एस., दास, आर., कुंडू, एके, **शेख**, एमएम (2022)। ^{21142} मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कैबाको₄ ओ₇ में चुंबकत्व पर निकेल डोपिंग की उच्च संवेदनशीलता । जे मैग्न. मैग्न. मेटर., 557, 169466. डीओआई: 10.1016/जे.जेएमएम.2022.169466
- भट्टाचार्य, एस., दास, आर., हक, ए., कुंडू, एके, और **शेख**, एमएम (2022)। "112"-लेयर्ड डबल पेरोव्स्काइट्स $Y_{1-x}Ln_xBaCo_2O_{5.50\pm\delta}$ (Ln = sm, Eu और Gd; x = 0, 0.5 और 1) में मजबूत धातु-इन्सुलेटर संक्रमण। जे। अलॉय कॉम्पड्स।, 914, 165147. doi: 10.1016/j.jallcom.2022.165147
- हक, ए., भट्टाचार्य, एस., दास, आर., हुसैन, ए., गायेन, ए., कुंडू, एके, वसुंधरा, एम., और **शेख**, एमएम (2022)। कोबाल्ट फेराइट पेरोव्स्काइट ऑक्साइड $LaCo_{0.5}Fe_{0.5}O_3$ के संरचनात्मक और चुंबकीय गुणों पर द्वि डोपिंग का प्रभाव । सेरम. इंटर., 48 (11), 16348-16356। Doi: 10.1016/j.ceramint.2022.02.185
- पेरेज़, ओ., कैग्राट, वी., साकली, एन., शेख, **एम.एम.**, बोउले, पी., हार्डी, वी., और रवेउ, बी. (2022)। डिमेरिक और ट्राइमेरिक पॉलीहेड्रल इकाइयों से निर्मित समग्र स्पिन श्रृंखला संरचनाएं: ऑक्साइड $E_{1+y}[E_{1-x}Co_{1-x}O_3]_{1-z}O_3$ (E = सीए, सीनियर; एक्स = 3/8)। रसायन. मेटर., 34, 2361-2375. doi: 10.1021/acs.chemmater.1c04360
- घोष, एम., सेपे, एन., शोल्मेयर, डी., साकियामा, एच., मिकुरिया, एम., माल, डी., गायेन, ए., शेख, **एमएम**, और साहा, एस. (2022)। स्पेसर्स ने हेटेरोबिमेटेलिक कॉपर (II)-लैथेनाइड (III) [एलएन = एनडी और जीडी] भागों की स्व-संयोजन का निर्देशन किया : संश्लेषण, संरचनात्मक विविधताएं और चुंबकीय गुण। पॉलीहेड्रॉन, 216, 115718. doi: 10.1016/जे.पॉली.2022.115718
- घोराई, के., पांडा, ए., हुसैन, ए., भट्टाचार्य, एम., चक्रवर्ती, एम., भट्टाचार्य, एसके, शो, बी., सरकार, ए., बेरा, पी., किम, एच., शेख, एमएम, और गेयन, ए. (2022)। $LaNiO_3/gC_3N_4$ नैनोकम्पोजिट: प्रत्यक्ष सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार के लिए एक कुशल Z-स्कीम फोटोकैटलिस्ट। जे. रेयर अर्थ्स, 40, 725-736। doi: 10.1016/j.jre.2021.04.013
- किस्कू, टी., पॉल, के., **सिंह**, बी., दास, एस., मुखर्जी, एस., कुंडू, ए., रथ, ए. और दास, आर. (2022)। संभावित चिकित्सीय एजेंट के रूप में $Cu(II)$ -कैफीन कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण : एंटीऑक्सीडेंट, कैसररोधी और औषधीय गतिविधियों पर अध्ययन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 364, 119897. doi : 10.1016/j.molliq.2022.119897.
- **सिंह**, बी. और दास, आर. (2022)। ट्रोल्क्स के साथ धातु से जुड़े सुपरऑक्साइड की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियों के लिए यंत्रवत दृष्टिकोण। कैनेडियन जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री, 101, 254-259, डीओआई :10.1139 /सीजेसी-2022-0189।
- मजूमदार, एस., डे, ए., बंधोपाध्याय, ए., लेप्चा, जी., मंडल, आरके, गुप्ता, वीके, रे, पीपी और **डे**, बी. (2023)। हैलाइड-विशिष्ट सुपरमॉलिक्यूलर आर्किटेक्चर की संरचनात्मक इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक गुण: एच₅ ओ₂⁺ को स्थिर करने और सेमीकंडक्टिंग फोटोरेस्पॉन्सिव डायोड के निर्माण के लिए प्रभावी, जे. फिज़। रसायन. सी, 127, 3417-3431। <https://pubs.acs.org/doi/abs/10.1021/acs.jpcc.2c07742>
- मजूमदार, एस., पाल, बी., लेप्चा, जी., दास, के.एस., पाल, आई., रे, पीपी और **डे**, बी. (2023)। विभिन्न एलिफैटिक एमाइन-आधारित रैपिड सेल्फ-हीलिंग एमजी (ओएच)₂ मेटलोजल्स की स्थापना: आकृति विज्ञान, रियोलॉजी और

- दिलचस्प सेमीकंडक्टिंग शोटकी डायोड विशेषताओं की खोज, न्यू जे. केम। , 47, 4752-4760. डीओआई: <https://doi.org/10.1039/D2NJ06029A>
- मजूमदार, एस., डे, ए., साहू, आर., लेप्पा, जी., डे, ए., रे, पीपी और **डे,बी.** (2023)। संतोषजनक सुधार अनुपात के साथ प्रकाश-संवेदनशील धातु-अर्धचालक जंक्शन प्रकार शोटकी डायोड के निर्माण के लिए एक सुगंधित एसिड आधारित सुपरमॉलेक्यूलर Zn(II)-मेटालोजेल, सामग्री अनुसंधान बुलेटिन , 157, 112003। <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0025540822002744>
 - मजूमदार, एस., लेप्पा, जी., अहमद, केटी, पाल, आई., बिस्वास, एसआर और **डे,बी.** (2022)। Cd(II) और Zn(II) के स्कैरिक एसिड चालित सुपरमॉलेक्यूलर मेटलोजेल : मल्टी-ड्रग प्रतिरोध के लिए संवेदनशील अवरोधक ESKAPE रोगजनकों, जर्नल ऑफ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स , 368, 120619। <https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S0167732222021584>.
 - लेप्पा, जी., सिंघा, टी., मजूमदार, एस., प्रधान, एके, दास, केएस, दत्ता, पीके और **डे,बी.** (2022)। सह(II) और Ni(II) के एडिपिक एसिड निर्देशित स्व-उपचार योग्य सुपरमॉलेक्यूलर मेटलोजेल्स : तीसरे क्रम के ऑप्टिकल गैर-रेखितता, डाल्टन ट्रान्स के संदर्भ में तुलनात्मक ऑप्टिकल-घटना के लिए दिलचस्प मचान। , 51, 13435-13443. (गर्म लेख) डीओआई: <https://doi.org/10.1039/D2DT01983C>
 - मजूमदार, एस., पाल, बी., साहू, आर., दास, केएस, रे, पीपी और **डे,बी.** (2022)। हेक्सागोनल बोरान नाइट्राइड के बिखरे हुए 2डी-नैनोशीट्स के साथ एक क्रोकोनेट-निर्देशित सुपरमॉलेक्यूलर स्व-उपचार योग्य सीडी (II)-मेटालोजेल: चार्ज-ट्रांसपोर्ट घटना और अर्धचालक डायोड के गैर-रेखीय सुधारक व्यवहार का तुलनात्मक परिणाम, डाल्टन ट्रान्स। , 51, 9007-9016. <https://doi.org/10.1039/D2DT01206E>
 - मजूमदार, एस., लेप्पा, जी., साहू, आर. और **डे,बी.** (2022)। एक सुगंधित डाइकार्बोक्सिलिक एसिड-ग्राफ्टेड सुपरमॉलेक्यूलर सीडी (II)-मेटालोजेल की खोज: MoS₂, MoSe₂, WS₂, GO, और h(BN) 2D नैनोशीट्स-छित्री हुई बहुमुखी सुपरमॉलेक्यूलर जेल-नैनो कंपोजिट, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री प्राप्त करने के लिए यांत्रिक रूप से लचीली सामग्री ठोस पदार्थों का , 170, 110903। <https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S0022369722003298>
 - सरकार, एस., सिंघा, डीके, माजी, पी., डागा, पी. **मंडल**, एसके और महता, पी. (2022)। एक समन्वय पॉलिमर (सीपी) के भीतर ज्विटरियोनिक कार्बोमेट के रूप में सीओ 2 का स्थिरीकरण: टीबी-सीपी समग्र का संश्लेषण, संरचना और आयन संवेदन व्यवहार। CrystEngComm 24, 5890-5899।
 - कुंडू, एस., ट्रौंग, के.एन., साहा, एस., रिसेनन, के. और **साहू,पी.** (2022)। टूथपेस्ट में एसएन (II) की पहचान के लिए एक आसान और सुलभ उपकरण । वैज्ञानिक रिपोर्ट , 12, 2305. doi.org/10.1038/s41598-022-06299-0
 - मंडल, एस., डे भौमिक, ए., मुखुति, ए., कुंडू, एस., टूऑंग, के., रिस्सानेन, के., चट्टोपाध्याय, ए. और **साहू,पी.** (2022)। एंटीबायोटिक कोलिस्टिन का पता लगाने के लिए विश्वसनीय प्रतिदीप्ति तकनीक, जो इसके अत्यधिक उपयोग के कारण संभावित पर्यावरणीय खतरा है, वैज्ञानिक रिपोर्ट ,12, 9307. doi.org/10.1038/s41598-022-13471-z
 - डे, डी. एवं **साहू,पी.** (2022)। पीएच-निर्भर दवा वितरण प्रणालियों में एमओएफ का प्रभाव: पिछले दशक में प्रगति, डाल्टन ट्रान्स। , 51, 9950

- राऊत, जे., इस्लाम, एम., साहा, एस., मंडल, एसएम, मंडल, एस. और **साहू, पी.** (2022)। फार्मास्युटिकल सीवेज और बैक्टीरियल सेल में डॉक्सीसाइक्लिन के विभेदक पता लगाने के लिए एन-डोपड कार्बन क्रांम डॉट्स, एसीएस सस्टेनेबल केम। इंजी. 10, 9811.
- दास, पी., कुंडू, एस., मैती, पी., **साहू, पी.** और मंडल, एस. (2022)। स्ट्रेटोमाइसेस एसपी द्वारा निर्मित एक जीवाणुरोधी यौगिक पाइरीमिडोमाइसिन। PSAA01 पूर्वी हिमालय की तलहटी की मिट्टी से पृथक, वैज्ञानिक रिपोर्ट , 12, 10176, DOI: 10.1038/s41598-022-14549-4।
- मंडल, एस., कुंडू, एस., उद्दीन, एमडी आर. और **साहू, पी.** (2022) साइकोट्रॉफिक आर्कटिक जीवाणु से एक नवीन किनोलिन-आधारित यूवी-सुरक्षात्मक वर्णक की पहचान के लिए आसान और तेज़ कीमोसेंसिंग विधि, जर्नल ऑफ एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी , 1-10, डीओआई: 10.1111/jam.15760।
- साहा, एस., कामिला, एस., चट्टोपाध्याय, ए. और **साहू, पी.** (2022)। शैवाल में संचित टिन की पहचान के लिए आसान और तेज़ केमोसेंसिंग विधि: समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए एक रणनीति, न्यू जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री , 46, 4233, डीओआई: 10.1039/डी1एनजे05680एच।
- राऊत, जे., इस्लाम, एम., शेरपा, आर., हुई, एस., मंडल, एसएम, मंडल, एस. और **साहू, पी.** (2022)। पाइरूवेट डिहाइड्रोजनेज काइनेज अवरोधक दवा डाइक्लोरोएसेटिक एसिड की विवो निगरानी के लिए कोबाल्ट-संयुग्मित कार्बन क्रांम डॉट्स, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12, 9307, डीओआई: 10.1038/एस41598-022-22039-डब्ल्यू।
- मंडल, एस., इस्लाम, एमडी एम., घोष, पी., मंडल, एस. और **साहू, पी.** (2023)। फार्मा-प्रवाहों में फ्लोरोकिनोलोन का विश्वसनीय पता लगाना: पर्यावरण में बढ़ते जोखिम से रोगाणुरोधी प्रतिरोध में वृद्धि होती है, रसायन विज्ञान चयन , 8, 1-6, doi.org/10.1002/slct.202203353 ।
- साहा, एस., मंडल, एस. और **साहू, पी.** (2023)। **फार्मास्युटिकल दवाओं**, कार्बनिक और बायोमोलेक्यूलर रसायन विज्ञान में सहायक के रूप में उपयोग किए जाने वाले एल 3+ का चयनात्मक पता लगाने के लिए ल्यूमिनसेंट केमोसेंसर का निर्माण, 21, 981, डीओआई: 10.1039/डी2ओबी02044के।
- घोष, पी., डे, के., चट्टोपाध्याय, ए., और **साहू, पी.** (2023)। बटन मशरूम (एगोरिकस बिस्पोरस) में हाइड्राज़ीन और उसके अनुप्रयोग को फंसाने के लिए एक आसान टर्न-ऑन ल्यूमिनेसेंस तकनीक, न्यू जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री , 47, 6866, डीओआई: 10.1039/डी3एनजे00504।
- राऊत, जे., पात्रा, डी., मंडल, एस., मंडल, एस. और **साहू, पी.** (2023)। एन, एस-को-डॉपड कार्बन क्रांम डॉट्स के साथ मल्टीड्रग प्रतिरोध रोगजनक के खिलाफ लक्षित जीवाणुरोधी क्षमता चुनिंदा रूप से रिफैम्पिसिन को पहचानती है, जर्नल ऑफ़ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी: ए, 442, 114761। doi.org/10.1016/j.jphotochem.2023.114761।
- बर्मन, आर., बेज, आर., **डे, पी.** , और घोष, एस. (2023)। कैंसर कोशिका में दोहरी दवा वितरण के लिए सिस्लैटिन-संयुग्मित पॉलीयुरेथेन कैप्सूल। एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स और इंटरफेस । Doi:10.1021/acsami.2c22146
- बर्मन, आर., राजदेव, पी., मंडल, टी., **डे, पी.** , और घोष, एस. (2022)। एडजस्टेबल लोअर क्रिटिकल सॉल्यूशन टेम्परेचर (LCST) और नॉनस्पेसिफिक प्रोटीन सोखना के साथ सहसंबंध के साथ एम्फीफिलिक अल्टरनेटिंग कॉपोलिमर। एसीएस एप्लाइड पॉलिमर सामग्री , 4(7), 5261-5268।

संयुक्त लेखक (उसी विभाग के)

अध्याय-2

- बिस्वास, डी., बार, एन., पाल, एस., मजूमदार, एसके, रे, ए., चौधरी, एस., दास, जीके, चौधरी, पी. (2022)। पॉलिमर आधारित ऑन-ऑफ-ऑन फ्लोरोसेंट लॉजिक गेट: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और समझ। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1252, 132166, <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2021.132166>।
- बार, एन., चौधरी, पी., बिस्वास, डी., रे, ए. और दास, जीके (2022)। आणविक कीपैड लॉक के लिए एक उन्नत धातु-निर्देशित फोटोक्रोमिक प्रणाली का संश्लेषण: विस्तृत प्रयोगात्मक निष्कर्ष और सैद्धांतिक समझ। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 46, 8284-8302, डीओआई: 10.1039/डी1एनजे06158ई।
- दास, केके, घोष, ए., मल्लिक, टी., बेगम, एनए और हाजरा, ए. (2023)। एरोबिक Cu(I)-उत्प्रेरित साइट-चयनात्मक 1,3-कैस्केड C-N और C-O बॉन्ड फॉर्मेशन के माध्यम से इंडज़ोल का डिफ़्रक्शनलाइज़ेशन। सलाह. सिंथा। कैटल, 365, 388. <https://doi.org/10.1002/adsc.202201162>
- ईगोरोव, आईएन, सैट्रा, एस., ज़िर्यानोव, जीवी, माजी, ए., हाजरा, ए. और चुपाखिन ऑन (2022)। इमाइन्स में हेटरोएटम न्यूक्लियोफाइल का प्रत्यक्ष असममित जोड़। उन्नत संश्लेषण एवं उत्प्रेरण, 36 (13), 2092-2112। <https://doi.org/10.1002/adsc.202200155>
- कुंडू, एस., बिस्वास, एस., घोष, एस., कर्माकर, आई., ब्रह्मचारी, जी., मैत्रा, एस. और साहू, पी. (2022), सेलुलर एटीपी की निगरानी के लिए एक चयनात्मक ल्यूमिनसेंट जांच: संभावित अनुप्रयोग जेब्राफिश भ्रूण में विवो इमेजिंग के लिए, जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए, 428, 113895।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 105

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना

- प्रोफेसर एसके चंद्रा ने पीएचडी के लिए "एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफिक और उसके अनुप्रयोग" पर एक नया पाठ्यक्रम डिजाइन किया। 2022-23 में विश्वभारती द्वारा पाठ्यक्रम कार्य को मंजूरी।
- डॉ. पी. डे ने पीएच.डी. के लिए "पॉलिमर थेरेप्यूटिक्स" पर एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया। 2022-23 में विश्वभारती द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम कार्य।

कोई भी प्रासंगिक जानकारी

विभाग की पेटेंट जानकारी

भारतीय पेटेंट संख्या 408792 (201731031013)

आविष्कार का शीर्षक: तांबा आधारित उत्प्रेरक

आविष्कारक: डॉ. विश्वजीत डे, देबाशीष घोष, सुभेंदु धीबर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन-731 235, पश्चिम बंगाल, भारत

आवेदक: डॉ. विश्वजीत डे, देबाशीष घोष, सुभेंदु धीबर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन-731 235, पश्चिम बंगाल, भारत

स्थिति: स्वीकृत (प्रमाणपत्र जारी होने की तिथि 11/10/2022)

पूर्व छात्रों की भागीदारी

विभाग ने अपने पूर्व छात्रों को इस विस्तारित गतिविधि में शामिल करने के लिए एक पूर्व छात्र मंच, " विश्व-भारती रसायन विज्ञान पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला " तैयार किया है, जो बुजुर्ग और युवा पीढ़ी के बीच सर्वांगीण तालमेल और बातचीत को मजबूत करेगा, और विभाग इस तरह का आयोजन कर रहा है। नियमित रूप से व्याख्यान देते हैं।

गणित विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

- जाल:जयश्री मंडल (WB1004240095), सुस्मिता सरकार (WB1004240213)
- गेट: चुमकी बनर्जी (MA23S54009015), दीपबली दत्ता (MA23S54011050), ऋत्विक् मन्ना (MA23S56507021), ऋत्विक् साहा (MA23S54010084), मौसमी मंडल (MA23S54010070), सोमा मंडल (MA23S54011030), सौविक पांडा (MA 23एस54005142), तन्मय गिरी (एमए23एस56508001)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता,संगोष्ठी का शीर्षक,दिनांक):

- 20.09.2022-21.09.2022. अमर प्रसाद मिश्रा द्वारा एसईआरबी वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) योजना के तहत निकटवर्ती कॉलेजों के संकायों के लिए "इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सॉलिटॉन और प्लाज्मा में नॉनलाइनियर लैंडौ डंपिंग" (संदर्भ संख्या सीआरजी / 2018/004475) नामक परियोजना के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।) .

वक्ता: डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा, विश्व-भारती, डॉ. अंजन कुमार भुनिया, विश्व-भारती, डॉ. बिपुल पाल, विश्व-भारती, प्रो. मंटू साहा, बर्दवान विश्वविद्यालय, डॉ. सौगत विश्वास, विश्व-भारती, प्रोफेसर सुभासिस रे, विश्वभारती।

- 22.12.2022. राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित विभाग, विश्वभारती और आईआईटी रोपड़ द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसे एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित किया गया था ["यूलर के स्थिरांक, गामा फ़ंक्शन और उनके पी-एडिक समकक्षों के सामान्यीकरण पर एक अध्ययन" शीर्षक वाली परियोजना के तहत (संदर्भ संख्या सीआरजी/2019/000203)]।

वक्ता: डॉ. तापस चटर्जी, आईआईटी रोपड़, डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा, विश्वभारती, प्रो. प्रतुलानंद दास, जादवपुर विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/ सेमिनार/ वेबिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

- 20.6.2022-22.6.2022. एपी मिश्रा ने "अराजक गतिशीलता और एक मैग्नेटोप्लाज्मा में फैलाने वाली अल्फवेन तरंगों की जटिलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित प्लाज्मा सिद्धांत और सिमुलेशन (पीटीएस) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर सत्र का निर्णय लिया। भारत।

अध्याय-2

- 13.7.2022-14.7.2022. एपी मिश्रा ने ईरान के गोनबाद कावस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 9वें ईरानी प्लाज्मा इंजीनियरिंग और प्लाज्मा भौतिकी सम्मेलन (ऑनलाइन मोड) में "प्लाज्मा में तरंग-कण इंटरैक्शन के शास्त्रीय और क्वांटम गतिज सिद्धांत" शीर्षक से एक मुख्य भाषण दिया।
- 26.08.2022. पीके मंडल ने गणित विभाग, आईआईटी, खड़गपुर-2, पश्चिम बंगाल द्वारा मल्टीस्केल ट्रांसपोर्ट फेनोमेना के मॉडलिंग, विश्लेषण और सिमुलेशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कार्डियोवस्कुलर ड्रग ट्रांसपोर्ट में प्रक्रियात्मक विकास: मॉडलिंग और सिमुलेशन" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 13.09.2022. पी. चटर्जी ने गणित/संचालन अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान (आईडीसी) पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में विभेदक समीकरणों और गतिशील प्रणालियों पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- 9.10.2022-14.10.2022. एपी मिश्रा ने "द्रव प्लाज्मा में थर्मोकोस्टिक झटके की अस्थिरता" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी और प्लाज्मा भौतिकी विभाग (डीपीपी) द्वारा आयोजित प्लाज्मा भौतिकी पर छठे एशिया-प्रशांत सम्मेलन (ई-सम्मेलन, AAPS-DPP2022) में सत्र की अध्यक्षता की। एशिया-प्रशांत भौतिक सोसायटी एसोसिएशन (एएपीपीएस)।
- 6.12.2022. एपी मिश्रा ने गणित विभाग, स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित एक विस्तार कार्यक्रम में "भौतिकी और गैर-रेखीय विज्ञान में गणित की भूमिका और महत्व" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 22.12.2022. एपी मिश्रा ने गणित विभाग, विश्वभारती, भारत और आईआईटी रोपड़, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक आउटरीच कार्यक्रम में कार्यशाला में "नॉनलाइनियर एमएचडी तरंगों की गतिशीलता में अराजकता और जटिलता" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।
- 28.12.2022-30.12.2022. एपी मिश्रा ने एशियन अफ्रीकन एसोसिएशन फॉर प्लाज्मा ट्रेनिंग (AAAPT) द्वारा आयोजित प्लाज्मा विज्ञान और अनुप्रयोगों (ICPSA2022) पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय आयोजन समिति के सदस्य और "सापेक्षतावादी पतित प्लाज्मा में विद्युत चुम्बकीय सॉलिटॉन की स्थिरता" शीर्षक से एक आमंत्रित भाषण दिया। गौहाटी विश्वविद्यालय, भारत द्वारा।
- 06.01.2023-07.01.2023. टीआर महापात्रा ने बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांचवें क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (क्षेत्र 7), 2022-23 [आरएसटीसी (आर7), 2022-23] में पेपर प्रस्तुति के दो सत्रों की अध्यक्षता की।, पश्चिम बंगाल सरकार 06-07 जनवरी, 2023 के दौरान।
- 06.01.2023-07.01.2023. एस. रे ने पांचवीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (क्षेत्र 7), [आरएसटीसी (आर7), 2022-23] में पेपर प्रस्तुतियों के दो सत्रों की अध्यक्षता की, जो बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान और विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। पश्चिम बंगाल सरकार.
- 02.03.2023. पी. चटर्जी ने सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया में नॉनलाइनियर आंशिक अंतर समीकरणों और अनुप्रयोगों पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 02.03.2023. पी. चटर्जी ने सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया में गणित और सूचना विज्ञान पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षक का नाम: अमर प्रसाद मिश्रा
परियोजना का नाम: प्लाज्मा में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सोलिटॉन और नॉनलाइनियर लैंडौ डंपिंग

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)

स्वीकृत राशि: रु. 1914948/- (रु. उन्नीस लाख चौदह हजार नौ

केवल एक सौ अड़तालीस)। परियोजना 26.09.2022 को समाप्त हो गई।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 05-09-2022. शिक्षक दिवस मनाया गया.

प्रकाशन:

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

- चटर्जी, डी., मिश्रा, एपी और घोष, एस. (2023)। दो-स्वाद दोलनों की उपस्थिति में न्यूट्रिनो मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक अस्थिरता, फिजिका स्क्रिप्टा , 98, 045610 (10 पृष्ठ)। डीओआई : 10.1088/1402-4896/एसीसी142।
- रॉय, एस., रॉय, ए. और मिश्रा, एपी 2023। मैग्नेटोप्लाज्मा में नॉनलाइनियर अल्फवेन तरंगों की गतिशीलता में अराजकता और जटिलता, कैओस , 33, 023130 (15 पृष्ठ)। डीओआई : 10.1063/5.0138866।
- मिश्रा, एपी और होल्कुंडकर, ए. (2023)। संपादकीय: उच्च तीव्रता वाले लेजर प्लाज्मा और बीम-प्लाज्मा इंटरैक्शन में वेकफील्ड पीढ़ी और कण त्वरण, फ्रंटियर्स इन फिजिक्स , 10, 1129971 (2 पृष्ठ)। डीओआई : 10.3389/एफएफआई.2022.1129971।
- अब्दिकियन, ए., एघबली, एम. और मिश्रा, एपी (2022)। दो तापमान वाले सुपरथर्मल इलेक्ट्रॉनों के साथ एक गैर-समान रूप से घूमने वाले मैग्नेटोप्लाज्मा में बहाव आयन-ध्वनिक तरंगें, फिजिका स्क्रिप्टा , 97, 045603 (10 पृष्ठ)। डीओआई : 10.1088/1402-4896/एसी57डीएफ।
- रॉय, एस. एवं मिश्रा, एपी 2022। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सॉलिटॉन और दो इलेक्ट्रॉन प्रजातियों के साथ सापेक्षतावादी पतित घने प्लाज्मा में उनकी स्थिरता, फ्रंटियर्स इन एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस साइंसेज , 9, 1007584 (11 पृष्ठ)। डीओआई : 10.3389/एफएसपीए.2022.1007584।
- मिश्रा, एपी, रॉय, ए., चटर्जी, डी. और कलाडज़े, टीडी 2022। पृथ्वी के आयनमंडल में आंतरिक गुरुत्वाकर्षण तरंगें, प्लाज्मा विज्ञान पर आईईईई लेनदेन , 50, 2603-2608। डीओआई: 10.1109/टीपीएस.2022.3178133
- तुरी, जे. और मिश्रा, एपी 2022। स्व-गुरुत्वाकर्षण घूर्णन ब्रह्मांडीय प्लाज्मा में मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक अस्थिरता, फिजिका स्क्रिप्टा , 97, 125603 (12 पृष्ठ)। डीओआई : 10.1088/1402-4896/एसी9सीए6।
- डे, आर., बनर्जी, जी. और मिश्रा, एपी 2022। आंशिक रूप से पतित प्लाज्मा में आयन-ध्वनिक एकान्त तरंगें, प्लाज्मा विज्ञान पर आईईईई लेनदेन, 50, 4558-4565। डीओआई : 10.1109/टीपीएस.2022.3216058।

अध्याय-2

- अधिकारी, एम. और बनर्जी, डी. (2022), परिमित [पी, क्यू] क्रम के एन संपूर्ण कार्यों की संरचना पर कुछ परिणाम, एशियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन , 2022 (13), 1-14।
- अधिकारी, एम. और बनर्जी, डी. (2022), एन एक्सटेंशन ऑफ़ सम ग्रोथ प्रॉपर्टीज़ ऑफ़ कंपोजिट होल एंड मेरोमॉर्फिक फ़ंक्शंस, जे. ऑफ़ रामानुजन सोसाइटी ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड मैथमैटिकल साइंसेज , 9(2), 17-28।
- अधिकारी, एम. और बनर्जी, डी. (2022), परिमित पुनरावृत्त क्रम के साथ एन संपूर्ण कार्यों का पुनरावृत्ति,
- रामानुजन सोसायटी ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड मैथमैटिकल साइंसेज के जे. , 9(2), 65-82।
- बनर्जी, डी. एवं घोष।। (2022), तीन मूल्यों को साझा करने वाले परिमित पुनरावृत्त क्रम के साथ तीन संपूर्ण कार्यों का पुनरावर्तन आईएम, एशियन जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन , 2022 (15), 1-15।
- बनर्जी, डी. एवं पाल. पी. (2023), ऑन लॉगरिदमिक [पी, क्यू] वें ऑर्डर ऑफ़ एंटायर फ़ंक्शंस, एशियन जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन , 2023(3), 1-8।
- माजी, एम., मेस्रगर, एस., सरकार, एस., हांसदा, के. (2022)। परिमित (कम्यूटेटिव) रिंगों पर एक-आयामी रैखिक न्यूनतम कोड पर, सूचना सिद्धांत पर आईईईई लेनदेन , 68(5), 2990-2998।
- मुखोपाध्याय, डी., हांसदा, के., बागची, एस. (2022)। वीकली सेल्फ़ डुअल एलआरसी की कुछ संपत्तियां और निर्माण, एसपीसीओएम-2022, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
- साध्या, एस., हांसदा, के. (2022)। सामान्यीकृत ग्रीन के संबंध और जीवी-आदेशित सेमीग्रुप, क्रासिग्रुप और संबंधित सिस्टम , 30(1), 161-168।
- हान, आर., मंडल, जी., गिनी, एलएन और चक्रवर्ती, एस. (2022)। सहकारी शिकार और शिकार आश्रय के साथ प्रतिक्रिया-प्रसार शिकारी-शिकार प्रणाली की गतिशील प्रतिक्रिया । सांख्यिकीय यांत्रिकी जर्नल: सिद्धांत और प्रयोग (जेएसटीएटी), इंटरनेशनल स्कूल फॉर एडवांस्ड स्टडीज (एसआईएसएसए) और आईओपी पब्लिशिंग (आईओपी) , 2022(10), 103502। डीओआई : 10.1088/1742-5468/एस1946डी।
- हान, आर., गिनी, एलएन और आचार्य, एस. (2022)। शिकारी-शिकार मुठभेड़ों के आधार पर शरण के साथ प्रतिक्रिया-क्रॉस-प्रसार मॉडल में जटिल गतिशीलता । द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस (ईपीजेपी), सिंगर , 137(134), 1-27। डीओआई : 10.1140/ईपीजेपी/एस13360-022-02358-7।
- गिनी, एलएन, पाल, एस. और सम्बथ, एम. (2022)। वैकल्पिक खाद्य स्रोत के साथ एकत्रित त्रि-पोषी खाद्य श्रृंखला मॉडल की गतिशीलता पर। जर्नल ऑफ़ एप्लाइड नॉनलाइनियर डायनेमिक्स (जेएएनडी), एल एंड एच साइंटिफिक पब्लिशिंग, एलएलसी; वेब ऑफ़ साइंस, जेड-मैथ और एएमएस में स्कोपस और इमर्जिंग सोर्सस साइटेशन इंडेक्सिंग (ईएससीआई) द्वारा अनुक्रमित , 11(4), 847-863 । doi:10.5890/JAND.2022.12.006।
- गिनी, एलएन, घोष, एस. और चक्रवर्ती, एस. (2022)। इंटरगिल्ड शिकार का गणितीय मॉडलिंग और संसाधन संचयन की इसकी गतिशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉनलाइनियर एनालिसिस एंड एप्लीकेशंस (आईजेएनए) , सेमनान यूनिवर्सिटी का एक प्रकाशन; वेब ऑफ़ साइंस में उभरते स्रोत उद्धरण अनुक्रमण (ईएससीआई) द्वारा अनुक्रमित , 13(2), 837-861। डीओआई : 10.22075/आईजेएनए.2022.26067.3215।
- गिनी, एलएन, पाल, पीजे, अलज़हरानी, जे., अली, एन., सरकार, के., जिलाली, एस., ज़ेब, ए., खान, आई. और एल्डिन, एसएम (2023)। क्रॉली-मार्टिन प्रकार प्रतिक्रिया फ़ंक्शन के साथ एक विसरित शिकारी-शिकार मॉडल के

- सैटिओटेम्पोरल व्यवहार पर एली प्रभाव का प्रभाव। वैज्ञानिक रिपोर्ट , प्रकृति पोर्टफोलियो, 13(4710), 1-19। डीओआई: 10.1038/एस41598-023-28419-0 ।
- गिनी, एलएन, मंडल, जी., मंडल, एम. और चक्रवर्ती, एस. (2023)। एली प्रभाव द्वारा पूरक एक अराजक त्रि-पोषी खाद्य श्रृंखला मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायनेमिक्स एंड कंट्रोल (आईजेडीवाई), स्प्रिंगर, 11, 528-554। डीओआई : org/10.1007/s40435-022-01017-0 ।
 - गिनी, एलएन, दत्ता, डी. और चक्रवर्ती, एस. (2023)। इंटरैक्टिंग प्रजाति मॉडल प्रणाली पर एली प्रभाव और शरण की गतिशील प्रतिक्रिया। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल अकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट (जेईएएम), एल एंड एच साइंटिफिक पब्लिशिंग, एलएलसी; वेब ऑफ साइंस में स्कोपस और इमर्जिंग सोर्सस साइटेशन इंडेक्सिंग (ईएससीआई) द्वारा अनुक्रमित, 11(2), 193-224। डीओआई : 10.5890/जेईएएम.2023.06.006।
 - गिनी, एलएन, नंदी, एस. और चक्रवर्ती, एस. (2023)। बेडिंगटन-डीएंगेलिस कार्यात्मक प्रतिक्रिया के साथ तीन प्रजातियों के खाद्य श्रृंखला मॉडल में शिकार शरण का प्रभाव। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल अकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट (जेईएएम) , एल एंड एच साइंटिफिक पब्लिशिंग, एलएलसी; वेब ऑफ साइंस में स्कोपस और इमर्जिंग सोर्सस साइटेशन इंडेक्सिंग (ईएससीआई) द्वारा अनुक्रमित, 11(2), 139-160। डीओआई : 10.5890/जेईएएम.2023.06.002।
 - गिनी, एलएन, कुंडू, एस. और चक्रवर्ती, एस. (2023)। त्रि-पोषी खाद्य श्रृंखला मॉडल में शिकार की शरण का इंटरैक्टिंग परिणाम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट (आईजेडी), सीजर प्रकाशन: वेब ऑफ साइंस में थॉमसन रॉयटर्स द्वारा अनुक्रमित, 38(1), 51-67।
 - कुम्भकार, आर., पाल, एस., पाल, एन., और तिवारी, पी.के. (2023)। शिकार में मजबूत एली प्रभाव के साथ शिकारी-शिकार मॉडल में अस्थिरता और अस्थिरता। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स , 31(1): 215-243। <https://doi.org/10.1142/S0218339023500110>।
 - गराई, एस., पति, एनसी, पाल, एन., और लेयेक, जीसी (2022)। भय और शरण के साथ एक शिकारी-शिकार मॉडल में ट्रिपल आकर्षितकर्ताओं की आवधिक संरचनाओं और सह-अस्तित्व को व्यवस्थित किया। अराजकता, सोलिटॉन और फ्रैक्टल्स , 165:112833। <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2022.112833>।
 - हुसैन, एम., कुम्भकार, आर. और पाल, एन. (2022)। सतर्कता के साथ तीन-प्रजाति के खाद्य श्रृंखला मॉडल के द्विपैरामीट्रिक स्थानों में गतिशीलता। अराजकता, सोलिटॉन और फ्रैक्टल्स , 162:112438। <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2022.112438>।
 - हुसैन, एम., गराई, एस., जाफ़री, एस., और पाल, एन. (2022)। सतर्कता के साथ शिकारी-शिकार मॉडल में विभाजन, अराजकता, बहुस्थिरता और संगठित संरचनाएं। कैओस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ नॉनलाइनियर साइंस , 32: 063139. <https://doi.org/10.1063/5.0086906>।
 - नदीम, एस., सामंता, एस., पाल, एन., एलमोज्तबा, आईएम, मुखोपाध्याय, आई., चट्टोपाध्याय जे. (2022)। शिकारी-शिकार प्रणाली की स्थिरता पर शिकारी संकेतों का प्रभाव: एक जेड-नियंत्रण दृष्टिकोण, विभेदक समीकरण और गतिशील प्रणाली , 30:451-467। <https://doi.org/10.1007/s12591-018-0430-x>।

अध्याय-2

- हुसैन, एम., गराई, एस., कर्माकर, एस., पाल, एन., और चट्टोपाध्याय, जे. (2022)। खाद्य श्रृंखला मॉडल में घनत्व भिन्नता पर सतर्कता का प्रभाव, पारिस्थितिक जटिलता , 50:100996। <https://doi.org/10.1016/j.ecocom.2022.100996>।
- अलशरावी, जेड., पाल, एन., और चट्टोपाध्याय, जे. (2022)। असतत-समय शिकारी-शिकार मॉडल पर सतर्कता की भूमिका, असतत और सतत गतिशील सिस्टम-बी , 27:6723-6744। <https://doi.org/10.1063/5.0067046>।
- घोष, यूएन, चटर्जी, पी. और कौर, बी . (2023)। जोड़ी-आयन प्लाज्मा में गांठ सॉलिटॉन संरचनाओं का अध्ययन। ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स , 53(2), 48।
- साहा, डी., चटर्जी, पी. और राउत, एस . (2023)। लैक्स जोड़ी की मदद से डार्बोक्स परिवर्तन को नियोजित करते हुए बर्गर समीकरण के मल्टी-शॉक और सॉलिटॉन समाधान। प्रमाण , 97(2), 54.
- अली, आर., बासनेट, ए. और चटर्जी, पी . (2023)। धूल भरे प्लाज्मा में मजबूत आयन-तटस्थ टकराव का प्रबंधन करना। इंडियन जर्नल ऑफ़ फिजिक्स , 1-10।
- रॉय, एस., राउत, एस., कैरी, आरआर और चटर्जी, पी . (2023)। बिलिनियर बैकलंड, लैक्स जोड़े, श्वास तरंगों, गांठ तरंगों और (2+1)-आयामी गैर-स्वायत्त कदोमत्सेव-पेटवियास्विली समीकरण की सॉलिटॉन इंटरैक्शन। नॉनलीनियर डायनेमिक्स , 111(6), 5721-5741।
- पॉल, ए., पॉल, एन., चटर्जी, पी. और मंडल, के.के. (2023)। केर्न्स-गुरेविच वितरित इलेक्ट्रॉनों के साथ कमजोर आयनित टकराव वाले प्लाज्मा में गैर-प्लानर ज्यामिति पर एकान्त तरंगों का विश्लेषण। ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स , 53(1), 9.
- अली, आर., घोष, यूएन, मंडी, एल. और चटर्जी, पी. (2023)। ध्रुवीकरण बल की उपस्थिति में धूल भरे प्लाज्मा में टकराव प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एडोमेन अपघटन विधि का अनुप्रयोग। इंडियन जर्नल ऑफ़ फिजिक्स , 1-8.
- चटर्जी, पी. (2022)। गणित जीवन को परिभाषित करता है। साइंस रिपोर्टर, 59(11), 50-51।
- घोष, यूएन, नसीपुरी, एस. और चटर्जी, पी. (2022)। धूल आयन-ध्वनिक एकवचन सॉलिटॉन गैर-व्यापक इलेक्ट्रॉनों के साथ परस्पर क्रिया करते हैं। इंडियन जर्नल ऑफ़ फिजिक्स , 1-15।
- साहा, डी., राउत, एस. और चटर्जी, पी. (2022)। डार्बोक्स परिवर्तन, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स और अनुप्रयोगों का उपयोग करके गार्डनर समीकरण के मल्टी-सॉलिटॉन समाधान: आईसीएनडीए 2022 की कार्यवाही। 1159-1168।
- पॉल, ए., पॉल, एन., मॉडल, केके और चटर्जी, पी. (2022)। केर्न्स-गुरेविच इलेक्ट्रॉन वितरण के साथ प्लाज्मा में एकान्त तरंग पर धूल-आयन टकराव और आवधिक बल प्रभाव। नॉनलाइनियर डायनेमिक्स और अनुप्रयोग: आईसीएनडीए 2022 की कार्यवाही , 203-213।
- घोष, यूएन, नसीपुरी, एस. और चटर्जी, पी. (2022)। क्वांटम इलेक्ट्रॉन-पॉज़िट्रॉन-आयन मैग्नेटोप्लाज्मा में गांठ सॉलिटॉन संरचनाओं का अध्ययन। प्लाज्मा भौतिकी में योगदान , 62(9), e202200094।
- घोष, यूएन, नसीपुरी, एस. और चटर्जी, पी. (2022)। कॉर्टेवेग-डी व्रीज़ के ढांचे में धूल ध्वनिक तरंगों में एकवचन सॉलिटॉन इंटरैक्शन और वेरिएबल डस्ट चार्ज के साथ संशोधित कॉर्टेवेग-डी व्रीज़ समीकरण। ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स , 52 (5), 153।

- पॉल, ए., पॉल, एन., मॉडल, केके और चटर्जी, पी. (2022)। नॉनथर्मल धूल भरे प्लाज्मा में एकान्त तरंगों पर बाहरी उत्तेजनाओं का प्रभाव। प्लाज्मा भौतिकी रिपोर्ट, 48(9), 1013-1022।
- रॉय, ए., मंडल, के.के., चटर्जी, पी. और राउत, एस. (2022)। जबरन केपी समीकरण और संशोधित मजबूर केपी समीकरण के माध्यम से चुंबकीय धूल भरे प्लाज्मा में आयन ध्वनिक तरंगों पर बाहरी आवधिक बल का प्रभाव। ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स, 52 (3), 65।
- घोष, यूएन, चटर्जी, पी. और मंडी, एल. (2022)। क्वांटम इलेक्ट्रॉन आयन धूल प्लाज्मा में आवक और जावक बेलनाकार और गोलाकार एकान्त रिंगों की परस्पर क्रिया। प्लाज्मा भौतिकी रिपोर्ट, 48(5), 533-542।
- रॉय, एस., राउत, एस., कैरी, आरआर और चटर्जी, पी. (2022)। गैर-स्वायत्त ज़खारोव-कुज़नेत्सोव समीकरण की अभिन्नता और मल्टी-सॉलिटॉन इंटरैक्शन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137 (5), 1-14।
- दास, सी., चंद्रा, एस. और चटर्जी, पी. (2022)। क्वांटम प्लाज्मा में नॉनलाइनियर इलेक्ट्रोस्टैटिक तरंगों का अध्ययन करने के लिए सेमी-एल एंग्रेंजियन विधि। प्लाज्मा विज्ञान पर आईईईई लेनदेन, 50(6), 1579-1584। डीओआई : 10.1109/टीपीएस.2022.3158965।
- बिस्वास, एस., सरीफुद्दीन, और मंडल, पीके (2022)। एथेरोस्क्लोटिक धमनी में दवा का अस्थिर परिवहन और दो चरण का बंधन। तरल पदार्थों का भौतिकी 34, 041905, <https://doi.org/10.1063/5.0086963>।
- मंडल, ए., मंडल, पीके, मैती, एस., और शिट, जीसी (2022)। मनमानी ज़ेटा क्षमता पर इलेक्ट्रो-ऑस्मोटिक गतिशीलता पर तापमान-निर्भर गुणों और चुंबकीय क्षेत्र का संयुक्त प्रभाव। यादृच्छिक और जटिल मीडिया में तरंगों, 1-33. डीओआई : 10.1080/17455030.2022.2113929।
- दास, पी., सरीफुद्दीन, राणा, जे. और मंडल, पीके (2022), "प्रतिवर्ती और अपरिवर्तनीय प्रतिक्रियाओं की उपस्थिति में अस्थिर विलेय फैलाव," रॉयल सोसाइटी ए की कार्यवाही: गणितीय, भौतिक और इंजीनियरिंग विज्ञान, 478 : 20220127- 20220127, <http://doi.org/10.1098/rspa.2022.0127>।
- महंत, एस. और रे, एस. (2022)। हेनस्टॉक कुर्ज़वील फूरियर ट्रांसफॉर्म जर्नल ऑफ़ क्लासिकल एनालिसिस के सामान्यीकरण पर। 20 (2) 117-130. डीओआई : 10.7153/जेसीए-2022-20-09।
- महंत, एस. और रे, एस. (2022)। एक सामान्यीकृत सतत आदिम समाकलन और इसके कुछ अनुप्रयोग, वास्तविक विश्लेषण विनिमय 47(2) 1-25।
- करीम, यू., आकाश, एमएफ और राहा, एस. (2022)। फ़ज़ी सॉफ़्ट सेट के साथ अनुमानित तर्क, ईरानी जर्नल ऑफ़ फ़ज़ी सिस्टम्स, 19(4), 107-124।
- कबिराज, ए., नायक, पीके और राहा, एस. (2022)। अंतर्ज्ञानवादी फ़ज़ी अनुकूलन - एक पुनरावृत्त दृष्टिकोण, ज़िडियन यूनिवर्सिटी जर्नल, 8(6), 668-677।
- कबिराज, ए., नायक, पीके और राहा, एस. (2022)। रैखिक प्रोग्रामिंग में अनुमानित तर्क, ज़ीचेन जर्नल, 8(6), 2022, 222-231।
- मजूमदार, ए. एवं बैग, टी. (2022)। कॉम्पैक्ट फ़ज़ी स्ट्रिंग बी-मीट्रिक स्पेस पर कुछ परिणाम, मलाया जर्नल ऑफ़ मैथेमैटिक, 10(2), 128-138. doi.org/10.26637/mjm1002/003
- दास, ए. और बैग, टी. (2022)। विस्तारित शंकु बी-मीट्रिक स्थानों में कुछ निश्चित बिंदु प्रमेय, गणित और अनुप्रयोगों में संचार 13(2), 649-659. doi.org/10.26713/cma.v13i2.1768।

अध्याय-2

- तमांग, पी. और बैग, टी. (2022)। फ़ज़ी कोन नॉर्मर्ड लीनियर स्पेस में सन्निकटन गुण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉनलीनियर एनालिसिस एंड एप्लीकेशन , 13(2), 2551-2563। 10.22075/आईजेएनएए.2021.22734.2410।
- चटर्जी, एस., मजूमदार, ए. और बैग, टी. (2023)। फ़ज़ी स्ट्रॉंग बी-मेट्रिक स्पेस में कुछ निश्चित बिंदु प्रमेय। पुस्तक श्रृंखला: कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में अध्ययन पुस्तक का नाम: इंजीनियरिंग गणित और कंप्यूटिंग प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर प्राइवेट। लिमिटेड-2023 1042(अध्याय-2).10.1007/978-981-19-2300-5_2.
- दास, ए. एंड बैग, टी. (2022) पैरामीट्रिक एस-मीट्रिक स्पेस पर एक अध्ययन, गणित और अनुप्रयोगों में संचार , 13(3), 921-933.doi.org/10.26713/cma.v13i3.1789।
- दास, ए. और बैग, टी. (2023)। पैरामीट्रिक मेट्रिक स्पेस का एक सामान्यीकरण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉनलीनियर एनालिसिस एंड एप्लीकेशन , 14(1) , 229 -244.10.22075/आईजेएनएए.2022.26832.3420।
- दास, ए., बैग, टी. और चटर्जी, एस. (2023)। फ़ज़ी स्ट्रॉंग ϕ -बी-नॉर्मर्ड लीनियर स्पेस पर कुछ बुनियादी परिणाम। सहंद, गणितीय विश्लेषण में संचार , 20(2) ,183 -196.10.22130/scma.2023.554520.1117।
- तमांग, पी. और बैग, टी. (2023)। फ़ज़ी नॉर्मर्ड लीनियर स्पेस में सामान्यीकृत संकुचन मैपिंग के लिए निश्चित बिंदु प्रमेय, थाई जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स , 21(1) ,1 -27।
- महापात्रा, टीआर, साहा, बीसी, पाल, डी., और पंडित, एसके (2022) "एक ट्रैपेज़ॉइडल एन्क्लोजर में मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक प्राकृतिक संवहन के दौरान हीटलाइन और एन्ट्रॉपी जेनरेशन का विश्लेषण", एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल गणित के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(280) , 1-25. <https://doi.org/10.1007/s40819-022-01473-4>।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय): 66

प्राणिविज्ञान विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

- यूजीसी नेट-जेआरएफ: सौम्यदीप दास (एआईआर-90), संगीता लाला (एआईआर-138)
- यूजीसी नेट-एलएस: युवराज मंगलम (एआईआर - 96), पुष्पिता घोष (एआईआर - 123)
- डब्ल्यूबी-सेट: सौम्यदीप बसु, ओलिविया सरकार
- गेट-एक्सएल: सौम्यदीप दास, पुष्पिता घोष, कैलाश चंद्र साहू, नबा कुमार विश्वास, सब्यसाची घोषाल

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

सेमिनार टॉक का शीर्षक: "मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का चिकित्सीय उपयोग: तपेदिक रोगियों से सीखना"

दिनांक: 13.01.2023

अध्यक्ष का नाम: डॉ. दीपेंद्र कुमार मित्रा, एमडी, पीएचडी, अध्यक्ष, इम्यूनोलॉजी और ट्रांसप्लांट विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

सेमिनार वार्ता का शीर्षक: "सिस्टम पारिस्थितिकी और इसके भविष्य के परिप्रेक्ष्य"

दिनांक: 28.02.2023

अध्यक्ष का नाम: सेवानिवृत्त. प्रोफेसर शांतनु रे, प्राणीशास्त्र विभाग, विश्वभारती के पूर्व प्रोफेसर।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

अंशुमन चट्टोपाध्याय

- 08.04.2022-09.04.2022. जी एन खालसा कॉलेज, मुंबई के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "जीवन विज्ञान में नवीन दृष्टिकोण" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

अध्याय-2

दीपक कुमार मंडल

- 06.01.2023-07.01.2023. बर्दवान विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (क्षेत्र 7), 2022-23 में एक तकनीकी सत्र "कृषि, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान" की अध्यक्षता की।
- 09.01.2023-10.01.2023 बांकुरा विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (क्षेत्र 6), 2022-23 में "जूलाँजी" के तकनीकी सत्र में सत्र न्यायाधीश के रूप में अध्यक्षता की गई।
- 05.03.2023-06.03.2023. आईक्यूएसी गुस्करा महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा 'जैविक विज्ञान और खेल विज्ञान में अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

समर कुमार साहा

- 22.11.2022. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में "पुनर्योजी चिकित्सा की ओर एक यात्रा" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 12.12.2022. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पुनर्योजी चिकित्सा की ओर एक यात्रा" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17.01.2023-18.01.2023. भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2022-23- क्षेत्र एक में मौखिक प्रस्तुति के लिए आंतरिक विशेषज्ञ एवं निर्णायक के रूप में कार्य किया। पश्चिम बंगाल, और कूच बिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय।
- 06.01.2023-07.01.2023. भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2022-23-क्षेत्र सात, 2022-23 में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। पश्चिम बंगाल और बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्धमान, पश्चिम बंगाल।

लारिशा एम. लिंडेम

- 14.12.2022-15.12.2022. जूलॉजी विभाग, सेंट एंथोनी कॉलेज, शिलांग और जैव संसाधन विकास विभाग पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा "पारंपरिक चिकित्सा पर कार्यशाला के साथ जैव विविधता और संरक्षण" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सेन्ना पौधा: आंतों के परजीवियों के खिलाफ कृमिनाशक प्रभावकारिता के रूप में इसकी क्षमता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। केंद्र, मेघालय सरकार।
- 21.11.2022. जूलॉजी विभाग और यूजीसी-एचआरडीसी, एनईएचयू, शिलांग-793922, मेघालय द्वारा जूलॉजी में रिक्रेशर कोर्स में "प्लाज्मोडियम: इट्स सरफेस कोट एंड होस्ट इंटरैक्शन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17.01.2023-18.01.2023. विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2022-23 में मौखिक प्रस्तुति की अध्यक्षता और मूल्यांकन किया गया। पश्चिम बंगाल, और कूचबिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय।

सुदीप्त मैत्रा

- 07.12.2022-20.12.2022. यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "आधुनिक जीव विज्ञान में अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, वित्त वर्ष 2022-23" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "जेब्राफिश शोध में हालिया प्रगति" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

अनुसंधित्सु

- 08.04.2022-09.04.2022. श्री अर्पण डे भौमिक पीएच.डी. कर रहे हैं। प्रोफेसर अंशुमान चट्टोपाध्याय के मार्गदर्शन में, "जीवन विज्ञान में नवीन दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फ्लोराइड की पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक सांद्रता के लगातार संपर्क से फ्लोरोसिस होता है और चूहों में एपिजेनेटिक संशोधन द्वारा डीएनए मरम्मत जीन अभिव्यक्ति में परिवर्तन होता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान विभाग, जी एन
- 09.01.2023-10.01.2023. श्री अर्पण डे भौमिक पीएच.डी. कर रहे हैं। प्रोफेसर अंशुमान चट्टोपाध्याय के मार्गदर्शन में, बांकुरा विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार।

अध्याय-2

विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में "ऑस्टियोब्लास्ट के कोलेजन संश्लेषण की हानि, मैट्रिक्स खनिजकरण चूहों में कंकाल फ्लोरोसिस को प्रभावित करता है: एपिजेनेटिक विनियमन की हानि" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 28.02.2023-01.03.2023. श्री अर्पण डे भौमिक पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर अंशुमान चट्टोपाध्याय** के मार्गदर्शन में, साइंस सिटी, कोलकाता में आयोजित 30वीं पश्चिम बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में "ऑस्टियोब्लास्ट के कोलेजन संश्लेषण की हानि, मैट्रिक्स खनिजकरण चूहों में कंकाल फ्लोरोसिस को प्रभावित करता है: एपिजेनेटिक विनियमन की हानि" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 24.11.2022-25.11.2022. सुश्री निबेदिता शर्मा पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल** के मार्गदर्शन में, 'एक अंतःसावी विघटनकारी रसायन, 4-टर्ट-ऑक्टाइलफेनॉल की औसत दर्जे की घातक एकाग्रता का निर्धारण और मछली चन्ना पंक्टैटस में इसके तीव्र संपर्क के कारण होने वाले हेपेटिक हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों का मूल्यांकन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। बायोटेक किशन हब, एनईएचयू, तुरा कैंपस, शिलांग मेघालय द्वारा "पर्यावरण और सतत विकास (आईसीईएसडी 2022)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

- 20.01.2023-22.01.2023. सुश्री रागिनी सिन्हा पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल** के मार्गदर्शन में, अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और "जूलॉजी विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित। "विकास और रोग का जीव विज्ञान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डी-एन ब्यूटाइल फ्रेथलेट (डीबीपी) के दीर्घकालिक संपर्क के कारण होने वाले जैव रासायनिक और हेमेटोलॉजिकल परिवर्तन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 28.02.2023. सुश्री मोनिशा दास पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल** के मार्गदर्शन में, "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान: एक उत्तर पूर्व भारत परिप्रेक्ष्य (ईटीबीएस 2023)" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चन्ना पंक्टैटस में 4-नॉनिलफेनॉल (4-एनपी) प्रेरित चयापचय परिवर्तन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।)" जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग मेघालय द्वारा आयोजित।

खालसा कॉलेज, मुंबई।

- 29.01.2023-31.01.2023. श्री प्रीतम पॉल पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर समर कुमार साहा** के मार्गदर्शन में, "ट्यूबीफेक्स एसपी में कैडमियम का जैव संचय" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया गया। पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण सोसायटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश द्वारा "प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापन के लिए पर्यावरण और देशी प्रजातियों के संवर्धन और संरक्षण की रणनीतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में।
- 29.01.2023-31.01.2023. श्री मृगांका दास पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर समर कुमार साहा** के मार्गदर्शन में, पर्यावरण और पर्यावरण द्वारा आयोजित "प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापित करने के लिए पर्यावरण और देशी प्रजातियों के प्रचार और संरक्षण के लिए रणनीतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में "चिकी भ्रूण में टेल्मिसर्टन की टेराटोजेनेसिटी" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया। सोशल वेलफेयर सोसायटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश।
- 10.11.2022-12.11.2022. सुश्री चंद्राणी मंडल पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, "गैलिक एसिड: सेस्टोड हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा पर प्रभाव" शीर्षक वाला पोस्टर "परजीवी रोगों के निदान और सतत नियंत्रण में वैश्विक तकनीकी प्रगति पर पैरासिटोलॉजी की 31वीं राष्ट्रीय कांग्रेस" पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया। "द इंडियन सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी द्वारा चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पशु स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र निदेशालय के सहयोग से आयोजित किया गया।
- 10.11.2022-12.11.2022. श्री अनिर्बान कुंडू पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, "निदान में वैश्विक तकनीकी प्रगति पर पैरासिटोलॉजी की 31वीं राष्ट्रीय कांग्रेस" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "वर्तमान परिदृश्य में पश्चिम बंगाल, भारत में मिट्टी से फैलने वाले हेल्मिंथिक संक्रमण की व्यापकता" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया। चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशालय के सहयोग से द इंडियन सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी द्वारा परजीवी रोगों का सतत नियंत्रण आयोजित किया गया।
- 10.11.2022-12.11.2022. सुश्री मौ सिंघा रे पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, परजीवी रोगों के निदान और सतत नियंत्रण में वैश्विक तकनीकी प्रगति पर पैरासिटोलॉजी की 31वीं राष्ट्रीय कांग्रेस

अध्याय-2

पर राष्ट्रीय सेमिनार में "कृमिनाशक एजेंटों के रूप में फेनोलिक यौगिकों का उपयोग: एक दृष्टिकोण" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया गया। "द इंडियन सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी द्वारा चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पशु स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र निदेशालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

- 20.01.2023-22.01.2023 सुश्री सुदेशना मंडल पीएचडी कर रही हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, विभाग द्वारा आयोजित "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीवविज्ञान सम्मेलन, वाराणसी" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "चूहों में प्रेरित टेपवर्म संक्रमण के खिलाफ दो नए पृथक स्वदेशी प्रोबायोटिक्स का मूल्यांकन" शीर्षक से मौखिक प्रस्तुति दी। प्राणीशास्त्र, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

- 20.01.2023-22.01.2023 सुश्री चंद्राणी मंडल पीएचडी कर रही हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन, वाराणसी" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "दो फेनोलिक यौगिकों गैलिक एसिड और कैटेचिन द्वारा प्रेरित जूनोटिक चूहे के टेपवर्म हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा में वास्तुकला का परिवर्तन" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया। प्राणीशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।

- 23.11.2022-25.11.2022. श्री सौम्यज्योति घोष, यूजीसी-एसआरएफ पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा** के मार्गदर्शन में, "जलीय जीवों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "जेब्राफिश (डैनियो रेरियो) के प्री-ओवुलेटरी फॉलिकल्स में आणविक निर्धारकों की भागीदारी: अंडे की रिहाई को विनियमित करना" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। सतत नीली अर्थव्यवस्था के लिए जीवन और शमन उपाय (आईसीसीएएमएस 2022)" जूलॉजी के पीजी और अनुसंधान विभाग, फातिमा माता नेशनल कॉलेज (स्वायत्त), कोल्लम, केरल द्वारा आयोजित किया गया।

- 23.11.2022-25.11.2022. सुश्री सम्पूर्णा कर्माकर पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा** के मार्गदर्शन में, "जलीय जीवन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन उपायों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "हेमेटोलॉजी, सीरम जैव रसायन, ऊतक वास्तुकला और अनाबास टेस्टुडिनियस में रेडॉक्स संतुलन की कम खुराक बीपीए मॉड्यूलेशन"

शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया। ए सस्टेनेबल ब्लू इकोनॉमी (ICCAMS 2022)" जूलाँजी के पीजी और रिसर्च डिपार्टमेंट, फातिमा माता नेशनल कॉलेज (ऑटोनोंमस), कोल्लम, केरल द्वारा आयोजित।

- 19.09.2022-23.09.2022. श्री स्नेहाशीष नाग पीएच.डी. कर रहे हैं। **डॉ. राकेश कुंडू** की मार्गदर्शन में, ईएसडी द्वारा आयोजित "58वें यूरोपियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज (ईएसडी 2022)" की वार्षिक बैठक में "फेटुइन-ए अग्राशय बीटा कोशिकाओं में लिपिड प्रेरित डीपीपी4 अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। स्टॉकहोम, स्वीडन में.

- 20.01.2023-22.01.2023. श्री स्नेहाशीष नाग पीएच.डी. कर रहे हैं। **डॉ. राकेश कुंडू** के मार्गदर्शन में, "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "फेटुइन-ए टीएलआर4-एनएफ-केबी मार्ग के माध्यम से अग्राशय बीटा कोशिकाओं में मुक्त फैटी एसिड प्रेरित डीपीपी 4 अभिव्यक्ति को शक्तिशाली बनाता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। जीवविज्ञान विकास और रोग (एआईसीबीसी)" का आयोजन जूलाँजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।

- 20.01.2023-22.01.2023. सुश्री ओइंद्रिला मुखर्जी पीएच.डी. कर रही हैं। **डॉ. राकेश कुंडू** के मार्गदर्शन में, "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और विकास के जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "विल्डाग्लिटिन डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ -4 अभिव्यक्ति और अग्राशयी बीटा कोशिकाओं में लिपिड संचय को कम करता है और इंसुलिन साव को बढ़ावा देता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। रोग (एआईसीबीसी)" का आयोजन जूलाँजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।

- 16.03.2023-18.03.2023. सुश्री समन्विता मंडल पीएच.डी. कर रही हैं। **डॉ. राकेश कुंडू** के मार्गदर्शन में आयोजित "आणविक सिग्नलिंग पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और चौथे सीईएसआईएन संगोष्ठी (आईसीएमएस-सीएस 2023)" में "सीडी36 माउस इंसुलिनोमा सेल में लिपिड संचय और सूजन को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी (सि.एस.आइ.आर-आइ.आइ.सी.वी), कोलकाता द्वारा।

अध्याय-2

- 08.07.2022-09.07.2022. डॉ. शीर्ष मंडल जिन्होंने पीएच.डी. की। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में, वर्चुअल नेशनल सेमिनार "इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी का 48वां वार्षिक सम्मेलन - मानव स्वास्थ्य के लिए संक्रमण, टीके और इम्यूनो-इनोवेशन" में "साइटोकिन के स्तर में बदलाव नर चूहों में फ्रेथलेट विषाक्तता को मध्यस्थ करता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। आण्विक और मानव आनुवंशिकी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।
- 08.07.2022-09.07.2022. सुश्री सुकतारा गुरिया पीएच.डी. कर रही हैं। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में, वर्चुअल नेशनल सेमिनार "भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के 48वें वार्षिक सम्मेलन - संक्रमण, टीके और इम्यूनो-" में "म्यूरीन वसा ऊतक मैक्रोफेज सामग्री का विनियमन और मोटापे से प्रेरित इंसुलिन प्रतिरोध में सक्रियण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। मानव स्वास्थ्य के लिए नवाचार" का आयोजन आण्विक और मानव आनुवंशिकी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
- 20.01.2023-22.01.2023. श्री सौम्यदीप बसु पीएच.डी. कर रहे हैं। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में, "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीवविज्ञान सम्मेलन और विकास और रोग के जीवविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एआईसीबीसी)" में "उच्च आहार वसा से प्रेरित मोटे चूहों में वृषण शिथिलता और इसके सुधार" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। जूलॉजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।
- 20.01.2023-22.01.2023. सुश्री सुकतारा गुरिया पीएच.डी. कर रही हैं। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में आयोजित "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और विकास और रोग जीव विज्ञान (एआईसीबीसी) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "मोटापे से प्रेरित इंसुलिन प्रतिरोध की मध्यस्थता में भ्रूण-ए के प्रोइन्फ्लेमेटरी प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्राणीशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा।
- 20.01.2023-22.01.2023. सुश्री अनुपमा हूरी पीएच.डी. कर रही हैं। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा आयोजित "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीवविज्ञान सम्मेलन और विकास और रोग के जीवविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एआईसीबीसी)" में "मोटापे में वसा ऊतक मैक्रोफेज की विविधता और कार्य" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया। जूलॉजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

• 20.01.2023-22.01.2023. श्री पार्थ चक्रवर्ती पीएच.डी. कर रहे हैं। **डॉ. सुतापा मुखर्जी** के मार्गदर्शन में, "45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और विकास और रोग जीवविज्ञान (एआईसीबीसी) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "डायथाइल फ्रेथलेट के निचले स्तर का प्रशासन मछली के चयापचय और प्रजनन कार्य को बाधित करता है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। जूलॉजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

शिक्षक का नाम: प्रो. सुदीप्त मैत्रा (पीआई); सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ेशवॉटर एकाकल्चर (ICAR-CIFA), भुवनेश्वर और सेंट्रल इनलैंड फ़िशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (ICAR-CIFRI), बैरकपुर के सहयोग से **प्रोफेसर अंशुमन चट्टोपाध्याय** (सह-पीआई), **डॉ. सुतापा मुखर्जी** (सह-पीआई) पश्चिम बंगाल

परियोजना का नाम: 'मछली प्रजनन में अंतःस्रावी व्यवधान का आकलन'

प्रायोजक एजेंसियां: जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), सरकार। भारत का (BT/PR28560/AAQ/3/919/2018)

स्वीकृत राशि: विश्वभारती घटक: रुपये 1,01,60,640/-

शिक्षक का नाम: **प्रोफेसर अंशुमन चट्टोपाध्याय** (पीआई); यूजीसी-डीई सीएसआर से प्रमुख सहयोगी: डॉ. अनिदिता चक्रवर्ती।

परियोजना का नाम: 'इंट्रासेल्युलर एनआरएफ2 स्तर को कम करके कैंसर कोशिकाओं में रेडियो-संवेदनशीलता में वृद्धि'

प्रायोजक एजेंसियां: वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीई कंसोर्टियम (स्वीकृति संख्या सीआरएस/2021 22/02/520 दिनांक 29.03.2022)

स्वीकृत राशि: रुपये 2,58,360/-

शिक्षक का नाम: डॉ. चंदन मलिक (पीआई), कालना कॉलेज और **प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल** (मेंटर), विश्वभारती

अध्याय-2

परियोजना का नाम: 'जंगली और प्रयोगशाला में पाले गए जेब्राफिश (डैनियो रेरियो) में घ्राण प्रणाली संवेदनशीलता पर पानी के तापमान का प्रभाव'

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या TAR/2022/000661, दिनांक 06.10.2022)

स्वीकृत राशि: कुल राशि - रु. 18,30,000/- (विश्वभारती घटक - रु. 7,50,000/-)

शिक्षक का नाम: डॉ. अरूप मिस्त्री (पीआई), बर्दवान विश्वविद्यालय और **प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा** (सलाहकार), विश्वभारती

परियोजना का नाम: 'भारतीय मेजर कार्प में त्वचीय घाव के उपचार में कुछ हर्बल उत्पादों की भूमिका'

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (स्वीकृति संख्या TAR/2022/000560, दिनांक 29.10.2022)

स्वीकृत राशि: कुल राशि - रु. 18,30,000/- (विश्वभारती घटक - रु. 3,35,000/-)

शिक्षक का नाम: डॉ. विनोद कुमार चौहान (पीआई)

परियोजना का नाम: "बॉम्बिक्स मोरी में पेब्राइन रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए आणविक मार्करों की पहचान और लक्षण वर्णन"।

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (मंजूरी संख्या: SRG/2021/000936)

स्वीकृत राशि: रुपये 28,71,000/-

शिक्षक का नाम: डॉ. राकेश कुंडू (पीआई)

परियोजना का नाम: "डायबिटिक चूहों के मॉडल में अग्राशय बीटा सेल सृजन, लिपिड संचय और इंसुलिन सावी दोषों को बढ़ावा देने में सीडी36 की भूमिका और फेटुइन-ए-टीएलआर4 मार्ग के साथ इसके संबंध को स्पष्ट करना"।

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), सरकार। भारत की (मंजूरी संख्या: SERB-CRG/2022/007004)

स्वीकृत राशि: प्रतीक्षारत

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 23.05.2022-03.06.2022. विभाग ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं, 2022 के इच्छुक छात्रों की मदद करने के उद्देश्य से एक नेट कोचिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। नियमित कक्षाएं शाम 5:00 बजे से आयोजित की गईं। कार्यक्रम में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
- 28.05.2022. विभाग ने फ्रेशर्स का स्वागत-सह-मिलन कार्यक्रम आयोजित किया।
- 12.09.2022. विभाग ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शिक्षक दिवस मनाया।
- 28.02.2023. विभाग ने एक संगोष्ठी वार्ता के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.) आदि के रूप में मान्यता)

- 28.12.2022. प्रो.अंसुमन चट्टोपाध्याय को पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डब्ल्यूएसटी) के फेलो के रूप में चुना गया है।

प्रोफेसर समर कुमार साहा को हैंडलिंग एडिटर: फ्रंटियर इन ड्रग डिस्कवरी (फ्रंटियर्स) के रूप में मान्यता दी गई है।

- 16.07.2022. प्रो. समर कुमार साहा ने एस.पी. बसु मेमोरियल अवार्ड 2022 जूलॉजिकल सोसाइटी, कोलकाता के लिए निर्णायक के रूप में कार्य किया।
- 12.08.2022. **प्रोफेसर समर कुमार साहा** को टीडीबी के सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर तक सीएस के लिए चयन समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में चुना गया था। कॉलेज, रानीगंज, काजी नजरूल विश्वविद्यालय आसनसोल, पश्चिम बंगाल।

प्रोफेसर समर कुमार साहा ने जंतु विज्ञान में पीजी बीओएस सदस्य, बर्दवान विश्वविद्यालय में पशु विज्ञान में यूजी बीओएस सदस्य, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल के रूप में कार्य किया; पशु विज्ञान में पीजी बीओएस सदस्य, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल और संरक्षण जीवविज्ञान में पीजी बीओएस सदस्य, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल, पश्चिम बंगाल।

प्रोफेसर समर कुमार साहा पश्चिम बंगाल के कूच बिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय में प्राणीशास्त्र में अनुसंधान सलाहकार समिति के बाहरी सदस्य रहे हैं।

प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल को पश्चिम बंगाल के बर्दवान विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में डॉक्टरेट समिति के बाहरी सदस्य के रूप में चुना गया है।

प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल को बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल में जूलॉजी के यूजी बीओएस के बाहरी सदस्य के रूप में चुना गया है।

प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल को पश्चिम बंगाल के बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्धमान विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग में अनुसंधान अध्ययन बोर्ड (बीआरएस) के बाहरी सदस्य के रूप में चुना गया है।

प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा को संपादकीय बोर्ड में फ्रंटियर्स इन एंडोक्रिनोलॉजी के तहत "प्रायोगिक एंडोक्रिनोलॉजी" और "प्रजनन" के लिए समीक्षा संपादक के रूप में मान्यता दी गई है।

प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा को संपादकीय बोर्ड में फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी के तहत "तुलनात्मक इम्यूनोलॉजी" के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में मान्यता दी गई है।

प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा को विश्वभारती के आईक्यूएसी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। 23.09.2022.

डॉ. राकेश कुंडू को एसईआरबी, सरकार से एसआईआई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) विजिटिंग साइंटिस्ट योजना प्राप्त हुई। भारत की ओर से, 2022 में जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय में अल्पकालिक शोध यात्रा के लिए जाने के लिए।

- 15.02.2023. डॉ. पारितोष मंडल, जिन्होंने पीएच.डी. की। **प्रोफेसर अंशुमन चट्टोपाध्याय** की मार्गदर्शन में, लर्नर रिसर्च इंस्टीट्यूट, क्लीवलैंड क्लिनिक में प्रोफेसर ताकुया सकागुची की सलाह के तहत पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में शामिल हुए हैं।
- 14.03.2023. डॉ. पल्लव शॉ, जिन्होंने पीएच.डी. की। **प्रोफेसर अंशुमन चट्टोपाध्याय** की मार्गदर्शन में, ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, ओक्लाहोमा में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में शामिल हुए हैं।
- श्री स्नेहाशीष नाग पीएच.डी. कर रहे हैं। **डॉ. राकेश कुंडू** की मार्गदर्शन में, मधुमेह के अध्ययन के लिए 58वीं यूरोपीय एसोसिएशन (ईएएसडी 2022) की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए ईएएसडी से ट्रैवल ग्रांट पुरस्कार प्राप्त किया।
- 24.11.2022-25.11.2022. सुश्री रागिनी सिन्हा पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर दीपक कुमार मंडल** के मार्गदर्शन में, "पर्यावरण और सतत विकास (आईसीईएसडी)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डी-एन ब्यूटाइल फ्रेथलेट (डीबीपी) के क्रोनिक एक्सपोज़र पर लेबियो बाटा में हेमटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परिवर्तन' शीर्षक वाले पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया। 2022) बायोटेक किशन हब, एनईएचयू, तुरा कैपस, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित किया गया।
- 29.01.2023-31.01.2023. सुश्री नेत्री दत्ता पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर समर कुमार साहा** के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में "मैक्रोब्रैचियम लामर्रेई एच. मिल्ले-एडवर्ड्स और लेबियो रोहिता हैमिल्टन के बीच सफाई सहजीवन: आर्गुलस बेंगालेंसिस रामकृष्ण के जैविक नियंत्रण के लिए एक दृष्टिकोण" शीर्षक से मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। पर्यावरण और सामाजिक कल्याण सोसायटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश द्वारा "प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापित करने के लिए पर्यावरण और देशी प्रजातियों के संवर्धन और संरक्षण के लिए रणनीतियाँ" पर आयोजित।
- 29.01.2023-31.01.2023. श्री दुतिमोय मुखर्जी पीएच.डी. कर रहे हैं। **प्रोफेसर समर कुमार साहा** के मार्गदर्शन में, "पर्यावरण और देशी प्रजातियों की रक्षा के लिए संवर्धन और संरक्षण की रणनीतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में "चूजे के भ्रूण के विकास पर हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) का प्रभाव" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए

अध्याय-2

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। और प्रकृति को पुनर्स्थापित करें" पर्यावरण और सामाजिक कल्याण सोसायटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया।

- 10.11.2022-12.11.2022. सुश्री सुदेशना मंडल पीएच.डी. कर रही हैं। **प्रोफेसर लैरीशा एम. लिंडेम** के मार्गदर्शन में, "वैश्विक तकनीकी प्रगति पर पैरासिटोलॉजी की 31वीं राष्ट्रीय कांग्रेस" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा चूहे की छोटी आंत में लैक्टिक एसिड किण्वित बैक्टीरिया उपनिवेशण को बदल देता है" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। द इंडियन सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी द्वारा चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पशु स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशालय के सहयोग से "परजीवी रोगों का निदान और सतत नियंत्रण" का आयोजन किया गया।

- 10.11.2022-12.11.2022. सुश्री समीपर्णा साहा पीएच.डी. कर रही हैं। प्रो. लारिशा एम. लिंडेम की मार्गदर्शन में, "ग्लोबल पर पैरासिटोलॉजी की 31वीं राष्ट्रीय कांग्रेस" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "जूनोटिक चूहे के टेपवर्म पर फेरुलिक एसिड की कृमिनाशक प्रभावकारिता, हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा रूडोल्फी, 1819" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। परजीवी रोगों के निदान और सतत नियंत्रण में तकनीकी प्रगति का आयोजन द इंडियन सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी द्वारा पशु स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र निदेशालय, तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के सहयोग से किया गया।

- 29.01.2023-31.01.2023. सुश्री समीपर्णा साहा पीएच.डी. कर रही हैं। प्रोफेसर लारिशा एम. लिंडेम के मार्गदर्शन में, "ईएसडब्ल्यू एक्स एनुअल" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "जूनोटिक चूहे के टेपवर्म, हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा (रूडोल्फी, 1819) के खिलाफ दो हाइड्रोक्सीसेनामिक एसिड की इन विट्रो एंथेलमिंटिक प्रभावकारिता" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण सोसायटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश द्वारा अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया।

- 23.11.2022-25.11.2022. श्री संबुद्ध बनर्जी, डीएसटी-इंस्पायर जेआरएफ पीएचडी कर रहे हैं। **प्रोफेसर सुदीप्त मैत्रा** के मार्गदर्शन में, "बिस्फेनॉल वयस्क मादा चढ़ाई पर्व में प्रजनन फिटनेस के लिए प्रासंगिक न्यूरोएंडोक्राइन अक्ष में परिवर्तन" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया और "जलीय जीवन पर

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया। सतत नीली अर्थव्यवस्था के लिए शमन उपाय (ICCAMS 2022)" जूलॉजी के पीजी और अनुसंधान विभाग, फातिमा माता नेशनल कॉलेज (स्वायत्त), कोल्लम, केरल द्वारा आयोजित किया गया।

• 16.03.2023-18.03.2023. श्री सेहाशीष नाग पीएच.डी. कर रहे हैं। डॉ. राकेश कुंडू के मार्गदर्शन में, आणविक सिग्नलिंग पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और चौथे सेसिन संगोष्ठी में "अग्राशय बीटा कोशिकाओं में डीपीपी-IV अभिव्यक्ति: मुक्त फैटी एसिड और फेटुइन-ए की भूमिका" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया। (ICMS-CS 2023) का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी (CSIR-IICB), कोलकाता द्वारा किया जाता है।

प्रकाशन:

पुस्तक अध्याय

• ओ. सरकार · के.के. डे · एस. इस्लाम · ए. चट्टोपाध्याय (2022): "शीशा और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र, बायोमार्कर और मानव जाति के लिए निहितार्थ।" विष विज्ञान में बायोमार्कर, रोग में बायोमार्कर: तरीके, खोजें और अनुप्रयोग, डीओआई। https://doi.org/10.1007/978-3-030-87225-0_58-1

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

• इस्लाम, एस., कामिला, एस., चट्टोपाध्याय, ए. (2022)। विवो और इन विट्रो में स्तनधारी कोशिकाओं में हेक्सावैलेंट क्रोमियम के विषाक्त और कैंसरकारी प्रभाव: एक हालिया अद्यतन। पर्यावरण विज्ञान और स्वास्थ्य जर्नल, भाग सी, डीओआई। 10.1080/26896583.2022.2158675।

• तानिया, एस., खानरा, एस., डे भौमिक, ए., बंदोपाध्याय, ए., चटर्जी, एस., चट्टोपाध्याय, ए., और देबासिस दास (2022)। साइक्लोहेक्सेन आधारित इमाइन व्युत्पन्न से प्राप्त एक नया Fe(III) कॉम्प्लेक्स: MCF7 और MDA-MB-231 मानव स्तन कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ H₂PO₄- मान्यता और कैंसर विरोधी गतिविधि पर अध्ययन। रसायन शास्त्र का चयन करें, दोई। 10.1002/एसएलसीटी.202203054।

अध्याय-2

- बाउल, टी.एस.बी., हिल्चो, बी., अडेपल्ली, एम.आर., डुथी, ए., सरकार, ओ., डे भौमिक, ए., चट्टोपाध्याय, ए., वास्केज़-रियोस, एम.जी. और होप्पल, एच. (2022)। डायऑर्गेनोटिन (IV) शिफ बेस कॉम्प्लेक्स $[R_2Sn(L)Cl_2]$ का संश्लेषण और संरचनाएं और स्तन कैंसर कोशिकाओं पर उनकी प्रसार संबंधी प्रतिक्रियाएं। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 134827, डीओआई: 10.1016/j.molstruc.2022.134827.
- मंडल, पी., मुखोपाध्याय, डी., शॉ, पी., डे भौमिक, ए., और चट्टोपाध्याय, ए. (2022)। पर्यावरण की दृष्टि से प्रासंगिक फ्लोराइड एरिथ्रोसाइट्स में परमाणु अखंडता को बदल देता है और जेब्राफिश के हेपेटोसाइट्स में डीएनए क्षति को प्रेरित करता है। न्यूक्लियस, 1-9.
- नाग, एस., मंडल, ए., हिरानी एच., डे भौमिक, ए., चट्टोपाध्याय, ए., और बनर्जी, पी. (2022)। Zn^{2+} और Cd^{2+} के ट्रेस स्तर की पहचान के लिए एक दोहरी-उत्तरदायी जैव-सौहार्दपूर्ण फ्लोरोफोर: मूत्र से नियोप्लास्टिक रोग और लार से ALS का प्रारंभिक निदान। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी, ए: केमिस्ट्री, 433, 114133।
- मंडल, एस., डे भौमिक, ए., मुखुति, ए., कुंडू, एस., टूओंग, के.एन., रिस्सानेन, के., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू, पी. (2022)। एंटीबायोटिक कोलिस्टिन का पता लगाने के लिए विश्वसनीय प्रतिदीप्ति तकनीक, जो इसके अत्यधिक उपयोग के कारण संभावित पर्यावरणीय खतरा है। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12, 1-8.
- साहा, बी., और साहा, एस.के. (2022)। तरल क्रोमैटोग्राफी-इलेक्ट्रोस्त्रे आयोनाइजेशन-मास स्पेक्ट्रोमेट्री के माध्यम से बबूल ऑरिकुलिफोर्मिस पेरिकार्प का फाइटोकेमिकल विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, 84 (3), 660-668। डीओआई: 10.36468/फार्मास्युटिकल-साइंसेज.961।
- मंडल, एस., मंडल, सी., मुखर्जी, टी., साहा, एस., कुंडू, ए., घोष, एस और लिंडेम, एल.एम. (2022)। हाइमेनोलेपिस डिमिनुटा लैक्टिक एसिड बैक्टीरियल लोड को कम करता है और स्विस् एल्बिनो चूहे के प्रोबायोटिक उपनिवेशन के प्रारंभिक संक्रमण में डिस्बिओसिस को प्रेरित करता है। सूक्ष्मजीव 10 (12):2328 <https://doi.org/10.3390/microorganisms10122328>
- तराई, एस.के., पैन, ए., दास, एस., भादुड़ी, आर., मंडल, एस., मैत्रा, एस. और मोई, एस.सी. (2022)। पाइरोलिडीन-आधारित प्लैटिनम (II) कॉम्प्लेक्स की कैंसररोधी संपत्ति और सामान्य कोशिका विषाक्तता प्रोफाइल: उनका डीएनए,

बीएसए इंटरैक्शन और आणविक डॉकिंग। एप्लाइड ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री, 36, पी.ई6859। डीओआई: 10.1002/एओसी.6859।

• चौधरी, एस. और सैकिया, एस.के. (2022)। ऑक्सीडेटिव तनाव का अध्ययन करने के लिए एक मॉडल जीव के रूप में जेब्राफिश का उपयोग: एक समीक्षा। जेब्राफिश, 19(5), 165-176। डीओआई: <https://doi.org/10.1089/zeb.2021.0083>।

• बाली, जी.के., सिंह, एस.के., चौहान, वी.के., जोशी, एन., भट्ट, एफ.ए., मल्ला, डब्ल्यू.ए., रामानुजम, बी., वाष्णीय, आर., कौर, एम. और पंडित, आर.एस. (2022)। एंटोमोपैथोजेनिक फंगल संक्रमण के बाद तुताअब्सोलुटा लार्वा की प्रोटीन प्रोफाइलिंग में एक अंतर्दृष्टि। वैज्ञानिक डेटा, 9(1), 507. <https://doi.org/10.1038/s41597-022-01593-y>।

• चटर्जी, के., रॉय, एस.डी., चक्रवर्ती, के., हक, ए., चक्रवर्ती, एस., मुखर्जी, एस.,। . . चौधरी, टी. (2022)। जीवनशैली, एपस्टीन-बार वायरस संक्रमण और अन्य कारक नासॉफैरिन्जियल कैंसर से बचे रहने में बाधा बन सकते हैं: उत्तर पूर्वी भारत में पांच साल का क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। वायरस रोग, 33(4), 371-382. doi:10.1007/s13337-022-00789-5

• घोष, पी., डे, के.के., चट्टोपाध्याय, ए., और साहू पी. (2023)। बटन मशरूम (एगारिकस बिस्पोरस) में हाइड्राज़िन को फंसाने और उसके अनुप्रयोग के लिए एक आसान टर्न-ऑन ल्यूमिनेसेंस तकनीक। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, doi:10.1039/D3NJ00504F।

• सैकिया, एस.के. (2023)। जलीय संसाधन और फ़ीड विविधीकरण: चावल मछली संस्कृति में ट्रॉफिक गहनता के दृष्टिकोण से दक्षिण पूर्व एशिया के तीन मामलों के अध्ययन की समीक्षा करना। एक्वाकल्चर और मत्स्य पालन (ऑनलाइन उपलब्ध).doi: <https://doi.org/10.1016/j.aaf.2023.01.006>।

• गुरिया, एस., हूरी, ए., दास, एस., चट्टोपाध्याय, डी. और मुखर्जी, एस. (2023) वसा ऊतक मैक्रोफेज और मोटापे से जुड़े इंसुलिन प्रतिरोध में उनकी भूमिका: खेल में जटिल गतिशीलता का एक सिंहावलोकन। बायोसाइंस रिपोर्ट 43(3):बीएसआर20220200; <https://doi.org/10.1042/BSR20220200>।

अध्याय-2

• नाग, एस., मंडल, एस., मजूमदार, टी., मुखोपाध्याय, एस. और कुंडू, आर. (2023)। FFA-Fetuin-A, TLR4-NFkB मार्ग के माध्यम से अग्राशयी बीटा कोशिकाओं में DPP-IV अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है। बायोकेमिकल और बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस, 647: 55-61।

सहकर्मी/समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 16

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- विभाग ने पीएचडी का पुनरीक्षण किया है। यूजीसी के निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कोर्स वर्क पाठ्यक्रम।
- विभाग एनईपी 2020 के बाद 4 वाई स्नातक पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। पाठ्यक्रम संरचना डिजाइन की गई है और विस्तृत सामग्री तैयार की जा रही है।

वनस्पति विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी/गेट में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- नेट उत्तीर्ण करने वाले छात्र: बाबई हाजरा, कुणाल साहा, पापरी साहा, सितांशु दास
- गेट (जीवन विज्ञान) उत्तीर्ण करने वाले छात्र: अरिजीत दास, देबज्योति डे, देबज्योति साहा, कल्याण नंदी, प्रोसेनजीत मंडल, सौम्यजीत सरकार, सुनीपा कामिल्या, टोटन दास
- सेट उत्तीर्ण करने वाले छात्र: अर्का मंडल, बिदिशा पात्रा, मोहम्मद, मौमिता परवीन, सौमित्र हलदर
- छात्रों ने जैम उत्तीर्ण किया: सोहम दास
- छात्रों ने जेजीईईबिल्स उत्तीर्ण किया सोहम दास

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 16.01.2023. प्रो. अदिनपुनिया मित्रा, प्रोफेसर, एजीएफई विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, भारत ने "पुष्प सुगंध उत्सर्जन का जीव विज्ञान- कई नए प्रश्न" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 20.02.2023. डॉ. देबब्रता लाहा, सहायक प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर, भारत ने "पौधों में इनोसिटोल फॉस्फेट द्वारा सेल सिग्नलिंग" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 14.11.2022. डॉ. सोहिनी बनर्जी, पोस्टडॉक्टरल एसोसिएट, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, टेक्सास चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, ह्यूस्टन, यूएसए; "जीवाणु समुदाय विभिन्न सूक्ष्म वातावरण में बदलाव और स्वास्थ्य और बीमारियों पर इसके प्रभाव" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

अध्याय-2

नारायण चंद्र मंडल

- 02.02.2023-03.02.2023. प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा "फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित और एक सत्र की अध्यक्षता की।

चौधरी हबीबुर्रहमान

- 13.02.2023. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारत सरकार द्वारा 'पादप वर्गीकरण, एथनोबोटनी और वनस्पति उद्यान' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में एथनोबोटनी अनुसंधान: इसका अतीत और वर्तमान परिदृश्य" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। भारत के, कोलकाता, डब्ल्यू.बी.

सोमा सुकुल

- 26.11.2022. मानसरोवर डेंटल कॉलेज, भोपाल, एमपी में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंडियन फ़र्न सोसाइटी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के XVII सम्मेलन, 25-27 नवंबर, 2022 में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.11.2022. मानसरोवर डेंटल कॉलेज, भोपाल, एमपी में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंडियन फ़र्न सोसाइटी और राष्ट्रीय संगोष्ठी के XVII सम्मेलन, 25-27 नवंबर, 2022 में तकनीकी सत्र में एक सत्र की अध्यक्षता की।

ज्ञानेन्द्र रथ

- 08.09.2022. प्रोबिर चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन और वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "फ़ाइकोलॉजी वेबिनार 2022" में "अजोध्या हिल्स, पुरुलिया की सूक्ष्म-शैवाल विविधता" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 08.09.2022. "फिजियो-केमिकल पैरामीटर के साथ सहसंबंध में पश्चिम बंगाल के विभिन्न आर्द्रभूमियों की माइक्रोएलल विविधता की खोज" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया। प्रोबिर चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन और

वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "फ़ाइकोलॉजी वेबिनार 2022" में।

- 08.09.2022. एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था, "एलिनोस्टोक एसपी की फ़ाइकोरमीडिएशन क्षमता। प्रोबिर चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन और वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "फ़ाइकोलॉजी वेबिनार 2022" में दूषित पानी से आर्सेनिक को हटाने के लिए।
- 11.11.2022. रोम, इटली में स्टोन स्मारकों के जैव-विघटन पर यूरोपीय सम्मेलन द्वारा आयोजित, "भारत के 7वीं शताब्दी के पुराने परशुरामेश्वर पत्थर के स्मारक के माइक्रोबायोम और इसके जैव-विघटन पर शुष्कन-सहिष्णु साइनोबैक्टीरिया की भूमिका" शीर्षक से एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

अदानी लोखो

- 08.11.2022. सूरी विद्यासागर कॉलेज (संबद्ध से संबद्ध) के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत के पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में फाइबर फसल सुन्नहेम्प (क्रोटेलारिया जंसिया एल.) की पारंपरिक खेती" शीर्षक पर व्याख्यान दिया। बर्दवान विश्वविद्यालय, सूरी, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल-731101।
- 08.11.2022. वनस्पति विज्ञान विभाग, सूरी विद्यासागर कॉलेज (बर्दवान विश्वविद्यालय से संबद्ध), सूरी, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल-731101 द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुति में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 13.02.2023. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई), कोलकाता द्वारा "पादप वर्गीकरण, एथनोबोटनी और वनस्पति उद्यान" पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सेनापति जिले, मणिपुर, भारत में स्थानीय चिकित्सकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे" शीर्षक पर व्याख्यान दिया।
- 14.02.2023. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई), कोलकाता द्वारा "पादप वर्गीकरण, एथनोबोटनी और वनस्पति उद्यान" पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोडरमा वन्यजीव अभयारण्य, झारखंड के स्थानिक, दुर्लभ और दिलचस्प पौधे: खतरे और शमन" शीर्षक पर व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 02.02.2023-03.02.2023. कृषि संस्थान के पादप रोगविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "फसल के पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "बीरभूम जिले, पश्चिम बंगाल, भारत में दलहनी फसल की लागत और रिटर्न का विश्लेषण" शीर्षक से व्याख्यान दिया गया। (पीएसबी), विश्व भारती।

बंबा दाम

- 02.03.2023 - 04.03.2023. वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्रॉयलर के स्वास्थ्य में सुधार के लिए उसके आंत माइक्रोबायोम को संशोधित करके जैविक हस्तक्षेप" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। .
- 02.03.2023 - 04.03.2023. वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नंदलाल मंडल

- 08.11.2022. वनस्पति विज्ञान विभाग, सूरि विद्यासागर कॉलेज, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" में "गेहूं राइजोस्फीयर कवक के विकास संवर्धन गुण और प्रभावकारिता" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- 02.02.2023-03.02. 2023. पादप रोगविज्ञान विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (संस्थान) द्वारा आयोजित "फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पौधों की वृद्धि और मिट्टी की वृद्धि में तेजी लाने के लिए राइजोस्फीयर कवक का अनुप्रयोग" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। (कृषि) विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

अंजलिका रॉय

- 08.11.2022. सूरि विद्यासागर कॉलेज, सूरि, बीरभूम-731101, पश्चिम बंगाल द्वारा "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर सत्र की अध्यक्षता की।

अनिंद्य विश्वास

- 02.03.2023-04.03.2023. "प्रकाश जैथोमोनास की उग्रता और सामाजिक व्यवहार को नियंत्रित करता है" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

अनुसंधित्सु

अभिनव चक्रवर्ती

- 02.03.2023-04.03.2023. वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्रॉयलर पोल्ट्री फार्मिंग के लिए फ्रीड योज्य के रूप में कोलीफेज का अलगाव, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया, भारत।

देवारती प्रामाणिक

- 08.11.2022. सूरि विद्यासागर कॉलेज, सूरि, बीरभूम-731101, पश्चिम बंगाल द्वारा "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "त्रिपुरा के एक्विलारिया मैलाकेंसिस के पत्ती अर्क (अगारू/गहरू) का फाइटोकेमिकल विश्लेषण और जीवाणुरोधी स्क्रीनिंग" शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

देबोलिका दलाल

- 08.11.2022. पश्चिम बंगाल के सूरि विद्यासागर कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "गेहूं राइजोस्फीयर कवक द्वारा एप्लाटॉक्सिजेनिक एस्परगिलस फ्लेवस वृद्धि का बायोकंट्रोल" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।

देवस्मिता मुखर्जी

- 20.02.2023-03.02.2023. "रूट कॉलोनाइजिंग, फाइटोस्टिम्युलेटिंग, और सीडी सहिष्णु पत्ती एंडोफाइटिक कवक कोलेटोट्राइकम एसपीपी" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई। विश्वभारती के पल्ली शिक्षा भवन के पादप रोगविज्ञान विभाग द्वारा "फसल के पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर आयोजित

अध्याय-2

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सीडी स्ट्रेस्ड चावल के पौधों की वृद्धि में सुधार के लिए उपविषय के तहत पहला स्थान हासिल किया गया। 'फसल मेजबान और रोग पैदा करने वाले एजेंट के बीच बातचीत।'

मोहित लाल कुमार

• 06.03.2023 गुश्कारा महाविद्यालय, गुस्कारा, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 'जैविक विज्ञान और खेल विज्ञान में अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पश्चिम बंगाल के कुछ चयनित शुष्क पर्णपाती जंगलों की मिट्टी के गुणों का तुलनात्मक विश्लेषण" शीर्षक से एक ऑफ़लाइन व्याख्यान दिया।

प्रलय शंकर गराई

• 09.01.2023-10.01.2023. 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस-2022-23 में "एंडोफाइट बैसिलस सियामेंसिस सीएनई6 द्वितीयक एंटीफंगल मेटाबोलाइट्स का उत्पादन करके और पौधों की रक्षा जीन को प्रेरित करके सिसर एरीटिनम एल में ब्लैक रूट रोग पैदा करने वाले रोगजनक फ्यूसेरियम सोलानी सीआरपी1 को रोकता है" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। क्षेत्र क्रमांक 6, पश्चिम बंगाल.

पूजा मुखर्जी

• 02.03.2023-04.03.2023. वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोरम शमन सूक्ष्मजीवों के लिए संभावित लक्ष्य के रूप में हाइपरसेलिन वातावरण" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

राजर्षि भट्टाचार्य

• 02.03.2023. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय APMAS-2023 में पोस्टर प्रस्तुति के रूप में "लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया में अगली पीढ़ी के जीनोम संपादन मंच का विकास" शीर्षक से भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।

राजू विश्वास

• 02.03.2023-04.03.2023. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "पौधों, सूक्ष्मजीवों और कृषि विज्ञान में प्रगति" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोयला खदानों और लाल-

लैटेरिटिक मिट्टी से पोटेशियम घुलनशील बैक्टीरिया की जैवउर्वरक क्षमता" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। पश्चिम बंगाल और सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार हासिल किया।

रेशमा लाकड़ा

• 13.02.2023. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा 'पादप वर्गीकरण, एथनोबोटनी और वनस्पति उद्यान' पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, भारत के पोएसी परिवार के वर्गीकरण अध्ययन' शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। 13.02.2023 से 14.02.2023 तक आयोजित।

रिया चक्रवर्ती

• 08.11.2022 सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, पश्चिम बंगाल द्वारा 'जैविक विज्ञान में उभरते रुझान' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारी धातु दूषित मिट्टी के हानिकारक प्रभाव और उपचार: एक समीक्षा' शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

• 06.03.2023. गुस्कारा महाविद्यालय, गुस्कारा, पश्चिम बंगाल द्वारा 'जैविक विज्ञान और खेल विज्ञान में अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रानीगंज, पश्चिम बंगाल, भारत में ओपन कास्ट कोयला खनन गतिविधि के कारण मिट्टी में भारी धातु संदूषण' शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। .

सैकत मंडल

• 08.11.2022. सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, बीरभूम-731101, पश्चिम बंगाल द्वारा "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वांडा बेन्सोनी के इन-विट्रो प्रसार पर ग्लाइसिन और आर्जिनिन का प्रभाव" नामक एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

सम्राट दत्ता

• 08.11.2022. सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, बीरभूम-731101 द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एक लुप्तप्राय आर्किड प्रजाति वांडा बेन्सोनी में असिंबियोटिक बीज अंकुरण से सूक्ष्म रासायनिक परीक्षण और कुशल पीएलबी गठन का अध्ययन" शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया। डब्ल्यू.बी.

अध्याय-2

समिक हाजरा

- 30.7.2022. कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल द्वारा आयोजित 'ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट में हालिया प्रगति' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में "स्तन कैंसर के संभावित अवरोधकों की पहचान के लिए आम भारतीय मसालों से प्राकृतिक फाइटोकंपाउंड के सिलिको स्क्रीनिंग और आणविक डॉकिंग अध्ययन में" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई। प्रौद्योगिकी और एचएस, उलुबेरिया, हावड़ा, डब्ल्यू.बी. 29.7.2022 से 30.7.2022 तक. 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति' श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया।
- 01.3.2023. "फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग, इन विट्रो बायोलॉजिकल एक्टिविटीज और इन सिलिको मॉलिक्यूलर डॉकिंग स्टडीज ऑफ केराटिया पेडाटा (लैम) जूस" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई। exGagnep. शूट" जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा जैव-संसाधन विकास केंद्र, शिलांग और बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सुविधा के सहयोग से आयोजित 'जैविक विज्ञान में उभरते रुझान: एक उत्तर पूर्व भारत परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में। एनईएचयू, तुरा कैम्पस, मेघालय 28.2.2023 से 1.3.2023 तक।

सुमन कर्मकार

- 14.02.2023. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण कोलकाता, डब्ल्यू.बी. द्वारा 'प्लांट टैक्सोनामी, एथनोबोटनी और बॉटैनिकल गार्डन' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत के बांकुरा जिले, पश्चिम बंगाल के आदिवासी लोगों के बीच जहरीले जानवरों के काटने के इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले एथनोमेडिसिनल पौधे" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई। , सरकार। भारत के, कोलकाता, डब्ल्यू.बी.

सुभायन चटर्जी

- 06.03.2023. गुश्कारा महाविद्यालय, गुश्कारा, पश्चिम बंगाल द्वारा 'जैविक विज्ञान और खेल विज्ञान में अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भौतिक रासायनिक और जीवाणुविज्ञानी मापदंडों के आधार पर गंगा के निचले हिस्से में पानी की गुणवत्ता में मौसमी बदलाव' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

सैयदा नूरुन्नेसा बेगम

- 30.7.2022. कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी एंड एएचएस, उलुबेरिया, हावड़ा पश्चिम बंगाल द्वारा 'ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट में हालिया प्रगति' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में "रासायनिक प्रोफाइलिंग, इन-विट्रो फार्माकोलॉजिकल गतिविधियां, और मेयनालाक्सीफ्लोरा रॉबिन्स की विषाक्तता मूल्यांकन" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई।
- 01.3.2023. 'जैविक विज्ञान में उभरते रुझान: एक उत्तर' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फाइटोकेमिकल प्रोफाइल का अनावरण, एडेनोथेरा पावोनिना एल. छाल की जैविक क्षमता, और लक्ष्य प्रोटीन के साथ इसके बायोएक्टिव यौगिकों के सिलिको आणविक डॉकिंग अध्ययन का अनावरण" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। 'ईस्ट इंडिया पर्सपेक्टिव' का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा जैव-संसाधन विकास केंद्र, शिलांग और बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर सुविधा, एनईएचयू, तुरा कैंपस, मेघालय के सहयोग से 28.2.2023 से 1.3.2023 तक किया गया।

यशोदा सुब्बा

- 30.7.2022. द्वारा आयोजित 'ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट में हालिया प्रगति' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में "बेटुलालनोइड्स बुच.-हैम: तीस्ता वैली, दार्जिलिंग का एक एथनोमेडिसिनल पेड़ का फार्माकोग्राफिकल लक्षण वर्णन, फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग और चयनात्मक जैविक गतिविधि अध्ययन" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी गई। कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी एंड एएचएस, उलुबेरिया, हावड़ा, डब्ल्यू.बी.
- 1.3.2023. जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 'जैविक विज्ञान में उभरते रुझान: एक उत्तर पूर्व भारत परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दार्जिलिंग जिले, पश्चिम बंगाल, भारत में औषधीय पौधों का जातीय औषधीय अध्ययन: मात्रात्मक दृष्टिकोण" शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी। , नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग जैव-संसाधन विकास केंद्र, शिलांग और बायोनेस्ट बायो इनक्यूबेटर सुविधा, एनईएचयू, तुरा कैंपस, मेघालय के सहयोग से

अध्याय-2

ज़िनिया सुलताना

• 30.7.2022. कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी एंड एएचएस, उलूबेरिया, हावड़ा, डब्ल्यू.बी. द्वारा 'ड्रग डिस्कवरी और डेवलपमेंट में हालिया प्रगति' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में 'किंगेलिया अफ्रीकाना के सोने और चांदी के नैनोकणों की एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गतिविधियों की खोज' शीर्षक से एक मौखिक प्रस्तुति दी।

दूसरे छात्र

कल्याण नंदी, श्रेया पाल, सौम्यजीत सरकार और आइशी चक्रवर्ती

• 10.11.2022. चार छात्रों की एक टीम, एम.एससी. सेमेस्टर-1 ने भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था, "एंडोफाइटिक कवक: पौधों की प्रतिरक्षा प्रणाली का मित्र या दुश्मन?" और शांति एवं विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में पी.जी. द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार के लिए चुना गया। वनस्पति विज्ञान विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द सेंटेंररी कॉलेज, रहारा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

• शिक्षक का नाम: प्रो. स्वदेश रंजन विश्वास

परियोजना का नाम: लैक्टोबैसिलस फेरमेंटम एम1 के सीआरआईएसपीआर-कैस9 का उपयोग करके लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया के लिए एक कुशल खाद्य-ग्रेड जीनोम इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म का विकास
प्रायोजक एजेंसियां: डीबीटी, भारत सरकार।

स्वीकृत राशि: रु. 64,58,160/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. ज्ञानेंद्र रथ

परियोजना का नाम: रोगाणुरोधी प्रतिरोध के खिलाफ नवीन एंटीबायोटिक दवाओं की खोज में तनावग्रस्त आवासों से साइनोबैक्टीरिया के गुप्त और एंटी-कोरम सेंसिंग प्राकृतिक उत्पादों को अनलॉक करना
प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, भारत सरकार।

स्वीकृत राशि: रु. 46,71,370/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. ज्ञानेंद्र रथ

परियोजना का नाम: पश्चिम बंगाल के छोटे बच्चों के मातृ पूरक और न्यूरोडेवलपमेंट के लिए पश्चिम बंगाल की आर्द्रभूमि से शैवाल का उत्पादन करने वाले डीएचए (डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड) की खोज।

प्रायोजक एजेंसियां: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल।

स्वीकृत राशि: रु. 10,80,000/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. बोम्बा डैम

परियोजना का नाम: समग्र संस्कृति प्रणाली के तहत भारतीय प्रमुख कार्प, लेबियो रोहिता, सिरिनस मृगला और कैटला कैटला के विकास में सुधार के लिए प्रीबायोटिक फ़ीड अनुपूरक: एक आंत माइक्रोबायोटम और न्यूट्रीजेनोमिक्स आधारित दृष्टिकोण

प्रायोजक एजेंसियां: डीबीटी, सरकार। भारत की [बर्दवान विश्वविद्यालय के साथ नेटवर्क परियोजना], सरकार। भारत की

स्वीकृत राशि: रु. 55,17,000/- (वीबी घटक)

• शिक्षक का नाम: डॉ. बोम्बा दाम

परियोजना का नाम: ब्रॉयलर चिकन की जैविक खेती के लिए संभावित फ़ीड योज्य के रूप में बैक्टीरियोफेज

प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, सरकार। भारत की

स्वीकृत राशि: रु. रु. 41,98,620/-

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

नारायण चंद्र मंडल

• एनएएसी मूल्यांकनकर्ता के रूप में कार्य किया और सरकार का दौरा किया। कॉलेज, गुलबर्गा, दिसंबर 26-27, 2022 पीयर टीम विजिट के लिए सदस्य समन्वयक के रूप में, ट्रैक आईडी: KACOGN10384।

अध्याय-2

सोमा सुकुल

- वर्ष 2022 के दौरान इंडियन फ़र्न सोसाइटी (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957 द्वारा संशोधित सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI 1860 के तहत पंजीकृत) के फेलो के रूप में चुने गए।

प्रकाशन:

पुस्तक अध्याय

नारायण चंद्र मंडल

- कोले, ए., ब्रे, डी., बनर्जी, एस., सरहर, एस., थाहुर, आर.जी., हाजरा, ए.के., मंडल, एन.सी., चौधरी, एस., रॉस, ए.बी., कैमारगो-वलेरो, एम.ए. और बालचंद्रन, एस. (2023)। जल जलकुंभी (इचोर्निया क्रेसिप्स) दूषित जल निकायों से भारी धातुओं को हटाने के लिए एक स्थायी रणनीति। विषाक्त धातु (लॉयड) के बायोरेमेडिएशन में (पीपी. 95-114)। सीआरसी प्रेस.
- दास, एस., गोरार्ड, पी.एस., गोस्वामी, एल. और मंडल, एन.सी. (2023)। एंडोफाइटिक सूक्ष्मजीव और भूमि निवारण में उनकी भूमिका। जैव-प्रेरित भूमि उपचार में (पीपी. 133-164)। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1007/978-3-031-04931-6_6
- मंडल एस. और मंडल एनसी., (2022) मानव स्वास्थ्य पर प्रोबायोटिक्स के वर्तमान रुझान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य: माइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स में हालिया प्रगति और भविष्य के परिप्रेक्ष्य में एक सिंहावलोकन, संस्करण। डी मंडल, एस. एट अल., आईएसबीएन 978-0-323-90113-0 <https://doi.org/10.1016/B978-0-323-90113-0.00005-5>

बोम्बा दाम

- डैम बी, पाल एस, सार ए, मुखर्जी पी (2022) हेलोफिलिक सूक्ष्मजीव: विविधता, अनुकूलन और अनुप्रयोग। "एक्सट्रीमोफाइल्स: विविधता, अनुकूलन और अनुप्रयोग" में संपादक: आलम एम, तिवारी बीके। बेंथम साइंस पब्लिशर्स लिमिटेड। 146-181. आईएसबीएन: 978-981-5080-36-0.

अंजलिका राँय

• गांगुली के, रॉय ए (2022) पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी के उपकरण। इन: देबनाथ एस, मंजुला आई के, कुमार ए, शाह के के, (संस्करण)। जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान, आईआईपी कार्यवाही, आईएसबीएन: 978-93-95632-83-6 पीपी 338-350।

• रॉय ए (2022) मलेरिया-रोधी दवा: युगों के माध्यम से खोज और विकास। इन: चटर्जी ए, मंडल एस (संस्करण)। बायोसाइंसेज के पहलू, ब्लू रोज़ पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 978-93-5628-086-1 पीपी 19-30।

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

• चटर्जी, एस., घोष, एस. और मंडल, एन.सी. (2022)। बायोएक्टिव यौगिकों के उत्पादन के लिए सिडियम गुजावा एल से अलग किए गए एक एंडोफाइटिक कवक अल्टरनेरिया टेनुइसिमा पीई2 की क्षमता। साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ़ बॉटनी, 150, पीपी.658-670

• गोराई, पी.एस., घोष, आर., घोष, एस., सामंता, एस., सेन, ए., पांजा, एस., गोंड, एस.के. और मंडल, एन.सी. (2023)। इसके मेटाबोलाइट्स और पौधों की रक्षा जीन के सक्रियण के माध्यम से एंडोफाइटिक बैसिलस सियामेंसिस सीएनई 6 द्वारा ब्लैक रूट रोग पैदा करने वाले फंगस फ्यूसेरियम सोलानी सीआरपी 1 का प्रबंधन। माइक्रोबायोलॉजी स्पेक्ट्रम, पीपी.ई03082-22। डीओआई:10.1128/स्पेक्ट्रम.03082-22।

• मुखर्जी, डी., प्रमाणिक, के., मंडल, एस., और मंडल, एन.सी. (2022)। फाइटोस्टिम्युलेटिंग, रूट-कॉलोनाइजिंग, सीडी-टॉलरेंट, लीफ-एंडोफाइटिक कवक कोलेटोट्राइकम एसपीपी के अनुप्रयोग के साथ सीडी-तनावग्रस्त चावल के पौधों की संवर्धित वृद्धि। यूपेटोरियम ट्रिप्लिनर्व से पृथक। खतरनाक सामग्रियों का जर्नल, 438, पृष्ठ 129508।

• काजी, टी.ए., आचार्य, ए., मुखोपाध्याय, बी.सी., मंडल, एस., अरुखा, ए.पी., नायक, एस., बिस्वास, एस.आर. (2022)। लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया के लिए प्लास्मिड-आधारित जीन अभिव्यक्ति प्रणाली: एक समीक्षा। माइक्रोऑर्ग. वॉल्यूम. 10, पेज 1132 10, 1132. <https://doi.org/10.3390/MICROORGANISMS10061132>

• काजी, टी.ए., मुखोपाध्याय, बी.सी., मंडल, एस., बिस्वास, एस.आर. (2023)। किण्वित दूध से अलग किए गए एंटरोकोकस इटैलिकस एसडी1 से पांच नवीन प्लास्मिड का आणविक लक्षण वर्णन: प्लास्मिड असंगति को समझने में एक अंतर्दृष्टि। जीन 856, 147154. <https://doi.org/10.1016/J.GENE.2022.147154>

अध्याय-2

- मजूमदार, एस., लेप्पा, जी., काज़ी, टी.ए., पाल, आई., बिस्वास, एस.आर., डे, बी. (2022)। Cd(II) और Zn(II) के स्कैरिक एसिड चालित सुपरमॉलेक्यूलर मेटलोजेल: मल्टी-ड्रग प्रतिरोध ESKAPE रोगजनकों के लिए संवेदनशील अवरोधक। जे. मोल. लीक. 368, 120619. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2022.120619>
- ओराँव, एस., पाल, एस. और मंडल, एस. (2023)। फूल-आगंतुक विविधता और भारतीय जैतून (एलेओकार्पस फ्लोरिबंडस ब्लूम) का परागण। एनल्स ऑफ एप्लाइड बायोलॉजी, 182(2), 183-191. <https://doi.org/10.1111/aab.12808>
- ओराँव, एस., पाल, एस., भंडारी, पी. और मंडल, एस. (2022)। मकड़ी का जाला: पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन से वायुजनित पराग-बीजाणुओं के विश्लेषण के लिए एक प्राकृतिक नमूना। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत की कार्यवाही, खंड बी: जैविक विज्ञान, 92(4), 919-927। <https://doi.org/10.1007/s40011-022-01383-x>
- सरकार, ए.के., ओराँव, एस., मंडल, एस. और साधुखान, एस. (2022)। भारत में कम उपयोग की जाने वाली अरेंगा प्रजाति पर जातीय-औषधीय और औद्योगिक गुण। जर्नल ऑफ़ फूड बायोकेमिस्ट्री, 46(12), ई14441। <https://doi.org/10.1111/jfbc.14441>
- घोष, एस., सेन, एस.के. और मंडल, एस. (2022)। बखर के नृवंशविज्ञान संबंधी दृष्टिकोण: एक स्वदेशी स्टार्टर संस्कृति जिसका उपयोग भारत के ग्रामीण पश्चिम बंगाल में पारंपरिक रूप से किण्वित चावल पेय तैयार करने के लिए किया जाता है। जर्नल ऑफ़ एथनिक फूड्स, 9(26), 1-10। <https://doi.org/10.1186/s42779-022-00143-6>
- लाकड़ा, आर., कुमारी, पी. और मोंडल, एस. (2022)। ओरानिया निकोबारिका का लेक्टोटाइपीकरण, बेंटिनकिया निकोबारिका (एरेकेसी) का आधार नाम। नेलुम्बो, 64(1), 332-333. <http://dx.doi.org/10.20324/nelumbo%2Fv64%2F2022%2F169599>
- लाकड़ा, आर., कुमारी, पी. और मंडल, एस. (2022)। एरेका ऑगस्टा का लेक्टोटाइपिफिकेशन, रोडालोब्लास्ट ऑगस्टा (एरेकेसी) का बेसिओनिम। जर्नल ऑफ़ जापानी बॉटनी, 97(5), 270-270। https://doi.org/10.51033/jjapbot.97_5_11195

- लाकड़ा, आर., कुमारी, पी. और मंडल, एस. (2022)। अरुंडिनेला सेटोसा संस्करण। सेटोसा (पोएसी): भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए एक नया रिकॉर्ड। रीडिया, 32(2): 131-134.
<https://dx.doi.org/10.22244/rheedea.2022.32.02.04>
- बिस्वास, के., मंडल, एस. और मंडल, एस. (2022)।पोलिनेशन बायोलॉजीऑफ टर्नेरा अल्मीफोलिया एल.साइंस एंड कल्चर, 88(3-4):129-135.
DOI:10.36094/sc.v88.2022.परागण_जीवविज्ञान_of_टर्नेरा_उलमीफोलिया_लिन.बिस्वास_et.al.129
- चौधरी, एस., मंडल, एस. और मंडल, एस. (2022)। साइट्रस मैक्सिमा में मधुमक्खियों का चारा खोजने का व्यवहार और भूमिका और फलों के उत्पादन पर इसका प्रभाव। विज्ञान और संस्कृति, 88(9-10): 354-361.डीओआई: 10.36094/एससी.वी88.2022।मधुमक्खियों का व्यवहार_और_भूमिका_चौधरी.354
- मंडल, एस.के. और रहमान, सी.एच. (2022)। पूर्वी भारत में स्थानीय लोगों के बीच नृजातीय औषधीय ज्ञान का आविष्कार और सर्वसम्मति विश्लेषण: धारणा, सांस्कृतिक महत्व और लचीलापन। फ्रंटियर्स इन फार्माकोलॉजी, 13, 861577. डीओआई: <https://doi.org/10.3389/fphar.2022.861577>
- बेगम, एस.एन., रे, ए.एस. और रहमान, सी.एच. (2022)। यूजेनॉल की संभावित कैंसररोधी गतिविधियों पर एक व्यापक और व्यवस्थित समीक्षा: पूर्व-नैदानिक साक्ष्य से लेकर कार्रवाई के आणविक तंत्र तक। फाइटोमेडिसिन,107(17), 154456। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.phymed.2022.154456>
- हाजरा, एस., रे, ए.एस. और रहमान, सी.एच. (2022)। स्तन कैंसर के तीन संभावित अवरोधकों की पहचान के लिए आम भारतीय मसालों से प्राकृतिक फाइटोकंपाउंड: एक आणविक मॉडलिंग दृष्टिकोण। अणु, 27(19), 6590. डीओआई:<https://doi.org/10.3390/molecules27196590>
- सुब्बा, वाई., हाजरा, एस. और रहमान, सी.एच. (2023)। तीस्ता घाटी, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल, भारत के औषधीय पौधे: एक मात्रात्मक नृवंशविज्ञान अध्ययन। जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्युटिकल साइंस, 13(1), 092-108.डीओआई:<https://doi.org/10.7324/JAPS.2023.130109>

अध्याय-2

- हाजरा, एस., रे, ए.एस., दास, एस., दास गुप्ता, ए. और रहमान, सी.एच. (2023)। फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग, जैविक गतिविधियां, और कॉसोनिस्ट्रिफोलिया (एल.) मैब के सिलिको आणविक डॉकिंग अध्ययन में। और जे. वेन शूट. पौधे, 12(7), 1495. डीओआई: <https://doi.org/10.3390/plants12071495>।
- पाल एन और सुकुल एस. (2022)। कॉपर और लेड के परिणाम दो थेलिऐरॉइड फ़र्न के जैव रासायनिक गुणों और माइटोटिक क्रोमोसोमल व्यवहार और उन धातुओं को सहन करने की उनकी क्षमता पर तनाव डालते हैं। वनस्पति विज्ञान के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल. 147: 53-62. <https://doi.org/10.1016/j.sajb.2021.12.028>
- दत्ता ए, और सुकुल एस. (2022)। बिष्णुपुर उपखंड, पश्चिम बंगाल से कुछ टेरिडोफाइट्स का वितरण और नृवंशविज्ञान संबंधी उपयोग। द इंडियन फ़र्न जर्नल। 39(1): 228-238.
- पाल एन और सुकुल एस. (2022)। थेलिऐरिस इंटरष्टा (जंगली) के. इवात्स में माइटोटिक क्रोमोसोमल व्यवहार पर अध्ययन। इंडियन फ़र्न जर्नल. 39(1): 223-227. आईएसएसएन 0970-2741।
- किस्कू, टी., पॉल, के., सिंह, बी., दास, एस., मुखर्जी, एस., कुंडू, ए., रथ, जे. और दास, आर.एस., (2022)। संभावित चिकित्सीय एजेंट के रूप में Cu (II)-कैफीन कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण: एंटीऑक्सीडेंट, कैंसररोधी और औषधीय गतिविधियों पर अध्ययन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 364, 119897. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2022.119897> (I.F: 6.633)
- पटनायक, ए., अलविल्ली, एच., रथ, जे., पाणिग्रही, के.सी., और पाणिग्रही, एम. (2022)। सर्कैडियन क्लॉक संगठन और कार्य में विविधताएँ: प्राचीन से नवीनतम तक की यात्रा। प्लांटा, 256(5), 91. <https://doi.org/10.1007/s00425-022-04002-1> (I.F: 4.54)
- एशुओ, के. और लोखो, ए. 2023. सॉरोमेटम हॉर्सफ्रील्डि (एरेसी): पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर की वनस्पतियों में एक नया योगदान। धमकी भरे टैक्सा के जे. 15(1):22538-22542. डीओआई: <https://doi.org/10.11609/jott.8024.15.1.22538-22542>

- नाग, ए., और गुप्ता, एच. (2022)। बल्लवपुर वन्य जीवन अभयारण्य, पश्चिम बंगाल, भारत में उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन वृक्ष प्रजातियों के अंकुर और अंकुर के अस्तित्व और विकास पर प्रकाश की उपलब्धता का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी, 49(5), 1576-1580।
- बंदोपाध्याय ए, साहा ए, घोष डी, डैम बी, सामंत एके, दत्ता एस. (2023) कंक्रीट की माइक्रोबियल मरम्मत और CO₂ पृथक्करण में इसकी भूमिका: एक महत्वपूर्ण समीक्षा। बेनी-सुएफ़ यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज 12:7 (आईएसएसएन: 2314-8543); <https://doi.org/10.1186/s43088-023-00344-1>
- दलाल, डी. और मंडल, एन. (2022)। गेहूं राइजोस्फीयर कवक की विरोधी क्षमताएं और एप्लाटॉक्सिजेनिक एस्पेरगिलस फ्लेवस आइसोलेट्स के विकास अवरोध के दौरान मायसेलियल इंटरैक्शन व्यवहार का तरीका। रेस. एग्रील के जूनियर. विज्ञान. खंड 13(3): 829-833
- कुमार, डी., मंडल, एस., बेली, जे.वी., फ्लड, बी.ई. और जोन्स, आर.एस., 2023। फ्लोराइड और गैलेन मौखिक रोगजनक रोथिया डेंटोकेरियोसा द्वारा पॉलीफॉस्फेट संचय को रोकते हैं। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी में पत्र, 76(2), पृष्ठ.ओवड017।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 30

सांख्यिकी विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी/गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- अनुमिता मंडल (डब्ल्यूबीएसईटी, 27/2/2023),
- रोहित जाना (GATE 2023)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

सुधांशु एस. मैती

- 19.09.2022. सांख्यिकी विभाग, मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त) में "प्रयोगों के डिजाइन की मूल बातें" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 07.01.2023-08.01.2023. इंडियन एसोसिएशन फॉर प्रोडक्टिविटी, क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी द्वारा आयोजित उत्पादकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता: न्यू विस्टा पर स्वर्ण जयंती सम्मेलन में भाग लिया और वितरण के एक-पैरामीटर बहुपद घातीय परिवार के बाद गुणवत्ता विशेषताओं के लिए दोहराव नमूना निरीक्षण योजना नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। कोलकाता.
- 02.03.2023-03.03.2023. सांख्यिकीय पद्धति के अनुप्रयोगों पर 1-सप्ताह के अल्पकालिक पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में (i) "गुणवत्ता प्रबंधन में सांख्यिकीय पद्धति के अनुप्रयोग", (ii) "सांख्यिकीय प्रक्रिया प्रबंधन" और (iii) "सांख्यिकीय उत्पाद प्रबंधन" शीर्षक से तीन व्याख्यान दिए। एलाइड डोमेन में, एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित।

तीर्थकर घोष

- 21.02.2023-23.02.2023. एके दासगुप्ता सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड प्लानिंग, विश्वभारती द्वारा 20 फरवरी-01 मार्च 2023 के दौरान आयोजित 21 और 23 फरवरी 2023 को "अनुसंधान और विकास में सांख्यिकीय उपकरणों और एसपीएसएस का उपयोग" पर 10-दिवसीय ई-राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित (ऑनलाइन) व्याख्यान दिए। शांतिनिकेतन-731235, पश्चिम बंगाल।

- 13.09.2022. संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और 13 सितंबर 2022 को एके दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र, विश्वभारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में अनुसंधान, योजना और विकास के लिए आर का उपयोग करके डेटा के सांख्यिकीय विश्लेषण पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "विभेदक विश्लेषण" पर एक (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया।
- 12.07.2022-18.07.2022. संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और सांख्यिकी विभाग, श्रीकिशन द्वारा 12-18 जुलाई 2022 के दौरान डेटा विज्ञान के लिए आर पर आयोजित 7-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए आर का परिचय" और "आर में सांख्यिकीय मॉडलिंग" पर दो (ऑनलाइन) व्याख्यान दिए। सारदा कॉलेज, हैलाकांडी, असम-788151।
- 03.06.2022. 3 जून 2022 को कंप्यूटर विज्ञान, गणित और आईक्यूएसी विभाग, प्रशांत चंद्र महालनोबिस महाविद्यालय, 111/3 बीटी रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ई-कार्यशाला में "आर प्रोग्रामिंग के बुनियादी सिद्धांत" पर आमंत्रित (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया गया।
- 24.05.2022. 24 मई 2022 को रामसदय कॉलेज, अंता, हावड़ा- 711401, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम- शिक्षण प्रक्रिया में आदर्श बदलाव" पर आमंत्रित (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया गया।

सौरभ राणा

- 12 .09.2022. ए.के.दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग में 05/09/2022 से 14/09/2022 तक आयोजित 10-दिवसीय ई-राष्ट्रीय कार्यशाला में "अनुसंधान, योजना और विकास के लिए 'आर' का उपयोग करके डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण" आमंत्रित (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया गया। और विकास, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

देबाशीष चटर्जी

- 22.07.2022-23.07.2022. संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और भारतीय सांख्यिकी संस्थान के इंस्ट्रक्शनल स्कूल फॉर टीचर्स (आईएसटी) में बिना पर्यवेक्षित शिक्षण पर एक ट्यूटर के रूप में कार्य किया।
- 01.08.2022-02.09.2022. फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (गुरु दक्षता) (एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय) सफलतापूर्वक पूरा हुआ

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएँ

सुधांशु एस. माइती

- 2023 के लिए निदेशक परिषद, कलकत्ता सांख्यिकी एसोसिएशन, कोलकाता के निर्वाचित सदस्य।
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स

तीर्थकर घोष

- कलकत्ता स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन बुलेटिन और आईईईई एक्सेस के लिए समीक्षक।

प्रकाशन:

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफरीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

- मुखर्जी, आई., मैती, एस.एस., और सिंह, वी.वी. (2023)। वितरण के एक-पैरामीटर बहुपद घातीय परिवार के पीडीएफ और सीडीएफ के अनुमान पर, सांख्यिकी-सिद्धांत और विधियों में संचार, 52(1), 104-120, <https://doi.org/10.1080/03610926.2021.1910302>
- चटर्जी, एस., और मैती, एस.एस. (2022)। वेइबुल सेटअप के तहत एक खोखले आयताकार ट्यूब के लिए तनाव-शक्ति विश्वसनीयता का एक तीव्र अनुमान, सांख्यिकी और विश्वसनीयता इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(3), 475-480।
- बिस्वास, एस., और मैती, एस.एस. (2022)। लिंगले वितरित गुणवत्ता विशेषता, स्टोकेस्टिक और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एकाधिक निर्भर राज्य नमूनाकरण निरीक्षण योजना, 37(1), 85-99। <https://doi.org/10.1515/eqc-2021-0038>
- सिंह, वी.वी., इस्माइल, ए.एल., और मैती, एस.एस. (2022): के-आउट-ऑफ-एन के तहत जटिल प्रणाली का प्रदर्शन मूल्यांकन: कोपुला मरम्मत दृष्टिकोण के माध्यम से के लगातार अपमानित राज्यों के साथ जी प्रकार कॉन्फिगरेशन, विश्वसनीयता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , गुणवत्ता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 29(2), 2150047(29 पृष्ठ) <https://doi.org/10.1142/S0218539321500479>

- चटर्जी, के., चक्रवर्ती, ए., घटक, एस., और चौधरी, टी. (2022)। जीवनशैली, एपस्टीन-बार वायरस संक्रमण, और अन्य कारक नासॉफिरिन्जियल कैंसर से बचे रहने में बाधा डाल सकते हैं: उत्तर पूर्वी भारत में पांच साल का क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन; वायरसडिज़ीज़, 33(4), 371-382. डीओआई: 10.1007/एस13337-022-00789-5। ईपीयूबी 2022 नवंबर 8
- मिथ्या, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2023)। मीठे पानी के ज़ोप्लैंकटन समुदाय और उपचार (2023) की गतिशीलता के माध्यम से जल प्रदूषण का आकलन करने के लिए एक गणितीय मॉडल-आधारित दृष्टिकोण। जल, भूमि और वन की संवेदनशीलता और स्थिरता, 2, एल्सेवियर, आईएसबीएन: 9780443158476, 2023।
- दास, एस.के., प्रमाणिक, ए.के., मजूमदार, डी., हुसैन, एम., घोष, टी., और चटर्जी, ए. (2022): भूजल की हाइड्रोकेमिकल जांच और फेरुजिनस में फ्लोराइड और आयरन के सेवन से संभावित स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन बार्ड ट्रेक्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री, डीओआई: 10.1080/03067319.2022.2140044
- दास, एस., और मैती, एस.आई. (2022)। नॉनपैरामीट्रिक कोवेरिएट और सेमीपैरामीट्रिक रिग्रेशन मॉडल में त्रुटि के बीच एसोसिएशन के परीक्षण पर, जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स, स्पिंगर नेचर। <https://doi.org/10.1007/s41096-022-00139-0>
- दास, एस., हलदर, एस., और मैती, एस.आई. (2023)। नॉनपैरामीट्रिक रिग्रेशन मॉडल के तहत त्रुटि और सहसंयोजकों के बीच स्वतंत्रता के परीक्षण के लिए एक विस्तारित दृष्टिकोण। थाईलैंड सांख्यिकीविद्. 2023; 21(1), 19-36.
- घोष, एस., बनर्जी, ए., मुखोपाध्याय, एस., भट्टाचार्य, एस., और रे, एस. (2022)। घोंसले के शिकार स्थल पर पक्षियों की प्रजनन सफलता और उसके घटकों की संभावना की भविष्यवाणी करना। पारिस्थितिक सूचना विज्ञान, 72, 101841।

अध्याय-2

- घोष, एस., राणा, एस., और रॉय, पी.के. (2022)। कुष्ठ रोग: माइकोबैक्टीरियम लेप्री के घनत्व-निर्भर विकास पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए। विभेदक समीकरण और गतिशील प्रणाली, पृष्ठ <https://doi.org/10.1007/s12591-022-00608-9>।
- सरदार, टी., नदीम, एस.एस., और राणा, एस. (2022)। कोविड-19 की कई तरंगों का पता लगाना और मीडिया जागरूकता और टीकाकरण के माध्यम से इसका इष्टतम नियंत्रण: कुछ भारतीय राज्यों पर आधारित अध्ययन। नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, पेज <https://doi.org/10.1007/s11071-022-07887-5>।
- राणा, एस., भट्टाचार्य, एस., और सामंता, एस. (2022)। दोनों आबादी पर एली प्रभाव के साथ लेस्ली-गॉवर शिकारी-शिकार मॉडल की स्पेटियोटेम्पोरल गतिशीलता। सिमुलेशन में गणित और कंप्यूटर, 200, 32 - 49।
- राणा, एस., भट्टाचार्य, एस., और सामंता, एस. (2022)। भय और एली प्रभाव के साथ तीन-प्रजाति खाद्य श्रृंखला मॉडल की जटिल गतिशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बिफ़रकेशन एंड कैओस, 32(6), <https://doi.org/10.1142/S0218127422500845>।
- राणा, एस., बसु, ए., घोष, एस., और भट्टाचार्य, एस. (2023)। अन्य वर्गीकरण समूहों की सहकारी प्रजातियों के बीच पतंगे मजबूत स्मृति प्रदर्शित करते हैं: एक अनुभवजन्य अध्ययन। पारिस्थितिक मॉडलिंग, पृष्ठ <https://doi.org/10.1016/j.ecolmodel.2022.110235>।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 15

कंप्यूटर एवं पद्धति विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

गेट: सुष्मिता माजी, शुभंकर गराई, शशांक दीक्षित

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

उत्पल रॉय

• 10.03.2023-11.03.2023. असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में उन्नत कंप्यूटिंग मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और इंटरनेट टेक्नोलॉजीज (AMRIT-2023) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आधुनिक आईटी दुनिया में कीस्ट्रोक गतिशीलता और सुरक्षा मुद्दे" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। .

• 20.01.2023. संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पर "शोध लेख की समीक्षा कैसे करें?" विषय पर एक आमंत्रित वार्ता दी गई। कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में।

• 31.01.2023-13.02.2023. यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान विधियों और ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "अनुसंधान पद्धति और कीस्ट्रोक डायनेमिक्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

अनुसंधित्सु

रौनक बिश्वास

• 10.03.2023-11.03.2023. असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन AMRIT 2023 में "क्वांटम रैंडम नंबर जेनरेटर की विश्वसनीयता की पुष्टि: एक व्यापक परीक्षण दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

देबाशीष रॉय

अध्याय-2

- 10.03.2023-11.03.2023. असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन AMRIT 2023 में "विभिन्न अनुकूलन तकनीकों के साथ असंतुलित डेटा सीखने के तरीकों के प्रदर्शन का एक व्यापक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

संदीप दत्ता

- 10.03.2023-11.03.2023. असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन AMRIT 2023 में "स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को लगातार प्रमाणित करना, भले ही स्मार्टफोन उपयोगकर्ता की जेब में हो" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

- 05.09.2022. शिक्षक दिवस मनाया गया।

प्रकाशन: पुस्तकें

पुस्तक अध्याय और सम्मेलन की कार्यवाही

- रॉय, एस., रॉय, यू., सिन्हा, डी., और पाल, आर.के. (2023)। बूटस्ट्रैप-आधारित सजातीय संयोजन दृष्टिकोण का उपयोग करके टाइपिंग पैटर्न से उपयोगी जानकारी की भविष्यवाणी करना। सॉफ्टवेयर और स्मार्ट सिस्टम के लिए एप्लाइड कंप्यूटिंग में: एसीएसएस 2022 की कार्यवाही (पीपी. 3-31)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- सिंह, पी.के., जना, बी., दत्ता, के., चौधरी, पी., और पाल, पी. (2023)। हेल्थकेयर यूनिट में सुरक्षित क्लिनिकल डेटा संचार के लिए आरआईडब्ल्यूटी जेनरेटिव फीडबैक अवशिष्ट नेटवर्क। हेल्थकेयर में आईसीटी के फ्रंटियर्स में: ईएआईटी 2022 की कार्यवाही (पीपी. 303-313)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- रॉय, एस., रॉय, यू., सिन्हा, डी., और पाल, आर.के. (2022)। घरेलू वातावरण में तनाव के निदान के लिए एआई। अगली पीढ़ी के हेल्थकेयर इंफॉर्मेटिक्स में (पीपी. 173-195)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- मोहिन्द्र, जी., मंडल, के., दत्ता, पी., और बांका, एच. (2022)। बड़े पैमाने पर IoT डेटा ढाँचे में खनन चुनौतियाँ - एक मशीन सीखने का परिप्रेक्ष्य। सामाजिक कंप्यूटिंग के लिए उन्नत डेटा खनन उपकरण और तरीके, 239-259।

संपादित पुस्तकें

- मुखोपाध्याय, एस., सरकार, एस., दत्ता, पी., मंडल, जे.के., और रॉय, एस. (सं.). (2022)। संचार और बिजनेस एनालिटिक्स में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस: चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीआईसीबीए 2022, सिलचर, भारत, 7-8 जनवरी, 2022, संशोधित चयनित पेपर। स्प्रिंगर प्रकृति.
- दत्ता, पी., चक्रवर्ती, एस., भट्टाचार्य, ए., दत्ता, एस., और शाहनाज़, सी. (2022)। डेटा माइनिंग और सूचना सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियां: आईईएमआईएस 2022 की कार्यवाही, खंड 1. स्प्रिंगर।
- दत्ता, पी., चक्रवर्ती, एस., भट्टाचार्य, ए., दत्ता, एस., और शाहनाज़, सी. (2022)। डेटा माइनिंग और सूचना सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियां: आईईएमआईएस 2022 की कार्यवाही, खंड 2. स्प्रिंगर।
- दत्ता, पी., चक्रवर्ती, एस., भट्टाचार्य, ए., दत्ता, एस., और पिउरी, वी. (2022)। डेटा माइनिंग और सूचना सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियां: आईईएमआईएस 2022 की कार्यवाही, खंड 3. स्प्रिंगर।

शोध पत्र:

एकल लेखक

- रॉय, एस., प्रधान, जे., कुमार, ए., अधिकारी, डी. आर. डी., रॉय, यू., सिन्हा, डी., और पाल, आर. के. (2022)। नवीनतम कीस्ट्रोक डायनेमिक्स आधारित मॉडल पर एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। आईईईई एक्सेस।
- रॉय, एस., सिन्हा, डी., और रॉय, यू. (2022)। टचस्क्रीन पर गतिविधियों के आधार पर आयु समूह और लिंग की पहचान करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेट्रिक्स, 14(1), 61-82।

संयुक्त लेखक

- सिंह, पी.के., जना, बी., और दत्ता, के. (2023)। अंतराल सीमा के साथ फ़ज़ी निकटता-आधारित मजबूत डेटा छिपाने की योजना। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 27(7), 4011-4028।
- सिंह, पी.के., जना, बी., और दत्ता, के. (2022)। एन्कोडिंग पाइपलाइन के साथ संशोधित द्विपक्षीय-लाप्लासियन एसआईएफटी का उपयोग करके विशिष्ट कीपॉइंट चयन के माध्यम से मजबूत डेटा छिपाने की योजना। प्रदर्शित करता है, 74, 102268।

अध्याय-2

- मोमिन, एम. एस., सुफियान, ए., बर्मन, डी., दत्ता, पी., डोंग, एम., और लियो, एम. (2022)। गहराई सेंसर का उपयोग करके घर में वृद्ध वयस्कों की गतिविधि पैटर्न की निगरानी: एक समीक्षा। सेंसर, 22(23), 9067.
- चौधरी, ए.आर., हाजरा, जे., दासगुप्ता, के., और दत्ता, पी. (2022)। चींटी कॉलोनी अनुकूलन के साथ फ़ज़ी नियम-आधारित हाइपरस्पेक्ट्रल बैंड चयन एल्गोरिदम। सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, 1-14।
- आलम, ई., सुफियान, ए., दत्ता, पी., और लियो, एम. (2022)। गहन शिक्षण का उपयोग करते हुए दृष्टि-आधारित मानव गिरावट का पता लगाने वाली प्रणालियाँ: एक समीक्षा। जीव विज्ञान और चिकित्सा में कंप्यूटर, 105626।
- नासिर, एम., दत्ता, पी., और नंदी, ए. (2023)। त्रिकोणासन प्रेरित विभिन्न केंद्र जोड़े दूरी हस्ताक्षरों का उपयोग करके वीडियो अनुक्रम से मानवीय भावना संक्रमण की पहचान। एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 134, 109971।

सहकर्मि/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 8

अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने योग्य है, को शामिल किया जाना चाहिए।

पेटेंट:

- पी. दत्ता, डी. मुखोपाध्याय और एस. भट्टाचार्य, "जल शुद्धिकरण के लिए एक आणविक क्यूसीए आधारित यूवी लैंप", भारतीय पेटेंट संख्या 201731011405 दिनांक 30/09/2017। प्रकाशन दिनांक 15/06/2018. प्रमाणपत्र जारी करने की तिथि: 13/09/2022, पोस्ट ग्रांट जर्नल दिनांक: 16/09/2022।
- शीर्षक: एक स्वचालित बांग्ला डिग्रेडेड दस्तावेज़ पहचान प्रणाली (फ़ाइल), जयति मुखर्जी, उत्पल रॉय, कंप्यूटर और सिस्टम विज्ञान विभाग, शिक्षा-भवन, विश्वभारती, सुदीप्त रॉय, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम, पेटेंट: दक्षिण अफ्रीका गणराज्य, पेटेंट अधिनियम 1978, आधिकारिक आवेदन संख्या 2023/02670 फ़ाइल किया गया: 27/02/2023, आवेदक या एजेंट का संदर्भ। नंबर 3001LPS.

पर्यावरण अध्ययन विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

- यूजीसी नेट-जेआरएफ: कनिका महतो, पारुल कुइरी, प्रियंका खान
- यूजीसी नेट: हरीश चंद्र बर्मन, अंतरा रॉय, बुद्धदेव घोष
- डब्ल्यूबी-सेट: अंतरा रॉय

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले - एकल बालिका - जेआरएफ: शुभाश्री सिंघा

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

विभाग ने निम्नलिखित सेमिनार आयोजित किए:

- 22.09.2022-24.09.2022. विभाग ने वायु गुणवत्ता और [DSB2] मानव स्वास्थ्य पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सात तकनीकी सत्रों में तैंतालीस पेपर मौखिक रूप से प्रस्तुत किये गये। प्रतिष्ठित आमंत्रित वक्ताओं [प्रोफेसर] द्वारा 8 पूर्ण व्याख्यान हुए। (डॉ.) सैबल मोइत्रा, अपोलो अस्पताल, कोलकाता; प्रो. रवीन्द्र खैवाल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; प्रोफेसर सौम्या नियोगी, सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा; प्रोफेसर मार्कस हेकर, सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा; प्रो. ध्यान चंद्र, सीसीआरसी, बफेलो विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए; प्रो. सागनिक डे, आईआईटी-डी, नई दिल्ली और डॉ. बिजय कुमार पाथी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़। इसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से 134 प्रतिभागी शामिल थे, जिनमें कुछ विदेश से भी थे। इस सम्मेलन में वायु प्रदूषण के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला गया, जिनसे पर्यावरण पेशे के व्यापक हित के साथ-साथ चिकित्सा और विषयविज्ञान अनुसंधान में प्रभावी, शीघ्र और समय पर निपटने की आवश्यकता थी। इस सम्मेलन ने हमें विभिन्न स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन उपकरणों और तकनीकों के बारे में भी बताया। हमने विभिन्न प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वायु प्रदूषण को कम करने के कुछ नवीन तरीकों पर एक नज़र डाली।
- 29.07.2022. श्री अमन बसु जीवविज्ञान विभाग, यॉर्क विश्वविद्यालय, कनाडा ने उत्तरी गोलार्ध में जलवायु परिवर्तन और झील की बर्फ के नुकसान पर एक व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 16.11.2022. प्रोफेसर शिबानी चौधरी, डियर पार्क, शांतिनिकेतन ने इकोटॉक्सिकोलॉजी के बुनियादी सिद्धांतों पर एक व्याख्यान दिया।
- 21.02.2023. प्रोफेसर शिबानी चौधरी, डियर पार्क, शांतिनिकेतन ने बायोसेंसर और बायोमार्कर के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

प्रताप कुमार पाधी

- 22.09.2022-24.09.2022. राऊत, ए. और पाधी, पी.के.. मानव स्वास्थ्य पर पीएम1 और पीएम2.5 के प्रभाव के तुलनात्मक अध्ययन पर एक समीक्षा, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) में प्रस्तुत पेपर पर्यावरण अध्ययन, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 22.09.2022-24.09.2022. नूर-ए-आज़म और पाधी, पी.के.. वायुजनित कणों में ऑक्सीजनयुक्त पॉलीसाइक्लिक हाइड्रोकार्बन (ओपीएच) के लिए विश्लेषणात्मक तरीकों पर एक समीक्षा, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) में विभाग द्वारा आयोजित पेपर प्रस्तुत किया गया। पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 22.09.2022-24.09.2022. घोष, बी. और पाधी, पी.के. परिवेशी वायु प्रदूषण का अध्ययन और शहरी, औद्योगिक और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की पुरुष वयस्क आबादी पर इसके प्रभाव, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर (स्पार्क-एमओई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)) पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित।
- 22.09.2022-24.09.2022. सिंघा, एस. और पाधी, पी.के.. पौधों और रोगाणुओं की बायोरेमेडिएशन क्षमता के आकलन पर एक समीक्षा, पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) में प्रस्तुत पेपर, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

- 22.09.2022-24.09.2022. घोष, बी., नायेक, एस. और पाथी, पी.के.. वायुजनित कणों की क्षमता और परिणामी स्वास्थ्य प्रभावों के कारण ऑक्सीडेटिव तनाव का मापन, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर (स्पार्क-एमओई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित।
- 22.09.2022-24.09.2022. चौधरी, एम. और पाढ़ी, पी.के.. ठोस बायोमास ईंधन से घरेलू वायु प्रदूषण का जोखिम और संचालन जनजाति पर संबंधित स्वास्थ्य जोखिम, विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) में प्रस्तुत किया गया पेपर पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 22.09.2022-24.09.2022. शेख, आर., पाथी, पी.के. और अहमद, ए.. सूक्ष्म कणों को हटाने के लिए कम ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकणों संकर फिल्टर का संश्लेषण, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) में प्रस्तुत किया गया पेपर 22 से 24 सितंबर 2022 के दौरान पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 22.09.2022-24.09.2022. घोष, रूपसा, घोष, बी., महारथी, टी.के., दत्ता, ए. और पाथी, पी.के.. कणिक वायु प्रदूषण और न्यूरोटॉक्सिसिटी: एक समीक्षा, वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर (स्पार्क-एमओई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित।
- 03.12.2022-04.12.2022. लूथरन वर्ल्ड सर्विस इंडिया ट्रस्ट, डीएसएसक्यूसी - बीरभूम यूनिट, सूरी, बीरभूम द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर स्टाफ क्षमता निर्माण कार्यक्रम में पाथी, पी.के. रिसोर्स पर्सन।
- 08.12.2022-09.12.2022. शेख, आर. और पाथी, पी.के.. महीन कणों को हटाने के लिए कम ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकणों संकर फिल्टर का संश्लेषण, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जीआईटीएम (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित सतत भविष्य के लिए हरित प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर), विशाखापत्तनम।

अध्याय-2

- 24.02.2023-25.02.2023. राऊत, ए. और पाधी, पी.के.. पार्टिकुलेट मैटर प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा द्वारा आयोजित पर्यावरणीय स्थिरता के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर।

पुलक कुमार पात्र

- 22.09.2022-24.09.2022. बर्मन त्रिशा और पात्रा, पी.के. वन स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: अनुसंधान प्राथमिकताओं का आकलन, पर्यावरण विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) में प्रस्तुत किया गया पेपर अध्ययन, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 03.12.2022-04.12.2022. पात्रा, पी.के. लूथरन वर्ल्ड सर्विस इंडिया ट्रस्ट, डीएसएसक्यूसी - बीरभूम यूनिट, सूरी, बीरभूम द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर स्टाफ क्षमता निर्माण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन।

एस. बालाचंद्रन

- 22.04.2022-23.04.2022. बालाचंद्रन एस. जलवायु अनुकूलन और लचीलापन - बायोगैस प्रौद्योगिकी, ग्रामीण भारत में सामाजिक स्वीकृति और बाधाएं, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बिशप हेबर कॉलेज (स्वायत्त), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा आयोजित जलवायु अनुकूलन और लचीलापन में हेबर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण व्याख्यान .
- 09.11.2022. घोष ठाकुर, आर., घोष ए., सेन, डी., गोनचौधुरी, एस., बालाचंद्रन, एस, सरकार, ए., हाजरा, ए. उपयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और वितरण प्रणाली का डिज़ाइन, अनुकूलन और संवेदनशीलता विश्लेषण ग्रामीण सामुदायिक केंद्रों को स्टैंड-अलोन डिस्पैचेबल बिजली प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय संगोष्ठी में: "सतत प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान - तकनीकी - वाणिज्यिक विकास," हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता में आयोजित किया गया और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स (आईआईसीएचई) द्वारा सह-आयोजित किया गया। और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, एचआईटी-के।
- 09.11.2022. कोले, ए., मुखोपाध्याय, पी., शो, बी.के., घोष, ए., बालाचंद्रन, एस. जलकुंभी, पिस्टिया और डकवीड की बायोगैस उत्पादन क्षमता: एक तुलनात्मक विश्लेषण, राष्ट्रीय संगोष्ठी में: "सतत प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान -

टेक्नो - वाणिज्यिक विकास, हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता में आयोजित किया गया और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स (आईआईसीएचई) और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, एचआईटी-के द्वारा सह-मेज़बान किया गया।

• 19.10.2022-20.20.2022. शिवकुमारन, जी., शो, बी.के., गुप्ता, एन., बनर्जी, एस., बालाचंद्रन, एस. लिग्निनोलिटिक बैक्टीरिया का अलगाव: लिग्नेसेल्यूलोज और अन्य अड़ियल अपशिष्ट बायोरेमेडिएशन के लिए एक प्रारंभिक चरण। खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

• 19.10.2022-20.20.2022. कोले, ए., मुखोपाध्याय, पी., घोष, ए., शो, बी.के., घोषठाकुर, आर., चौधरी, एस., हाजरा, ए.के., बालचंद्रन, एस. बायोएनर्जी के लिए अगली पीढ़ी के फीडस्टॉक के रूप में जलीय खरपतवारों की जैविक मीथेन क्षमता उत्पादन। खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

• 19.10.2022-20.20.2022. शो, बी.के., कोले, ए., घोष, ए., चौधरी, एस., हाजरा, ए.के. बालाचंद्रन, एस. क्षार पूर्व-उपचार द्वारा जलकुंभी से बायोगैस उत्पादन में वृद्धि। खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

• 19.10.2022-20.20.2022. सरकार, ए., बागड़ी, टी., घोष, एस., हाजरा, ए.के., बालाचंद्रन, एस. ऊर्जा गरीबी और इनडोर वायु प्रदूषण के बीच संबंध: उत्तर पूर्व भारत में एक आंतरिक गांव का एक सूक्ष्म स्तर का अध्ययन। खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

• 19.10.2022-20.20.2022. बागड़ी, टी., घोष, एस. सरकार, ए., हाजरा, ए.के. बालाचंद्रन, एस. पशुधन अपशिष्ट का बायोगैस ऊर्जा में परिवर्तन: ग्रामीण भारत में हरित खाना पकाने की ऊर्जा के उपयोग पर एक जाति-आधारित प्रभाव। खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित इकोटॉक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

अध्याय-2

- 19.10.2022-20.10.2022. घोष, एस., बागड़ी, टी., सरकार, ए., हाजरा, ए.के., बालाचंद्रन, एस. स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए जलकुंभी का उपयोग: ग्रामीण समुदायों के लिए एक रणनीतिक अपशिष्ट प्रबंधन इकोटोक्सिकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान पर द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित खुलना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा।
- 27.01.2023-31.01.2023. कोले, ए., मुखोपाध्याय, पी., घोष, ए., शो, बी.के. सिंह, ए., चौधरी, एस., हाजरा, ए.के., बालाचंद्रन, एस. सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए फाइटोरेमेडिएशन, एनारोबिक पाचन, खाद और वर्मिकम्पोस्टिंग के माध्यम से जल जलकुंभी का सतत उपयोग, 46वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, भारतीदासन विश्वविद्यालय में, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- 02.03.2023-03.03.2023. चौधरी, एस. और बालचंद्रन, एस. इनवेसिव प्लांट एंड टेक्नोलॉजी: टिकाऊ जीवन जीने के तरीकों में से एक? पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राजा नरेंद्र लाल खान महिला कॉलेज (स्वायत्त), मेदिनीपुर - 721102 पश्चिम बंगाल
- 27.01.2023-31.01.2023. गुप्ता, एन., बनर्जी, एस., कोली, ए., शो, बी.के., होक आर.आर., बालचंद्रन, एस. मायकोरमीडिएशन-पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन के बायोरेमेडिएशन के लिए एक यथार्थवादी दृष्टिकोण। 46वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- 24.03.2023-25.03.2023. घोष ठाकुर, आर., गोनचौधरी, एस., सरकार, ए., हाजरा, ए.के. बालचंद्रन, एस. जलवायु[1]उत्तरदायी और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमशीलता के अवसरों को बढ़ाना। उद्यमिता विकास पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: अवसर और चुनौतियाँ (मिश्रित मोड), विश्वभारती के आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग द्वारा क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।
- 24.03.2023-25.03.2023. सिंह, ए., कोले, ए., बालाचंद्रन, एस. शैवाल: सर्कुलर इकोनॉमी में सतत बायोगैस उत्पादन, शुद्धिकरण और मछली फ़ीड के लिए एक अभिनव समाधान। उद्यमिता विकास पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन: अवसर और चुनौतियाँ (मिश्रित मोड) विश्वभारती के आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग द्वारा क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

- 24.03.2023-25.03.2023. कर्माकर, एस., कोली, ए., घोष ए., और बालचंद्रन, एस. (2023) हाइड्रोपोनिक्स खेती और उद्यमिता विकास के लिए उर्वरक के स्रोत के रूप में बायोगैस डाइजेस्टेट। उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: अवसर और चुनौतियाँ (मिश्रित मोड) विश्वभारती के आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग द्वारा क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

- 30.01.2023-31.01.2023. शिवकुमारन, जी., शो, बी.के., गुप्ता, एन., बनर्जी, एस., बालचंद्रन, एस. दीमक आंत से लिग्निनोलिटिक बैक्टीरिया का अलगाव: अड़ियल यौगिकों के बायोरेमेडिएशन के लिए एक प्रारंभिक कदम, बायोटेक्नोलॉजिकल ट्रेंड्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति सस्टेनेबल फ्यूचर (ICBTSF – 2023) जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अमेरिकन कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु द्वारा आयोजित किया गया।

सुशील कुमार

- 22.09.2023-24.09.2023. सुशील कुमार. भारत पर वायुमंडलीय धूल: स्रोत, परिवहन और पोषक तत्वों की गतिशीलता, पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य (एसपीएआरसी-एमओई, भारत सरकार प्रायोजित) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर पश्चिम बंगाल।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

- शिक्षक का नाम: प्रो. प्रताप कुमार पाढ़ी (पीआई) और डॉ. पुलक कुमार पात्रा (सह-पीआई)

परियोजना का नाम: अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएआरसी) का शीर्षक है "वायु पर्यावरण में सूक्ष्म कण मायने रखते हैं और मनुष्यों में उनके कैंसर के खतरे हैं।"

प्रायोजक एजेंसियाँ: MoE, सरकार। भारत की

स्वीकृत राशि: रु. 70,77,190/-

अध्याय-2

• शिक्षक का नाम: एस बालाचंद्रन (सह-पीआई)

परियोजना का नाम: एकीकृत वर्षा जल संचयन और सौर पीवी जल पंपिंग प्रणाली पर आधारित सामुदायिक जल आपूर्ति योजना

प्रायोजक एजेंसियां: डीएसटी

स्वीकृत राशि: रु. 1,39,22,880/-

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

• 06.01.2023. एम.एससी. छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों ने श्याम स्टील एमएफजी लिमिटेड मेजिया, बांकुरा का दौरा किया। इस दौरे ने छात्रों को कच्चे माल के प्रसंस्करण और उपयोग के विभिन्न चरणों में शामिल विभिन्न मशीनों, उपकरणों और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों आदि के बारे में जानकारी प्रदान की, और उन्हें समस्याओं को व्यावहारिक रूप से समझने और इन्हें प्रभावी ढंग से कैसे प्रबंधित किया जा रहा है, यह समझने में काफी लाभ हुआ।

• 23.02.2023. हमने रायपुर में पीएचईडी, बोलपुर की जल उपचार और आपूर्ति प्रणाली का भी दौरा किया और जल शुद्धिकरण प्रणालियों के विभिन्न चरणों में शामिल विभिन्न मशीनों, उपकरणों और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों आदि का अनुभव प्राप्त किया।

प्रकाशन:

पुस्तक अध्याय और सम्मेलन की कार्यवाही

• चौधरी, एम., घोष, एस. और पाढ़ी, पी.के. (2022)। कालीगंज गांव, शांतिनिकेतन में ग्रामीण आदिवासी महिलाओं में फेफड़ों के कार्यों पर बायोमास जलने का प्रभाव। इन: भारत के स्वास्थ्य और आर्थिक मुद्दों पर COVID-19 का प्रभाव। देबासिस भट्टाचार्य और दया शंकर कुशवाह (सं.), नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली, (आईएसबीएन: 978-93-93878-53-3), पीपी. 1-15।

• घोष ठाकुर, आर., घोष, ए., सेन, डी., गोनचौधरी, एस., बालाचंद्रन, एस., सरकार, ए., और हाजरा, ए. (2022)। ओपी31: ग्रामीण सामुदायिक केंद्रों को स्टैंडअलोन प्रेषण योग्य बिजली प्रदान करने के लिए उपयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और वितरण प्रणाली का डिजाइन, अनुकूलन और संवेदनशीलता विश्लेषण। राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में: "सतत प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान - तकनीकी - वाणिज्यिक विकास," 9 - 10 सितंबर 2022, पृष्ठ 149-159; आईएसबीएन: 978-93-5636-245-1

• कोले, ए., मुखोपाध्याय, पी., शो, बी.के., घोष, ए., बालचंद्रन, एस., और शांतिनिकेतन, वी.बी. (2022)। ओपी30: जल जलकुंभी, पिस्टिया और डकवीड की बायोगैस उत्पादन क्षमता: एक तुलनात्मक विश्लेषण। राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में: "सतत प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान - तकनीकी - वाणिज्यिक विकास", 9 - 10 सितंबर 2022, पीपी. 149-159; आईएसबीएन: 978-93-5636-245-1

• कोले, ए., ब्रे, डी., बनर्जी, एस., सरकार, एस., ठाकुर, आर.जी., हाजरा, ए.के., मंडल, एन.सी., चौधरी, एस., और बालचंद्रन, एस. (2023)। जल जलकुंभी (इचोर्निया क्रैसिप्स) दूषित जल निकायों से भारी धातुओं को हटाने के लिए एक स्थायी रणनीति। विषाक्त धातु (लॉयड) के बायोरेमेडिएशन में (पीपी. 95-114)। सीआरसी प्रेस.

सहकर्मी-समीक्षा/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आई कार-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

• घोष, बी., नायेक, एस. और पाधी, पी.के. (2023)। भारत के पश्चिम बंगाल राज्य में परिवेशी वायु गुणवत्ता पर कोविड-19 के कारण राष्ट्रीय लॉकडाउन का प्रभाव, जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 15, 1. 183-200।

• घोष, बी., नायेक, एस. और पाधी, पी.के. (2022)। विश्वभारती, शांतिनिकेतन में शिक्षित युवा वयस्कों के बीच तंबाकू धूम्रपान करने वालों और गैर-धूम्रपान करने वालों की श्वसन रुग्णता और महामारी विज्ञान सर्वेक्षण का आकलन: एक केस अध्ययन, वर्तमान विश्व पर्यावरण, 17, 2, 331-340।

• चौधरी, एम., घोष, एस. और पाधी, पी.के. (2022)। ग्रामीण भारत में जनजातीय समुदाय पर घरेलू वायु प्रदूषण के प्रभाव और घरेलू बायोमास जलने के कारण स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन: फेफड़ों के जमाव मॉडल का उपयोग करके एक यथार्थवादी दृष्टिकोण, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 29, 59606-59618।

अध्याय-2

- घोष ठाकुर, आर., बसु, ए., हक, जेड., भट्टाचार्य, बी., गोनचौधरी, एस., और बालाचंद्रन, एस. (2022)। रैंडम फ़ॉरेस्ट एल्गोरिदम द्वारा पायलट-स्केल से भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में माइक्रो सोलर डोम की प्रदर्शन भविष्यवाणी। सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी और आकलन, 52, 102163।
- बागड़ी, टी., घोष, एस., सरकार, ए., हाजरा, ए.के., बालचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022)। किसका विकास मायने रखता है? भारत के ग्रामीण समुदायों में बायोगैस को अपनाना-एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च (IJRER), 12(4), 2023-2042।
- कुमार, एस. (2023)। कोविड-19 के दौरान वायु प्रदूषण पर अंतर्दृष्टि: एक समीक्षा। एरोसोल विज्ञान और इंजीनियरिंग, 1-15।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 6

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- अनिक मुखर्जी: गेट (जैव प्रौद्योगिकी), गेट (एक्सएल), जेजीईबिल्स - 2023 (पंजीकरण संख्या BT23S66513201, XL23S56513225)
- सजल कुमार बर्मन: गेट (जैव प्रौद्योगिकी), गेट (एक्सएल) - 2023 (पंजीकरण संख्या BT23S66506073, XL23S56506062)
- संबित बैग: गेट (XL) - 2023 (पंजीकरण संख्या XL23S56522174)
- अर्नब हलदर: गेट (जैव प्रौद्योगिकी) - 2023 (पंजीकरण संख्या BT23S66514131)
- पल्लबी मुखर्जी: गेट (जैव प्रौद्योगिकी) - 2023 (पंजीकरण संख्या BT23S64012069)
- शुभ्रज्योति पांडा: गेट (जैव प्रौद्योगिकी) - 2023 (पंजीकरण संख्या BT23S66509074)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

- 08.12.2022-11.12.2022. प्रोफेसर तथागत चौधरी ने सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया), कोलकाता की 91वीं वार्षिक बैठक में संक्रामक रोग जीवविज्ञान सत्र की अध्यक्षता की।
- 27.01.2023-29.01.2023. डॉ. नरोत्तम डे ने एग्री विजन 2023 पर "सब1 और उसके लोकी की एक साथ उपस्थिति - भविष्य में डूबने वाले लचीले चावल के लिए एक शर्त" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया: संचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, भुवनेश्वर में एसएआरएम द्वारा आयोजित कृषि और ग्रामीण विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत।
- 28.04.2022-30.04.2022. डॉ. नरोत्तम डे ने आईसीएआर द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर प्लांट बायोटेक्नोलॉजी द्वारा पादप जैव प्रौद्योगिकी और पोषण सुरक्षा में प्रगति- एपीबीएनएस-2022 पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "सब1ए और उसके लोकस - चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल) की जलमग्न सहनशीलता में विनियमन और भूमिका" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।, नई दिल्ली-110012, भारत।

अध्याय-2

- 17.01.2023-21.01.2023. सुभाजीत भौमिक, नीलांजना मजूमदार और डॉ. समीरन साहा ने 'लीशमैनिया डोनोवानी प्रोमास्टिगोट्स पर एक सिंथेटिक पायरानोक्वैमरिन व्युत्पन्न GBVB2-4c की एंटी-लीशमैनियल भूमिका' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया। सीएसआईआर-नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जोरहाट-785006, भारत द्वारा आयोजित सीआरआईएसपीआर? कैस-आधारित प्लांट फंक्शनल जीनोमिक्स एंड कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग (आईएसडब्ल्यूपीसीसी-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला में।

अनुसंधान

- 09.12.2022-11.12.2022. पियांकी दास ने सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया), कोलकाता की 91वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- 23.04.2022. सुदीपा मल ने 23 अप्रैल 2022 को सीआईआई- सुरेश नियोतिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, कोलकाता में "चिकित्सीय और निदान में लक्षित ऑन्कोलॉजी" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

• शिक्षक का नाम: प्रोफेसर तथागत चौधरी

परियोजना का नाम: "Wnt सिग्नलिंग मार्ग को लक्षित करने वाले प्राथमिक प्रवाह लिंफोमा के खिलाफ चिकित्सीय हस्तक्षेप।"

प्रायोजक एजेंट: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)

स्वीकृत राशि: 18,10,160/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. नरोत्तम डे

परियोजना का नाम- "चयनित पश्चिम बंगाल धान भूमि प्रजातियों के बीच अजैविक तनाव (सूखा लवणता और जलमग्नता) सहनशीलता के लिए एसएनपी और miRNA आधारित कार्यात्मक मार्करों का विकास"

प्रायोजक एजेंसी का नाम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार। पश्चिम बंगाल का।

कुल स्वीकृत राशि: रु. 11,99,800/-

चालू वित्तीय वर्ष में स्वीकृत: रु. 1,30,418/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. नरोत्तम डे

परियोजना का नाम- "आकस्मिक बाढ़ और उसके बाद ठहराव को सहन करने के लिए निचली भूमि की स्वदेशी चावल लाइनों में SUB1A और SK लोकी के संयुक्त प्रभाव का आकलन"

प्रायोजक एजेंसी का नाम: विज्ञान और शैक्षिक अनुसंधान बोर्ड, सरकार। भारत की।

स्वीकृत राशि: रु. 42,64,832/-

चालू वित्तीय वर्ष में स्वीकृत: रु. 5,00,000/-

• शिक्षक का नाम: डॉ. जॉली बसाक

परियोजना का शीर्षक: CRISPR/Cas9 की मध्यस्थता से मूंग की दाल के पीले मोज़ेक में विशिष्ट माइक्रोआरएनए का निष्कासन, MYMIV सहिष्णुता विकसित करने के लिए भारत में वायरस के प्रति संवेदनशील फेज़ियोलस वल्गारिस।

फंडिंग एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी

अवधि: 01.09.2021-31.08.2024

राशि: कुल राशि रु. 38 लाख; 22-23 के लिए फंड नहीं मिला।

• शिक्षक का नाम: डॉ. समीरन साहा

'थियाप्लेविन्स के साथ उपचार पर ईएसी कोशिकाओं में ऑटोफैगी के प्रेरण और तंत्र का अध्ययन' शीर्षक वाले ट्विनिंग प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेषक। 26.09.19 को प्रारंभ स्वीकृत राशि (विश्वभारती के लिए): रु. 21.25 लाख. (कुल राशि: रु. 70.9712 लाख)

सहयोगी: प्रोफेसर देबाशीष मैती, मानव शरीर विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा। चल रहे। सहयोगी: प्रो. देबाशीष

मैती, मानव शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

अध्याय-2

- 15.02.2023. पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, इस वर्ष सभी एम.एससी. सेमेस्टर-III के छात्रों को इंडिया डायरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड (अमूल), जनाई, पश्चिम बंगाल 712 702 की औद्योगिक यात्रा के लिए ले जाया गया।

प्रकाशन:

पुस्तक अध्याय

- साहा एस. (2022) स्तनधारियों में अनुकूली प्रतिरक्षा रिसेप्टर की आणविक विविधता। पीपी 578-625, जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विषयों में। पहला संस्करण. ईडी। रे एस. आईएसबीएन: 978-93-5620-397-6.
- साहा एस. (2022) विकास के दौरान कशेरुकियों में अनुकूली प्रतिरक्षा रिसेप्टर्स की विविधता। पीपी 626-646, जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विषयों में। पहला संस्करण. ईडी। रे एस. आईएसबीएन: 978-93-5620-397-6.

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

- चटर्जी, के., रॉय, एस.डी., चक्रवर्ती, के., हक, ए., चक्रवर्ती, एस., मुखर्जी, एस., मल, एस., दास, एन., साहू, एस.के., चट्टोपाध्याय, एन.आर., दास, पी., रेड्डी, आर. आर., ऐयर, एम., दास, ए. जीवनशैली, एपस्टीन-बार वायरस संक्रमण और अन्य कारक नासोफिरिन्जियल कैंसर से बचे रहने में बाधा बन सकते हैं: उत्तर पूर्वी भारत में पांच साल का क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। वायरस रोग, 33(4), 371-382। <https://doi.org/10.1007/s13337-022-00789-5>
- सामंता, एस., चटर्जी, आर., सरकार, एस., पाल, एस., मुखर्जी, ए., बुटोरिन, आई.आई., कोनोवलोवा, ओ. ए., चौधुरी, टी., चक्रवर्ती, के., संतरा, एस., ज़िर्यानोव, जी. वी., और माजी, ए. (2022)। ब्रॉस्टेड अम्लीय आयनिक तरल-उत्प्रेरित अग्रानुक्रम प्रतिक्रिया: कम ई-कारकों वाले 4-हाइड्रॉक्सीकौमरिन-प्रतिस्थापित इंडोल्स के रीजियोसेलेक्टिव संश्लेषण और आणविक डॉकिंग अध्ययन के लिए एक कुशल और टिकाऊ दृष्टिकोण। कार्बनिक और जैव-आणविक रसायन विज्ञान, 20(46), 9161-9171। <https://doi.org/10.1039/D2OB01431A>
- मोहंती, एस., कुमार, ए., दास, पी., साहू, एस.के., मुखर्जी, आर., रामचंद्रनपिल्लई, आर., नायर, एस.एस., और चौधरी, टी. (2022)। Nm23-H1 कपोसी के सारकोमा से जुड़े हर्पीस वायरस के ऑन्कोजेनिक अव्यक्त प्रोटीन

vFLIP K13 के साथ बातचीत के माध्यम से NF- κ B सिग्नलिंग के निषेध के माध्यम से प्राथमिक प्रवाह लिम्फोमा कोशिकाओं में एपोटोसिस को प्रेरित करता है। सेलुलर ऑन्कोलॉजी, 45(5), 967-989।

<https://doi.org/10.1007/s13402-022-00701-9>

• दास, पी., ब्रह्मचारी, जी., चटर्जी, के., और चौधरी, टी. (2022)। प्राकृतिक स्रोत से सिंथेटिक एंटीऑक्सीडेंट ऑन्कोजेनिक तनाव प्रबंधन प्रणाली से आगे निकल सकते हैं और केएसएचवी संक्रमित कैंसर कोशिकाओं की तनाव-संवेदनशील मृत्यु को सक्रिय कर सकते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन, 50(3), 117.

• मुखर्जी, एम., जाना, सी.के. और दास, एन. (2023)। सैक्रोमाइसेस सेरेविसिया के विभिन्न विकास चरणों में उम्र और प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव के साथ जैविक अणुओं का ऑक्सीकरण। एंटोनी वैन लीउवेनहॉक, 116, 353-365।

• सामंता पी, चक्रवर्ती ए और डे एन (2022) पूर्ण जलमग्न चावल के पौधों में सब1ए और एसके लोकी की एलील विविधता के साथ शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर अध्ययन। प्लांट फिजियोलॉजी रिपोर्ट. (डीओआई: 10.1007/एस40502-022-00660-1, 27 मई 2022 को प्रकाशित)

• पांजा एस, मंडल के, कार आरके, डे पीसी और डे एन (2022) जलमग्न सहनशीलता के लिए असम के खाने के लिए तैयार नरम बोरा चावल जीनोटाइप की खोज। फसल विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जर्नल. (डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s12892-022-00164-2>, 13 जुलाई 2022 को प्रकाशित)

• पांजा एस, कार आरके, डे पीसी और डे एन (2022) चावल को भिगोकर खाने की नरम प्रकृति को रेखांकित करना - एक भौतिक रासायनिक और आणविक दृष्टिकोण। फूड बायोसाइंस (DOI: <https://doi.org/10.1016/j.fbio.2022.102122>, 21 अक्टूबर 2022 को प्रकाशित)

• सामंता पी और डे एन (2022) प्रेरित जलमग्नता के तहत चावल में एसके लोकस का miRNA-मध्यस्थता विनियमन। जे. फसल विज्ञान. जैव प्रौद्योगिकी। (DOI: <https://doi.org/10.1007/s12892-022-00190-0>, 27 दिसंबर 2022 को प्रकाशित)।

अध्याय-2

- सामंता पी और डे एन (2023) चावल में सूखा सहनशीलता के लिए माइक्रोआरएनए-मार्कर आधारित आनुवंशिक विविधता विश्लेषण (ओरिज़ा सैटिवा एल.)। प्लांट फिजियोलॉजी रिपोर्ट. (डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s40502-023-00709-9>, 28 जनवरी 2023 को प्रकाशित)
- पांजा एस, बिस्वास आर, कर आरके और डे एन (2023) संरक्षण और प्रजनन के लिए जातीय बोरा चावल का रूपात्मक-आणविक लक्षण वर्णन। आनुवंशिक संसाधन और फसल विकास। (DOI:<https://doi.org/10.1007/s10722-023-01541-8>, 3 फरवरी 2023 को प्रकाशित)
- नितिन सी. मुखर्जी एस, बसाक जे और बहादुर आरपी। (2022) एनसीओडीआर: विरिडिप्लांटे में गैर-कोडिंग आरएनए को अलग करने के लिए एमल्टी-क्लास सपोर्ट वेक्टर मशीन वर्गीकरण। मात्रात्मक पादप जीवविज्ञान. 3:ई23, 1-11 <https://dx.doi.org/10.1017/qpb.2022.181>
- मजूमदार एन, बनर्जी ए, साहा एस. 2023. नए प्राकृतिक और सिंथेटिक एंटी-लीशमैनियल कीमोथेराप्यूटिक एजेंटों और उपचार दृष्टिकोण के वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर एक समीक्षा। एक्टा ट्रॉप. 240:106846. आईएसएसएन: 0001-706X. ई-आईएसएसएन:1873-6254। यदि: 3.222.
- इनिग्वेज़ ई, साहा एस, पेट्रेलिस जी, मेनेसेस सी, हर्बर्ट एस, गोंजालेज़-रंगेल वाई, रोलैंड टी, एरोनसन एनई, रोज़ सी, हैन्स एलआर, एकोस्टा-सेरानो ए, सेराफिम टीडी, ओलिवेरा एफ, श्रीकांतैया एस, बर्न सी, वैलेंजुएला जेजी, कामहावी एस. 2022. फ़्लेबोटोमस अर्जेन्टाइप्स के लिए एक मिश्रित पुनः संयोजक लार प्रोटीन बायोमार्कर भारत में आंत के लीशमैनियासिस के उन्मूलन के बाद एक निगरानी उपकरण प्रदान करता है। जे संक्रमण रोग. 226:1842-1851. आईएसएसएन: 0022-1899 (प्रिंट) 1537-6613 (वेब)। यदि: 7.759.
- इजाज़ी एसए, साहा एस, भट्टाचार्य ए, दास एस, माटेउस एनएलएफ, कोस्टा लीमा-जूनियर एमएस, नील्ज़के-अब्रू एचसी, मेंडोंका आईएल, कोस्टा सीएचएन, ओलिवेरा मेलो-जूनियर ओए, मेलो एमए, रॉसी-बर्गमैन बी, कोर्सो आर, मन्ना एल और नाहिद अली एन. 2022. कैनाइन विसेरल लीशमैनियासिस के निदान और ब्राजील और इटली में उनके बहुकेंद्रीय मूल्यांकन के लिए लीशमैनिया डोनोवानी एंटीजन पर आधारित इम्यूनोलॉजिकल एसेज़ का विकास। फ्रंट सेल संक्रमित माइक्रोबायोल। 12: 914477. आईएसएसएन: 2235-2988। यदि: 5.293.

- वर्धन, एच., सासामल, एस., और मोहंती, के. (2023)। सुपारी की भूसी एंजाइमैटिक हाइड्रोलाइज़ेट और क्रिस्टलीकरण से कैंडिडा ट्रॉपिकलिस द्वारा जाइलिटॉल का उत्पादन। एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी, 1-24।
- सक्सेना, एस., वासुदेवन, एच., सैनी, एस., और ससमल, एस. (2023)। अल्ट्रासाउंड, अंकुरण और संयुक्त दृष्टिकोण द्वारा उत्पादित बाजरा आधारित दूध का तुलनात्मक पोषण मूल्यांकन। एसीएस खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।
- श्रीवास्तव, आर.के., सारंगी, पी.के., षडंगी, के.पी., ससमल, एस., गुप्ता, वी.के., गोवर्धनन, एम., ... और सुबुद्धि, एस. (2023)। कृषि उपोत्पादों से बायोरिफाइनरी विकास: मूल्यवर्धन और चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था। सस्टेनेबल केमिस्ट्री और फार्मसी, 32, 100970।
- वर्धन, एच., सासामल, एस., और मोहंती, के. (2022)। सुपारी की भूसी से जाइलिटोल उत्पादन के लिए एएनएन और आरएसएम पर आधारित किण्वन प्रक्रिया का अनुकूलन और उसके बाद जाइलिटोल क्रिस्टल लक्षण वर्णन। प्रक्रिया जैव रसायन, 122, 146-159।
- सिंह, एस.के., कुमार, वाई., और ससमल, एस. (2022)। एक नवीन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोटोबायोरिएक्टर (ई-पीबीआर) में उन्नत शैवाल बायोमास उत्पादन। करंट माइक्रोबायोलॉजी, 79(12), 395।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 20

एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

गेट: आकाश श्रीप्रकाश, ज्योति रंजन सेठी

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार आदि:

- 30.03.2023-31.03.2023. डॉ. महाश्वेता नंदी ने कलासलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, श्रीविल्लीपुत्तूर, तमिलनाडु द्वारा सामग्री और गणितीय विज्ञान पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए कार्बन आधारित सामग्री डिजाइन करना" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 14.12.2022-16.12.2022. डॉ. महाश्वेता नंदी ने एनआईटी नागालैंड, दीमापुर द्वारा आयोजित कंडेन्सड मैटर डेज़ (सीएमडीईएस 2022) में "ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए हेटेरोएटम डोपिंग के साथ मॉर्फोलॉजी नियंत्रित छिद्रित कार्बन" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 21.09.2022-27.09.2022. आलोक प्रताप सिंह ने डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित सिनर्जिस्टिक ट्रेनिंग प्रोग्राम यूटिलाइजिंग द साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर (STUTI-21) के तहत अनुसंधान एवं विकास उपकरणों पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- 22.09.2022-24.09.2022. विश्वभारती विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित और SPARC-MHRD द्वारा प्रायोजित वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनन्या पाल ने "ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में छिद्रित कार्बन नैनोस्फेयर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 22.09.2022-24.09.2022. विश्वभारती विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित और प्रायोजित वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मंजुला पाल ने "दीर्घकालिक विद्युत रासायनिक स्थिरता वाले सुपरकैपेसिटर के लिए एन-डोप्ड मेसोपोरस कार्बन के संसेचन सहायता प्राप्त संश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। स्पार्क-एमएचआरडी।
- 07.02.2023-11.02.2023. मंजुला पाल ने इंडियन सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रोएनालिटिकल केमिस्ट्री के सहयोग से विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान प्रभाग, भाबा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर

आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हेटरोएटम डोपिंग और ऊर्जा भंडारण में अनुप्रयोग द्वारा पदानुक्रमित छिद्रपूर्ण कार्बन के सुपरकैपेसिटर्स को बढ़ावा देना" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया। आईएसईएसी)।

- 22.09.2022-24.09.2022. विश्वभारती विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित और SPARC-MHRD द्वारा प्रायोजित वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रशांत पाल ने कुशल सुपरकैपेसिटर विकसित करने के लिए "मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ) व्युत्पन्न कार्बन नैनोस्ट्रक्चर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। .

- 16.11.2022-22.11.2022. प्रशांता पाल ने इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस), कोलकाता के साथ-साथ इंडियन यंग एकेडमी ऑफ साइंस (आईएनवाईएस), भारत द्वारा आयोजित कार्यशाला कार्यशाला: हरित ऊर्जा संचयन और भंडारण: सामग्री, विधियाँ और अनुप्रयोग में भाग लिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

• शिक्षिका का नाम: डॉ. महाश्वेता नंदी

परियोजना का नाम: 'मेसोपोरस सिलिका और उनके संभावित अनुप्रयोगों पर आधारित कार्यात्मक नैनोमटेरियल्स।

(मंजूरी संख्या: ST/P/S&T/15G-20/2018, दिनांक: 01/02/2019)

प्रायोजक एजेंसियां: डब्ल्यूबी-डीएसटी

स्वीकृत राशि: रु. 5,00,000/- (2019-2023)

• शिक्षिका का नाम: डॉ. महाश्वेता नंदी

परियोजना का नाम: 'हेटरोएटम में कार्बन आधारित छिद्रपूर्ण सामग्री और उनके विद्युत रासायनिक गुण शामिल हैं'

(स्वीकृति संख्या 01(3088)/21/EMR-II दिनांक 13.08.2021)

प्रायोजक एजेंसियां: सीएसआईआर, भारत

स्वीकृत राशि: रु. रु. 16,87,000/- (2021-2024)

प्रकाशन:

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र

अध्याय-2

- खातून, आर., माझी, के., और सिन्हा, एस. (2022)। लिक्विड मीडिया और थिन फिल्म में पॉली (9, 9-डी-(2-एथिलहेक्सिल)-9-एच-फ्लोरीन-2, 7-विनाइलीन) का विस्तृत फोटोफिजिकल अध्ययन। एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी, 76(12), 1471-1481. पाल, ए., पाल, एम., घोष, एस., और नंदी, एम. (2022)। एन-डोपड पोरस कार्बन नैनोस्फेयर के संश्लेषण और ऊर्जा भंडारण उपकरणों में उनके अनुप्रयोग के लिए नैनोइमल्शन तकनीक। ऊर्जा एवं ईंधन, 36(19), 12285-12298।
- साहा, बी., सिंघा, डी., दास, टी., और नंदी, एम. (2023)। ट्रिस (4-फॉर्मिल फिनाइल) एमाइन ने Al^{3+} के चयनात्मक संवेदन और इसके पृथक्करण के लिए मेसोपोरस सिलिका को कार्यात्मक बनाया। इनऑर्गेनिका चिमिका एक्टा, 550, 121455।
- डे, सी., नंदी, एम., और गोस्वामी, एम.एम. (2023)। $CoFe_2O_4$ चुंबकीय नैनोकणों द्वारा cationic और anionic रंगों का pH निर्भर संवर्धित तुल्यकालिक फोटोकैटलिटिक निष्कासन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1277, 134859।
- पाल, ए., पाल, एम., घोष, एस., और नंदी, एम. (2022)। एन-डोपड पोरस कार्बन नैनोस्फेयर के संश्लेषण और ऊर्जा भंडारण उपकरणों में उनके अनुप्रयोग के लिए नैनोइमल्शन तकनीक। ऊर्जा एवं ईंधन, 36(19), 12285-12298।
- ताकावा, एस., सुगवारा, ए., असोह, टी. ए., नंदी, एम., और उयामा, एच. (2022)। ट्यून करने योग्य रूपात्मक अनिसोट्रोपी और यांत्रिक गुणों के साथ बैक्टीरियल सेलूलोज़ के मिश्रित हाइड्रोजेल और एक एथिलीन-विनाइल अल्कोहल कॉपोलीमर। सामग्री अग्रिम, 3(12), 5138-5150।
- मैती, एम., बन्धोपाध्याय, एन., और ओसिपोव, वी. ए. (2022, सितंबर)। व्युत्क्रम सममित वेइल हाइब्रिड जंक्शनों में चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही में (खंड 2551, संख्या 1, पृष्ठ 050002)। एआईपी पब्लिशिंग एलएलसी।
- हांसदा, एस., और पंडित, एस.के. (2023)। एक लहरदार दीवार वाले बाड़े में थर्मोसोल्यूटल हाइड्रोमैग्नेटिक मिश्रित संवहनी संकर नैनोफ्लुइड प्रवाह। जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 572, 170580।

- हांसदा, एस., और पंडित, एस.के. (2023)। ढक्कन संचालित अवतल-उत्तल कक्ष में हाइब्रिड नैनोप्लुइड के डबल डिफ्यूसिव मिश्रित संवहन के लिए थर्मोसोल्यूटल डिस्चार्ज का प्रदर्शन। जर्नल ऑफ़ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरिमेट्री, 148(3), 1109-1131।
- दास, पी., पंडित, एस.के., और रे, आर.के. (2023)। ध्रुवीय ग्रीड पर सीधे असम्पीडित प्रवाह को हल करने के लिए उच्च क्रम कॉम्पैक्ट गैर-वर्दी पैड सन्निकटन आधारित परिमित अंतर योजना का एक नया परिप्रेक्ष्य। कंप्यूटर और तरल पदार्थ, 105793।
- महापात्रा, टी.आर., साहा, बी.सी., पाल, डी., और पंडित, एस.के. (2022)। ट्रेपेज़ॉइडल संलग्नक में मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक प्राकृतिक संवहन के दौरान हीटलाइन और एन्ट्रॉपी जेनरेशन का विश्लेषण। एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल गणित के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(6), 280।
- गोस्वामी, के.डी., चट्टोपाध्याय, ए., और पंडित, एस.के. (2022)। एक नए आकार के बाड़े में हाइब्रिड नैनोप्लुइड के लिए मैग्नेटो-थर्मोग्रैविटेशनल संवहन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैकेनिकल साइंसेज, 234, 107674।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 11

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित केंद्र/विभाग के विकास का एक संक्षिप्त इतिहास विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में विश्वभारती के परिदर्शक (आगंतुक), भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम शुरू करने के लिए गठित उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) की सिफारिश को स्वीकार कर लिया। शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती के तहत भौतिक विज्ञान में। तदनुसार, एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (आईएसईआरसी) की स्थापना 2008 में की गई थी, और शैक्षणिक कार्यक्रम 2009 में शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान और शिक्षा के लिए अत्यधिक प्रेरित छात्रों को आकर्षित करना है। वर्तमान में, पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद, पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. एससी. उम्मीदवारों को भौतिकी/रसायन विज्ञान/गणित/जीवन विज्ञान/पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विषय में डिग्री प्रदान की जाती है।

गणितीय शिक्षा केन्द्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- 07.06.2022. डॉ. सुबीर सेन, प्रमुख, शिक्षा विभाग, सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, भारत ने "गणित में उपलब्धि परीक्षण का विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया।
 - 29.07.22-30.07.22. डॉ. एस के वेंकटेशन, तकनीकी निदेशक, टीएनक्यू, चेन्नई ने "फ्रैक्टल ज्यामिति और गणितीय गणना" पर व्याख्यान दिया।
 - 29.07.22-30.07.22. प्रोफेसर जी कार, भौतिकी और अनुप्रयुक्त गणित इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता ने "क्वांटम कंप्यूटिंग: गणित और भौतिकी पर एक नई चुनौती" पर व्याख्यान दिया।
 - 06.09.2022-08.09.2022. डॉ. असित साहा, गणित विभाग, एसएमआईटी, सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, सिक्किम-737136, भारत ने "विभेदक समीकरण, गतिशील प्रणाली और अराजकता: एक परिचय" पर व्याख्यान दिया।
 - 07.11.2022. श्री चंचल दास, अध्यक्ष, दास साइंटिफिक रिसर्च लैब्स पी.एल., अहमदाबाद, गुजरात, भारत ने "गणित शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
 - 09.12.2022-13.12.2022. प्रोफेसर बरनाना रॉय, भौतिकी और अनुप्रयुक्त गणित इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत ने "नॉनलीनियर डिफरेंशियल इक्वेशन का परिचय" पर व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/वेबिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:**
- 13.09.2022. प्रो. पी. चटर्जी ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में गणित पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में विभेदक समीकरणों और गतिशील प्रणालियों पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।
 - 02.03.2023. प्रो. पी. चटर्जी ने सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया में नॉनलाइनियर आंशिक अंतर समीकरणों और अनुप्रयोगों पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
 - 02.03.2023. प्रो. पी. चटर्जी ने सिद्धो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया में गणित और सूचना विज्ञान पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 05.09.2022. शिक्षक दिवस मनाया गया।

प्रकाशन:

सहकर्मी द्वारा समीक्षा/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

- चटर्जी, पी (2022)। जीवन को परिभाषित करने वाला गणित, विज्ञान रिपोर्टर, 59(11), 50-51।
- अहमद, ई. ए., करीम, एम. आर., बनर्जी, एम., सेन, एस., चटर्जी, पी., और मंडल, जी. (2022)। महालनोबिस दूरी का उपयोग करते हुए, असम, भारत के बीटीआर में माध्यमिक स्तर के अन्य विषयों के साथ गणित और अंग्रेजी की शैक्षणिक उपलब्धि पर एक तुलनात्मक अध्ययन। एजुकेशन रिसर्च इंटरनेशनल।

सहकर्मी/समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या:

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 2

अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने योग्य है, को शामिल किया जाना चाहिए।

श्री यूसोब अली अहमद को पीएच.डी. प्राप्त हुई। "गणित शिक्षा में सांख्यिकीय विश्लेषण: तुलनात्मक मूल्यांकन" शीर्षक वाली थीसिस के लिए प्रोफेसर प्रशांत चटर्जी (पर्यवेक्षक) और डॉ. सुबीर सेन (सह-पर्यवेक्षक, एसकेबी विश्वविद्यालय) की मार्गदर्शन में डिग्री।

विकास की भावी योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन/सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

गणित शिक्षा केंद्र प्राथमिक विद्यालय से विश्वविद्यालय स्तर तक गणित के शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन के विकास की दिशा में काम कर रहा है। इसकी स्थापना 1998 में हुई थी और यह गणित शिक्षा में अनुसंधान से जुड़ा हुआ है। गणित के शिक्षकों को निर्देश देने के लिए कई पूर्व छात्र कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। वे केंद्र के विकास और प्रगति में कुछ प्रमुख हितधारक हैं।

कला भवन (ललित कला संस्थान)

विश्वभारती में ललित कला संकाय, कला भवन की परिकल्पना रवीन्द्रनाथ टैगोर ने दृश्य संवेदनशीलता और रचनात्मकता को संपूर्ण शिक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए की थी। 1919 में इसकी स्थापना के साथ, इसके गठन को हमेशा विश्वविद्यालय की औपचारिक स्थापना से पहले माना गया है।

कला-भवन में शुरू किए गए शांतिनिकेतन आंदोलन को अबनिंद्रनाथ के योग्य छात्र नंदलाल बोस के नेतृत्व से अपनी विशिष्ट विशेषता, उद्देश्य और दिशाएँ प्राप्त हुईं। हालांकि इसे भारतीय दृश्य अभ्यास में आधुनिक को परिभाषित करने के प्रयासों की निरंतरता के रूप में माना जा सकता है जो कोलकाता में अबनिंद्रनाथ टैगोर और उनके छात्रों/अनुयायियों के साथ शुरू हुआ, कला-भवन ने शांतिनिकेतन और उसके आसपास प्रकृति और जीवन की तत्कालता का जवाब दिया, इन आवेगों को अभिव्यक्ति के राष्ट्रवादी-पुनरुद्धारवादी तरीकों से परे उठाया। यह रवीन्द्रनाथ टैगोर के मार्गदर्शक दृष्टिकोण के अनुरूप था, दृश्य अभ्यास के प्रति उनका कैथोलिक दृष्टिकोण उनके सर्वेश्वरवादी दर्शन का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। इसलिए कला-भवन को "प्रासंगिक आधुनिकतावाद" के रूप में परिभाषित किया गया है, जो आधुनिक भारतीय परिदृश्य के भीतर दृश्य अभ्यास को तब से लेकर वर्तमान तक अपने विशिष्ट मार्कर के रूप में स्थापित करता है।

कला-भवन में पाँच विभाग हैं - डिज़ाइन, ग्राफिक कला (प्रिंटमेकिंग), कला का इतिहास, चित्रकला और मूर्तिकला। इनके अंतर्गत, डिज़ाइन विभाग अपने अभ्यास को दो प्रमुख दिशाओं में स्थापित करता है - एक ओर कपड़ा, दूसरी ओर चीनी मिट्टी और कांच। इनमें से प्रत्येक विभाग स्नातक से लेकर डॉक्टरेट अनुसंधान तक विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों की पूरी श्रृंखला चलाता है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस दोनों की एक उल्लेखनीय दृष्टि एक संग्रहालय और पुस्तकालय को कला-भवन में शैक्षणिक संरचना के अभिन्न - और अनिवार्य रूप से आवश्यक - हिस्से के रूप में कल्पना करना था। कवि द्वारा संग्रहित दृश्य अभ्यास से संबंधित पुस्तकों ने पुस्तकालय के प्रारंभिक केंद्र का गठन किया, और नंदलाल और रवीन्द्रनाथ द्वारा संचित पारंपरिक कलाकृतियों ने, शायद 1915 की शुरुआत में, एक अकादमिक भंडार के रूप में "नंदन" संग्रहालय की शुरुआत की, जो भवन के छात्रों और शिक्षकों दोनों द्वारा अपेक्षाकृत समकालीन अभ्यास में पुनर्व्याख्या के लिए प्रेरक और प्रबुद्ध उदाहरणों के भंडार के रूप में काम करना था। संस्थान में हालिया प्रथाओं ने अभिव्यक्ति के अपेक्षाकृत वर्तमान तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन पुस्तकालय और संग्रहालय कला-भवन के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण समर्थन प्रणाली बने हुए हैं। संग्रहालय का वर्तमान संग्रह 19,000 वस्तुओं से अधिक है, और दृश्य अभ्यास के लिए पैन-एशियाई भावना में नंदलाल बोस के दृढ़ विश्वास को ध्यान में

रखते हुए, नए कला आंदोलन के महान अप्रदूतों के साथ-साथ दुनिया भर की कला वस्तुओं के काम का एक मामूली क्रॉस-सेक्शन है। इसी प्रकार, पुस्तकालय में ऐसी पुस्तकें शामिल हैं जो विश्व कला की लगभग सभी दिशाओं को कवर करती हैं।

हाल के वर्षों में, अंतःविषय अभ्यास केंद्र के शामिल होने से, एक स्टूडियो-आधारित अवसर जो कला-भवन के सभी छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए खुला है, चाहे उनकी विशेषज्ञता के विभाग कुछ भी हों, ने नए-मीडिया प्रयोगों के प्रति सकारात्मक प्रेरणा प्रदान की है, जो कला-भवन में अंतःविषय परिप्रेक्ष्य में स्वाभाविक रूप से एक दृढ़ विश्वास है। इसलिए, केंद्र उस प्रारंभिक विश्वास को बहाल करने का एक प्रयास है जो कला-भवन में अनुशासनात्मक और मध्यम विशेषज्ञता से अप्रतिबंधित और सर्वांगीण रचनात्मक भावना में था। केंद्र द्वारा शुरू की गई कार्यशालाओं और निवासों ने कला-भवन समुदाय और आने वाले विशेषज्ञों और कलाकारों के बीच सकारात्मक और रचनात्मक मुठभेड़ की संभावना की पेशकश की है।

हाल के वर्षों की महामारी-लॉकडाउन चुनौती से आगे बढ़ते हुए, जब "ऑनलाइन" चर्चाओं और आभासी बैठकों के लिए अपरिहार्य मंच बन गया था, कला-भवन राहत की सांस के साथ स्टूडियो-अभ्यास और कक्षा बातचीत के अपने ऑफ़लाइन मोड में लौट आया है। विश्वविद्यालय के हिस्से के रूप में, और शिक्षा में राष्ट्रीय परिवर्तन के रूप में, कला-भवन ने छात्रों के नए बैच के प्रवेश की प्रक्रिया के सूचकांक के रूप में सीयूईटी मूल्यांकन को अपनाया है; इसने वर्तमान सत्र से अपने स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिए एनईपी ढांचे का पालन करने के लिए कमर कस ली है। यह नया शैक्षणिक आदेश अतीत और परंपरा से अपने विश्वासों के साथ निरंतर बातचीत का तात्पर्य करता है, और इसकी विशिष्टता अकादमिक प्रवचन में अधिक वर्तमान प्रतिमान बदलावों का सामना कैसे कर सकती है। ऐसी चुनौतियाँ अक्सर एक दिशात्मक स्पर्शरेखा का कारण बनती प्रतीत होती हैं, लेकिन फिर भी सक्रिय रूप से रहने वाले संस्थान की ओर संकेत करती हैं जो विकसित होने के प्रयास में लगातार अतीत के साथ वर्तमान के साथ बातचीत कर रहा है।

डिज़ाइन विभाग (कपड़ा और चीनी मिट्टी और कांच)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

टेक्सटाइल में सेमिनार/कला वार्ता-

- 23.01.2023. नताशा मुखर्जी नारायण, ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिया गया एक व्याख्यान 'रीकैलिब्रेटिंग कांथा'।
- 27.02.2023. नुसरत जहां निपा, फैशन डिजाइनर और सुमोन धर, (निर्देशक) बांग्लादेश द्वारा डॉक्यूमेंट्री फिल्म स्क्रीनिंग "हैंडलूम डॉटर"
- 02.02.2023. कलाकार की बातचीत और छात्रों के साथ बातचीत, गुडसेइका फ़्रांस
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:
- अनुसंधान विद्वान:
- उज्ज्वल डे (पीएचडी स्कॉलर) टेक्सटाइल, कला-भवन
- 31.03-2.04.2023. आर्ट डसेलडोर्फ 2023 - इमामी आर्ट, कोलकाता द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया।
- 09.02-12.02.2023. इंडिया आर्ट फेयर 2023- इमामी आर्ट, कोलकाता द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया।
- 12.10-18.10.2023. सौहार्द्र का मौसम: सौ साल बाद कला भवन, ललित कला अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली।
- 01.08-05.08.2022. इंटरनेशनल फ़ाइबर आर्ट्स ऑफ़ टाइम प्रदर्शनी, सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, नंदन गैलरी, कला भवन।
- 23.07-31.07.2022. गूज: जेसल ठाकर, कुमारस्वामी हॉल, सीएसएमवीएस संग्रहालय, मुंबई द्वारा क्यूरेट किया गया एक सार सातत्य।
- 26.03-10.04.2022. 100 युवा संभव - भारत के 100 युवा कलाकारों का एक शो।
- 2.08-05.08.2022. इंडिगो डार्क और टेक्सटाइल आर्ट वर्कशॉप, डॉ. सिथिचार्डस्मैनचैट और श्री प्राच नियोमकर (थाईलैंड), कला भवन द्वारा।

ईशा मुखर्जी (पीएचडी छात्र) टेक्सटाइल

- 28.01-28.02.2023. एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन में 8वीं युवा शांतिनिकेतन कलाकारों की प्रदर्शनी।
- 12.10-18.10.2022. सौहार्दपूर्ण मौसम: सौ साल बाद कला भवन, ललित कला अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली।
- अक्टूबर 2022। हाउ गांधी कम्स अलाइव, गांधी तीर्थ, जैन हिस्स, जलगांव,

- 01.08-05.08.2022. इंटरनेशनल फ़ाइबर आर्ट्स ऑफ़ टाइम प्रदर्शनी, सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, नंदन गैलरी, कला भवन।
- 20.02-25.02.2023. प्राकृतिक डाई कार्यशाला, जगदा राजप्पा द्वारा, देशेर बारी, शांतिनिकेतन में (सूत्र टेक्सटाइल स्टडीज, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत)
- 20.11.2022. ईसीओ-एन-विरॉन, एडवांस नेचुरल डाई वर्कशॉप, श्री आतिश मुखर्जी, मेमारी, बुरवान द्वारा संचालित।
- 2.08-05.08.2022. इंडिगो डाई और टेक्सटाइल आर्ट वर्कशॉप, डॉ. सिथिचाईस्मैनचैट और श्री प्राच नियोमकर (थाईलैंड), कला भवन द्वारा।
- 01.06.-05.06.2022. इंडिगो मंदिर, जीवन इंडिगो, भुजोरी, कच्छ में श्री अशोक सिजू द्वारा इंडिगो कार्यशाला।
- 05.05-07.05.2022. कला भवन में डॉ. शंकर रॉय मौलिक द्वारा इंडिगो कार्यशाला।

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य:

गौतम दास, शिसिर सहाना, देबाशीष दास, मैडी लिंडा और अनुपम चौधरी की भागीदारी

1-7 अगस्त 2022।

सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह कार्यशाला, कला भवन, शांतिनिकेतन। आयोजन कला भवन द्वारा किया गया

गौतम दास, सिसिर सहाना, बनावतनवी दासमहापात्रा, देबाशीष दास, माडी लिंडा, अनुपम चौधरी, भावना खजुरिया बसुमतारी और अर्चना दास की भागीदारी

- 5 सितंबर 2022। शिक्षक दिवस ड्राइंग कार्यशाला, कला भवन, शांतिनिकेतन; 13-15 सितंबर, 2022: कृतियों की प्रदर्शनी, नंदन गैलरी, कला भवन

गौतम दास, सिसिर सहाना, बनावतनवी दासमहापात्रा, पिनाकी गायेन, देबाशीष दास, मैडी लिंडा, भावना खजुरिया बसुमतारी और अर्चना दास की भागीदारी

- 12th - 18th अक्टूबर, 2022। "सौहार्द का मौसम: 100 वर्षों के बाद कला भवन" प्रदर्शनी, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली

बनावतनवी दासमहापात्रा और पिनाकी गायेन की भागीदारी

- 1-5 अगस्त 2022। सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर "अंतर्राष्ट्रीय फाइबर कला कला प्रदर्शनी", नंदन गैलरी, कला भवन

अध्याय-2

गौतम दास एवं अनुपम चौधरी की भागीदारी

- 28 दिसंबर 2022 - 5 जनवरी 2023। ज़ैनुल गैलरी, ललित कला संकाय, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश।

अनुपम चौधरी और भावना खजुरिया बसुमतारी की भागीदारी

2-9 फरवरी, 2023 कला भवन के 100 वर्ष (1919-2019) का जश्न मनाने के लिए हिमालय क्षेत्र के कला भवन पूर्व छात्रों (KAHT) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया।

भावना खजुरिया बासुमतारी और अर्चना दास की भागीदारी

10-14 फरवरी, 2023. पैपिलियो पेंटर्स, बेरहामपुर, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय कला मेला 2023 में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया।

गौतम कुमार दास (सिरेमिक एवं ग्लास)

प्रदर्शनी

- जनवरी 2023 कलकत्ता चित्रकार समूह प्रदर्शनी, बिड़ला कला एवं संस्कृति अकादमी, कोलकाता
- 27 दिसंबर 2022 बंधु ओ शिखाक (प्रदर्शनी), ढाका, बांग्लादेश, दुर्जोय रहमान जाँय द्वारा आयोजित।

शिशिर कुमार सहाना (सिरेमिक एवं ग्लास)

क. कार्यशाला

- 13 - 19 नवंबर 2022. "विस्टा नेशनल पेंटिंग वर्कशॉप, हैदराबाद, तेलंगाना
- 16 - 20 दिसंबर 2022। बरगद हार्ट्स स्टूडियो, हैदराबाद द्वारा पेंटिंग शिविर का आयोजन।

ख. प्रदर्शनी

- 7 नवंबर - 7 दिसंबर, 2022। INKO सेंटर, चेन्नई द्वारा "द ह्यूमन स्प्रिट: इन इरेगुलर टाइम्स में लचीलेपन पर प्रस्ताव"।
- 29 सितंबर - 31 दिसंबर, 2022. कला भावना प्राक्तोनी द्वारा कलाकृतियों की ऑनलाइन प्रदर्शनी।
- 28 जनवरी - 2 फरवरी 2023. "द ग्लास मेनगेरी; ग्लास में समकालीन प्रथाएँ", बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में ग्लास मेकर्स क्लब द्वारा आयोजित किया गया।
- 7 - 28 फरवरी, 2023। "रूप और आकृति", गैलरी आर्ट पिलग्रिम, नई दिल्ली।
- 28 फरवरी - 5 मार्च, 2023। "तथ्य और झूठ", वार्षिक शो, रिफ्लेक्शन ऑफ अनदर डे (आरएडी), बिड़ला एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता के सदस्य
- 31 मार्च - 30 अप्रैल, 2023. कला भावना प्राक्तोनी द्वारा कलाकृतियों की ऑनलाइन प्रदर्शनी।

ए. अन्य गतिविधियां: फिल्म निर्माण और स्क्रीनिंग

- (ए) 2022. एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म "रवींद्रनाथ और विश्व-भारती" का लेखन, निर्देशन और निर्माण किया।
- (बी) 15 सितंबर 2022। फेडरेशन ऑफ फिल्म सोसाइटीज ऑफ इंडिया द्वारा विशेष स्क्रीनिंग, नंदन, कोलकाता।
- (सी) 22 फरवरी 2023। एफएफएसआई, केरल द्वारा साइन्स नेशनल फिल्म फेस्टिवल, केरल में स्क्रीनिंग।

बनातनवी दशमहापात्रा (कपड़ा)

क. कार्यशाला

- फरवरी 2023। शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ विजुअल आर्ट्स एंड डिज़ाइन (एसएसवीएडी), सोनाझुरिपल्ली, शांतिनिकेतन में सिरेमिक कार्यशाला में भाग लिया

26 नवंबर - 2 दिसंबर, 2022। सोमनाथ होरे शताब्दी कार्यशाला समिति कला भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन के सदस्य

ख. प्रदर्शनी/प्रस्तुति

- 28 दिसंबर 2022 - 3 जनवरी 2023। "सीमाओं के पार" एसएसवीएडी की विविध सचित्र अभिव्यक्तियाँ, ललित कला संकाय, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में एक समूह शो
- 2 से 15 अक्टूबर, 2022। गांधी रिसर्च फाउंडेशन, महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम और आज के लिए इसकी प्रासंगिकता पर आईसीएसएसआर परियोजना के ढांचे के भीतर प्रोफेसर गीता धर्मपाल द्वारा आयोजित, जलगांव, महाराष्ट्र

ग. सेमिनार/प्रस्तुति/वेबिनार/लेख/सम्मेलन/आमंत्रित वार्ता

1. 16 जनवरी, 2023। "उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित रागमाला पेंटिंग में विजुअल एंड सोनिक एसोसिएशन", एक व्यक्तिगत बातचीत, ललित कला अनुशासन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर,

पिनाकी गायेन (कपड़ा)

क. कार्यशाला

29 अक्टूबर, 2022. आई.आई.टी., खड़गपुर में कलमकारी कला पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ख. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति

- 3 - 5 नवंबर 2022। "क्या दृश्य कलाकार दर्शकों के टकटकी पैटर्न में हेरफेर करने के लिए डिज़ाइन को विनियमित कर सकते हैं? आई-ट्रैकर के साथ एक अन्वेषण", डिजीकॉम - डिजाइन और डिजिटल संचार पर 6 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022 (ऑनलाइन) शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 15 - 16 सितंबर, 2022। "तकनीकी उन्नति के युग में दृश्य सौंदर्यशास्त्र को समझना", कला और मानविकी पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओएच 2022 (ऑनलाइन) शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

देबाशीष दास (सिरेमिक और ग्लास)

क.कार्यशाला

- 1.26.03.2023. जी.पी. कोइराला फाउंडेशन कला और संस्कृति विभाग, नेपाल ने शांतिनिकेतन, पश्चिम-बंगाल, भारत में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कला शिविर और संगोष्ठी "ट्राएंगल" का आयोजन किया।
- 2. "प्रभा" 10वां वार्षिक ग्रुप शो, 21 जनवरी से 5 फरवरी 2023 तक - अपने माया आर्ट स्पेस का आयोजन करें।

मैडी लिंडा (सिरेमिक और ग्लास)

क.कार्यशाला

- 28.01.2023 से 03.02.2023. जनजातीय चित्रकला शिविर, पतरातू, रांची, झारखंड।
- 2022. पलाश'22 आनंदी आर्ट गैलरी, कोलकाता में पेंटिंग, मूर्तिकला और चीनी मिट्टी की एक अखिल भारतीय प्रदर्शनी है, जो छोटानागपुर आर्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (CARDS), रांची, झारखंड द्वारा आयोजित की गई है।

अनुपम चौधरी (सिरेमिक एवं ग्लास)

कार्यशाला

- 19 - 25 सितंबर, 2022। कम तापमान वाली ग्लेज़ फायरिंग कार्यशाला, असम वैली स्कूल

भावना खजुरिया बासुमतारी (सिरेमिक और ग्लास)

क.कार्यशाला

- 9 - 17 अक्टूबर, 2022। मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर, राजस्थान में 'मूर्तिकला और स्थापना कला' की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 30 मार्च, 2023. 'मृणालिनी आनंद पाठशाला', विश्वभारती के छात्रों के साथ कार्यशाला के संयुक्त-समन्वयक।
 - प्रदर्शनी
- 2022. मेयो कॉलेज, अजमेर में मेयो पूर्व छात्र कलाकारों द्वारा माँ ग्रुप कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 2022. कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में 'खट' द्वारा आयोजित ग्रुप शो में आमंत्रित प्रतिभागी।

अर्चना दास (सिरेमिक एवं ग्लास)

क.कार्यशाला

- 8 और 9 अप्रैल; 16 और 17 अप्रैल; 29 और 30 दिसंबर, 2022; 22 जनवरी, 26 जनवरी और 5 फरवरी, 2023। "मिट्टी के बर्तन और सिरेमिक कार्यशाला" (राष्ट्रीय), मिट्टी के बर्तन और सिरेमिक स्टूडियो, ऑरा, बर्दवान में संसाधन व्यक्ति।

ख. सेमिनार

- **21 - 22 फरवरी, 2023।** "पी.आर." शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। दरोज़ के नवीनतम सिरेमिक शिल्पो के विवचना", अंतरराष्ट्रीय सेमिनार हिंदी सिनेमा में भारतीय संस्कृति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में।
- **24 - 25 मार्च 2023.** राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संगीत में "ईरा चौधरी का व्यक्तित्व और उनका द्वार निर्मित पत्रों का कलात्मक अध्ययन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय एकता का एक सशक्त माध्यम, डी.जी.पी.जी. कॉलेज, कानपुर.

ग. प्रदर्शनी

- **30 अप्रैल, 2022.** 5वीं अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी, राजेश्वरी कला महोत्सव **2022**, चंडीगढ़ में भाग लिया।
- **31 मार्च से 31 मई, 2023।** अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी "प्रेक्टोनी", गैलरी आर्ट वर्ल्ड, चेन्नई में भाग लिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- शिक्षक (ए) बृक्षरोपण, (बी) 7वें पूस को चतिमत्तला, (सी) 25 दिसंबर को उपासना गृह, (डी) गणतंत्र दिवस और (ई) स्वतंत्रता दिवस के लिए सजावट और अल्पना में भाग लेते हैं।
- शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लेते हैं।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.एस.एस. आदि के रूप में मान्यता)

भावना खजूरिया बसुमतारी

- **2022.** राजमाता कृष्णा कुमारी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, जोधपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित 'द आईपीएससी विजुअल आर्ट फेस्ट' "हम एक हैं: हार्मनी" के जूरी सदस्य
- **2022.** मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर, राजस्थान द्वारा आयोजित कला प्रतियोगिता के लिए जूरी सदस्य।

पिनाकी गायेन

- कला और मानविकी पर 10वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन ICOAH 2023 के लिए भारत से एक वैज्ञानिक समीक्षक और सम्मेलन समन्वयक के रूप में चुना गया। आधिकारिक वेबसाइट: <https://fineartsconference.com>

प्रकाशन:

अध्याय-2

शिशिर कुमार सहाना:

- सब ए आमादेर शांतिनिकेतन शिखर फल [बंगाली में] (2022)। अपराजिता सत्यजीत. कल्याणी विश्वविद्यालय [आईएसबीएन: 978-93-91168-68-1]

पिनाकी गायेन:

नेशनल जर्नल में आलेख

- गायेन, पी., और पटनायक, पी. (2022, सितंबर-अक्टूबर)। श्रीकालहस्ती, आंध्र प्रदेश की कलमकारी कला: वस्त्रों में कहानियाँ सुनाने की एक प्राचीन पद्धति। म्यूज़ियम इंडिया का आर्ट गैलरी अनुभाग - साहित्यिक ई-जर्नल (अंक संख्या 105) [आईएसएसएन: 0975 - 1815] <https://museindia.com/Museindia/Gallery?issid=105>
- गायेन, पी., बनिक, जी., और पटनायक, पी. (2022, जुलाई-अगस्त)। स्वामी शोमानंद का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर कला संग्रह। म्यूज़ इंडिया का आर्ट गैलरी अनुभाग - साहित्यिक ई-जर्नल (अंक संख्या 104) [आईएसएसएन: 0975 - 1815]। <https://museindia.com/Museindia/Gallery>
- गायेन, पी., शंकर, डी., और पटनायक, पी. (2022, मई-जून)। इटरनली टेम्पोरल: टाइमलेस 'स्पेस-टाइम्स' के रूप में पूजा प्रतिष्ठान। म्यूज़ इंडिया का आर्ट गैलरी अनुभाग - साहित्यिक ई-जर्नल (अंक संख्या) . 103) [आईएसएसएन: 0975 - 1815]। <https://museindia.com/Museindia/Gallery>

पुस्तक अध्याय

- गायेन, पी., बनर्जी, ए., सान्याल, एस., पटनायक, पी., और घोष, डी. (2023)। ग्राफ़िक डिज़ाइन पर संगीत ध्वनिकी का प्रभाव: भारतीय शास्त्रीय संगीत एल्बम कवर डिज़ाइन के साथ एक अन्वेषण। भाषण और संगीत प्रौद्योगिकी में प्रगति: कम्प्यूटेशनल पहलू और अनुप्रयोग चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, पीपी. 379-395। https://doi.org/10.1007/978-3-031-18444-4_19
- बनर्जी, ए., गायेन, पी., सान्याल, एस., नाग, एस., बोरगोहेन, जे., रॉय, एस., और घोष, डी. (2022)। दृश्य सौंदर्यशास्त्र पर संगीत का प्रभाव: मनोवैज्ञानिक, सांकेतिकता और भग्न दृष्टिकोण से मध्यवर्तीता पर एक अन्वेषण। भाषण और संगीत प्रौद्योगिकी में प्रगति: कम्प्यूटेशनल पहलू और अनुप्रयोग। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, पीपी. 353-378। https://doi.org/10.1007/978-3-031-18444-4_18

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में पेपर

• गायेन, पी., बनर्जी, ए., बोरगोहेन, जे., बनिक, जी., और पटनायक, पी. (2022, अक्टूबर)। क्या दृश्य कलाकार दर्शकों के टकटकी पैटर्न में हेरफेर करने के लिए डिज़ाइन को विनियमित कर सकते हैं? आई-ट्रैकर के साथ एक अन्वेषण। डिज़ाइन और डिजिटल संचार में प्रगति III: डिज़ाइन और डिजिटल संचार पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, डिजिकॉम 2022, 3-5 नवंबर, 2022, बार्सिलोस, पुर्तगाल। चाम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड, पीपी. 507-522। https://doi.org/10.1007/978-3-031-20364-0_44

भावना खजूरिया बसुमतारी

- प्रबीर कुमार विश्वास की रचनात्मक यात्रा. (2022)। शोधसंहिता, 9(8), पृ. 34-38.
- कला की उपचार क्षमता। (2022)। मोटिप्स, 8(1), पृ. 65-70.

अर्चना दास

- खावरा चित्रित टेराकोटा पात्रों एवं ताम्र-पासन युगिन सिन्धु सभ्यता के पात्रों का मध्य अन्तर्सम्बन्ध [हिन्दी में]। (2023)। स्टॉम, (23).[आईएसएसएन: 2231-1041], पी. 53-57.
- पी.आर. दरोज़ के नवीनतम सिरेमिक शिल्पो की विवेचना [हिन्दी में]। (2023)। जनक: ए जर्नल ऑफ़ ह्यूमेनिटीज़ (खंड - 9, संख्या - 2) Any other relevant information,

छात्र प्रदर्शनी/पुरस्कार

उज्ज्वल डे (पीएचडी छात्र) टेक्सटाइल

- शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ़ विजुअल आर्ट्स एंड डिज़ाइन, शांतिनिकेतन, 2023 में 8वीं युवा शांतिनिकेतन कलाकारों की प्रदर्शनी में प्रशंसा प्रमाण पत्र

चंपातुडु (एमएफए द्वितीय वर्ष टेक्सटाइल)

- स्वामी विवेकानन्द मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति (V3.0), 2021-2022

पूजा मुखर्जी, (एमएफए प्रथम वर्ष टेक्सटाइल)

- स्वामी विवेकानन्द छात्रवृत्ति, पीजी 2023
- शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ़ विजुअल आर्ट्स एंड डिज़ाइन में प्रदर्शनी में प्रशंसा प्रमाण पत्र, 28 जनवरी - 28 फरवरी, 2023
- 12 - 18 अक्टूबर, 2022: "सौहार्द का मौसम: 100 वर्षों के बाद कला भावना" प्रदर्शनी, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली।
- प्रशिक्षण सहायक-- 'समर्थ' के तहत डिज़ाइन में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए-- संबंध में, कपड़ा मंत्रालय, बुनकर सेवा केंद्र, भारत सरकार

मूर्तिकला विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि। शिक्षकों/शोध विद्वानों द्वारा की गई अध्यक्षता/मूल्यांकन/प्रस्तुति का विवरण।

- मूर्तिकला विभाग ने 14.02.2023 से 03.03.2023 तक डोकरा कास्टिंग कार्यशाला का आयोजन किया।
- शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में मूर्तिकला विभाग ने 01.08.2022 से 07.08.2022 तक लकड़ी पर नक्काशी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पंकज पनवार

पुरस्कार:

- **30.08.2022.** - उत्तम कुमार मंच और आर प्लस न्यूज़, कोलकाता की ओर से दृश्य कला (मूर्तिकला) के क्षेत्र में योगदान के लिए "उत्तम सम्मान"

प्रदर्शनियाँ (आमंत्रित भागीदारी)

- **16.08.22** से **16.09.22** तक. ट्रेजर आर्ट गैलरी (टीएजी), नई दिल्ली, **2022** में बंगाल की कला।
- **12.11.22** से **15.12.22**. बिड़ला अकादमी कोलकाता, **2022** में "शिफ्टिंग होराइजन्स" मूर्तिकला प्रदर्शनी।
- **13.12.22** से **20.12.22** तक. समकालीन कलाकारों की सोसायटी की वार्षिक प्रदर्शनी, बिड़ला अकादमी, कोलकाता।
- **26.12.22** से **04.01.23** तक. चारुकला आर्ट गैलरी, ढाका विश्वविद्यालय में एसएसवीएडी कलाकारों की प्रदर्शनी। बांग्लादेश.

कार्यशालाएँ/सेमिनार/लेख

- सिरैमिक कार्यशाला, एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन, **2022**।
- **25.03.23** - चारुकला (दृश्य कला विभाग), सरकार द्वारा आयोजित सेमिनार "कला भवन कला शिक्षाशास्त्र" के लिए मॉडरेटर। पश्चिम बंगाल का.
- ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, **2023** द्वारा कला भावना शताब्दी प्रकाशन पर योगदान निबंध।

मानद पद:

- भारत-आयरलैंड शिक्षा एवं व्यापार सेमिनार/शिखर सम्मेलन, डबलिन, आयरलैंड में विश्वभारती का प्रतिनिधित्व किया।
- एनईपी के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए सलाहकार समिति एनसीईआरटी "डीएबी" के बाहरी विशेषज्ञ। सरकार. भारत की।
- कोलकाता आधुनिक कला संग्रहालय (KMOMA) के न्यासी बोर्ड के सदस्य। डब्ल्यू.बी.
- राज्य चारुकला परिषद (ललित कला विभाग), सरकार के सलाहकार बोर्ड के सदस्य। पश्चिम बंगाल का.
- सीआईएमए, युवा कलाकार पुरस्कार एवं प्रदर्शनी के लिए सलाहकार समिति के सदस्य।
- बीएचयू, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, सिस्टर निबेदिता विश्वविद्यालय की बीओएस समितियों के बाहरी विशेषज्ञ।
- मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक: चार पीएच.डी. विद्वान।

सुतनु चटर्जी

प्रदर्शनियाँ:

- **27.09.2022 से 02.10.2022.** "2022 डेजॉन फेस्टिवल की कला संस्कृति का आनंद लेना" - कोरिया आर्ट एंड कल्चर एसोसिएशन, डेजॉन शाखा द्वारा कोरिया के डेजॉन आर्टिस्ट हाउस के एरियम स्क्वायर में प्रदर्शनी कक्ष में आयोजित विदेशी कलाकारों की एक आमंत्रित प्रदर्शनी (कोविड-19 - सोलो शो)। .
- **29.09.2022 से 31.12.2022** - (एसकेबीपी) प्रैक्टोनी ऑनलाइन शो **2022**, सदस्यों के हालिया कार्य।
- **22.11.2022 से 28.11.2022** तक. 'एसएमएस' के साथ चित्रों और मूर्तियों का प्रदर्शन - राज्य चारुकला परिषद, सूचना और सांस्कृतिक मामले, सरकार द्वारा आयोजित "चारुकला मेला- **2022-2023**" में कलाकारों का एक समूह। पश्चिम बंगाल के रवीन्द्र सदन और नंदन सांस्कृतिक केंद्र परिसर, कोलकाता में...
- **14.02.2023 से 28.02.2023** तक. 'वाइब्रेंट ह्यूज़, स्प्रिटेड फॉर्म्स'- पेंटिंग और मूर्तियों की एक समूह प्रदर्शनी, पूजा सरकार द्वारा संचालित। स्मार्ट आर्ट गैलरी, न्यूटाउन में कलाकारों के एक समूह द्वारा 'एसएमएस' द्वारा आयोजित।

कार्यशालाएँ:

- **04.04.2022 से 20.04.2022.** "नेचर रीकंस्ट्रक्टेड" के संयुक्त समन्वयक - विक्टोरिया मेमोरियल गार्डन में मृत/गिरे हुए पेड़ के हिस्सों पर और उसके आसपास मूर्तिकला कलाकृतियाँ। यह कार्यशाला विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता और विश्व-भारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई है।

अध्याय-2

• **28.01.2023.** सहलाई जूनियर एच. स्कूल, सहलाई, बीरभूम में क्ले मॉडलिंग पर छात्रों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

मानद पद:

साक्षात्कार:

• "आलापचारी" - 31 मई, 2022 को प्रकाशित 'मल्ल साहित्य-ए पोत्रिका' में कला और संस्कृति के बारे में एक साक्षात्कार।

प्रकाशन:

• "रामकिंकर-एर खतर पाठ" (अप्रकाशित)- शारोदिया 'एखोन शांतिनिकेतन' में प्रकाशित, अबीरमुखोपाध्याय द्वारा संपादित, चतुर्थ वर्षा, अक्टूबर, 2022।

• "स्मृतिपोटेमोलिन" - 'अखोन शांतिनिकेतन' में प्रकाशित एक बंगाली लेख - अबीर मुखोपाध्याय द्वारा संपादित, जुलाई, 2022।

• विकास देबनाथ द्वारा "कश्मीर पथियार" (बंगाली पुस्तक) - सुतनु चटर्जी द्वारा संपादित और परिचय, रितो प्रोकेशन द्वारा प्रकाशित, (आईएसबीएन: 978-93-94181- 00-7), - जुलाई, 2022।

• "अरुण आलोक" - 'आलो बताश' में प्रकाशित एक बंगाली लेख - स्वप्नकमल सरकार, हेमंत सोंखा द्वारा संपादित, दिसंबर, 2022।

• "मणिदा'र रेखाचित्रा ओ तनरेक्ती उल्लेखजोग्या प्रोडोरशोनि" - 'एकलव्य' में प्रकाशित एक बंगाली लेख - शिल्पा ओ भास्करज्य सोंखा, सम्राट दास द्वारा संपादित, दिसंबर, 2022।

• "रोजनामा: अजीत चक्रवर्ती डेयरी" (बंगाली-पुस्तक) - सुतनु चटर्जी द्वारा संपादित, बोइवाला बुक कैफे द्वारा प्रकाशित (आईएसबीएन 978-93-94087-09-5), जनवरी, 2023।

मानद पद:

• ललित कला अकादमी, कोलकाता के सदस्य।

• भारतीय राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति मंच (आई.एन.ए.सी.), कोलकाता के सलाहकार सदस्य।

• संपादकीय बोर्ड के सदस्य - विजडम स्पीक्स (एक त्रिभाषी बहु-विषयक सहकर्मि-समीक्षित जर्नल)।

• एसएमएस-कलाकारों का एक समूह, कोलकाता के सलाहकार सदस्य।

मति लाल कलाई

पुरस्कार:

- "महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य सम्मान, 2022" त्रिपुरा सरकार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, अगरतला के तहत 61वें शिक्षक दिवस, 05.09.2022 के अवसर पर शिक्षक सम्मान पुरस्कार।

प्रदर्शनियाँ:

- 29.09.2022 से 31.12.2022 तक. शांतिनिकेतन कला भवन प्राक्टोनी (एसकेबीपी) ऑनलाइन शो 2022, सदस्य के हालिया कार्य।
- 02.02.2023 से 09.02.2023.- केएचटी (हिमालयी इलाके के कला-भावना पूर्व छात्र) प्रदर्शनी, नंदन आर्ट गैलरी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

मानद पद:

- रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता की बीओएस समितियों के बाहरी विशेषज्ञ। 2023.
- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (सीटीएसएस) योजना के राष्ट्रीय स्तर के चयन के लिए विशेषज्ञ, दृश्य कला, सीसीआरटी, नई दिल्ली, मार्च, 2023।

कमल धर

प्रदर्शनी:

- 14.03.2023 से 20.03.2023 तक. ललित कला अकादमी, कोलकाता में गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, कोलकाता के बैच '88 की 5वीं कला प्रदर्शनी,

ऋषि बरुआ

कार्यशालाएँ/प्रदर्शनियाँ

- 01.09.2022 से 05.09.2022 तक. "सितंबर आओ" - विजुअल आर्ट गैलरी, हैबिटेड सेंटर में एक अखिल भारतीय समूह शो।
- 28.12.2022 से 02.01.2023. ढाका चारुकला अनुषाद, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।
- 10.01.2023 से 17.01.2023 तक. माजुली मोंगीत उत्सव, असम में एक कला कार्यशाला में सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 02.02.2023 से 09. 02.2023. KAHT (काला - हिमालय क्षेत्र के भावना पूर्व छात्र) प्रदर्शनी, नंदन आर्ट गैलरी, शांतिनिकेतन।
- 12.02.2023 से 26.02.2023 तक. "ओपन विंडो" - बिड़ला एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता में एक अखिल भारतीय समूह शो।

अध्याय-2

अमित कुमार धारा

शिविर/कार्यशालाएँ:

- **29.09.2022 से 31.12.2022** - (एसकेबीपी) प्रैक्टोनी ऑनलाइन शो **2022**।
- **06.02.2023 से 08.02.2023**. अंतर्राष्ट्रीय दीघा कला महोत्सव, बी.एम. द्वारा ललित कला और संस्कृति, दीघा सागर तट, पश्चिम बंगाल, भारत में।

लवनशाइभा खरमावलॉग

पुरस्कार:

- **14.10.2022**. मेघालय राज्य की स्वतंत्रता के **50** वर्ष पूरे होने पर दृश्य कला में उत्कृष्टता का पुरस्कार और भारतीय स्वतंत्रता के **75**वें वर्ष पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' सरकार द्वारा प्रदान किया गया। मेघालय, कला और संस्कृति विभाग।

प्रदर्शनियाँ:

- **21.09.2022 से 24.09.2022**. अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी आइजोल, मिजोरम, भारत।
- **22.10.2022 से 04.11.2022** तक. **KAHT** (काला - हिमालय क्षेत्र के भावना पूर्व छात्र) प्रदर्शनी गुवाहाटी, असम।
- **13.09.2022 से 15.09.2022** तक. नंदन आर्ट गैलरी, शांतिनिकेतन में कला-भावना संकाय प्रदर्शनी।
- **14.10.2022 से 15.10.2022** तक. 'ट्राई-हिल एन्सेम्बल फेस्टिवल, शिलांग, मेघालय में कला प्रदर्शनी। एनईएआई (उत्तर पूर्व कला पहल) द्वारा।
- **02.02.2023 से 09.02.2023**. **KAHT** (काला - हिमालय क्षेत्र के भावना पूर्व छात्र) प्रदर्शनी, नंदन आर्ट गैलरी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

अन्य गतिविधियों:

- मूर्तिकला विभाग, कला-भवन, **2023** में समन्वयक डोकरा कार्यशाला। सज्जाद हुसैन हमदानी
- **KAHT** (काला - हिमालय क्षेत्र के भावना पूर्व छात्र) प्रदर्शनी, नंदन आर्ट गैलरी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल। **02.02.2023 से 09.02.2023**. भवन/विभाग की सामान्य गतिविधियाँ:
- **05.09.2022 से 07.09.2022**. नंदन, कला भवन में शिक्षक दिवस के अवसर पर ड्राइंग कार्यशाला और संकायों की प्रदर्शनी।

- **12.10.2022** से **18.10.2022** तक. "सौहार्द का मौसम: सौ साल बाद कला भावना" - ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक शताब्दी शो।
 - **14.02.2023 – 03.03.2023**. मूर्तिकला विभाग, कला-भवन, विश्वभारती द्वारा डोकरा कास्टिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- कोई भी प्रासंगिक जानकारी:
- अभय प्रताप सिंह, - **15.09.2022** से इंद्रा यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, **2022** में भाग लिया, विश्वभारती, कोलाज इवेंट में प्रथम स्थान।
 - प्रताप कुमार नंदी, - **15.09.2022** से इंद्रा यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, **2022** में भाग लिया, विश्वभारती, क्ले मॉडलिंग इवेंट में प्रथम स्थान।
 - प्रताप कुमार नंदी - **23.12.2022** से **27.12.2022** तक **36**वें इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में भाग लिया। क्ले मॉडलिंग में तीसरा स्थान - ललित कला कार्यक्रम।
 - दीपिका दास - **01.06.2022** से **12.06.2022** तक पटना, बिहार में राष्ट्रीय कला शिविर में भाग लिया।
 - अभिषेक चक्रवर्ती - "इमामी आर्ट" उत्कृष्टता प्रमाणपत्र से सम्मानित - **02.09.2022**।
 - बिभु पाल - **04.04.2022** से **20.04.2022** तक विक्टोरिया मेमोरियल गार्डन, कोलकाता में "प्रकृति पुनर्निर्माण" पर कार्यशाला में भाग लिया।
 - अभिषेक चक्रवर्ती- **04.04.2022** से **20.04.2022** तक विक्टोरिया मेमोरियल गार्डन, कोलकाता में "नेचर रीकंस्ट्रक्टेड" पर कार्यशाला में भाग लिया।
 - आलोक हलदर- **04.04.2022** से **20.04.2022** तक विक्टोरिया मेमोरियल गार्डन, कोलकाता में "नेचर रीकंस्ट्रक्टेड" पर कार्यशाला में भाग लिया।
 - अमियाबल अमी - **04.04.2022** से **20.04.2022** तक विक्टोरिया मेमोरियल गार्डन, कोलकाता में "नेचर रीकंस्ट्रक्टेड" पर कार्यशाला में भाग लिया।
 - अर्पिता दास, उत्कीर्णक के रूप में नियुक्त, स्तर - बी-4 (व्यापार-मूर्तिकला, भारतीय सरकार टकसाल, अलीपुर, कोलकाता, **29.09.2022**।
 - श्रेया मल, ग्वाम्बो स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड में कला और शिल्प शिक्षक (सहायक शिक्षक) के रूप में नियुक्त। लिमिटेड कोलकाता, **06.06.2022**।
 - एन्जामुल इस्लाम, उम्मेद इंटरनेशनल स्कूल, राजस्थान, उदयपुर, आबू रोड, **01.02.2023** में टीजीटी (कला और शिल्प) के रूप में नियुक्त।

चित्रकला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

- नेट: सौम्या यादव (29.09.2022)

विभागीय सेमिनार/कार्यशाला (वक्ता, सेमिनार का शीर्षक, दिनांक)

- 18.09.2022- 27.09. 2022. सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, कला भवन के अवसर पर चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के प्रोफेसर धाली अल मामुन द्वारा व्याख्यान प्रदर्शन और कार्यशाला; संचालन दिलीप मित्रा, संचयन घोष और अमिय निमाई धारा ने किया।
- 18.09.2022- 24.09. 2022. सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, कला भवन के अवसर पर एन.एस. हर्ष, मैसूर द्वारा व्याख्यान प्रदर्शन और कार्यशाला; संचालन प्रशांत साहू, धरित्री बोरो एवं कुमार जसकिया ने किया।
- 23.09.2022. सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, कला भवन के अवसर पर दिलारा बेगम जॉली, बांग्लादेश द्वारा जोथोरलीना का व्याख्यान और फिल्म स्क्रीनिंग।
- 07.11.2022. बीएफए और एमएफए, चित्रकला विभाग के छात्रों के लिए टी. वी. संतोष, मुंबई द्वारा इंटरैक्टिव सत्र; संचालन प्रशांत साहू ने किया।
- 17.11.2022. चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित जर्मन कलाकार काटजा डावर के साथ इंटरैक्टिव सत्र; संचालन संचयन घोष ने किया।
- 09.02.2023. बैंगलोर से अतिथि कलाकार सुरेखा द्वारा कार्यों की प्रस्तुति और बातचीत; संचालन संचयन घोष ने किया।
- 13.02.2023. प्रस्तुति: भाषा चक्रवर्ती द्वारा 'कला अभ्यास में अनुसंधान'।
- 15.02.2023- 22.02.2023. अनिर्बान मित्रा द्वारा 'साइन मेकिंग की समस्याएँ' पर व्याख्यान प्रदर्शन और कार्यशाला; संचालन राजर्षि विश्वास ने किया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

- 12.10.2022 से 18.10.2022 तक. 'सौहार्दपूर्णता का मौसम' कला भवन सौ वर्षों के बाद, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कला भवन के शिक्षकों की एक प्रदर्शनी। - विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

- (ए) 5.09.2022. शिक्षक दिवस के उत्सव के एक भाग के रूप में कला भवन शिक्षक ड्राइंग कार्यशाला: धरित्री बोरो और कुमार जसकिया द्वारा समन्वित; (बी) 13.09. 2022- 15.09.2022. कार्यशाला, नंदन, कला भवन से चित्रों का समूह शो
- दिलीप मित्रा, राजर्षि विश्वास, एसके सहजान और कुमार जसकिया ने भाग लिया
- • 13.03.2023. 'सुरेश-अमिया मेमोरियल ट्रस्ट' नबन्ना मेला, गीतांजलि सांस्कृतिक परिसर, शांतिनिकेतन में एक राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी प्रस्तुत करता है।
- दिलीप मित्रा और अर्घ्य प्रिया मजूमदार ने भाग लिया
- • 28.12.2022 – 2.01.2023. 'अक्रॉस द बाउंड्रीज़' ज़ैनुल गैलरी, ललित कला संकाय, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में एक अंतरराष्ट्रीय समूह प्रदर्शनी
- दिलीप मित्रा
- • 25.12.2022 – 28.12.2022. 'देबोभाषा शिल्पोमेला', देबोभाषा गैलरी, सेलिमपुर, कोलकाता में चित्रों की एक समूह प्रदर्शनी।

अर्घ्य प्रिय मजूमदार

- 15.11.2022 – 20.11.2022. कलकत्ता पेंटर्स, बिड़ला एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता द्वारा '58वीं वार्षिक समूह प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया।

संचयन घोष

- 09.04.2022. गोएथे इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आमंत्रित कला परियोजना 'कुन्स्ट इम ट्रेपेनहॉस' आर्ट इन द स्टेयरकेस के लिए सात जर्मन कलाकारों के प्रस्तावों की चयन प्रक्रिया के जूरी सदस्य।
- 10.09.22. - 2.11.22. एमानुएल क्लैपे और प्रोनीत सोई द्वारा MAARES माश्ट्रिच, हॉलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी "कोलकाता: रन इन द एली" में भाग लिया।
- 21.09.22 - 01.11.22. इनलैक्स फाउंडेशन इंडिया द्वारा समर्थित इनलैक्स फाइन आर्ट्स अवार्ड्स 2023 के लिए चयन पैनल और जूरी के हिस्से के रूप में आमंत्रित किया गया
- 25.10.22 - 30.10.22. तान्या अब्राहम द्वारा संचालित और मट्टनचेरी, कोच्चि, केरल में द आर्ट्स आउट रीच सोसाइटी (टीएओएस) द्वारा समर्थित एक प्रतिभागी कलाकार के रूप में सार्वजनिक कला परियोजना "हू पुट आउट द फायर" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

अध्याय-2

- 10.10.2022 - 15.10.2022. जर्मनी के म्यूनिख में थिएटरम्यूजियम में मंच डिजाइन के भविष्य पर अकादमिक संगोष्ठी। 14.10.22 को ऑनलाइन जूम प्रेजेंटेशन प्रो. माइकल साइमन, लेक्चरर, जुर्चर होचस्चुले डेर कुन्स्टे डिपार्टमेंट डार्ट्सलेंडे कुन्स्टे अंड फिल्म मास्टर ऑफ आर्ट्स **इन थिएटर**, www.zhdk.ch द्वारा क्यूरेट किया गया।
- 02.11.2022 - 10.12.2022. वार्षिक FICA पाठ्यक्रम के मुख्य शिक्षक, सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के सहयोग से, जिसका शीर्षक प्रैक्टिसिंग पब्लिक आर्ट: साइट-विशिष्ट संवादों के लिए उपकरण तलाशना है। फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेम्परेरी आर्ट द्वारा आयोजित
- 11.12.2022 -10.04.2023. प्रदर्शनी ए प्लेस एट द टेबल में भाग लिया, जो कोच्चि मुज़िरिस बिएननेल के लिए एक संपार्श्विक परियोजना के रूप में तान्या अब्राहम द्वारा क्यूरेटेड एक मल्टीमीडिया अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी है।
- 21.01.2023. वेबिनार के 12वें खंड का नाम 'न्यू मीडिया आर्ट: टुवर्ड्स ए क्रिटिकल एंगेजमेंट ऑफ प्रोसेस, आर्काइव एंड परफॉर्मिटीविटी' रखा गया। हमारा वेबिनार राष्ट्रीय स्तर के कलाकार मंच ग्रुप इनिशिएटिव द्वारा आयोजित किया जाना है
- 15.02.2023. जेनरेटर कोऑपरेटिव आर्ट प्रोडक्शन फंड के छठे दौर के जूरी सदस्य, प्रयोगकर्ता लर्नइन कार्यक्रम, प्रयोगकर्ता, कोलकाता द्वारा शुरू किए गए युवा कलाकारों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग मंच।
- 25.02.2023- 28.02.2023. ललित कला और संगीत विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश में सीनोग्राफी: दृश्य कला और प्रदर्शन का संबंध पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 4.03.2023-5.03.23. मृणाल सेन और मृणाल सेन शताब्दी: एक श्रद्धांजलि के 100 साल पूरे होने के जश्न पर एक इंस्टालेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। छायाकार और इंस्टालेशन कलाकार, संचयन घोष, मृणाल सेन की याद में एक विमर्शात्मक स्थान बनाते हैं। कला और विचारों के उत्सव नबन्ना अर्थ वीकेंड (नई 2023) के पांचवें संस्करण के हिस्से के रूप में मृणाल सेन की विरासत पर फिल्म निर्माता सुप्रियो सेन के साथ बातचीत , जो वार्षिक नबन्ना शिल्प महोत्सव का हिस्सा है।
- 8.03.2023. डिज़ाइन किया गया प्ले बिनोदिनी ओपेरा, अबंती चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित, नंदीपत, कोलकाता द्वारा निर्मित।
- 25.03.23 से 27.03.23 2023। एफआईसीए के उभरते कलाकारों के हिस्से के रूप में, अर्थशिला के सहयोग से फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेम्परेरी आर्ट द्वारा आयोजित परिवर्तन रेजीडेंसी में शिक्षकों में से एक के रूप में, 3 दिवसीय सत्र कार्यशाला का आयोजन किया।

- 12.09.2022 - 18.09.2022. ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कला भावना शताब्दी प्रदर्शनी के प्रदर्शनी समन्वयक।

राजर्षि विश्वास

- 14.10.2022- 19.10.2022. छठी दुर्गा वार्षिक, जलपाईगुड़ी आर्ट गैलरी में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी।

प्रशांत साहू

- 12.12.2022. कोच्चि मुज़िरिस बिएननेल 2022-23 में एक एकल प्रदर्शनी "एक सब्जी की शारीरिक रचना - नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर अफवाहें"।
- 28.01.2023. इंडिया आर्ट फेयर 2023 में समूह प्रदर्शनी में भाग लिया।
- 22.02.2023. खलीकोट गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, खलीकोट, ओडिशा में 3 दिवसीय व्याख्यान और प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

धरित्री बोरो

- 02.02.2023- 09.02.2023. KAHT, हिमालयी इलाके के कला भवन के पूर्व छात्रों का एक समूह शो, नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन, शांतिनिकेतन,
- 22.10.2022- 04.11.2022, केएचटी, हिमालयी इलाके के कला भवन के पूर्व छात्रों का एक समूह शो, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी, असम,
- 02.10.2022- 05.10. 2022. 'द वीवर', जीरो फेस्टिवल ऑफ म्यूजिक, जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश के उत्सव मैदान में एक कला स्थापना,
- 02.10.2022- 05.10. 2022. 'एंटवाइंड जीरो', जीरो वैली के स्कूली बच्चों के साथ स्थिरता पर 7 दिवसीय कार्यशाला, जीरो फेस्टिवल ऑफ म्यूजिक, जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश,

कुमार जसकिया

- 28.08.2022 - 02.09.2022. ग्राफ़िक कला विभाग, कला भवन, शांतिनिकेतन में ड्राई पॉइंट कार्यशाला।
- विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ विभाग द्वारा आयोजित की गईं और विभागों के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

नंदन मेला

पेंटिंग विभाग द्वारा स्थानीय पौधों और पेड़ों के रेशों की खोज करते हुए कागज बनाने की एक परियोजना, सारा पेंटिंग कार्यशाला, इनेमल पेंटिंग कार्यशाला, मास्क, ग्रीटिंग्स कार्ड, स्टिकर बनाने की कार्यशाला, सिल्क स्क़ॉल और

अध्याय-2

रिवर्स पेंटिंग कार्यशाला, ड्राइंग और कैलेंडर डिजाइनिंग, कुंजी धारक और चाय कोस्टार बनाने की कार्यशाला, लैप शेड बनाने की कार्यशाला, कठपुतली बनाने की कार्यशाला: विभागीय समन्वयक: कुमार जसकिया।

स्वच्छता अभियान

स्टूडियो, उपकरण और आसपास के स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए पेंटिंग विभाग की प्रत्येक कक्षा के दो संकाय सदस्यों और छात्र प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेष विभागीय पहल। टीम हर कक्षा के छात्र स्वयंसेवकों की मदद से मासिक आधार पर स्वच्छता अभियान का निरीक्षण करती है। इस गतिविधि का उद्देश्य छात्रों को साफ-सफाई और स्वच्छता के संबंध में अपने परिवेश के प्रति स्वयं जागरूक रखना है। संकाय सदस्य प्रभारी: धरित्री बोरो और कुमार जसकिया।

शिक्षकों/विद्वानों या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

संचयन घोष

- **13.03.2023.** यूजी और पीजी के लिए सीएडी (कला और डिजाइन कॉलेज) बर्दवान विश्वविद्यालय के लिए बीओएस सदस्य
- **28.03.2023.** ललित कला विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के यूजी कार्यक्रम के बीओएस सदस्य के रूप में नामांकित।

धरित्री बोरो

2022. बी. डिज़ाइन, कर्णावती विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात में डिज़ाइन आलोचना और सौंदर्यशास्त्र विषय में बाहरी पेपर सेटर के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रकाशन:

एसके सहजन

- देबाशीष चंदा (**05.01.2023.**). स्केच ड्राइंग स्क्रिबल्स: एसके सहजन पर एक किताब, बोईवाला बुक कैफे, रतनपल्ली, शांतिनिकेतन। आईएसबीएन नं. **978-81-941573-8-0**
- संचयन घोष (सहायक प्रोफेसर)
- पारुल दवे मुखर्जी, पार्थ मित्र एट अल (सं.) **20वीं** सदी की भारतीय कला (**2022**) टेम्स और हडसन, न्यूयॉर्क पुस्तक में प्रदर्शित कृतियाँ

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- वेब आधारित मीडिया प्रैक्टिस पर बुनियादी ज्ञान
- वीडियो कला का परिचय (साउंडस्केप और प्रकाश व्यवस्था की खोज के विचारों के साथ वृत्तचित्र आधारित डिजिटल संपादन)

•स्थापना कला

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी,

वर्ष अप्रैल 2022 - मार्च 2023 में छात्रों की गतिविधि

छात्रों की उपलब्धियाँ:

- 19.10.2022. धीरज राभा: आईएफए- इंडिया फाउंडेशन फॉर आर्ट्स अनुदान (परियोजना संख्या 2022-पी-0-011) 5 लाख।
- FICA उभरते कलाकार पुरस्कार 2022: सुरजीत मुदी, पाहुल सिंह।
- 14.09.2022. तिथि दास: कार्टूनिंग में प्रथम स्थान, इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल 2022, विश्व भारती।
- 15.09.2022. तिथि दास: स्पोर्ट पेंटिंग में प्रथम स्थान, इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल 2022, विश्व भारती।
- 23- 27 दिसंबर 2022। तिथि दास: स्पोर्ट पेंटिंग में दूसरा स्थान, 36वां इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोनल यूथ फेस्टिवल, कृति उत्सव, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज।
- 14.09.2022. प्रिया कपूर: पोस्टर मेकिंग में दूसरा स्थान, इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल 2022, विश्व भारती।
- 15.09.2022. प्रिया कपूर: रंगोली में दूसरा स्थान, इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल 2022, विश्व भारती।
- 14, 15, 16 जनवरी 2023. राहुल यादव: चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
- 24- 28 फरवरी 2023. प्रताप कुमार नंदी: क्ले मॉडलिंग में प्रथम स्थान, 36वां इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल, जैन यूनिवर्सिटी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज,
- 23- 27 दिसंबर 2022। अर्चना विश्वकर्मा: रंगोली-ललित कला में प्रथम पुरस्कार, 36वां इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोनल यूथ फेस्टिवल, कृति उत्सव, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज।
- 23- 27 दिसंबर 2022। भास्कर ठाकुर: इंस्टालेशन में दूसरा पुरस्कार- ललित कला, 36वां इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोनल यूथ फेस्टिवल, कृति उत्सव, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज।

अध्याय-2

- 23- 27 दिसंबर 2022। भास्कर ठाकुर: समूह गीत (भारतीय संगीत) में प्रथम पुरस्कार, 36वां इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोनल यूथ फेस्टिवल, कृति उत्सव, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज।
- सन रॉबिन: तक्षशिला ललित कला छात्रवृत्ति 2022।
- 27.04.2022. तान्या गुप्ता: यथार्थवादी कलाकार पुरस्कार, राष्ट्रीय ऑनलाइन कला प्रतियोगिता और प्रदर्शनी, एकेएम कला संघ, पंजाब,
- 22.01.2023. राहुल यादव: चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, संभावना कला मंच, गाज़ीपुर,

ग्राफिक कला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

1. जसनीत सिंह बिंद्रा - जून 2022 (विलय चक्र): नेट
2. अनु महतो - जून 2022 (विलय चक्र): नेट और जेआरएफ
3. अरण्य सेनगुप्ता - जून 2022 (विलय चक्र): नेट और जेआरएफ
4. बिहान दास - दिसंबर 2022: नेट
5. स्पृहा मौर्य - दिसंबर 2022: नेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि) संगोष्ठी/कला वार्ता

- 6.12.2022. लुकास ब्रिक, ऑस्ट्रिया द्वारा अफगान बॉक्स कैमरा पर कलाकार वार्ता और प्रदर्शन:
- 10.02.2023. प्रोफेसर निर्मलेंद्र दास, कला-भवन द्वारा कलाकार वार्ता और छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र
- 9.02.2023. "सोमनाथ होरे को श्रद्धांजलि" - कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ एक राष्ट्रीय स्तर की प्रिंटमेकिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

अर्पण मुखर्जी, सलिल साहनी, डॉ. उत्तम कुमार बसाक, डॉ. प्रशांत फिरंगी ने भाग लिया:

- शिक्षक दिवस के उत्सव के एक भाग के रूप में कला भवन शिक्षक ड्राइंग कार्यशाला;
- 13.09.2022- 15.09.2022. कार्यशाला, नंदन, कला भवन से चित्रों का समूह शो

अर्पण मुखर्जी और डॉ. उत्तम कुमार बसाक ने भाग लिया:

- 28.12.2022 - 02.01.2023. ज़ैनुल गैलरी, ललित कला संकाय, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में "सीमाओं के पार/विभिन्न चित्रात्मक अभिव्यक्तियाँ" नामक एक समूह प्रदर्शनी में भाग लिया।

उत्तम कुमार बसाक, मोइरांगथेम थॉमस सिंह और प्रशांत फिरंगी ने भाग लिया:

- 12.10.2022-18.10.2022. ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कला भवन और विश्व भारती की शताब्दी को चिह्नित करने के लिए "सौहार्दपूर्णता का एक मौसम: "सौ साल बाद कला भवन" प्रदर्शनी में भाग लिया।

मोइरांगथेम थॉमस सिंह और प्रशांत फिरंगी ने भाग लिया:

- 05.11.2022-05.12.2022. केरल ललितकला अकादमी, एस.के. में "द रोड लेस ट्रेवल्स" शीर्षक से प्रिंटों की अंतर्राष्ट्रीय प्रिंटमेकिंग प्रदर्शनी। पोर्टाकड़ सांस्कृतिक केंद्र, पुथियाना

अजीत सील

अध्याय-2

25.07.2022 - 31.07.2022. सरकार. कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व छात्र प्रदर्शनी, असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी।

- 28.12.2022 - 01.01.2023 सरकार। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व छात्र प्रदर्शनी, जोरहाट आर्ट गैलरी, असम।

- 2.2.2022 - 9.2.2022. कथा, हिमालय क्षेत्र के कला भवन पूर्व छात्रों (KAHT) द्वारा समकालीन कलाओं की प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला

अर्पण मुखर्जी

- 6.09.2022. अर्थशिला, शांतिनिकेतन में फोटोग्राफिक प्रिंटमेकिंग और फोटोग्राफी के इतिहास पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सलिल साहनी

- 24.03.2023. पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना और सांस्कृतिक मामलों के विभाग, राज्य चारुकला परिषद द्वारा आयोजित एक सेमिनार में वक्ता।

उत्तम कुमार बसाक

- 01.01.2023. गैलरी आर्ट वर्ल्ड द्वारा शांतिनिकेतन कला भावना प्राक्तोनी की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

www.artworldindia.com.

मोइरंगथेम थॉमस सिंह

- 14.10.2022 - 19.10.2022. सरोजेंद्र देब रायकत सांस्कृतिक कला केंद्र, जलपाईगुड़ी में छठी अंतर्राष्ट्रीय समकालीन कला प्रदर्शनी (व्यावसायिक श्रेणी) में भाग लिया।

प्रशांत फिरंगी

05.10.2022 - 07.10.2022 जी7 स्ज़ेकेलीफोटोग्राफ़िकाई द्विवार्षिक, स्ज़ेकलरलैंड, ईयू

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

शिक्षक का नाम	परियोजना	प्रायोजक एजेंसियों का नाम	स्वीकृत राशि
अर्पण मुखर्जी	कोलोटाइप - एक प्राचीन यांत्रिक प्रिंटमेकिंग प्रक्रिया का विकास और पुनः खोज। [बाद में इस	स्व-वित्त पोषित	अनुपलब्ध

	प्रक्रिया को प्रिंटमेकिंग अनुशासन में शामिल किया जाएगा।]		
प्रशांत फिरंगी	लिथोग्राफी: प्रयोग और दस्तावेजीकरण	स्व-वित्त पोषित	अनुपलब्ध

प्रकाशन:

प्रशांत फिरंगी

- ग्राफिक कला (प्रिंटमेकिंग) का शैक्षणिक हस्तक्षेप। (2022)। संध्याचल (प्लैटिनम जुबली उत्सव संस्करण) गुवाहाटी, सरकार। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, बशिष्ठ: टेक्नो एड [आईएसबीएन: 978-93-81859-94-0]

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

प्रिंटमेकिंग पाठ्यक्रम में फोटो-मैकेनिकल प्रक्रिया और डिजिटल हाइब्रिड प्रिंटमेकिंग विधियों का परिचय।

छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार और मान्यताएँ:

क्र.सं.	विद्यार्थियों का नाम	पुरस्कार का नाम	पुरस्कार प्रदान करने वाली संस्था का नाम	पुरस्कार की तिथि	स्तर (विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय)
1.	सुरजीत अधिकारी ऑनलाइन	द्वितीय अवनीन्द्र नाथ टैगोर पुरस्कार समारोह	ज्योति ललित कला अकादमी, बरेली (यूपी)	07.08.2022	राष्ट्रीय
2.	स्वीटी चकमा कला	कला साक्षी कला छात्रवृत्ति वर्ष 2022-23	साक्षी मेमोरियल ट्रस्ट के लिए वेबसाइट: www. कलासाक्षी.ओआरजी	18.12.2022	राष्ट्रीय
3.	नरेन्द्र कुमार सै	राजस्थान राज्य ललित	राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर	24.12.2022	राज्य

अध्याय-2

		कला अकादमी पुरस्कार (63वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी)			
4.	नवीन तुंगाना	मनोरोमा यंग प्रिंटमेकर्स अवार्ड 2022 के लिए उपविजेता	इंडिया प्रिंटमेकर हाउस द्वारा प्रस्तुत @इंडियाप्रिंटमेकरहाउस	2022	
5.	शिप्रा मौर्य	के.के. बांग्ला मेमोरियल पुरस्कार, मनोरोमा यंग प्रिंटमेकर्स अवार्ड 2022	इंडिया प्रिंटमेकर हाउस द्वारा प्रस्तुत किया गया @इंडियाप्रिंटमेकरहाउस	2022	

कला इतिहास विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

जेआरएफ: अरण्य सेनगुप्ता

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- **30.07.2022 – 31.07.2022.** छात्र संगोष्ठी, "दक्षिण एशिया पर परिप्रेक्ष्य: कला के अभ्यास और इतिहास के दृष्टिकोण", कला इतिहास विभाग, ऑनलाइन मोड
 - **06.08.2022.** ग्राफिक उपन्यास पर सारनाथ बनर्जी द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान, अध्यक्षता डॉ. अंशुमान दासगुप्ता ने की।
 - **07.08.2022 – 13.08.2022.** सारनाथ बनर्जी द्वारा संचालित "ग्राफिक उपन्यास: पाठ और छवियाँ" पर सोमनाथ होरे शताब्दी कार्यशाला, डॉ. अंशुमान दासगुप्ता द्वारा क्यूरेट की गई।
 - **16.08.2022 – 19.08.2022.** शुद्धब्रत सेनगुप्ता, रक्स मीडिया कलेक्टिव (नई दिल्ली) द्वारा संचालित "न्यू मीडिया एंड राइटिंग कंटेम्परेरी" पर सोमनाथ होरे शताब्दी कार्यशाला, डॉ. अंशुमान दासगुप्ता द्वारा संचालित।
 - **18.08.2022.** शुद्धब्रत सेनगुप्ता द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान "न्यू मीडिया एंड राइटिंग कंटेम्परेरी", अध्यक्षता डॉ. अंशुमान दासगुप्ता ने की।
 - **12.09.2022.** राजर्षि दासगुप्ता द्वारा विशेष व्याख्यान "लोगों की तलाश, चित्तप्रसाद और सोमनाथ होरे", अध्यक्षता डॉ. सौमिकनंदी मजूमदार ने की।
 - **13.09.2022.** राजर्षि दासगुप्ता द्वारा विशेष व्याख्यान "प्रगति के बारे में सोच, कोलविट्ज़, वान गाग और पॉल क्ली", अध्यक्षता डॉ. सौमिक नंदी मजूमदार ने की।
 - **17.11.2022.** विशेष व्याख्यान "ग्राइंडिंग स्टोन, ग्राइंडिंग स्टोन: कला और जीवन में शिल्प की भूमिका" डॉ. अन्नपूर्णा गरिमेला द्वारा, अध्यक्षता संतोष कुमार सखीनाला द्वारा
 - **18.11.2022.** विशेष व्याख्यान "वर्तमान में अतीत" डॉ. बिष्णुप्रिया बसाक द्वारा, अध्यक्ष: डॉ. सौमिक नंदी मजूमदार
 - **14.12.2022.** विशेष व्याख्यान "20वीं सदी की वास्तुकला में आधुनिकता पर नज़र रखना: कलकत्ता 1930-1960 का दशक" प्रोफेसर स्वाति चट्टोपाध्याय, अध्यक्षता डॉ. अंशुमान दासगुप्ता ने की
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:**
- **12.10.2022 – 18.10.2022.** ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कला-भवन और विश्व-भारती की

अध्याय-2

शताब्दी को चिह्नित करने के लिए एक प्रदर्शनी "सौहार्दपूर्णता का मौसम: सौ वर्षों के बाद कला भवन", जिसे संजॉय मलिक और सौमिक नंदी मजूमदार के साथ अंशुमन दासगुप्ता द्वारा संचालित किया गया है।

संजय कुमार मल्लिक

06.02.2023. सेमिनार प्राचीन भारतीय कला: एक प्रतीकात्मक प्रवचन और समकालीन कला में इसकी पुनः व्याख्या, चारुकला भवन, दृश्य कला विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, सेमिनार में "पारंपरिक भारतीय प्रतिमा विज्ञान और समकालीन भारतीय कला में इसकी पुनः व्याख्या" शीर्षक से एक सचित्र व्याख्यान। पश्चिम बंगाल।

अंशुमान दासगुप्ता

राज का ताज: एक बहुमहाद्वीपीय सतत अनुसंधान संगोष्ठी और कार्यशाला-**2022-23**, येल विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, यूसीएसबी, यूएसए, डीयू, दिल्ली, सीएसएसएससी कोलकाता और विश्व-भारती, शांतिनिकेतन; (जनवरी **2023**, कोलकाता में आयोजित **8** दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया), स्थान: विक्टोरिया मेमोरियल हॉल और टॉली क्लब, कोलकाता। "टैगोर बानडुंग" में, अक्टूबर, 2022 की प्रस्तुति, परियोजना 'दि कलर करटेन' के तहत, अमेरिका, जर्मनी और भारत के संयुक्त तत्वावधान में 2021 से अक्टूबर, 2023 तक।

सौमिक नंदी मजूमदार

- 06.12.2022. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट्स, कोलकाता, कोलकाता यूनिवर्सिटी के लिए कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संख्या 2022-23 आईआरसी ओआरएसी में 'पूर्वी एशियाई कला में स्थान की धारणा: ओरिएंटल परिप्रेक्ष्य' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 16.12.2022, 17.12.2022, 23.12.2022 और 24.12.2022। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिल्म एंड मीडिया, ढाका, बांग्लादेश के लिए 'विजुअल स्टोरीटेलिंग के रूप में कला' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 28.02.2023. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में 'कर्टिंग अक्रॉस एक्सप्रेसंस: द क्यूरेयस केस ऑफ अबनिर्द्रनाथ टैगोर' पर व्याख्यान दिया।
- 25.03.2023. उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'गैर-कृषि क्षेत्र और ग्रामीण उद्यमिता' सत्र की अध्यक्षता की, जो संयुक्त रूप से आजीवन सीखने और विस्तार विभाग, विश्व भारती और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित किया गया था।

मेघाली गोस्वामी

- 25.07.2022 – 31.10.2022. सरकार में भाग लिया। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व छात्र प्रदर्शनी, असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी।
- 28.12.2022 – 01.01.2023. सरकार में भाग लिया। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व छात्र प्रदर्शनी, जोरहाट आर्ट गैलरी, असम।
- 10.10.2022 – 13.10.2022. रिमेम्बर 91, दृश्य कला प्रदर्शनी, असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी में भाग लिया।
- 12.10.2022 – 18.10.2022. ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कला भवन और विश्व भारती की शताब्दी को चिह्नित करने के लिए एक प्रदर्शनी "कन्विविएलिटी का मौसम: सौ साल बाद कला भवन" में भाग लिया।
- 13.09.2022 – 15.09.2022. कला भवन में "शिक्षक दिवस" पर ड्राइंग कार्यशाला और नंदन गैलरी में तीन दिवसीय प्रदर्शनी में भाग लिया।

संतोष कुमार सखीनाला

- 31.05.2022. 'बीसवीं सदी के हैदराबाद में कला संस्थान और शिक्षाशास्त्र', एशिया के कला विद्यालय संगोष्ठी, एशिया आर्ट आर्काइव द्वारा आयोजित, ऑनलाइन मोड <https://aaa.org.hk/en/programmes/programmes/art-schools-of-asia-symposium>
- 10.03.2023 – 12.03.2023. "लर्निंग मेकिंग: टेक्सटाइल क्राफ्ट, जेंडर पेडागॉजी एंड फिलेन्थ्रॉपी", अन्नपूर्णा गरिमेला के साथ सह-प्रस्तुत, वैश्वीकरण के जेंडर थ्रेड्स: 20वीं सदी। एशिया में टेक्सटाइल क्रॉसिंग, कला इतिहास और दृश्य अध्ययन विभाग, विक्टोरिया विश्वविद्यालय, कनाडा, हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑनसाइट प्रस्तुतियाँ)।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

अंशुमान दासगुप्ता

- पीएचडी के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी)-रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता- बाहरी सदस्य।
- सदस्य, एसआरएफटीआई कोलकाता और उत्तर पूर्व (अरुणाचल प्रदेश में नई शाखा) के लिए सलाहकार बोर्ड।
- ऑस्ट्रियाई विज्ञान कोष, एफडब्ल्यूएफ, वियना, 2022 के लिए जूरी सदस्य।

मेघाली गोस्वामी

- एसआरएफ, हैदराबाद विश्वविद्यालय में उन्नयन के लिए बाहरी परीक्षक, यूजीसी-जेआरएफ रिपोर्ट।
- अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) कला का इतिहास, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय

अध्याय-2

- अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) ग्राफिक्स विभाग (प्रिंटमेकिंग), रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय
- 10 जून 2022 को रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के ग्राफिक्स प्रिंटमेकिंग विभाग की उच्च डिग्री समिति
- इंजीनियरिंग कॉलेज रूड़की में मेंटर
- सस्टेनेबल रिसर्च 17-19 जून 2022 समीक्षक आभासी सम्मेलन ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून, उत्तराखंड।
- 4 साल के डिग्री कोर्स, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, असम 2022 के लिए नए सिलेबस को डिजाइन करने में योगदान दिया संतोष कुमार सखीनाला।
- Member of the Board of Studies (BOS) from 2022 academic year for the Department of Art History, College of Fine Arts, Dr. YSR Architecture and Fine Arts University, Andhra Pradesh.

प्रकाशन:

संजय कुमार मल्लिक

- हथियारों का आह्वान [चित्तप्रसाद की 1971 की ड्राइंग "बांग्लादेश युद्ध" पर] (2023 फरवरी)। भारतीय आधुनिक कला की प्रतिष्ठित उत्कृष्ट कृतियाँ, संस्करण 02, खंड II, पृष्ठ 617 - 622, संस्करण। किशोर सिंह, नई दिल्ली द्वारा: डीएजी, प्रा. लिमिटेड [आईएसबीएन: 978-93-81217-62-7]

-अंशुमान दासगुप्ता

- डांस ऑफ द डेविल (2023), मॉडर्न आइकॉन्स, पीपी. 599-614, नई दिल्ली: डीएजॉ
- इकोसोफिक फ्लिकर्स, ए रिफ्लेक्शन ऑन डीप इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल वीडियो आर्ट (2022 दिसंबर), नंदन (जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट), वॉल्यूम। XXXIV, शांतिनिकेतन: कला भवन
- सोमनाथ होरे: फिरे देखा एकशो बोचोर (बांग्ला में) (2022 अक्टूबर), नंदिनी, पीपी 30-47।

- • सौहार्द का मौसम: सौ साल बाद कला भवन, [कला भवन और विश्व भारती प्रदर्शनी के 100 साल के लिए क्यूरेटोरियल निबंध] (अक्टूबर 2022), नई दिल्ली
- • स्व-संगठित कलाकारों के स्थान: एक अवलोकन, अंतर के बावजूद (2022), शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ़ विजुअल आर्ट्स एंड डिज़ाइन की दसवीं वर्ष की पुस्तक में, उनके दसवें वर्ष, शांतिनिकेतन के अवसर पर।
- • टाइलिंग द थ्रेड्स, फोल्डिंग स्पेस: द वर्ल्ड ऑफ़ टेक्स्टाइल (2022), इंटरनेशनल फाइबर आर्ट्स ऑफ़ टाइम प्रदर्शनी, शांतिनिकेतन में कैटलॉग निबंध: कपड़ा विभाग, कला भवन।
- **सौमिक नंदी मजूमदार**
- • गोधूलि क्षेत्र के चित्रकार। (2022)। गणेश हलोई: दिमाग में एक लय सतह, अहमदाबाद: मैपिन प्रकाशन [आईएसबीएन 978-9385360855]
- **मेघाली गोस्वामी**
- • उत्तर पूर्व भारत में पारंपरिकता और दृश्य कला प्रथाओं और कला आलोचना के आयाम और संघर्ष। (2022 नवंबर), संध्याचल, सरकार की प्लेटिनम जयंती की स्मारिका। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, असम, गुवाहाटी: बशिष्ठ, [आईएसबीएन:978-93-81859]
- • सिबसागर के मंदिर वास्तुकला और असम के पिंगलेश्वर मंदिर में पौराणिक और संकर पशु रूपांकनों की एक झलक: पवित्र संघ का प्रतिबिंब (2022 दिसंबर), नंदन (कला इतिहास विभाग का जर्नल), वॉल्यूम। XXXIV शांतिनिकेतन: कला भवन
- **संतोष कुमार सखीनाला**
- • कला जगत के एक विस्तारित क्षेत्र में शिक्षाशास्त्र: एक विचार का एक स्केच, (2022 दिसंबर), नंदन (कला इतिहास विभाग का जर्नल), वॉल्यूम। XXXIV, शांतिनिकेतन: कला भवन
- **अन्य प्रासंगिक जानकारी**
- • बिनोद बिहारी मुखर्जी पुरालेख और अनुसंधान केंद्र (बीबीएमएआरसी), कला-इतिहास विभाग, कला-भवन के तत्वावधान में, और मृणालिनी मुखर्जी ट्रस्ट (एमएमटी) द्वारा अनुदान द्वारा समर्थित, ने अपने दो कर्मचारियों (दस्तावेज़ीकरण और पुरालेख) के बाद आधिकारिक तौर पर काम करना शुरू कर दिया। अधिकारी, और एक एमटीएस मार्च 2023 में शामिल हुए। केंद्र 13, पुरबापल्ली (पूर्व में के.जी. सुब्रमण्यम, प्रसिद्ध कलाकार और एमेरिटस प्रोफेसर, कला भवन का निवास) में स्थित है।
- डॉ. संतोष कुमार सखीनाला ने नंदन एन एनुअल ऑन आर्ट एंड एस्थेटिक्स (जर्नल ऑफ़ द डिपार्टमेंट ऑफ़ हिस्ट्री ऑफ़ आर्ट), वॉल्यूम का संपादन किया। XXXIV, (2022 दिसंबर), शांतिनिकेतन: कला भवन।

अध्याय-2

- **प्रकाशन:**
- **संजय कुमार मल्लिक**
- • हथियारों का आह्वान [चित्तप्रसाद की 1971 की ड्राइंग "बांग्लादेश युद्ध" पर] (2023 फरवरी)। भारतीय आधुनिक कला की प्रतिष्ठित उत्कृष्ट कृतियाँ, संस्करण 02, खंड II, पृष्ठ 617 - 622, संस्करण। किशोर सिंह, नई दिल्ली द्वारा: डीएजी, प्रा. लिमिटेड [आईएसबीएन: 978-93-81217-62-7]
- **-अंशुमान दासगुप्ता**
- • डॉस ऑफ द डेविल (2023), मॉडर्न आइकॉन्स, पीपी. 599-614, नई दिल्ली: डीएजी
- • इकोसोफिक फ्लिकर्स, ए रिप्लेक्शन ऑन डीप इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल वीडियो आर्ट (2022 दिसंबर), नंदन (जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट), वॉल्यूम। XXXIV, शांतिनिकेतन: कला भवन
- • सोमनाथ होरे: फिरे देखा एकशो बोचोर (बांग्ला में) (2022 अक्टूबर), नंदिनी, पीपी 30-47।
- • सौहार्द का मौसम: सौ साल बाद कला भवन, [कला भवन और विश्व भारती प्रदर्शनी के 100 साल के लिए क्यूरेटोरियल निबंध] (अक्टूबर 2022), नई दिल्ली
- • स्व-संगठित कलाकारों के स्थान: एक अवलोकन, अंतर के बावजूद (2022), शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ़ विजुअल आर्ट्स एंड डिज़ाइन की दसवीं वर्ष की पुस्तक में, उनके दसवें वर्ष, शांतिनिकेतन के अवसर पर।
- • टाइलिंग द थ्रेड्स, फोल्डिंग स्पेस: द वर्ल्ड ऑफ़ टेक्सटाइल (2022), इंटरनेशनल फाइबर आर्ट्स ऑफ़ टाइम प्रदर्शनी, शांतिनिकेतन में कैटलॉग निबंध: कपड़ा विभाग, कला भवन।
- **सौमिक नंदी मजूमदार**
- • गोधूलि क्षेत्र के चित्रकार। (2022)। गणेश हलोई: दिमाग में एक लय सतह, अहमदाबाद: मैपिन प्रकाशन [आईएसबीएन 978-9385360855]
- **मेघाली गोस्वामी**
- • उत्तर पूर्व भारत में पारंपरिकता और दृश्य कला प्रथाओं और कला आलोचना के आयाम और संघर्ष। (2022 नवंबर), संध्याचल, सरकार की प्लेटिनम जयंती की स्मारिका। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, असम, गुवाहाटी: बशिष्ठ, [आईएसबीएन: 978-93-81859]
- • सिबसागर के मंदिर वास्तुकला और असम के पिंगलेश्वर मंदिर में पौराणिक और संकर पशु रूपांकनों की एक झलक: पवित्र संघ का प्रतिबिंब (2022 दिसंबर), नंदन (कला इतिहास विभाग का जर्नल), वॉल्यूम। XXXIV शांतिनिकेतन: कला भवन
- **संतोष कुमार सखीनाला**

- कला जगत के एक विस्तारित क्षेत्र में शिक्षाशास्त्र: एक विचार का एक स्केच, (2022 दिसंबर), नंदन (कला इतिहास विभाग का जर्नल), वॉल्यूम। XXXIV, शांतिनिकेतन: कला भवन
- **अन्य प्रासंगिक जानकारी**
- बिनोद बिहारी मुखर्जी पुरालेख और अनुसंधान केंद्र (बीबीएमएआरसी), कला-इतिहास विभाग, कला-भवन के तत्वावधान में, और मृणालिनी मुखर्जी ट्रस्ट (एमएमटी) द्वारा अनुदान द्वारा समर्थित, ने अपने दो कर्मचारियों (दस्तावेज़ीकरण और पुरालेख) के बाद आधिकारिक तौर पर काम करना शुरू कर दिया। अधिकारी, और एक एमटीएस मार्च 2023 में शामिल हुए। केंद्र 13, पुरबापल्ली (पूर्व में के.जी. सुब्रमण्यम, प्रसिद्ध कलाकार और एमेरिटस प्रोफेसर, कला भवन का निवास) में स्थित है।
- डॉ. संतोष कुमार सखीनाला ने नंदन एन एनुअल ऑन आर्ट एंड एस्थेटिक्स (जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट), वॉल्यूम का संपादन किया। XXXIV, (2022 दिसंबर), शांतिनिकेतन: कला भवन।

नंदन संग्रहालय

कला कार्यों का संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण (सांख्यिकीय डेटा)

- यांत्रिक सफाई : 44 संख्या।
- काज की स्थापना, फ्रेमिंग और फिक्सिंग: 132 संख्याएँ।
- एकीकृत कीट प्रबंधन : 03 बार।
- कला कार्यों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण: 1762 संख्याएँ।

नंदन संग्रहालय के अलावा किए गए संरक्षण एवं संरक्षण संबंधी कार्य:

- वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान, अमूल्य कुमार जेना, अधीक्षक (संरक्षण), कला-भवन संग्रहालय सक्रिय रूप से शामिल हुए और नीचे सूचीबद्ध निम्नलिखित संरक्षण और संरक्षण संबंधी कार्यों में सहायता की:
- के जी सुब्रमण्यन द्वारा डिजाइन विभाग की दीवारों पर भित्तिचित्रों की सॉल्वेंट सफाई, यांत्रिक सफाई और कीटनाशक उपचार का कार्य अप्रैल से मई - 2022 के दौरान किया गया था।
- 5 मई 2022, 18 अगस्त 2022 और 29 मार्च 2023 को कला-भवन के ब्लैक हाउस के साथ-साथ सभी बाहरी मूर्तियों को कीटनाशक और कवकनाशी उपचार दिया गया।
- रामकिंकर बैज की खुली हवा वाली मूर्ति "गांधी", "सुजाता", "हार्वेस्टर", "मिल कॉल" और "संताल फैमिली" की यांत्रिक सफाई का काम मई और अगस्त - 2022 के दौरान किया गया था।
- 3 फरवरी 2023 को गणित विभाग, सिख-भवन द्वारा संरक्षण के लिए प्रस्तावित ओपन-एयर धातु संरचना के निरीक्षण के दौरान सहायता की गई।
- 21 मार्च 2023 को ब्लैक हाउस का अनुमान और स्थिति मूल्यांकन तैयार करने में सहायता की गई।

नंदन गैलरी, कला भवन संग्रहालय में विशेष प्रदर्शनी:

- 01.08.2022 – 05.08.2022: सोमनाथ होरे जन्म शताब्दी समारोह, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन के लिए 'समय की अंतर्राष्ट्रीय फाइबर कला प्रदर्शनी'।
- 12.09.2022 – 16.09.2022: शिक्षा-सत्र, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन की वार्षिक प्रदर्शनी।
- 13.09.2022 – 15.09. 2022: कला-भवन, विश्व-भारती के शिक्षकों द्वारा शिक्षक दिवस के जश्न के हिस्से के रूप में एक समूह शो, ड्राइंग कार्यशाला और विशेष प्रदर्शनी।
- 01.11.2022 – 07.11.2022: फोटोग्राफिक एसोसिएशन ऑफ़ दम दम द्वारा प्रदर्शनी।
- 11.11.2022 – 18.11.2022: पाठ-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन की वार्षिक प्रदर्शनी।
- 06.01.2023 – 13.01. 2023: बांग्लादेश कलाकार समूह, मोहम्मदपुर, ढाका, बांग्लादेश द्वारा प्रदर्शनी।
- 30.01.2023 – 09.02.2023: हिमालय क्षेत्र के कला भवन के पूर्व छात्रों द्वारा प्रदर्शनी,

संग्रहालय कला खजाने से परामर्श और अध्ययन के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाएँ:

- कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में जापानी कलाकारों की कलाकृति का अध्ययन करने के लिए चाओ ची चिउ, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए।

- कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में रानी चंदा की कलाकृति का अध्ययन करने के लिए वाशिंगटन और ली यूनिवर्सिटी, यूएसए की एलोइसा पेनर।
- कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में सुशेन घोष की कलाकृति का अध्ययन करने के लिए उमा रे, कोलकाता। डिज़ाइन (टेक्सटाइल), कला-भवन की ईशा मुखर्जी कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में बाटिक टेक्सटाइल का अध्ययन करेंगी।
- कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में शांतिनिकेतन और जावा बाटिक का अध्ययन करने के लिए बर्कले कला संग्रहालय, यूएसए के सुमन गोपीनाथ, ग्रांट वॉटसन, फिलिप पिरोटे।
- कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में हथकरघा वस्त्र का अध्ययन करने के लिए सुजीत कुमार दास, कोलकाता। मोहम्मद तारिकत इस्लाम (बांग्लादेश), पीएच.डी. कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में पारंपरिक सारा का अध्ययन करने के लिए छात्र, कला-भवन।
- मासायाकी ओनिशी, दोशीशा विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में नंदलाल बोस की कलाकृति और तस्वीर का अध्ययन करने के लिए।
- तान्या तलवार, पीएच.डी. छात्र, हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी, कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में बंगाल की 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत की कला का अध्ययन करने के लिए।
- केस्टिन विंकिंग, पीएच.डी. कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में सुतन हरहाप द्वारा कला कार्य का अध्ययन करने के लिए लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के छात्र।
- अनिर्बान मित्रा, चित्रकला के अतिथि व्याख्यान, कला-भवन कला-भवन संग्रहालय के संग्रह में चीनी और जापानी स्कॉल का अध्ययन करेंगे।

नंदन गैलरी, कला भवन संग्रहालय में कला व्याख्यान, प्रस्तुति और अन्य गतिविधियाँ:

- डिजाइन विभाग, कला-भवन द्वारा थाईलैंड के सिटीचाई स्मंघेट द्वारा कला व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- मूर्तिकला विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित थाटी मुआंगकाउ, थाईलैंड द्वारा कला व्याख्यान।
- ग्राफिक विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित युट्ट पुएक्ससजातम, थाईलैंड द्वारा कला व्याख्यान।
- मूर्तिकला विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित अनिदिता दत्ता (भारतीय), यूएसए द्वारा कला व्याख्यान।
- सारनाथ बनर्जी (भारतीय), बर्लिन द्वारा कला व्याख्यान, कला इतिहास विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित।
- डिजाइन विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित बांग्लादेश के फैसल महफूज द्वारा कला व्याख्यान।
- चित्रकला विभाग, कला-भवन द्वारा आयोजित निसार हुसैन, बांग्लादेश द्वारा कला व्याख्यान।
- कला-भवन द्वारा आयोजित ऋत्विज भौमिक, आईआईटी कानपुर, भारत द्वारा कला व्याख्यान।
- कला-भवन द्वारा आयोजित सुभ्रा बनर्जी (मनोचिकित्सक), भारत द्वारा कला व्याख्यान।
- कला-भवन द्वारा आयोजित, भारत के श्रीकांत पॉल (दृश्य कलाकार) द्वारा कला व्याख्यान।

संगीत भवन

(संगीत, नृत्य एवं नाटक संस्थान)

1919 में कला भवन की छत्रछाया में संगीत की शिक्षा प्रारम्भ हुई। उस समय संस्था का नाम “कला एवं संगीत विद्यालय” था। विश्व भारती के संस्थापक और नवजागरण के बाद भारत के महानतम विचारकों में से एक, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने संगीत, विशेष रूप से भारतीय और ओरिएंटल शास्त्रीय (गायन, वाद्य) और नृत्य परंपरा के विभिन्न रूपों के अध्ययन को गहराई से पसंद किया। उनमें शास्त्रीय प्रदर्शन कला परंपरा के सभी रूपों को इकट्ठा करने की इच्छा थी और उन्होंने पूरी कला को एक नया आकार दिया, जिसकी अभिव्यक्ति विभिन्न रवीन्द्र गीतों, नृत्य रूपों, नृत्य नाटकों आदि में हुई। इन प्रयासों में दिनेन्द्रनाथ टैगोर, भीमराव जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उनके साथ थे। शास्त्री, हेममद्रलाल रॉय, प्रतिमा देवी, उस्ताद अलाउद्दीन खान, शांतिदेव घोष, शैलजा रंजन मजूमदार, अशेष चंद्र बंद्योपाध्याय, बुद्धिमंत सिंह, नबकुमार सिंह आदि।

कलाकारों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, जिसने कई छात्रों और प्रशंसकों को गहराई से अध्ययन करने के लिए शांतिनिकेतन में इकट्ठा होने के लिए आकर्षित किया। धीरे-धीरे शांतिनिकेतन को राष्ट्र के सांस्कृतिक राजदूत की मान्यता प्रदान की गई। इसके कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा और पुरस्कार हासिल किए।

1933 में, शांतिनिकेतन में संगीत का अध्ययन संगीत भवन में शुरू हुआ, जो विशेष रूप से प्राच्य संगीत और नृत्य के विभिन्न रूपों के अध्ययन और प्रदर्शन के लिए समर्पित था। संस्था की शुरुआत दो विभागों यानी रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से हुई। संस्थान ने रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक विभाग के तहत टैगोर गीत, टैगोर नृत्य नाटक, मणिपुरी और कथकली नृत्य रूपों में पाठ्यक्रम शुरू किए, साथ ही हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग के अंतर्गत गायन, सितार, इसराज, तबला, पखावज आदि जैसे वाद्य पाठ्यक्रम भी शुरू किए।

कनिका बंद्योपाध्याय, रवीन्द्रलाल रॉय, वी.वी. जैसे महान कलाकार। वज्रलवार, सुशील कुमार भांजा, डी.टी. जोशी, निमाई चंद बोराल, इंद्रनील भट्टाचार्य, सुरेश मिश्रा, रणधीर रॉय, यूनस हुसैन खान, अमुबी सिंह आदि इस संस्था में शिक्षक थे।

संगीत के क्षेत्र में कुछ महान हस्तियाँ जैसे अलाउद्दीन खान, निखिल बनर्जी, बुद्धदेव दासगुप्ता और फईमुद्दीन खान डागर अलग-अलग समय पर विजिटिंग प्रोफेसर संगीत भवन के रूप में आए।

संगीत भवन नियमित रूप से पूरे वर्ष शांतिनिकेतन और देश-विदेश के विभिन्न सांस्कृतिक केंद्रों में वसंतोत्सव, वर्षाभंगल, बृक्षरोपन, पौस-उत्सव, क्रिस्टोसव आदि जैसे विभिन्न कार्यों और त्योहारों का आयोजन करता है।

तब से यह परंपरा जारी है। यह यात्रा अब सौ गौरवशाली वर्षों तक पहुंच गई है।

रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

मानिनी मुखोपाध्याय

- 27.07.2022 हिंदी कार्यशाला (राज भाषा कर्मशाला) में भाग लिया।

अर्पिता दत्ता दास

- 27.07.2022 हिंदी कार्यशाला (राजभाषाकर्मशाला) में भाग लिया

नंदिता बसु सर्वाधिकारी

- 23-24.03.2023. रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के वाद्य संगीत विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "संगीतमध्यमे जातियो संहति स्थापन संगीतेर भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अमर्त्य मुखर्जी

- 20.04.2022 विश्व भारती युवा विद्वान व्याख्यान श्रृंखला में 'टैगोर के नाटक का मंच पर प्रदर्शन: संकट और खोज',
- 16.03.2023 'रवींद्रनाथेर समाजचेतना' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में अतिथि वक्ता।

मृत्युंजय कुमार प्रभाकर

- 17.03.2023 विदेशी भाषा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संस्कृतियों में नाट्य भाषा का संविधान: रस और रस भाव के माध्यम से' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 19.03.2023 लिटिल थेस्पियन, कोलकाता द्वारा आयोजित जश्न-ए-अजहर थिएटर फेस्टिवल के अवसर पर ज्ञानमंच, कोलकाता में रंग अड्डा नामक राष्ट्रीय सेमिनार में 'विषंगतियों के व्यूह में व्यक्ति' विषय पर व्याख्यान दिया।

सुमन भट्टाचार्य

- 18.08.2022 "आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम के तहत काबी जॉयडेब कॉलेज, इलमबाजार बीरभूम द्वारा आयोजित सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।

रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और शांतिनिकेतन में संगीत भवन के शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी-

13.04.2022 : बसंत वंदना

- श्री सुमन भट्टाचार्य (कीर्तन, छात्रों के साथ प्रदर्शन और संगीत व्यवस्था)

अध्याय-2

- श्रीमती ताखेललंबम ज्ञानपति देवी (बसंत उत्सव में एक मंच का प्रदर्शन और कोरियोग्राफी)
- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (संगीत प्रदर्शन)
- डॉ० अमर्त्य मुखर्जी (नवीन बसंत उत्सव, गौर प्रांगण)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा, डॉ० आलोक बनर्जी, श्री तापस चटर्जी, श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

14.04.2022 - बी.आर. अम्बेडकर जन्मदिन और वर्षा शेष मंदिर

- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (प्रदर्शन में भागीदारी)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा, डॉ० आलोक बनर्जी, श्री तापस चटर्जी, श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)

15.04.2023 - वर्षा वरन उपासना मंदिर एवं घंटातला कार्यक्रम

- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (संगीत प्रदर्शन)
- श्री प्रशांत कुमार घोष (वर्षा बरण और उपासना गृह में संगीत निर्देशन)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा, डॉ० आलोक बनर्जी, श्री तापस चटर्जी, श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)

20.04.2022- बुधवार मंदिर

- डॉ० कौस्तव कर्मकार (प्रभात उपासना में एकल प्रदर्शन)
- श्री तापस चटर्जी (इसराज)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

09.05.2022 - पोचिशोर बैशाख, बैतालिक संध्या, पाठ भवन, चंडालिका

- श्री मोहन कुमारन पी० एवं श्री एन० पी० शंकरनारायणन
- श्री बसंत मुखोपाध्याय (नृत्य कोरियोग्राफी)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा एवं डॉ० आलोक बनर्जी (इसराज)

09.05.2022 - उपासना मंदिर में रवीन्द्र जन्मोत्सव

- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (आयोजन और प्रदर्शन)
- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन एवं प्रदर्शन)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री अबीर सिंह खंगुरा एवं श्री तापस चटर्जी (इसराज)

24.05.2022 : उपासना गृह में राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती

- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन और एकल प्रदर्शन)
- डॉ० आलोक बनर्जी एवं श्री शुभायु सेन मजूमदार (इसराज)

30.05.2022 : लिपिका सभागार में श्यामा नृत्य नाटिका

- प्रो० माधबी रुज (निर्देशन)
- श्री बसंत मुखोपाध्याय (नृत्य कोरियोग्राफी)
- प्रोफेसर बुद्धदेव दास एवं श्री अनिमेष चंद्र रॉय (इसराज)
- श्री सीताराम दास, श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

06.07.2022 : बुधवार मंदिर

- डॉ० कौस्तव कर्माकर और छात्रों का एक समूह (गीत प्रदर्शन)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)

20.07.2022 : विश्वभारती द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला, डॉ० कुणाल सरकार द्वारा व्याख्यान

- डॉ० सुरजीत रॉय (वेद गान प्रस्तुत किया)
- डॉ० मानिनी मुखोपाध्याय (वेद गान प्रस्तुत किया)
- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती (तबला)

25.07.2022 : विश्वभारती में 52वीं व्याख्यान श्रृंखला में काली कीर्तन

- श्री सुमन भट्टाचार्य (गीत प्रस्तुति)
- श्री अनिमेष चंद्रा, डॉ० आलोक बनर्जी (इसराज)

अध्याय-2

- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

27.07.2022 : राजभाषा कर्मशाला

- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (गीत प्रदर्शन)
- श्री कमलेश रॉय (तबला)

01.08.2022 : सुशोभन बनर्जी का विशेष मंदिर

- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन)
- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (गीत प्रदर्शन)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री आबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

08.08.2022: स्मरण, लिपिका सभागार में एक संध्या उपासना

- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन)
- डॉ० मानिनी मुखोपाध्याय, डॉ० सुरजीत रॉय और श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (संगीत प्रदर्शन)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार, श्री तापस चटर्जी एवं श्री आबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री कमलेश रॉय और श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

13.08.2022 : रवीन्द्र सप्ताह में वेद गान

- डॉ० कौस्तव कर्मकार और छात्र (रवीन्द्रनाथ ओ बौद्ध भवन का प्रदर्शन)
- श्री शुवंकर मंडल और छात्र (अमर रवीन्द्रनाथ द्वारा प्रस्तुत)
- श्री तापस चटर्जी, श्री आबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

10.08.2022 – 14.08.2022 : रवीन्द्र सप्ताह

- रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के संकायों ने भाग लिया और प्रदर्शन किया

15.08.2022 : स्वतंत्रता दिवस

- डॉ० सप्तर्षि रॉय, श्री सुमन भट्टाचार्य और श्रीमती। अर्पिता दत्ता दास (गीत प्रदर्शन)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती, श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

16.08.2022 : वर्षा मंगल

- रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सभी संकायों ने भाग लिया और प्रदर्शन किया

30.08.2022 : दूरदर्शन पर बाल्मीकि प्रतिभा संगीत नाटक

- डॉ० अमर्त्य मुखर्जी (गीत प्रस्तुति)
- डॉ० आलोक बनर्जी, श्री शुभायु सेन मजूमदार (इसराज)
- श्री अनिमेष चंद्रा (कीबोर्ड) एवं श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

21.09.2022 : रथेर रशि, शारदोत्सव, गौर प्रांगण संगीत भवन द्वारा

- श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- मंच प्रकाश एवं पृष्ठभूमि संगीत रचना

26.09.2022 : भारत तीर्थ पर 'आगमनी'

- श्री सुमन भट्टाचार्य (संगीत प्रदर्शन)
- श्री अनिमेष चंद्रा एवं श्री तापस चटर्जी (इसराज)
- श्री कमलेश रॉय एवं श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

27.09.2022 : शारदोत्सव, रामकिंकर मंच, भारत तीर्थ

- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन)
- श्री अनिमेष चंद्रा एवं डॉ० आलोक बनर्जी (इसराज)

31.10.2022 : सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन समारोह, भारत तीर्थ

- श्री सुमन भट्टाचार्य (संगीत प्रदर्शन)
- श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)

अध्याय-2

09.11.2022 : बुधवार मंदिर

- श्री शुभंकर मंडल और छात्रों के एक समूह ने (सुबह उपासना में चार गाने प्रस्तुत किए)
- डॉ आलोक बनर्जी (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

23.11.2022 : साप्ताहिक मंदिर

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत प्रस्तुति)
- श्री तापस चटर्जी, श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री कमलेश रॉय एवं श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती (तबला)

26.11.2022: भारत के संविधान दिवस के अवसर पर वैदिक भजन, राष्ट्रगान और रवीन्द्र नाथ टैगोर के दो देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गये -

- श्री सुमन भट्टाचार्य और डॉ कौस्तव कर्मकार (गीत प्रदर्शन)
- श्री तापस चटर्जी (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

28.11.2022 : रथीन्द्र मेला

- श्री सुमन भट्टाचार्य और डॉ मानस भुल (गीत प्रदर्शन)
- श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

23.12.2022 : दीक्षा दिवस उपासना, छातिमतला

- डॉ० मानिनी मुखोपाध्याय, श्री प्रशांत कुमार घोष, डॉ सुरजीत रॉय और डॉ सप्तर्षि रॉय (संगीत प्रदर्शन)
- डॉ आलोक बनर्जी (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

24.12.2022 : पौष उत्सव, गौर प्रांगण में भानु सिंघेर पदाबली

- श्री प्रशांत कुमार घोष (एकल प्रदर्शन)
- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (संगीत प्रदर्शन)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती, श्री सीताराम दास एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

25.12.2022 : क्राइस्टोत्सव मंदिर

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत निर्देशन)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार और श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

04.01.2023 : बुधवार मंदिर

- डॉ कौस्तव कर्मकार (गीत प्रस्तुति)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

12.01.2023 : स्वामी विवेकानन्द की 160वीं जयंती पर विशेष मंदिर

- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (गीत प्रदर्शन)
- डॉ आलोक बनर्जी एवं श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

25.01.2023 : बुधवार मंदिर

- श्री शुभंकर मंडल (गीत प्रदर्शन)
- श्री तापस चटर्जी एवं श्री अबीर सिंह खंगुरा (इसराज)

अध्याय-2

- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

26.01.2023 : माघोत्सव विशेष उपासना एवं गणतंत्र दिवस समारोह

- डॉ मानिनी मुखोपाध्याय एवं डॉ सुरजीत रॉय (गीत प्रस्तुति)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)
- डॉ सप्तर्षि रॉय (शारीरिक शिक्षा मैदान में अवलोकन एवं प्रदर्शन)

01.02.2023 : बुधवार मंदिर

- डॉ कौस्तव कर्मकार (गीत प्रस्तुति)
- श्री शुभायु सेन मजूमदार (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

06.02.2023 : हिन्दी भवन में हलबासिया स्मृति व्याख्यान

- डॉ मानिनी मुखोपाध्याय (वेद गान)
- श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (प्रारंभिक गीत)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

06.02.2023 : श्रीनिकेतन उत्सव के अवसर पर विश्वभारती महिला संघ का सांस्कृतिक कार्यक्रम

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत प्रस्तुति)

श्री तापस चटर्जी (एसराज)

- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती (तबला)

06.02.2023: फ्रेस्को, श्रीनिकेतन में छात्रों द्वारा लोक गीत प्रदर्शन

- श्री प्रशांत कुमार घोष (संगीत निर्देशन)

- डॉ आलोक बनर्जी एवं श्री तापस चटर्जी (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

06.02.2023 : माघ मेला, श्रीनिकेतन

- श्री मोहन कुमारन पी, एवं श्री एन पी शंकरनारायणन
- श्री तापस चटर्जी (इसराज)

13.02.2023 : कथकली चोलियाट्टम (मंच पर संगत) और पारंपरिक कथकली

- श्री मोहन कुमारन पी, श्री एनपी शंकरनारायणन, श्री मुकुंदरन पी, श्री शुचीन्द्रन पी, श्री राजेश एम एवं श्री राजन पी

15.02.2023 : साप्ताहिक मंदिर

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत प्रदर्शन)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

18.02.2023 : भारत तीर्थ पर स्वदेश अमर स्वप्नो

- डॉ अमर्त्य मुखर्जी (नाटक प्रदर्शन)

21.02.2023: बांग्लादेश भवन में मातृभाषा दिवस समारोह

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत निर्देशन)
- डॉ कौस्तव कर्मकार और श्री सुमन भट्टाचार्य (रजनीकांत सेन और द्विजेंद्रलाल रॉय के दो गाने गाए)
- श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

23.02.2023 : माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की यात्रा के लिए भानु सिंहेर पदाबली का प्रदर्शन

- श्री प्रशांत कुमार घोष (निर्देशन)
- डॉ मानिनी मुखोपाध्याय (संगीत प्रदर्शन)
- डॉ बिप्लब विश्वास (मंच प्रकाश व्यवस्था)

अध्याय-2

- श्री बसंत मुखोपाध्याय (नृत्य कोरियोग्राफी)
- प्रो० बुद्धदेव दास, श्री अनिमेष चंद्रा एवं डॉ आलोक बनर्जी (इसराज)
- श्री सीताराम दास, श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

24.02.2023 : आम्रकुंज में वार्षिक दीक्षांत समारोह

- डॉ मानिनी मुखोपाध्याय, श्री प्रशांत कुमार घोष, डॉ सुरजीत रॉय और श्रीमती अर्पिता दत्ता दास (संगीत प्रदर्शन)
- श्री अनिमेष चंद्रा एवं डॉ आलोक बनर्जी (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

02.03.2023 : बसंत वंदना कीर्तन

- श्री सुमन भट्टाचार्य (कीर्तन)
- श्री अनिमेष चंद्रा (इसराज)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

03.03.2023: गौर प्रांगण में बसंत वंदना के लिए भानुसिंहेर पदाबली

- रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सभी संकायों ने भाग लिया और प्रदर्शन किया

03.03.2023 : बसंत वंदना 2023

- रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सभी संकायों ने भाग लिया और प्रदर्शन किया

03.03.2023: बसंत वंदना के लिए मायार खेला टैगोर नृत्य नाटिका

- रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सभी संकायों ने भाग लिया और प्रदर्शन किया

09.03.2023 : सेंट्रल लाइब्रेरी में विश्वभारती विमेंस एसोसिएशन का कार्यक्रम

- डॉ नंदिता बसु सर्वाधिकारी (गीत प्रस्तुति)
- श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)
- श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंदिरा)

13.03.2023: विश्वभारती में 57वीं व्याख्यान श्रृंखला, प्रख्यात अभिनेता श्री अनुपम खेर द्वारा व्याख्यान

• डॉ मानिनी मुखोपाध्याय, श्री प्रशांत कुमार घोष और डॉ कौस्तव चटर्जी, डॉ सुरजीत रॉय (भानुसिंहेर पदाबली में प्रदर्शन और निर्देशन)

• श्री बसंत मुखोपाध्याय (नृत्य कोरियोग्राफी)

• डॉ बिप्लब विश्वास (मंच प्रकाश व्यवस्था)

28.03.2023 : माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की यात्रा के लिए उदयन बाड़ी में वार्षिक दीक्षांत समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शन।

• डॉ मानिनी मुखोपाध्याय, श्री प्रशांत कुमार घोष और डॉ सुरजीत रॉय (संगीत प्रदर्शन)

• श्री अनिमेष चंद्रा एवं डॉ आलोक बनर्जी (इसराज)

• श्री शक्ति प्रसाद चक्रवर्ती एवं श्री कमलेश रॉय (तबला)

• श्री प्रताप चंद्र हाजरा (मंजिरा)

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.) आदि के रूप में मान्यता)

इंद्राणी मुखोपाध्याय

• 18.01.2023 मेरी देखरेख में एक शोधार्थी सुष्मिता रे को पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया।

मानिनी मुखोपाध्याय

• 10.10.2022 - 22.10.2022 तक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया (ऑनलाइन मोड)

नंदिता बसु सरबधिकारी

• 11.8.2022 - 26.8.2022 तक। उत्तर बंगाल के यूजीसी एचआरडीसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर्स कोर्स में भाग लिया।

सुरजीत राय

• 10.10.2022 - 22.10.2022 तक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (ऑनलाइन मोड) में यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

कोन्जेंगबाम सुनीता देवी

• बीरभूमसंकल्पा, सैथिया, बीरभूम द्वारा आयोजित मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य के लिए संकल्प बसंत सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया।

अध्याय-2

- 13.02.2023 मणिपुरी राज्य कला अकादमी पुरस्कार, 2021 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन:

नंदिता बसु सरबधिकारी

- सर्बाधिकारी एन.बी., 2022। भारत और दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक संपर्क: रबींद्रनाथ टैगोर का योगदान, परिप्रेक्ष्य: एशिया प्रशांत, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नवंबर 2020 पर दसवें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत निबंधों का एक संग्रह, पीपी 53-65, भारतीय एशियाई और प्रशांत अध्ययन संघ, कोलकाता, आईएसबीएन: 978-81-89863-88-3।
- सर्बाधिकारी एन.बी., (बी.एस. 1429), संगीत जगोते प्रोजेक्ट ज्योतिस्को: पंडित रविशंकर, खोई साहित्य और संस्कृत पर एक संग्रह, कला और मानविकी के त्रिवार्षिक जनरल खोई (पीयर रिव्यूड जर्नल, एड. किशोर भट्टाचार्य), नं. 49; 22 श्रवण, खंड 49, अंक 49, शांतिनिकेतन, पीपी 172-177, आईएसएसएन : 2319-8389।
- सर्बाधिकारी एन.बी., संगीत के लिए सार्वभौमिक दृष्टिकोण और रवीन्द्रनाथ, 'अनुधान' और सामाजिक विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (खंड 7, अंक 1) (पीयर रिव्यूड), पीपी 176-184, राजा नरेन्द्रलाल खान महिला कॉलेज, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, आईएसएसएन: 2455-6319.

सुरजीत राय

- सुरजीत. आर. (1 अगस्त 2022) "कबिपोतनी मृणालिनी देवी ओ दिनेंद्रनाथ ठाकुर केलेखचिट्टाइटसंगितरप्रोसोंगो" संबंद बिसिट्टा जर्नल, में प्रकाशित, आईएसएसएन नंबर-1542-5657।
- सुरजीत. आर. (2022) "रवींद्रनाथेर गानेर ओलोंकोरोन एसराज" एनएबीसी, स्मरणिका में प्रकाशित।
- सुरजीत. आर. (दिसंबर 2022) "धुर्जोति प्रसाद मुखोपाध्याय ओ रवीन्द्रनाथेर संगीत बिशोयोकोआलोकोना", खोयाई जर्नल, में प्रकाशित आईएसएसएन: 2319-8389।

सप्तर्षि रे

- सप्तर्षि. आर. (2023.), रवीन्द्र-रचना परिक्रमा: रागेरकलानुशंगा ओ भाबाचित्रा, बोईवाला बुक कैफे, शांतिनिकेतन-731235, आईएसबीएन: 978-94087-39-2।

अमर्त्य मुखर्जी

- मुखोपाध्याय. ए. (2022.), "अमादेर शांतिनिकेतन।" आनंद शोतोको (निबंधों का शताब्दी खंड, आनंद बजर पत्रिका, संस्करण सेमोंटी घोष) पीपी-291-92, एबीपी: कोलकाता। आईएसबीएन 978-93-5425-3225।
- मुखोपाध्याय. पूर्णेंद्र विकास सरकार की पुस्तक रबींद्रगानेर अंतराले में 3 गाने प्रकाशित किया गया। सिग्रेट प्रेस: कोलकाता ए (2023.) आईएसबीएन 978-93-5425-0156।
- मुखोपाध्याय. ए. (सितंबर 2022), "जोरासंको ठाकुरबारी नाट्यचर्चा," कोलकाता: विचित्रपात्रा।
- मुखोपाध्याय, ए. (अक्टूबर 2022), "साधारणरंगालय ओ रवीन्द्रनाथ," कोलकाता: पूर्वपश्चिम।

मृत्युंजय कुमार प्रभाकर

- प्रभाकर, एम.के. (मार्च-मई 2022.) "प्रदर्शनकारी महिलाएं: प्राचीन भारतीय नाटक में महिलाओं के निर्माण का एक महत्वपूर्ण अध्ययन," भैरवी (यूजीसी-केयर लिस्टेड), वॉल्यूम। 21, पृ. 223-230. आईएसएसएन 0975-5217.
- प्रभाकर, एम.के. (मार्च-मई 2022)"21वीं सदी में प्रदर्शन कला में शिक्षण-शिक्षा का पुनरावलोकन," भैरवी (यूजीसी-केयर लिस्टेड), वॉल्यूम। 24, पृ. 219-224. आईएसएसएन 0975-5217.

बिप्लब बिस्वास

- बिस्वास. बी. "बांग्ला सामाजिक नाटोके संगलापर बिबार्टन", पुस्तक: 'पश्चिमबांगेर बांग्ला गबेशानर नाना दिगंता', डॉ. प्रबीर प्रमाणिक द्वारा संपादित, प्रकाशन: शोभा प्रोकाश, ढाका, बांग्लादेश)

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

पी. मुकुंद कुमार

- कथकली (एमपीए) के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

एन.पी.शंकरनारायणन

- कथकली (एमपीए) के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

सुचिन्द्रनाथन.पी.के

- कथकली (एमपीए) के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

अमर्त्य मुखर्जी

- नाटक और रंगमंच कला (एमपीए) के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

मृत्युंजय कुमार प्रभाकर

- पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम का हिस्सा परिवर्तन और नाटक एवं रंगमंच कला पाठ्यक्रम का पुनर्गठन।

बिप्लब बिस्वास

- नाटक एवं मनोरंजन थिएटर आर्ट्स {बीपीए (एच) और एमपीए} पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया ।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

- सुप्रीति भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल कॉलेज सेवा आयोग के तहत सेट उत्तीर्ण, 31.03.2023 रोल नंबर 16031966)
- नम्रता कुंडू (पश्चिम बंगाल कॉलेज सेवा आयोग के तहत सेट उत्तीर्ण, 31.03.2023 रोल नंबर 32085225)
- पल्लबी पटनायक (यूजीसी नेट उत्तीर्ण) रोल नंबर WB08100081

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

सब्यसाची सखेल

17.08.2022 -18.08.2022 एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कॉलेज सर्विस कमीशन डब्ल्यूबी, कार्यशाला में भाग लिया।

- 15.09.2022 - 17.09.2022 एनएएसी पीयर टीम, सचिनदेव बर्मन म्यूजिक कॉलेज, अगरतला के समन्वयक के रूप में एनएएसी विजिट में भाग लिया।
- 19.11.2022 - 24.11.2022 एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली में एनटीए कार्यशाला में भाग लिया।
- 09.02.2023 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में चयन समिति की बैठक में भाग लिया।

अमित कुमार वर्मा

- 20.2.2023 शिवमसांस्कृतिक मंच, बिहार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "संगीत एवं कला पत्रिका का संपादन विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 03.01.2023- 07.01.2023 एनसीईआरटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कला उत्सव-2023 में जूरी सदस्य। भारत के भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया।

रंजनी रामचन्द्रन

- 14.08.2022 डीएजी और भारतीय संग्रहालय, कोलकाता द्वारा आयोजित "मार्च टू फ्रीडम" नामक एक आमंत्रित संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन (एकल) का प्रदर्शन किया।
- 18.10.2022 गोपाल गायन समाज, पुणे द्वारा आयोजित "जलसा, हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन गायन" नामक एक आमंत्रित एकल संगीत कार्यक्रम में प्रदर्शन किया गया।
- 21.10.2022 ललित कला केंद्र गुरुकुल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "निर्गुनके गन" नामक एक आमंत्रित एकल संगीत कार्यक्रम में प्रदर्शन किया गया।

- 07.11.2022 रागगिरी यूट्यूब चैनल द्वारा आयोजित और संचालित "रंजनी रामचन्द्रन भारतीय शास्त्रीय गायिका विशेष साक्षात्कार भाग 1 और भाग 2" शीर्षक से एक ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया।
- 12.11.2022 मिहिर ठाकोर द्वारा आयोजित "हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत (एकल) मिहिर ठाकोर द्वारा क्यूरेट किया गया" नामक एक आमंत्रित ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम में प्रदर्शन किया गया और यूट्यूब पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया।
- 01.12.2022-02.12.2022 एनिमेशन सिनेमा विभाग, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई), कोलकाता द्वारा आयोजित "म्यूजिक एप्रिसिएशन वर्कशॉप (भारतीय शास्त्रीय)" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 25.02.2023-28.02.2023 राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनी हिल्स, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश के ललित कला और संगीत विभाग द्वारा शास्त्रीय संगीत पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक "हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) पर 4 दिवसीय कार्यशाला"

अनुसंधान विद्वान

इशिता चक्रवर्ती (पर्यवेक्षक)

- 15.09.2022-16.09.2022 रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के स्वर संगीत विभाग द्वारा सयाक दास द्वारा कवि बिजौय सरकार के गीतों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शीर्षक:- कोबी बिजय सरकारेरगान ओ ताते राग संगीतप्रभाव।
- 16.03.2023-17.03.2023 रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा 'रवींद्रनाथ और समाजवाद की भावना' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, दीपानविता बागड़ी द्वारा 'ध्रुपद पद और टैगोर के ध्रुपदंगा गीतों का दार्शनिक दृष्टिकोण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 09.11.2022 मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), रांची विश्वविद्यालय, रांची में 'भारतीय संगीत' विषय पर आयोजित गुरु दक्ष 14वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में संसाधन व्यक्ति के रूप में आनंदवर्धन, एक शोध विद्वान, के रूप में भाग लिया।

छाया रानी मंडल (पर्यवेक्षक)

- 25.03.2023 मोहम्मद आफताब उद्दीन- ने सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज, कोलकाता में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "संगीत भक्ति: अशमप्रदायिक नजरूल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 12.01.2023 आगमनि गराई, आईसीसीआईएलएसआर और मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, प्राग में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "बांग्ला स्वर्ण जुगे ओन्नोटोमो सुदीन दासगुप्तरचेतोनेगुरुदेव रबींद्रनाथ ठाकुर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 03.03.2023 प्रत्युषा रॉय ने उत्तर बंगा विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "बेगम अख्तर जिरकालोजोयी बंगला राग प्रधानगान: एकतिबिश्लेसोनात्मोक्सोमिक्खा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

अमित कुमार वर्मा (पर्यवेक्षक)

• 09.12.2023 – 10.12.2023 विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शन कला में अनुसंधान पद्धति और विभिन्न अनुसंधान आयामों पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में श्री नबारुण कुमार दत्ता ने "भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में तबलावादक पंडित शंकर घोष के योगदान का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। तबला, प्रदर्शन कला संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वडोदरा।

• 23.03.2023-24.03.2023 वाद्य संगीत विभाग, प्रदर्शन कला संकाय, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री नबारुण कुमार दत्ता ने "पंडित शंकर घोष के तबला ऑर्केस्ट्रा के योगदान का एक सिंहावलोकन और उनके प्रसिद्ध ऑर्केस्ट्रा- ड्रम के संगीत की संरचनागत सुंदरता और सौंदर्यशास्त्र पर विशेष जोर देने के साथ इस क्षेत्र में उनके योगदान का एक सिंहावलोकन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया, विभाग।

प्रकाशन:

सब्यसाची सर्खेल

• सरखेल, एस (2022) "प्रसंग: पंडित भास्कर बुआ वाखले" एक बहुभाषी सहकर्मि समीक्षा पत्रिका, रूट्स ऑफ़ म्यूजिक आईसीबीएम में प्रकाशित हुआ, पीपी.02-, आईएसएसएन-2708-7689।

बासवी मुखर्जी

• मुखर्जी, बी (2022) "उत्तर भारतीय स्वरलिपि के विकास में पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का बहुमूल्ययोगदान"। संगीत कला विहार. आईएसएसएन-0036-4320.

• मुखर्जी, बी (2022) "स्वतंत्रयोत्तर भारत की एक स्वतंत्र प्रतिभा: स्वरयोगिनी प्रभा"। संगीत कला विहार. आईएसएसएन-0036-4320.

अमित कुमार वर्मा

• वर्मा, ए.के.(2022) "तबला विषय में प्रकाशित पुस्तकों का एक ग्रंथ सूची अध्ययन"। स्वर सिंधु जर्नल, 10(1), पृ. 89-101. आईएसएसएन: 2320-7175.

• वर्मा, ए.के.(2022) "संगीत समारोहों के प्रति दर्शकों के दृष्टिकोण पर विश्लेषणात्मक अध्ययन"। स्वर सिंधु जर्नल, 10(2), पृ. 1-12. आईएसएसएन: 2320-7175.

• वर्मा, ए.के.(2022) "संगीत में अंक विलास"। 'स्तोम पत्रिका', पृष्ठ. 57-61. आईएसएसएन: 2231-1040।

• वर्मा, ए.के., (2022) "संगीत पर उपलब्ध साहित्य: संकलन एवं अवलोकन"। जी. भास्कर; जे. लकुम, भारतीय लोक संस्कृति एवं ललित कलाएँ। पृ. 17-22. बड़ौदा: तबला विभाग, प्रदर्शन कला संकाय, एम.एस. यूनिवर्सिटी बड़ौदा सीवाईएससीए, सरकार के सहयोग से गुजरात.

रंजनी रामचन्द्रन

- रामचन्द्रन आर.(2022)। "रवीन्द्रनाथ ठाकुर का शिक्षा दर्शन: संगीत एवं पर्यावरणकेंद्र-संबंध के संदर्भ में" संगीत कला विहार, 75(4), पृ.44-47.
- रामचन्द्रन आर (2023) शरदचंद्र एरोलकर और उनकी प्रामाणिक ग्वालियर गायकी। STOM, पीपी.67-71. (यूजीसी केयर में सूचीबद्ध सहकर्मों द्वारा समीक्षा की गई वार्षिक पत्रिका)।
- दूरदर्शन शांतिनिकेतन (2022, 12 अप्रैल)। शास्त्री संगीत सम्मेलन-शास्त्रीय गायन-रंजनी रामचन्द्रन। [वीडियो]। यूट्यूब। <https://youtu.be/Vt6sjpvnXUw>
- 5.11.2022 रागगीरी. रंजनी रामचन्द्रन एक भारतीय शास्त्रीय गायिका विशेष साक्षात्कार भाग 1।[वीडियो]। यूट्यूब। https://youtu.be/kqL1aDX-_Rs
- 6.11.2022 रागगीरी. रंजनी रामचन्द्रन एक भारतीय शास्त्रीय गायिका विशेष साक्षात्कार भाग 2।[वीडियो]। यूट्यूब। <https://youtu.be/zgeaVB49swY>
- मिहिर ठाकुर (2022, 12 नवंबर)। रंजनी रामचंद्रन ने मिहिर ठाकुर द्वारा निर्देशित राग मारवा, खोखर, बिहागड़ा और कबीर भजन गाए। [वीडियो]। यूट्यूब। <https://youtu.be/oVsw028edmU>

इशिता चक्रवर्ती

- चक्रवर्ती ई. (2022)। स्वरमालिका एवं तरानासंकलन। कोलकाता: आनंद प्रकाशन. आईएसबीएन: 978-93-93378-14-9.

प्रत्युषा रॉय (रिसर्च स्कॉलर)

- रॉय, पी. (2023)। "बेगम अख्तर जिरकालोजोई चूड़ी रागप्रधानगान: एकतिबिश्लेसोनत्मोक्सोमिक्खा"। आईआईसीआरटी. वॉल्यूम. 11. (www.ijcrt.org).

अर्पिता मलिक (रिसर्च स्कॉलर)

- मल्लिक, ए. (2022)। "बाहा: संधाल समुदाय में संगीत से भरपूर फूलों का त्योहार"। स्वर सिंधु, खंड-10. आईएसएसएन: 2320-7175 (यूजीसी-केयर सूचीबद्ध)

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

बासवी मुखर्जी

- एचसीएम-वोकल (एमपीए) के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया

अमित कुमार वर्मा

- 16.01.2023 - 20.01.2023 हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत भवन के अंतर्गत पीजी (एमपीए) पाठ्यक्रम के पुनरीक्षण हेतु कार्यशाला।
- 01.03.2023 - 03.03.2023 हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत भवन के अंतर्गत पीएचडी कोर्सवर्क पाठ्यक्रम के पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला।

रवीन्द्र संगीत गवेषणा केंद्र (आरएसजीके)

प्रस्तावना:

आरएसजीके ने 26.12.2014 को अपनी यात्रा शुरू की। रवीन्द्र संगीत के नाम से मशहूर टैगोर का संगीत उनकी कविताओं, उपन्यासों, नाटकों और विभिन्न विषयों पर निबंधों के अलावा उनकी सबसे शक्तिशाली और समय-अनुमोदित रचना है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

- संगीत नाटक 'कलमृगया' का एक आलोचनात्मक संस्करण, जिसमें इसके 'पथ' (पढ़ने) और नोटेशन का कालक्रम शामिल है, जो दो साल पहले शुरू हुआ था, पूरा हो गया है और प्रकाशन के लिए तैयार है।

- रवीन्द्र संगीत के कालानुक्रमिक क्रम के दस्तावेजीकरण पर कार्य प्रगति पर है

'कालमृगया' पर काम सहित विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों में शामिल संगीत भवन के संकाय सदस्य:

- प्रोफेसर इंद्राणी मुखोपाध्याय, डॉ. अमर्त्य मुखोपाध्याय, श्री प्रशांत कुमार घोष

'कालमृगया' के कार्य में शामिल संगीत भवन के शोधार्थी:

- देबोश्री दास, अविक सरकार, पल्लबी सरकार

सुविधाएँ:

- लाइब्रेरी आर्काइव - लगभग 1800 पुस्तकों और 'मायारखेला' की पांडुलिपि (डिजिटल कॉपी) के साथ।

- प्रदर्शनी गैलरी - रवीन्द्र संगीत के विकास, संगीत-भावना के विकास और एक, श्री दिनेंद्रनाथ टैगोर को समर्पित।

- ऑडियो-विजुअल यूनिट - विश्वभारती के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दर्शाने वाली लगभग 100 सीडी और "बाल्मीकि प्रतिभा" पर एक एल्बम भी है।

विनय भवन शिक्षा विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

विनय भवन

शिक्षा विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

क्रं.सं.	विद्यार्थियों का नाम	कक्षा	उपलब्धि
1	दुर्बा घोष	बी.एड.-II	WBSET (संस्कृत) दिसंबर 2022
2	कमल हुसैन	बी.एड.-II	WBSET (बंगाली)
3	प्रीति भकट	बी.एड.-II	WBSET (संस्कृत)
4	अनिशा मंडल	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
5	बिदिसाहा	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
6	बिदिशा साहा	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
7	बिद्युत बटल	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
8	कृष्णेंद्रु भुइमाली	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
9	मीता पोद्दार	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
10	सबीना खातून	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
11	संजुक्ता सरकार	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
12	संतु घोष	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
13	शिउली साहा	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
14	सोहिनी साहा	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
15	सौमित्र सरकार	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022
16	सृजनी रॉय चौधरी	बी.एड.-II	WBSET- दिसंबर 2022

अध्याय-2

17	श्रीराम माझी	बी.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
18	सुदीपा घोष	बी.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
19	सुजिष्णु साहा	बी.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
20	देबोलीना गोस्वामी	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
21	पापरी साहा	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट जेआरएफ (लाइफ साइंस) दिसंबर 022
22	देबज्योति मंडल	बी.एड.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022

WBTE- दिसंबर 2022

23	श्राबंती घोष	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
24	सेगेन मंडी	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट-जेआरएफ (संताली) दिसंबर 2022
25	भास्कर भक्ति	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022

यूजीसी नेट - दिसंबर 2022

26	नीतू बैश्य	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
27	सतरूपा घोष	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022

सीटीईटी- दिसंबर 2022

28	मलय मंडल	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
29	पूर्णमा डॉन	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
30	प्रवती महलदार	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट (संस्कृत) दिसंबर 2022
31	शिल्पी गराई	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
32	तृप्ति मंडल	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
33	संतु दास	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
34	टियास गुहा	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
35	राजलक्ष्मी चौधरी	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
36	रीता मंडल	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022

सीटीईटी- दिसंबर 2022

अध्याय-2

37	स्वपन विश्वास	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट (संस्कृत) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022, सीटीईटी- दिसंबर 2022
38	माउतुली सिंघा	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
39	पल्लव टुडु	बी.एड.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022 यूजीसी नेट (भूगोल) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
40	चंद्रिमा दास	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
41	रंजीत बैद्य	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
42	शबनम यास्मीन	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट जेआरएफ (अंग्रेजी) दिसंबर 2022 सीएसआईआर गेट (अंग्रेजी) 2022 WBTE- दिसंबर 2022
43	सूफिया खातून	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
44	घनश्याम खटुआ	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट- (शिक्षा) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
45	रीना मंडल	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
46	सौमित्र हालदार	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022 सीएसआईआर गेट (जीवन विज्ञान) 2022 WBTE- दिसंबर 2022
47	मऊ दत्ता	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
48	सुकन्या सेन	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
49	रमेश बास्की	बी.एड.-IV	यूजीसी नेट जेआरएफ (संताली) दिसंबर 2022
50	अर्पणा मंडल	बी.एड.-IV	सीटीईटी- दिसंबर 2022
51	चंद्र पॉल	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
52	चंद्र प्रभा सरकार	बी.एड.-IV	सीएसआईआर गेट (गणित) 2022

अध्याय-2

53	रौनादीप बंद्योपाध्या	बी.एड.-IV	WBTE- दिसंबर2022
54	कल्याण लायेक	एम.एड.-II	यूजीसी नेट-जेआरएफ (शिक्षा) दिसंबर 2022 सेट (भौतिक विज्ञान) जनवरी 2023 WBTE- दिसंबर 2022
55	लक्ष्मी सरकार	एम.एड.-II	यूजीसी-नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
56	आत्रेय सेनगुप्ता	एम.एड.-II	सीएसआईआर-नेट (भौतिक विज्ञान) जून 2022 सीटीईटी- दिसंबर 2022
57	मुस्तकीमा खातून	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
58	यास्मिन सुल्ताना	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
59	पायल माझी	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
60	सुकन्या परवीन	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
61	सुदीप्त पाल	एम.एड.-II	सीटीईटी- दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
62	बुलबुल सरकार	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
63	इरिन परवीन	एम.एड.-II	सीटीईटी- दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
64	बंगशाधर मंडल	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
65	अस्टम रुइदास	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर 2022
66	प्रिया घोष	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर2022
67	सारदा मंडल	एम.एड.-II	WBTE- दिसंबर2022
68	मोनालिसा गोराई	एम.एड.-II	सीटीईटी- दिसंबर 2022
69	खालिदा सुल्ताना	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
70	आकांक्षा शाथ	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022

71	सुहिता बसु	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
72	झंटू घोष	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
73	सुष्मिता घोष	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
74	सुमी साहा	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
75	शोवनजीत साहा	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
76	अपर्णा सरकार	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
77	पौलमी मंडल	एम.एड.-IV	यूजीसी नेट-जेआरएफ (शिक्षा) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
78	लीना बीरबांगशी	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
79	टीटू बारिक	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
80	स्वागतम सिंघा	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
81	रेहाना सुल्ताना	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
82	निकिता रॉय चौधरी	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
83	सुष्मिता मंडल	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
84	दिलीप गरई	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
85	जूडिथ कुजूर	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
86	मृत्युंजय पुरकायत	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
87	अनुप्रवा साहा	एम.एड.-IV	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022 WBTE- दिसंबर 2022
88	देबाशीष मंडल	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
89	काजी रेशमा खातून	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
90	अबीर मंडल	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
91	मनीषा नंदी	एम.एड.-IV	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022 WBSE- दिसंबर 2022

अध्याय-2

			WBTE- दिसंबर 2022
92	संग्राम पैन	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
93	कौशिक दास	एम.एड.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022
94	मेनुका मुंडा	एम.एड.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022
95	देबोलीना गोस्वामी	एम.एड.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
96	श्रीपर्णा डे	एम.ए.-II	डब्ल्यूबीटीईटी-दिसंबर 2022
97	शिवू माझी	M.A.-II	WBTE- दिसंबर 2022
98	धरम दास	एम.ए.-II	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022
			सीटीईटी- दिसंबर 2022
			WBTE-दिसंबर 2022
99	साइमा खातून	एम.ए.-II	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022
100	नबनिता बैती	एम.ए.-IV	डब्ल्यूबीटीईटी- दिसंबर 2022
101	अपर्णा मंडल	एम.ए.-IV	सीटीईटी- दिसंबर 2022
102	किरण बनर्जी	एम.ए.-IV	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022
			WBTE- दिसंबर 2022
103	मधुपर्णा भट्टाचार्य	एम.ए.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022
104	जुनेद आलम	एम.ए.-IV	डब्ल्यूबीएसईटी- दिसंबर 2022
			WBTE- दिसंबर 2022
105	कार्तिक दोलाई	एम.ए.-IV	यूजीसी नेट (शिक्षा) दिसंबर 2022
			WBSE-दिसंबर 2022
106	संचिता मंडल	M.A.-IV	WBTE- दिसंबर 2022
107	बिप्लब डे	एम.ए.-IV	यूजीसी नेट (शिक्षा) जून 2022
			WBSE- दिसंबर 2022
108	राहुल घोष	एम.ए.-IV	यूजीसी नेट-जेआरएफ (शिक्षा) दिसंबर 2022

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

बेनुधर चिनारा

- 09.12.2022. बाबा साहेब अम्बेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय, कोलकाता के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 17.12.2022. एनईपी-2020 के संदर्भ में एक राष्ट्रीय अधिवेशन में 'नैतिक मूल्य और आचार संहिता: स्कूल शिक्षक के व्यावसायिक मानक के लिए' शीर्षक से एक स्रोत व्यक्ति के रूप में एक पेपर प्रस्तुत किया गया: शिक्षक और शिक्षक के राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकीकृत हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, बिहार एवं बाबा साहेब अम्बेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

राजर्षि राय

- 27.09.2022-30.09.2022. हिल्टन पार्क, विएना, ऑस्ट्रिया में 'डिजिटल और हरित संक्रमण के युग में सीखना' विषय पर इंटरएक्टिव सहयोगात्मक शिक्षण (आईसीएल 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यक्रम समिति के एक संसाधन व्यक्ति और सदस्य के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रोह्लाद रॉय

- 02.04.2022. मतुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'मतुआ धर्म और धार्मिक सहनशक्ति की सामाजिक पृष्ठभूमि' पर आयोजित 21वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण दिया।
- 09.04.2022. मतुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'शारीरिक और मानसिक स्वच्छता और मतुआ की चिंताओं पर धारणा' पर 22वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण दिया।

अध्याय-2

- 16.04.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा '19वीं सदी के बंगाल पुनर्जागरण में श्री श्री हरिचंद गुरुचंद ठाकुर का रुख' विषय पर आयोजित 23वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण दिया।
- 23.04.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'मटुआ आंदोलन और महिलाओं की प्रगति' विषय पर 24वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 30.04.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'एक महान देशभक्त के रूप में गुरुचंद ठाकुर' विषय पर आयोजित 25वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 14.05.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'आत्मविश्वासपूर्ण गुरुचंद ठाकुर' विषय पर आयोजित 26वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 21.05.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'बंगाल और परे में मटुआ कविता' विषय पर आयोजित 27वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 22.05.2022. बांग्लादेश ब्रह्म समाज, एस्टडी-1869, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित राजा राममोहन रॉय की 250वीं जयंती कार्यक्रम में 'राजर्षि राममोहन रॉय' पर एक संसाधन व्यक्ति और आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 23.05.2022. बांग्लादेश ब्रह्म समाज, एस्टडी-1869, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित राजा राममोहन रॉय की 250वीं जयंती कार्यक्रम में 'राजा राममोहन रॉय के शैक्षिक दर्शन' पर एक संसाधन व्यक्ति और आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 24.05.2022. पुरातत्व विभाग, जहांगीरनगर विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित राजा राममोहन राय की 250वीं जयंती कार्यक्रम में 'राजा राममोहन राय: एशिया के पहले आधुनिक शिक्षक' में एक संसाधन व्यक्ति और आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण दिया।

- 25.05.2022. बांग्लादेश बिजनान चेतोना मंच, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित राजा राममोहन रॉय की 250वीं जयंती कार्यक्रम में 'आधुनिक विज्ञान शिक्षा और राजा राममोहन रॉय' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति और आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 26.05.2022. एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया और खामखेयाली शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थान, धनमंडी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित 'आधुनिक समाज में शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता और जवाबदेही' में आमंत्रित वक्ता थे।
- 28.05.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'मटुआ धर्मशास्त्र के विकास में गोपाल चंद साधु ठाकुर का योगदान' विषय पर आयोजित 28वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 04.06.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'मटुआ धर्मशास्त्र के प्रचार-प्रसार में अश्विनी गोंसाई की भूमिका' विषय पर 29वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 11.05.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'शिक्षा और मानवतावादी समाज के विकास में श्री श्रीहरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर का योगदान' विषय पर 30वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 18.06.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'बैक-रिटेन्ड सोसाइटी में आर्थिक विकास में श्री श्री हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर का योगदान' विषय पर 31वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 25.06.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'हरि गुरुचंद के सांसारिक और आध्यात्मिक दर्शन' पर आयोजित 32वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 02.07.2022. मटुआ अध्ययन केंद्र, हरिचंद गुरुचंद विश्वविद्यालय, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा 'एकात्म मानवतावादी समाज के निर्माण के लिए श्री श्री हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद की गतिविधियां' विषय पर 33वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 14.08.2022. शिक्षा विभाग, सीताराम महतो मेमोरियल कॉलेज, आनंददीप, कुरुक्तोपा, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "स्वतंत्रता, शिक्षा और रवींद्रनाथ टैगोर" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 10.09.2022. बंगाली विभाग, दम दम माटिझिल कॉलेज और स्वप्नोराग साहित्य-संस्कृति संगठन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'अंतराभिक्षण आधुनिक बांग्ला साहित्य' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- 18.02.2023. 'बहिरविस्व रवीन्द्रनाथ टैगोर' पर एक व्याख्यान दिया 'रवीन्द्रनाथ टैगोर और शेख मुजीबुर रहमान' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्वप्नोराग साहित्य-संस्कृति संगठन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा किया गया था।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरे हुए:

- 21.11.2022-30.11.2022. संस्कृत, पाली और प्राकृत, भाषा भवन, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित 'प्राकृत भाषा पर 10 दिवसीय कार्यशाला' संपन्न।
- 12.12.2022-21.12.2022. संस्कृत, पाली और प्राकृत, भाषा भवन, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित 'संस्कृत भाषा में बोलने पर 10 दिवसीय कार्यशाला' पूरी हुई।

सरिता आनंद

- 03.03.2023-04.03.2023. नेशनल पॉजिटिव साइकोलॉजी एसोसिएशन (एनपीपीए), नई दिल्ली द्वारा सकारात्मक मनोविज्ञान पर आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कार्यस्थल पर कर्मचारियों की खुशी और कल्याण: विश्वभारती, शांतिनिकेतन का एक अध्ययन' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 11.02.2023-12.02.2023. स्कूल ऑफ एजुकेशन, के.आर. के सहयोग से गोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (जीईआरए) द्वारा आयोजित समग्र शिक्षा और विश्व शांति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सकारात्मक शिक्षा के माध्यम से छात्रों के कल्याण को बढ़ाना' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया। मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम हरियाणा।
- 20.08.2022-21.08.2022. पीएच.डी. में आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। कोर्स वर्क (ऑनलाइन मोड) एचआरडीसी, संत गाडगे बाबा, अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा आयोजित
- 08.06.2022. आईक्यूएसी, वसंता कॉलेज फॉर वूमेन, राजघाट, वाराणसी के तत्वावधान में शिक्षा विभाग द्वारा आईसीटी और शिक्षा पर आयोजित एक कार्यशाला में 'शिक्षा में आईसीटी' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 06.05.2022-7.05.2022. चिन्मय विश्व विद्यापीठ, कोच्चि केरल द्वारा कल के समाधान तैयार करने के लिए हाइब्रिड लर्निंग पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हाइब्रिड लर्निंग के माध्यम से शिक्षक शिक्षा में बदलाव: संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरे हुए:

- 25.02.2023-26.02.2023. उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित, संजय गांधी (पी.जी.) कॉलेज, सररूपुर खुर्द मेरठ के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'आईसीटी, संचार और सॉफ्ट स्किल्स' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न हुई।
- 22.12.2022-05.01.2023. रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एडवांस रिसर्च मेथडोलॉजी' पर ऑनलाइन अंतर-अनुशासनात्मक दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी), मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा प्रायोजित। भारत की।
- 21.01.2023-27.01.2023. उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, सैफई, इटावा, यूपी, भारत और साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ द्वारा 'एसपीएसएस का उपयोग करके उन्नत सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण' पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला पूरी हुई।

शर्मिला यादव

- 11.02.2023-12.02.2023. स्कूल ऑफ एजुकेशन, के.आर. के सहयोग से ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (जीईआरए) द्वारा आयोजित "समग्र शिक्षा और विश्व शांति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'थिंकिंग क्लासरूम: 21वीं सदी में शिक्षा का एक आवश्यक मिशन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा (भारत)।
- 24.03.2023-25.03.2023. शिक्षा विभाग, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनितपुर (हरियाणा) द्वारा "शैक्षणिक नवाचार-एनईपी2020" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढ़ावा: शिक्षक की एक महत्वपूर्ण भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 03.03.2023. एल्महर्स्ट इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिटी स्टडीज शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के सहयोग से चाइल्डलाइन बीरभूम द्वारा आयोजित 'सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट' पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'कार्यस्थल में सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट: क्यों और कैसे' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 28.03.2023. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरेली द्वारा आयोजित 'समावेशी शिक्षा और एनईपी, 2020' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन) दिया।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरे हुए:

- 30.11.2022-14.12.2022. पंडित मदन मोहन के नेतृत्व में टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित "शिक्षा" में ऑनलाइन दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया शिक्षक एवं शिक्षण पर मालवीय राष्ट्रीय मिशन योजना, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अध्याय-2

- 18.06.2022-24.06.2022. दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षक एवं शिक्षण योजना पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शैक्षिक नीति" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम पूरा हुआ।
- 13.08.2022-19.08.2022. दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षक एवं शिक्षण योजना पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित "शिक्षा 4.0" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम पूरा हुआ।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना:

विभाग ने ई-इंटरैक्टिव, गूगल फॉर्म के माध्यम से ई-मूल्यांकन और आभासी कार्य शिक्षा अनुभव किया।

अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग प्रमुख की राय में रिपोर्ट करने योग्य है, को शामिल किया जाना चाहिए

चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने की पहल की जायेगी।

प्रकाशन:

प्रोह्लाद रॉय

- रॉय, पी. और मंडल, एस. (2022)। आध्यात्मिक शिक्षा के विकास में ऋषि अरविन्द का योगदान। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-492796।
- रॉय, पी. बिस्वास, एम. (2022)। विज्ञान शिक्षा, जर्मनी में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे का योगदान: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-489796।
- रॉय, पी. और घोष, एस. (2022) प्राचीन बंगाल में बौद्ध शिक्षा प्रणाली: सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-489000।
- रॉय, पी. और दास, एम. (2022)। मातृभाषा के माध्यम से विज्ञान शिक्षा के विकास में सत्येन्द्र नाथ बोस का योगदान। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-4-985893।
- रॉय, पी. और चौधरी, डी. (2022)। डिफरेंशियल और इंटीग्रल कैलकुलस के विशेष संदर्भ में स्कूली शिक्षा में उच्चतर माध्यमिक स्तर का गणित पाठ्यक्रम। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, आईएसबीएन-978-620-4-986654।
- रॉय, पी. और दास सी. (2022)। मतुआ समाज में शिक्षा के क्षेत्र में तारकचंद्र सरकार का योगदान. जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-488553।

- रॉय, पी. और जाना, ए. (2022)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देशभक्तिपूर्ण विचारों और गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के लिए शिक्षा। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-488829।
- रॉय, पी. और किस्कू, एस. (2022)। साधु रामचंद्रमुर्मू का योगदान: राष्ट्र के नवजागरण के लिए शिक्षा और संस्कृति में। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, आईएसबीएन 978-620-5-490969।
- रॉय, पी. और नसरीन, एस. (2022)। ब्रह्मवाद और हिंदू धर्म के विशेष संदर्भ में महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर की धार्मिक शिक्षा और दार्शनिक विचार। जर्मनी: लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन। आईएसबीएन-978-620-5-528174।

पुस्तक अध्याय:

- रॉय, पी. (2023)। राजा राममोहन राय ओ महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुरेर शिक्षा भावना। बसंता. पीपी-12-16, कोलकाता: स्वप्रराग साहित्य-संस्कृति। आईएसबीएन:978-1-312-79142-8.

शर्मिला यादव

- यादव, एस. एवं सिंह, जी. (2022)। चौधरी, वी. और तिवारी, आर.यू. के स्कूलों में विकलांग बच्चों की समावेशी शिक्षा में बाधाएँ। (सं.) समावेशी शिक्षा नीतियाँ, प्रथाएँ और चुनौतियाँ। देहरादून: समय साकसे पब्लिशर्स एंड प्रिंटर, पीपी-38-45। आईएसबीएन:978-9393355-04-1.

शोध आलेख/पत्र

राजर्षि राय

- रॉय, आर और मंडल, आर. (2022)। सीखने की शैली के संबंध में देशी वक्ताओं की हिंदी भाषा उपलब्धि पर मिश्रित शिक्षण रणनीति (बीआईएस) का प्रभाव। शिक्षा और शिक्षाशास्त्र जर्नल. XIV(1). पीपी 1-18. आईएसएसएन: 0975-0797.
- रॉय, आर और मंडल, आर. (2023)। प्रारंभिक स्तर पर हिंदी के गैर-देशी भाषियों के बीच उनकी सीखने की शैलियों के संबंध में तथ्य योजना पर मिश्रित निर्देशात्मक रणनीति (बीआईएस) का प्रभाव। यूनिवर्स जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज़। 10(1). पीपी 1-14. आईएसएसएन: 2348-3067.

श्यामसुंदर बैराग्य

- घोष, एस. और बैराग्य, एस. (2022)। कोविड-19 महामारी के दौरान बोलपुर उपखंड में माध्यमिक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षण और सीखने पर छात्रों और शिक्षकों की धारणा। हिमालयन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड लिटरेचर, 3 (2), 185-190।
- बागची, एम., बागची, एस., और बैराग्य, एस. (2022)। महामारी में रामबाण के रूप में ऑनलाइन शिक्षण: छात्र-शिक्षकों की धारणा। दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग का ऑनलाइन जर्नल, 10 (1), 99-111।

अध्याय-2

- डे, बी., और बैराग्य, एस. (2023)। हरित अर्थव्यवस्था एक स्थायी जीवन शैली का रोड मैप है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 12 (2), 34-39।
- बैराग्य, एस., मैती, एन., और मैती, ए. (2022)। पश्चिम बंगाल के पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में महिलाओं की उच्च शिक्षा तक पहुंच के मुद्दे और चुनौतियाँ। विद्यावार्ता, 9 (4), 07-10।
- घोषाल, एस., और बैराग्य, एस. (2022)। माध्यमिक स्तर पर गणित की शिक्षाशास्त्र के संबंध में गणितीकरण। न्यूरो क्रांटोलॉजी, 20 (9), 3433-3443।

प्रोह्लाद रॉय

- रॉय, पी. (2022)। शिक्षार अन्यान्यो साखर संगे धर्मियो शिक्षार संपर्को, खोई, 48 (48), 207-224, आईएसएसएन-2319-8389।

सरिता आनंद

- आनंद, एस. और चक्रवर्ती, एम. (2022)। उच्च शिक्षा संस्थानों की सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सामुदायिक सहभागिता: एक खोजपूर्ण अध्ययन। शिक्षक रिसर्च जर्नल- एक सहकर्मी द्वारा समीक्षा/संदर्भित जर्नल, 9 (3), 245-251। आईएसएसएन: पी-2455-9515 ई-2394-8450।
- मैती, बी. और आनंद, एस. (2022)। एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, 12 (5), 78-86 में पश्चिम बंगाल में विभिन्न विषय धाराओं में अध्ययन करने वाले युवाओं के बीच इंटरनेट उपयोग का अंतर। आईएसएसएन: 2249-7315. डीओआई: <https://doi.org/10.5958/2249-7315.2022.00268.4>

शर्मिला यादव

- यादव, एस. और नाथ, आर. (2022)। विश्वभारती में सांस्कृतिक कार्यक्रम और अंतर्निहित मूल्य। एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, XVII (2), 74-79।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

क्र.सं.	अर्हता प्राप्त करने की तिथि	छात्र का नाम	परीक्षा	पंजीकरण संख्या/रोल नंबर
1	27.02.2023	Saptarshi Sutradhar	WB SET	24002074
2	24.04.2022	Abdul Sarjen Shaikh	WB SET	24063127
3	27.02.2023	Shubankar Singha	WB SET	24099068
4	27.02.2023	Gopilal Kisku	WB SET	18037329
5	04.01.2022	Mst Sima Khatun	WBSET	17032988
6	04.01.2022	Ommar Ali	WBSET	15028962
7	04.01.2022	Sheuli Ghosh	WBSET	15028963
8	04.01.2022	Sabina Yasmin	WBSET	25065796
9	04.01.2022	Sebabrata Majhi	WBSET	17032990
10	11.05.2022	Sheuli Ghosh	UGC NET	WB02000184

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

गोपाल चंद्र साहा

- 23.09.2022. मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त), मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, भारत के सहयोग से यूजीसी-एचआरडीसी, बीपीएसएमवी खानपुर कलां, सोनीपत द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "योग, ध्यान और जीवन शैली" पर व्याख्यान दिया।
- 28.09.2022. मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त), मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, भारत के सहयोग से यूजीसी-एचआरडीसी, बीपीएसएमवी खानपुर कलां, सोनीपत द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "योग, ध्यान और जीवन शैली" पर व्याख्यान दिया।

महेश सावता खेतमालिस

- 04-17 जनवरी 2023. एचआरडीसी, एलएनआईपीई, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत "नर्वरिंग साइकोमोटर वेलबीइंग" पर एक व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

सेंटु मित्रा

- 24.02.2023. मुगबेरिया गंगाधर महाविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, भारत के बीपीएड और एमपीएड छात्रों के लिए "बास्केटबॉल के मौलिक कौशल और नियम" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

अभिजीत थंडर

- 24.02.2023. मुगबेरिया गंगाधर महाविद्यालय, मिदनापुर के बी.पी.एड और एम.पी.एड छात्रों के लिए "मौलिक कौशल और क्रिकेट के नियम" पर एक विशेष व्याख्यान दिया। पश्चिम बंगाल, भारत

रेखा निंगथौजम

- 05.03.2023. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), गुश्कारा द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान और खेल विज्ञान में अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) और एक वैकल्पिक उपचार प्रोटोकॉल के रूप में योगिक हस्तक्षेप: एक समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। महाविद्यालय 5-6 मार्च 2023 को।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डीएसए या सीएसए आदि के रूप में मान्यता)।

- **सुदर्शन बिस्वास:** 20 नवंबर, 2022 को यूके के कैम्ब्रिज स्कूल ऑफ डिस्टेंस लर्निंग से संबद्ध सेंट मदर थेरेसा यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया से शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में डॉक्टर ऑफ लेटर्स, डी लिट की उपाधि प्राप्त की।
- **डॉ. महेश सवाता खेतमालिस:** 11 जनवरी, 2022 को पुणे, भारत से खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान से व्यायाम और खेल मनोविज्ञान में दूरस्थ डिप्लोमा प्राप्त किया।

प्रकाशनों

पाठ्य पुस्तक :

लिप्सी जॉन एल.

- **कुमार, ए. जॉन एल एल, और नीथू पी एस (2022)।** नाव दौड़ वल्लमकली (केरल का एक स्वदेशी खेल। लुलु प्रकाशन। अंतर्राष्ट्रीय। आईएसबीएन 978-1-387-66088-9।

पुस्तक में अध्याय

गोपाल चंद्र साहा

- **हलदर, एस., साहा, जी.सी., और शॉ, सी. (2023)।** विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति। आइरेनी में, एम.वी. संपादक (सं.), खेल के मैदान पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव। (पीपी. 13-24)। बी.पी. इंटरनेशनल। डीओआई: 10.9734/बीपीआई/आरपीएसटी/वी3

अवशेष सुब्बा:

• **सुब्बा, ए. (2022)**। दार्जिलिंग हिल्स में पश्चिमी खेलों को लोकप्रिय बनाना: शैक्षणिक संस्थानों का संदर्भ। रे में, डी. संपादक और चौधरी, एस. संपादक (सं.), दार्जिलिंग इन सर्च ऑफ पीपुल्स हिस्ट्री। (पीपी. 89-98)। मनोहर प्रकाशक और वितरक। आईएसबीएन- 978-93-94262-01-0

सहकर्मि द्वारा समीक्षित/संदर्भित/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में शोध पत्र:

गोपाल चंद्र साहा

• हलदर, एस. और साहा, जी.सी. (2022)। भारतीय और विदेशी फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शन कारकों का महत्वपूर्ण विश्लेषण। यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट, 10(1): 17-25। डीओआई: 10.13187/ejpe.2022.1.17 <https://ejpes.cherkasgu.press>

सुदर्शन विश्वास

• चटर्जी, के., घोष, के., और बिस्वास, एस. (2023)। एंथ्रोपोमेट्रिक वेरिबल्स और विजुअल रिएक्शन: वॉलीबॉल खिलाड़ियों पर एक संबंध अध्ययन। शारीरिक शिक्षक, 80(2), 185-190।

कल्लोल चटर्जी

• **चटर्जी, के., और दास, एम. (2022)**। पुरुष खो-खो खिलाड़ियों की अवायवीय क्षमता पर विभिन्न तीव्रता के प्रशिक्षण की 50 मीटर ड्रिल का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 10(04), 597-605.OI:10.21474/IJAR01/14589।

• **चटर्जी, के., जाना, एम और नायेक, बी. (2022)**। टाइप-2 मधुमेह रोगियों में एरोबिक व्यायाम: मध्यम आयु के रोगियों पर एक प्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट साइंस, 12(2), 632-641.www.ijcspub.org।

• **घोष, एस., चटर्जी, के., और घोष, के. (2022)**। तीन अलग-अलग ट्रैक और फील्ड इवेंट एथलीटों के बीच मानसिक कल्पना पर तुलनात्मक अध्ययन। जे एड स्पोर्ट फिजिक्स एडु, 5(6), 119-122.DOI: 10.36348/jaspe.2022.v05i06.002।

• **घोष, डी., और चटर्जी, के. (2022)**। पैरालंपिक खेलों में भारत की प्रगति पर एक समीक्षा अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 8(6), 272-275.डीओआई: <https://doi.org/10.22271/allresearch.2022.v8.i6d.9877>।

• **चटर्जी, के., घोष, के., और बिस्वास, एस. (2023)**। एंथ्रोपोमेट्रिक वेरिबल्स और विजुअल रिएक्शन: वॉलीबॉल खिलाड़ियों पर एक संबंध अध्ययन। शारीरिक शिक्षक, 80(2), 185-190।

अध्याय-2

• **चटर्जी, के., घोष, के., और बिस्वास, एस. (2023)**। इंडियन सुपर लीग के तीन सत्र: प्रदर्शन पर एक व्यवस्थित समीक्षा। जे एड स्पोर्ट फिजिक्स एंड, 6(1), 1-7. डीओआई: 10.36348/जस्पे.2023.v06i01.001।

• **चटर्जी, के. (2023)**। उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण बनाम मध्यम तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण पर एक व्यवस्थित समीक्षा: एरोबिक और एनारोबिक क्षमता पर कौन सा सबसे प्रभावी होगा? खेल, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 5(1), 84-90। डीओआई: <https://doi.org/10.33545/26647559.2023.v5.i1b.57>

सेंटु मित्र

• **खान, एम., और मित्रा, एस. (2022)**। कार्यकारी कार्य पर नवीन तेज गेंदबाजी प्रोटोकॉल का प्रभाव। फिजियोलॉजी, पोषण और शारीरिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7(2), 339-342। <https://doi.org/10.22271/journalofsport.2022.v7.i2f.2640>

• **महारा, ए., और मित्रा, एस. (2022)**। गतिहीन महिलाओं के लचीलेपन पर आसन का प्रभाव। शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 9(4): 72-74. : <https://doi.org/10.22271/kheljournal.2022.v9.i4b.2567>

• **मित्रा, एस. (2022)**। ध्यान आभाव सक्रियता विकार में शारीरिक व्यायाम की भूमिका। फिजियोलॉजी, पोषण और शारीरिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल; 7(2): 70-72. <https://doi.org/10.22271/journalofsport.2022.v7.i2b.2555>

• **खान, एम., और मित्रा, एस. (मार्च 2023)**। संज्ञानात्मक कार्य की सूचना प्रसंस्करण पर क्रिकेट में बॉलिंग मंत्रों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 12(3), 1-2

सुब्बा को धो डाला

• **सुब्बा, ए., और चौधरी, ए. (2022)**। भारत के त्रिपुरा के कबड्डी खिलाड़ियों की खेल चोटों पर एक केस अध्ययन। योग, फिजियोथेरेपी और शारीरिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (4): 88-90।

• **सुब्बा, ए., और राय, एस. (2022)**। उत्तर बंगाल, भारत के विभिन्न जातीय समूहों से संबंधित फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेल-पोषण ज्ञान के बारे में जागरूकता के स्तर की खोज। रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 7 (3): 41-46। doi- 10.31305/rrijm.2022.v07.i03.008

अशोक मुखर्जी

• **मुखर्जी, ए. और खातून, एम. (2022)**। मुस्लिम समुदाय में शारीरिक गतिविधि के प्रति दृष्टिकोण पर एक अध्ययन। एशियन एक्सरसाइज एंड स्पोर्ट साइंस जर्नल, 6 (1): 2588-4832।

- बिस्वास, बी. और मुखर्जी, (2022)। बास्केटबॉल खेलने की क्षमता पर न्यूरोमस्क्युलर प्रशिक्षण का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च ट्रेड्स एंड इनोवेशन, 7 (10): 25-33।
- घोष, एस. और मुखर्जी, (2022)। मोटे बच्चों की मुख्य मांसपेशियों और बीएमआई पर पिलेट्स प्रशिक्षण का प्रभाव। एक पायलट अध्ययन. खेल और शारीरिक शिक्षा में प्रगति जर्नल, 25-33। 10.36348/जस्पे.2022.v05i05.004
- शॉ, सी. और मुखर्जी, (2022)। तायक्वोंडो खिलाड़ियों के जीवन की गुणवत्ता: whoqol-bref का उपयोग करके एक आकलन। खेल और शारीरिक शिक्षा में प्रगति जर्नल, 2011-2018। 10.36348/jaspe.2022.v05i10.001

लिप्सी जॉन एल

- कुमार, ए. और जॉन एल. एल. (2022) किशोर लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी शारीरिक फिटनेस पर शारीरिक गतिविधि कार्यक्रम का प्रभाव। अनुसंधान की समीक्षा: 2249-894एक्स।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

पीएच.डी. इस अवधि के दौरान डिग्री पुरस्कार:

क्र.	पीएच.डी. विद्वान का नाम	पर्यवेक्षक	पुरस्कार की तिथि
1	असित माहारा	ड. सेन्टु मित्रा	31.01.2023
2	सुमित कु. मुर्मु	ड. कल्लोल चटर्जी	20.04.2022
3	मिमु शेख	ड. अभिजित् थण्डार	11.04.2022
4	चंदन मान्ना	ड. अभिजित् थण्डार	15.07.2022
5	फ़िरदौस तावास्सम्	ड. अभिजित् थण्डार	16.08.2022

भावी विकास योजनाओं के संकेत के साथ भवन/सदन/विभाग/के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में विनय भवन (शिक्षा संस्थान) के एक घटक विभाग के रूप में की गई थी ताकि शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले शिक्षक तैयार किए जा सकें और विश्वविद्यालय के छात्रों को खेल के प्रति अधिकतम अनुभव प्रदान किया जा सके। बी.पी.ई. (शारीरिक शिक्षा में तीन वर्षीय स्नातक ऑनर्स कार्यक्रम), एमपीई (शारीरिक शिक्षा के दो वर्षीय मास्टर) और शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी. क्रमशः 1998, 2001 और 2000 में विभाग में शुरू किए गए थे। बी.पी.ई. (ऑनर्स) कार्यक्रम की बाद में समीक्षा की गई और इसे शारीरिक शिक्षा में बीए/बीएससी (एच) के नामकरण के साथ पुनः शुरू किया गया। 2004 पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शारीरिक शिक्षा में सहायक शिक्षक की नियुक्ति के लिए पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग की आवश्यकता का अनुपालन करने के लिए। इसके बाद बी.पी.एड. (शारीरिक शिक्षा में दो वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम) एन.सी.टी.ई. की उचित मान्यता के साथ। 2007 में पेश किया गया था। तत्कालीन मौजूदा एम.पी.ई. कार्यक्रम की भी

अध्याय-2

समीक्षा की गई और इसे एम.पी.एड. के नामकरण के साथ विभाग में पुनः शुरू किया गया एनसीटीई की उचित मान्यता के साथ। एनसीटीई ने पिछले एम.पी.ई. को पूर्वव्यापी मान्यता भी प्रदान की। विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम, वर्तमान में विभाग शारीरिक शिक्षा में बी.एससी.(माननीय), बीपीएड (दो वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम), एम.पी.एड. प्रदान करता है। (दो वर्षीय स्नातकोत्तर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम) और शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम। 2017 में, विभाग का नामकरण 'शारीरिक शिक्षा विभाग' का नाम बदलकर 'शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग' कर दिया गया। विभाग का भविष्य का मिशन भारतीय खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन में सुधार लाने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए अपने स्वयं के अनुसंधान और जांच के माध्यम से खेल विज्ञान विषयों के ज्ञान बैंक में सुधार करने की दृष्टि से विभिन्न खेल विज्ञान विषयों में स्नातक तैयार करना है और भारतीय नागरिकों की भलाई। विभाग ने पहले से ही एक अच्छी गुणवत्ता वाली मानव प्रदर्शन प्रयोगशाला विकसित की है और परिष्कृत अनुसंधान उपकरण खरीदकर प्रयोगशालाओं को और उन्नत करना चाहता है। शोध का फोकस स्वास्थ्य और फिटनेस में सुधार, खेलों में मानव प्रदर्शन में सुधार और दैनिक जीवन की गतिविधियों का पता लगाना और पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने के साधनों और तरीकों का पता लगाना होगा। विभाग के खेल बुनियादी ढांचे को एक आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल परिसर में उन्नत किया जाएगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए, विभाग हितधारकों द्वारा संसाधनों के अधिकतम उपयोग के विचार के साथ विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के सहयोग से काम करेगा। विभाग सहयोगात्मक अनुसंधान, संस्कृति के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए खेल प्रशिक्षण और प्रदर्शन के लिए बेहतर अनुभव सुनिश्चित करने के लिए देश के अंदर और बाहर अन्य खेल विश्वविद्यालयों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का इरादा रखता है। विभाग सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहता है। भारत को शारीरिक शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में।

योग कला एवं विज्ञान विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

क्र.सं.	अर्हता प्राप्त करने की तिथि	छात्र का नाम	परीक्षा	पंजीकरण संख्या/रोल नंबर
1	13.04.2023	अंतरीप कुंडु	नेट	WB16100008

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

- विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "शुरुआती लोगों के लिए ध्यान" पर कार्यशाला।
- "सूर्य नमस्कार: अभ्यास और इसके लाभ" पर एक दिवसीय कार्यशाला।
- "योग और कल्याण" पर 5 दिवसीय कार्यशाला [इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस) के सहयोग से]।
- विश्वभारती के छात्रों द्वारा "ध्यान और महर्षि देबेन्द्रनाथ टैगोर" योग प्रदर्शन पर बातचीत।
- "वृद्ध वयस्कों के लिए योगाभ्यास और उनके मनो-शारीरिक लाभ"।
- विश्वभारती के आसपास के स्कूलों में योग जागरूकता कार्यक्रम।
- विश्वभारती के गोद लिए गए गांवों में योग जागरूकता कार्यक्रम।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

परिचिति सहा

- 28.09.2022. मिदनापुर (स्वायत्त), मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के सहयोग से यूजीसी-एचआरडीसी, बीपीएमएसवी खानपुर कलां, सोनीपत द्वारा आयोजित "प्राणायाम" विषय पर "योग, ध्यान और जीवन शैली" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- 15.05.2022. महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर का 205वां जन्मदिन और योग कला एवं विज्ञान विभाग का 6वां स्थापना दिवस मनाया गया।

अध्याय-2

- 20.06.2022. विश्वभारती के एनएसएस और एनसीसी कैडेटों के लिए योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 21.06.2022. आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार सामान्य योग प्रोटोकॉल के सामूहिक अभ्यास के माध्यम से 21 जून 2022 को 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

प्रकाशन

रूपेश कुमार:

- कुमार, आर., और कुमारी, एस. लघु शंख प्रक्षालन/शंखा प्रक्षालन पर समीक्षा: आंत्र को लक्षित करके उच्च रक्तचाप, मोटापा, कब्ज, पीठ दर्द और चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी योग तकनीक। विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 12(1).
- कुमारी, एस., दहिया, एन., रेन, एम., कुमार, आर., सिंह, जी. कोरोनरी धमनी रोग के प्रबंधन में योग अभ्यास की भूमिका। इंटीग्रेटिव मेडिसिन केस रिपोर्ट। 3(2), 69-75.

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

- शिक्षण उद्देश्यों के लिए Google क्लासरूम और Moodle जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग।
- छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों द्वारा पीपीटी प्रस्तुतियाँ।
- छात्रों को शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मॉडल तैयार करना।
- विद्यार्थियों को असाइनमेंट प्रदान करना।
- कक्षा के भीतर प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद में छात्रों की भागीदारी।
- एम.एससी. के लिए यूजीसी-नेट कक्षाएं। योग विद्यार्थियों को संगठित किया गया है।

विकास की भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन/सदन/विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर ने सभी धर्मों के लिए ध्यान केंद्र के रूप में शांतिनिकेतन आश्रम की स्थापना की। उनके प्रबुद्ध पुत्र गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने एक ब्रह्मचर्य विद्यालय शुरू किया, जो एक पारंपरिक प्राचीन भारतीय तपोवन शैली का स्कूल था, जहाँ योगव्यायाम दैनिक दिनचर्या में अनिवार्य था। धीरे-धीरे, यह एक कॉलेज के रूप में विकसित हुआ और अंततः एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, विश्व-भारती के रूप में पहचाना गया। प्रारंभ से ही, टैगोर में योग, व्यायाम (व्यायाम) और क्रीड़ा (खेलना) अनिवार्य थे।

शैक्षणिक विचारधारा. 1951 में, विश्वभारती राष्ट्रीय महत्व का एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बन गया। नब्बे के दशक के अंत में, भारत सरकार ने विश्व-भारती को योग और मानव चेतना विभाग शुरू करने की सलाह दी। किसी कारणवश उस समय यह कार्यान्वित नहीं हो सका। फिर, 19 मई, 2016 को एमएचआरडी और यूजीसी ने विश्वभारती को योग कला और विज्ञान विभाग स्थापित करने की सिफारिश की, जिसे 30.05.2016 को विश्वभारती अकादमिक परिषद में स्वीकार कर लिया गया। अंततः यौगिक कला एवं विज्ञान विभाग को 15 मई, 2017 को शांतिनिकेतन आश्रम के संस्थापक महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर की 200वीं जयंती के शुभ अवसर पर सम्मानित किया गया।

वर्तमान में योगिक कला एवं विज्ञान विभाग द्वारा बी.एससी. की पेशकश की जाती है। (ऑनर्स) योग में, एम.एससी. योग में और योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

विकास के लिए भविष्य की योजनाएँ

- विभाग पीएच.डी. की पेशकश करेगा। योग में कार्यक्रम, पी.जी. योग थेरेपी में डिप्लोमा (केवल डॉक्टरों के लिए) और योग में सर्टिफिकेट कोर्स।
- विभाग योग और संबंधित क्षेत्रों पर एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र शुरू करेगा।
- योग ग्राम (योग ग्राम) परियोजना प्रगति पर है।
- सभी के लिए योग एवं ध्यान केंद्र।
- भारतीय प्राचीन एवं पारंपरिक योग पुस्तकालय।
- अंतर्राष्ट्रीय मानक वैज्ञानिक योग प्रयोगशालाएँ
- दीनबंधु एंड्रयूज मेमोरियल अस्पताल में आयुष चिकित्सा केंद्र।
- यौगिक कला संग्रहालय
- वृद्धावस्था योग केंद्र.
- दिव्यांगजन योग पुनर्वास केंद्र।
- योग एवं बाल देखभाल केंद्र।
- योग एवं महिला देखभाल केंद्र।
- योग एवं नशा मुक्ति केंद्र।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

योग कला एवं विज्ञान विभाग पारंपरिक प्राचीन भारतीय संस्कृति वाला एक मुक्त विद्यालय है। "योग ग्राम" पूरे जोरों पर है। आसन, प्राणायाम, क्रिया, मुद्रा और ध्यान के कॉटेज चरण दर चरण खुलेंगे। आयुर्वेद, दीनबंधु एंड्रयूज मेमोरियल अस्पताल, विश्वभारती में यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के इंटरनशिप कार्यक्रम के तहत योग और प्राकृतिक

अध्याय-2

चिकित्सा उपचार की पेशकश पहले ही की जा चुकी है। व्यावहारिक कक्षाओं और इच्छुक आगंतुकों के लिए भूटश्य उद्यान के साथ विलुप्त और लुप्तप्राय भारतीय औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने के लिए विभाग के पास आयुर्वेदिक उद्यान विकसित होगा।

रूपेश कुमार

- युवा मामले और खेल मंत्रालय, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, बीरभूम के सचिव का चयन किया गया। भारत का राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ, भारत सरकार।
- राज्य निकाय के सदस्य, ऑल बंगाल योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन से संबद्ध, युवा मामले और खेल मंत्रालय, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त। भारत की।

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

नोबेल पुरस्कार विजेता कवि और महान दार्शनिक रवीन्द्रनाथ टैगोर को भारत में ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रमों के प्रणेता के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने बहुत पहले 1922 में श्रीनिकेतन के आसपास के गांवों के लिए ग्रामीण पुनर्निर्माण पर 'श्रीनिकेतन प्रयोग' शुरू किया था। श्रीनिकेतन प्रयोग मॉडल आत्मनिर्भरता और आपसी सहयोग के दर्शन और भावना और आदर्श ग्राम जीवन और अपनी संस्कृति की परंपरा के पुनर्निर्माण पर आधारित था। श्रीनिकेतन का उद्देश्य है "गांवों में जीवन को उसकी संपूर्णता में वापस लाना, उन्हें आत्मनिर्भर और स्वयं के प्रति सम्मानजनक बनाना, अपने देश की सांस्कृतिक परंपरा से परिचित कराना और आधुनिक संसाधनों का कुशल उपयोग करने में सक्षम बनाना।" शारीरिक, बौद्धिक और आर्थिक स्थिति में सुधार।" टैगोर घनिष्ठता से जुड़े रहना चाहते थे और अपने परिवेश में बदलाव लाने वाले एजेंट बनना चाहते थे। इस प्रकार उन्होंने ग्रामीण जीवन की समृद्धि के सभी पहलुओं जैसे कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और हस्तशिल्प आदि में सुधार को शामिल करते हुए एक समग्र सुधार करने का प्रयास किया था। मूल उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और अपनी विरासत का सम्मान करना था। श्रीनिकेतन में पहले के विस्तार कार्य के इस समृद्ध ऐतिहासिक उद्देश्य और पारंपरिक आधार ने संस्थान को ग्रामीण पुनर्निर्माण और विस्तार कार्यक्रमों के लिए आवश्यकता आधारित दृष्टिकोण तैयार करने की सुविधा प्रदान की है जो श्रीनिकेतन के पड़ोसी गांवों के उभरते सामाजिक-आर्थिक पैटर्न के अनुरूप है।

अब, ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान यानी पल्ली संगठन विभाग (पीएसवी) सक्रिय रूप से आसपास के गांवों की स्थिति में सुधार करने में लगा हुआ है और इसके चार शैक्षणिक विभाग भी हैं जो अनुसंधान सुविधाओं के साथ बहुत संरचित तरीके से शिक्षा प्रदान करते हैं। चार विभागों में सामाजिक कार्य विभाग, सिल्पा-सदाना विभाग, ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र) और जीवन भर सीखने और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) शामिल हैं। ग्रामीण पुनर्निर्माण के समान लक्ष्य के साथ प्रत्येक विभाग के अपने उद्देश्य और कार्य हैं। पल्ली समन्वय विभाग (पीएसवी) के तहत चार विभागों के अस्तित्व के अलावा, इसमें एक संगीत इकाई है जो मुख्य रूप से विश्व-भारती द्वारा गोद लिए गए आसपास के गांवों के लड़कों और लड़कियों को संगीत सिखाने की दिशा में काम कर रही है। इकाई का लक्ष्य गांवों में संगीत और लोक गीतों के माध्यम से रवीन्द्र-संस्कृति का प्रसार करना है। भवन के परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय, शांतिनिकेतन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक पुस्तकालय भी है। पुस्तकालय में संबंधित विभागों के संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों की पुस्तकों के अलावा महत्वपूर्ण पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, दैनिक समाचार पत्रों आदि तक पहुंचने की पर्याप्त सुविधाएं हैं। अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात, श्रीनिकेतन एक ऐसा स्थान है जो टैगोर काल से ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान में उत्कृष्ट रहा है। यह समारोहों और उत्सवों के आयोजन के माध्यम से होता है और पीएसवी इस संदर्भ में सक्रिय रूप से भाग लेता है। आम त्योहारों में हलकार्सन

अध्याय-2

उत्सव, सिलपोत्सव, श्रीनिकेतन वार्षिक महोत्सव और माघ मेला शामिल हैं। त्यौहार विश्वविद्यालय बिरादरी के साथ स्थानीय समुदायों के बीच बातचीत के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

आजीवन सीखने का विभाग एवं विस्तार

(ग्रामीण विस्तार केन्द्र)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता/संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

- 24.03.2023-25.03.2023. विश्वभारती के आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग द्वारा क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

अमित कुमार हाजरा

- 26.04.2022. एक चर्चा और स्लाइड प्रेजेंटेशन 2020 प्रोजेक्ट में "साझेदारी 2020: परियोजना संक्षिप्त, , भारत में महिला परिवार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना" पर पेपर प्रस्तुत किया गया: पश्चिम बंगाल, भारत में ग्रामीण महिलाओं के बीच परिवार-आधारित उद्यमिता विकास, क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए।
- 22.09.2022-24.09.2022. सस्केचेवान विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वभारती, शांतिनिकेतन के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित स्पार्क-एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन बनाम बायोगैस: एक तुलनात्मक इनडोर वायु गुणवत्ता मूल्यांकन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 19.10.2022-20.10.2022. इंस्टीट्यूट ऑफ इकोटॉक्सीकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज (आई ई एंड ई एस), भारत और बांग्लादेश पर्यावरण एवं विकास सोसायटी (बी ई डी एस), बांग्लादेश, खुलना विश्वविद्यालय, खुलना, बांग्लादेश के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऊर्जा गरीबी और इनडोर वायु प्रदूषण के बीच संबंध: उत्तर-पूर्व भारत में एक आंतरिक गांव का एक माइक्रोलेवल अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 19.10.2022-20.10.2022. इंस्टीट्यूट ऑफ इकोटॉक्सीकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज (आई ई एंड ई एस), भारत और बांग्लादेश पर्यावरण एवं विकास सोसायटी (बी ई डी एस), बांग्लादेश, खुलना विश्वविद्यालय, खुलना, बांग्लादेश के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए जलकुंभी का उपयोग: ग्रामीण समुदायों के लिए एक रणनीतिक अपशिष्ट प्रबंधन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 19.10.2022-20.10.2022. इंस्टीट्यूट ऑफ इकोटॉक्सीकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज (आई ई एंड ई एस), भारत और बांग्लादेश पर्यावरण एवं विकास सोसायटी (बी ई डी एस), बांग्लादेश, खुलना विश्वविद्यालय, खुलना, बांग्लादेश के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पशुधन अपशिष्ट का बायोगैस

अध्याय-2

ऊर्जा में परिवर्तन: ग्रामीण भारत में हरित पाक कला ऊर्जा उपयोग पर एक जाति-आधारित प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 11.11.2023-13.11.2022. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में "सतत विकास के लिए ग्रामीण परिवर्तन" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय 7वें आदर्श ग्राम सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- 16.11.2022. माइक्रोग्रिड्स (सीओपी27) के लिए यूट्यूब लाइव सत्र के पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- 09.01.2023-10.01.2023. विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा में पश्चिम बंगाल सरकार, बांकुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 5वीं क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, 2022-23 में "वर्षा जल संचयन: ग्रामीण जल संकट को हल करने के लिए एक स्थायी मॉडल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली में 46 वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में "हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा गरीबी के बीच संबंध: ग्रामीण भारत पर एक स्थिति समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.01.2023-31.01.2023. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत में 46 वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में "मवेशी अपशिष्ट से बायोगैस ऊर्जा संक्रमण: ग्रामीण बंगाल में बायोगैस अपनाने पर जाति के प्रभाव का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 02.02.2023-03.02.2023. पादप रोगविज्ञान विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड-19 के बाद की चुनौतियों से निपटने के लिए संथालों को सशक्त बनाने की दिशा में कृषि-उद्योग अंतर-संबंध का प्रभाव: एक संक्षिप्त दृश्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन सीखने और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी), विश्वभारती द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में ग्रामीण बुजुर्गों की आय सुरक्षा के लिए उद्यमिता मॉडल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी) विश्वभारती द्वारा आयोजित उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु-उत्तरदायी और सतत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी) विश्वभारती द्वारा आयोजित उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिल्पकारों पर शिक्षा का प्रभाव" और "पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बल्लावपुर गांव में ग्रामीण कारीगरों पर सरकार प्रायोजित कार्यक्रमों का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी) विश्वभारती द्वारा आयोजित उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु-उत्तरदायी और सतत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी) विश्वभारती द्वारा आयोजित उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिल्पकारों पर शिक्षा का प्रभाव" और "पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बल्लावपुर गांव में ग्रामीण कारीगरों पर सरकार प्रायोजित कार्यक्रमों का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी), पल्ली-संगठन विभाग (पीएसवी) विश्वभारती और क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से आयोजित उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड-19 के बाद की चुनौतियों से निपटने के लिए परिवार-आधारित उद्यमिता विकसित करने के अवसर: एक संक्षिप्त दृश्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुजीत कुमार पॉल

- 14.02.2023-15.02.2023. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण में "डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय राजनीति में महिलाएं और निर्णय लेने" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.02.2023-15.02.2023. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण में "डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "आदिवासी समुदायों के बीच मातृत्व प्रथाओं के तथ्य" पर पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 11.07.2022-12.07.2022. दिल्ली विश्वविद्यालय के वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग द्वारा "भारत में उच्च शिक्षा में वयस्क और आजीवन सीखने में रोजगार की संभावनाएँ और गुंजाइश: चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 29.07.2022-30.07.2022. टीचिंग लर्निंग सेंटर, बिट्स-पिलानी, के.के. बिड़ला गोवा कैंपस के सहयोग से मानव और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "कक्षा के बाहर शिक्षा" सेमिनार में "ऑनलाइन शिक्षा: ग्रामीण भारत में वास्तविकता या भ्रम" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 26.08.2022-27.08.2022. यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201308, भारत में उपलब्धियाँ @75 विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "भारत में ऑफ-मोड स्कूलिंग: संरचनात्मक बाधाएँ और एनईपी 2020" पेपर प्रस्तुत किया (हाइब्रिड मोड में)।
- 01.12.2022. कन्याश्री विश्वविद्यालय, कृष्णानगर, नादिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 04.01.2023-06.01.2023. दिल्ली विश्वविद्यालय के वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग (डीएसीईई) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "ग्रामीण बंगाल में मुस्लिम महिलाओं के बीच उच्च शिक्षा की बाधाएँ: एक अवलोकन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 21.02.2023-27.02.2023. आईबीजेसीएल द्वारा जनजातीय जीवन शैली (तिब्बती-बर्मन और ऑस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ-संस्कृति-मानव विज्ञान-भाषाविज्ञान) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी वेबिनार में पश्चिम बंगाल पर "आदिवासी संस्कृति और प्रमुख जाति-संथालों के बीच आत्मसातीकरण पर एक अध्ययन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 21.02.2023-27.02.2023. आईबीजेसीएल द्वारा जनजातीय जीवन शैली (तिब्बती-बर्मन और ऑस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ-संस्कृति-मानव विज्ञान-भाषाविज्ञान) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी वेबिनार में पश्चिम बंगाल पर "भारत में पोस्ट-कोविड युग में प्रौद्योगिकी का बढ़ता उपयोग" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 21.02.2023-27.02.2023. आईबीजेसीएल द्वारा जनजातीय जीवन शैली (तिब्बती-बर्मन और ऑस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ-संस्कृति-मानव विज्ञान-भाषाविज्ञान) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी वेबिनार में पश्चिम बंगाल पर "पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में संताल किशोरों के बीच विवाह की कम उम्र और इसके परिणाम" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

- 21.02.2023-27.02.2023. आईबीजेसीएल द्वारा जनजातीय जीवन शैली (तिब्बती-बर्मन और ऑस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ-संस्कृति-मानव विज्ञान-भाषाविज्ञान) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी वेबिनार में पश्चिम बंगाल पर "संताल संस्कृति के हालिया रुझान: शराबबंदी पर एक अध्ययन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 20.02.2023. ग्रामीण संस्थान - मानित विश्वविद्यालय के आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग द्वारा महिला अध्ययन केंद्र, जीआरआई, गांधीग्राम और भारतीय वयस्क शिक्षा संघ (आईईई), नई दिल्ली के सहयोग से विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित एक वेबिनार में "ग्रामीण पुनर्निर्माण और समावेशी विकास पर टैगोर के दर्शन" पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थानीय के लिए मुखर: सतत विकास की ओर एक कदम" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बोलपुर-श्रीनिकेतन ब्लॉक, बीरभूम जिले में उद्यमिता विकास के माध्यम से ग्रामीण आजीविका संवर्धन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आदिवासी उद्यमिता विकास के अवसर और समस्याएं" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत में उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थानीय लोगों के लिए मौन - ग्रामीण बंगाल में स्थानीय आर्कटिकवासियों के अभाव पर एक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

शुभांशु सांतरा

- 24.03.2023-25.03.2023. क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वभारती के आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ" में "नाइजीरिया में उद्यमिता अवसर के माध्यम से आजीविका और स्थिरता" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक एजेंसियाँ	राशि स्वीकृत

अध्याय-2

24x7 बिजली सुनिश्चित करने के लिए असम के एक सुदूर गांव में सौर-हाइड्रो पंप भंडारण योजना का विकास, अनुसंधान और पायलट स्केल स्थापना	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार	रु. 2,60,06,500/-
बी ई एफ डब्ल्यू ए एम	जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विज्ञान अनुसंधान परिषद (बीबीएसआरसी), यूके	रु. 5,92,48,248.66/-
यूएसए-इंडिया पार्टनरशिप 2020: पश्चिम बंगाल में महिला परिवार-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना	क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, साउथ कैरोलिना, यूएसए के माध्यम से यूएसए संघीय सरकार	यूएसडी 29,027/-
स्वीकृति आदेश संख्या TMD(EWO)/ITISE-2020/08 दिनांक 24.09.2021 के तहत एकीकृत वर्षा जल संचयन और सौर पीवी जल पंपिंग प्रणाली पर आधारित सामुदायिक जल आपूर्ति योजना	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार	रु. 1,39,22,880/-

डॉ. शुभांशु सांतरा	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम- 2013 के कार्यान्वयन का समवर्ती मूल्यांकन	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) विश्वभारती के सबसे पुराने विभागों में से एक है। महान पुरस्कार विजेता और विश्वविद्यालय के संस्थापक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा शुरू किए गए श्रीनिकेतन प्रयोग (1922) के बाद से विभाग आसपास के ग्रामीणों की स्थिति में सुधार के लिए विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। समाज की बढ़ती माँगों को ध्यान में रखते हुए, आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग (आरईसी) ने भी अपना कार्य क्षेत्र फैलाया। विभाग श्रीनिकेतन के आसपास के 65 गांवों में विस्तार और क्षेत्रीय आउटरीच सेवाएं प्रदान करता है।

विभाग के विस्तार कार्यक्रमों का परिचालन क्षेत्र:

कवर किए गए ब्लॉक: 02 1) बोलपुर-श्रीनिकेतन 2) इलमबाजार

ग्राम पंचायतें: 08

पंचायतों के नाम: बोलपुर- श्रीनिकेतन ब्लॉक के अंतर्गत: 1) रायपुर-सुपुर 2) कोंकली 3) सत्तोर 4) कोस्बा 5) साइन-मुलुक 6) रूपपुर 7) अलबांधा-सोरपलेहना

इलमबाजार ब्लॉक के अंतर्गत: 8) इलमबाजार।

कवर किए गए कुल गांव: वर्तमान में विभाग द्वारा कुल 65 गांवों को कवर किया गया है, और धीरे-धीरे अधिक गांवों को शामिल करने की पहल की गई है।

अध्याय-2

आरईसी की विविध और बहुआयामी गतिविधियों में से, निम्नलिखित सबसे महत्वपूर्ण हैं: -

1) ग्राम विकास समितियाँ (वीडीएस)।

गांवों में ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्य गांवों में स्थित ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) के माध्यम से किए और कार्यान्वित किए गए थे, जो विभाग के साथ निकटता से और सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। ग्राम विकास समितियाँ विभाग की विभिन्न विस्तार गतिविधियों को लागू करने और तैयार करने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं।

ग्राम विकास समितियाँ आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी) की सेवाओं का केंद्र बिंदु हैं। इसके अलावा, सभी कमांड क्षेत्र के गांवों को पांच समूहों के तहत समूहीकृत किया गया था। पांच समूहों के नाम रथींद्र, कबिगुरु, प्रतिमादेवी, एल्महर्स्ट और कालीमोहन हैं। इन सभी समूहों ने अपने-अपने गांवों में विकासात्मक गतिविधियों के लिए नियमित रूप से अपनी बैठकें आयोजित की हैं।

एक दृष्टि में ग्राम विकास समितियाँ

पंजीकरण अधिनियम के तहत शामिल सोसायटी

ग्राम विकास समितियों के प्रकार (वर्तमान में कार्यरत)	संख्या	कवर किए गए गांवों की संख्या	पंजीकरण अधिनियम के तहत सोसायटी
युवा समाज	58	65	58
महिला समितियाँ	12	12	10
स्वास्थ्य सोसायटी	1	1	1

इस वर्ष के दौरान, स्थानीय लोगों, संसाधनों और संस्थानों को शामिल करके अपने संबंधित गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण, खेल और अन्य विस्तार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वीडिएस को आंशिक वित्तीय सहायता दी गई थी। विभाग ने विस्तार कार्यक्रमों के लिए विभाग के परिचालन क्षेत्र में अधिक ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) को शामिल करने और संगठित करने की भी पहल की है।

इस वर्ष ग्राम विकास समितियों के सचिवों के साथ दो सचिव बैठकें आयोजित की गईं। इस वर्ष (2022-2023) के दौरान, विभाग ने गोद लिए गए गांवों में राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया। ग्राम विकास समितियों ने 15 अगस्त 2022 को भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आजादी की अमृत महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्राम विकास समितियों ने अपने गांवों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने, रैलियां और सांस्कृतिक और चर्चा कार्यक्रम जैसे विभिन्न

कार्यक्रम आयोजित किए। 20.12.2022 को सुरुलआनंदमयी समिति में वीडोएस के सचिवों और महिला समितियों के सचिवों के लिए एक क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था।

II) महिला समितियाँ (महिला मंच)

महिला सशक्तिकरण अपने शुरुआती दिनों से ही विभाग के हस्तक्षेप क्षेत्रों में से एक रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए गांवों में महिला समितियों के गठन की आवश्यकता विभाग की स्थापना के समय से ही महसूस की जाने लगी थी। महिलाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दों को संबोधित करना महिला समितियों का मुख्य कार्य है। वर्तमान में, विभाग के परिचालन क्षेत्र में 12 महिला समितियाँ हैं, और विभाग के तहत सुरुलस्वास्थ्य समिति द्वारा 100 महिलाओं को मिलाकर एक और महिला समिति बनाने की पहल की गई है। महिला सशक्तिकरण के संबंध में महिला समितियों के सक्रिय सहयोग से विभिन्न प्रकार के जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये हैं।

एक दृष्टि में महिला समितियाँ

महिला समितियों की संख्या	शामिल गांवों की संख्या	पंजीकृत समितियों की संख्या
12	12	10

III) ब्रती संगठन:

9 से 14 वर्ष की आयु के ग्रामीण लड़कों और लड़कियों को समूहों में संगठित किया जाता है और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के विचारों के आधार पर उनके प्रयासों से उनके संबंधित गांवों में कल्याण और विभिन्न नवीन गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- ब्रैटिऑर्गनाइजेशन के माध्यम से बच्चों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना।
- ब्रैटिऑर्गनाइजेशन के माध्यम से गांवों में समूहों में शारीरिक व्यायाम कराना और बच्चों को स्वस्थ दिमाग के साथ स्वस्थ शरीर बनाना।
- प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरण शिक्षा के प्रति बच्चों एवं समाज में जागरूकता विकसित करना।
- समूह गतिशीलता के माध्यम से ब्रती संगठन के बच्चों में नेतृत्व गुणों का विकास करना।

पिछले वर्ष 10 गांवों में 11 ब्रती दल का आयोजन किया गया था। विभाग के सेमिनार हॉल में 23.05.2022 से 27.05.2022 तक ब्रती नेताओं के लिए 5 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। ब्रती नेताओं के बीच शारीरिक व्यायाम और ड्रिल प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, ब्रती नेताओं को गांवों में वर्ष भर ब्रती

अध्याय-2

संगठन की अन्य गतिविधियों के बारे में भी वैचारिक विश्लेषण दिया गया। विश्वभारती के यौगिक कला और विज्ञान विभाग के सहयोग से 13 से 17 जून 2022 तक 10 गांवों में ब्रती नेताओं और ब्रती बच्चों के लिए 5 दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। ब्रति संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया गया। 21 जून 2023 को 10 अलग-अलग गांवों में। 2022-2023 में, विभाग द्वारा ब्रती नेताओं के साथ 11 मासिक बैठकें आयोजित की गईं। इस वर्ष के दौरान, 6 फरवरी 2023 को श्रीनिकेतन वर्षगांठ महोत्सव के दौरान ब्रती नेताओं को उनके पारंपरिक तरीके से गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

IV) स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)

स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का संगठन और पर्यवेक्षण तथा विकास करना महिला सशक्तिकरण के लिए एक अन्य विभाग के विशेष कार्यक्रम हैं। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

- एसएचजी हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण लोगों, विशेषकर महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना।
- ग्रामीण महिलाओं में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना।
- ग्रामीण महिलाओं में बचत की आदत बढ़ाना।
- महिलाओं को अपने संसाधनों को एकत्रित करने और आय सृजन के लिए उनका उपयोग करने में सक्षम बनाना।
- ग्रामीण समुदाय में सहयोग एवं स्वयं सहायता की भावना का विकास करना।

स्वयं सहायता समूह दृष्टि में

विभाग के अंतर्गत कार्यरत एसएचजी	समूह (लिंगवार)	
की संख्या	पुरुष	महिला
100	9	91

एसएचजी के साथ आयोजित गतिविधियाँ

हमारे कमांड क्षेत्र के गांवों में एसएचजी अपनी नियमित बैठकों, बचत, बैंकों के साथ जुड़ाव आदि के अलावा, अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए विभिन्न उद्यमशीलता पहल भी कर रहे हैं। इस वर्ष के दौरान, महिलाओं के स्वरोजगार के लिए सेवा सखा और शिक्षासत्र द्वारा रहमतपुरमोहिला समिति

को दो सिलाई मशीनें वितरित की गईं। प्रशिक्षण के लिए इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बोलपुर के सहयोग से आवश्यक व्यवस्था की जाएगी।

v) ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) की महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है जिसके माध्यम से गांवों में साक्षरता और शिक्षा आंदोलन चलाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का एक अन्य उद्देश्य संबंधित गांवों में एक ग्रामीण पुस्तकालय को सूचना एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ), कोलकाता के सक्रिय और वित्तीय सहयोग से 38 ग्रामीण पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से चलाया गया है। ग्रामीण पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्ष और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यक्रम की शुरुआत से ही स्वेच्छा से काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- ग्रामीण पाठकों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित करना।
- ग्रामीण पुस्तकालय को सांस्कृतिक संचार एवं सतत शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करना।
- ग्रामीण युवाओं और छात्रों में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास विकसित करना।
- ग्रामीण पुस्तकालयों के पाठकों के बीच आधुनिक और उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में सभी अद्यतन जानकारी प्रदान करना।
- नवसाक्षरों के लिए अर्जित साक्षरता कौशल को बनाए रखना।
- सामान्य रूप से लोगों और विशेष रूप से छात्रों के ज्ञान के आधार को साझा करने, बनाए रखने और मजबूत करने के लिए एक ग्रामीण पुस्तकालय को एक केंद्र के रूप में विकसित करना।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं की एक झलक

ब्लॉकों की संख्या:	02	
		(i) बोलपुर-श्रीनिकेतन
		(ii) इलमबाज़ार
ग्राम पंचायतों की संख्या:	08	
कवर किए गए गांवों की संख्या:	40	
ग्राम विकास समितियों की संख्या:	38	

अध्याय-2

कार्यात्मक पुस्तकालयों की संख्या:	37
विशेष रूप से स्वास्थ्य उद्देश्य के लिए पुस्तकालय:	01 (सुरुल हेल्थ सोसायटी)
बाल पुस्तकालयों की संख्या:	12
चिल्ड्रन कॉर्नर की संख्या:	08
वरिष्ठ नागरिक कॉर्नर की संख्या :	01
वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या :	1110
कम्प्यूटरों की संख्या	16
इंटरनेट सुविधाओं से युक्त पुस्तकालय	02
पुस्तकों की स्थिति:	
ग्रामीण पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या	: 1, 48,567
वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	: 1110
इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय की गतिविधियाँ:	
पुस्तकालय दिवस का अवलोकन	: केंद्रीय रूप से सुरुल गांव में
दीवार पत्रिका का प्रकाशन	: 03 पुस्तकालय
सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ	: 02 पुस्तकालय
केन्द्रीय स्तर पर आयोजित कुल सेमिनार	: 12

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा की अन्य गतिविधियाँ

- इस वर्ष प्रत्येक ग्रामीण पुस्तकालय को 30 पुस्तकों (शीर्षक) का वितरण।
- 38 स्टील बुक रैक, 38 नग की खरीद। सतरंजी (फ्लोरमैट) और ग्रामीण पुस्तकालयों के लिए 15 कंप्यूटर टेबल का काम प्रगति पर है।
- दो गांवों में साहित्य सभा का आयोजन किया गया, एक बल्लावपुर गांव में और दूसरा पुस्तकालय दिवस पर सुरुल गांव में।

विशेष पहल:

- विभाग ने बल्लवपुरज्योति संघ पुस्तकालय में साहित्य सभा का आयोजन किया, जिसमें कलिमोहन क्लस्टर के तहत सभी पाठकों और पुस्तकालयाध्यक्षों को शामिल किया गया।

- 20 दिसंबर को सुरुल आनंदमयी ग्रंथागार में केंद्रीय स्तरीय साहित्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 38 ग्रामीण पुस्तकालयों के सभी पाठकों ने साहित्य सभा में भाग लिया और अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।
- सृष्टि पत्रिका के प्रकाशन हेतु साहित्य सभा में पाठकों की चयनित रचनाओं का संकलन प्रगति पर है।

VI) कृषि विस्तार गतिविधियाँ

यह विभाग आम तौर पर कृषि से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देता है और गांवों में कृषि विस्तार कार्य को बढ़ाने में वीडोएस की सहायता करता है। हल कर्षण उत्सव के अवसर पर, 44 ब्रती नेताओं और बच्चों और 62 ग्राम विकास समितियों (वीडीएस) के बीच आम, पपीता और मोरिंगा के पौधे वितरित किए गए। इसके अलावा ब्रती बच्चों के बीच पौधे बांटने का विशेष अभियान चलाया गया। इस सिलसिले में 11 गांवों के 250 ब्रती बच्चों के बीच आम, अमरूद, जामुन, मोहेगनी और नींबू के पौधे बांटे गये।

VII) शिल्प संवर्धन कार्यक्रम

गाँवों की पारंपरिक शिल्पकला को बढ़ावा देना और पुनर्जीवित करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। विभाग केंद्र ने ग्रामीण कारीगरों के बीच उद्यमिता विकास के एक भाग के रूप में 2001 से शिल्प प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किया है। शिल्पकार बांस का काम, लाह-आधारित हस्तशिल्प, तार, मिट्टी, जूट का काम, कागज की लुगदी, सोला पिथ, चमड़ा, कांथा सिलाई, घास का काम, पिपली आदि जैसे शिल्पों में लगे हुए हैं। पौस उत्सव के दौरान एक प्रदर्शनी सह बिक्री काउंटर भी आयोजित किया गया था -1429 शांतिनिकेतन में भरत तीर्थ पर। इस कार्यक्रम में विभिन्न शिल्पों के 12 कारीगरों ने भाग लिया।

VIII) लोक सांस्कृतिक गतिविधियाँ

ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करना और इस पारंपरिक संपत्ति के माध्यम से रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। ग्राम विकास समितियों के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस वर्ष के दौरान, 23.12.2022 को शांतिनिकेतन गौर प्रांगण में लोको संस्कृतिर असोर का आयोजन किया गया, जहां 40 लोक कलाकारों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर दर्शकों के समक्ष ढाक बदन, लगरा बदन, आदिवासी नृत्य, कबि गान, भादु गान आदि प्रस्तुत किये गये।

IX) श्रव्य-दृश्य इकाई की गतिविधियाँ

विभाग के पास एक अलग श्रव्य-दृश्य इकाई है। यह इकाई सभी कार्यक्रमों और वार्षिक प्रदर्शनियों के दस्तावेजीकरण के लिए स्थिर और वीडियो तस्वीरें प्रदान करती है।

X) महत्वपूर्ण घटनाओं/दिनों का उत्सव

अध्याय-2

ए. अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता का उत्सव: इलमबाजार ग्राम पंचायत के अंतर्गत चौपहाड़ी जंगल के एक नए गोद लिए गए आदिवासी बहुल गांव - लखीपुर गांव में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुल 300 प्रतिभागी उपस्थित थे और सक्रिय रूप से भाग लिया। 45 वर्ष से अधिक आयु के आदिवासी महिला-पुरुषों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसके अलावा, 8 सितंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर एक जागरूकता रैली, एक ड्राइंग प्रतियोगिता और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

बी. बाल दिवस का उत्सव: 14 नवंबर 2022 को पांच अलग-अलग गांवों, अर्थात् सुपुर, द्वारंडा, बिनुरिया, सुंडीपुर और सहलाई गांवों में बाल दिवस का आयोजन किया गया। आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य उपकेंद्र के सक्रिय सहयोग से बाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की ऊंचाई, वजन और सामान्य स्वास्थ्य को मापा गया। इस अवसर पर जागरूकता रैली एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सी. संविधान दिवस का जश्न: 26 नवंबर 2022 को मोहुला और सुपुर गांव में भी संवैधानिक दिवस मनाया गया, जहां प्राथमिक विद्यालय के बच्चों और ब्रती बच्चों ने भाग लिया और संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

XI) आदान-प्रदान एवं भ्रमण कार्यक्रम

1. दिनांक 04.11.2022 को विभाग में शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 25 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बाद में शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों ने नूरपुर गांव का भी दौरा किया। उन्होंने समिति के सदस्यों के साथ बातचीत की और उन्हें कुछ खेलों के बारे में बताया।
2. हमारे विभाग के मास्टर ऑफ रूरल मैनेजमेंट (एमआरएम) के छात्रों ने ग्राम विकास समितियों के सक्रिय सहयोग से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित करने की पहल भी की। दिनांक 17.05.2022 को नूरपुर गाँव में पानी के उपयोग और दुरुपयोग और उसके बाद वृक्षारोपण पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा, छात्रों ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में बहादुरपुर, बल्लवपुर, बिनुरिया, सुपुर और मिर्जापुर गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता शिविर भी आयोजित किए।

XII) अन्य एजेंसियों के साथ लिंकेज विकास

आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) विश्वभारती निम्नलिखित संस्थानों के साथ संबंध विकसित कर रहा है:

- राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता, संस्कृति मंत्रालय, सरकार। भारत की
- ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन
- खंड विकास कार्यालय, बोलपुर-श्रीनिकेतन और इलमबाजार ब्लॉक

- ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बोलपुर और इलमबाजार ब्लॉक
- डीआईसी, सूरी, बीरभूम
- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन

प्रकाशन:

अमित कुमार हाजरा

पेपर प्रकाशित

- दत्ता, टी., और हाजरा, ए.के. (2023). पश्चिम बंगाल के ग्रामीण स्कूलों में आईसीटी का उपयोग: बाधाएं और परिणाम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), 12(3), 741-744। अनुच्छेद डीओआई: 10.21275/एसआर23314223022.
- बंधोपाध्याय, के., और हाजरा, ए. (2022). ग्रामीण स्थानीय शासन में पारदर्शिता को मजबूत करने में आईसीटी का प्रभाव: पश्चिम बंगाल, भारत में चार ग्राम पंचायतों में एक केस स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 10(11), आर्टिकल डीओआई: 10.21474/आईजेएआर01/15774.
- सरकार, ए., घोष, एस., बागड़ी, टी., और हाजरा, ए.के. (2022). पश्चिम बंगाल में पारंपरिक अपशिष्ट जलाना और ऊर्जा गरीबी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेएनआरडी) 7(9), 690-697.
- घोष, एस., बागड़ी, टी., सरकार, ए., और हाजरा, ए.के. (2022). जलीय मैक्रोफाइट्स समाज के लिए अभिशाप के साथ-साथ वरदान भी हैं: ग्रामीण बंगाल का एक अध्ययन। आई एन एस आई जी एच टी: कला और मानविकी के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी जर्नल, 2(7), 71-91।
- बागड़ी, टी., घोष, एस., सरकार, ए., हाजरा, ए.के., बालाचंद्रन, एस., और चौधरी, एस. (2022). किसका विकास मायने रखता है? भारत के ग्रामीण समुदायों में बायोगैस को अपनाना-एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च (आईजेआरईआर), 12(4), 2023-2042.
- मित्रा, एस., हाजरा, ए.के. और हरपाल एस. ग्रेवाल (2023). पश्चिम बंगाल में परिवार-आधारित उद्यमियों के प्रशिक्षण की आवश्यकता का मूल्यांकन: एक खोजपूर्ण अध्ययन। अमेरिकन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 11(2), 17-24 आर्टिकल डीओआई: 10.12691/शिक्षा-11-2-1.
- शो, बी.के., बनर्जी, एस., बनर्जी, ए., घोषठाकुर, आर., हाजरा, ए.के., मंडल, एन.सी., ... और चौधरी, एस. (2022). कीट आंत बैक्टीरिया: बायोगैस उत्पादन बढ़ाने के लिए एक आशाजनक उपकरण। पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में समीक्षाएँ, 21(1), 1-25.

अध्याय-2

पुस्तक अध्याय

1. कोले, ए., ब्रे, डी., बनर्जी, एस., सरहर, एस., थाहुर, आर.जी., हाजरा, ए.के., ... और बालचंद्रन, एस. (2023). जल जलकुंभी (इचोर्निया क्रैसिप्स) दूषित जल निकायों से भारी धातुओं को हटाने के लिए एक स्थायी रणनीति है। विषाक्त धातु (लॉयड) के बायोरेमेडिएशन में (पीपी. 95-114)। सीआरसी प्रेस.
2. घोष ठाकुर, आर., घोष, ए., सेन, डी., गोनचौधरी, एस., बालचंद्रन, एस., सरकार, ए., और हाजरा, ए. (2022). ओपी 31: ग्रामीण सामुदायिक केंद्रों को स्टैंडअलोन प्रेषण योग्य बिजली प्रदान करने के लिए उपयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और वितरण प्रणाली का डिजाइन, अनुकूलन और संवेदनशीलता विश्लेषण। आईएसबीएन: 978-93-91870-94-2
3. मुखर्जी, डी. (2023). ग्रामीण बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा: एशिया-प्रशांत क्षेत्र, उत्तर पूर्व भारत और उसके पड़ोसी देशों में ग्रामीण विकास में बुजुर्ग स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से खंड: II (डॉ. जयंत चौधरी, डॉ. नारायण साहू, डॉ. द्वारा संपादित पुस्तक)। रोंगसेंटेमजेनएओ; डी. पी. एस. पब्लिशिंग हाउस, 4598/12बी, गोला कॉटेज, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002; (पीपी 688-706)

पत्रिका:

- "व्लैप्लिन यूनिवर्सिटी ने भारत में महिला उद्यमियों की मदद के लिए कार्यक्रम शुरू किया" News19 द्वारा टीवी समाचार www.wltx.com पर उपलब्ध है, प्रकाशित: 12:11 AM EDT 30 अप्रैल, 2022 अपडेट किया गया: 12:11 AM EDT 30 अप्रैल, 2022।

सुजीत कुमार पॉल

पेपर प्रकाशित:

- पॉल, एस.के. (2022). सहभागी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सक्रिय नागरिकता। इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 83(1), 38-46।
- पॉल, एस.के., और बिस्वास, बी. (2022). साओटल सोमाजेर उत्सोबर एटिब्रिटो। प्रतिध्वनि द इको, एक्स, 64-67।
- पॉल, एस.के., और सरकार, एस. (2022). भारतीय राजनीति और शासन में महिलाएँ। आईजेसीआरटी, 10(5), 906-914।
- पॉल, एस.के., और डी, एस. (2022). भौतिक संस्कृति और जनसंचार माध्यम: आदिवासियों के बीच बदलती स्थिति पर एक अध्ययन। दक्षिण एशियाई इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, 2(1), 157-166।
- पॉल, एस.के., और चक्रवर्ती, सी. (2022). महिलाओं को सशक्त बनाना और शिक्षा: एक प्रवचन विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), 10 (5), 101-111।

- पॉल, एस.के. (2022). कोविड-19 के परिणाम और महामारी की स्थिति से निपटने में ग्राम पंचायतों की भूमिका: पश्चिम बंगाल से कुछ मुख्य बातें। NAVEIN REET: नॉर्डिक जर्नल ऑफ लॉ एंड सोशल रिसर्च एन एनुअल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 12, 63-74।
- के, गिरीसन और पॉल, सुजीत। कुमार (2023). पश्चिम बंगाल में सहकारी समिति चुनावों में इंद्रधनुष गठबंधन - क्या यह अंत की शुरुआत है? जर्नल मेनस्ट्रीम वीकली, 61 (8)।

शुभांशु सांतरा

पाँच लेखकों के साथ पुस्तक अध्याय

- सैट्रा, एस., एट अल (2022). पोषण उद्यान- ग्रामीण गरीबों के लिए पोषण संबंधी असुरक्षा को संतुलित करने का रामबाण उपाय, कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर (सं.) रेनू प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-92597-50-3।

तीन लेखकों के साथ पुस्तक

- मंडल, बी., बोर्डोलुई, एस.के. और सैट्रा, एस. (2022). कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर (सं.), रेनू प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-92597-50-3।

जर्नल लेख

- वसीम, आर., रॉय, ए., और सैट्रा, एस. (2022). प्रतिकूल बाल लिंग अनुपात को प्रभावित करने के लिए जिम्मेदार कारक: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड एंड न्यूट्रिशनल साइंसेज (आईजेएफएनएस), 11, 4943-4961।
- पांडे, जे., और सैट्रा, एस. (2023). पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में एचआईवी पॉजिटिव सदस्यों वाले परिवारों के बीच घरेलू संरचना और उपभोग पैटर्न में बदलाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, 10(3), 107-117।

ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

एम. ए. मसिलामणि

- 06.12.2022. बादशा पाल (पीएचडी स्कॉलर) के संयुक्त तत्वावधान में कलकत्ता विश्वविद्यालय के हेरंबा चंद्र कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "हाई स्कूल के छात्रों के बीच टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता सृजन पर एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

रथीन्द्र नाथ प्रमाणिक

- 01.03.2023-03.03.2023. सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज और अर्थशास्त्र विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स (आईएसएलई) के 63वें वार्षिक सम्मेलन में 'पश्चिम बंगाल के विशेष संदर्भ में भारत में युवा बेरोजगारी के रुझान, प्रकृति और कारण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 01.03.2023-03.03.2023. विकास अध्ययन केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स (आईएसएलई) के 63वें वार्षिक सम्मेलन में 'युवा रोजगार की चुनौती' पर तकनीकी सत्र 1.16 में चर्चा किया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

कुमुद चंद्र पाणिग्रही

- परियोजना का नाम: कोविड-19 के दौरान विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह के बीच प्राकृतिक और बाल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और उपयोग- कालाहांडी जिले में कुटिया और डोगरिया कोंड का एक अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसियां: आईसीएसएसआर लघु अनुसंधान परियोजना
- स्वीकृत राशि: 3 लाख

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

विभाग द्वारा आयोजित हमारे समवर्ती क्षेत्र कार्य पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, हमने बनलक्ष्मी के निकट कमरपारा गाँव में अपनी ज्ञान-आधारित सेवा का विस्तार किया है। शैक्षिक क्षेत्र में सर्वेक्षण-आधारित गतिविधियों का संचालन करने के लिए शिक्षकों द्वारा छात्रों की निगरानी की गई।

संकाय प्रकाशन

- प्रमाणिक, आर.एन. (2022). पश्चिम बंगाल में किसानों की स्थिति. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 57 (23), 59-65.
- प्रमाणिक, आर.एन. (2022). पश्चिम बंगाल में किसानों की आय का विश्लेषण, भारत में कृषि स्थिति, 79 (8), 11-23।

शिल्प सदन विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम।

ऑर्किस्मिता पाल	एम. डेस (टेक्सटाइल डिज़ाइन), एनआईडी प्रीलिम्स	रैंक 2 (सामान्य)
कौस्तव मंडल	एम. डेस (टेक्सटाइल डिज़ाइन), एनआईडी प्रीलिम्स	रैंक 2 (एससी)
सुभांकी घोष	एम. डेस (टेक्सटाइल डिज़ाइन), एनआईडी प्रीलिम्स	रैंक 23 (सामान्य)
सुभांकी घोष	एम. डेस (परिधान डिज़ाइन), एनआईडी प्रीलिम्स	रैंक 7 (सामान्य)
मधुरिमा कुंडू	एम. डेस (टेक्सटाइल डिज़ाइन), एनआईडी प्रीलिम्स	रैंक 29 (सामान्य)
मधुरिमा कुंडू	एम. डेस (लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिज़ाइन)	रैंक 09 (सामान्य)
अहाना भट्टाचार्य	एक्सएटी (जेवियर एंटीक्यूड टेस्ट)	85.69%

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक): विशेष व्याख्यान

- 13.03.2023. विभाग ने 'फैब्रिक दोष और उसके विश्लेषण' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। श्री बिबेकानंद बसु, एसजीजीएस कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, नांदेड़, महाराष्ट्र के सहायक संकाय, संसाधन व्यक्ति थे, और डॉ. शंकर रॉय मौलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, समन्वयक थे।
- 14.03.2023. विभाग ने 'सशिको' पर एक कार्यशाला आयोजित की। जापान फाउंडेशन और इशिबाशी फाउंडेशन 2022 के रिसर्च फेलो डॉ. मनीत कौर, संसाधन व्यक्ति थे, और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शंकर रॉय मौलिक ने समन्वयक के रूप में काम किया।

कार्यशाला

- 20.12.2022-21.12.2022. विभाग ने शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में 'पारंपरिक कलमकारी और प्राकृतिक रंगों से पेंटिंग' पर 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। श्री अजीत कुमार दास, एक प्रसिद्ध कलमकारी कलाकार, संसाधन व्यक्ति थे, और डॉ. शंकर रॉय मौलिक, एसोसिएट प्रोफेसर और सिल्विनविता दास, अनुसंधान विद्वान, ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 15.11.2022. विभाग ने विभाग के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में आईसीएआर-एनआईएनएफईटी के सहयोग से 'एकल प्रयुक्त प्लास्टिक के प्रतिस्थापन के लिए प्राकृतिक फाइबर की भूमिका' पर एक दिवसीय

जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शंकर रॉय मौलिक ने समन्वयक की भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

शंकर रॉय मौलिक

आयोजित कार्यशाला

- 02.05.2022-06.05.2022. डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती द्वारा 'प्राकृतिक रंगों की रंगाई और छपाई' पर एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलन/सेमिनार पेपर प्रस्तुत किया गया

- 03.01.2023-04.01.2023. इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता द्वारा 'सतत सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्राकृतिक डाई के काइनेटिक और थर्मोडायनामिक पैरामीटर्स' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 11.03.2023-12.03.2023. द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता द्वारा आयोजित टेक्सटाइल इंजीनियर्स के 35वें राष्ट्रीय सम्मेलन 'टेक्सटाइल मैनुफैक्चरिंग में रिसोर्स एफिशिएंट टेक्नोलॉजीज' पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'डिस्चार्ज प्रिंटिंग ऑन नेचुरली डाइड टेक्सटाइल्स' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

जया बोरो

कार्यशाला में भाग लिया

- 01.01.2023. गुवाहाटी डिगिलीपुखुरी पार, गुवाहाटी (असम) में "घाहोनित कबिता अरु शिल्पकर्म" के रजत जयंती समारोह में प्रतिभागी कलाकार के रूप में भाग लिया।
- 22.02.2023-24.02.2023. कला एवं शिल्प सरकारी महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित और असम, सांस्कृतिक निदेशालय, असम सरकार द्वारा प्रायोजित टेराकोटा कार्यशाला, रवीन्द्र भवन, गुवाहाटी- 01 में भाग लिया।

प्रदर्शनी में भाग लिया

- 10.10.2022-13.10.2022. स्टेट आर्ट गैलरी, गुवाहाटी (राष्ट्रीय स्तर) में एक समूह दृश्य कला प्रदर्शनी, 2022, "रिमेंबर 91" में भाग लिया।
- 22.10.2022-04.11.2022. श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, पंजाबरी गुवाहाटी, गुवाहाटी (राष्ट्रीय स्तर) के सहयोग से हिमालय क्षेत्र के कला-भवन पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित कलाक्षेत्र आर्ट गैलरी में समकालीन कला प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला " केएचसी " में भाग लिया।

अध्याय-2

- 24.12.2022-30.12.2022. "पलाश'22" नामक प्रदर्शनी अखिल भारतीय चित्रकला, मूर्तिकला और चीनी मिट्टी की चीज़ें (राष्ट्रीय स्तर) द्वारा आयोजित ललित कला अकादमी, 2, कैथेड्रल रोड, कोलकाता में प्रदर्शनी में भाग लिया।
- 28.12.2022-02.01.2023. क्रिएटिव आर्ट गैलरी, जोरहाट, असम (राष्ट्रीय स्तर) में जीसीएसी के गौरवशाली प्लेटिनम जुबली वर्ष समारोह की कला प्रदर्शनी में भाग लिया।
- 09.01.2023-13.01.2023. नंदन आर्ट गैलरी शांतिनिकेतन (अंतर्राष्ट्रीय स्तर) में ग्लोबल फ्रेंडशिप आर्ट फेस्टिवल इंडिया 2023 में भाग लिया।
- 02.02.2023-09.02.2023. हिमालय क्षेत्र के कला-भावना पूर्व छात्रों द्वारा नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन, शांतिनिकेतन (राष्ट्रीय) में समकालीन कला प्रदर्शनीयों की एक श्रृंखला "केएचटी" में भाग लिया।

प्रवीर कुमार चौधरी

- 24.03.2023-25.03.2023. विश्वभारती के आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग द्वारा क्लैप्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्रामीण विकास में बहु-मानदंड निर्णय लेने (एमसीडीएम) तकनीक: एक नया दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 24.03.2023-25.03.2023. विश्वभारती के आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग द्वारा क्लैप्लिन विश्वविद्यालय के सहयोग से "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रवीन्द्र संगीत से प्रेरित कपड़ा डिजाइन बनाने में लघु पैमाने की मुद्रण इकाई को बढ़ावा देने के लिए अभिनव दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.2023-25.03.2023. विश्वभारती के आजीवन शिक्षण एवं विस्तार विभाग द्वारा बिजनेस स्कूल, क्लैप्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ" पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बंगाल कोटिज हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योगों में छिपी लकजरी कथाओं के विकास के लिए पूर्व शर्त का पता लगाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शांतनु कुमार जेना

आमंत्रित व्याख्यान

- 22.02.2023. स्पिकमैके द्वारा हंसराज कॉलेज चैप्टर के लिए आयोजित 'भारतीय शिल्प की स्थिरता और उसका विकास' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

कार्यशाला

- 27.02.2023-17.03.2023. एनआईडी, एपी, विजयवाड़ा के छात्रों के लिए 'सामग्री और ज्यामिति और निर्माण के संयोजन' पर व्यावहारिक प्रयोगों के साथ-साथ अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी

- 24.12.2022-30.12.2022. सीएआरडीएस (छोटानागपुर आर्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी) द्वारा आयोजित ललित कला अकादमी, कोलकाता में चित्रकला, मूर्तिकला और चीनी मिट्टी की अखिल भारतीय प्रदर्शनी 'पलाश-22' में बने सिरेमिक शिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

तनिमा भट्टाचार्य

सम्मेलन/सेमिनार पेपर प्रस्तुत किया गया

- 09.01.2023-11.01.2023. आईडीसी मुंबई आईआईएससी बेंगलोर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अनुसंधान डिजाइन (आईसीओआरडी 23) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजाइन के भौतिक-बुनियादी ढांचे और सामाजिक-सांस्कृतिक तत्वों के एकीकरण को अनुकूलित करने के लिए उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता-आधारित दृष्टिकोण का आकलन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.06.2022-18.06.2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के भारतीय ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत तीर्थ II में "शांतिनिकेतन-श्रीनिकेतन प्रयोग: समग्र विकास और स्थिरता के आदर्शों की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

कार्यशालाएं

- 02.09.2022. एचआरडीसी-जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित एनईपी-2020 पर यूजीसी-प्रायोजित कार्यशाला "हम शिक्षा में बहु-अनुशासनात्मक उपकरणों के माध्यम से वैश्विक नागरिकता के लिए नई राहें कैसे बना सकते हैं" में भाग लिया।
- 20.12.2022-21.12.2022. शिल्प सदन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित "पारंपरिक कलमकारी और प्राकृतिक रंगों से पेंटिंग" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम

- 01.08.2022-02.09.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "यूजीसी प्रायोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम' (गुरु दखस्ता) में भाग लिया और योगदान दिया।

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

अध्याय-2

विभाग के कपड़ा अनुभाग की विस्तार गतिविधियों के माध्यम से, आसपास के गांवों के हथकरघा बुनकरों को हमारे आपूर्ति किए गए रंगे, प्रक्षालित और भूरे धागों से हमारे डिजाइन और विशिष्टताओं के अनुसार कपड़े बनाने का काम दिया गया है। अंतिम उत्पाद विभाग के सेल्स एम्प्लोरियम के माध्यम से बेचे गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 23 से 26 दिसंबर 2022 तक विश्वभारती परिसर के भारत तीर्थ खंड में 'पौस उत्सव' के दौरान बिक्री काउंटर आयोजित किए गए थे। इसलिए, विभाग के पास इस वर्ष अपने उत्पादों को बेचने के लिए सबसे बड़ा मंच है।

विभाग द्वारा आपूर्ति किए गए डिजाइन के अनुसार बढ़ईगिरी, मिट्टी के बर्तन, कलात्मक चमड़े के शिल्प, हस्तनिर्मित कागज निर्माण, बाटिक आदि के क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों को संबंधित व्यवसायों की विभिन्न शिल्प वस्तुओं के निर्माण के माध्यम से या तो उन्हें कच्चा माल प्रदान करके या तैयार वस्तुओं को सीधे खरीदकर रोजगार प्रदान किया गया है। सिल्पा-सदाना विभाग के शताब्दी समारोह की एक विस्तार गतिविधि के रूप में, विभाग द्वारा एक पूर्व छात्र बैठक (पुनर्मिलन उत्सव) का आयोजन किया गया था, और हम वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों के बीच प्रतिक्रिया, बातचीत भाव विह्वल करने वाला और संबंध बनाने में सक्षम थे। । पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन 17-18 दिसंबर, 2022 को किया गया था।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.) या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.) आदि के रूप में मान्यता)

- अमिता दत्ता, शोध कर्ता (पंजीकरण संख्या VB-2265 OF 2016-17) को डॉ. शंकर रॉय मौलिक की देखरेख में "कोरापुट के पारंपरिक बुने हुए वस्त्रों के विविधीकरण के माध्यम से एक सतत भविष्य के लिए हस्तक्षेप" शीर्षक थीसिस के लिए 17.05.2022 को पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया।
- सब्यसाची सेनगुप्ता, शोध कर्ता को डॉ. प्रवीर कुमार चौधरी की देखरेख में "बंगाल के वस्त्रों की सामाजिक-सांस्कृतिक राजनीति: टैगोरियन उपाख्यानो और नुस्खे" शीर्षक थीसिस के लिए 01.08.2022 को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। ।

प्रकाशन:

शोध पत्र

आशीष मित्रा

मित्रा, ए. (2022). इष्टतम थर्मल आराम के लिए सूती कपड़ों के चयन के लिए अनुपात विश्लेषण (मूरा) के आधार पर बहुउद्देश्यीय अनुकूलन का अनुप्रयोग। कपड़ा और परिधान अनुसंधान जर्नल, 26(2), 187-203।
<https://doi.org/10.1108/RJTA-02-2021-00211>

- मित्रा, ए. (2022). समझौता समाधान (एमएआरसीओएस) पद्धति के अनुसार विकल्पों की माप और रैंकिंग का उपयोग करके गुणवत्ता मूल्य के आधार पर कपास फाइबर का चयन। कपड़ा और परिधान अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम। प्रिंट से आगे की संख्या, प्रिंट से आगे की संख्या। <https://doi.org/10.1108/RJTA-03-2022-00301>
- मित्रा, ए. (2022). टोसा जूट फाइबर की ग्रेडिंग के लिए बहु-मानदंड निर्णय लेने का संयुक्त दूरी-आधारित मूल्यांकन (सीओडीएएस) दृष्टिकोण। कपड़ा और परिधान अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम। प्रिंट से आगे की संख्या। <https://doi.org/10.1108/RJTA-05-2022-00541>

शंकर राय मौलिक

- मजूमदार, एस., और राय मौलिक, एस. (2023). सुरक्षात्मक वस्त्र: भाग-I: अत्यधिक गर्मी और आग से सुरक्षा। पराबैंगनी विकिरण, सूक्ष्म जीव और कीड़े, एशियन डायर, 20(1), 39-46।
- मुखोपाध्याय, एस., घोष, एस., और राय मौलिक, एस. (2022). कपड़ा और परिधान उद्योग की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में स्थिरता। जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 83(4), 266-272।
- टुन्नेसा बेगम, आर., और राय मौलिक, एस. (2022). कलमकारी पर एक समीक्षा: एक पारंपरिक कपड़ा पेंटिंग। इंडियन जर्नल ऑफ़ नेचुरल फाइबर्स, 8(2), 45-54।

पुस्तक अध्याय/सम्मेलन की कार्यवाही

पुस्तक अध्याय

शंकर राय मौलिक

- दत्ता, ए., सिंघी, डी., और राय मौलिक, एस. (2022)। कोटपाड़ के मिरगन पनिकास- बुजुर्ग कपड़ा श्रमिकों पर एक नोट। द बुजुर्ग इन इंडिया में, परमिता राय, सुभाश्री सान्याल और सस्मिता पटेल द्वारा संपादित, प्रकाशक अल्टरनोट्स प्रेस, नई दिल्ली, 225-230, आईएसबीएन 978-93-94213-00-5।
- राय मौलिक, एस., भट्टाचार्य, ए., राय, पी.पी., और मैती, के. (2022). प्रतिक्रियाशील डाई और इसकी प्रगति। टेक्सटाइल डाइज़ एंड पिग्मेंट्स में: ए ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोच, पिंटू पंडित, कुणाल सिंघा, शुभंकर मैती और शकील अहमद द्वारा संपादित, प्रकाशक स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग विली, 17-44, आईएसबीएन- 13:9781119904915।

अध्याय-2

- रॉय मौलिक, एस., चक्रवर्ती, डी., मोहंती, एम., और देबनाथ, सी. (2022). वैट डाई और रंगाई में इसका विकास। टेक्सटाइल डाइज़ एंड पिग्मेंट्स में: ए ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोच, पिटू पंडित, कुणाल सिंघा, शुभंकर मैती और शकील अहमद द्वारा संपादित, प्रकाशक स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग विली, 87-106, आईएसबीएन- 13:9781119904915।
- रॉय मौलिक, एस., और पंडित, पी. (2022). नील रंगाई में उन्नति. टेक्सटाइल डाइज़ एंड पिग्मेंट्स में: ए ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोच, पिटू पंडित, कुणाल सिंघा, शुभंकर मैती और शकील अहमद द्वारा संपादित, प्रकाशक स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग विली, 107-122, आईएसबीएन- 13:9781119904915।

सम्मेलन की कार्यवाही

- कुमारी, आर., और रॉय मौलिक, एस. (2023). पैड-स्टीम प्रक्रिया के माध्यम से प्राकृतिक रंगों का अनुप्रयोग। 'उद्योग 5.0 और प्रतिमान बदलाव: उभरती चुनौतियाँ' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डॉ. नमित गुप्ता, डॉ. रूपा शिंदे, डॉ. राकेश कुमार मालवीय और प्रोफेसर अंजलि गुप्ता द्वारा संपादित, प्रकाशक एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 263-270। आईएसबीएन: 978-93-90951-50-5.
- मंडल, के., और रॉय मौलिक, एस. (2023). अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से बांकुरा के हथकरघा गमछा उद्योग का उत्पाद विविधीकरण, टेक्सकॉन-2023, कपड़ा पुनर्चक्रण और सतत परिधान डिजाइन, वी.आर. संपत, शमयिता पात्रा और पवन के. गुप्ता द्वारा संपादित। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, इंदौर, एलाइड पब्लिशर्स प्रा. लिमिटेड आईएसबीएन: 978-93-90951-53-6। www.alliedpublishers.com, 158-164.

विकास की भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंधित भवन/सदन/विभाग के विकास का एक संक्षिप्त इतिहास,

शिल्प सदन, श्रीनिकेतन में पल्ली संगठन विभाग के तहत एक विभाग, 1922 में अपनी स्थापना के बाद से कुटीर उद्योग और शिल्प में दिए जाने वाले तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण से अच्छी तरह से परिचित है। इसमें अपनी कलात्मकता के माध्यम से लोगों के स्वाद को समृद्ध करने की एक लंबी परंपरा भी है। और नवीन शिल्प उत्पाद। इसने एक समय भारत के पतनशील ग्रामीण उद्योगों और शिल्प क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई थी। इसकी वर्तमान गतिविधियाँ हैं:

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग में, लगभग 192 नियमित छात्रों को छह विभिन्न ट्रेडों या विषयों में प्रणालीगत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शिल्प सदन पीएचडी कार्यक्रम, 2 साल का मास्टर ऑफ डिजाइन कार्यक्रम, 4 साल का बैचलर ऑफ डिजाइन कार्यक्रम प्रदान करता है।

उत्पादन, विस्तार और विपणन

यह विंग विभाग के शिक्षण और तकनीकी कर्मचारियों, गांव के कारीगरों, दैनिक रेटेड आकस्मिक श्रमिकों और शिल्प-सदन की प्रशिक्षण इकाइयों के छात्रों की मदद से उपर्युक्त ट्रेडों में कलात्मक शिल्प लेखों का उत्पादन कर रहा है। इस प्रकार बनाए गए उत्पाद श्रीनिकेतन में इसके सेल्स एम्पोरियम के माध्यम से बेचे जाते हैं।

विभागीय कार्यशालाओं/स्टूडियो/प्रयोगशालाओं को उपकरण अनुदान से खरीदे गए नए उपकरणों/उपकरणों/मशीनरी को शामिल करके विकसित और उन्नत किया गया है।

विद्यार्थी की उपलब्धियाँ

प्रकाशन (सम्मेलन की कार्यवाही)

- दास, एस., और रॉय मौलिक, एस. (2023). प्राकृतिक नील-एक संक्षिप्त समीक्षा, 'वस्त्र विनिर्माण में संसाधन कुशल प्रौद्योगिकी' पर टेक्सटाइल इंजीनियरों का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सेनगुप्ता द्वारा संपादित, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत),
- मित्रा, टी., और रॉय मौलिक, एस. (2023). हथकरघा क्षेत्रों के लिए प्रतिक्रियाशील डाई का अनुप्रयोग, 'वस्त्र विनिर्माण में संसाधन कुशल प्रौद्योगिकी' पर टेक्सटाइल इंजीनियरों का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सेनगुप्ता द्वारा संपादित, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत)।
- चंद्रा, ए., और रॉय मौलिक, एस. (2023). कार्टून चरित्रों से प्रेरित बच्चों के परिधान, 'वस्त्र विनिर्माण में संसाधन कुशल प्रौद्योगिकी' पर टेक्सटाइल इंजीनियरों का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सेनगुप्ता द्वारा संपादित, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत)।
- रॉय मौलिक, एस., और चक्रवर्ती, एस. (2023). प्राकृतिक रूप से रंगे वस्त्रों पर डिस्चार्ज प्रिंटिंग, 'वस्त्र विनिर्माण में संसाधन कुशल प्रौद्योगिकी' पर टेक्सटाइल इंजीनियरों का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सेनगुप्ता द्वारा संपादित, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत)।
- सेन, आई., और रॉय मौलिक, एस. (2023). पृथ्वी के रंग, 'वस्त्र विनिर्माण में संसाधन कुशल प्रौद्योगिकी' पर टेक्सटाइल इंजीनियरों का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सेनगुप्ता द्वारा संपादित, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत)।

अध्याय-2

पेपर प्रस्तुति

सिलपिनविता दास, रिसर्च स्कॉलर

- 03.01.2023 – 04.01.2023. आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में भारतीय प्राकृतिक फाइबर सोसायटी द्वारा आयोजित 'सतत सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्राकृतिक रंगों में हालिया प्रगति-एक संक्षिप्त समीक्षा' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

तिथि मित्रा, एम. डेस-टेक्सटाइल्स, सेमेस्टर -III

- 03.01.2023 – 04.01.2023. आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी द्वारा आयोजित 'सतत सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सतह अलंकरण उपयोग वर्णक थर्मो-माइग्रेशन व्यवहार और मर्सराइजेशन तकनीक' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

कौस्तव मंडल, एम. डेस-टेक्सटाइल्स, सेमेस्टर-I

- 03.01.2023-04.01.2023. आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी द्वारा आयोजित 'सतत सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बांकुरा का गमछा-केनजाकुरा बुनकरों की कहानी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

मधुरिमा कुंडू, बी. देस (वस्त्र में विशेषज्ञता)

- • 03.01.2023-04.01.2023. आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी द्वारा 'सतत सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बंगाली लघु कथाओं और कविताओं से प्रेरित बच्चों के कपड़ों के डिजाइन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य विभाग

नेट (यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर)/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम:

वर्ष	छात्र का नाम	श्रेणी
2022-23	बैशाखी सोमोदल (यूजीसी-जेआरएफ) एससी	अनुसूचित जाति

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया

प्रशांत कुमार घोष

- 24.03.2023. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईआईडी) के सामाजिक कार्य विभाग और व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "21वीं सदी में युवा: एक सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से युवा विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया।

अशोक कुमार सरकार

- 10.03.2023-11.03.2023. टाटा इंस्टीट्यूट के स्कूल ऑफ सोशल वर्क, सामाजिक विज्ञान विभाग, मुंबई द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य शिक्षा और फील्ड वर्क प्रैक्टिस पर टीआईएसएस बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम परामर्श और सम्मेलन में "सामाजिक कार्य में क्षेत्रीय शिक्षा की विविधताएं और चुनौतियां: एनईपी 2020 के तहत बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के लिए कुछ मुद्दे" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

पारोमिता रॉय

- 10.11.2022-11.11.2022. ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल, सिंगापुर-सेंटर फॉर एजिंग रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा आयोजित "पश्चिम बंगाल, भारत में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) में एसएचजी में बुजुर्ग महिलाएं: कार्य-जीवन और आय सुरक्षा पर एक विश्लेषण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 10.02.2023-11.02.2023. सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त) और फोर्डहम विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित एसडीजी अर्थव्यवस्था का निर्माण: उभरती चुनौतियां और संभावनाएं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में हथकरघा उद्योग: इसकी स्थिति, चुनौतियों और अवसरों पर एक अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 10.01.2023-11.01.2023. अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लैंगिक समानता (एसडीजी 5)" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 10.01.2023-11.01.2023. अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा प्रबंधन और व्यावसायिक प्रथाओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारिवारिक हिंसा में प्रौद्योगिकी-आधारित मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका: साहित्य और संक्षिप्त केस अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.01.2023-11.01.2023. प्रबंधन विभाग द्वारा प्रबंधन और व्यावसायिक प्रथाओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टेली मानसिक स्वास्थ्य और टेली-मनोचिकित्सा के बारे में दीर्घकालिक मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास: तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य सुविधा में एक अवलोकन अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, अलिया विश्वविद्यालय।
- 10.01.2023-11.01.2023. अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कपड़ा क्षेत्र में ऑनलाइन मार्केटिंग: पश्चिम बंगाल, भारत में कांथा सिलाई और धनियाखली साड़ियों का एक तुलनात्मक केस स्टडी विश्लेषण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.03.2023-10.03.2023. नीति आयोग, भारत सरकार के एक केंद्र, ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सस्मिता पटेल

- 14.4.2022-15.4.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मैसूर विवाह- एक दुष्ट प्रथा: कुछ मामलों से प्रतिबिंब" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। ।
- 15.12.2022-17.12.2022. बीपीएचई सोसाइटी के सीएसआरडी-इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च, अहमदनगर, भारत में "हरित सामाजिक कार्य: जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया" विषय पर आयोजित 10वीं (आईएसडब्ल्यूसी) भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस में विभिन्न मामलों के मूल को समझना" (ऑनलाइन), "क्या जलवायु परिवर्तन बाल विवाह को बढ़ावा देता है?" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया ।

शुभश्री सान्याल

- 24.01.2023-25-01.2023. आजीवन सीखने और विस्तार विभाग, विश्वभारती, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस क्लाफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड के दौरान ई-बिजनेस: जीवन रक्षा की एक किरण" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.01.2023-25-01.2023. आजीवन सीखने और विस्तार विभाग, विश्वभारती, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पताचित्रा कारीगर समुदायों के बीच आजीविका विकल्प" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.02.2023. प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई) मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित मल्टीवेरिएट रिग्रेसन और आर प्रोग्रामिंग पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 19.03.2023. यूजीसी एचआरडीसी रांची विश्वविद्यालय में लिंग संवेदीकरण के 7 दिवसीय/अल्पकालिक पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

सुकुमार पाल

- 29.03.23-30.03.23. आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, आलिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सतत भविष्य के लिए समावेशी समाज विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "क्या शिक्षा में लैंगिक समानता: पश्चिम-बंगाल का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 22.03.23. जादवपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा मानवाधिकार पर संवाद: समकालीन समाज का एक प्रतिबिंब विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महिलाओं की शिक्षा और रोजगार में असमानता: बीरभूम जिले, पश्चिम-बंगाल का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.03.23-25.03.23. उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ विषय पर आजीवन सीखने और शिक्षा विभाग, विश्वभारती और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "महिला उद्यमियों के रुझान और चुनौतियाँ: पश्चिम-बंगाल, भारत में एसएचजी और सहकारी समितियों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.01.23-11.01.23. प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग, आलिया विश्वविद्यालय और आईसीएसएसआर प्रायोजित, संयुक्त रूप से आयोजित प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं-आईसीएमबीपी 2023 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत स्वदेशी पर्यटन पर सांस्कृतिक विरासत के प्रभाव का आकलन: सोनाझुरी टोपी, शांतिनिकेतन का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 14.04.22-15.04.22. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत पर एक सेमिनार में "अत्याचार अधिनियम को कमजोर करना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27.08.22. नेताजी ओपन यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा दुर्गापुर क्षेत्रीय केंद्र में एमएसडब्ल्यू के लिए अकादमिक परामर्शदाताओं और शोध प्रबंध गाइडों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 17.08.22. सामाजिक कार्य अनुसंधान के लिए अनुसंधान पद्धति: इसके चरण और प्रक्रियाएं विषय पर नेताजी मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

सुदेशना साहा

- 24.01.2023-25-01.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित "भारत में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022-15.04. 2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत पर एक सेमिनार में "अम्बेडकर: अर्थशास्त्र के क्षेत्र में बहुआयामी प्रतिभा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.11.2022-25.11.2022. राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद द्वारा "उद्यमिता विकास" पर आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया।
- 05-09-22-09-09-22. नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा "एनईपी2020 और विज्ञान शिक्षा: शिक्षकों की बदलती भूमिका" विषय पर आयोजित शिक्षक पर्व की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 29.08.22-30.08.2022. एस.आर.एम कॉलेज ऑफ सोशल वर्क और ब्रिस्बेन इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेथ बेस्ड प्रैक्टिस ऑस्ट्रेलिया द्वारा "गुणात्मक अनुसंधान" पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 11.07.2022-18.07.2022. एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम के भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च (स्ट्राइड) योजना के तहत राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज (स्वायत्त) के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "अकादमिक लेखन और प्रकाशन" पर एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

- 30.06.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट" विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुसरण में एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 23.03.2023. इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क (आईएसपीएसडब्ल्यू) द्वारा आयोजित विश्व सामाजिक कार्य सप्ताह के अवसर पर "भारत में नारीवादी आंदोलन: सामाजिक कार्य से परिप्रेक्ष्य" विषय पर व्याख्यान देने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 07.08.2023. महिला शिकायत कल्याण प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन केंद्र, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उ.प्र. द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "कोविड-19 के दौरान स्तनपान के मद्देनजर महिलाओं और बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं" विषय पर व्याख्यान देने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

नीलमणि जायसवाल

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्वभारती और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लाफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उद्यमिता विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारी समितियों की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 07.12.2022-08.12.2022. स्कूल ऑफ सोशल वर्क, डी पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी जेम्स कुक यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में अंगमाली और स्कूल ऑफ सोशल एंड ह्यूमन सर्विसेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डी नोवो 2022 अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में "अंतर-राज्य प्रवासियों की आपदा और भेद्यता: सीओवीआईडी-19 महामारी और केरल बाढ़ का एक अध्ययन" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 14.04.2022-15.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती की स्मृति में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत' पर एक सेमिनार में "महिला सशक्तिकरण में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका- एक समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.11.2022-25.11.2022. राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद द्वारा उद्यमिता विकास पर आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया।
- 05.09.2022-09.09.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "शिक्षक पर्व" के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

अध्याय-2

- 29.08.2022-30.08.2022. मातृ सेवा संघ इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, एस.आर.एम. कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, चंद्रपुर और ब्रिस्बेन इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेंथ बेस्ड प्रैक्टिस, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित गुणात्मक अनुसंधान पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 04.08.2022-05.08.2022. शैक्षिक नीति विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईपीए), नई दिल्ली द्वारा "उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव: नीतियां और प्रथाएं" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला (आभासी) में भाग लिया।
- 11.07.2022-18.07.2022. एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम के भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च (स्ट्राइड) योजना के तहत राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज (स्वायत्त) के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "अकादमिक लेखन और प्रकाशन" पर एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 30.06.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट" विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुसरण में एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 24.06.2022. यूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा में वैश्विक नागरिकता के लिए शैक्षिक ढांचा" विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुसरण में एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 11.05.2022-12.05.2022. सामाजिक कार्य विभाग, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबुदूर, तमिलनाडु द्वारा सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास में संरचनात्मक दृष्टिकोण पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शोधार्थी

अजंता सरकार

- 10.01.2023-11.01.2023. डिजिटल इंडिया-एसडीजी प्राप्त करने में एक परिवर्तनकारी मंच, भारतीय सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) अलिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं (आईसीएमबीपी) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में डिजिटलीकरण अभियान के माध्यम से सामाजिक समावेशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया, ।

- 15.12.2022-17.12.2022. नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) द्वारा "हरित सामाजिक कार्य: जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर प्रतिक्रिया" पर आयोजित 9वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस में "ग्रामीण बंगाल में आदिवासी महिलाओं के बीच कौशल शिक्षा और रोजगार अंतर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. सामाजिक विकास के लिए इंटरनेशनल कंसोर्टियम-एशिया प्रशांत थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड शाखा द्वारा आयोजित "संकट के समय में सतत विकास प्रयास" विषय पर 9वें आईसीएसडी एशिया प्रशांत द्विवार्षिक सम्मेलन में "भारत के ग्रामीण पश्चिम बंगाल में सीमांत महिलाओं की उच्च शिक्षा पर विवाह प्रवासन का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022-15.04. 2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती की स्मृति में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत' पर एक सेमिनार में "शिक्षा में दलित लड़कियों का बहिष्कार: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अनुपम देबनाथ

- 24.03.2023-25.03.2023. विश्वभारती के आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग और स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैफ्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियाँ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में हस्तशिल्प उद्योग की महिला उद्यमियों के बीच डिजिटल अनुप्रयोगों के उपयोग का गुणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.01.2023-11.01.2023. प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग, अलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रबंधन और व्यवसाय अभ्यास-आईसीएमबीपी 2023 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोविड-19 के दौरान बलूचारी बुनकरों के बीच डिजिटल लचीलापन: हथकरघा उद्योग का एक गुणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट-एशिया पैसिफिक द्वारा संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिकों के जीवंत अनुभव: पश्चिम बंगाल में एक मौखिक इतिहास" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

अध्याय-2

- 29.11.2022-01.12.2022. थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट-एशिया पैसिफिक द्वारा संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "बांकुरा जिले में ऑटिस्टिक बच्चों के माता-पिता के चुनौतीपूर्ण अनुभवों की खोज: एक विषयगत विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022-15.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती की स्मृति में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत' पर एक सेमिनार में "डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के लेंस के माध्यम से लैंगिक समानता के लिए महिलाओं की मुक्ति को समझना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

गार्गी साहा

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग, विश्व-भारती एवं स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैप्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए एंड स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लैप्लिन यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उद्यमिता विकास पर अवसर और चुनौतियाँ नामक एक सेमिनार में "बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में हस्तशिल्प उद्योग की महिला उद्यमियों के बीच डिजिटल अनुप्रयोगों के उपयोग का गुणात्मक अध्ययन" एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 10.01.2023-11.01.2023. अलिया विश्वविद्यालय के प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित प्रबंधन और व्यावसायिक प्रथाओं आईसीएमबीपी-2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारिवारिक हिंसा में प्रौद्योगिकी-आधारित मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका: साहित्य और संक्षिप्त केस अध्ययन" प्रस्तुति शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया।

जेनीकृष्णन. एम.यू

- 07.12.2022-08.12.2022. स्कूल ऑफ सोशल वर्क, डी पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डिएसटी) और स्कूल ऑफ सोशल एंड ह्यूमन सर्विसेज, जेम्स कुक यूनिवर्सिटी (जेसीयू) ऑस्ट्रेलिया में डी नोवो 2022 अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में "अंतर-राज्य प्रवासियों की आपदा और संवेदनशीलता: कोविड-19 महामारी और केरल बाढ़ का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

खेयाली रॉय

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन सीखने और विस्तार विभाग, विश्वभारती, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड के दौरान ई-बिजनेस: जीवन रक्षा की एक किरण" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 15.12.2022-17.12.2022. ग्रामीण विकास में अध्ययन के लिए- इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च (सीएसआरडी - आईएसडब्ल्यूआर) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई), बीपीएचई सोसायटी के सेंटर फॉर स्टडीज इन रूरल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च (सीएसआरडी - आईएसडब्ल्यूआर) केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "हरित सामाजिक कार्य: जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया" पर 10वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2020 में "आपदा का आर्थिक प्रभाव 'वाईएएस :ओडिशा में तटीय क्षेत्रों का एक केस अध्ययन" शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट- एशिया पैसिफिक द्वारा संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 9वें इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट एशिया पैसिफिक द्विवार्षिक सम्मेलन में किशोर स्कूली लड़कियों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल प्रथाएं: जमुहार, बिहार, भारत में एक खोजपूर्ण अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 25.05.22-27.05.22. द पीपुल्स यूनिवर्सिटी बांग्लादेश, ढाका, बांग्लादेश और सामुदायिक सामाजिक कार्य अभ्यास और विकास फाउंडेशन (सीएसडब्ल्यूपीडीएफ) द्वारा आयोजित "एक नई पर्यावरण-अनुकूल दुनिया का सह-निर्माण: किसी को भी पीछे न छोड़ें (सामुदायिक लचीलेपन और एसडीजी को प्राप्त करना)" विषय पर WWS2022 के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकलांग महिलाएं: एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 21.04.22- 23.04.22 सामाजिक कार्य विभाग, बीसीएम कॉलेज, कोट्टायम, केरल, भारत द्वारा आयोजित 19वीं समन्वय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सामाजिक कार्य महामारी और नए सामान्य के दौरान आपातकाल" छात्र बैठक (हाइब्रिड) में "बाल अधिकार" पर "ओडिशा के बालासोर की मलिन बस्तियों में किशोरों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के ज्ञान और उपयोग के बीच असमानताएं" शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022-15.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत पर आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन

अध्याय-2

में "प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का डिजिटल प्रचार: आवश्यक या वैकल्पिक" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।

मसादुल इस्लाम

- 29.03.2023-30.03.2023. शिक्षा विभाग, अलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा सतत भविष्य के लिए समावेशी समाज पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पुरुषों में शराब पर निर्भरता और यौन रोग: पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

मिथुन मंडल

- 20.03.23-22.03.23. सामाजिक कार्यकर्ताओं के 14वें यूरेशिया फोरम में यूरेशिया फोरम, वियतनाम महिला अकादमी, हनोई, वियतनाम द्वारा आयोजित "वर्तमान संदर्भ में सामाजिक कार्य की भूमिका", वियतनाम महिला अकादमी ने रशियन यूनियन ऑफ सोशल वर्कर्स एंड सोशल पेडागॉग्स (एसएसओपीआईआर) और कोरियन एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स (केएसडब्ल्यू) के सहयोग से प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. "संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर 9वें आईसीएसडी एशिया प्रशांत द्विवार्षिक सम्मेलन आईसीएसडी एपी शाखा और स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड में प्रस्तुत किया गया,
- 4.04.2022-15.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत पर आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन में "डॉ. बी.आर. की विरासत" विषय पर प्रस्तुति दी गई।

पायल डे

- 29.11.2023-01.12.2023. "संकट के समय में सतत विकास प्रयास" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 9वें इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट (आईसीएसडी) एशिया प्रशांत द्विवार्षिक सम्मेलन आईसीएसडी एपी शाखा और स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, थम्मासैट विश्वविद्यालय, थाईलैंड में द्विवार्षिक सम्मेलन में "पश्चिम बंगाल, भारत में असंगठित श्रमिकों के बीच तनाव के रुझान और पैटर्न का विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शांतनु कुंडू

- 10.01.2023-11.01.2023. प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग, अलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रबंधन और व्यवसाय अभ्यास-आईसीएमबीपी 2023 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोविड-19 के दौरान बलूचारी बुनकरों के बीच डिजिटल लचीलापन: हथकरघा उद्योग का एक गुणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. थाईलैंड के थम्मासैट विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट-एशिया पैसिफिक द्वारा संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "बांकुरा जिले में ऑटिस्टिक बच्चों के माता-पिता के चुनौतीपूर्ण अनुभवों की खोज: एक विषयगत विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29.11.2022-01.12.2022. थम्मासैट में इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट-एशिया पैसिफिक द्वारा संकट के समय में सतत विकास प्रयासों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिकों के जीवंत अनुभव: पश्चिम बंगाल में एक मौखिक इतिहास" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय, थाईलैंड.
- 14.04.2022-15.04.2022. पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन, बीरभूम में विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती की स्मृति में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत' पर एक सेमिनार में "भारत में महिला सशक्तिकरण पर अम्बेडकर" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शौर्य प्रकाश

- 24.03.2023-25.03.2023. आजीवन सीखने और विस्तार विभाग, विश्वभारती, भारत और स्कूल ऑफ बिजनेस क्लैफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड के दौरान ई-बिजनेस: जीवन रक्षा की एक किरण" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 15.12.2022-17.12.2022. ग्रामीण विकास में अध्ययन के लिए- इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च (सीएसआरडी - आईएसडब्ल्यूआर) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई), बीपीएचई सोसायटी के सेंटर फॉर स्टडीज इन रूरल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च (सीएसआरडी - आईएसडब्ल्यूआर) केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "हरित सामाजिक कार्य: जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया" पर 10वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2020 में

अध्याय-2

"आपदा का आर्थिक प्रभाव 'वाईएएस': ओडिशा में तटीय क्षेत्रों का एक केस अध्ययन" शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

- 29.11.2022-01.12. 2022. "संकट के समय में सतत विकास प्रयास" विषय पर 9वें इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट एशिया पैसिफिक, स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, थम्मासैट विश्वविद्यालय के द्विवार्षिक सम्मेलन में "रोहतास, बिहार, भारत में स्ट्रीट वेंडरों के विशेष संदर्भ के साथ असंगठित क्षेत्रों में व्यावसायिक तनावों की पहचान करना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 25.05.22-27.05.22. द पीपल्स, बांग्लादेश विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश और सामुदायिक सामाजिक कार्य अभ्यास और विकास फाउंडेशन (सीएसडब्ल्यूपीडीएफ) द्वारा आयोजित "एक नई पर्यावरण-अनुकूल दुनिया का सह-निर्माण: किसी को भी पीछे न छोड़ें (सामुदायिक लचीलेपन और एसडीजी को प्राप्त करना)" विषय पर डब्ल्यूएसडब्ल्यूएस2022 के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकलांग महिलाएं: एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।
- 21.04.22-23.04.22. सामाजिक कार्य विभाग, बीसीएम कॉलेज, कोट्टायम, केरल, भारत द्वारा "महामारी और नए सामान्य के दौरान बाल अधिकार आपातकाल" पर आयोजित 19वें समन्वय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सामाजिक कार्य छात्र बैठक (हाइब्रिड) में "ओडिशा के बालासोर की मलिन बस्तियों में किशोरों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के ज्ञान और उपयोग के बीच असमानताएं" शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
- 14.04.2022-15.04.2022. विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत पर आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का डिजिटल प्रचार: आवश्यक या वैकल्पिक" शीर्षक से एक संयुक्त पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना।

सामाजिक कार्य विभाग यूजी, पीजी, पीएचडी और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की तैयारी और पुनः डिजाइन की प्रक्रिया में है। पाठ्यक्रम का पुनर्गठन करते समय यूजीसी के एनईपी दिशानिर्देश और पीएचडी नए अध्यादेश का पालन किया जा रहा है।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

प्रशांत कुमार घोष (निदेशक) और परमिता रॉय (सह निदेशक)

- एमजीएनसीआरई प्रमुख कार्यवाई अनुसंधान परियोजना 2022

- शीर्षक: पश्चिम बंगाल में शैक्षणिक संस्थानों की ग्रामीण सहभागिता
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.09.22
- प्रायोजक एजेंसी - महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई)
- बजट स्वीकृत - 7,42,500 रुपये

शुभश्री सान्याल (सह अन्वेषक)

- महामारी के बाद पर्यटन की बहाली में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का उपयोग करके डिजिटल उद्यमिता के दायरे का आकलन शीर्षक: बोलपुर-श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल में सोनाझुरी हाट की महिला उद्यमियों का एक अध्ययन
- प्रायोजक एजेंसी- एकेडी दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र विश्वभारती (नीति आयोग के तहत; भारत सरकार) 2022-23
- बजट स्वीकृत - आईएनआर 50,000

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

- 01.04.2022-06.04.2022. सामाजिक कार्य विभाग ने बीएसडब्ल्यू सेमेस्टर- I और एमएसडब्ल्यू सेमेस्टर- I के छात्रों के लिए एक ग्रामीण समुदाय विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 01.05.2022-11.05.2022. सामाजिक कार्य विभाग ने बीएसडब्ल्यू सेमेस्टर-छठे और एमएसडब्ल्यू सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए एक ग्रामीण समुदाय विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 24.02-23-25.02.23. सामाजिक कार्य विभाग ने 17वीं पुनर्मिलन बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम को एक बड़ी सफलता में बदलने के लिए संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग के पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए और दोनों दिनों तक जारी ज्ञान साझाकरण और सार्थक चर्चा के माध्यम से छात्रों के वर्तमान बैच के साथ बातचीत की। पूर्व छात्रों को अनुभव साझा करने के लिए एक मंच मिला जिससे वर्तमान छात्रों को कई मूल्यवान जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली और दोनों समूहों को इसका लाभ मिला।

शिक्षकों/विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता):

अध्याय-2

- डॉ मधुरा चक्रवर्ती को 2 साल के लिए ICSSR पोस्ट-डॉक्टरल फ़ेलोशिप प्राप्त हुई। 15.12.2022. 'पश्चिम बंगाल, भारत के बाल देखभाल संस्थानों में रहने वाली लड़कियों के कल्याण का एक अध्ययन' शीर्षक वाला अध्ययन।
- देबारती सरकार को प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार की देखरेख में "मासिक धर्म अभ्यास और पर्यावरणीय मुद्दे: दक्षिण बंगाल में स्कूल जाने वाली किशोरियों के बीच जागरूकता पर एक खोजपूर्ण अध्ययन" पर पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। ।
- सुब्रत दास को प्रोफेसर देबोतोष सिन्हा की देखरेख में "खनन श्रमिकों की प्रेरणा पर कल्याणकारी उपायों का प्रभाव: ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का एक अध्ययन" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया।
- अर्किता पाल को डॉ. पारमिता रॉय की देखरेख में "कॉलेज के छात्रों के बीच गैर आत्मघाती आत्म चोट और पारिवारिक वातावरण" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। ।
- अरुणा सिंह को प्रोफेसर देबोतोष सिन्हा की देखरेख में "मादक द्रव्य सेवन करने वालों के बीच पतन: पश्चिम बंगाल के चयनित नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्रों में एक अध्ययन" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। ।
- सुनील प्रसाद को डॉ. सुभाश्री सान्याल की देखरेख में "ग्रामीण कारीगरों की आजीविका स्थिरता- दक्षिण बंगाल में पटचित्रकारों पर एक अध्ययन" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। ।
- श्रेया चटर्जी को डॉ सुभाश्री सान्याल की देखरेख में "कोलकाता की शहरी मलिन बस्तियों में बच्चे: सामाजिक आर्थिक कमजोरियों का एक अध्ययन" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया।
- सुदीप्त विश्वास को डॉ. सुकुमार पाल की देखरेख में "पश्चिम बंगाल में लोढ़ा जनजाति का सामाजिक आर्थिक विकास भूमिहीनता के संदर्भ में 'निजो गृह निजो भूमि' कार्यक्रम का एक अध्ययन" शीर्षक वाली शोध प्रबंध के लिए पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया।

विभागीय प्रकाशन:

1. **जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट (पीयर रिव्यूड और यूजीसी-केयर लिस्टेड)**, वॉल्यूम 13 नंबर 1 और 2 (जून, 2022 और दिसंबर, 2022), आईएसएसएन 2229-6468

संपादक: प्रो प्रशांत कुमार घोष

एसोसिएट एडिटर: डॉ. परमिता रॉय

प्रकाशक: सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती

2. प्लेसमेंट ब्रोशर, 2022-23 (45 पृष्ठ खंड)

मुद्रित और प्रकाशित - पीजी छात्र, सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती

संकाय प्रकाशन

प्रशांत कुमार घोष

- डे, पी. और घोष, पी.के. (2022). भारत में असंगठित श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी इनोवेटिव रिसर्च, 2(3), 56-61।

परमिता रॉय

- मुखर्जी, एस. एवं रॉय, पी. (2023). कपड़ा क्षेत्र में ऑनलाइन मार्केटिंग: पश्चिम बंगाल, भारत में कांथा सिलाई और धनियाखली साड़ियों का एक तुलनात्मक केस स्टडी विश्लेषण, तीसरी अवधारणा, 36(12), 154-158।
- औध्या, पी., रॉय, पी., भट्टाचार्य, डी. & दास, बी. (2023). टेली मानसिक स्वास्थ्य और टेली-मनोचिकित्सा के बारे में दीर्घकालिक मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास: तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य सुविधा में एक अवलोकन अध्ययन। तीसरी अवधारणा, 36(12), 38-44.
- पाल, ए. & रॉय, पी. (2022). गैर-आत्मघाती आत्म-चोट और पारिवारिक वातावरण: संक्षिप्त केस रिपोर्ट, जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिसर्च, 17(1), 15-21।
- पाल, ए. & रॉय, पी. (2022). कोलकाता में कॉलेज के छात्रों के बीच गैर-आत्मघाती आत्म चोट और पारिवारिक वातावरण: मिश्रित विधि व्याख्यात्मक अनुक्रमिक डिजाइन। जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर, 27(2), 105-112।
- जजोदिया, पी. एवं रॉय, पी. (2022). विकलांगता में भाई-बहन के मुद्दे: भाई-बहन, माता-पिता और विशेषज्ञ के दृष्टिकोण का एक विषयगत विश्लेषण। विकलांगता, विकास और शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल DOI:10.1080/1034912X.2022.2060948।
- गराई, एम. & रॉय, पी. (2022). पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में अन्वेषा क्लीनिक में स्वास्थ्य सेवा वितरण का विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 13(2), 103-117।
- औध्या, पी., रॉय, पी. और भट्टाचार्य, डी. (2023). कानून के साथ संघर्ष में मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक मुद्दों पर एक अध्ययन, धार, ए. और; मित्रा, पी. (एड्स) फैक्ट्स एंड आर्टिफैक्ट्स ऑफ़ द

अध्याय-2

सोसाइटी, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क, एनआईएमएचएनएस बैंगलोर द्वारा प्रकाशित (142-169)।

- दास, एम. और रॉय, पी. (2022). वृद्ध आबादी में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ: बलांगीर जिले, ओडिशा में मौजूदा प्रवृत्ति के रूप में भुखमरी के कारणों पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन। रॉय, पी., सान्याल में। एस. एवं पटेल, एस. (सं.). भारत में बुजुर्ग, चयनित लेखन का एक संग्रह। अल्टरनोट्स प्रकाशन, नई दिल्ली।

सस्मिता पटेल

- पटेल, एस. एवं लेप्पा, ए. (2023). जैविक खेती और टिकाऊ कृषि पारिस्थितिक संरक्षण को सुसंगत बनाती है: लेप्पा स्वदेशी परिप्रेक्ष्य, डोगोरंगसांग रिसर्च जर्नल, 13(2), 178-184; डीओआई: 10. 36893.डीआरएसआर। 2023.V13I03N05.178-184
- मरांडी, एस., और पटेल, एस. (2022). मौसमी प्रवासन और बच्चों की शिक्षा पर इसका प्रभाव: झारखंड के संचाल परगना के चयनित गांव से एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू 9(10), 510-522; डीओआई: <https://doi.org/10.52403/ijrr.20221057>
- पटेल, एस., और पाधियारी, एस. (2022)। सतत विकास के लिए सामाजिक उद्यमिता: कोविड-19 संकट के दौरान सामाजिक कार्य हस्तक्षेप का एक प्रतिमान, ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 8(8), 72-82, डीओआई: <https://doi.org/10.36713/epra109761>

शुभश्री सान्याल

- सान्याल, एस., घोष, एस., और प्रकाश, एस. (2022). भारत में नदी-जल संघर्ष का एक रणनीतिक विश्लेषण: एक केस स्टडी दृष्टिकोण, सोशल वर्क क्रॉनिकल, 11(1), 47-59।
- प्रकाश, एस., सान्याल, एस., और रॉय, के. (2023). कामकाजी महिलाओं में तनाव और जलन: विश्वभारती विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल की महिला संकाय सदस्यों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 4(1), 29-40।
- चटर्जी एस., सान्याल, एस (2023). कोलकाता की शहरी मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच: एक प्रासंगिक अन्वेषण, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 4(1), 09-18।
- रॉय, पी. सान्याल, एस और पटेल एस (संपादक) द एल्टरली केयर इन इंडिया: ए कलेक्शन ऑफ सेलेक्टेड राइटिंग्स, अल्टरनोट्स प्रेस इंडिया (संपादित पुस्तक)।

- भट्ट, संजय, और सुभाश्री सान्याल, (2023). भारत में बाल संरक्षण प्रणाली: एक अवलोकन, जिल दुएर बेरिक, नील गिल्बर्ट और मैरिट स्किवेन्स (संस्करण), ऑक्सफोर्ड हैंडबुक ऑफ चाइल्ड प्रोटेक्शन सिस्टम्स, ऑक्सफोर्ड अकादमिक, <https://doi.org/10.1093/oxfordhb/9780197503546.013.32>

सुकुमार पाल

- पाल, एस., मित्रा ठाकुर, एस. गुप्ता, बी. (2022). भारत में बाल यौन शोषण और पॉक्सो अधिनियम: एक विश्लेषण। सिन्हा में, डी. पाल, एस. & एन. जयसावल (सं.), बच्चों के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम: चुनौतियाँ और अवसर (पीपी 92-99)।
- बख्शी, ए., पाल, एस. और सिन्हा, आर. (2023). सोनाझुरी हाट, शांतिनिकेतन में सतत स्वदेशी पर्यटन पर सांस्कृतिक विरासत के प्रभाव का आकलन, तीसरी अवधारणा, 26 (432), 126-134।
- पाल, एस., आलम, एमडी एन., दास, एस., बख्शी, एस., और भुल, एम. (2022). सी-19 लॉकडाउन संकट के दौरान घर से नौकरी और नौकरी के प्रदर्शन के बीच सॉफ्ट-एचआरएम और ग्रीन एचआरएम प्रथाओं की भूमिका: नौकर नेतृत्व और कर्मचारी मूल्य प्रस्ताव की मध्यम भूमिका, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड कल्चरल सोसाइटी, 6(11), 63- 77.
- पाल, एस., सिन्हा, डी., और बिस्वास, एस. (2022). बुजुर्ग: उनकी समस्याएं और विधायी पहल, सामाजिक कार्य हस्तक्षेप के क्षेत्रों की खोज, दत्ता, एस और आर. राजेंद्र (सं.), भारत में वृद्धावस्था जनसंख्या: मुद्दे, कार्यक्रम, नीतियाँ और सामाजिक कार्य हस्तक्षेप, (पीपी 123-132), नया दिल्ली, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।
- पाल, एस. जयसावल, एन. कुंडू, एस. और भट्टाचार्य, बी (2022). भारतीय कृषि पर कोविड 19 का प्रभाव, (पीपी 173-184), इन मॉडल, बी. और बोर्डोलुई, (सं.) उभरते रुझान कृषि: संभावनाएँ और अवसर, रेनू प्रकाशन।

सुदेशना साहा

- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2023)। भारत में उच्च शिक्षा-चुनौतियाँ और उपाय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिव्यूज, 12(1), 44-62।
- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2023)। महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 9(4), 8-13, डीओआई: 10.22271/allresearch.2023.v9.i4a.10710।
- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2023)। नारीवाद, शिक्षा और लैंगिक समानता-एक समीक्षा। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 9(2), 241-246, डीओआई: 10.36713/ईपीआरए12444।

अध्याय-2

- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2022). कोविड-19 और आध्यात्मिक कल्याण: सामाजिक कार्य के लिए निहितार्थ। जर्नल ऑफ रिलिजन एंड स्प्रिचुअलिटी इन सोशल वर्क: सोशल थॉट, (रूटलेज), डीओआई: <https://doi.org/10.1080/15426432.2022.2127391>।
- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2022). महिलाओं के सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी में वृद्धि: एक झलक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस रिसर्च, 8(5), 42-48।
- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2022). महिलाओं की शिक्षा का उनकी स्वास्थ्य स्थितियों पर प्रभाव-एक सिंहावलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 9(9), 68-78, डीओआई: <http://dx.doi.org/10.22192/ijamr.2022.09.09.0071>।
- जयसावल, एन. और साहा, एस. (2022). शिक्षा: महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन के लिए एक उपकरण। आर. बैकाडी, एस. साजिद, वी. नदेसन, जे. प्रेज़ेपस्की, एम.आर. इस्लाम, जे. गाओ (सं.), द पालग्रेव हैंडबुक ऑफ़ ग्लोबल सोशल चेंज में। पालग्रेव मैकमिलन, चाम, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-3-030-87624-1_9-11।

नीलमणि जायसवाल

- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2023). भारत में उच्च शिक्षा-चुनौतियाँ और उपाय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिव्यूज़, 12(1), 44-62।
- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2023). महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड रिसर्च, 9(4), 8-13, डीओआई: 10.22271/allresearch.2023.v9.i4a.107101।
- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2023). नारीवाद, शिक्षा और लैंगिक समानता-एक समीक्षा। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 9(2), 241-246, डीओआई: 10.36713/ईपीआरए12444।
- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2022). कोविड-19 और आध्यात्मिक कल्याण: सामाजिक कार्य के लिए निहितार्थ। जर्नल ऑफ़ रिलिजन एंड स्प्रिचुअलिटी इन सोशल वर्क: सोशल थॉट, (रूटलेज), डीओआई: <https://doi.org/10.1080/15426432.2022.2127391>।
- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2022)। महिलाओं के सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी में वृद्धि: एक झलक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस रिसर्च, 8(5), 42-48।

- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2022)। महिलाओं की शिक्षा का उनकी स्वास्थ्य स्थितियों पर प्रभाव-एक सिंहावलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 9(9), 68-78, डीओआई: <http://dx.doi.org/10.22192/ijamr.2022.09.09.0071>
- जायसवाल, एन. और साहा, एस. (2022)। शिक्षा: महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन के लिए एक उपकरण। आर. बैकाडी, एस. साजिद, वी. नदेसन, जे. प्रेज़ेपस्की, एम.आर. इस्लाम, जे. गाओ (सं.), द पालग्रेव हैंडबुक ऑफ़ ग्लोबल सोशल चेंज में। पालग्रेव मैकमिलन, चाम, दोई: https://doi.org/10.1007/978-3-030-87624-1_9-11
- पाल, एस., जायसवाल, एन., कुंडू, एस., और भट्टाचार्य, बी. (2022)। भारतीय कृषि पर COVID-19 का प्रभाव। बी. मंडल में, एस.के. बोर्डोलुई, और एस. सैट्टा (सं.), कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर (पीपी. 173-184)। नई दिल्ली: रेनू पब्लिशर्स, डीओआई: 10.30954/एनडीपी-इमर्जिंग.16।

फिरदौस बरभुइया

- बरभुइया, एफ. & जसवाल, एस. (2022). असम में तंबाकू से संबंधित कैंसर रोगियों के बीच उपचार में देरी को समझना। इंडियन जर्नल ऑफ़ सोशल वर्क, 83(3), 343-366। डीओआई:10.32444/ आईजेएसडब्ल्यू. 2022.83.3.343-366
- बरभुइया, एफ. (2022). असम, भारत में तंबाकू से संबंधित कैंसर रोगियों के स्वास्थ्य संबंधी गुण और मान्यताएँ। जर्नल ऑफ़ साइकोसोशल ऑन्कोलॉजी, 40(2), 215-233.<https://doi.org/10.1080/07347332.2021.1899354>

शोधार्थी प्रकाशन

अजंता सरकार

- सरकार, ए., और घोष, टी. (2023). भारत में डिजिटलीकरण अभियान के माध्यम से सामाजिक समावेशन। तीसरी अवधारणा: विचारों का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 36(432), 78-81।
- सरकार, ए. (2022). ग्रामीण बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत में हाशिये पर पड़ी मुस्लिम महिलाओं के बीच उच्च शिक्षा और सशक्तिकरण के बीच अंतर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी इनोवेटिव रिसर्च (आईजेएमआईआर), 2(3), 1-13।
- सरकार, ए. (2022)। शिक्षा में दलित लड़कियों के बहिष्कार के कारकों को समझना। इंडियन जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 8(1), 30-38।

अध्याय-2

- सरकार, ए., और घोष, पी.के. (2022)। लड़कियों की शिक्षा पर कोविड-19 का प्रभाव: बोलपुर, बीरभूम, पश्चिम बंगाल के स्कूलों से एक अध्ययन। साउथ एशियन जर्नल ऑफ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट (एसएजेपीडी), 22(2), 14-29।

अनुपम देबनाथ

- कुंडू, एस., देबनाथ, ए., और रजक, एम. (2023)। कोविड-19 के दौरान बिष्णुपुर के बलूचारी बुनकरों के बीच डिजिटल लचीलापन। तीसरी अवधारणा, 36 (432), 121-125।

गार्गी साहा

- साहा, जी., और पाल, ए. (2023)। पारिवारिक हिंसा में प्रौद्योगिकी-आधारित मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका: साहित्य और संक्षिप्त केस अध्ययन। तीसरी अवधारणा, 36(432), 101-104।
- साहा, जी. (2022). महिला मानवाधिकार: प्रतिरोध, मुक्ति और न्याय पर एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, एस. ग्रेबे द्वारा संपादित पुस्तक की समीक्षा। द जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट 13(01), 119-122. <https://drive.google.com/file/d/1nGffdP9bzL44wutWpSsXjxY9fATnnmtd/view>.

खेयाली रॉय

- प्रकाश, एस., सान्याल, एस., और रॉय, के. (2023). कामकाजी महिलाओं में तनाव और जलन: विश्वभारती विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल की महिला संकाय सदस्यों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 4(1), 29-40।
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022). वृद्धावस्था अवसाद: पश्चिम बंगाल के बोलपुर में एक वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच व्यापकता की खोज, रॉय, पी., सान्याल, एस. और पटेल, एस. (संस्करण) द एल्डरली इन इंडिया: ए कलेक्शन ऑफ सिलेक्टेड राइटिंग्स, पीपी 103-114, अल्टरनोट्स प्रेस।
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022). डिजिटल डिवाइड और ऑनलाइन लर्निंग: बोलपुर, एडुसेरे में स्कूल जाने वाले छात्रों का एक अध्ययन - बीसीएम जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 17(2), पीपी 122-137।
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2022). ई-सामाजिक कार्य: चौथी औद्योगिक क्रांति। अध्ययन: ए जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, 12(2), 37-39।

मिथुन मंडल

- मंडल, एम. (2023). कोलकाता की शहरी मलिन बस्तियों में कोविड-19 महामारी के दौरान मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ। वर्तमान विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 13(1). 2250-1770.

- मंडल, एम. (2022). मातृ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का उपयोग: कोलकाता महानगर में मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के बीच एक अध्ययन। रचनात्मक अनुसंधान विचारों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 10(1), 2320-2882.

पायल डे

- डे, पी., और घोष, पी.के. (2022). भारत में असंगठित श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी इनोवेटिव रिसर्च, 2(3), 56-61।

शांतनु कुंडू

- कुंडू, एस., देबनाथ, ए., और रजक, एम. (2023). कोविड-19 के दौरान बिष्णुपुर के बलूचारी बुनकरों के बीच डिजिटल लचीलापन। तीसरी अवधारणा, 36(432), 121-125.
- कुंडू, एस., पाल, एस., और बक्सी, ए.के. (2022). कोविड-19 के विशेष संदर्भ में विघटनकारी वातावरण में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा: सामाजिक कार्य पेशवरों के लिए कुछ अंतर्दृष्टि। साउथ एशियन जर्नल ऑफ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट, 22(2), 183-209।

शौर्य प्रकाश

- प्रकाश, एस., सान्याल, एस., और रॉय, के. (2023). कामकाजी महिलाओं में तनाव और जलन: विश्वभारती विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल की महिला संकाय सदस्यों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, 4(1), 29-40।
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022). वृद्धावस्था अवसाद: पश्चिम बंगाल के बोलपुर में एक वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच व्यापकता की खोज, रॉय, पी., सान्याल, एस. और पटेल, एस. (संस्करण) द एल्डरली इन इंडिया: ए कलेक्शन ऑफ सिलेक्टेड राइटिंग्स, पीपी 103-114, अल्टरनोट्स प्रेस।
- रॉय, के., और प्रकाश, एस. (2022). डिजिटल डिवाइड और ऑनलाइन लर्निंग: बोलपुर, एडुसेरे में स्कूल जाने वाले छात्रों का एक अध्ययन - बीसीएम जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 17(2), पीपी 122-137।
- प्रकाश, एस., और रॉय, के. (2022). ई-सामाजिक कार्य: चौथी औद्योगिक क्रांति। अध्ययन: ए जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, 12(2), 37-39।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभागीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित ऑन-कैंपस और ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट के बाद निम्नलिखित छात्रों को संबंधित संगठनों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है।

अध्याय-2

नाम

अनन्या दास
अंकित भक्त
बिजयिनी साहू
बिजय घोषाल
विश्वजीत दास
बिस्वनाथ घोष
धीरुकल्प सैकिया
दीपिका मिंज
हतदीप कोले
जीत राँय
कुशल कुंडू
मधुलिका शोम
मनीषा चौधरी
नसीमा बेगम
प्रीति साहा
प्रियदर्शनी बिस्वास
पूरबी दास राजस्थान
रचना कुमारी
साहिना परवीन
संघमित्रा बनर्जी
सत्यप्रिया परिधा
सायन घोष
सयानी चटर्जी
शतंती घोष
एस के सहिउद्दीन
सोनम इस्मिन

कार्य पदनाम एवं संगठन

एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद
एसओएस चिल्ड्रेन विलेज इंडिया
गांधी फैलोशिप
जेएसएलपीएस
धारा संस्थान
डब्ल्यूआईएसएच फाउंडेशन
ग्रामीण शिक्षा केंद्र
एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
प्रसारी
एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
वाटरशेड सपोर्ट सर्विसेज और एक्टिविटीज नेटवर्क
जेएसएलपीएस
यूथ4जॉब्स इंडिया
अदानी फाउंडेशन
डब्ल्यूबीसीपीसीआर
ग्रामीण आजीविका विकास परिषद
एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
अदानी फाउंडेशन
एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
जेएसएलपीएस
चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीआईएनआई)
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
जन सूरज (आई-पीएसी)
प्रसारी

सौम्यदीप्त बोस	राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद
सौरव दलुई	कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन
सौरिश भंडारी	एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
सुदीप्त रजक	जन साहस
सुहृद दास बॉक्सी	एसओएस चिल्ड्रेन विलेज इंडिया
सुजॉय घोषाल	पूर्णिया सोशल एंड एजुकेशनल सोसायटी।
सुसामा सरकार	धारा संस्थान
सुष्मिता राँय	सरकार प्रसारी
सुस्मिता गनाई	एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज इंडिया
श्वेता मारक	महिला विकास केंद्र
तनया मजूमदार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान)

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) कृषि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे, कृषि विज्ञान के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, एम.एससी. (कृषि), कुक्कुट विज्ञान में एम.एससी. और कृषि विज्ञान के 12 विषयों में पीएच.डी.। भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से छात्रों ने इस अग्रणी संस्थान से कृषि में अध्ययन करने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में इस संस्थान में 12 विभाग शामिल हैं, अर्थात् 1. कृषि विज्ञान, 2. मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान 3. आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, 4. फसल शरीर क्रिया विज्ञान, 5. बागवानी एवं कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी, 6. कृषि सांख्यिकी, 7. कृषि अर्थशास्त्र, 8. कृषि विस्तार, 9. पादप रोग विज्ञान 10. कृषि कीट विज्ञान, 11. पशु विज्ञान, एवं 12. कृषि अभियांत्रिकी में प्रमुख शिक्षा प्रदान करता है। रिपोर्ट के तहत वर्ष (2022-2023) के दौरान, 71 छात्रों को बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि में प्रवेश दिया गया, जबकि 71 छात्रों (भारतीय 69 विदेशी 02) और 19 छात्रों को एम.एससी. (कृषि) में प्रवेश दिया गया, और पीएच.डी. कार्यक्रम, क्रमशः। इस वर्ष के दौरान, बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि के 54 छात्र, एम.एससी. (कृषि) के 77 छात्र, और पीएच.डी. के 21 छात्र को संबंधित उपाधियों से सम्मानित किया गया। वर्तमान में इस भवन के विभिन्न विभागों में 152 शोधार्थी अपना शोध कार्य कर रहे हैं तथा 27 शोधार्थी पीएच.डी. थीसिस जमा कर चुके हैं। प्रवेशित छात्रों में, पश्चिम बंगाल के छात्रों के अलावा, हमारे पास सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों और बांग्लादेश जैसे अन्य देशों के छात्र हैं। संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के दौरान आईसीएआर के बीएसएमए दिशानिर्देशों के अनुसार स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पुनर्गठित और संशोधित पाठ्यक्रम को अपनाया है।

इस वर्ष (2022-2023) के दौरान, यह उल्लेखनीय है कि इस संस्थान के 12 छात्रों ने अखिल भारतीय आधार पर प्रतिस्पर्धी परीक्षा के माध्यम से आईसीएआर जेआरएफ में अर्हता प्राप्त की और प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों और आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थानों में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए प्रवेश लिया। (आईसीएआर-आईएआरआई), आईसीएआर-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (नई दिल्ली), आईसीएआर-एनडीआरआई (करनाल), जीबीपीयूए एंड टी कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (पंतनगर), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वाराणसी), आईजीकेवी (रायपुर), आदि के कई छात्रों को कैंपस साक्षात्कार और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है।

संकायों और छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया, संकायों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और संकायों द्वारा कुल 115 शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मि समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।

इस संस्थान ने 18.05.2022 को डॉ. वाई.एस. शिवाय, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा जिनक के एग्रोनोमिक बायो-फोर्टिफिकेशन पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया और 15.12.2022 को छात्र और संकाय के लिए एफएआई, पूर्वी भारत, कोलकाता के सहयोग से एक उर्वरक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) मंत्रालय का एक बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर। भारत के पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) में स्थापित किया गया है क्योंकि विश्वभारती को वर्ष 2022 में मंत्रालय से मेजबान संस्थान की मान्यता मिली है।

बारह शैक्षणिक विभागों के अलावा, संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों का समर्थन करने के लिए निम्नलिखित इकाइयाँ हैं।

कृषि फार्म

पल्ली शिक्षा भवन के कृषि फार्म का क्षेत्रफल 47.0 हेक्टेयर है। (34 हेक्टेयर भूमि 02.07.2007 को रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र को आवंटित की गई थी, जो पल्ली-शिक्षा भवन के तहत कार्य कर रहा है। 13.0 हेक्टेयर का सिंचित क्षेत्र, 12.0 हेक्टेयर का शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र और 1.0 हेक्टेयर का प्रायोगिक क्षेत्र।

यह कृषि फार्म यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों के साथ-साथ क्षेत्र अनुसंधान गतिविधियों में शामिल संकायों के लिए एक क्षेत्रीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। यूजी छात्रों के लिए फील्ड आधारित प्रैक्टिकल और पीजी और पीएचडी छात्रों के थीसिस कार्य से संबंधित विभिन्न प्रयोग विभिन्न मौसमों में कृषि फार्म में आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष (2022-2023) के दौरान अस्सी क्षेत्रीय परीक्षण और प्रयोग किए गए।

पुस्तकालय

पीएसबी पुस्तकालय 1957 में स्थापित हुई थी और यह विश्वभारती की सबसे बड़ी अनुभागीय पुस्तकालय है जो कृषि संस्थान के बारह विभागों और विशेष रूप से सामाजिक कार्य और ग्रामीण विकास विभाग और सामान्य तौर पर ओपन एक्सेस पुस्तकालय प्रणाली के साथ विश्वभारती के भीतर विभिन्न भवनों के अन्य विभागों को सेवा प्रदान करती है। पुस्तकालय पुस्तकों और पत्रिकाओं, ग्रे साहित्य के साथ-साथ ई-संसाधनों के रूप में दस्तावेजी संसाधनों से सेवाएँ प्रदान करता है। पुस्तकालय अपनी वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ दस्तावेजों को ब्राउज़ करने और पुनर्प्राप्त

अध्याय-2

करने के लिए इंटरनेट और इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। अध्ययनाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने 50 पत्रिकाएँ और 2098 पुस्तकें खरीदीं। पुस्तकालय संग्रह में 54946 पुस्तकें और 5095 जिल्दबद्ध पत्रिकाएँ हैं।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला

पल्ली शिक्षा भवन की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (एसटीएल) ने इस क्षेत्र की कृषि मिट्टी की उर्वरता स्थिति का आकलन किया है, विशेष रूप से सिउड़ी सब-डिविजन, बोलपुर सब-डिविजन और रामपुरहाट सब-डिविजन के 19 ब्लॉकों में। यह खेत की फसलों के लिए उर्वरक अनुप्रयोग की सिफारिशें प्रदान करता है। केंद्र प्रायोजित 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' के तहत मिट्टी के नमूनों का विश्लेषण अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान सुचारू रूप से चल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के अलावा, श्रीनिकेतन, सिउड़ी-1 और 2, दुबराजपुर, इलमबाजार और उसके आसपास के किसानों से मिट्टी के नमूने लिए गए। खोइरासोल और विश्वभारती, बर्दवान विश्वविद्यालय, डब्ल्यूबीयूएफएस और सीकॉम के छात्रों का स्वागत किया गया। इस वर्ष प्राप्त 1270 मृदा नमूनों में से 1270 मृदा नमूनों का सफलतापूर्वक परीक्षण एवं अनुशंसा की गई है। रिपोर्ट संप्रेषित की गई।

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र (आरकेवीके)

रथीन्द्रकृषि विज्ञान केंद्र (आरकेवीके) ने 228 सूचना, ज्ञान और कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए, जिसमें बीरभूम जिले के 5811 अभ्यासशील किसान और कृषक महिलाएं (प्रशिक्षु के रूप में), ग्रामीण युवा और जमीनी स्तर के विस्तार कार्यकर्ता शामिल हुए। केंद्र ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) के सहयोग से किसानों, कृषक महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। केंद्र ने विभिन्न गांवों में उनके स्थान विशिष्ट मूल्यांकन और सत्यापन के लिए कृषि और संबंधित क्षेत्रों पर राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) से आने वाली विभिन्न प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं पर 8 ऑन फार्म परीक्षण (ओएफटी) आयोजित किए हैं। केंद्र ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित पूर्व मूल्यांकित और सफल प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं पर फ्रंट लाइन प्रदर्शन (एफएलडी) का भी आयोजन किया, जिसमें 1723 किसान शामिल हुए। केवीके ने सलाहकार सेवाएं, केंद्र में किसानों की नैदानिक यात्राएं, क्षेत्र दिवस, समूह चर्चा, किसानों के खेतों में वैज्ञानिकों की यात्रा आदि जैसे 690 विस्तार कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिसमें 4750 किसान, कृषक महिलाएं और ग्रामीण युवा शामिल हुए। केंद्र के वैज्ञानिकों ने रिकॉर्ड किए गए प्रारूपों में कृषक समुदाय के लिए उपयोगी विभिन्न विषयों पर 10 रेडियो प्रसारण और 02 टीवी टेलीकास्ट में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रदर्शन किया। केंद्र ने सीकॉम विश्वविद्यालय, नेओटिया विश्वविद्यालय, झारखंड आरएआई विश्वविद्यालय, श्री देव सुमन उत्तराखंड के छात्रों का मार्गदर्शन किया है। यूनिवर्सिटी, हिमगिरी ज़ी यूनिवर्सिटी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और शिक्षा ओ अनुसंधान (डीमड यूनिवर्सिटी)

उड़ीसा में बी.एससी. (कृषि) ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई) पर सातवें सेमेस्टर का सम्मान। केंद्र राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से इनपुट डीलर्स (डीईसीआई) के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा पर दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम (दो सेमेस्टर अवधि के) का आयोजन कर रहा है। कृषि विस्तार प्रबंधन (मैनेज), सरकार भारत इस अवधि के दौरान, आरकेवीके ने बीरभूम जिले के कृषक समुदाय के लिए कृषि-मौसम डेटा और सलाह की वास्तविक समय रिकॉर्डिंग और प्रसार के लिए जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाई (डीएमयू) की स्थापना की। केंद्र ने मधुमक्खी पालन और जैव-इनपुट उत्पादन पर ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास के लिए दो एससीएसपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा केवीके 39 किं. का उत्पादन भी करता है। बीज की संख्या, 45700 सब्जियों के पौधे, 40 किं. वर्मीकम्पोस्ट एवं 30 किं. जैविक खेती के लिए अजोला। केंद्र ने 07 शोध पत्र, 08 विस्तार साहित्य, 02 पुस्तकें, 10 लोकप्रिय लेख और 03 इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन प्रकाशित किए। किसानों और खेतिहर महिलाओं के लिए आरकेवीके ने 2390 की संख्या के साथ पोषण एवियन, विश्व मृदा दिवस, कृषि महिला दिवस, राष्ट्रीय दुग्ध दिवस, पी.एम. किसान सम्मान निधि आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए। इनके अलावा, आरकेवीके में प्राकृतिक खेती पर 5 कार्यक्रम और बाजरा खेती को बढ़ावा देने हेतु 4 कार्यक्रम में 3146 किसान और कृषक महिलाएं शामिल हुए।

कृषि अर्थशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

देबाशीष सरकार

- 17.03.2023. आरकेवीके, विश्वभारती में आयोजित आरकेवीके, विश्वभारती की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 26वीं बैठक के सदस्य
- 11.02.2023. आईआर केंद्र, टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के विशेषज्ञ सदस्य, आईआर केंद्र, टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार
- 13.02.2023. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में "नए सामान्य में कृषि विस्तार और बाजार लिंकेज के लिए आईसीटी-सक्षम समाधान" पर आईसीएआर प्रायोजित सीएफटी प्रशिक्षण के मुख्य वक्ता
- 10.12.2022. आईएमएसई, लाबपुर, बीरभूम में खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने और सतत कृषि में योगदान देने में किसान उत्पादक कंपनी की भूमिका पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 25.11.2022-26.11.2022. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्ट-अप (सीएजीएसएस-2022) के माध्यम से विकास, लाभप्रदता और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय कौशल को परिवर्तित करने पर राष्ट्रीय सेमिनार में लीड पेपर प्रस्तुत किया गया। आरवाई के संग्रह में 54946 पुस्तकें और 5095 जिल्दबद्ध पत्रिकाएँ हैं।

बी. सी. रॉय :

- 10.11.2022-12.11.2022. चेयरमैन, रैपोर्टर और सीएयू, इंफाल में इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई के 82वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- 25.06.2022. कृषि भवन, बरहामपुर में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के तहत राज्य स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में व्याख्यान दिया और पेपर प्रस्तुत किया।
- 19.07.2022. एसडीए कार्यालय, बोलपुर, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के तहत राज्य स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में व्याख्यान दिया और पेपर प्रस्तुत किया।

बितान मंडल

- 25.04.2022-30.04.2022. आईएफपीआरआई और बीएचयू द्वारा संयुक्त रूप से बीएचयू, वाराणसी में आयोजित "प्रभाव मूल्यांकन विधियों के लिए विश्लेषणात्मक तकनीक" विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

- 25.11.2022-26.11.2022. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्ट-अप के माध्यम से विकास, लाभप्रदता और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय कौशल को एकजुट करने पर राष्ट्रीय सेमिनार में लीड पेपर प्रस्तुत किया।
- 09.05.2022-10.05.2022. वस्तुतः एएयू आनंद में आयोजित "सैटेलाइट फार्मिंग" पर दो दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।
- 27.02.2023. ओयूएटी, चिपलिमा में "बड़े डेटा विश्लेषण पर कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" में बाहरी विशेषज्ञ।

आरती

- 25.04.2022-30.04.2022. आईएफपीआरआई और बीएचयू द्वारा संयुक्त रूप से बीएचयू, वाराणसी में आयोजित "प्रभाव मूल्यांकन विधियों के लिए विश्लेषणात्मक तकनीक" विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।
- 09.05.2022-10.05.2022. वस्तुतः एएयू आनंद में आयोजित "सैटेलाइट फार्मिंग" पर दो दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।
- 25.11.2022-26.11.2022. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्ट-अप के माध्यम से विकास, लाभप्रदता और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय कौशल को परिवर्तित करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 27.02.2023. ओयूएटी, चिपलिमा में "बड़े डेटा विश्लेषण पर कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" में बाहरी विशेषज्ञ।

सुब्रत गौरैन

- 21.08.2022-19.09.2022. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में वस्तुतः आयोजित "विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" विषयक 4-सप्ताह के संकाय प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 25.11.2022-26.11.2022. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्ट-अप के माध्यम से विकास, लाभप्रदता और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय कौशल को परिवर्तित करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ में विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

विभाग अपनी स्थापना से ही प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण (टीओटी) में शामिल है। इनके अलावा, एनएसएस गतिविधियाँ भवन की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित की जाती हैं और विभाग के सभी कर्मचारियों द्वारा भाग लिया

अध्याय-2

जाता है। विभागीय सेमिनार आयोजित करने के अलावा, विभाग के संकाय सदस्यों ने नियमित रूप से जिला और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समूह की बैठकों में भाग लिया और कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान दिए।

बिधान चंद्र रॉय

- 25.06.2022: भारत में जूट अर्थव्यवस्था: मुद्दे और चुनौतियाँ; राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के अंतर्गत राज्य स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में दिया गया व्याख्यान; कृषि भवन, बेरहामपुर।
- 19.07.2022: तिलहन उत्पादन का आर्थिक पहलू और भारत में तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण; राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पश्चिम बंगाल के अंतर्गत राज्य स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण में दिया गया व्याख्यान; एसडीए कार्यालय, बोलपुर।

शिक्षकों/शोधार्थियों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

देबाशीष सरकार

- अध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संघ, नई दिल्ली
- प्रधान संपादक, आर्थिक कार्य, नई दिल्ली
- प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, नई दिल्ली
- एसोसिएट एडिटर, एसजेएवीएस, असम
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य और समीक्षक, जर्नल ऑफ सोशल साइंस स्टडीज, यूएसए
- सलाहकार, इंस्टीट्यूट फॉर मोटिवेटिंग सेल्फ एम्प्लॉयमेंट (आईएमएसई), कोलकाता
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ, नई दिल्ली
- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, कृषि व्यवसाय प्रबंधन और खाद्य प्रौद्योगिकी, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग, मेघालय

बिधान चंद्र रॉय

- अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स का 82वां वार्षिक सम्मेलन, मुंबई
- सदस्य, क्रिकेनियल रिव्यू टीम (क्यूआरटी), आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, आईसीएआर-एमजीआईएफआरआई, मोतिहारी, बिहार

- सदस्य और टीम लीडर, तकनीकी सलाहकार समिति, पहाड़ी और पर्वतीय परिदृश्य में कृषि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य
- प्रतिवेदक, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स का 82वां वार्षिक सम्मेलन, मुंबई
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एमिटी जर्नल ऑन एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑन सोशल साइंस, नई दिल्ली
- बाहरी सदस्य, संस्थान बोर्ड, पल्ली-संगठन भवन, विश्वभारती
- मानद निदेशक, आईआरसी, विश्वभारती (अप्रैल, 2022 तक)
- सदस्य, पीजी एवं पीएच.डी. पीएसबी की अध्यादेश मसौदा समिति

बितान मंडल

- 25-26 नवंबर, 2022 को "कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्ट-अप के माध्यम से विकास, लाभप्रदता और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय कौशल को परिवर्तित करना" में सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति।
- संपादक, आर्थिक कार्य, नई दिल्ली
- सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई
- सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ, नई दिल्ली
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- जैव संसाधन, पर्यावरण एवं कृषि अनुसंधान सोसायटी के आजीवन सदस्य
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संघ, नई दिल्ली

आरती

- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ, नई दिल्ली
- आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संघ, नई दिल्ली

प्रकाशन:

जर्नल में शोध पत्र

- सिंह, जे.के., सरकार, डी, और मंडल, बी. (2022), भारत के मणिपुर में अनानास की खेती के अर्थशास्त्र पर अध्ययन। आर्थिक मामले, 67(5), 833-837.

अध्याय-2

- 2.मंडल, बी., आरती और रॉय, बी.सी., (2022), वैज्ञानिक, बाजार एकीकरण और एक कीमत का कानून: भारत के प्रमुख प्याज बाजारों का अन्वेषण। 1(3). 2678-2692. डीओआई: <https://doi.org/10.5281/zenodo.7342359>
- पॉल, डी., मंडल, बी., आरती, और रॉय, बी. सी. (2022)। उत्पादन से परे: विविधीकरण भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कृषि आय को कैसे बढ़ा सकता है? कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान समीक्षा, 35(कॉन्फ), 123-133।
- रॉय, बी.सी. (2022)। सतत कृषि विकास, विविधीकरण और कृषि आय, रिपोर्टर्स रिपोर्ट, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, 77(3): आईएसएसएन 0019-5014
- बैराग्य, जी. और रॉय, बी. सी. (2022)। महिला स्व-सहायता समूहों (डब्ल्यूएसएचजी) के माध्यम से माइक्रोफाइनेंस - दक्षिणी पश्चिम बंगाल में माइक्रोक्रेडिट और इसके उपयोग तक पहुंचने में बाधाएं, 10-12 नवंबर के दौरान सीएयू, इंफाल, मणिपुर में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स के 82वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर। 2022.
- बैराग्य, जी. और रॉय, बी. सी. (2023)। माइक्रो-फाइनेंस की पहुंच और वितरण में बाधाएं: दक्षिणी पश्चिम बंगाल में बैंक लिंकेज मॉडल के साथ महिला स्वयं सहायता समूह पर आधारित एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू (आईजेआरएआर), 10(1):980-993।
- रॉय, बी.सी. (2023)। सतत कृषि विकास, विविधीकरण और कृषि आय, समूह चर्चाओं का सारांश, विषय- 1, भारतीय कृषि अर्थशास्त्र जर्नल, 78(1): 79-83।
- मंडल, बी., आरती और गोराई, एस. (2022)। कृषि करेंट अफेयर्स. खाद्य एवं वैज्ञानिक रिपोर्ट, 3(12):1-7.
- दीक्षित, ए.के., सिरौही, एस., रविशंकर, के.एम., करियप्पा, ए.ए., कुमार, एस., भंडारी, जी., और आरती। (2022)। उभरती मूल्य श्रृंखलाओं और व्यावसायिक प्रदर्शन को कम आंकना: भारत में डेयरी उद्योग से साक्ष्य। विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि व्यवसाय जर्नल, (प्रिंट से पहले)।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या अन्य शिक्षण नवाचार का डिजाइन।

विभाग ने पहले ही कदम उठाए हैं (बीओएस, कृषि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा अनुमोदित) और अकादमिक परिषद में रखा गया है, विश्वभारती तो कृषि अर्थशास्त्र के विषय में दो साल के मास्टर डिग्री कार्यक्रम की पहल की है। विभाग की कम्प्यूटर प्रयोगशाला को आधुनिक उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर से आधुनिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में लागू, नीति और समस्या-समाधान अनुसंधान में लगा हुआ है, जिसमें बाजार, व्यापार, वित्त, कृषि-व्यवसाय, आजीविका, प्राकृतिक संसाधन, संस्थान, वृद्धि और विकास जैसे विभिन्न विषयगत क्षेत्र शामिल हैं। कृषि में मुद्दों के सापेक्ष महत्व के आधार पर, विभाग लगातार इन मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करने में लगा हुआ है। उत्पादन अर्थशास्त्र, कृषि विपणन, कृषि वित्त, कृषि वृद्धि और विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं चलाई गईं।

विभाग को कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर शिक्षण और अनुसंधान करने का अधिकार है। तदनुसार, विभाग ने आर्थिक उदारीकरण के बाद के युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को तैयार किया है। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर कई अनिवार्य मुख्य पाठ्यक्रमों के साथ-साथ उन्नत वैकल्पिक और लघु पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के उभरते क्षेत्रों और कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक नीतियों और कार्यक्रमों के मूल्यांकन में नीति निर्माताओं को जागरूक करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि अर्थशास्त्र विभाग में विशेषज्ञता के बहु-क्षेत्रों के साथ पांच स्वीकृत शिक्षण पद हैं। विभाग के पास एक कंप्यूटर प्रयोगशाला भी है।

स्थान, बजट, बुनियादी ढांचे और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उपलब्धता के मामले में गंभीर बाधाओं के बावजूद, विभाग शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में उच्च प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने में सक्षम था। वर्ष के दौरान, चार पीएचडी छात्रों ने अपनी थीसिस जमा की है और उन्हें डिग्री से सम्मानित किया गया। इस वर्ष, विभाग के संकाय सदस्यों ने भवन के अंतिम वर्ष के यूजी छात्रों का मार्गदर्शन किया और नियमित आधार पर विशेष कक्षाएं आयोजित कीं। सामाजिक विज्ञान में आईसीएआर-जेआरएफ के उद्देश्य के लिए उपयोगी रूप से, जिसके कारण आईसीएआर-जेआरएफ जैसे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षणों में लगभग 100% सफलता मिली। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी विभाग ने किसानों और विस्तार कर्मियों (परिसर और परिसर से बाहर दोनों) के लिए कई क्षेत्रीय दौरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। विभाग ने बाहरी प्रायोजित परियोजनाओं, प्रकाशनों, विस्तार गतिविधियों और अन्य विभागों और संस्थानों के साथ नीतिगत संबंधों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि।

के.सी. स्वाइन

- 02.02.2023-03.02.2023. विश्वभारती में फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- 03.02.2023-04.02.2023, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में "स्थायी सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

एल. हैगिंग:

- 03.02.2023-04.02.2023. आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में "स्थायी सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

छात्रों द्वारा प्रस्तुति:

- एस. कुमारी ने 02-03 फरवरी 2023 के दौरान वीज़ा-भारती में फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- एस. कुमारी ने 03-04 जनवरी, 2023 के दौरान आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में "स्थायी सामाजिक विकास के लिए प्राकृतिक फाइबर" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया है।
- पी. माजी ने 02-03 फरवरी 2023 के दौरान वीज़ा-भारती में फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- एन.आर. येवले ने 17-20 जुलाई 2022 के दौरान ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में आयोजित एसएबीई की वार्षिक बैठक में पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

शिक्षक का नाम: डॉ. के.सी. स्वाइन (को-पीआई)

परियोजना का नाम: जैव-प्रभावकारिता, गेहूं और मक्का पर गीओडी-एच010 की फोटोक्सिसिटी और आगामी फसलों के प्रभाव पर अध्ययन

प्रायोजक एजेंसियां: गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड

स्वीकृत राशि: 5.7525 लाख रुपये

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

- एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- 10 मार्च 2023 को गांधी पुनिया सफाई कार्यक्रम
- 15-16 जनवरी 2023 के दौरान शीतकालीन वस्त्र वितरण शिविर
- 29-31 अगस्त 2022 और 05-08 मार्च 2023 के दौरान एनएसएस ग्राम शिविर

शिक्षक/शोधार्थी या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

राजेश, ई., मोहिते, एस.एच., शर्मा, जी., अग्रवाल, के., स्वाइन, के.सी., साहू, एस.आर., मेनन, एस., पांडे, एस.आर. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके आपूर्ति श्रृंखला खुदरा के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की निगरानी। 28 अक्टूबर 2022 को पेटेंट प्रकाशन संख्या 202241048863.

प्रकाशन:

पाठ्यपुस्तकें

- स्वाइन, के.सी. और जयसूर्या, एच. (2022)। कृषि में कम ऊंचाई वाला रिमोट सेंसिंग सिस्टम, सरला पब्लिकेशन हाउस, कटक, 138 पृष्ठ। आईएसबीएन-978-81-959737-0-5.
- कंडासामी, पी (2022), फसल प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी और संरक्षित खेती के मूल सिद्धांत। ब्रिलियन प्रकाशन, आईएसबीएन:978-93-92725-48-7

शोध पत्र:

- सिंघा, सी., गुलज़ार, एस., स्वाइन, के.सी. और प्रधान, डी. (2022)। कश्मीर घाटी, भारत में जीईई क्लाउड के माध्यम से नवीन मशीन लर्निंग तकनीकी का उपयोग करके ऐप्पल यील्ड भविष्यवाणी मैपिंग, एप्लाईड रिमोट सेंसिंग जर्नल, 17 (1): 014505
- सिंघा, सी., स्वाइन, के.सी.; मेलिहो, एम.; अब्दो, एच.जी.; अलमोहम्मद, एच.; अल-मुतिरी, एम. (2022)। असम, भारत में नवीन हाइब्रिड मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके बाढ़ खतरा क्षेत्र मानचित्र का स्थानिक विश्लेषण, रिमोट सेंसिंग, 14: 6229। <https://doi.org/10.3390/>
- सिंघा, सी., स्वाइन, के.सी. और जयसूर्या, एचपीडब्ल्यू (2022), क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से सेंटिनल-1 डेटा का उपयोग करके आलू की फसल की वृद्धि और उपज की निगरानी, अरेबियन जर्नल ऑफ जियो-साइंस, 15(19):1-16

अध्याय-2

- कुमार, ए., कंडासामी, पी. और चक्रवर्ती, आई. (2022), फोम मैट सुखाने के लिए आम के गूदे के फोमिंग गुणों का विश्लेषण: अंडे की एल्बुमिन सांद्रता और व्हिपिंग समय का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ द इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज़ ए, 103 (3): 717-724.
- बिश्वा, ओ., कंडासामी, पी. और दास, एस.के. (2022), सोलर कूलर (5 - 1०सी) में संग्रहित मछली के नगेट्स की गुणवत्ता और स्वीकार्यता पर ड्रैगन फ्रूट के छिलके के पाउडर का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 59 (9) : 3647-3658.
- येवले, एन. आर., गुप्ता, एस.वी., पाटिल, बी.एन., मान, एस. और कंडासामी, पी. (2023), संग्रहित मूंग (विग्ना रेडिएटा) में कैलोसोब्रूचस मैक्यूलेटस फैब्रिकियस (कोलोएरा: ब्रुचिना) के कारण होने वाले भंडारण नुकसान को नियंत्रित करने के लिए हर्मेटिक सुपरग्रेन बैग। कीट विज्ञान अनुसंधान बुलेटिन, 113 (1): 98-106.
- येवले, एन.आर.स्ट्रोशाइन, आर.एल.एम्ब्रोस आर.पी.के. और बारीबुत्सा, डी. (2023), गीली मक्का का अल्पकालिक भली भांति भण्डारण और उसकी गुणवत्ता, खाद्य पदार्थ, 12(4): 891-895।
- बिश्वास, ओ., कंडासामी, पी., नंदा, पी.के., बिश्वास, एस., लोरेजो, जे.एम. दास, ए., एलेसेंड्रोनी, एल., लामरी, एम., दास, ए.के. और गगौआ, एम. (2023), मांसपेशियों के खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संरक्षण और सुधार के लिए प्राकृतिक योजक के रूप में फाइटोकेमिकल्स: मछली और मछली उत्पादों पर ध्यान केंद्रित। खाद्य सामग्री अनुसंधान, 3(1).
- किचू, आर., दत्ता, एम., नायक, आर.सी. और हैंगशिंग, एल. (2022), ऊपरी धनसिरी, नागालैंड, भारत के दजुमा वाटरशेड का मात्रात्मक रूपमितीय विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ़ इकोलॉजी, 49(3): 837-842.
- कुमार, ए., कंडासामी, पी., चक्रवर्ती, आई. और हैंगशिंग, एल. (2022), संवहनशील गर्म हवा वाले ड्रायर में आम को फोम-मैट में सुखाने के दौरान ऊर्जा की खपत, गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण, सुखाने की गतिशीलता और प्रभावी नमी प्रसार का विश्लेषण। बायोसिस्टम इंजीनियरिंग, 219 : 85-102.
- लैरेंजम, सी. और हैंगशिंग, एल. (2023), मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) का उपयोग करके कोहिमा, नागालैंड, भारत में सूखे का आकलन। एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग पर आईएसईटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (केस 2021) एआईपी सम्मेलन प्रोक. 2690, 020017-1-020017-7.

कृषि कीटविज्ञान विभाग

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

हीरक चटर्जी

- 17 फरवरी 2023, कृषि विभाग, जिला-बीरभूम के विस्तार कार्यकर्ताओं और सहायक कृषि निदेशक की प्रशिक्षण बैठक में "तिलहन फसलों पर आईपीएम" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 2-3 फरवरी 2023, 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के अध्यक्ष (तकनीकी सत्र -5: फसल रोगों के जैविक और अजैविक कारण, उनकी पहचान, पहचान और लक्षण वर्णन) पादप रोगविज्ञान विभाग, द्वारा आयोजित, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
- 24 जनवरी 2023, सहकर्मी समीक्षा समिति (पीआरसी) के अध्यक्ष और डीएसआईआर के टीडीयूपीडब्ल्यू कार्यक्रम के तहत मयूरभंज जैविक अनुसंधान को समर्थित "ओडिशा के आदिवासी बहुल मयूरभंज जिले में रेशमकीट संस्कृति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" नामक परियोजना की पहली बैठक आयोजित की।
- 31 दिसंबर 2022, उप कृषि निदेशक (प्रशासन), खैरासोल द्वारा आयोजित "भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति" पर व्याख्यान दिया।
- 12 जुलाई 2022, कृषि विभाग, जिला-बीरभूम के विस्तार कार्यकर्ताओं और सहायक कृषि निदेशक की प्रशिक्षण बैठक में "तिलहन फसलों पर आईपीएम" विषय पर व्याख्यान दिया।

पलाश मंडल

- 2-3 फरवरी 2023, 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के अध्यक्ष (तकनीकी सत्र -5: फसल रोगों के जैविक और अजैविक कारण, उनकी पहचान, पहचान और लक्षण वर्णन) प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित।
- 4 और 5 जनवरी 2023, बीरभूम जिले में एडीएमआई परियोजना के तहत बागवानी वृक्षारोपण के प्रबंधन पर क्रमशः राजनगर और बोलपुर में आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

अध्याय-2

- 14-15 अप्रैल 2022, "महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और साबित्रीबाई फुले की विरासत" विषय पर वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन में मिर्च थ्रिप्स के विरुद्ध रणनीति: ग्रामीण बंगाल के किसानों के लिए प्रबंधन प्रथाओं का एक पैकेज। कीटनाशक प्रतिरोधी प्रबंधन विषय पर पेपर प्रस्तुत किया

स्वर्णाली भट्टाचार्य

- 6 से 15 मार्च, 2023, एके दासगुप्ता योजना एवं विकास केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति" पर दस (10) दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 25 - 26 फरवरी, 2023 को "प्राकृतिक खेती और वैश्विक खाद्य विपणन नीति के लिए भविष्य की कृषि प्रौद्योगिकी" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पश्चिम बंगाल में बीटी-कॉटन को संक्रमित करने वाले प्रारंभिक चरण के कीटों का वितरण पैटर्न" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया। महात्मा गांधी चित्रकूटग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना, म.प्र., आर.एस. कृषि शोध संस्थान एवं अखिल भारतीय अंत्योदय विचारक मंच, लखनऊ, उ.प्र. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।
- 2-3 फरवरी, 2023 को पादप रोग विज्ञान विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटोमोपैथोजेन लेकेनिसिलियमलेकैनी के विकास सूचकांकों पर विभिन्न कीटनाशकों की अनुकूलता" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2-3 फरवरी, 2023, पादप रोग विज्ञान विभाग विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फसल उत्पादन के लिए एकीकृत पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तनाव प्रबंधन' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 21-27 दिसंबर, 2022, साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, यूपी द्वारा बायोस्टैटिस्टिकल डेटा विश्लेषण और अनुसंधान पद्धति पर आयोजित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 8-10 दिसंबर, 2022, तीसरे राष्ट्रीय संगोष्ठी 'एंटोमोलॉजी 2022: नवाचार और उद्यमिता' में एक और विषय "पश्चिम बंगाल का गांगेय बेसिन के अंतर्गत प्रमुख कीटों के लिए बेल मिर्च (शिमला मिर्च वार्षिक वर ग्राँसमसंड) की व्यावसायिक किस्मों की सापेक्ष संवेदनशीलता" पर पेपर प्रस्तुत किया गया। पीजेटीएसएयू, हैदराबाद; ईएसआई, नई दिल्ली; पीपीएआई, हैदराबाद और एग्री बायोटेक फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित। 13 जुलाई, 2022 - "सांस्कृतिक और जैविक तरीकों के माध्यम से कीट प्रबंधन" विषय पर किशनवाणी कार्यक्रम में भाग लिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

स्वर्णाली भट्टाचार्य

- चावल बीपीएच के विरुद्ध पाइमेट्रोज़िन 50% डब्ल्यूजी की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन। (यू स्वीकृति तिथि - 17.06.2022)
- प्रायोजक एजेंसी: रेनबो एग्रोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड
- स्वीकृत राशि (रु.): 3,52,820/-
- बैंगन की फसल और चाय बागान में लाल मकड़ी घुन के खिलाफ एटोक्साज़ोल 10% एससी फॉर्मूलेशन की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन (विश्वविद्यालय स्वीकृति तिथि - 4.11.2022)
- प्रायोजक एजेंसी: बेस्ट क्रॉप साइंस प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि (रु.): 4,14,180/-
- बैंगन, कपास, मिर्च, भिंडी और मूंगफली की फसल को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कीड़ों के खिलाफ बीएएल 175, बीएएल 2325, बीएएल 3566 की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन (विश्वविद्यालय स्वीकृति तिथि - 24.11.2022)
- प्रायोजक एजेंसी: सीडलिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि (रु.): 23,01,000/- (प्राप्त 11,50,500/-)
- चावल में तना छेदक और लीफ फ़ोल्डर को संक्रमित करने वाले कीटों के विरुद्ध लैम्ब्डा 1.5% + इमामेक्टिन 1.25% + बिफेन्थ्रिन 4.5% ईसी की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन। (विश्वविद्यालय स्वीकृति तिथि - 21.02.2023)
- प्रायोजक एजेंसी: जेयू एग्री साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड।
- स्वीकृत राशि (रु.): 5,36,900/- (प्राप्त 2,27,500/-)
- प्ररोह बेधक, शीर्ष प्ररोह बेधक और दीमक से ग्रसित गन्ने के विरुद्ध BAL 175 फॉर्मूलेशन की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी पर अध्ययन। (विश्वविद्यालय स्वीकृति तिथि - 21.02.2023)
- प्रायोजक एजेंसी: सीडलिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि (रु.): 5,98,260/- (प्राप्त 2,53,500/-)

पलाश मंडल

- बीपीएच, डब्ल्यूबीपीएच और जीएलएच के खिलाफ चावल में प्राकृतिक शत्रुओं पर इसके प्रभाव सहित एथिप्रोल 200 + बेंज़पाइरीमोक्सन 300 एससी जी/एल की जैव प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी पर अध्ययन

अध्याय-2

- प्रायोजक एजेंसी: बायर क्रॉप साइंसेज
- स्वीकृत राशि (रु.): 4,60,200/-
- लेपिडोटेरान के विरुद्ध नए कीटनाशक 'एनआईआई 2002' का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन
- मक्के के कीट
- प्रायोजक एजेंसी: निकिनो इंडिया प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि (रु.): 4,29,520/-

विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता और विभाग द्वारा आयोजित विस्तृत गतिविधियाँ/एनएसएस/सांस्कृतिक अन्य गतिविधियाँ

विभाग स्थापना से ही प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण (टीओटी) में शामिल है। विभाग विभागीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है, विभाग के संकाय सदस्य नियमित रूप से जिला और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समूह की बैठकों में भाग लेते हैं, और कृषि विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान देते हैं। विभाग के संकाय सदस्यों ने ऑल इंडिया रेडियो (एफएम 103.1) में विभिन्न आउटरीच और विस्तार कार्यक्रमों में भी नियमित रूप से भाग लिया। इसके अलावा, विभाग के छात्र समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों पर कार्यालय समय के दौरान एक प्लांट हेल्थ क्लिनिक भी चलाता है। कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन सलाहकार सेवाएं भी किसानों तक पहुंचाई जाती हैं। स्थायी कीट प्रबंधन के लिए नैदानिक और सलाहकार सेवाएं कृषि निदेशालय, पश्चिम बंगाल और विभिन्न गैर सरकारी संगठन तक भी पहुंचाई जाती हैं। इसके अलावा संकाय सदस्य रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें आसपास के गांवों में उत्पादकों को खेत पर प्रशिक्षण भी शामिल था। इसके अलावा संकाय एनएसएस द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, गांधी पुण्य, माघमेला, हलकर्षण, रक्तदान शिविर में सक्रिय रूप से शामिल हैं। 21 मार्च, 2023 को डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य ने "कीट प्रबंधन में जैव कीटनाशकों की भूमिका" विषय पर किसान वनिलिव फोन-इन कार्यक्रम, शांतिनिकेतन में भाग लिया।

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/शोधार्थी द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.एस.ए. आदि के रूप में मान्यता)

संकायों द्वारा प्राप्त पुरस्कार:

- डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य - 8 अगस्त, 2022 को सोसाइटी फॉर बायोटेक एंड एनवायरनमेंटल रिसर्च द्वारा "उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार - 2022" से सम्मानित किया गया।

छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार:

- निखिता जी - 17-19 अक्टूबर 2022 के दौरान आईक्यूएसी, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु द्वारा "कृषि की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण कीटों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" विषय पर उच्च शिक्षा में नवीन प्रौद्योगिकियों और उनके अनुप्रयोगों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुभाजीत पाल - प्लांट पैथोलॉजी विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा 2-3 फरवरी, 2023 को 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति में दूसरा स्थान हासिल किया। "पश्चिम बंगाल में एक नए एंटोमोपैथोजेनिक कवक, कॉर्डिसेप्स जावनिक्न को संक्रमित करने वाला मक्का फॉल आर्मीवॉर्म, स्पोडोपेटरा फ्रुगिपरडा (जे.ई.स्मिथ) (लेपिडोपेटरा: नोक्टुइडे) का रिकॉर्ड।
- कीर्तिका एन - प्लांट पैथोलॉजी विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा 2-3 फरवरी, 2023 को 'फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' विषय "सफेद मक्खियाँ, बेमेसियाटाबासी गेनाडियस, ओकरा की पीली शिरा मोज़ेक बीमारी का एक वेक्टर: इसकी मौसमी घटना और रासायनिक प्रबंधन प्रथाएँ "पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा स्थान हासिल किया।

हीरक चटर्जी

- आईसीएआर और आईएसआई, कोलकाता में विभिन्न चयन समिति और सीएस प्रमोशन बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- जूलॉजी में पीजी-बीओएस, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज के बाहरी सदस्य के रूप में कार्य करें। उत्तर दिनाजपुर
- 2007 से ओयूएटी, उड़ीसा, भुवनेश्वर, जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट के काउंसलर के रूप में कार्य करना।

पलाश मंडल

- 'फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी' बीसीकेवी, भारत के आजीवन सदस्य।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- अंतर्राष्ट्रीय जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
- जर्नल प्रोग्रेसिव एग्रीकल्चरल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड की सदस्य

स्वर्णाली भट्टाचार्य

अध्याय-2

- कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। इस वर्ष सोसायटी फॉर बायोटिक एंड एनवायरनमेंटल रिसर्च (एसबीईआर), सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ ह्यूमन एंड नेचर (साधना) के आजीवन सदस्य बने।

प्रकाशन:

- प्रसाद, एम.जी. और चटर्जी, एच. (2022), पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पीला तना छेदक, स्क्रिपोफेगेनसर्टुलास (वॉकर) (लेपिडोप्टेरा:पाइरालिडे) की घटनाओं पर अजैविक कारकों का प्रभाव। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल जूलॉजी, 25 (2), 2405-2409।
- मंडल, एल. और मंडल, पी. (2022), मिर्च थ्रिप्स, स्क्रिप्टोथ्रिप्स डॉसॉलिस हुड के विरुद्ध कुछ नई पीढ़ी के कीटनाशकों की जैव प्रभावकारिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 13(11), 1130-1140। डीओआई: [HTTPS://DOI.ORG/10.23910/1.2022.3112a](https://doi.org/10.23910/1.2022.3112a)
- मंडल, एल. और मंडल, पी. (2023), मिर्च थ्रिप्स, सिटोथ्रिप्स डॉसॉलिस हुड की जनसंख्या में उतार-चढ़ाव पर मौसम के मापदंडों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 14(2), 207-214। डीओआई: [HTTPS://DOI.ORG/10.23910/1.2023.3296](https://doi.org/10.23910/1.2023.3296)
- घोष, एम., भट्टाचार्य, एस. और मंडल, एस.के. (2022), पश्चिम बंगाल में प्रमुख कीटों के प्रति बेल मिर्च (शिमला मिर्च वार्षिक वर ग्रांसमसेंट) की व्यावसायिक किस्मों की तुलनात्मक संवेदनशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्म साइंसेज, 12 (4), 139-144
- घोष, एम., भट्टाचार्य, एस. और मंडल, एस.के. (2022), पश्चिम बंगाल के गंगा बेसिन के अंतर्गत बेल मिर्च (शिमला मिर्च वार्षिक) के मिर्च घुन (पॉलीफागोटासोनिमस लैटस बैक्स) के खिलाफ कीटनाशकों का मूल्यांकन। एनल्स ऑफ एंटोमोलॉजी, 40 (2), 105-112
- चक्रवर्ती, ए., भट्टाचार्य, एस. एवं दास, बी. (2023), बैंगन के अंकुर और फल छेदक, ल्यूसिनोडेसोरबोनालिसगुएन के प्रतिरोध के लिए कुछ बैंगन जर्मप्लाज्म की स्क्रीनिंग। फार्मा इनोवेशन जर्नल। 12 (3), 1646-1650

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार का डिजाइन।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कीट विज्ञान में एमएससी (एजी) के लिए आईसीएआर के बीएसएमए दिशानिर्देशों के अनुसार स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पुनर्गठित और संशोधित पाठ्यक्रम को अपनाया गया।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग ने एक कीट संग्रहालय स्थापित करने की पहल की है।

कृषि विस्तार विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र का नाम:

- रेखा खालको (यूजीसी नेट जून 2022)
- मधुस्मिता साहू (यूजीसी नेट अप्रैल 2023)
- सौम्येश आचार्य (यूजीसी नेट अप्रैल 2023)
- शक्तिरंजन दास (यूजीसी नेट अप्रैल 2023)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि:

सौविक घोष

- 29.04.2022. डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार में नव नियुक्त विषय विशेषज्ञों (एसएमएस) के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान 'केवीके गतिविधियों के प्रभाव विश्लेषण' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 27.01.2023-30.01.2023. विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा "स्थायी खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि विस्तार में नवीन अनुप्रयोगों" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सम्मेलन के दौरान 'जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए विस्तार दृष्टिकोण' पर एक आमंत्रित लीड पेपर प्रस्तुत किया। .

छात्रों द्वारा प्रस्तुत पेपर:

- 27.01.2023-30.01.2023. विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा "सतत खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि विस्तार में नवीन अनुप्रयोग" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सम्मेलन के दौरान निम्नलिखित छात्रों ने अपने पेपर प्रस्तुत किए:
- श्रेया आनंद, पीएच.डी. शोधार्थी ने 'छोटे किसान को बढ़ाना' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया उत्पादक संगठनों के माध्यम से किसानों की आय: साक्ष्य और नवप्रवर्तन'।
- रेखा खालको, पीएच.डी. शोधार्थी ने 'चाय-बागान श्रमिकों की आजीविका और लैंगिक असमानता' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- ममता नंदा, पीएच.डी. शोधार्थी ने 'पुरुष प्रवासन और महिला सशक्तिकरण के बीच संबंध' पर एक पेपर प्रस्तुत किया

शिक्षकों/शोधार्थी या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टताएं (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

शौभिक घोष

- 27.01.2023-30.01.2023. विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा "स्थायी खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि विस्तार में नवीन अनुप्रयोग" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सम्मेलन के दौरान कृषि विस्तार और संचार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यावसायिक मान्यता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया।
- आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ में एआरएस वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए मूल्यांकन समिति में महानिदेशक, आईसीएआर, कृषि भवन, नई दिल्ली द्वारा नामित कृषि विस्तार के अनुशासन में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- 27.01.2023-30.01.2023. विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा "स्थायी खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि विस्तार में नवीन अनुप्रयोगों" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सम्मेलन के दौरान 'कृषि पत्रकारिता और सोशल मीडिया विस्तार' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- संपादक, जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, नई दिल्ली।
- सदस्य, संपादकीय समिति, जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ कोस्टल एग्रीकल्चरल रिसर्च, आईसीएआर-सीएसएसआरआई क्षेत्रीय केंद्र, कैनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल।
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एमिटी जर्नल ऑन एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- बाह्य सदस्य, संस्थान बोर्ड, शिक्षा भवन, विश्वभारती।
- निम्नलिखित पेशेवर समाजों के आजीवन सदस्य:
 - ❖ इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, कृषि विस्तार प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली
 - ❖ सतत विकास के लिए सामुदायिक गतिशीलता सोसायटी, आईएआरआई, नई दिल्ली
 - ❖ कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ, कृषि अर्थशास्त्र प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली
 - ❖ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नागपुर
 - ❖ भारतीय तटीय कृषि अनुसंधान सोसायटी, सीएसएसआरआई क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, कैनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल

❖ एशियन सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नागपुर

❖ सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

पुरस्कृत विद्यार्थी

- 27.01.2023-30.01.2023. प्रोफेसर सौविक घोष की देखरेख में पीएचडी स्कॉलर श्रेया आनंद को अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सम्मेलन में "किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से छोटे किसानों की आय बढ़ाना: साक्ष्य और नवाचार" पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार (मौखिक) से सम्मानित किया गया।
- विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित "स्थायी खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि विस्तार में अभिनव अनुप्रयोग"।

प्रकाशन:

पाठ्य पुस्तक:

- अरुलमणिकंदन, बी., साहा, ए., और गुप्ता, आर.के. (2022) ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम पर छात्रों की धारणाएँ: पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती में रॉ कार्यक्रम पर छात्रों की धारणाएँ। लैंबर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग। आईएसबीएन 978-620-4-9795-71

अन्य पुस्तकें:

- अवताडे, सुदर्शन चंद्रकांत, घोष, सौविक और सिंगनधुपे, आर.बी. (2023), कृषि विस्तार प्रणाली से किसानों की आवश्यकताएँ। नई दिल्ली प्रकाशन, नई दिल्ली, पी. 347 (आईएसबीएन 978-93-93878-64-9)
- घोष, सौविक (2023), विस्तार कार्यक्रम के प्रभाव मूल्यांकन। पशुपालन और संबद्ध कृषि प्रणाली के माध्यम से सतत आजीविका के लिए उन्नत विस्तार और संचार रणनीतियों में। गोस्वामी, ए. और बिश्वास, एस. (सं.). न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी (एनआईपीए), नई दिल्ली। पीपी. 262-273 (आईएसबीएन: 978-93-94490-82-6)

पीयर रिव्यूड/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएएस में शोध पत्र की सूचीबद्ध पत्रिकाएँ:

- कुमारी, पी., मुखोपाध्याय, एस.डी., एवं राज, आर.के. (2022), ओडिशा में मछुआरों द्वारा मोबाइल उपयोग का ज्ञान, कौशल और सीमा। जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस, 10(4), 68-73
- हाओबिजाम, जे.डब्ल्यू. और घोष, एस. (2023), मणिपुर, भारत में एकीकृत मछली पालन और कृषि आजीविका पर इसका प्रभाव। एकाकल्चर इंटरनेशनल (स्प्रिंगर)। <https://doi.org/10.1007/s10499-023-01067-x>
- सरकार, एन.सी., मंडल, के., दास, ए., मुखर्जी, ए., मंडल, एस., घोष, एस., भट्टाचार्य, बी., लॉज़, आर., और हुडा, एस. (2023), उन्नत डिजिटल कृषि प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सुपर-रिज़ॉल्यूशन एग्रोमेट सलाह के माध्यम से कृषक समुदायों में आजीविका बढ़ाना। जर्नल ऑफ़ एग्रोमेटोरोलॉजी (रजत जयंती प्रकाशन), 25(1), 68-78

अध्याय-2

- मुखर्जी, एस., और घोष, एस. (2023), जल उपयोक्ता में फसल परिदृश्य एसोसिएशन (डब्ल्यूयूए) ने पश्चिम बंगाल में भूजल सिंचाई प्रणाली के कमांड क्षेत्र का प्रबंधन किया। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 59(1), 19-23
- दास, यू., अंसारी, एम.ए., और घोष, एस. (2022), आजीविका के उपाय और जलवायु परिवर्तन के प्रति किसानों की संवेदनशीलता पर उनका प्रभाव: भारत में तटीय और गैर-तटीय क्षेत्रों से साक्ष्य। पर्यावरण, विकास और स्थिरता (स्प्रिंगर), <https://doi.org/10.1007/s10668-023-02911-z>
- दास, यू., अंसारी, एम.ए. और घोष, एस. (2022), क्या जलवायु ज्ञान कृषि आजीविका के लिए ढाल के रूप में कार्य करता है? भारत के तटीय और गैर-तटीय पारिस्थितिकी तंत्र से अनुभवजन्य विश्लेषण। सैद्धांतिक और व्यावहारिक जलवायु विज्ञान (स्प्रिंगर), 150, 1627-1642
- दास, यू., अंसारी, एम.ए., और घोष, एस. (2022), जलवायु स्मार्ट कृषि हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता और बढ़ती क्षमता: इसके निर्धारक के रूप में किसानों की भागीदारी प्राथमिकता और आजीविका संकेतक। कृषि प्रणालियाँ (एल्सेवियर), 203, 103515
- मुखर्जी, एस., रॉय, ए. और घोष, एस. (2022), पश्चिम बंगाल में सिंचाई प्रबंधन में किसानों की भागीदारी की सीमा और प्रभावित करने वाले कारक। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 17(3), 804-810
- दास, यू., अंसारी, एम.ए., घोष, एस., शुक्ला, ए.के., कामेश्वरी, वी.वी., भारद्वाज, एन., और कुशवाह, जी.एस. (2022)। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 58(4), 1-9।
- मुखर्जी, एस., रॉय, ए. और घोष, एस. (2022), पश्चिम बंगाल में किसानों की धारणा के अनुसार भूजल सिंचाई प्रणाली का प्रदर्शन। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 58(3), 157-162।
- रॉय, एस. और घोष, एस. (2022), पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में ग्रामीण परिवारों द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान अनुकूलन के निर्धारक। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 58(3), 126-130।
- रॉय, पी. और घोष, एस. (2022), त्रिपुरा में अनानास उत्पादकों द्वारा विपणन प्रणाली की प्रभावशीलता का अनुमान लगाया गया। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 58(3), 24-28।
- अरुलमणिकंदन, बी., साहा, ए., तिवारी, पी.के., और गुप्ता, आर.के. (2022) पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के प्रति बी.एससी.(कृषि) ऑनर्स अंतिम वर्ष के छात्रों की धारणाएँ। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 2 (संगोष्ठी विशेषांक): 368-375।

- गुप्ता, आर.के., साहा, ए., और धाकरे, डी.एस. (2022) मध्य भारतीय राज्यों छत्तीसगढ़ में डेयरी खेती के प्रति आदिवासी और गैर-आदिवासी डेयरी किसानों की धारणा: संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ रिसर्च एनजीआरएयू, 50(4), 100-115।
- साहू, बी., साहा, ए. और साहू, एस.एल. (2022), ओडिशा के कंधमाल जिले में जैविक हल्दी की खेती के प्रति आदिवासी किसानों का ज्ञान। इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 22(1), 8-12।
- साहू, बी., साहा, ए., धाकरे, डी.एस., और साहू, एस.एल. (2023), ओडिशा के कंधमाल जिले में जैविक हल्दी किसानों की कथित बाधाएँ। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 59(1), 107-111।
- दर्शन, एन. पी. और घोष, एस. (2023), एफपीओ के लिए सहकारी: एक आदर्श बदलाव। कुरुक्षेत्र (ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक जर्नल), 71(3), 39-44।
- घोष, एस. और दास, यू. (2022), कृषि-उद्यमिता के कौशल। कुरुक्षेत्र (ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पत्रिका), 70 (12): 11-16।

विभाग द्वारा नए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या या किसी अन्य शिक्षण नवाचार के डिजाइन का परिचय।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कृषि विस्तार शिक्षा में एमएससी (एजी) के लिए आईसीएआर के बीएसएमए दिशानिर्देशों के अनुसार स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पुनर्गठित और संशोधित पाठ्यक्रम को अपनाया।

कृषि सांख्यिकी विभाग

विभागीय संगोष्ठी:

प्रोफेसर यंगजो ली, सांख्यिकी विभाग, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, सियोल, कोरिया, प्रोफेसर पूनम सिंह सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रोफेसर राबिन दास, बर्धवान विश्वविद्यालय ने 23.02.2023 को विभाग का दौरा किया और "सांख्यिकी-इसके उपयोग और भविष्य" विषय पर यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्रों के साथ बातचीत की।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि में शिक्षकों/अनुसंधान शोधार्थी ने भाग लिया।

डी. भट्टाचार्य

- 07.09.2022-11.09.2022, "स्टोकेस्टिक मॉडलिंग के एकीकृत दृष्टिकोण और डेटा विज्ञान के सतत विकास " प्रोफेसर सी.आर. राव (पदम विभूषण) के सम्मान में इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डी. एस. धाकरे

- 07.07.2022-08.07.2022. सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (सीजेएमसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।
- 06.12.2022. समकालीन विकास अर्थशास्त्र के लिए स्थिरता के प्रश्नों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईक्यूएसी के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित हेरंबा चंद्र कॉलेज ने हाई स्कूल के छात्रों के बीच टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता निर्माण पर एक अध्ययन पर एक प्रस्तुति दी।

शिक्षकों/शोधार्थी या समग्र रूप से विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टता(जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

देबाशीष भट्टाचार्य

विद्वत् समाज की सदस्यता

- अमेरिकी सांख्यिकी एसोसिएशन
- गणितीय सांख्यिकी संस्थान, यूएसए
- भारतीय सांख्यिकी संस्थान

- कलकत्ता सांख्यिकी एसोसिएशन
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन
- उत्पादकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए भारतीय संगठन

संपादकीय जिम्मेदारी

- जर्नल स्टोचैस्टिक मॉडलिंग एंड एप्लीकेशन के संपादक, आईएसएसएन: 0972-3641
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम के प्रबंध संपादक, आईएसएसएन: 0973-7359
- वैश्विक और स्टोकेस्टिक विश्लेषण के संपादकीय बोर्ड के सदस्य आईएसएसएन 2248-9444.
- जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स के एसोसिएट एडिटर आईएसएसएन: 2277 9620।
- एसोसिएट एडिटर, आईएपीओआर ट्रांजेक्शन, आईएसएसएन: 0970-0102।
- संपादकीय बोर्ड के सदस्य। सीएसए बुलेटिन। 0008-0683 (प्रिंट), 2456-6462 (ऑनलाइन)।

समीक्षक:

- कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय में शोध पत्रों की समीक्षात्मक जिम्मेदारी निभाई और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ

कादर अली सरकार

विद्वत समाज की सदस्यता

- इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स के आजीवन सदस्य

प्रकाशन:

- पुस्तकें-01

पीयर में शोध पत्र की समीक्षा /रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाएँ:-15

पुस्तक:

- भट्टाचार्य, डी. एवं कुशवाह, डी.एस.(सं.)। (2022)। कोविड-19 का स्वास्थ्य पर प्रभाव और भारत के आर्थिक मुद्दे। नई दिल्ली प्रकाशक, आईएसबीएन-9789393878533.

पीयर रिव्यूड/रेफ़रीड/यूजीसी-केयर/आईसीएआर-एनएएस सूचीबद्ध पत्रिकाएँ:

- नाथ, बी. और भट्टाचार्य, डी. (2022), पश्चिम बंगाल में सब्जी की खेती की प्रवृत्ति और पूर्वानुमान पर एक अध्ययन। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40(3सी), 1612-1623
- ममता एवं भट्टाचार्य, डी. (2022), आलू उत्पादक जिलों के बीच असमानताओं का अध्ययन करने के लिए मार्कोव श्रृंखला मॉडल का उपयोग: पश्चिम बंगाल की एक प्रमुख फसल। भारत वैज्ञानिक, 1(3), 3702-3710.

अध्याय-2

- कुमार, आर.आर., सरकार, के.ए., धाकरे, डी.एस. और भट्टाचार्य, डी. (2022), मासिक तापमान के पूर्वानुमान के लिए एक हाइब्रिड स्पेस-टाइम मॉडलिंग दृष्टिकोण। पर्यावरण मॉडलिंग और मूल्यांकन. <https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-1088574/v1>
- जग्गी, एस., सरकार, के.ए., भौमिक, ए., वर्गीस, ई., वर्गीस, सी. और दत्ता, ए. (2022), प्रवृत्ति प्रतिरोधी संतुलित द्विदलीय ब्लॉक डिजाइन, सांख्यिकीय तरीके और अनुप्रयोग, 71,53-59
- कुमार, आर.आर., सरकार, के.ए., भट्टाचार्य, डी. और धाकरे, डी.एस. (2022), गैर-पैरामीट्रिकल उपकरणों का उपयोग करके बिहार में वर्षा डेटा का स्पेटियोटेम्पोरल ट्रेंड विश्लेषण। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40(3ए), 1305-1312
- सरकार, के.ए., कुमार, आर.आर., धाकरे, डी.एस. और भट्टाचार्य, डी. (2022), बिहार के कृषि जलवायु क्षेत्र-I में सौर विकिरण की स्थानिक-सामयिक प्रवृत्ति का विश्लेषण। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(9), 431-438
- पाल, ए., धाकरे, डी.एस. और भट्टाचार्य, डी. (2022), स्वीकृति के आर्थिक प्रभाव का चावल गहनता प्रणाली, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40(3ए), 1373-1378
- दास, ए., भट्टाचार्य, डी. और धाकरे, डी.एस., किशन, एम. (2022), सर्वश्रेष्ठ के चयन पर रबी खाद्य के पूर्वानुमान के लिए स्लाइन रिग्रेशन और अरिमा मॉडल से ओडिशा का अनाज उत्पादन, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40(3बी), 1428-1437
- गरवा, पी., लखावत, एस.एस., शर्मा, एस.के., छीपा, बी.जी., उपाध्याय, बी., कौशिक, एम.के., धाकरे, डी.एस., पंवार, ए.आर.एस. और सोंगारा, एस. (2022)। चुकंदर (बीटा वल्गेरिस एल.) के अंकुरण और वनस्पति मापदंडों पर जैविक खाद और वातित तरल फॉर्मूलेशन की प्रतिक्रिया, फसल सुधार में अग्रणी., 10,1317-1323.
- सरकार, के.ए., कुमार, आर.आर., धाकरे, डी.एस. और भट्टाचार्य, डी. (2022), बिहार के कृषि-जलवायु क्षेत्र-III पर तापमान का स्थानिक-तापमानिक रुझान विश्लेषण, वैज्ञानिक, 1(3), 2390-2402।
- गुप्ता, ए.के., सरकार, के.ए., धाकरे, डी.एस. और भट्टाचार्य, डी., (2022), मौसम सांख्यिकीय और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके आलू की उपज आधारित मॉडलिंग, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40(3बी), 1444-1449।
- गुप्ता, आर.के., साहा, ए. एवं धाकरे, डी.एस. (2022), छत्तीसगढ़ राज्य में डेयरी फार्मिंग के प्रति आदिवासी और गैर-आदिवासी डेयरी किसानों की धारणा: संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग दृष्टिकोण, द जर्नल ऑफ रिसर्च एएनजीआरएयू, 50(4), 100-115।

- साहू, बी. साहा, ए., धाकरे, डी.एस. और साहू, एस.एल. (2023), ओडिशा के कंधमाल जिले में जैविक हल्दी किसानों की कथित बाधाएं, इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 59(1), 108-111।
- रुद्रपाल, टी., साहा, ए., धाकरे, डी.एस. और गुप्ता, आर.के. (2023), त्रिपुरा के सेपाहीजला जिले में एक तरफ़ा एनोवा विश्लेषण का उपयोग करके महिला डेयरी किसानों के उद्यमशील व्यवहार के निर्धारक, जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन और सतत विकास, 18(1), 1-7
- धाकरे, डी.एस., भट्टाचार्य, डी. और नाथ, बी. (2023), 2012-2022 के दौरान संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल में प्रकाशित कार्य का विश्लेषण: एक सांख्यिकीय अध्ययन, संगीत गैलेक्सी, 12(1), 5-19.

कई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग शिक्षण, अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रमों के मामले में उच्च प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। वर्तमान में विभाग में 12 छात्र पीएचडी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य चेयर प्रोफेसर के रूप में, ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, नीति आयोग और निदेशक, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को उनकी अतिरिक्त जिम्मेदारी के रूप में कार्यरत हैं। रिपोर्ट यह भी है कि डॉ. दिग्विजय सिंह धाकरे ने संकाय विकास के एक भाग के रूप में ए.के. दासगुप्ता योजना एवं विकास केंद्र, विश्वभारती में 10 दिनों की कार्यशाला कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरी की है।

शस्यविज्ञान विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि :

ए.के. बारीक

• **30.11.2022-03.12.2022.** श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत में 12 वें **ICONSWM-CE** और **IPLA** ग्लोबल फोरम 2022 और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट, एयर एंड वाटर (**ISWMAW**) द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट एंड सर्कुलर इकोनॉमी एंड **IPLA** ग्लोबल फोरम, 2022" पर 12 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बेरा, आर., दत्ता, ए., बोस, एस., बारीक, ए.के., मलिक, आर., दास, ए., दास, ए., गंगुली, एम., नरसिम्हन, वी.एल., क्राह, ई और सील, ए द्वारा प्रभावी जीएचजी ऑफसेटिंग मॉडल के विकास की दिशा में कॉयर पिथ, एक अत्यधिक मिट्टी और जल प्रदूषण सामग्री, बहुत उच्च जीडब्ल्यूपी मूल्य के साथ विशाल जीएचजी उत्सर्जक के बड़े पैमाने पर जैव रूपांतरण के लिए तकनीकी सफलता।

एस.के. माइती

• **02.02.2023-03.02.2023** : प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "फसल संयंत्रों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत फसल उत्पादन के लिए एकीकृत पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तनाव प्रबंधन" पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए एक सत्र की अध्यक्षता की।

पी. घोष

• **22.09.2022-24.09.2022** : पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य सम्मेलन" में "चावल के क्षेत्रों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन: एक समीक्षा" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

जी.सी. मलिक

- फील्ड फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसी: क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 4,42,500/-
- विभिन्न खरपतवारों और बीमारियों के परिदृश्य से विभिन्न फसलों में कुछ जड़ी-बूटियों और कवकनाशियों का बायो+ फाइटोटॉक्सिसिटी मूल्यांकन।

- प्रायोजक एजेंसी: सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 45,60,000/-
- फील्ड फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसी: सुमितोमो केमिकल इंडिया प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 33,45,300/-

बी दुआरी

- आईसीएआर-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजना विंडो 3 के तहत प्रत्यक्ष बीज चावल कंसोर्टियम पर आईआरआरआई सहयोगात्मक कार्यक्रम
- प्रायोजक एजेंसी: इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरआरआई), मनीला, फिलीपींस
- स्वीकृत राशि: 25,000 अमरीकी डालर
- जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित हाइब्रिड के साथ-साथ उच्च उपज वाली किस्मों का परीक्षण।
- प्रायोजक एजेंसी: जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता
- स्वीकृत राशि: 8,26,800/-
- ऑर्थोसुल्फामुरॉन की बायोएफिकेसी प्रत्यारोपित चावल पर 50% डब्ल्यूजी।
- प्रायोजक एजेंसी: निचिनो केमिकल इंडिया प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद
- स्वीकृत राशि: 3,64,000/-
- ऑर्थोसुल्फामुरॉन की जैव प्रभावकारिता 0.6% + प्रीतिलाचलर 6% जीआर प्रत्यारोपित चावल पर
- प्रायोजक एजेंसी: निचिनो इंडिया प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद
- स्वीकृत राशि: 5,59,000/-

के.प्रामाणिक

- अमेट्रिन की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन 80% डब्ल्यूडीजी और अमेट्रिन 73.1% डब्ल्यू/डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सीसल्फूरॉन सोडियम 1.8% डब्ल्यू/डब्ल्यू गन्ने पर डब्ल्यूजी, बेंटाजोन 480 जी/एल एसएल सोयाबीन और रोपा गया धान पर, गन्ने और मक्का की फसल पर डब्ल्यूसीपीएल 405
- प्रायोजक एजेंसी: विलोवुड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 44,33,260/-
- सोयाबीन फसल में हैलोक्सीफोप-पी-मिथाइल 10.5% ईसी के जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण का मूल्यांकन

अध्याय-2

- प्रायोजक एजेंसी: विलोवुड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 6,44,280/-
- सब्जी फसलों के साथ-साथ फसल सुरक्षा पर विभिन्न जैव उत्तेजकों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
- प्रायोजक एजेंसी: संवर्धिनी एग्रो प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 21,47,600/-
- प्याज, खीरा और टमाटर के कीट-कीटों के खिलाफ जैव-प्रभावकारिता, फाइटोटॉक्सिसिटी और ग्रेसिया के अवशेषों का मूल्यांकन 10% ईसी
- प्रायोजक एजेंसी: गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 8,43,700/-
- विभिन्न फील्ड फसलों पर स्टिग्मास्टेरॉल और कैपेस्टेरॉल की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी 0.01% डब्ल्यू/डब्ल्यू जीआर; β -सिटोस्टेरॉल और स्टिग्मास्टेरॉल 0.05% डीएफ; और स्टिग्मास्टेरॉल और कैपेस्टेरॉल 0.01% डब्ल्यू/डब्ल्यू एसएल का मूल्यांकन
- प्रायोजक एजेंसी: विलोवुड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 21,30,726/-

एम. बनर्जी

- विविध फील्ड फसलों में फाइटोटॉक्सिसिटी और उत्पादकता पर विभिन्न बायोस्टिमुलेंट का आकलन
- प्रायोजक एजेंसी: सरस्वती एग्रो केमिकल्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 46,25,600/-
- विभिन्न फील्ड फसलों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन और बाद के फसलों पर उनका प्रभाव
- प्रायोजक एजेंसी: रॉस लाइफ साइंस लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 22,30,200/-
- विभिन्न फील्ड फसलों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन और बाद के फसलों पर उनका प्रभाव
- प्रायोजक एजेंसी: गिवाग्रो लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 21,47,600/-

- फील्ड फसलों में विभिन्न जड़ी-बूटियों का जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन और बाद के फसलों पर उनका प्रभाव

- प्रायोजक एजेंसी: एग्रो एलाइड वेंचर्स प्रा. लिमिटेड

- स्वीकृत राशि: 7,82,340/-

- फील्ड फसलों में विभिन्न जड़ी-बूटियों का जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन और सफल फसलों पर उनका प्रभाव

- प्रायोजक एजेंसी: बेयर क्रॉप साइंस लिमिटेड

- स्वीकृत राशि: 53,10,000/-

एन.सी. सरकार

- पश्चिम बंगाल की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के तहत चावल की खेती करने वालों का तुलनात्मक प्रदर्शन मूल्यांकन

- प्रायोजक एजेंसी: रामनगर सीड फार्म प्रा. लिमिटेड

- स्वीकृत राशि: 4,44,860/-

- पश्चिम बंगाल की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के तहत चावल के किस्मों के डीयूएस (विशिष्टता एकरूपता स्थिरता) लक्षणों का मूल्यांकन

- प्रायोजक एजेंसी: रामनगर सीड फार्म प्रा. लिमिटेड

- स्वीकृत राशि: 5,98,260/-

प्रीतम घोष

- फील्ड फसलों में विभिन्न जड़ी-बूटियों का जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन और बाद के फसलों पर उनका प्रभाव

- प्रायोजक एजेंसी: रेनबो एग्रोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड

- स्वीकृत राशि: **14,16,000/-**

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता :

ए.के. बारीक

- **20.08.2022** शाम **6.30** बजे किसान वाणी कार्यक्रम में प्रसारित "बाजरे की खेती और इसके प्रबंधन की उन्नत प्रौद्योगिकी" विषय पर शांतिनिकेतन एआईआर, बीरभूम में रेडियो कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

अध्याय-2

बी.के. सरेन

- 03.06.2022 अतिरिक्त कृषि निदेशक (पी) (प्रशासन) द्वारा आयोजित एनएफएसएम (तेल बीज) के तहत बीरभूम जिले के एसएफ के ट्रेनिंग हॉल, हल्जानबाजार, सूरी में बीरभूम में विस्तार श्रमिकों की प्रशिक्षण बैठक में 'सूक्ष्म सिंचाई और तेल बीज फसलों में महत्वपूर्ण जल प्रबंधन के माध्यम से अच्छी तेल बीज फसलों को बढ़ाना' पर एक व्याख्यान दिया।
- 13.06.2022 आकाशवाणी, कोलकाता कार्यक्रम में 'प्री-कल्टीवेशन लैंड प्रिपेरेशन - सांथाली में टॉक' पर आकाशवाणी कार्यक्रम में भाग लिया। आकाशवाणी कार्यक्रम रिकॉर्डिंग की तारीख 10.06.2022 और प्रसारण की तारीख 13.06.2022 को सायं 6:20 बजे ।
- 31.01.2023 कृषि उप निदेशक (प्रशासन), पुरुलिया द्वारा पुरुलिया जिले में रागी (फिंगर बाजरा) की खेती के लिए आयोजित कार्यशाला में 'पुरुलिया जिले में रागी की खेती की संभावना' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 11.03.2023 आकाशवाणी शांतिनिकेतन के कार्यक्रम में 'सीमित जल की स्थिति में खेतों की फसलों में सिंचाई प्रबंधन' विषय पर किसान वाणी लाइव-इन कार्यक्रम में भाग लिया, प्रसारण दिनांक 11.03.2023 सायं 06:30 बजे।
- 17.03.2023 कृषि उप निदेशक (प्रशासन), बीरभूम द्वारा बोलपुर-श्रीनिकेतन ब्लॉक के सहायक कृषि निदेशक के सम्मेलन कक्ष में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष (आईवाईओएम) मनाने के लिए जिला स्तरीय सेमिनार में 'बाजरा के विभिन्न प्रकार और उनकी खेती के तरीकों' पर व्याख्यान दिया।

जी.सी. मलिक

- 31.01.2023 कृषि उप निदेशक (प्रशासन) पुरुलिया द्वारा आयोजित पुरुलिया जिले में रागी (फिंगर मिलेट) की खेती के लिए कार्यशाला में 'पुरुलिया जिले में रागी की खेती की संभावना' पर एक व्याख्यान दिया।

बी दुआरी

- 18.7.2022 आरकेवीके, विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए इनपुट डीलर्स के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (डीआईएसआई) पाठ्यक्रम के कार्यक्रम में "खरीफ चावल में खरपतवार की समस्या और प्रबंधन" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया और व्याख्यान दिया।
- 19.07.2022 पल्ली शिक्षा भवन और आरकेवीके, विश्वभारती द्वारा बीरभूम जिले के लिए आयोजित किसान वैज्ञानिक बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "खरीफ चावल में खरपतवार प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- 06.9.2022-09.09.2022 एक प्रमुख वक्ता के रूप में, चेतना कम्युनिटी केयर सेंटर, तालित, बर्धमान में एमसीसी, कोलकाता के पार्टनर्स स्टाफ कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम पर चार दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 08.09.2022 को वीड समस्या और इसके प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

- 06.9.2022-09.09.2022 एमसीसी, कोलकाता के चेतना कम्युनिटी केयर सेंटर, तालित, बर्धमान में पार्टनर्स स्टाफ कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम पर चार दिवसीय कार्यशाला में 08.09.2022 को छोटे और सीमांत किसानों की पोषण सुरक्षा के लिए रसोई बगीचा, मिश्रित और इंटरक्रॉपिंग में फसल विविधीकरण पर प्रशिक्षण और व्याख्यान दिया गया।

एस.के. माईती

- **04.02.2022** आकाशवाणी-शांतिनिकेतन पर किसान वाणी कार्यक्रम में - चावल की परती भूमि में मसूर की खेती (25/11/2022 को कार्यक्रम रिकॉर्ड किया गया) और मक्का की खेती (04/02/2023 को लाइव कार्यक्रम)।

के.प्रामाणिक

- **13.08.2022** एफएम रेडियो, शांतिनिकेतन के लिए “खरीफ हरा चना और काला चना की खेती” पर किसान वाणी कार्यक्रम।
- **07.02.2022** एफएम रेडियो, शांतिनिकेतन के किसान वाणी कार्यक्रम के लिए “ग्रीष्मकालीन मूंगफली की संस्कृति” पर किसान वाणी लाइव फोन-इन कार्यक्रम।
- **17.03.2023** कृषि के सहायक निदेशक कार्यालय, पश्चिम बंगाल सरकार बोलपुर-श्रीनिकेतन द्वारा “बाजरे का महत्व- पोषक अनाज के रूप में बाजरे का महत्व और बीरभूम में बाजरे की लोकप्रियता की रणनीति” पर आयोजित किया गया।" इसमें "ए डिस्ट्रिक्ट लेवल सेमिनार टू सेलेब्रेट टू सेलेब्रेट इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स (IYOM)" पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- **20.03.2023** रवींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित “डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स कोर्स” के लिए “ग्रीष्मकालीन हरा चना और काला चना की खेती” पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- **21.03.2023** रवींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित “डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स कोर्स” के लिए “ग्रीष्मकालीन हरा चना और काला चना की खेती” पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

एम. बनर्जी

- **21-09.2022** किसानवाणी कार्यक्रम में भाग लिया।
- **13-01.2023** किसानवाणी कार्यक्रम में भाग लिया।
- **13-02.2023** कृषिदर्शन में भाग लिया : दलहन की खेती
- **03-03.2023** किसानवाणी कार्यक्रम में भाग लिया।
- **24-04.2023** कृषिदर्शन में भाग लिया : मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों की उन्नत तकनीक।

अध्याय-2

एन.सी. सरकार

- 04.03.2023 "अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष" विषय पर किसान वाणी लाइव फोन-इन कार्यक्रम।"
- 02.02.2023-03.02.2023 प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोटेक एंड एबायोटेक स्ट्रेस ऑफ क्रॉप प्लांट्स एंड देयर सस्टेनेबल मैनेजमेंट में प्रत्यारोपित चावल पर जिनक एप्लिकेशन के विभिन्न स्तरों और तरीकों के प्रभाव" शीर्षक पर में भाग लिया और व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पी. घोष

- 07.03.2023 प्रसार भारती, आकाशवाणी, शांतिनिकेतन में किसानवाणी लाइव फोन-इन कार्यक्रम में 'बोरो चावल का वीड प्रबंधन' पर वार्ता प्रस्तुत किया।

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धि (जैसे डीएसए या सीएसए के रूप में मान्यता आदि):

ए.के. बारीक

- उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय (यूबीकेवी), पुंडीबारी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के सहायक प्रोफेसर/संकाय
- कृषि संकाय परिषद, बीसीकेवी, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल के बाहरी नामित सदस्य के रूप में कार्य किया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ फोरेज क्रॉप्स, हिसार, हरियाणा का आजीवन सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, यूएस, बैंगलोर के आजीवन सदस्य।

बी.के. सरेन

- एग्रोनॉमी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय की अनुसंधान सलाहकार समिति के पीएचडी में बाहरी सदस्य के रूप में नामित।
- एसआरबी के अध्यक्ष द्वारा सीएसए/आईसीएआर-सीआरआईजेएफ, बैरकपुर के कर्मचारियों के संवर्धन के लिए मूल्यांकन समिति के बाहरी सदस्य के रूप में नामित।
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली

बी दुआरी

- बीरभूम जिले के लिए समग्र रूप से एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन तैयार करने के लिए और आरकेवीके, विश्व-भारती की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) योजना के जिला एग्रोमेट यूनिट (डीएएमयू) के तहत अलग-अलग प्रत्येक ब्लॉक के लिए सलाहकार समिति के सदस्य।

के.प्रामाणिक

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, बेंगलुरु के लाइफ मेंबर
- एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स (एआरआरडब्ल्यू), कटक, ओडिशा के आजीवन सदस्य
- अंतर्राष्ट्रीय जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान जर्नल, शांतिनिकेतन के आजीवन सदस्य
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के लाइफ मेंबर
- बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट के इंटरनेशनल जर्नल के लाइफ मेंबर
- कृषि मौसम विज्ञानी संघ की जीवन सदस्यता
- सचिव, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सोसायटी, शांतिनिकेतन
- प्रबंध संपादक, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, शांतिनिकेतन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

एम. बनर्जी

- नोडल अधिकारी- डब्ल्यूबीएससीसी योजना।

एन.सी. सरकार

- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली।
- आजीवन सदस्य, सोसायटी फॉर बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत।

पी. घोष

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य।
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य।

प्रकाशन:

- साहा, बी,बारीक, ए.के. और मंडल, एन (2022) पूर्वी क्षेत्र की लाल और लैटेराइट मिट्टी में चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल.) आधारित प्रणालियों की उत्पादकता, लाभप्रदता और संसाधन उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए फसल विविधीकरण। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज92(8): 974-977

अध्याय-2

- दास, टी., बारीक, ए.के. और डीई, पी. (2022) चावल-परती प्रणाली में संवृद्धि, उपज घटकों और घास के पौधे (लैथिरस सैटिवस एल) की उपज पर सूक्ष्म पोषक तत्वों के जुताई प्रथाओं और फोलियो स्प्रे का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 13 (11): 1269-1276
- मंडल, एन., बारीक, ए.के. और साहा, बी. (2022): पुरानी जलोढ़ मिट्टी के तहत चावल-दाल प्रणाली में मसूर की सफल फसल पर संकर चावल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के अवशिष्ट प्रभाव पर अध्ययन। करेंट एडवांसेज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज 14(2): 154-157
- बेरा, आर., दत्ता, ए., बोस, एस., दत्ता, एस., मुखोपाध्याय, के., गोस्वामी, के.के., देबनाथ, एम., बारीक, ए.के., गंगुली, एम., नरसिम्हन, वी.एल., काह, ई., भट्टाचार्य, पी. एंड सील, ए. (2022) : स्रोत से जीएचजी उपशमन की दिशा में नोवकॉम कंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले कचरे का पुनर्चक्रण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज, 12(12): 1605-1629।
- बिस्वास, सी, प्रामाणिक, के., सरेन, बी.के., मंडल, एस. और डीई, एस.के. (2022) भारतीय सरसों की गुणवत्ता सी.वी. विभिन्न बुवाई विधि और पोषक तत्व प्रबंधन के तहत केसरी गोल्ड, रसायन इंजीनियरिंग, डीओआई: <http://dx.doi.org.10.53709.सीएचई.2022.V03.01.001>
- डे, जे.के., सरेन, बी.के., देबनाथ, ए., गुडाडे, बी.ए., सिंह, एस., कुमार, ए., पलाई, जे.बी., गाबेर, ए. और हुसैन, ए. (2022) मक्का लेग्यूम फसल प्रणाली में लेग्यूम की उत्पादकता और पोषक तत्व डायनामिक नो-टिलेज सिस्टम के तहत बायोमल्वों से प्रभावित हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट प्रोडक्शन, <https://doi.org.10.1007.s42106-022-00204-5>
- चटर्जी, टी., सरेन, बी.के., और अवस्थे, आर.के. (2022) मिट्टी पर जैविक खाद और भूमि विन्यास के प्रभाव से सिक्किम की पहाड़ियों में उगाए जाने वाले चावल की फलियों [विग्रा उम्बेलेटा (थुनब.) ओहवी और एच. ओहाशी] में पोषक तत्व कम हो जाते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, 18:124-129
- चटर्जी, टी., सरेन, बी.के., और अवस्थे, आर. के. (2022)। सिक्किम हिमालयी क्षेत्र में चावल की फलियों की वृद्धि और उपज पर जैविक खाद और भूमि विन्यास का प्रभाव [विग्रा उम्बेलेटा (थुनब.) ओहवी और एच. ओहाशी]। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट साइंसेज, 17:28-35
- दास, के., सरेन, बी.के., और प्रामाणिक, के. (2022) पश्चिम बंगाल के लाल और लेटेरिटिक बेल्ट में वर्षापोषित चिकपी (सिसर एरिटिनम) पर बुवाई और मल्लिंग की गहराई का प्रभाव। इंडियन जर्नल एग्रीकल्चरल रिसर्च, डीओआई: 10.18805.IJARE.A-6009.

- मिश्रा, जी., बनर्जी, एम., महापात्र, ए.के., सरेन, बी.के. और डीयूआर, बी. (2022) खरीफ मक्का में विभिन्न जुताई और खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं से प्रभावित खरपतवार की गतिशीलता और फसल उत्पादकता (ZEA Mays L) फार्मा इनोवेशन, 11(8): 1052-1056
- डे, जेके, सरेन, बीके, डीयूआर, बी और प्रमाणिक, के (2023, फरवरी) पश्चिम बंगाल के लाल और लेटेरिटिक बेल्ट में वर्षापोषित चिकपी (सिसर एरिटिनम) पर बुवाई और मल्विंग की गहराई का प्रभाव। लेग्यूम रिसर्च- एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 46 (2): 176-180.An
- मणिशंकर, जी., घोष, पी., मलिक, जी.सी. और बनर्जी, एम. (2022) रासायनिक खरपतवार प्रबंधन में हालिया रुझान: एक समीक्षा। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(4): 745-753
- मणिशंकर, जी., बनर्जी, एम. मलिक, जी.सी., सथियाबामा, एन. (2022) वीड प्रबंधन में रोबोटिक्स: एक समीक्षा। एशिया में कृषि मशीनीकरण, 53(4): 7013-7030
- घोष, ए., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., दुवदासएस.के., और दास बैराग्य, एम. (2022) प्रतिरोपित खरीफ चावल की वृद्धि और उपज पर एकीकृत खरपतवार प्रबंधन और सफल लाथीरस पर इसका अवशिष्ट प्रभाव, फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11 (4): 1806-1811, ई-आईएसएसएन-2277-7695, पी-आईएसएसएन-2349-8242
- पॉल, एस.के., मलिक, जी.सी., बनर्जी, एम. और चौधरी, ए. (2022) लाल लेटेराइट मिट्टी में उगाए जाने वाले ग्रीष्मकालीन हरा चना [विम्रा रेडिएटा (एल.) विल्कजेक] पर वाहक और तरल आधारित बायोफर्टिलाइजर का प्रभाव। लेग्यूम रिसर्च, डीओआई: 10.18805.एलआर-4680.
- घोष, एम., बिस्वास, पी.के., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., पॉल, एस.के. (2022) ब्रिंजल में एटोक्साज़ोल 10 एससी की डिसिप्लान किटीज। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40 (2सी) : 833-837
- बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., पॉल, एस.के. (2022) प्रत्यारोपित चावल में प्रोगिब 0.1% जीआर (गिबरेलिक एसिड 0.1% जीआर) की विभिन्न खुराकों का मूल्यांकन और बाद की रेपसीड फसल पर इसका प्रभाव। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40 (3सी): 1773-1778
- गुडाडे, बी.ए., मलिक, जी.सी. और दास, ए., बाबू, एस., बनर्जी, एम., कुमार, ए., सिंह, आर., बोरा, एस.एस. और हर्ष, के.एन. (2022) मेघालय के एसिड इंसेप्सिल में बायोचर स्तरों और आईएनएम प्रथाओं से प्रभावित फ्रांसीसी बीन फसल का प्रदर्शन। अनु. कृषि अनुसंधान नई सीरीज, 43 (4): 84-89
- शंकर, टी., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., दत्ता, एस., प्रहराज, एस., ललिचेट्टी, एस., मोहंती, एस., भट्टाचार्य, डी., मैत्र, एस., गाबेर, ए., दास, ए.के., शर्मा, ए. और हुसैन, ए. (2022) कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क द्वारा चावल के पौधे मापदंडों पर पोषक तत्वों के प्रभाव का पूर्वानुमान। एग्रोनोमी, 12,2123 <https://doi.org/10.3390.एग्रोनॉमी 12092123>

अध्याय-2

- भौमिक, सी., पॉल, एस.के., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी., दुव्वादा एस.के., दास बैराग्य, एम., ए साहू, यू., दास, एस. (2022) पश्चिम बंगाल की लेटराइट मिट्टी में ग्रीष्मकालीन मूंगफली में पूर्व-उद्भव जड़ी-बूटियों का प्रदर्शन। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 41 (1): 152-159
- सतपथी, बी.एस., चटर्जी, डी., साहा, एस., डीयूआर, बी. और सिंह, टी. (2022) प्रत्यक्ष बीजयुक्त चावल-राटून फसल प्रणाली में खरपतवार प्रबंधन। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, 1-10। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित। डीओआई: <https://doi.org/10.1017/S0021859622000168>
- मुखर्जी, ए, डी, बी और घोष, सी (2022) निराई चावल के प्रबंधन पर फसल स्थापना तकनीकों और खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव। सतसामुखोपात्रा- वार्षिक तकनीकी संस्करण, 26, 18-227
- मुखर्जी, ए और डी, बी (2022) मृदा दफन गहराई, नमी और बुवाई की अवधि में निराई चावल प्रजातियों का उदय और विकास। जर्नल ऑफ क्रॉप एंड वीड, 18(1), 238-243 डीओआई: <https://doi.org/10.22271.09746315.2022>। v18.i.1558
- एसएआर, के और डी, बी (2022) पश्चिम बंगाल के लेटेरिटिक बेल्ट में कृषि-आधारित चावल-पीले सार्सन-ग्रीनग्राम फसल प्रणाली के तहत प्रत्यक्ष बीज चावल में खरपतवार प्रबंधन। जैविक मंच, 14(2), 944-947
- एसएआर, के और डी, बी (2022) पश्चिम बंगाल के लेटेरिटिक बेल्ट में कृषि-आधारित चावल-पीले सार्सन-ग्रीनग्राम फसल प्रणाली के संरक्षण के तहत पीले सार्सन में खरपतवार प्रबंधन। फार्मा इनोवेशन, 11(5), 2026-2029
- मिश्रा, जी., बनर्जी, एम., महापात्र, ए.के., सरेन, बी.के. और डीयू, बी. (2022) खरीफ मक्का में विभिन्न जुताई और खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं से प्रभावित खरपतवार की गतिशीलता और फसल उत्पादकता (ZEA Mays L)। फार्मा इनोवेशन, 11(8), 1052-1056। आईएसएसएन सं. (प्रिंट):2349-8242; आईएसएसएन सं. (ई): 2277-7695
- जायसवाल, डी.के., डीयूआर, बी., मधुकर, बंथाला और जायसवाल, डी. (2022) पश्चिम बंगाल के लेटेरिटिक बेल्ट में चावल-पीले सार्सन फसल अनुक्रम में विभिन्न जुताई के तहत हर्बिसाइड का उपयोग करके शुष्क प्रत्यक्ष बीज चावल में विविध खरपतवार वनस्पतियों का प्रबंधन। बायोलॉजिकल फोरम, 4(3), 1558-1561
- जायसवाल, डी.के., डीयूआर, बी., मधुकर, बंथाला और जायसवाल, दिव्या (2022) चावल-पीले सार्सन फसल अनुक्रम में विभिन्न जुताई के तहत खरपतवार वृद्धि और पोषक तत्वों को हटाने पर चावल जड़ी-बूटियों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 13(12), 1458-1464 डीओआई: <http://doi.org/10.23910.1.2022.3230>

- देबांगशी, उदित और दुआरी बी (2022) खरपतवार, शाकनाशी और उनकी कमजोरियों और परिणामों के विभिन्न गुणों पर जलवायु परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रभाव। वैज्ञानिक, 1 (3), 4581-4602 डीओआई: <http://dx.doi.org.10.5281.zenodo.7434336>.
- मोहंती, पी., एसएआर, के., डीयूआर, बी और मिश्रा, जी (2023) ओडिशा में खरपतवार और ग्रीष्मकालीन ग्रीनग्राम की उत्पादकता पर एकमात्र और रेडी-मिक्स हर्बिसाइड्स का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस, 55 (1), 50-53 डीओआई: <http://dx.doi.org.10.5958.0974-8164.2023.0009.6>
- मोंडल, एस., मोंडल, एस एंड प्रामाणिक, के (2022) बोरिक एसिड, जिंक सल्फेट हेक्टाहाइड्रेट के साथ पोषण के प्रभाव और दाल (लेंस कुलीनारिस एल) सीवी के अंकुरण फिजियोलॉजी पर इसके संयोजन का प्रभाव। एचयूएल 57. कृषि विज्ञान डाइजेस्ट। डीओआई: 10.18805.ag.D-5584.
- दास, के., सरेन, बी.के. (2022) पश्चिम बंगाल के लाल और लेटेरिटिक बेल्ट में रेनफेड चिकपी (सिसर एरिटिनम) पर बुवाई और मल्टिंग की गहराई का प्रभाव। भारतीय कृषि अनुसंधान जर्नल डीओआई: 10.18805.IJARE.A6009
- बिस्वास, सी., प्रामाणिक, के.और डीई, एस.के. (2023) पोषक तत्व प्रबंधन के तहत भारतीय सरसों की उत्पादकता और लाभप्रदता और पश्चिम बंगाल की लेटेरिटिक मिट्टी में विभिन्न बुवाई विधि। जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल बायोलॉजी, 44, 250-258
- डे, जे.के., सरेन, बी.के. और प्रामाणिक (2023) मक्का-फली अनुक्रम के तहत विभिन्न दलहनों पर जीरो-टू-बायो-मल्टिंग का प्रदर्शन। लेग्यूम रिसर्च- एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका., 46 (2), 176-180.
- सरकार, एनसी, मंडल, के., दास, ए., मुखर्जी, ए., मंडल, एस., घोष, एस., भट्टाचार्य, बी., कानून, आर., हुडा, एस. (2023) उन्नत डिजिटल कृषि प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सुपर-रिज़ॉल्यूशन एग्रोमेट परामर्शिकाओं के माध्यम से कृषि समुदायों में आजीविका को बढ़ाना कृषि मौसम विज्ञान जर्नल 25 (1): 68 - 78 डीओआई: <https://doi.org.10.54386.jam.v25i1.2080>
- विक्रम, एन., सरकार, एनसी (2022) चावल की फली (विग्रा अंबेलाटा) - प्रतिकूल स्थितियों के तहत एक संभावित फली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट 13(9): 928 - 934
- देबांगशी,यू., घोष, पी., तिवारी, एच., मौर्य, डी.के., और कुमार, एम. (2022) जलवायु परिवर्तन के प्रति शहरी लचीलापन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज, 12(11): 2037-2055 डीओआई: 10.9734. आईजेईसीसी। 2022.v12i1131194.

अध्याय-2

- बरुई, पी., घोष, पी., और देबांगशी, यू. (2022) वर्टिकल फार्मिंग - एक अवलोकन। संयंत्र अभिलेखागार, 22(2): 223-228। डीओआई यूआरएल : <https://doi.org.10.51470.PLANTARCHIVES.2022.v22.no2.038>.

पुस्तक अध्याय

- साहू, यू., गायकवाड, डीजे., बनर्जी, एम., मलिक, जीसी और मोइत्रा, एस(2023)। मिट्टीरहित खेती के लिए कृत्रिम मीडिया, कृषि प्रौद्योगिकी में प्रगति, **GRIFON, ISBN: 978-17-77795-91-7, PPP: 29-45**।

अन्य प्रासंगिक सूचना:

विभाग किसानों को प्रशिक्षण, क्षेत्र प्रतिपादन के साथ-साथ उत्पादन प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के माध्यम से चावल-बंजर क्षेत्रों में वर्षा आधारित स्थिति के तहत दलहन फसलों को उगाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रहा है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण फसल बीजों की उपलब्धता हमेशा एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन बीजों की उपलब्धता की समस्या को दूर करने का एकमात्र तरीका है। यह विभाग किसानों के लिए प्रमाणित बीजों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पशु विज्ञान विभाग

समग्र रूप से शिक्षकों, विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धि (जैसे डीएसए या सी.ए.एस. के रूप में मान्यता आदि) :

जे.के. चटर्जी

- नोडल अधिकारी, आईसीएआर, विश्वभारती
- नोडल अधिकारी, एसवीएमसीएम, छात्रवृत्ति पश्चिम बंगाल सरकार।
- आईईएस के सदस्य, शिक्षा भवन, विश्वभारती

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग की गतिविधियों में मुख्य रूप से शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्य शामिल हैं। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग यूजी कार्यक्रम में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। विभाग पशु विज्ञान (मुर्गीपालन) में एमएससी, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, अर्थात् की पेशकश कर रहा है। ।

शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, शिक्षक और छात्र इलाके में किसानों की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए विस्तार गतिविधियों में शामिल हैं। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विभिन्न पशुधन उद्यमों के गठन करें और और रवीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र की मदद से किसानों के जानवरों का उपचार किया जा रहा है तथा समय-समय पर टीकाकरण किया जा रहा है। आरएडब्ल्यूई कार्यक्रम के तहत यूजी छात्रों को पशुधन प्रबंधन पर दिशानिर्देश दिया जाता है।

फसल शरीरक्रिया विज्ञान विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि :

श्रीमती सानंदा मण्डल :

- 08.08.2022-11.08.2022. "बोहाई विश्वविद्यालय, चीन द्वारा एमएस टीम के साथ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित "8वें अंतर्राष्ट्रीय कृषि और जैविक विज्ञान सम्मेलन (एबीएस 2022)" में "प्राकृतिक और तनावपूर्ण स्थिति के तहत बीज बायोप्रिमिंग एजेंट के रूप में मोरिंगा पत्ती निकालने के परिप्रेक्ष्य" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत ।
- 22.09.2022-23.09.2022 "नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी में आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए संयंत्र अणुओं में उभरते नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "अरबिडोप्सिस थैलियाना के बीज विकसित करने में सल्फेट ट्रांसपोर्टर" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत ।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

- शिक्षक का नाम: डॉ. देबाशीष पांडा (सह-प्रधान अन्वेषक)।
- परियोजना का नाम: एसयूबी1ए और एसके लोकी के संयोजक प्रभाव का मूल्यांकन तराई स्वदेशी चावल लाइनों में फ्लैश फ्लड के प्रति सहिष्णुता के लिए और उसके बाद ठहराव के लिए।
- प्रायोजक एजेंसियां: एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार।
- स्वीकृत राशि: रु. 42,64,832/-

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता

- 27.07.2022 डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल द्वारा 'वर्षा आश्रित खरीफ चावल की सम्भावना' विषय पर रेडियो वार्ता की प्रस्तुति।
- 18.02.2022. डॉ. (श्रीमती) सानंदा मंडल द्वारा 'गर्मियों की फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका' विषय पर रेडियो वार्ता की गई।

शिक्षकों / विद्वानों या विभाग द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धि (डीएसए या सी.ए.एस. के रूप में मान्यता आदि)

देबाशीष पांडा

- पल्ली शिक्षा भवन के सूरजमुखी पर क्लस्टर फ्रंटलाइन प्रदर्शन का सह-पीआई
- इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल के आजीवन सदस्य
- सोसाइटी ऑफ बायो-रिसोर्स, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के आजीवन सदस्य

(श्रीमती) सानंदा मंडल

- **01.09.2022-30.09.2022** भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित 'डिजिटल असेसमेंट एंड इवैल्यूएशन मेथोडोलोजीज' पर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसीसी) में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
- फसल और खरपतवार विज्ञान समिति, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल के आजीवन सदस्य।
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के आजीवन सदस्य
- सोसाइटी ऑफ बायो-रिसोर्स, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के आजीवन सदस्य।
- जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, शांतिनिकेतन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

प्रकाशन:

अनुसंधान पत्र:

- सिंगल, आर.के., कुमार, एम., बोस, बी., मंडल, एस., श्रीवास्तव, एस., धनखेर, ओ.एम., और त्रिपाठी आर.डी. (2022): भारी धातु (एलओआईडी) की फसलों में फाइटोटॉक्सिसिटी और बीज प्राइमिंग तकनीक के माध्यम से इसका शमन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमेडेशन, डीओआई: 10.1080.1522651.2022.2068502
- मंडल, एस. और बोस, बी (2022): मैग्नीशियम नाइट्रेट प्राइमड और गैर-प्राइमड चावल के बीज के अंकुरण फिजियोलॉजी पर पोटेशियम नाइट्रेट का प्रभाव प्रभाव। स्वर्ण पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, 28(3), 1507-1515.
- मोंडल, एस., मोंडल, एस., और प्रामाणिक के. (2022): मसूर के अंकुरण फिजियोलॉजी (लेंस कुलीनारिस एल) सीवी पर बोरिक एसिड, जिंक सल्फेट हेक्टाहाइड्रेट एवं इसके संयोजन के साथ पोषण प्राइमिंग का प्रभाव। एचयूएल 57. कृषि विज्ञान डाइजेस्ट, डीओआई: 10.18805.ag.D-5584

अध्याय-2

•मंडल, एस। (2022): पौधों में कैस्केड का संकेत देने वाले माइटोजन- सक्रिय प्रोटीन किनासेस के भारी धातु तनाव-प्रेरित सक्रियण। पादप आणविक जीवविज्ञान रिपोर्टर, डीओआई: 10.1007.s11105-022-01350-w

पीयर रिव्यू पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या: 4

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना:

फसल फिजियोलॉजी विभाग ने नए आईसीएआर के बीएसएमए दिशानिर्देशों के अनुसार प्लांट फिजियोलॉजी में आठ नए एम.एससी. (एजी.) पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। ये शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से प्रभावी हैं।

आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि में अध्यापकों, शोधकर्ताओं का विवरण:

अमिताभ पॉल

•28.11.2022-02.12.2022। सीसीई, एनआईटी वारंगल के सहयोग से सीएसई-एआई और एमएल एसएनआईएसटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "डीप लर्निंग एल्गोरिदम और इंजीनियरिंग और विज्ञान में एप्लिकेशन" पर ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स (5 दिन) में सहभागिता।

नीहार रंजन चक्रवर्ती

•28.11.2022-02.12.2022: सीसीई, एनआईटी वारंगल के सहयोग से सीएसई-एआई और एमएल एसएनआईएसटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "डीप लर्निंग एल्गोरिदम और इंजीनियरिंग और विज्ञान में एप्लिकेशन" पर ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स (5 दिन) में सहभागिता।

संदीप देवनाथ

•01.07.2022. "अनुसंधान सर्किल, मलेशिया द्वारा आयोजित "पादप प्रजनन अनुसंधान के लिए जैव सूचना विज्ञान संबंधित उपकरणों का उपयोग" पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वार्ता।"

•16.07.2022। सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ओडिशा, भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्रीन टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बिजनेस मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज में "गामा विकिरणित भौतिक उत्परिवर्तन द्वारा विकसित विभिन्न दाल प्रजाति के मूल्यांकन के आधार पर विशेषता चयन के लिए प्रमुख घटक और पथ विश्लेषण" पर प्रस्तुत मौखिक प्रस्तुति।

•03.08.2022 अनुसंधान सर्किल, मलेशिया द्वारा आयोजित "जैव सूचना विज्ञान उपकरण का उपयोग करके पीसीआर प्राइमर्स डिजाइनिंग" पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वार्ता।"

•28.11.2022-02.12.2022। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-वारंगल द्वारा आयोजित "डीप लर्निंग एल्गोरिदम और इंजीनियरिंग और विज्ञान में एप्लिकेशन" पर एक अल्पकालिक कार्यक्रम में भाग लिया।"

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं :

अध्याय-2

•चावल, तिल, मसूर और अन्य फसलों पर फसल प्रजनन।

विस्तार गतिविधियाँ, एनएसएस, विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता

विभाग के शिक्षक और छात्र संस्थान द्वारा समय-समय पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रमों पर आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसमें विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रम आदि के लिए छात्रों और किसानों को संगठित करना शामिल है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों (रथिंद्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल सरकार, एनजीओ आदि द्वारा आयोजित) में भी भाग लिया।

व्याख्यानों का विवरण:

परेश चन्द्र कोले

•20.07.2022: 2022-23 में बोलपुर सबडिवीजन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में कार्यान्वित 2020-21 के दौरान टीआरएफए (ओएस) योजना के तहत दो दिवसीय विस्तार आधिकारिक प्रशिक्षण बैठक में एक व्याख्यान दिया।

टेलीविजन कार्यक्रम और रेडियो वार्ता

नीहार रंजन चक्रवर्ती

•15.07.2022 : ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता ए द्वारा आयोजित "बदलते वातावरण के दौरान लोक चावल का संरक्षण और पुनर्चक्रण" पर रिकॉर्ड किए गए रेडियो कार्यक्रम में भाग लिया। (15 जुलाई को रिकॉर्ड किया गया और 29 जुलाई 2022 को प्रसारित किया गया)।

•13.12.2022 : आकाशवाणी, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "सरसों की खेती" पर लाइव फोन-इन रेडियो कार्यक्रम में भाग लिया।

समग्र रूप से विभाग के शिक्षकों/विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे डीएसए या सीएसए के रूप में मान्यता आदि)

पी.सी. कोले:

• कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और आंतरिक पत्रिकाओं के समीक्षक।

अमिताभ पॉल

• निम्नलिखित समाजों का जीवन सदस्य:

• इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नई दिल्ली।

- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, बीसीकेवी, नादिया।
- बायोसाइंस एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी, मेरठ।
- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन।
- एसोसिएशन फॉर प्लांट ब्रीडिंग एंड इम्प्रूवमेंट (एपीबीआई), सीयू, कोलकाता।
- कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और आंतरिक पत्रिकाओं के समीक्षक।

नीहार रंजन चक्रवर्ती

निम्नलिखित का आजीवन सदस्य:

- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (ISCA)
- एसोसिएशन फॉर प्लांट ब्रीडिंग एंड इम्प्रूवमेंट (एपीबीआई), कोलकाता

संदीप देवनाथ

- शिक्षक दिवस, 2022 को सोसाइटी ऑफ इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी, ओडिशा से प्राप्त विशिष्ट शिक्षाविद् पुरस्कार।
- कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और आंतरिक पत्रिकाओं के समीक्षक

प्रकाशन:

शोध पत्र

- देवी, टीआर., कोले, पीसी और साहू एम.आर. (2022) सिट्रस जाम्बिरिलश के सिंथेटिक बीजों से इन विट्रो ऑर्गेनोजेनेसिस पर बेसल विटामिन, ग्रोथ रेग्युलेटर्स और एक्सप्लेंट्स का प्रभाव। जे. एप्लाइड हॉर्ट., 24(2): 140-144
- एसएआर, पी और कोले, पीसी (2022) मॉर्फोलॉजिकल वर्णों के आधार पर चावल में आनुवंशिक विविधता (ओरिजा सतीवा एल।) ईएनवी और पारिस्थितिकी, 40(2सी): 1005-1009
- लोंगखो, के. और कोले, पीसी (2022) चावल के एफ4 परिवारों (ओरिजा सतीवा एल) में बीज उपज पर उपज घटकों का विश्लेषण। इको. ईएनवी. एंड कॉनस., 28 (दिसंबर सप्लीमेंट संस्करण): S238-S243। डीओआई: <http://doi.org.10.53550.EEC.2022.V28I08S.036>

अध्याय-2

- सुननी, ए., चक्रवर्ती, एन.आर., कुमार, ए., सिंह, बी.के., पॉल, ए., मामन, एस., सेबेस्टियन, ए. और डार्को, डी.ए. (2022) कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके सुपीरियर एरोमैटिक राइस हाइब्रिड्स की पहचान करने के लिए जीन कार्रवाई, क्षमता और हेटरोसिस को समझना। *जर्नल ऑफ फूड क्वालिटी वॉल्यूम* 2022, आर्टिकल आईडी 9282733, 16 पेज <https://doi.org/10.1155.2022.9282733>
- पोखरेल, एच. और पॉल, ए। (2022) वांडा कोरुलिया के इन विट्रो बीज अंकुरण के लिए मीडिया का प्रभाव। *जैविक फोरम*, 14(1): 180-183
- पोखरेल, एच. और पॉल, ए (2022) सख्त होने के दौरान वांडा कोएरूलीप्लांटलेट की स्थापना पर बढ़ते मीडिया और पोषण का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस* 34(15): 84-89
- मार्गम, बी.के., चक्रवर्ती, एन.आर. और साधु, ए (2022) भारतीय सरसों में कृषि-रूपात्मक लक्षणों के आधार पर अनुवांशिक विविधता का आकलन [Brassica Juncea (L.) Czern और सीओएस] जननद्रव्य इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ प्लांट ब्रीडिंग, 13(3):1-5. <https://doi.org/10.37992.2022.1303.115>
- चक्रवर्ती, एन.आर., लक्ष्मण, एस.एस., देवनाथ, एस. और रहीमी, एम. (2022) विविध कृषि पारिस्थितिक क्षेत्रों में नए नस्ल के सूर्यमुखी संकरों में यील्ड स्थिरता और आर्थिक हेटरोसिस विश्लेषण। *बीएमसी पादप जीवविज्ञान*, 22:579, <https://doi.org/10.1186.s12870-022-03983-1>
- देबनाथ, एस., कांत, ए., भौमिक, पी., मालाकर, ए., पुरकायस्थ, एस., जेना, बी.के., मुद्रल, जी., राहिमी, एम., हेलाल, एम.यू., हसन, आर. और चैन जे.टी. (2023) डब्ल्यूआरकेवाई रीइंफोर्सड एफिनिटी ऑफ सोलानम लाइकोपेरिकम एल में सूखा सहिष्णुता को बढ़ाता है: एक अभिनव जैव सूचना विज्ञान अध्ययन। *प्लांट्स*, 12(4):762। <https://doi.org/10.3390.plants12040762>
- अलामरी, ए.एच., देवनाथ, एस., अलकहतानी, टी., अलकहतानी, ए., अलशहरी, एस.ए. और घोष, ए. (2023) करकुमा लोंगा-व्युत्पन्न यौगिक करक्यूमिन का उपयोग करके स्तन कैंसर में रैपामाइसिन (एमटीओआर) के स्तनधारी लक्ष्य को लक्षित करने में पौधे-व्युत्पन्न स्मार्ट नैनो अवरोधक को बढ़ाना" पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 1-8. <https://doi.org/10.1007.s11356-023-25375-0>
- देवनाथ, एस., शर्मा, डी., चौधरी, एस.वाई., शर्मा, आर., शेख, ए.ए., बुचदे, आर.एस., ... और अब्देलदईम-एम. (2023) अल्जाइमर रोग में टीएलआर-4 रिसेप्टर की शिथिलता के कारण इंट्राक्रानियल एन्यूरीज्म टूटना को रोकने के लिए गेहूं एगोर्ट कवक-व्युत्पन्न और संशोधित दवा। *पीएलओएस वन*, 18(1), ई0279616 <https://doi.org/10.1371.जर्नल.pone.0279616>

- परवीन , के., अल्फाघम, ए.टी., देवनाथ, एस., बुखारी, एन.ए., वे, डी.क्यू., अलशेख, एन.ए., और अलवदाई, ए.एस. (2023) लिगोडियम जापोनिकम से प्राप्त सूखा बढ़ाने वाले के रूप में एक्सिसिक एसिड का उपयोग करके सोलानम लाइकोपर्सिकम में सूखे प्रतिरोध को समृद्ध करना: एक नया फेंगल्ड कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण। पादप विज्ञान में फ्रंटियर्स, 14. <https://doi.org/10.3389/fpls.2023.1106857>
- चन्द, एस.पी., देवनाथ, एस., राहिमी, एम., अशरफ, एम., भट्ट, पी., और राहिन, एस.ए. (2022) भारतीय सरसों में मात्रात्मक और गुणात्मक विशेषताओं के लिए विशेषता सांठगांठ और जीन क्रिया का अनुरूपता जर्नल ऑफ फूड क्वालिटी 2022. <https://doi.org/10.1155.2022.4387318>
- सिंह, ए., वैद्य, जी., जगोटा, वी., डार्को, डी. ए., अग्रवाल, आर.के., देवनाथ, एस., और पोट्टिच, ई. (2022) मशीन लर्निंग फ्रेमवर्क का उपयोग करके फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और फलों और सब्जियों की गुणवत्ता प्रबंधन में हालिया प्रगति। जर्नल ऑफ फूड क्वालिटी, 2022, 1-9. <https://doi.org/10.1155.2022.6447282>

पुस्तक अध्याय

- प्रसाद, के.एम. और चक्रवर्ती, एन.आर. (2022) कृषि पौधों में अनुवांशिक विविधता। जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान, खंड 2, पुस्तक 26, अध्याय 8, पृष्ठ संख्या : 111-125; आईआईपी कार्यवाही; ISSN.ISBN:978-93-95632-83-6; DOI.LINK:<https://rsquarel.org/assets.docpload.आरएसएल2023सीसीबी6589ए14बीईबी9ई.पीडीएफ>.
- जयश्री, वी., शैक ऐशा, और चक्रवर्ती, एन.आर (2022) पूरी दुनिया को खिलाने के लक्ष्य के साथ पौधों के प्रजनन करने के अभिनव तरीके। जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान, खंड 2, पुस्तक 26, अध्याय 5, पृष्ठ संख्या : 70-81; आईआईपी कार्यवाही; ISSN.ISBN:978-93-95632-83-6 डीओआई लिंक: <https://rsquarel.org/assets.docupload.आरएसएल20231ईएफडी4डीबी34डी84ए5एफ.पीडीएफ>.

पुस्तक

- चक्रवर्ती, एन.आर., देवनाथ, एस., राजन, एन., और पांडेय, बी। (2022) जैव विविधता का संरक्षण: पर्यावरणीय चुनौतियों और खतरों को कम करना। फीनिक्स इंटरनेशनल पब्लिकेशन हाउस, 978-93-5515-136-0 (आईएसबीएन)।

अध्याय-2

- देवनाथ, एस। (2022) आण्विक पादप प्रजनन और जैव सूचना विज्ञान। लुलू पब्लिकेशन, यूएसए, 9781387731169 (आईएसबीएन)
- देवनाथ, एस (ईडी) (2022) जैव प्रौद्योगिकी में भविष्यवादी रुझान, खंड 2 आईआईपी कार्यवाही, 978-93-95632-83-6 (आईएसबीएन)
- देवनाथ, एस., कहकशान, पी., बुखारी, एन.ए., राजन, एन. (2023) अनुवांशिकी के सिद्धांत। एजीपीएच पब्लिशर्स, इंडिया, 978-9395468381 (आईएसबीएन)।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

जीपीबी विभाग ने 2019 से कार्य करना शुरू किया। एम.एससी. (Ag) जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग में शैक्षणिक सत्र 2015-16 से छह छात्रों के साथ शुरू हुआ (वर्तमान में आठ)। विभाग यूमें जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग .जी., साइटोजेनेटिक्स, क्वांटिटेटिव जेनेटिक्स, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, बायोइनफॉर्मेटिक्स, ब्रीडिंग फील्ड क्रॉस आदि पर विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यूपाठ्यक्रम .जी.और पी .जी. के अलावा, विभाग के संकाय सदस्य एम.एससी., पीएचडिग्री .डी., और विस्तार गतिविधियों हेतु संलग्न अनुसंधान कार्यों में छात्रों का मार्गदर्शन करने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। संकाय सदस्यों ने विशेष रूप से आईसीएआरजेआरएफ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं - के उद्देश्य से विशेष कक्षाएं आयोजित कीं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया-को बेहतर बनाने के लिए ई हो रहा है। उदाहरण के लिए संसाधनों का व्यापक उपयोग-ई कृषिशिक्षा (आईसीएआर), ई पीजीपाठशाला, सीएसएचएल डीएनए लर्निंग सेंटर (कोल्ड स्पिंग हार्बर लेबोरेटरी) आदि। छात्रों को अनुकूल तरीके से व्यावहारिक कौशल के विकास के लिए 'आभासी अमृता प्रयोगशालाएं' (एमएचआरडी) जैसी आभासी प्रयोगशालाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

उद्यानिकी एवं कृषि परवर्ती प्रौद्योगिकी विभाग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

- 14.04.2022-15.04.2022 डॉ. गौतम मंडल ने संयुक्त रूप से " द लिगैसी ऑफ डॉ बीआर अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमन एम्पावरमेंट " पर एक वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- 22.03.2023 विभाग ने प्रो. अमित रंजन मंडल, बीसीकेवी, मोहनपुर (पश्चिम बंगाल) द्वारा दिए गए "सब्जी फसलों का बीज उत्पादन" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान की व्यवस्था की।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन,संगोष्ठी,कार्यशाला,प्रदर्शनी आदि में अध्यापकों,शोधकर्ताओं की सहभागिता का विवरण:

गौतम मंडल

•02.02.2023-03.02.2023 प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "फसल संयंत्रों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण के अनुकूल नैनो-उर्वरकों के अनुप्रयोग से बागवानी फसलों में फसल उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि " विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

•02.02.2023-03.02.2023 पादप रोगविज्ञान विभाग, कृषि संस्थान, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल में आयोजित "फसल पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में फसल रोगों के जैविक और अजैविक कारण, उनकी पहचान, पहचान और लक्षण वर्णन विषय पर अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

•14.04.2022-15.04.2022 विश्वभारती, शांतिनिकेतन के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित " द लिगैसी ऑफ डॉ बीआर अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमन एम्पावरमेंट" विषय पर 'वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस' में तकनीकी सत्र-IV में सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया ।

प्रह्लाद देब

अध्याय-2

- 26.05.2022-27.05.2022 उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पुंदीबारी, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "सतत विकास, पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए बागवानी" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पाइनएप्पल अंडर वेस्टर्न ड्राई ट्रेक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल - ए रिसर्च नोट" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 08.11.2022 वनस्पति विज्ञान विभाग, सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "पूर्वी भारत के सेमियरिड लेटेरिटिक बेल्ट के तहत कुछ वुड एप्पल जीनोटाइप के फलों का भौतिक लक्षण" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 24.11.2022-26.11.2022 सोसाइटी ऑफ एमएफएमएपी एंड कोबाकस, यूबीकेवी, पुंदीबारी, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "छोटे फलों, औषधीय और सुगंधित पौधों पर छोटे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: स्वास्थ्य, धन और स्थिरता" में "पश्चिम बंगाल, भारत के अर्ध-शुष्क लेटेरिटिक बेल्ट के तहत कुछ कटहल जीनोटाइप के फलों के भौतिक-रासायनिक लक्षणों में भिन्नता" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 19.01.2023-20.01.2022 उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पुंदीबाड़ी, कोचबिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "नेशनल सेमिनार ऑन क्लाइमेट रेजिलिएंट एंड इनपुट एफिशिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड एंड न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी" में "इफेक्ट ऑफ पोस्थारवेस्ट माइक्रोबियल इनोक्यूलेशन ऑन एन्हांसिंग शेल्फ-लाइफ ऑफ लिची" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 02.02.2023-03.02.2022 "प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पीएसबी, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोटिक एंड एबायोटिक स्ट्रेस ऑफ क्रॉप प्लांट्स एंड उनके सस्टेनेबल मैनेजमेंट" में "गुणवत्ता और शेल्फ-लाइफ बनाए रखने के लिए लिची पर माइक्रोबियल इनोक्यूलेंट्स का पोस्थारवेस्ट एप्लिकेशन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 26.05.2022-27.05.2022 उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पुंदीबारी, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "हार्टिकल्चर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, न्यूट्रिशनल एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर सत्र में निर्णायक के रूप में भाग लिया।
- 08.11.2022 वनस्पति विज्ञान विभाग, सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "इंटरनेशनल सेमिनार ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बायोलॉजिकल साइंसेस" में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 24.11.2022-26.11.2022 सोसाइटी ऑफ एमएफएमएपी और कोबाकास, यूबीकेवी, पुंदीबारी, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "लघु फल, औषधीय और सुगंधित पौधे : स्वास्थ्य, संपत्ति और संधारणीयता" विषय पर छोटे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां, एनएसएस., सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता

विभाग के शिक्षक और छात्र प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के हस्तांतरण पर समय-समय पर विभाग, संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र और विभिन्न स्थानीय एनजीओ द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसमें किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम, फील्ड प्रदर्शन, फील्ड विजिट, टी.वी. और रेडियो कार्यक्रम आदि का आयोजन शामिल है। विभाग 'हलकर्षण' और 'श्रीनिकेतन उत्सव' (माघ मेला) आदि जैसे विभिन्न विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के आयोजन में भी अग्रणी भूमिका निभाता है। विभाग के कुछ महत्वपूर्ण विस्तार, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- 26.05.2022 बागवानी और पोस्टहार्वैस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन ने राय विश्वविद्यालय (झारखंड) के बागवानी फार्म में बी.एससी. (ऑनर्स) के कृषि छात्र के लिए "फल और सब्जी उत्पादन में अनविरोध" पर एक यात्रा और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 08.06.2022 विभाग ने रामपुरहाट कॉलेज, बीरभूम (पश्चिम बंगाल) के शिक्षकों और छात्रों के लिए एक प्रदर्शन और चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया, जो बागवानी फार्म, श्रीनिकेतन में 'एक्सपोज़र विजिट' के लिए आए थे।
- 03.11.2022 विभाग ने हॉर्टिकल्चर फार्म, श्रीनिकेतन में बी.एससी. (एजी.) के ऑनर्स छात्र के लिए नियोटिया यूनिवर्सिटी, सरिशा (पश्चिम बंगाल) और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधरिन (पंजाब) "बी.एससी. (कृषि) ऑनर्स स्टूडेंट्स" के लिए बागवानी फार्म की अवधारणा और कार्यप्रणाली पर एक प्रदर्शन और दौरा कार्यक्रम आयोजित किया।
- 04.11.2022 विभाग ने बागवानी फार्म, श्रीनिकेतन में "किचन गार्डनिंग फॉर विंटर सीजन" पर एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की।
- 16.11.2022 विभाग ने सालानपुर ब्लॉक, पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल के किसानों के लिए एक प्रदर्शन और चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया, जो बागवानी फार्म, श्रीनिकेतन में "एक्सपोज़र विजिट" में आए थे और "पश्चिम बंगाल के लैटेरिटिक ट्रैक में बागवानी की संभावनाएं" पर एक चर्चा की व्यवस्था की।
- 19.11.2022 विभाग ने दरंडा गांव, इलमबाजार, बीरभूम में एमएससी और पीएचडी छात्र, संकाय और एचपीएचटी, पीएसबी के कर्मचारी और किसान और ग्राम दरंडा, बीरभूम की कृषक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के लिए "न्यूट्रिशन गार्डन" पर एक फील्ड डे सह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की।
- 22.11.2022 विभाग ने बागवानी फार्म, श्रीनिकेतन में 'डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की।

अध्याय-2

- 11.2022. विभाग ने सुखसागर से ग्राम माला, बीरभूम के नानूर और दरंडा, पूर्व बर्धमान के ग्राम भेदिया, लाहंती इंस्टीट्यूट ऑफ मल्टीपल स्किल्स (दुमका, झारखंड) और आरकेवीके, पीएसबी (श्रीनिकेतन) के स्थानीय किसानों को रबी प्याज सीवी के गुणवत्तापूर्ण बीज वितरित किए।
- 12.12.2022-16.12.2022 विभाग ने योग कला और विज्ञान विभाग, विश्वभारती की सहायता से "योग शिविर" का आयोजन किया।
- 19.12.2022 विभाग ने आरकेवीके, पीएसबी, श्रीनिकेतन के सहयोग से बागवानी फार्म में "आम का उत्पादन और प्रबंधन" पर एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की।
- 10.03.2023 विभाग ने "गांधी पुण्यह" मनाया।
- 22.03.2023 विभाग ने प्रो. ए.आर. मंडल, बीसीकेवी, मोहनपुर (पश्चिम बंगाल) द्वारा दिए गए "सब्जी फसलों का बीज उत्पादन" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया।
- 23.03.2023 विभाग ने ग्राम माला, बीरभूम में रसोई बागवानी के लिए ग्रीष्मकालीन सब्जियों का बीज वितरित किया।

व्याख्यानों का विवरण

गौतम मंडल:

- 14.12.2022। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) के तहत 5 से 18 दिसंबर 2022 के दौरान कृषि कॉलेज, ओडिशा कृषि विश्वविद्यालय, चिल्मा, ओडिशा में आयोजित 'संरक्षित कृषि' पर कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। विषय: 'संरक्षित संरचना के तहत हाई-टेक नर्सरी बनाना'।
- 19.12.2022। विभाग द्वारा आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'आम की खेती की बेहतर विधि' पर व्याख्यान दिया गया। आरकेवीके में बागवानी और फसल कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी। श्रीनिकेतन
- 03.01.2021 एफओसीटी कार्यक्रम (नारियल विकास बोर्ड द्वारा प्रायोजित) के तहत किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया गया और रवीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित किया गया। विषय: क्राउन क्लीनिंग, फूलों का फल, कटाई, निविदा और नारियल की परिपक्व नट की पहचान
- 04.01.2021। बीरभूम जिले में एडीएमआई परियोजना के तहत बागवानी वृक्षारोपण के प्रबंधन पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया गया, ग्राम-तलदंगा, ब्लॉक-राजनगर, जिला-बीरभूम (पश्चिम बंगाल) डब्ल्यूबीएडीएमआईपी, डब्ल्यूआरआईडीडी, डब्ल्यूबी सरकार द्वारा विवेकानंद जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री रामकृष्ण आश्रम, निपिथ, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित "बागान, प्रशिक्षण, छंटाई

और अंतरसंस्कृति प्रचालन आदि के बागानों के संबंध में आम, अमरूद, कटहल और नींबू की खेती की उन्नत पद्धति" पर

• **05.01.2021।** बीरभूम जिले में एडीएमआई परियोजना के तहत बागवानी वृक्षारोपण के प्रबंधन पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान, ग्राम-जरखाडंगा (सियान के पास), ब्लॉक-श्रीनिकेतन, जिला- बीरभूम (पश्चिम बंगाल) डब्ल्यूबीएडीएमआईपी, डब्ल्यूआरआईडीडी, डब्ल्यूबी सरकार द्वारा विवेकानंद जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री रामकृष्ण आश्रम, निपिथ, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित "बागान, प्रशिक्षण, छंटाई और अंतरसंस्कृति प्रचालन आदि के बागानों के संबंध में आम, अमरूद, कटहल और नींबू की खेती की उन्नत पद्धति" पर

जयदीप मंडल

• 26.05.2022 बागवानी और पोस्टहार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित बागवानी फार्म में राय विश्वविद्यालय (झारखंड) द्वारा आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) पाठ्यक्रम में "सब्जी नर्सरी के हार्ड-टेक प्रबंधन" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया।

• 25.08.2022. रथींद्र कृषि विज्ञान केंद्र, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित सीकॉम स्किल्स यूनिवर्सिटी (डब्ल्यू.बी.) द्वारा आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई) पाठ्यक्रम में "प्रशिक्षण और छंटाई के विशेष संदर्भ में आम के बाग के प्रबंधन अभ्यास" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया गया। .

• 14.10.2022. रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) पाठ्यक्रम में "बागवानी में हालिया प्रगति" पर व्याख्यान दिया, जिसमें द नियोटिया यूनिवर्सिटी (W.B.), सीकॉम स्किल्स यूनिवर्सिटी (W.B.), शिक्षा ओ अनुसंधान (ओडिशा), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (पंजाब) और हिमगिरी ज़ी विश्वविद्यालय (उत्तराखंड) ने भाग लिया।

• 16.11.2022. बागवानी और कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "किसान एक्सपोजर विजिट सह चर्चा" कार्यक्रम में "पश्चिम बंगाल के लाल और लेटराइट क्षेत्र में बागवानी की संभावनाएं" विषय पर व्याख्यान दिया।

• 19.11.2022. बागवानी और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा गांव दरंदा, इलमबाजार, बीरभूम में "पोषण उद्यान" पर फील्ड दिवस सह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में "उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ सब्जी अंकुर प्रबंधन" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया।

अध्याय-2

- 22.11.2022. बागवानी और फसलोत्तर प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित बागवानी फार्म में "डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण" में "बीज उत्पादन के लिए प्याज के बल्बों का रोपण" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया।
- 22.11.2022. बागवानी और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित बागवानी फार्म में "डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण" में "प्लगट्रे का उपयोग करके सब्जी के बीज उगाने" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया।
- 22.11.2022. बागवानी और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिकेतन द्वारा बागवानी फार्म में "डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण" में "माइक्रोग्रीन ग्रोइंग" पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया।
- 15.12.2022. कृषि महाविद्यालय, ओयूएटी, चिपलिमा, ओडिशा में एनएचईपी के तहत 'संरक्षित कृषि' में कौशल विकास पाठ्यक्रम में "सब्जियों और मसालों की संरक्षित खेती" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रह्लाद देब:

- 15.05.2022: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "आम की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- 17.05.2022: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "आम की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- 20.06.2022: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "अमरूद और लिची की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- 21.06.2022: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "अमरूद और लिची की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- 17.01.2021: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "औषधीय और सुगंधित पौधों की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- 23.01.2023: रथीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित डीईएसआई पाठ्यक्रम में "औषधीय और सुगंधित पौधों की उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया।
- 04.11.2022: बागवानी और पोस्टहार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'किचन गार्डनिंग फॉर विंटर सीजन' सम्बंधी तकनीक का प्रदर्शन ।

- 22.11.2022: बागवानी और पोस्टहारवेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित शिक्षकों या डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी के प्रशिक्षण में "सर्दियों के मौसम के लिए पोषण उद्यान का प्रबंधन" पर व्याख्यान और प्रदर्शन।
- 19.12.2022: बागवानी और पोस्टहारवेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "आम का उत्पादन और प्रबंधन" विषय पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में "ट्रैनिंग एंड प्रुनिंग ऑफ मैंगो" सम्बंधी तकनीक का व्याख्या किया।
- 05.01.2023: रथिन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित एफओसीटी कार्यक्रम (नारियल विकास बोर्ड द्वारा प्रायोजित) के तहत नारियल पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विकास नियामकों के उपयोग पर विशेषज्ञ की भूमिका निभाई और व्याख्यान दिया।
- 14.02.2023: प्रसार भारती, आकाशवाणी, एआईआर, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित और प्रसारित "आम के पौधों की देखभाल" पर किसान वाणी लाइव फोन-इन कार्यक्रम में भाग लिया।

शिक्षकों, विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे डी.एस.ए. या सी.ए.एस. के रूप में मान्यता)

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित व्यावसायिक समाजों के आजीवन सदस्य:

- सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- बांग्लादेश, मयमनसिंघा, बांग्लादेश की सीड साइंस सोसाइटी।
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
- कर्नाटक बागवानी समिति, अराभावी, कर्नाटक
- बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, बागवानी संकाय, बीसीकेवी

गौतम मंडल

व्यावसायिक समितियों के आजीवन सदस्य

- भारतीय बागवानी सोसायटी
- इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन
- बागवानी के विकास के लिए सोसायटी
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एरिड हॉर्टिकल्चर

अध्याय-2

- इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियर्स
- जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

जयदीप मंडल

निम्नलिखित व्यावसायिक समितियों के आजीवन सदस्य

- भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल
- उड़ीसा बागवानी समिति, भुवनेश्वर, ओडिशा।
- इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, बारापानी, मेघालय।
- बांग्लादेश, मयमनसिंघा, बांग्लादेश की सीड साइंस सोसाइटी।
- कूच बिहार कृषि विज्ञान संघ (सीओबीएसीएएस), कूच बिहार, पश्चिम बंगाल
- बायोसाइंस एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी (बीएएस), मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- कर्नाटक बागवानी समिति, अराभावी, कर्नाटक।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ एलियम्स, आईसीएआर-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे
- इंडियन इकोलॉजिकल सोसाइटी, लुधियाना
- सलाहकार समिति, जिला एग्रोमेट यूनिट (डीएएमयू), आरकेवीके, बीरभूम के सदस्य
- बागवानी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षक ।

प्रह्लाद देब

निम्नलिखित व्यावसायिक समाजों के आजीवन सदस्य:

- भारतीय बागवानी सोसायटी, नई दिल्ली
- सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ हॉर्टिकल्चर, बैंगलोर
- बांग्लादेश की फ्रूट साइंस सोसाइटी, मैमेंसिंह, बांग्लादेश
- हॉर्ट फ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- फसल एवं खरपतवार विज्ञान समिति, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल
- बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता जर्नल

- जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान के लिए सोसायटी
- कलकत्ता विश्वविद्यालय के विजिटिंग फैकल्टी
- कार्यकारी समिति अंतर्राष्ट्रीय लघु फल, औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए समिति के सदस्य।
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइनर फ्रूट्स, औषधीय और सुगंधित पौधे
- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हॉर्टिकल्चरल साइंसेज, बेल्जियम के सदस्य

प्रकाशन:

- राज, ए. और मंडल, जी.(2022) उच्च घनत्व रोपण के तहत आम्रपाली आम के फूलों और फलने की विशेषताओं पर विभिन्न स्तरों और सूक्ष्म पोषक तत्वों के पर्ण स्प्रे का प्रभाव। एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के करंट जर्नल, 41(21): 1-16। (DOI: 10.9734/cjast.2022.v41i2131749)
- राज, ए. और मंडल, जी.(2022) आम्रपाली आम के उच्च घनत्व वाले बगीचे के तहत पुनर्जीवित पौधों की वृद्धि पर विभिन्न स्तरों और सूक्ष्म पोषक तत्वों के पर्ण स्प्रे का प्रभाव। द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(6): 1311-1317
- चट्टोपाध्याय, पी., मंडल, जी., सार, के. और दास, एस.एस. (2022) तराई डुआर्स क्षेत्र में पपीता (कैरिका पपाया एल.) की उत्पादकता पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(7): 1495-1498
- चट्टोपाध्याय, पी. और मंडल, जी. (2022) पपीता (कैरिका पपीता एल) के विकास और उपज पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का प्रभाव। जैविक मंच - एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 14(3): 577-580
- नाग, के. और मंडल, जी. (2022) डेंड्रोबियम ऑर्किड सीवी की विकास विशेषताओं पर प्रजनन शेड्यूलिंग का प्रभाव। सोनिया-17 फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(9): 1911-1915
- नाग, के. और मंडल, जी. (2022) डेंड्रोबियम ऑर्किड सीवी के वेज़ लाइफ क्वालिटी पर पोस्ट-हार्वेस्ट ट्रीटमेंट्स का प्रभाव। सोनिया-17 जैविक मंच - एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 14(3): 1395-1401
- रसैली, ए, बैरैली, पी एंड मंडल जी.(2022) पश्चिम बंगाल के लाल और लेटेरिटिक क्षेत्र के तहत फलों के फूलन, फल और उपज के लिए विभिन्न आम जीनोटाइप की क्षमता का मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस, 34(10): 97-102.
- सिंह, आर.के., मंडल, जे., और दास, बी(2022) छोटानागपुर पठार क्षेत्र में चिरोंजी (बुचानानियालन्जन) फलों की फिनोलॉजिकल विशेषताएं। जे. कृषि विज्ञान, 11(1) 276-284. डीओआई: 10.5958.2349-4433.2022.00146.5)

अध्याय-2

• शिल, एस, अधिकारी, पी.एंडमंडल, जे. (2022) ल्यूटिन के स्वास्थ्य लाभ। फसल सुधार में फ्रंटियर इन क्रॉप इम्प्रूवमेंट, **10: 2930-2934**

• देबनाथ, ए और देब, पी (2022) जैक फ्रूट के जेनेटिक वैरिएबिलिटी एस्टीमेट पर अध्ययन (आर्टोकार्पस हेटरोफिलस लैम) त्रिपुरा राज्य, भारत के उत्तरी क्षेत्र में जर्मप्लाज्म, एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी का वर्तमान जर्नल, **41(17): 1-8**

• देबनाथ, ए. और देब, पी. (2022) जैक फ्रूट (आर्टोकार्पस हेटरोफिलस लैम) के जैव रासायनिक मापदंडों के साथ पेड़ और उपज गुणों पर आधारित आंतरिक जर्मप्लाज्म विविधता, क्लस्टरिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए उत्तरी त्रिपुरा का चयन। फार्मा इनोवेशन, 11(6)): 1282-1289

• राणा, जी., साहू, आर.एल., शर्मा, जी.एल. और देब, पी. (2022) वर्षा आधारित परिस्थितियों में छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में आम की विभिन्न किस्मों के फूल और फलने के गुणों का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्रॉप एंड वीड, 18(1): 244-246

• गोनमेई, जी., देब, पी., कुमार, पी., सिन्हा, डी. और हलदर, ए. (2022) केले में जस्ता पोषण (सीवी) ग्रेड नैन अर्ली ग्रोथ स्टेज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस, **34 (22): 1648-1654** (डीओआई: **10.9734. आईजेपीएसएस.2022.v34i2231544**)

• हलदर, ए और डेब, पी (2023) पश्चिम बंगाल के पश्चिमी शुष्क क्षेत्र के तहत कुछ जामुन जीनोटाइप (सिजियमकुमिनिसिसकील्स) के फूलों के व्यवहार और फूलों की मॉर्फोलॉजी, फार्मा इनोवेशन, **12(3): 2958-2960**

• हलदर, ए और देब, पी (2023) पश्चिम बंगाल, भारत के अर्ध-शुष्क लैटेरिटिक बेल्ट के तहत कुछ जामुन जीनोटाइप (सिजियमकुमिनी स्कील्स) के फूलों के लक्षणों और पुष्प आकृति विज्ञान पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस, **35(7): 90-95**

• संतोषकुमार, जीएम, भौमिक, एन., चक्रवर्ती, ए., डे, ए.एन., घोष, ए., दत्ता, पी. देब, पी., चैमलिंग, एन., शेरपा, एन.टी. और सेनजाम, बी.डी. (2022) विभिन्न अमरूद (सिडियम गुआजावा एल), कल्टिवर, पर शूट पनिंग का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्रूट साइंस, **22 (1): 686-695**

• भौमिक, एन., देब, पी., मुंसी, पीएस और घोष, एस.के. (2022) पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों में विभिन्न अनानास (एनानस कोमोस) का रूपात्मक लक्षणीकरण और प्रदर्शन , भारतीय कृषि विज्ञान जर्नल, **92(5): 567-71**

- दास, रतन, देब, पी., पांडेय, एच., पेरुगु, एस. और सिंह, डी. (2022) चांदी नैनोकणों (एजीएनपी) का वनस्पति संश्लेषण और प्याज के बैंगनी ब्लॉच के कारण अल्टरनेरिया पोरी के प्रति इसका एंटीफंगल प्रभाव: एक इन विट्रो और प्राकृतिक एपीफाइटिक अध्ययन। कृषि और खाद्य अनुसंधान जर्नल, 10 (2022): 1-6
- कुमार, आर., देब, पी., देवांगन, आर.के., पुजारी, पी.के. और कुमार, ए. (2022) नारंगी की तैयारी और गुणवत्ता मूल्यांकन (सिट्रस रेटिकुलेटा एल.) पील कैंडी, फार्मा इनोवेशन, 11(12): 2958-2963

पीयर रिव्यूड जर्नल्स में प्रकाशित पेपर की संख्या: 19

के रूप में दर्ज किया जाना है:

1. विभागीय प्रकाशन:
2. व्यक्तिगत प्रकाशन: (क) एकल लेखक
(बी) संयुक्त लेखक (उसी विभाग के): 19

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के व्यापक विषय वस्तु क्षेत्र (बीएसएमए) समितियों और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के अनुसार, जहां भी संभव हो, पसंद आधारित क्रेडिट सिस्टम के अनुप्रोग सहित, बागवानी के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (पीजी अध्यादेश) के लिए नया अध्यादेश अपनाया गया था। बागवानी एम.एससी. में दो नए पाठ्यक्रम तैयार किए गए- फल विज्ञान में एम.एससी.(बागवानी) तथा सब्जी विज्ञान में एम.एससी. (बागवानी)।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

बागवानी और फसल कटाई के बाद प्रौद्योगिकी विभाग ने सितंबर 2016 से काम करना शुरू किया। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग यूजी और पीजी में बागवानी फसलों के बागवानी और फसल के बाद के पहलुओं पर विभिन्न यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के अलावा, विभाग के संकाय सदस्य भी विभिन्न विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसके अलावा, वे पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और पीएच.डी. डिग्री हेतु अनुसंधान कार्य में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

पौध पैथोलॉजी विभाग

प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार और सेमिनार:

• 24 जून 2022: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "बिजनेस इन्क्यूबेशन एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)" पर राष्ट्रीय वेबिनार।

आयोजन सचिव: डॉ. भोलानाथ मंडल

संयोजक : प्रो. रंजन नाथ

संयुक्त संयोजक : डॉ. मोहन कुमार विश्वास

संयुक्त संयोजक : श्री विवेक कुमार खरे

• 02-03 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'फसल रोपण का बायोटेक और अबायोटेक तनाव और उनका सतत प्रबंधन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संयोजक: प्रो. रंजन नाथ

आयोजन सचिव : डॉ. मोहन कुमार विश्वास

संयुक्त आयोजन संगठन: डॉ. भोलानाथ मंडल

संयुक्त आयोजन : श्री विवेक कुमार खरे

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि।

रंजन नाथ

• 14-15 अप्रैल 2022: विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन, बोलपुर में 'द लीगेसी ऑफ डॉ बी आर अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमन एम्पावरमेंट' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'द प्रोटेक्शन ऑफ फ्रूट प्लांट बायोडायवर्सिटी' पर व्याख्यान दिया।

• 02-03 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, द्वारा आयोजित 'फसल रोपण के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

• 02-03 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 'फसल रोपण का जैविक और अजैविक तनाव और उनका सतत प्रबंधन' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'पश्चिम बंगाल के लाल और लेटेरिटिक क्षेत्र के तहत मिर्च (कैप्सिकम एनम एल) के फ्यूजेरियम विल्ट रोग के पृथक्करण और बीमारी की घटनाओं पर' पेपर प्रस्तुत किया।

मोहन कुमार विश्वास

• 14-15 अप्रैल 2022: विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित "महिला सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले की विरासत" पर वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और "पश्चिम बंगाल में एडिबल फंगी की संस्कृति: ग्रामीण महिलाओं द्वारा अतिरिक्त आय सृजन का एक आसान तरीका" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• 24 जून 2022: "प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पीएसबी, कृषि संस्थान, विश्वभारती द्वारा आयोजित "बिजनेस इन्क्यूबेशन एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)" पर राष्ट्रीय वेबिनार में "भारतीय पेटेंट प्रणाली: दीक्षा से अंतिम प्रमाण पत्र तक" विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और वक्तव्य प्रस्तुत किया।"

• 8 नवंबर 2022: सूरी विद्यासागर कॉलेज, सूरी, बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "जैविक विज्ञान में उभरते रुझान" (ISETBS - 2022) पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "माइक्रोबियल संदूषण के उत्पादन और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन में स्थिरता के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत वाली ओयस्टर मशरूम खेती तकनीक का विकास" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• 25-26 नवंबर 2022: इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर रिसर्च (आईएसआर)-अध्याय मलेशिया द्वारा मत्स्यपालन, जीवन विज्ञान और कृषि (आईसीएफएलए) पर आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोध पत्र "पोस्ट हार्वेस्ट पैथोजेन्स ऑफ कोल्ड स्टोरेज आलू और उनका इको-फ्रेंडली मैनेजमेंट" प्रस्तुत किया।

• 8 दिसंबर 2022: इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्निकल एजुकेशन द्वारा कोलकाता में आयोजित जैविक कृषि और पर्यावरण विज्ञान (आईसीबीईईएस) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "पश्चिम बंगाल के कोल्ड स्टोरेज आलू के पैथोजेन का आइसोलेशन, विशेषता और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। पेपर आईडी: आईएसटी-आईसीबीईईएस-केएलकेटी-081222-812

• 02-03 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पीएसबी, कृषि संस्थान, विश्वभारती द्वारा आयोजित "फसल रोपण के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया व इसमें

अध्याय-2

'खाद्य की पहचान, गैर-खाद्य, औषधीय और जहरीली मशरूम की पहचान, और मानव शरीर में उनके प्रभाव' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• **24-25 मार्च 2023:** सोसाइटी फॉर फर्टिलाइजर्स एंड एनवायरनमेंट, 16, एलोरा रोड (केनल रोड), कोलकाता - 700075 द्वारा "सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कृषि-रसायनों का नेक्स्ट-जेन मैनेजमेंट" पर आयोजित 10 वें वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय वेबीनार में भाग लिया एवं जजिंग समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

• **02-03 फरवरी 2023:** प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पीएसबी, कृषि संस्थान, विश्वभारती द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के "फसल संयंत्रों का जैविक और अजैविक तनाव और उनका सतत प्रबंधन" के विषय VI इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज (बायोटेक्नोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी) के पोस्टर सत्र में भाग लिया और एक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

भोलानाथ मंडल

• 14-15 अप्रैल 2022: विश्वभारती के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा श्रीनिकेतन, बोलपुर में 'द लीगेसी ऑफ डॉ बीआर अम्बेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमेन एम्पावरमेंट' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सचिव।

• 14-15 अप्रैल 2022: विश्वभारती के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा श्रीनिकेतन, बोलपुर में 'द लीगेसी ऑफ डॉ बीआर अम्बेडकर एंड सावित्रीबाई फुले इन वूमेन एम्पावरमेंट' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं 'पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में रोजगार सृजन योजना को लागू करने वाले प्राकृतिक संसाधनों पर अधिक निर्भरता में कमी' विषय पर व्याख्यान दिया।

• 20 जून 2022: 'हीरानमोईपुरएग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट' द्वारा आयोजित 'उद्यमिता और आजीविका विकास में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

• 2-3 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व भारती द्वारा आयोजित प्लांट पैथोलॉजी विभाग में 'फसल के पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

• 02-03 फरवरी 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व भारती द्वारा आयोजित प्लांट पैथोलॉजी विभाग में 'फसल के पौधों के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक मौखिक प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता की।

• 24-25 मार्च 2023. आजीवन शिक्षण और विस्तार विभाग, विश्व भारती तथा स्कूल ऑफ बिजनेस, क्लाफलिन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा 'उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां', विषय पर आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और मशरूम खेती पर व्याख्यान में दिया।

विवेक कुमार खरे

• 14-15 अप्रैल, 2022: "डॉ. बी.आर. अंबेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमेन एम्पावरमेंट की विरासत" पर विश्व भारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैज्ञानिक और बाजार उन्मुख खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ग्राम महिलाओं की अतिरिक्त आय उत्पादन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

• 14-15 अप्रैल, 2022: : "डॉ. बी.आर. अंबेडकर और सावित्रीबाई फुले इन वूमेन एम्पावरमेंट की विरासत" पर विश्व भारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञ की भूमिका निभाई।

• 02-03 फरवरी, 2023: प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "फसल रोपण का जैविक और अजैविक तनाव और उनका सतत प्रबंधन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मल्टीप्लेक्स पीसीआर - माइक्रोबियल रोगजनकों का एक साथ पता लगाने के लिए एक उपकरण" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

• 02-03 फरवरी, 2023: " प्लांट पैथोलॉजी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित "फसल रोपण के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पौधे संरक्षण में नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियां" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

• 24-25 मार्च, 2023. "जीवन पर्यंत शिक्षा और विस्तार विभाग, विश्व भारती, भारत द्वारा आयोजित "उद्यमिता विकास: अवसर और चुनौतियां" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "आजीविका सुरक्षा और अतिरिक्त आय सृजन के लिए मशरूम की खेती" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

रंजन नाथ

• खरीफ और रबी मौसम के दौरान विभिन्न फसलों पर कुछ कवकनाशी की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन'

• प्रायोजक एजेंसी: विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली-110025

• स्वीकृत राशि: 8.32 (रु. लाख में)

• एसएआई पावर प्लस का विभिन्न क्षेत्रों और बागवानी फसलों में जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन

अध्याय-2

- प्रायोजक एजेंसी: साई फसल विज्ञान प्रा. लिमिटेड, कोलकाता
- स्वीकृत राशि: 2.301 (रु. लाख में)
- 2022-23 के रबी मौसम के दौरान विभिन्न फसलों पर कुछ कवकनाशी की जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसी: बेस्ट क्रॉप साइंस प्रा. लिमिटेड यूपीएसआईडीसी, प्लॉट नं सी-6,7,8, औद्योगिक क्षेत्र, गजरौला-II, अमरोहा, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, 244235
- स्वीकृत राशि: 3.9117 (रु. लाख में)
- लाल मकड़ी माइट और बैंगन की सफेद मक्खियों पर स्पाइरोटेट्रामट 11.01 % + इमिडक्लोप्रिड 11.01 % डब्ल्यू/ डब्ल्यू एससी का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन और स्पाइरोटेट्रामट का फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण
- प्रायोजक एजेंसी: जेयू एग्री साइंसेज प्रा. लि., नोएडा
- स्वीकृत राशि: 3.98840 (रु. लाख में)

मोहन कुमार विश्वास

- चावल के विकास और उपज मानदंड के लिए बायोविटा X (L) का मूल्यांकन
- प्रायोजक एजेंसी: पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कॉर्पोरेट कार्यालय 5 वीं मंजिल, विपुल स्कायर, बी-ब्लॉक, सुशांत लोक, चरण -1, गुडगांव-122009
- स्वीकृत राशि: 1.73 (रु. लाख में)

भोलानाथ मंडल

- विभिन्न फसलों में पीले माइट को नियंत्रित करने के लिए नैनो-सल्फर का विकास
- प्रायोजक एजेंसी: एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार
- स्वीकृत राशि: 10.50 (रु. लाख में)
- विभिन्न फसलों के कीटों और बीमारियों के खिलाफ कुछ कीटनाशकों और कवकनाशी का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन और फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण
- प्रायोजक एजेंसी: क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड, दिल्ली
- स्वीकृत राशि: 11.505 (रु. लाख में)
- विभिन्न क्षेत्र और बागवानी फसलों में जीवग्री लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन।
- प्रायोजक एजेंसी: जीवग्री लिमिटेड, मुंबई
- स्वीकृत राशि: 9.204 (रु. लाख में)

- विभिन्न क्षेत्र और बागवानी फसलों में मेसर्स रेनबो एग्रोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड के विभिन्न कृषि रसायनों का जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन।
- प्रायोजक एजेंसी: मेसर्स रेनबो एग्रोसाइंस प्रा. लि., अहमदाबाद
- स्वीकृत राशि: 4.602 (रु. लाख में)
- फसल कीटों और बीमारियों के प्रबंधन के लिए विभिन्न फसलों पर कीटनाशकों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसी: बेयर क्रॉप साइंस लिमिटेड
- स्वीकृत राशि: 13.806 (रु. लाख में)
- फसल कीटों और बीमारियों के प्रबंधन के लिए विभिन्न फसलों पर कीटनाशकों की जैव-प्रभावकारिता और फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन।
- प्रायोजक एजेंसी: जीएसपी फसल विज्ञान प्रा. लि., अहमदाबाद
- स्वीकृत राशि: 4.602 (रु. लाख में)

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियां, एनएसएस, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां और विभाग के शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता।

- विभाग के शिक्षक और छात्र समय समय पर संस्थान-द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं और साथ ही साथ विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों पर कार्यालय समय के दौरान एक पादप स्वास्थ्य क्लीनिक चलाता है। किसानों को कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन पर सुझाव दिए जाते हैं।
- सतत कीट प्रबंधन के लिए डायग्नोस्टिक्स और सलाहकार सेवाएँ कृषि निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को दी जाती हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने आसपास के गांवों में उत्पादकों को ऑनफार्म प्रशिक्षण सहित र-थीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया और ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन विस्तार कार्यक्रमों में भाग लिया।
- **24 मार्च, 2022** त्रिपुरा राज्य सरकार के कृषि विभाग के कर्मचारियों के **25** लोगों की एक टीम ने मशरूम की खेती और चल रही मशरूम की खेती की प्रक्रिया के बारे में चर्चा करने के लिए पौधे विकृति विभाग का दौरा किया। डॉ.एम.के. बिस्वास., इ.एल. समन्वयक ने आगंतुकों को इस प्रक्रिया के बारे में बताया।
- **6 मई, 2022** डीएसईएआरसीएच के तहत पैरामेडिकल कॉलेज-, दुर्गापुर के **3** संकायों सहित **12** छात्रों की एक टीम ने मशरूम की खेती, शुद्ध खेती की तैयारी, रखरखाव की प्रक्रिया आदि के बारे में तकनीकों को

अध्याय-2

समझने और ज्ञान जुटाने के लिए पादप पैथोलॉजी विभाग का दौरा किया। डॉ.एम.के. बिस्वास ., इ एल समन्वयक ने एक व्याख्यान दिया और आगंतुकों को प्रक्रिया के बारे में बताया।

- एनएसएस यूनिट, पीएसबी के के साथ मिलकर परिसर की सफाई की गई।
- 10 मार्च 2023 को गांधी पुण्याह के दौरान परिसर और विभाग की सफाई की गई थी।

• रंजन नाथ

- एआईआर, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित किसान वाणी कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्यक्ति।

मोहन कुमार विश्वास

- 04.06.2022: आकाशवाणी प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना" पर व्याख्यान दिया।
- 27.02.23-05.03.2023 कृषि चिपलिमा महाविद्यालय, पादप पैथोलॉजी विभाग, ओयूएटी, संस्थागत विकास योजना (आईडीपी), राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएचईपी) द्वारा प्रायोजित "मशरूम खेती और अंडा उत्पादन के लिए स्वचालित प्रणाली" के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और "दूधिया मशरूम की कम लागत की खेती की तकनीक और भारत में इसकी संभावनाएँ" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 14.08.2022 आकाशवाणी प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और "चावल और खरीफ सब्जियों की बीमारी एवं अन्य समस्याएँ और उनके प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- 18.11.2022: आकाशवाणी प्रसारण कार्यक्रम "किसान वाणी" में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और "पश्चिम बंगाल में खाद्य सफेद बटन मशरूम की खेती" पर व्याख्यान दिया।
- 21.01.2023 आकाशवाणी किसान वाणी लाइव फोन-इन कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। रिकॉर्डिंग की तारीख और समय: जीएमटी +0530 (भारत मानक समय)।
- 29.07.22: एनएसएस यूनिट पीएसबी/पीएसवी, विश्व-भारती द्वारा आयोजित भदुरपुर, बीरभूम के ग्राम शिविर में "मशरूम की खेती के माध्यम से आजीविका अर्जित करना" विषय पर व्याख्यान दिया और विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

भोलानाथ मंडल

- 5.01.2023: रवीन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'नारियल के रोगों के प्रकार और उनके प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया तथा विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- 19.12.2022: बागवानी और पोस्टहार्वेस्टिंग प्रौद्योगिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और 'आम का कीट और रोग प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

दिया।

- 21.09.2022-27.09.2022: रामपुरहाट कॉलेज, रामपुरहाट, बीरभूम, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'स्वच्छता, डेंगू जागरूकता, महिला अधिकार और सशक्तिकरण, और सामाजिक जागरूकता' कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और 'कृषि उत्पादन में सतत जल प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।
- एआईआर, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित किसान वाणी कार्यक्रम में लाइव-फोन कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए एवं रिकॉर्डिंग की।
- कृषि सहायक निदेशक कार्यालय, बोलपुर द्वारा आयोजित कई प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

शिक्षकों, विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे डीएसए या सी.ए.एस. आदि के रूप में मान्यता)

पेटेंट:

"नैनोटेक्नोलॉजी आधारित कृषि विश्लेषण उपकरण"

- डॉ. तन्मय घोष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एंड्रयूज कॉलेज, गरिया, पश्चिम बंगाल
- डॉ. मोहन कुमार विश्वास, पादप पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती
- डॉ. रंजन नाथ, पादप पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 731236.

पेटेंट संख्या ewy.No: 132344, कृषि विज्ञान, प्रकाशित फ़ाइल 2022-06-15, 2023-03-31 को प्रकाशित।

"आईओटी आधारित सौर ऊर्जा चालित कृषि रोबोट"

- डॉ. अभिलाष ई.एस. सहायक प्रोफेसर, बॉटनी विभाग श्री नारायण गुरु कॉलेज, चेलानुर कोझिकोड -673616
- डॉ. मोहन कुमार विश्वास, प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती
- डॉ. रंजन नाथ, पादप पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, पल्लीशिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 731236.
- श्रीमती शीतल राजापुरकर सहायक प्रोफेसर, डॉ. विश्वनाथ कराड एमआईटी विश्व शांति विश्वविद्यालय, पुणे।

पेटेंट सं. 116087, कृषि विज्ञान, प्रकाशित क्षेत्र 2022-05-11 और 2022-07-21 को प्रकाशित।

रंजन नाथ

- नेशनल सोसाइटी, जर्नल की सदस्यता।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी (आईएसएमपीपी) एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।
- कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूचबिहार एसोसिएशन (COBACAS) यूबीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल

अध्याय-2

- इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के आजीवन सदस्य। प्लांट पैथोलॉजी, प्लांट प्रभाग, आईएआरआई, न्यू-दिल्ली।

- बोर्ड ऑफ स्टडीज, प्लांट पैथोलॉजी विभाग, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया, पश्चिम बंगाल के बाहरी सदस्य

•मोहन कुमार विश्वास

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक प्लांट्स के संपादकीय सदस्य।

- माइक्रोबायोज जर्नल्स, माइक्रोबायोलॉजी जर्नल और बायोमेडिकल रिसर्च के संपादकीय सदस्य।

इंडियन सोसाइटी ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी के संपादकीय सदस्य।

•राष्ट्रीय समितियों की सदस्यता

- भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, प्लांट प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, आईएआरआई, न्यू-दिल्ली, भारत का आजीवन सदस्य

- इंडियन सोसाइटी ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी के आजीवन सदस्य, प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान, भारत,

- सोसायटी फॉर प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट, ओएयूटी, भुवनेश्वर, भारत के आजीवन सदस्य।

- प्लांट प्रोटेक्शन में एडवांसमेंट के लिए एसोसिएशन के लाइफ मेंबर

- एसोसिएशन ऑफ मशरूम सोसाइटी ऑफ इंडिया, सोलन के सदस्य।

•भोलानाथ मंडल

- 2.2.2023-4.2.2023 मैसूर, कर्नाटक विश्वविद्यालय में आयोजित पादप और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दों और नवाचारों पर सोसायटी और प्लेटिनम जुबली सम्मेलन की 75 वार्षिक बैठक पर इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से फरवरी 2023 में 'फेलो ऑफ इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (एफपीएसआई - 2021)' से पुरस्कृत किया गया।

• नेशनल सोसाइटी, जर्नल की सदस्यता

- दीमक सोसायटी, बरिशल, बांग्लादेश द्वारा प्रकाशित, टरमाइट, पर्यावरण पत्रिका के सलाहकार परिषद के सदस्य।

- 'फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी' का आजीवन सदस्य

- 'पूर्वी भारत बागवानी और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र' का आजीवन सदस्य

- 'एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट', बसंती, दक्षिण 24 परगना के संस्थापक और आजीवन सदस्य।

- 'श्रॉटलिंग वर्ल्ड की सहायता संगठन', राजबारीपारा, जलपाईगुड़ी के संस्थापक और आजीवन सदस्य । • सोसायटी फॉर प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट के लाइफ मेंबर
- 'इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी' के आजीवन सदस्य
- कृषि मौसम विज्ञानी संघ भारतीय मायकोलॉजिकल सोसायटी (आईएमएस)
- इंडियन सोसाइटी ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी (आईएसएमपीपी)
- प्लांट प्रोटेक्शन (एपीपी) में एडवांसमेंट एसोसिएशन।
- कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूचबिहार संघ (सीओबीएसीएस)
- जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान समिति,
- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, बोलपुर, बीरभूम
- स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी, असम के फेलो सदस्य
- लाइफ मेंबर, इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- सहायक सचिव, पूर्वी भारत बागवानी और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, बहरू, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
- मुख्य सलाहकार, हीरानमोयपुर कृषि-बागवानी सोसायटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
- साउथ एसिअन रिसर्च जर्नल एग्रीकल्चर एंड फिशरीज के सह संपादक।
- 14.05.2017 - 13.05.2022। व्यावसायिक निदेशक, बीरभूम जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड

•विवेक कुमार खरे

- भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, आईएआरआई, नई दिल्ली, भारत के आजीवन सदस्य।

•प्रकाशन:

पीयर समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र की संख्या: 07

- गराई, पीके, मंडल, बी और दत्ता, एस (2022) : **Atheliarolfsii (Syn)** बीटलवीनजनित कॉलर सड़न रोग (पाइपर बेटल एल) से बचाव के लिए बायोफ्यूमिगेशन आधारित एकीकृत रोग प्रबंधन (स्क्लेरोटियम रोलफसिसेक)। जर्नल ऑफ प्लांट पैथोलॉजी, एनएएस: 7.73, आईएसएसएन: 1125 - 4653। डीओआई: <https://doi.org.10.1007.s42161-022-01129-8>.

अध्याय-2

- दास, ए., हेम्ब्रम, के.सी., मोंडल, बी. और माझी, पी. (2022): कृषि और घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन में क्राउ का पता लगाना: वितरण को समझना, मिथक विज्ञान और उपयुक्तता। जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट, 12(01): 36-43
- गराई, पी.के. और मंडल, बी (2022): पश्चिम बंगाल के तटीय लवणीय क्षेत्र के अंतर्गत बेटलवीन (पाइपर बेटल एल) की कर्लर रॉट डिजीज। कृषि विज्ञान जर्नल, 11(1): 39-46. डीओआई: 10.5958.2349-4433.20222.00153.2
- अख्तर, एन.एस., बिस्वास, एम.के. और दयाराम (2022): 'एथिल मिथेन सल्फोनेट (ईएमएस) और यूवी-रे उत्परिवर्तन के माध्यम से विकसित उत्परिवर्ती उपभेदों का लक्षण। फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(10): 99-103
- अख्तर, एन.एस., बिस्वास, एम.के. और दयाराम (2022): लेन्टिनूला एडोड्स हाइब्रिड उपभेदों का मॉर्फोलॉजिकल लक्षणीकरण जो अंतर्जातीय संभोग द्वारा प्राप्त किया जाता है। पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण। 28: एस1-एस4
- घोष तन्मय और बिस्वास मोहन कुमार (2022): 'गनोडरमा ल्यूसिडम: अन्य खाद्य मशरूम की तुलना में उत्पादन, पोषण और औषधीय मूल्य - एक समीक्षा'। जर्नल ऑफ मायोपैथोलॉजिकल रिसर्च, 60(3): 307-312
- एलांगोवन, एम., गोपीनाथ, वी., शनमुगराज, सी. और बिस्वास, एम.के. (2022): माइकलियल ग्रोथ, यील्ड और मिलकी मशरूम (कैलोसाइब इंडिका पी एंड सी) की जैविक दक्षता पर विभिन्न जैविक अनुपूरकों का प्रभाव। जे.एमसीओएल पीएल पाथो, 52 (1): 89-92

पुस्तकें, पाठ्यपुस्तकें

संपादित पुस्तक

- मंडल, बी., बोरदोलुई, एस.के. और संत्रा, एस। (2022)। कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर। रेणु पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पीपी। 192 आईएसबीएन: 978-93-92597-50-3, ई-बुक: 978-93-92597-56-5

पुस्तक अध्याय

- मंडल, बी., मैटी, सी., मंडल, पी., दास, ए. और संत्रा, एस. (2022): कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर, में पोषण गार्डन - ग्रामीण गरीबों के लिए पोषण संबंधी असुरक्षा को संतुलित करने के लिए एक रामबाण। मंडल, बी., बोरदोलुई, एस.के. और संत्रा, एस. ईडीएस., रेणु पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पीपी। 01-09 आईएसबीएन: 978-93-92597-50-3, डीओआई: 10.30954. एनडीपीई एमर्जिंग1
- मैट्टी, एस.के., मंडल, जी.एस. और मंडल, बी. (2022): कृषि में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर में एमएजीआईसी जनसंख्या: विकास और अनुप्रयोग। मंडल, बी., बोरदोलुई, एस.के. और संत्रा, एस. ईडीएस., रेणु

पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पीपी। 127-142. आईएसबीएन: 978-93-92597-50-3, डीओआई: 10.30954. एनडीपी-एमर्जिंग 13

• खरे, वी.के. (2022): मल्टीप्लेक्स पीसीआर - माइक्रोबियल रोगजनकों के लिए एक नैदानिक विधि। जैव प्रौद्योगिकी में भविष्यवादी रुझान (VOL:2, Book:26, PP. 126-131)। इंटरनेट इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

• घोष, टी और बिस्वास, एम.के. (2022): "कृषि के क्षेत्र में उभरते रुझान: संभावनाएं और अवसर" में ग्रामीण क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन (बायोगैस) के माध्यम से पशु अपशिष्ट का संदूषण: माइक्रोबायोलॉजिकल पहलू और प्रदूषण नियंत्रण। सं. मॉडल, बी, बॉडोलू के के और सूत्र, एस। रेणु पब्लिशर्स, नई दिल्ली 2022, पीपी (13-157) आईएसबीएन 978-93-92597-50-3 डीओआई: 10.30954. एनडीपी-एमर्जिंग 14

• प्रामाणिक, पी.के. और बिस्वास, एम.के. (2022): भारतीय आईएसईटीई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस कोलकाता की कार्यवाही, भारत में पश्चिम बंगाल के कोल्ड स्टोर में किए गए आलू के पैथोजेन का आइसोलेशन, विशेषता और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन। सं. डॉ. पी. सुरेश। इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च (ITRESEARCH), प्लॉट नंबर 30, धर्म विहार, खंडगिरी, भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत द्वारा प्रकाशित। पीपी- (1-53), ISBN: 978-93-90150-31-1

• मंडल, बी और दास, ए (2023): सुंदरबन: जलेर ताले अस्तो-अबाद में भारतीय सुंदरबन अरण्यरूपर नृतत्विक प्रभाव। समाल, आर और महाटो, जे. (ईडीएस) गंगचिल, कोलकाता, पीपी। 285-301. आईएसबीएन: 978-93-93569-88-2

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

प्लांट पैथोलॉजी विभाग को आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा अपने स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए मान्यता दी गई है। विभाग ने पीजी और पीएचडी के लिए प्रयोगशाला की स्थापना की है। यूजी क्लासरूम और कॉन्फ्रेंस रूम का नवीनीकरण किया गया है।

श्री तारक कंसाबानिक, सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ कोलकाता और श्री एस.के. मॉडल, आईईडीएस ने आईपी सुविधा केंद्र, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार की शुरुआत के लिए बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन करने के लिए 12.01.2023 को विभाग का दौरा किया था।

मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग

यूजीसी सीएसआईआर नेट स्लेट तथा गेट परीक्षाओं में सफल छात्रों के नाम :

•मधूलिका (आईसीएआर नेट)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

•01.09.2022: डॉ. सौमित्र दास निदेशक, दक्षिण एशिया-जिंक न्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन, नई दिल्ली, भारत ने "जिंक इन बैलेन्सड प्लांट न्यूट्रीशन फॉर फूड एंड न्यूट्रीशन सिक्योरिटी" पर इंडियन सोसाइटी ऑफ साइंस (आईएसएसएस) 2022 का 25वां डॉ. बी.वी. मेहता मेमोरियल व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन,संगोष्ठी, कार्यशाला,प्रदर्शनी आदि :

•18.06.2022 -19.06.2022 "प्रो. गौतम कुमार घोष ने "भारतीय कृषि में सल्फर प्रबंधन रणनीतियों की तुलना में फसल उत्पादकता और गुणवत्ता" पर 18-19 जून, 2022 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत कृषि के लिए पोषक तत्व प्रबंधन रणनीतियों में हाल के विकास : भारतीय संदर्भ पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

• 03.01.2023-07.01.2023: प्रो. गौतम कुमार घोष ने 5 जनवरी 2023 को 108वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस, कृषि और वानिकी विज्ञान अनुभाग, आरटीएम विश्वविद्यालय, नागपुर में "खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए संतुलित पादप पोषण में सल्फर" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

•02.02.2023-03.02.2023: डॉ. पाबित्रा कुमार बिस्वास ने प्लांट पैथोलॉजी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित फसल रोपण के जैविक और अजैविक तनाव और उनके सतत प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र में एक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

•15.12.2022 : प्रो. गौतम कुमार घोष ने एफएआई, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता द्वारा आयोजित "क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर -द- वे फॉरवर्ड" पर एक व्याख्यान दिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं

शिक्षक का नाम: प्रो. गौतम कुमार घोष

परियोजना का नाम: "धान की उत्पादकता पर समुद्री खरपतवार निकालने (एस्कोफिलम नोडोसम) का प्रभाव"

प्रायोजक एजेंसियां: मोज़ेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा

स्वीकृत राशि: 3,03,732/-

शिक्षकों, विद्वानों या विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टता (जैसे डीएसए या सी.ए.एस. के रूप में मान्यता आदि)

गौतम कुमार घोष

- अध्यक्ष, ग्रामीण जैव प्रौद्योगिकी समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी (पश्चिम बंगाल सरकार), कोलकाता (2016 - तारीख तक)
- सचिव, भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी - श्रीनिकेतन चैप्टर, विश्वभारती, श्रीनिकेतन (2016 - आज तक)
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस, नई दिल्ली के 2023 के लिए नीति और उपनियमों पर स्थायी समिति के सदस्य।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 और 2022-2023 के काउंसिलर
- विभिन्न वैज्ञानिक समाजों के आजीवन सदस्य

पवित्र कुमार विश्वास

- विभिन्न वैज्ञानिक समाजों के आजीवन सदस्य
- कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक
- बांग्लादेश कृषि विश्वविद्यालय, बांग्लादेश और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से पीएचडी थीसिस का बाहरी रूप से मूल्यांकन किया।

सुछंदा मंडल

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य
- इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस, श्रीनिकेतन चैप्टर के कोषाध्यक्ष

वाई.वी. राव

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य
- इंटरनेशनल जर्नल ग्रासरूट्स जर्नल ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज के संपादकीय सदस्य (ISSN: 2581-6853)
- कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक

एम.सी. कुंड़

- विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य
- कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक

उमालक्ष्मी थिंगुजम

- आजीवन सदस्य और विभिन्न समितियों के सदस्य

प्रकाशन:

अध्याय-2

- मन्ना, के., साहा, बी और कुंडू, एम.सी. (2022): ब्रोकोली (ब्रासिका ओलेरेसिया एल) की खेती में रूट ज़ोन में मिट्टी के पानी, तापमान और पोषक तत्वों की स्थिति पर गैर-बुने जूट एग्रोटेक्सटाइल मल्टि का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, 13 (4), 348-356.
- कुमार, के.एच., और कुंडू, एम.सी. (2022): यूवी-VIS स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके मृदा कार्बनिक कार्बन पूल का गुणात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस 34 (24), 187-192
- घोष, एम., बिस्वास, पी.के., बनर्जी, एम., मलिक, जी.सी. और पॉल, एस.के. (2022): "डिसिपेशन काइनेटिक्स ऑफ ईटॉक्साज़ोल 10 एससी इन. ऑन ब्रिजल" पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 40 (2सी): 833-837
- मजुमदार, एस., पावेल, एम.ए., बिस्वास, पी.के. और बानिक, पी. (2022): "विभिन्न चावल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में मिट्टी एंजाइम गतिविधि पर आर्सेनिक प्रेरित तनाव का प्रभाव" पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार, 26, 102282
<https://doi.org/10.1016/j.eti.2022.102282> 2352-1864/© 2022 Elsevier
(<http://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/>) द्वारा प्रकाशित।
- दास, एस.के., घोष, जी.के. (2022): जैविक खाद के साथ बायोमास को कम लागत वाले बायोचर में बदलने से रेतीली मिट्टी की बहाली के लिए तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से मिट्टी के जल-भौतिक वातावरण में सुधार। बायोमास कॉन्व बायोरेफ. <https://doi.org/10.1007/s13399-022-02724-6>
- दास, एस.के., घोष, जी.के. (2022): बायोमास व्युत्पन्न बायोचर और कार्बनिक खाद से प्रभावित मृदा जल-भौतिक संपत्तियां: भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की अम्लीय पर्वत रेतीली मिट्टी के प्रबंधन के लिए एक कम लागत वाली प्रौद्योगिकी। बायोमास कॉन्व बायोरेफ., <https://doi.org/10.1007/s13399-022-03107-7>
- दास, एस., घोष, जी.के. और सेन, डी. (2022): पश्चिम त्रिपुरा में रबी मक्के की यील्ड और गुणवत्ता पर जिनक एप्लिकेशन के विभिन्न तरीकों का प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक पादप जर्नल, 9(3):245-249 डीओआई: [HTTPS://DOI.ORG.10.23910.2.2022.IJEP0482](https://doi.org/10.23910.2.2022.IJEP0482)
- दास, एस.के., घोष, जी.के. और अवस्थे., आर. (2022) . बायोमास को इंजीनियर्ड बायोचर के लिए वैध बनाना और मिट्टी, पादप, पानी और माइक्रोबियल गतिशीलता पर इसका प्रभाव एक समीक्षा। बायोमास कॉन्फ्रेंस : बायोरेफ, 12, 4199-4183 <https://doi.org/10.1007/s5-00836-020-13399>
- नामेई, ए., पुरकायत, आलोक दास, सौरव, बिश्वास, पी.के., घोष, जी.के. (2022): चावल में विभिन्न पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाएं - उत्पादकता और मृदा उर्वरता स्थिति पर ग्रीन-ग्राम आधारित फसल अनुक्रम: एक समीक्षा, पादप विज्ञान का इतिहास, 11(9): 5338-5348 (DOI: 10.21746.aps.2022.11.9.4)

• नामेई, ए., घोष, जी.के., कुमार मनोज, मीना के.एल., राजेश जी., राजखोवा, डी.जे. (2022): नागालैंड की वर्षा स्थिति के तहत झूम क्षेत्र में चावल - ग्रीन ग्राम में पोषक प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव। जर्नल ऑफ एग्रीसर्च, 9 (4): 290-295 (DOI: 10.21921/JAS.V9I04.2011590)

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

इस विभाग में तीन विषय हैं – मृदा विज्ञान, कृषि रसायन और जैव रसायन विज्ञान। विभाग की गतिविधियों में मुख्य रूप से शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्य शामिल हैं। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। कृषि संस्थान (पल्लीशिक्षा भवन) के सभी विभागों के साथ-साथ हमारा विभाग भी यूजी कार्यक्रम में दिए जाने वाले पाठ्यक्रमों में योगदान देता है। विभाग में मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान में एम.एससी. (एजी) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का शिक्षण उपलब्ध है। ।

शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, शिक्षक और छात्र स्थानीय इलाके में किसानों की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए विस्तार गतिविधियों में शामिल हैं। फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार, मिट्टी और जल संरक्षण के लिए किसानों द्वारा फसल की खेती, मिट्टी और उर्वरता प्रबंधन को अपनाने के लिए विभाग द्वारा की गई जांच के निष्कर्षों से सिफारिशें की जा रही हैं। यूजी छात्रों को व्यापक आर ए डब्ल्यू ई कार्यक्रम की पेशकश की जाती है।

पाठ भवन

(प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

“हमने बच्चों को प्रकृति से प्रेम करके उसमें अपनी स्वतंत्रता खोजने का अवसर दिया है। क्योंकि प्रेम स्वतंत्रता है: यह हमें अस्तित्व की पूर्णता देता है...”

रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 'ए पोएट्स स्कूल'

पाठ भवन विश्व भारती का पूर्व-प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान है। विश्व भारती के इतिहास में इसका बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। एक सदी से भी अधिक समय पहले, 1901 में शान्तिनिकेतन के रमणीय विश्राम स्थल में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्राचीन भारत के तपोवन पर आधारित अपने स्कूल, ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना की थी।

स्कूल बाद में 1921 में एक विश्वविद्यालय, विश्व भारती के रूप में विकसित हुआ। स्कूल शुरू से ही विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग था और अब भी है। 1924 में इसका नाम बदलकर पाठ भवन कर दिया गया। जब 1951 में संसद के एक अधिनियम द्वारा विश्व भारती को एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' बनाया गया, तो पाठ भवन को इसके संस्थानों में से एक के रूप में शामिल किया गया था।

टैगोर अपने स्कूल में एक बच्चे को प्रकृति के बीच आज़ादी का आनंद देना चाहते थे। आज भी पाठ भवन की कक्षाएँ पेड़ों की छाया के नीचे खुली हवा में आयोजित की जाती हैं। किसी के संवेदनशील हृदय को प्रकृति में मौजूद सामंजस्य का एहसास कराने और उसके साथ एकाकार होने की सुविधाएँ मौजूद हैं।

पाठ भवन अभी भी टैगोर के शिक्षा के विचार को बरकरार रखती है, जिसकी उन्होंने पांडित्यपूर्ण शिक्षा से परे जाकर एक व्यक्ति की पूर्णता को जोड़ने की कल्पना की थी। यह अभी भी पारंपरिक संस्थानों से विचलन है। पाठ भवन में गतिविधियाँ बच्चों को नवाचार और रचनात्मकता के मूल्य सीखने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। छात्रों को नियमित विषयों के साथ-साथ प्रकृति अध्ययन, संगीत, नृत्य, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, हस्तशिल्प और अन्य रचनात्मक कार्यों से अवगत कराया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को खेल-कूद में भाग लेना चाहिए। सीखने की प्रक्रिया में इन सभी को समान महत्व दिया जाता है।

प्रत्येक बुधवार को उपासना गृह में साप्ताहिक प्रार्थना सभा में भाग लेना और आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियों और विश्वविद्यालय के त्योहारों में भाग लेना पाठ-भवन के छात्र होने के जीवन का हिस्सा है।

आश्रम सम्मिलनी छात्रों में स्वशासन की भावना विकसित करने के लिए टैगोर द्वारा बनाई और प्रचलित एक अवधारणा है। इसके कई विंग हैं, अर्थात्, साहित्य विभाग (साहित्यिक विंग), सेवा विभाग (सामाजिक सेवा), परिवेश विभाग (पर्यावरण), स्वास्थ्य विभाग (स्वास्थ्य), क्रीड़ा विभाग (खेल), आहार्य विभाग (खाद्य और भोजनालय) और सखा संघ (कल्चरल विंग)। आत्म-अनुशासन और आत्मनिर्भरता के पाठ के अलावा, आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियाँ बच्चे के समग्र विकास में योगदान करती हैं।

एक शताब्दी के बाद भी, पाठ भवन टैगोर की पूर्णता के लिए शिक्षा के दृष्टिकोण को कायम रखना और उसका अभ्यास करना जारी रखता है। अपनी दृष्टि योजना के एक भाग के रूप में, पाठ भवन शिक्षा की एक वैकल्पिक पद्धति को कायम रखने के लिए तत्पर है, जहाँ रचनात्मक गतिविधियों, गहन शोध कार्य के साथ-साथ "करने के माध्यम से सीखने" में व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से बच्चे का पूर्ण और समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है, और ज्ञान का सृजन, सूचना के सांसारिक दोहरावपूर्ण संग्रह की जगह, आनंद, स्वतंत्रता और सहयोग, इसके मूल सिद्धांत हैं।

पाठ भवन मुख्य रूप से एक आवासीय विद्यालय है, हालाँकि इसमें डे स्कॉलर के रूप में अध्ययन करने की सुविधा है। यह किंडरगार्टन से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करता है। पाठ भवन की किंडरगार्टन इकाई, मृणालिनी आनंद पाठशाला, जिसकी स्थापना 1954 में हुई थी और जिसका नाम टैगोर की पत्नी मृणालिनी देवी के नाम पर रखा गया है, में एक बच्चे को 4+ वर्ष की आयु में प्रवेश दिया जाता है। छात्र क्रमशः दसवीं और बारहवीं कक्षा के पूरा होने के बाद स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा और प्री-डिग्री परीक्षा में उपस्थित होते हैं। वर्तमान में पाठ-भवन के छात्रों की कुल संख्या 1167 है, जिनमें से 339 निवासी और 828 डे स्कॉलर हैं।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक (सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएँ, प्रदर्शनियाँ आदि, जिनमें शिक्षकों ने भाग लिया।

नाम:- डॉ. अमिताभ मुखर्जी, सहायक व्याख्याता, पाठ भवन

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया/ भाग लिया

सेमिनार का विषय: सतत विकास के लिए समावेशी शिक्षा: विचार से कार्य तक :01-02 अप्रैल 2022

पेपर का शीर्षक है: समावेशी शिक्षा और टैगोरियन स्कूल - एक केस स्टडी

प्रकाशन:

अमिताभ मुखर्जी

- सांस्कृतिक अंतराल और उपयुक्त भाषा की चुनौती - गुरप्रीत कौर (एड) में "अंग्रेजी साहित्य, कला और संस्कृति में उभरते रुझान और चुनौतियाँ", प्रकाशन ब्यूरो, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, पंजाब, 2022, आईएसबीएन: 978-81- 956817-1-6

- आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण के युग में मूल्य - बीरबल साहा और अनसूया अधिकारी (एड) में "फ्रॉस्टरिंग पीस एंड वैल्यूज़ टुडे", क्रिसेंट पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली, 2023।

आईएसबीएन: 978-93-91771-64-5

- नाम:- श्री तरित रॉय चौधरी और सह-लेखक: श्री प्रतीप रॉय

प्रकाशित पुस्तक: शांतिनिकेतन: ताहादेर कथ्य (শান্তিনিকেতন : তাহাদেৱ কথায়)

प्रकाशक - किंगबर्दती, कोलकाता

अध्याय-2

अन्यान्य गतिविधियाँ. एनएसएस. विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

- हमारे कुछ छात्रों और शिक्षकों ने वेरिबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर, कोलकाता, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित "आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न" नामक कार्यक्रम में भाग लिया। बारहवीं कक्षा की उसरी मजूमदार को "भारत के हरित भविष्य की ओर परमाणु ऊर्जा ही एकमात्र रास्ता है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला।
 - अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास कोलकाता, महामहिम सुश्री मेलिंडा पावेक ने अगस्त में पाठ भवन का दौरा किया और हमारे कुछ छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। उनके सम्मान में पाठ भवन के कुछ वरिष्ठ छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।
 - स्वीडन के शिक्षकों और छात्रों की एक टीम ने मार्च में पाठ भवन का दौरा किया और मानवतावाद, आपदा प्रबंधन और जोखिम न्यूनीकरण के मुद्दों पर हमारे कुछ छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।
- पाठ भवन की एनसीसी इकाई ने 11-26 मई, 2022 के दौरान 50 बंगाल बटालियन शांतिनिकेतन में एक सीएटीसी शिविर का आयोजन किया।

कैडेट श्रीजा हांसदा सर्वश्रेष्ठ कैप्टन (जूनियर विंग)रहीं, जबकि खो-खो टीम में श्रीजा हांसदा और तृषा दास दूसरे स्थान पर रहीं।

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक छात्र स्वशासन आश्रम सम्मिलनी की गतिविधियाँ

- कुल मिलाकर, पथ भवन आश्रम सम्मिलानी द्वारा चौदह साहित्य सभाओं (साहित्यिक बैठकें)की व्यवस्था की गई थी।
- आश्रम सम्मिलनी के सेबा विभाग द्वारा चार बार दान संग्रह कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- गांव का दौरा. दो बार निरीक्षण की व्यवस्था की गयी. कार्यक्रमों में वरिष्ठ छात्रों के एक समूह और कुछ शिक्षकों ने भाग लिया।
- परिवेश विभाग, आहार्य विभाग, सखा संघ और स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न विषयों पर चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की।

शिक्षा-सत्र

अन्यान्य गतिविधियाँ/ एनएसएस/ विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

एनएसएस

शिक्षा-सत्र की एनएसएस इकाई ने 14 अप्रैल 2022 को अंबेडकर जयंती मनाने के लिए एक रैली में भाग लिया। छात्र शांतिनिकेतन 'उपासना गृह' के सामने एकत्र हुए और शपथ ली, और फिर पोस्टर और बैनर के साथ केंद्रीय प्रशासनिक भवन तक चले गए।

शिक्षा-सत्र की एनएसएस इकाई ने 16 जुलाई, 2022 को छात्र गतिविधि केंद्र, शांतिनिकेतन में एक रक्तदान शिविर में भाग लिया।

शिक्षा-सत्र की एनएसएस इकाई के 84 एनएसएस स्वयंसेवकों ने उस शिविर में भाग लिया।

15 अगस्त, 2022 को एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। इस यूनिट के 31 विद्यार्थियों ने परेड में हिस्सा लिया।

24 सितंबर, 2022 को एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र ने एनएसएस दिवस के उत्सव में भाग लिया। बारहवीं कक्षा के स्वप्नोन्मिल मंडल और गौरी मंडल को यूनिट का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार मिला। एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र को समारोह का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला, इकाई को 2022 के लिए विश्व-भारती की सर्वश्रेष्ठ इकाई के रूप में नामित किया गया।

एनएसएस इकाई ने क्रमशः 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस और 15 नवंबर 2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने और बिरशा मुंडा जयंती मनाने के लिए रैलियों में भाग लिया। छात्र शांतिनिकेतन 'उपासना गृह' के सामने एकत्र हुए और फिर पोस्टर और बैनर के साथ एक छोटे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए केंद्रीय प्रशासन भवन तक गए।

गणतंत्र दिवस पर एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र के 31 छात्रों ने बड़े उत्साह और ईमानदारी के साथ परेड में भाग लिया।

एनएसएस इकाई, शिक्षा-सत्र ने पूरे सत्र में अपने नियमित कर्तव्यों का पालन किया जैसे- सफाई, बागवानी और छात्रों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए अपने स्कूल परिसर को साफ रखने के लिए प्रेरित करना।

एनसीसी

शिक्षा-सत्र की एनसीसी इकाई 50 बंगाल बीएन एनसीसी बोलपुर के तहत कार्य करती है। स्कूल में एनसीसी कोर्स 2 साल के लिए होता है जिसके बाद कैडेटों को 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा देनी होती है। शिक्षा-सत्र के एनसीसी कैडेट पूरे वर्ष विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियाँ करते हैं।

12 मई से 20 मई, 2022 तक CATC BD-1 शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के NCC कैडेटों ने भाग लिया।

शिक्षा सत्र से 5 जेडब्ल्यू कैडेटों ने बोलपुर में आयोजित शिविर में भाग लिया। एक जेडब्ल्यू ड्रिल प्रतियोगिता थी जहां 5 कैडेटों ने दूसरा पुरस्कार जीता। इसके अलावा, एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता भी हुई और हमारे कैडेटों को प्रथम पुरस्कार मिला। पुनः खो-खो प्रतियोगिता में हमारे सभी कैडेट्स को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अध्याय-2

21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिक्षा-सत्र के एनसीसी कैडेटों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाया।

चूँकि 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, शिक्षा-सत्र के कैडेटों ने 50 बंगाल बीएन एनसीसी बोलपुर द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

12 अगस्त 2022 को अधिकांश कैडेटों ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में भाग लिया। इसके बाद, स्वतंत्रता दिवस विनय-भवन मैदान में मनाया गया जहाँ हमारे सभी एनसीसी कैडेटों ने परेड में भाग लिया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

हमारे कैडेटों में से एक, सार्जेंट सूरज दास को आरडीसी-2023 के लिए कल्याणी में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। उन्होंने वर्तमान समूह के तहत 12 नवंबर से 19 नवंबर 2022 तक आरडी शिविर में भाग लिया। एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहाँ उन्हें समूह गीत में दूसरा स्थान, समूह नृत्य में पहला स्थान, बैले में दूसरा स्थान और राष्ट्रीय एकता जागरूकता प्रस्तुति में पहला स्थान मिला।

27 नवंबर 2022 को 50 बंगाल बीएन एनसीसी बोलपुर में विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं, ड्राइंग प्रतियोगिताओं, कविता प्रतियोगिताओं आदि सहित एनसीसी दिवस पर बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। हमारे दो कैडेटों को ड्राइंग और नृत्य प्रतियोगिताओं में दूसरा पुरस्कार मिला।

23 अक्टूबर को कैडेटों ने 'पुनीत संकल्प' के लिए डिजिटल रूप से अपना पंजीकरण कराया और प्रत्येक को डिजिटल मोड में एक प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। यह संकल्प प्लास्टिक प्रदूषण के प्रसार को रोकने और जल निकायों को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने में पुनीत सागर अभियान का समर्थन करने के लिए है।

30 सितंबर 2022 को, कैडेटों को डिजिटल मोड में केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा 'प्रतिबद्धता प्रमाणपत्र' प्राप्त हुआ। कैडेटों ने सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा को अपनाया और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानक को बनाए रखने और जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और कानून के शासन का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चूँकि 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है, हमारे एनसीसी कैडेटों ने विश्वभारती के विभिन्न विभागों का दौरा किया और एड्स बैज वितरित किए।

23 जनवरी 2023 को विनय-भवन के एनसीसी कार्यालय में शिक्षा-सत्र के कैडेटों द्वारा नेताजी जयंती मनाई गई।

26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस होने के कारण, एनसीसी परेड के साथ विनय-भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसमें शिक्षा-सत्र के कैडेटों ने भी भाग लिया।

प्रकाशन:

व्यक्तिगत प्रकाशन:

- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2022) सजातीय-विषम प्रतिक्रियाओं के साथ एक स्ट्रेचिंग शीट पर पानी आधारित कार्बन नैनोट्यूब नैनोफ्लुइड के गर्मी हस्तांतरण पर संरक्षित चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एम्बिएंट एनर्जी, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन, 43(1), 5434-5446।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2022) स्लिप सीमा स्थितियों के साथ मैग्नेटो-रेडिएटिव SWCNT-MWCNT.H₂O हाइब्रिड नैनोफ्लुइड प्रवाह का एन्ट्रॉपी विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एम्बिएंट एनर्जी, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन (अभी-अभी स्वीकृत), 1-31।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2022) नॉनलाइनियर थर्मल विकिरण के साथ छिद्रपूर्ण माध्यम से मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक डार्सी-फोर्चहाइमर विलियमसन हाइब्रिड नैनोफ्लुइड प्रवाह का एन्ट्रॉपी पीढ़ी विश्लेषण। पोरस मीडिया में विशेष विषय और समीक्षाएं: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, बेगेल हाउस, 13(3)।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2023) तेजी से सिकुड़ने वाली पारगम्य रीगा सतह के साथ परिवर्तनीय चिपचिपाहट और परिवर्तनीय तापीय चालकता के साथ विकिरणकारी Ag-MoS₂ जल संकर नैनोफ्लुइड प्रवाह के दोहरे समाधान: स्थिरता और एन्ट्रॉपी पीढ़ी विश्लेषण। मॉडलिंग और सिमुलेशन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन 1-26।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2023) ओमिक हीटिंग के साथ सिकुड़ने योग्य सतह पर डार्सी चुंबकीय-विकिरणशील हाइब्रिड प्रतिक्रियाशील नैनोफ्लुइड गर्मी हस्तांतरण की स्थिरता विश्लेषण और निहितार्थ। जर्नल ऑफ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री, स्प्रिंगर, 1-18।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2023) ताप उत्पादन के साथ पारगम्य शीट के तेजी से खिंचने, सिकुड़ने के कारण विकिरण-चुंबकीय हाइब्रिड नैनोफ्लुइड स्लिप प्रवाह का स्थिरता विश्लेषण। एम्बिएंट एनर्जी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन 1-12।
- गोपीनाथ मंडल (दुलाल पाल के साथ), (2023) एक स्ट्रेचिंग शीट पर मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक क्वाड्रेटिक रेडिएटिव डार्सी-फोर्चहाइमर क्रॉस हाइब्रिड नैनोफ्लुइड (जीओ + एजी.केरोसिन तेल) की एन्ट्रॉपी पीढ़ी और गर्मी हस्तांतरण का अनुमान। संख्यात्मक हीट ट्रांसफर, भाग ए: अनुप्रयोग, टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन 1-24।

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

शिक्षा-सत्र श्रीनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में स्थित विश्वभारती में एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय है। 'पोएट्स स्कूल' की स्थापना 1924 में प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी, जिसका प्राथमिक उद्देश्य किसी के अंग और दिमाग को न केवल सभी आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने के लिए शिक्षित करना था, बल्कि जीवन और दुनिया के बीच प्रतिक्रिया की समरूपता में भी होना था।

कवि कबूल करते हैं, '... मैं खुद शांतिनिकेतन के स्कूल और कॉलेज की तुलना में शिक्षा-सत्र की शैक्षिक संभावनाओं को अधिक महत्व देता हूँ, जो दिन-ब-दिन इस देश के कई स्कूलों और कॉलेजों की तरह होते जा रहे हैं: उधार के पिंजरे जो छात्रों का इलाज करते हैं 'दिमाग बंदी पक्षियों की तरह हैं जिनका एकमात्र मूल्य मिट्टी से जुड़ी एक विदेशी शैक्षिक व्यवस्था द्वारा निर्धारित पाठों की

अध्याय-2

यांत्रिक पुनरावृत्ति के अनुसार आंका जाता है।' उन्होंने कल्पना की थी कि 'कवियों का स्कूल' एक दिन उनके सपनों को साकार करेगा।

महात्मा गांधी 1925 में शिक्षा-सत्र का दौरा करने आए और इसकी गतिविधियों से इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने बुनियादी शिक्षा की अपनी योजना को आकार देने के लिए शिक्षा-सत्र के प्रधानाध्यापक की सेवाएं लेना चाहा। महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा की शुरुआत वर्ष 1937 में हुई। शिक्षा-सत्र के छात्रों की गतिविधियों और रवीन्द्रनाथ के आदर्शों ने गांधीजी को बुनियादी शिक्षा के संदर्भ में सोचने के लिए प्रेरित किया।

उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और कार्यप्रणाली के संबंध में,

शिक्षा-सत्र आज विश्व-भारती के तहत शांतिनिकेतन में अन्य संस्थानों के समानांतर एक गैर-आवासीय संस्थान के रूप में कार्य करता है, जो अपनी प्रकृति के लिए अद्वितीय अध्ययन के कई विषयों की पेशकश करता है। शिक्षा-सत्र के छात्र दसवीं कक्षा के बाद स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा और बारहवीं कक्षा के बाद विश्वभारती द्वारा आयोजित प्री-डिग्री परीक्षा में उपस्थित होते हैं। औपचारिक शिक्षा के अलावा, शिक्षा-सत्र में छात्र बुनाई, लकड़ी का काम, कृषि, कलात्मक हस्तकला, पेंटिंग, नृत्य, मॉडलिंग और संगीत भी सीखते हैं। स्कूल में विभिन्न पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों का प्रदर्शन छात्रों के बीच संपूर्ण शिक्षा की अवधारणा को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कृषि-आर्थिक शोध केंद्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक):

18.08.2022 को आईआरसी, विश्व-भारती के साथ भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता के भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) प्रशिक्षुओं का दौरा और बातचीत कार्यक्रम, 2022

अध्यक्ष: प्रो. देबासिस भट्टाचार्य मानद। निदेशक, आईआरसी, विश्वभारती

वक्ता	विषय
प्रो.देबाशीष भट्टाचार्य, मानद निदेशक, आईआरसी, विश्वभारती	अच्छी गुणवत्ता वाले डेटा का महत्व: उनका संग्रह, विश्लेषण और निष्कर्ष।
डॉ. हेमन्त सरकार संयुक्त निदेशक, एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ब्यूरो, पश्चिम बंगाल सरकार	आधिकारिक सांख्यिकी का संग्रह: कुछ परिचयात्मक नोट्स
प्रो. शिवदास बंद्योपाध्याय सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एप्लाइड स्टैटिस्टिकल यूनिट, आईएसआई, कोलकाता	आधिकारिक सांख्यिकी संकलन में भारतीय सांख्यिकी सेवा की भूमिका

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 09.12.2022 को अनिगमित क्षेत्र उद्यमों (एयूएसई) पर वार्षिक सर्वेक्षण पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

अध्यक्ष: प्रो. देबासिस भट्टाचार्य, मानद निदेशक, आईआरसी, विश्वभारती

वक्ता	विषय
प्रो.देवीशीष भट्टाचार्य, मानद निदेशक, आईआरसी, विश्वभारती	वर्तमान समय के सर्वेक्षणों और आईआरसी की कार्यप्रणाली के संदर्भ में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता।
डॉ. विभाष चौधरी एनएसओ के अतिरिक्त महानिदेशक (फील्ड ऑपरेशंस डिवीजन)	अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों पर भारत सरकार का दृष्टिकोण

अध्याय-2

डॉ. बंदना सेन एनएसओ के उप महानिदेशक (फील्ड ऑपरेशंस डिवीजन)	अनिगमित क्षेत्र उद्यमों (ASUSE) पर वार्षिक सर्वेक्षण के महत्व पर परिचयात्मक नोट

23.02.2023 को आईआरसी, विश्वभारती में आगंतुकों का दौरा और बातचीत कार्यक्रम।

- प्रोफेसर यंगजो ली, सांख्यिकी के प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया
- प्रो. पूनम सिंह, सांख्यिकी की प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत
- प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ दास, सांख्यिकी के प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, भारत

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ:

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW) द्वारा वित्त पोषित कृषि-आर्थिक केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के तहत परियोजनाएं। परियोजना लागत आईआरसी के लिए कुल स्वीकृत निधि के अंतर्गत शामिल है। कुल स्वीकृत निधि मात्र 210.00 लाख रुपये है।

परियोजनाओं के नाम इस प्रकार हैं:

- किसान आत्महत्या: भारत में कारण और नीति निर्धारण (टीम लीडर: श्रीदेव अदक)
- भारत में भूमि स्वामित्व और कृषि उत्पादकता (टीम लीडर: ऋषव मुखर्जी)
- भारत के चयनित राज्यों में दूध उत्पादन की लागत और दूध उत्पादकों को सकल रिटर्न (टीम लीडर: सप्तरसी चक्रवर्ती)
- भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत धान की खरीद के लिए विकेन्द्रीकृत खरीद योजना (टीम लीडर: मेहेदी हसन)
- भारत में विभिन्न खाद्य तेलों का उपभोग पैटर्न (टीम लीडर: श्रीजीत राय और कुणाल साहा)
- नीति आयोग के लिए कृषि प्रदर्शन संकेतक (15 अंक) (टीम के सदस्य: रिशव मुखर्जी और मेहेदी हसन)

प्रकाशन:

पीयर में शोध पत्रों की समीक्षा की गई, रेफर्ड यूजीसी-केयर। CAR-NAAS सूचीबद्ध पत्रिकाएँ: 2

- **घोष, एस., और राय, एस.** (2022) भारतीय सुंदरबन में जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिक तनाव और आजीविका विकल्प। जलवायु परिवर्तन और सामुदायिक लचीलापन, विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम। XXVI, 2021-22, ISSN: 0975-8003, पीपी. 59-75।
- **चटर्जी, एस. हसन, एम. और चक्रवर्ती, आर.** (2022) पश्चिम बंगाल, भारत में छोटे और सीमांत खेतों पर संरक्षण कृषि का आर्थिक प्रभाव: डीआईडी विधि के साथ एक आकलन, जर्नल ऑफ क्रॉप एंड वीड, वॉल्यूम। 18 नंबर 3, ई आईएसएसएन: 2349-9400, पीपी 223-237।

सरकारी रिपोर्ट: 1

• चौहान, एस. मोहंती, टी.रॉय, एस.और सिंह, ए. (2022)मध्य प्रदेश के लिए जिला वित्तीय समावेशन सूचकांक 2022। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए), भोपाल, मध्य प्रदेश, सरकार द्वारा प्रकाशित। मध्य प्रदेश का, पृ. 1-46

अन्य प्रासंगिक जानकारी:

प्रो.ब्रजेश झा, कृषि अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान इकाई, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी), दिल्ली और "भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत धान की खरीद के लिए विकेन्द्रीकृत खरीद योजना" नामक परियोजना के प्रोजेक्ट लीडर हैं। उक्त परियोजना के संबंध में पश्चिम बंगाल के केंद्र एवं अध्ययन क्षेत्र का दौरा किया।

श्रीजीत रॉय, रिसर्च एसोसिएट, आईआरसी, शांतिनिकेतन ने पीएचडी जमा की। अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में "भारतीय सुंदरबन में आजीविका की गतिशीलता और पारिस्थितिक स्थिरता" शीर्षक वाली थीसिस

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ भवन, सदन, विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

भारत में आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि क्षेत्र को कई योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ देश में आर्थिक योजना और विकास में उच्च प्राथमिकता दी गई थी। इन योजनाओं और कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए, यह महसूस किया गया कि जमीनी स्तर से उचित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र से संबंधित क्षेत्र-विशिष्ट समस्याओं का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

पूर्वी भारत के लिए कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र की स्थापना 1954 में विश्वभारती में श्रीनिकेतन में रवीन्द्रनाथ टैगोर के ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम के आसपास केंद्रित कृषि अर्थशास्त्र में अनुसंधान की विश्वविद्यालय की लंबी परंपरा के अनुरूप की गई थी। इन केंद्रों की गतिविधियों के मुख्य मुद्दों में शुरू में निरंतर गाँव सर्वेक्षण, अध्ययन, कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास में अनुभव की जा रही मूलभूत समस्याओं की जाँच करना और साथ ही संदर्भित मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकारों को तकनीकी सलाह प्रदान करना शामिल था। उनके द्वारा। समय बीतने और बड़ी संख्या में गाँवों के सर्वेक्षण और पुनर्सर्वेक्षण के साथ, केंद्र ने अंततः नीति-उन्मुख अध्ययनों के बजाय समस्या-उन्मुख अध्ययनों की ओर रुख किया। वर्तमान में, केंद्र पूरे पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान निकोबार द्वीप समूह वाले क्षेत्र में काम कर रहा है।

यह केंद्र मई, 1990 में स्थायी हो गया और अप्रैल 1995 से विश्व-भारती के साथ एकीकृत हो गया और विश्व-भारती के विजिटर (भारत के माननीय राष्ट्रपति) द्वारा कानून के हालिया संशोधन द्वारा इसे एक विशेष केंद्र के रूप में माना जाने लगा। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र विश्वभारती विश्वविद्यालय के भीतर कार्य कर रहा है, इसके मामलों का संचालन और प्रबंधन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। यह केंद्र कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से वार्षिक अनुदान सहायता द्वारा प्रायोजित है।

2022-23 तक, इस केंद्र ने कृषि वृद्धि और विकास से संबंधित विषयों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करते हुए 192 से अधिक अध्ययन पूरे कर लिए थे, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निवेश, सब्सिडी, आजीविका, ऋण, विपणन, कृषि इनपुट, सहयोग, खाद्य अर्थशास्त्र, शामिल हैं। मत्स्य पालन, कृषि-ग्रामीण उद्योग, आदि

राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वभारती में भारत सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने के लिए मार्च, 1993 में राजभाषा सेल की स्थापना की गई थी।

राजभाषा सेल के दो व्यापक कार्यक्रम हैं,

• कार्यान्वयन कार्यक्रम

यह सेल का प्रशासनिक हिस्सा है। सरकार द्वारा जारी राजभाषा (राजभाषा) नीति के कार्यान्वयन से संबंधित नियम और विनियम। भारत में समय-समय पर क्षेत्र "सी" के लिए निर्धारित अनुसार कार्यान्वित किया जाता है, जिससे विश्वभारती संबंधित है। यह सेल अनुवाद मामलों में अन्य विभागों को भी सहायता प्रदान करता है।

• प्रशिक्षण कार्यक्रम

सरकार की नीति कार्यान्वयन का पहला कार्यक्रम। भारत सरकार ने हिंदी में कामकाजी ज्ञान प्राप्त करने के लिए ग्रेड सी से लेकर सभी गैर हिंदी भाषी कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में अनिवार्य प्रशिक्षण दिया है। विश्वभारती जुलाई, 1994 से इस कार्यक्रम में भाग ले रही है। विश्वभारती के परिसर में राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए एक पूर्णकालिक केंद्र है। विश्वभारती ने अन्य केंद्रीय सरकार के स्टाफ-सदस्यों को भी शामिल किया है। जुलाई-दिसंबर, 2001 से हिंदी में कामकाजी ज्ञान प्राप्त करने के लिए राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए बोलपुर में स्थित संगठन। यह 2002 से 2005 तक गैर-कार्यात्मक था। इसने 2006 से फिर से काम करना शुरू कर दिया।

गतिविधियाँ :

- प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 31 स्टाफ-सदस्यों ने (प्रज्ञा) सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के निर्धारित पाठ्यक्रम पूरे कर लिए हैं। भारत ने वर्ष 2022-23 के दौरान विश्वभारती, शांतिनिकेतन केंद्र में आयोजित किया।
- 03.08.2022 और 15.02.2023. राजभाषा सेल ने कुलपति कार्यालय सम्मेलन हॉल, विश्वभारती में टोलिक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता हिंदी विभाग की प्रो शकुंतला मिश्रा ने की।
- 29.06.2022. राजभाषा सेल ने कुलपति कार्यालय सम्मेलन हॉल, विश्वभारती में ओएलआईसी बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता हिंदी विभाग की प्रो शकुंतला मिश्रा ने की।
- 27.07.2022. राजभाषा प्रकोष्ठ ने हिंदी कार्यशाला आयोजित की।

रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन और अनुसंधान संस्थान)

रवीन्द्र-भवन (प्रारंभ में रवीन्द्र सदन) ने 1 जुलाई 1942 को उदयन हाउस में रवीन्द्रनाथ टैगोर के सबसे बड़े बेटे रथिन्द्रनाथ टैगोर के मार्गदर्शन और संरक्षण में काम करना शुरू किया। रथिन्द्रनाथ टैगोर ने किताबें, पांडुलिपियां, पेंटिंग और सहित अपने पिता का पूरा सामान दान कर दिया। उत्तरायण कॉम्प्लेक्स, शांतिनिकेतन में टैगोर अनुसंधान केंद्र और संग्रहालय के विकास और गठन के लिए विविध यादगार वस्तुएं के लिए जल्द ही एक अलग भवन की आवश्यकता महसूस हुई और विचित्रा भवन या रवीन्द्र-भवन का उद्घाटन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1961 में टैगोर के जन्म शताब्दी वर्ष में किया। धीरे-धीरे रवीन्द्र-भवन रवीन्द्रनाथ की पांडुलिपियों, तस्वीरों, चित्रों का सबसे बड़ा भंडार बन गया। और निजी सामान भारत और विदेश से पर्यटकों और टैगोर विद्वानों को आकर्षित करता है। इसमें पूरे वर्ष टैगोर शोधकर्ताओं और विद्वानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक पुरालेख, पुस्तकालय, फोटो पुरालेख और रिप्रोग्राफिक इकाई शामिल है। संग्रहालय अपनी दीर्घाओं और कलाकृतियों के साथ टैगोर और उनके प्रतिष्ठित परिवार के जीवन और कार्यों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करता है। इसलिए उत्तरायण परिसर के अंदर टैगोर की गैलरी और पांच आवासीय घर दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु रहे हैं। टैगोर पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं, संग्रहालय सामग्री और चित्रों को पुनर्स्थापित और संरक्षित करने के लिए संरक्षण इकाई की स्थापना की गई है। महर्षि देबेंद्रनाथ टैगोर द्वारा 1863 में निर्मित शांतिनिकेतन गृह शांतिनिकेतन की सबसे पुरानी इमारत है और इसे 2008 में रवीन्द्र-भवन और विश्व-भारती द्वारा एक संग्रहालय में बदल दिया गया था। लिपिका पांडुलिपि संग्रहालय में प्राचीन और मध्ययुगीन काल की पांडुलिपियों का एक समृद्ध संग्रह भी है रवीन्द्र-भवन प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में।

अभिलेखागार

रवीन्द्र-भवन पुरालेख को दुनिया भर से टैगोर के पारखी लोगों द्वारा उपहार में दी गई टैगोर की मूल पांडुलिपियों, पत्राचारों और चित्रों का सबसे बड़ा भंडार माना जाता है। यह पुरालेख टैगोर अनुसंधान से संबंधित गतिविधियों का केंद्र बिंदु है। वर्तमान में इकाई अनुसंधान उद्देश्यों और प्रदर्शनियों के लिए डिजिटल छवियां (डीवीडी, जेपीईजी और टीआईएफएफ छवि) प्रदान करके शिक्षाविदों और विद्वानों की सेवा कर रही है। मूल दस्तावेजों को रवीन्द्र-भवन में पर्यावरण नियंत्रित स्ट्रांग रूम में संरक्षित किया जा रहा है।

अध्याय-2

पुरालेख को अधिक विद्वान-अनुकूल बनाने के लिए, प्रत्येक विद्वान के लिए जुलाई 2018 में स्मार्ट कार्ड पेश किया गया था। प्रत्येक विद्वान के लिए अलग-अलग फाइलें तैयार की गई हैं; दस (10) कंप्यूटर टर्मिनलों को एन-कंप्यूटिंग डिवाइस के माध्यम से जोड़ा गया है, टैगोर और अन्य की एबी यूनिट की डिजिटल तस्वीरें विद्वानों को अभिलेखीय सेवा के रूप में दिखाई गई हैं। अभिलेखीय सामग्रियों और पुस्तकालय पुस्तकों (लिपिका आदि) की अतिरिक्त फोटोकॉपी (ज़ेरोक्स) को आधिकारिक स्कैनर के माध्यम से स्कैन किया जा रहा है।

रवीन्द्र-भवन अभिलेखागार द्वारा किए गए कार्यों की सूची, 2022-2023

- 231 बार स्ट्रांग रूम को खोलना और बंद करना।
- 274 विद्वानों ने डिजिटल अभिलेखीय सेवा का उपयोग किया।
- 5000 (लगभग) प्रिंट-आउट विद्वानों को दिए गए। आधिकारिक उद्देश्य।
- विद्वानों को ईमेल के माध्यम से 4000 (लगभग) डिजिटल छवियां प्रदान की गईं।
- पुरालेख की मेल आईडी से लिपिका की पांडुलिपियों की ई-डिलीवरी।
- पुरालेख की मेल आईडी से टैगोर के चित्रों की ई-डिलीवरी।
- प्रतिदिन तीन रजिस्ट्रों का रखरखाव।
- स्ट्रांग रूम में नमी और तापमान की रिकॉर्डिंग।

पुस्तकालय

भाग:- ए

- दस्तावेजों का अधिग्रहण:

वस्तुओं का नाम संख्या	खरीदी गई पुस्तकें, Acc no	उपहार में प्राप्त पुस्तक Acc no	पत्रिकाएं	अन्यान्य पत्रिकाएं
वर्ष की शुरुआत में परिग्रहण संख्या (01.04.2022)	RB48815	UG3623	14138	2743
गत वर्ष पुस्तक	46	374	112	6

अध्याय-2

संख्या				
वर्ष के अंत में परिग्रहण संख्या (31.03.2023)	RB48860	UG3996	14249	2748

- वर्ष 2022-23 के दौरान अर्जित पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या नीचे दी गई है

क्रम	सामान	पुस्तक 22-23	पत्रिका 22-23
1	भाषा		
2	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान.		
3	विज्ञान		
4	गृह विज्ञान		
5	संगणक विज्ञान		
6	कॉमर्स और मैनेजमेंट		
7	शिक्षा		
8	इंजिनियरिंग और टेक्नोलॉजी		
9	मेडीकल साइंस		
10	कृषि विज्ञान		
11	पशुचिकित्सा साइंस		
12	कानून		
13	अन्य रवीन्द्र साहित्य और संदर्भ ग्रंथ	420	112
	कुल	420	112

अध्याय-2

- भाषाओं के अनुसार वर्ष 2022-23 में अधिग्रहीत पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या:

क्रम	भाषा	पुस्तक 22-23	पत्रिका 22-23
1	अंग्रेजी	66	15
2	हिंदी		
3	क्षेत्रीय: बंगला	354	97
4	अन्य		
	कुल	420	112

निधि और उसका उपयोग:

- 2022-23 के दौरान बजट शीर्षवार आवंटन और व्यय:

मुख्य बजट	स्वीकृत राशि	खर्च राशि	पुस्तक संख्या	खर्च राशि	सबस्क्राइब कि गयी पत्रिका	फर्नीचर पर खर्च राशि
वार्षिक	17,000	17,529	46			25,000
राजस्व बजट	25,000	30,632				
अन्य						
केंद्रीय पुस्तकालय से फर्नीचर, कंप्यूटर आदि प्राप्त करने के मामले में, कृपया केवल आइटम, संख्या, प्राप्त होने की तारीख का उल्लेख करें।				03.03.23 को दो यूपीएस और दो एल्युमीनियम लैडर प्राप्त हुए। एक सीपीयू अभी प्राप्त नहीं हुआ है।		

- पुस्तकालय संग्रहों की कैटलॉग प्रोसेसिंग की स्थिति:

पुस्तकालय संग्रह	वर्ष 2022-23 के दौरान सूचीबद्ध खंड	वर्ष 2023-24 के दौरान कैटलॉग के

			लिए लंबित खंड	
	मैन्युअल	मशीन	मैन्युअल	मशीन
पुस्तक		462		632

वर्ष 2022-23 के दौरान पुस्तकालय का उपयोग:

• नियमित पुस्तकालय सदस्य और पुस्तकालय उपयोग का पैटर्न (केवल आंकड़ों में)

यूजर्स नेचर	शिक्षक	स्कॉलर	छात्र	स्टाफ	अन्य	कुल
टोटल मेंबर	67	453	38	13	24	528

सर्विस	शिक्षक	स्कॉलर	छात्र	स्टाफ	अन्य	कुल
ईशु	चूंकि आरबी पुस्तकालय में पहुंच बंद है और पुस्तकालय के वाचनालय के भीतर दस्तावेजों पर विचार किया जाता है, इसलिए पुस्तकों की वापसी का कोई प्रावधान नहीं है।					नहीं
रिफरेंस सर्विस	765	3884	12	884		5545

• विशिष्ट आगंतुक उपयोगकर्ता (गैर-सदस्य, केवल आंकड़ों में)

अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय अन्य राज्य	प. बंगाल	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रतिभागी	अस्थायी उपयोगकर्ता (छात्र)	अस्थायी उपयोगकर्ता स्कॉलर	अन्यान्य
20	08	1248	NA	02	02	NA

अनुलग्नक:

देश (साप्ताहिक), बोईयर देश, शारदीय आनंदबाजार, शारदीय वर्तमान, शारदीय देश, शारदीय कृत्तिवासी, शारदीय पत्रिका, शारदीय कथा साहित्य, शारदीय प्रतिदिन, शारदीय कॉलेजस्ट्रीट, शारदीय एईसमय, शारदीय आजकल, शारदीय मासिक बसुमती।

ऑडियो-विजुअल और रिप्रोग्राफिक यूनिट और फोटो अनुभाग

रिप्रोग्राफिक और ऑडियो-विजुअल यूनिट में तार, टेप, स्पूल और डिस्क में कवि की आवाज़ की रिकॉर्डिंग होती है। इसमें हमारे फोटो संग्रह, सीडी.डीवीडी (ऑडियो और वीडियो), समकालीन डिजिटल फोटोग्राफ, रंगीन स्लाइड, माइक्रोफिल्म नेगेटिव, वीएचएस और वीडियो कवरेज के मिनी डीवी कैसेट से तस्वीरों के नकारात्मक हैं। रवीन्द्रनाथ और शांतिनिकेतन को दर्शाने वाली फिल्मों जो टैगोर की कहानियों और कविताओं पर आधारित हैं, यहां संरक्षित हैं। विभिन्न कलाकारों द्वारा गाए गए टैगोर के गीतों के ग्रामोफोन डिस्क और ऑडियो-कैसेट ऑडियो संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इस इकाई में भावना संग्रह के रवीन्द्रनाथ के चित्रों की रंगीन स्लाइड और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियों का एक पूरा सेट है। हमारे पास एनजीएमए (नई दिल्ली और बैंगलोर), रवीन्द्र-भारती, भारतीय संग्रहालय और ललित कला अकादमी (कोलकाता) के टैगोर के पेंटिंग संग्रह की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियां भी हैं।

विश्वभारती के कार्यों, कार्यक्रमों और त्योहारों के हमारे नियमित कवरेज के अलावा, फोटो अनुभाग में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती की हालिया यात्रा सहित कई वीवीआईपी की यात्राओं का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। द्रौपदी मुर्मू पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री सी.वी. आनंद बोस और भारत के माननीय रक्षा मंत्री श्री.राजनाथ सिंह.

फोटो अनुभाग का डिजिटलीकरण कार्य चल रहा है। फोटो संग्रह होल्डिंग्स के डिजिटल वर्णनात्मक डेटा कैटलॉग का काम शुरू हो गया है और वर्तमान में प्रगति पर है।

रिप्रोग्राफिक और ऑडियो-विजुअल यूनिट के नियमित कार्य:

1. वीडियो रिकॉर्डिंग

(विश्व भारती, समारोह और त्योहार, कार्यक्रम आदि) : 4645 मिनट

2. वीडियो रिकॉर्डिंग : 3000 मिनट (लगभग)

(विश्वभारती की विभिन्न जांच समितियां, गोपनीयता बनाए रखने के लिए आरबी एवीयू में रिकॉर्डिंग की कोई प्रतियां नहीं रखी जाती हैं)

3. स्टिल फोटोग्राफी

(विश्व भारती. समारोह, त्योहार और अन्य कार्यक्रम) : 14,616 छवियाँ

4. विद्वानों को प्रदान की गई ऑडियो-वीडियो सेवा : 500 मिनट (लगभग)

अध्याय-2

5. रवीन्द्र-भवन ए.वी. यूनिट से जारी प्रिंट	:	100 संख्याएँ (लगभग)
6. फोटोग्राफ.पुस्तक.नकारात्मक स्कैन या डिजिटलीकृत	:	253 (किताबें) छवियाँ
7. हेतु श्रव्य दृश्य उपकरण की व्यवस्था		
रवीन्द्र-भवन विश्व-भारती के कार्यक्रम	:	3500 मिनट (लगभग)
8. विद्वानों को दी गई डिजिटल ऑडियो-विजुअल क्लिप	:	212 मिनट

इकाई का नियमित कार्य (फोटो-अनुभाग):

1. उपस्थित विद्वानों की संख्या	:	76 व्यक्ति, 5318 मिनट
2. सीडी.पेन ड्राइव पर डिजिटल चित्र, विद्वानों को दिया गया ई-मेल	:	533 नंबर
3. विश्वभारती के विभिन्न विभागों को दी गई डिजिटल छवियाँ		
अन्य सरकार. सेक्टर	:	331 नंबर
4. स्कैन की गई या डिजिटलीकृत अभिलेखीय तस्वीरें	:	101 छवियाँ
5. विद्वानों को दिये गये फोटोग्राफ (अभिलेख) का विवरण	:	533 अंक
6. फोटोग्राफ एनकैप्सुलेशन	:	204 छवियाँ
7. फ़ोल्डर के अनुसार फोटो का भौतिक सत्यापन	:	17 फ़ाइलें 322 छवियाँ

उपहार प्राप्त:

1. ऑडियो-वीडियो सीडी. डीवीडी.पेन ड्राइव:	02 नम्बर
2. फोटोग्राफ: (12 + 5 डिजिटल फोटो) = 17 नंबर	

लिपिका पांडुलिपि

लिपिका मैनुस्क्रिप्टोरियम पांडुलिपि अध्ययन और राष्ट्र की लिखित विरासत के संरक्षण के लिए एक केंद्र है, जिसमें विभिन्न भाषाओं और संस्कृत, बंगाली, उड़िया, तिब्बती, अरबी-फ़ारसी और तमिल जैसी पुरातन लिपियों से संबंधित 12500 से अधिक पांडुलिपियों का संग्रह है। इसके अलावा, इस पांडुलिपि में सुरुल जमींदार के पुराने भूमि रिकॉर्ड और जयदेव केंदुली (स्वर्गीय महंत हरिकंतसरन देव ब्रजबासी, निम्बार्क आश्रम) के बंदोबस्ती रिकॉर्ड का गौरवपूर्ण कब्जा है। पांडुलिपियों की लेखन सामग्री पाम-लीफ, टेरेट पाम लीफ, सांचीपत और तुलोटे (पुराने हस्तनिर्मित कागज) कागज में हैं। कुछ पांडुलिपियाँ अपने विशेष पाठ्य चरित्र के कारण असाधारण हैं। पांडुलिपियों का अधिग्रहण, निवारक और उपचारात्मक संरक्षण, परीक्षण, पहचान, शेल्फ अंकन, परिग्रहण संख्या के अनुसार वस्तुओं को ढेर में रखना, हस्त सूची तैयार करना, वर्णनात्मक कैटलॉग तैयार करना, उपयोगकर्ता गतिविधियों को बढ़ाना और पांडुलिपियों का संपादन केंद्र द्वारा किया जाता है। पांडुलिपियों पर आधारित उच्च अनुसंधान को बढ़ावा देने के घोषित उद्देश्य के साथ। केंद्र विश्वविद्यालय के छात्रों और विद्वानों के लिए पांडुलिपि विज्ञान पर कभी-कभी प्रदर्शन कक्षाएं भी आयोजित करता रहा है। केंद्र ने पंसकुरा बनमाली कॉलेज, पुरबा मेदनीपुर और नलहटी हीरालाल भक्त कॉलेज, बीरभूम के छात्रों के लिए पांडुलिपि विज्ञान पर दो कॉलेज प्रदर्शन कक्षाएं आयोजित की हैं। रिपोर्ट के तहत इस अवधि के दौरान, 171 भारतीय और 3 विदेशी विद्वानों ने पांडुलिपि विज्ञान अनुसंधान कार्य के लिए पांडुलिपि का उपयोग किया है। अवधि के दौरान एम.एस. की सं. संरक्षित: क्यूरेटिव बंगाली एमएसएस 50 बंडल एवं संस्कृत एमएसएस. 25 बंडल.

विश्वभारती पाण्डुलिपि का संपादन एवं प्रूफ जांच। पाण्डुलिपि क्रमांक 1762 (बांग्ला अभिधान, पृष्ठ 12-582) किया गया है। बांग्ला अभिधान का प्रतिलेखन और तीसरी प्रेस प्रतिलिपि एवं प्रूफ कार्य पूरा हो गया। वर्तमान में चल रही परियोजना 'आठ खंड' (खंड-VIII) बांग्ला 'पुथी परिचय' और सुरुल-नाथी-संकलन-2 (खंड-II) की वर्णनात्मक सूची का संकलन है।

संग्रहालय

रवीन्द्र-भवन संग्रहालय रवीन्द्रनाथ टैगोर पर एक जीवनी संग्रहालय है, जिसमें 31.03.2023 तक 4399 यादगार वस्तुओं और कलाकृतियों का विशाल संग्रह है, जिनमें से 20% (लगभग) विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शित हैं और बाकी संग्रहालय स्टोर और स्ट्रॉंग रूम में संरक्षित हैं। मुख्य गैलरी रवीन्द्रनाथ के जीवन और साहित्यिक कार्यों पर जोर देती है और विचित्र भवन की पहली मंजिल पर स्थित है। विचित्रा के भूतल पर गीतांजलि गैलरी रवीन्द्रनाथ की नोबेल

विजेता कविताओं की पुस्तक गीतांजलि पर एक विशेष गैलरी है। सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उत्तरायण में रवीन्द्रनाथ और उनके परिवार के छह ऐतिहासिक घरों के अलावा, रवीन्द्र-भवन ने शांतिनिकेतन गृह में रवीन्द्रनाथ के पिता महर्षि देबेंद्रनाथ टैगोर (देवेंद्र कक्ष) और उनके सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ टैगोर (द्विजेंद्र कक्ष) के जीवन पर दो दीर्घाओं की व्यवस्था की है। टैगोर की पुण्य तिथि मनाने के लिए, दो अलग-अलग दीर्घाएँ जो एक निश्चित अवधि के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थीं, ठाकुर बारिर कल्याणीरा (टैगोर परिवार की प्रतिष्ठित महिलाओं का जीवन) और विश्व-भारती में ब्रह्म-विद्यालय का 16 अगस्त को फिर से उद्घाटन किया गया है। 2020 पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और रेक्टर, विश्व-भारती, श्री जगदीप धनखड़ द्वारा। इसके अलावा, गुहाघर जो कि रवीन्द्रनाथ के सबसे बड़े बेटे रविन्द्रनाथ टैगोर का स्टूडियो था, जो अपने आप में एक महान कलाकार थे, को उनके द्वारा बनाए गए चित्रों और कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए एक संग्रहालय में बदल दिया गया है। पांच ऐतिहासिक इमारतें (कोणार्क, श्यामली, पुनाचा, उदिची और गुहाघर-चित्राभानु), पंपा झील, उत्तरायण परिसर का लिलीपूल और शांतिनिकेतन गृह, उपासना मंदिर, छतिमतला, द्विजाबिराम, तलध्वज, नुतुन बारी, सिंह सदन, संतोसलय, देहली आदि हाल ही में बनाए जा रहे हैं। एसआई द्वारा पुनर्निर्मित, मरम्मत का काम दो साल पहले शुरू हुआ था।

नया संग्रह प्राप्त हुआ:

चित्रनिभा चौधरी (टैगोर के काल में कला-भवन की पहली महिला अध्यापिका) की बेटी डॉ. चित्रलेखा चौधरी ने अपनी मां की 11 महत्वपूर्ण पेंटिंग रवीन्द्र-भवन (एसीसी नंबर 22.4389.16 से 22.4399.18) को दान कर दीं।

डिजिटलीकरण और भौतिक सत्यापन: संग्रहालय की वस्तुओं और रवीन्द्रनाथ टैगोर के चित्रों और अन्य संग्रहों का नियमित डिजिटलीकरण किया गया।

रवीन्द्र-भवन के विशेष आगंतुक

इस वित्तीय वर्ष (अप्रैल, 2022 से मार्च 2023) के दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों ने रवीन्द्र-भवन और उत्तरायण परिसर का दौरा किया।

- श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की माननीय राष्ट्रपति
- श्री राजनाथ सिंह, भारत के माननीय रक्षा मंत्री
- श्री अमित शाह, भारत के माननीय गृह मंत्री
- श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
- श्रीमती शर्मिला टैगोर, भारतीय अभिनेत्री
- प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुड़ी, माननीय कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।
- डॉ. लेस्ली डी. जॉयन्स फुलब्राइट-नेहरू वरिष्ठ विद्वान, भारत।

अध्याय-2

- श्री एच.ई. सेनोर फेडेरिको, सालास लोटे, भारत में मेक्सिको के माननीय राजदूत।
- न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, कलकत्ता उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश।
- श्री मेलेंडा पावेक, माननीय महावाणिज्यदूत, यूएसए, कोलकाता।
- डॉ. अजय प्रताप सिंह, महानिदेशक, भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय।
- न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर, उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश।
- श्री अनुपम खेर, अभिनेता
- श्री सी.वी. आनंद बोस, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल
- मोहम्मद कमरुज्जमन, महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, बांग्लादेश।
- नफरीज़ा श्यामा, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, बांग्लादेश।
- श्रीमती त्रिसिता चकमा, काउंसलर, बांग्लादेश उच्चायोग, कोलकाता।
- डॉ. मुहम्मद अब्दुर रज्जाक, कैबिनेट मंत्री, कृषि मंत्रालय, बांग्लादेश।

इस वित्तीय अवधि के दौरान अनुमानित संख्या में पर्यटकों ने संग्रहालय का दौरा किया:

भारतीय पर्यटक (वयस्क)	:	2,06,752
छात्र	:	62,476
सार्क देशों के अलावा अन्य विदेशी	:	253
सार्क देशों के विदेशी	:	108

रवीन्द्र-भवन बिक्री काउंटर से कुल आय

• आर.बी. प्रकाशन की बिक्री	:	4,10,021/-
• आर.बी. अभिलेखागार का रिप्रोग्राफ़िक एवं प्रोसेसिंग शुल्क	:	1,31,500/-
• आर.बी. लाइब्रेरी की फोटो कॉपी और डिजिटल कॉपी	:	32,135/-
• आर.बी. पुस्तकालय और अभिलेखागार का पंजीकरण शुल्क	:	25,800/-

अनुसंधान कार्य

अनुसंधान आधारित कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट, 2022-23

पूर्ण प्रोजेक्ट :

- कलानुक्रमिक रवीन्द्र पत्रावली खण्ड, 2
- विश्वभारती पत्रिका का सूचकांक (1376-1428 बी.एस.)
- कलानुक्रमिक रवीन्द्र रचनावली खंड, आठवीं

- निर्मल कुमारी महलानबीस और रवीन्द्रनाथ टैगोर के बीच पत्राचार, (चिथिपत्र 20)
- प्रशांत चंद्र महलानबीस और रवीन्द्रनाथ टैगोर के बीच पत्राचार (चिथिपत्र 21)
- अजीत कुमार चक्रवर्ती और रवीन्द्रनाथ टैगोर के बीच पत्राचार, (चिथिपत्र 22)

जारी प्रोजेक्ट:

- पुराने शांतिनिकेतन स्कूल के शिक्षकों और छात्रों द्वारा प्रकाशित हस्तलिखित पत्रिकाओं की टाइपिंग और संपादन। (रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय संग्रह)।
- कलानुक्रमिक रवीन्द्र पत्रावली खण्ड, 3 और 4.
- पुराने शांतिनिकेतन स्कूल (रवीन्द्र-भवन पुरालेख संग्रह) के छात्रों और शिक्षकों की स्मृतियों का संकलन और संपादन।
- रवीन्द्रनाथ टैगोर और पुराने शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्याश्रम के शिक्षकों के बीच पत्राचार की कुल सूची, (पहले खंड में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा नागेंद्रनाथ आइच, मोहितचंद्र सेन, सतीशचंद्र रॉय, जगदानंद रॉय को लिखे गए पत्र शामिल हैं)।

संरक्षण इकाई

किया गया कार्य: पुस्तक बाइंडिंग और भंगुर पृष्ठों का संरक्षण।

पुस्तक के प्रकार	मेटेरियल	सामान की संख्या
क्लोथ बाइंडिंग	पुस्तक	180.
लेमिनेसन और रिपेयर ऑफ़ बुक	पुस्तक	300 पृष्ठ
अन्य रिपेयर और बाइंडिंग	पुस्तक और अन्य	ऑन डिमांड

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क (वीबीएलएन) वर्ष के दौरान विद्यमान गतिविधियों और सेवाओं के अलावा पुस्तकालय निरंतर निम्नलिखित गतिविधियां शुरू की गई हैं:

- वीबीएलएन संसाधनों, सेवाओं और सुविधाओं, अनुसंधान साधन (जैसे ग्रामरली, क्लिबॉट, ज़ोटेरो, मेंडेले, ऑरिजिनल, आदि) रिमोट एक्सेस और एलएसडिस्कवरी (वीबीएलएन के सभी संसाधनों की असीमित पहुंच और एकल विंडो खोज के लिए वीबीएलएन द्वारा सहमति ली गई) अकादमिक बंधुत्व को अद्यतन हेतु विशेष सत्र का आयोजन किया गया। विद्वान और आईआरआईएनएस (भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली) डेटाबेस में पंजीकरण हेतु व्यक्तिगत प्रशिक्षण का आयोजन हुआ।
- वर्ष के दौरान बुक लेंडिंग (जारी+वापस) के लिए कुल 1,14,703 पुस्तकों का लेनदेन हुआ। जो इस संस्थान की स्थापना के बाद से सबसे अधिक संख्या है। मौलिक के माध्यम से फाइल जांच करने पर कुल फाइल 2576 है। विद्वान डेटाबेस में पंजीकृत कुल प्रभावी 664 है और सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय में से 4 वें स्थान पर है।
- उपयोगकर्ता समुदाय पुस्तकालय को मैत्रीपूर्ण तरीके से उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तकालय सेवा एवं संसाधन पर क्यूआर कोड अद्यतन किया गया है।
- विश्वभारती में पहली बार विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष (कार्यरत) के संयोजन से वीबीएलएन द्वारा अनुसंधान प्रकाशन नीति पर सफलतापूर्वक पीएचडी कोर्स वर्क उम्मीदवार (2022-23) के लिए सामान्य कक्षाएं आयोजित की गई। यह पुस्तकालय में शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरूआत करने की औपचारिक प्रारंभिक प्रयास है।
- वर्ष 2021-22 हेतु एक् यूएआर तैयार कर समय पर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी को प्रस्तुत किया गया।
- वर्ष 2021-22 हेतु केंद्रीय पुस्तकालय उचित रूप से पुस्तक एवं अन्य संपत्तियों का भौतिक स्टॉक सत्यापन पूरा किया। संगोष्ठी का भौतिक स्टॉक सत्यापन (पुस्तकें) और संचालन तौर-तरीकों के लिए एसओपी दिशानिर्देश दिया गया। सक्षम प्राधिकारी द्वारा विभागीय पुस्तकालय तैयार किया गया एवं विधिवत अनुमोदित दिया गया।
- व्हाट्सएप ग्रुप, टेलीग्राम ग्रुप, पुस्तकालय फेस बुक, यूट्यूब चैनल के माध्यम से सूचना, संसाधन का प्रसार किया गया। (लिंक - <https://www.youtube.com/@visvabhartilibrarynetwork9081.videos>)
- विभिन्न विश्व स्तरीय ई-प्रकाशन.एग्रीगेटर्स का ई-संसाधन के साथ ऑनलाइन प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।
- सीजेएमसी विश्वभारती के शोधार्थी एवं संकाय सदस्यों के तकनीकी सहयोग से आभासी पुस्तकालय दौरा का आयोजन एवं प्रदर्शन हुआ।

- नियमित आईसीटी गैजेट के अलावा नए गैजेट के रूप में डिजिटल डैशबोर्ड, सूचना कियोस्क की खरीद की गई है।
- एनडीएलआई क्लब पंजीकरण हेतु अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ तेज की गई।
- गीतांजलि नेट भवन हेतु दीमक उपचार के निवारण के लिए विशेष अभियान चलाया गया है।
- विश्वभारती के व्याख्यान श्रृंखला - युवा शोधार्थी व्याख्यान श्रृंखला, विशेष व्याख्यान, राष्ट्रीय एकता दिवस का पालन, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और विभाजन त्रासदी स्मरण दिवस इत्यादि के आयोजन में भौतिक आभासी मिश्रित रूप से सक्रिय भाग लिया।
- उपरोक्त के अलावा, केंद्रीय पुस्तकालय का सम्मेलन कक्ष का उपयोग विभिन्न प्रशासनिक बैठके स्थलों के रूप में हुआ, जैसे न्यायालय चयन, अकादमिक परिषद, आईक्यूएसी, एनआईआरएफ, डब्ल्यूएवीबी, एचईएफए, प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ (ऑनलाइन परामर्श हेतु), लेखा कार्यालय, शैक्षणिक अनुसंधान, जागरूकता के लिए हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामर्थ मॉड्यूल का उपयोग हुआ।

वर्ष 2022-23 के दौरान संकलित पुस्तकों, आवधिकों की कुल संख्या (केंद्रीय पुस्तकालय)

• खरीदी गई पुस्तकें (प्रिंट)	-	1228
• खरीदी गई ई-पुस्तकें (सतत मोड)	-	436
• उपहार में प्राप्त पुस्तकें (मुद्रित)	-	146
• वर्ष के दौरान संकलित मुद्रित पुस्तकें -		(ए+डी) 1374
• सदस्यता प्राप्त पत्रिका के शीर्षक		
[वीबीएलएन के लिए:		233(केंद्रीय पुस्तकालय 184
(131 पत्रिकाएँ + 53 पत्रिकाएँ, और अनुभागीय पुस्तकालयों के लिए -39)]		184
• समाचार पत्रों की खरीद [वीबीएलएन के लिए: 33 (सीएल 22 संख्या और अनुभागीय पुस्तकालय 11 संख्या)		22
• उपहार के रूप में प्राप्त पत्रिका		6923
• सीडी.डीवीडी (जर्नल्स में शामिल) सदस्यता -		15
31.03.2023 तक कुल पुस्तकें, आवधिकों की संख्या (केंद्रीय पुस्तकालय)		
• पुस्तकें: खरीदी गई	:	442578
• पुस्तकें: उपहार	:	जी 10765

अध्याय-2

- कुल पुस्तकें (मुद्रित) : 453343
- ई-पुस्तकें: खरीदी गई (संख्या) : 436
- ई-पुस्तकों हेतु भुगतान राशि - क्रय : रु. 44,56,233.86
- कुल ई-पुस्तकें: 3836+1280 + 1464+ 389+575+436 = 7980
- पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों के आदिगमन अंक (सदस्यता) : 9784
- पत्रिकाओं के अदिगमन अंक (उपहार) : 6923
- बाउंड जर्नल्स के लिए एक्सेस किया गया : 562

केंद्रीय पुस्तकालय से विभागीय अनुभागीय पुस्तकालयों को हस्तांतरित पुस्तकों की कुल संख्या

- संगोष्ठी पुस्तकालय - 133
- अनुभागीय पुस्तकालय एवं अन्य - 187
- वीबीएलएन के आवधिक, पुस्तकों का निर्गम एवं वापसी
- जारी पुस्तकों की संख्या- 62825
- लौटाई गई पुस्तकों की संख्या- 51878
- परिचालन अनुभाग के कुल लेनदेन (ए+बी) - 114703

वीबीएलएन के अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाएँ 129497

- कुल ईएसएस इन्फ्लिबनेट ई-पत्रिका, डेटाबेस डाउनलोड या उपयोगकर्ता द्वारा देखे गए 44354
- उपयोगकर्ता द्वारा कुल उपयोग एलएसडिस्कवरी, खोज सुविधाओं - 84380
- डेलनेट एवं बीसीएल के माध्यम से इंटर पुस्तकालय ऋण सेवा - 07
- पाठकों के अनुरोध पर डिजिटल किए गए दस्तावेजों की संख्या - 06
- पाठकों के अनुरोध पर कुल डिजिटल पृष्ठ - 750
- ओरिजिनल माध्यम से सामान्य फ़ाइलों की जाँच कुल संख्या - 2576
- वीबीएलएन के विभिन्न ई-संसाधन में कुल हिट्स; दृश्य; डाउनलोड एवं ब्राउजिंग - 1,56,720
- इन्फ्लिबनेट (पत्रिकाएँ + डेटाबेस): 44354
- सेज ऑनलाइन पत्रिकाएँ: 1118
- इंडियास्टेट: 3975
- ईपीडब्ल्यूआरएफ: 2713

अंतर-पुस्तकालय ऋण (आईएल) के लिए सदस्यता - दस्तावेज़ वितरण सेवा (डीडीएस)

- ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय, कोलकाता (7,000 से अधिक ई-पत्रिकाएँ और 1,00,000 से अधिक ई-पुस्तकें)
- डेलनेट, नई दिल्ली
- जेसीसीसी@इंफ्लिब्रेट
- जे-गेट (37,000 से अधिक ई-जर्नल्स)

पुस्तकालय सदस्य *

- कुल सक्रिय सदस्य - 7558

(शिक्षक - 604, विद्वान - 785, छात्र - 5901, कर्मचारी - 470, अन्य -25)

- कुल उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या जिन्होंने पुस्तकालय साइट तक पहुंच बनाई - 55759

पुस्तकालय का समय

• केंद्रीय पुस्तकालय:

सभी दिन केवल साप्ताहिक छुट्टी को छोड़कर (शनिवार और रविवार) : सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे तक

शनिवार एवं रविवार : सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक. अन्य छुट्टियाँ: प्रातः 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक।

(केवल वाचनालय)

वर्ष में पुस्तकालय कुल कितने दिन खुला रहा : 341 दिन (साप्ताहिक अवकाश सेवाओं सहित - 96 दिन और अन्य छुट्टियाँ (केवल वाचनालय सेवाएं) -14 दिन)।

• अनुभागीय पुस्तकालय:

प्रायः सुबह 9.30 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है - शनिवार एवं रविवार साप्ताहिक छुट्टी जबकि उसी तरह बुधवार एवं गुरुवार रवीन्द्र भवन में एवं बुधवार एवं रविवार पाठ भवन पुस्तकालय में (सेवा समय सुबह 6.30 से दोपहर 1.00 बजे तक) छुट्टी रहती है।

दस्तावेज़ प्रसंस्करण

- खरीदी गई पुस्तकें: $1228+2567=3795$, उपहार पुस्तकें: $146+821=967$
- केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकों की कुल संख्या: 1374
- केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अपलोड की गई डिजिटल पुस्तकों की कुल संख्या: 248

प्रकाशन

निम्नलिखित सामग्री पुस्तकालय वेबसाइट, ई-मेल आदि के द्वारा अद्यतन एवं प्रकाशित किया गया है।

- मासिक पुस्तकालय ई-न्यूज़लेटर (12 अंक जारी)

अध्याय-2

- पुस्तकालय बुलेटिन - विश्वभारती के लिए 'वर्तमान पत्रिका -2022' में पत्रिकाओं की सदस्या ली
- पुस्तकालय उपयोगकर्ता मैनुअल, ब्रोशर
- पुस्तकालय संदर्भ मैनुअल

पुस्तकों की प्रदर्शनी

वर्ष के दौरान अनुभाग में महत्वपूर्ण व्यक्तियों पर पुस्तक और संबद्ध सामग्रियों की कुल संख्या - तेईस (23) का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय स्वचालन

- विश्वभारती पुस्तकालय वाइड वाइ फाइ के साथ जुड़ा है जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (एमओई) की एक परियोजना एनकेएन तथा रेलटेल का सहयोग है। पुस्तकालय में पीसी-163, प्रिंटर-62 जिसमें 18 बारकोड प्रिंटर, वेब कैमरा-06, डिजिटल कैमरा-02, कॉन्फ्रेंस स्पीकर-02 (ब्लूटूथ सक्षम), डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड-01, इन्फोरामेशन कियॉस्क-02, स्कैनर-12, 32" एलसीडी मॉनिटर-01, एलसीडी प्रोजेक्टर-05 हैं।
- विश्वभारती पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को ई-जर्नल्स, ऑनलाइन-डेटाबेस, ई-पुस्तकें ब्राउज़ करने की सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करती है। पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए ऑनलाइन खोज, ई-मेल सुविधाएं आदि भी प्रदान करती है।
- पुस्तकालय गतिविधि और सेवाओं को स्वचालित करने के लिए पुस्तकालय मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर लिबिस-10 (क्लाउड-आधारित, यूनिकोड वेब अनुरूप) का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय कैटलॉग डेटाबेस इंफ्लिब्रेट परियोजना इंडकेट के माध्यम से आसानी से चल रहा है। (लिंक: <https://indcat.inflibnet.ac.in.index.php.popup.index?check=eyJuaWY1IjoiVmlzdmEgQmhhcmF0aSI6IiZTQkhfNzIxMjM1IiwidmFsljoxMTkxOTN9>) एवं वीबीएलएन का एलएसडिस्कवरी (लिंक: <https://vbu.lsdiscovey.in.home.dashboard>)। सुदूर पहुंच समर्थ एलएस खोज है जो किसी उपकरण, किसी नेटवर्क, किसी मंच, किसी उपयोगिता (अतिथि सहित), किसी भी समय, किसी संसाधन उपलब्ध आदि का पुस्तकालय आधुनिकीकरण राह पर अनूठी विशेषताएं हैं।
- वर्तमान में, विश्वभारती पुस्तकालय कैटलॉग डेटाबेस में 7,48,713 व्यक्तिगत दस्तावेजों की संख्या 553486 शीर्षक हैं जिसमें 49546 बाउंड वॉल्यूम और 3146 थीसिस एवं 7980+1 डेटाबेस क्रय ई-पुस्तकें शामिल हैं। इसके अलावा, विश्व प्रसिद्ध प्रकाशकों एग्रीगेटर्स (एल्सेवियर, कैम्ब्रिज ऑनलाइन, स्प्रिंगर, सेज, टेलर एंड फ्रांसिस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस और ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय) के संग्रह में ई-पुस्तकें (सतत मोड), 1,15,000 शीर्षक (विभिन्न

कंसोर्टिया के माध्यम से) जोड़े गए हैं जो ब्राउज़ करने के लिए पुस्तकालय वेब पेज में जुड़े हुए हैं। (वर्णानुक्रम, विषय-वार, प्रकाशक-वार)।

- पुस्तकालय सर्वर पर डिजिटल पुस्तकें पूरी तरह से अपलोड कर दिए गए हैं एवं यह <https://vbu.lsdiscovey.in.home.dashboard> और एनडीएलआई (भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय) के माध्यम से सुलभ है। वर्तमान में थीसिस का सॉफ्टकॉपी भी प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा केंद्रीय पुस्तकालय ई-संसाधन को संकाय प्रकाशन के लिए संस्थागत भंडार, विभिन्न पाठ्यक्रम, विभिन्न कार्यक्रम परीक्षा के प्रश्न पत्र, विश्वभारती का वार्षिक प्रतिवेदन, पुस्तकालय के ई-न्यूज़लेटर आदि भी तैयार किए गए हैं।

ई-संसाधन

i. ईएसएस (इम्प्लिबनेट) से ई-जर्नल्स के वर्तमान शीर्षक तक पहुँच : 7041

- भौतिकी अमेरिका संस्थान - 19 पत्रिकाएँ
- अमेरिका फिजिकल सोसाइटी - 17 पत्रिकाएँ
- वार्षिक समीक्षाएँ - 43 पत्रिकाएँ
- आर्थिक एवं राजनीतिक साप्ताहिक - 1 पत्रिकाएँ
- जेएसटीओआर - 3165 पत्रिकाएँ
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस - 262 पत्रिकाएँ
- प्रोजेक्ट म्यूज़ - 731 पत्रिकाएँ
- स्प्रिंगर लिंक 1700 संग्रह एवं नेचर पत्रिकाएँ - 1725 पत्रिकाएँ
- टेलर एवं फ्रांसिस - 1078 पत्रिकाएँ

ii. वर्तमान शीर्षक ईएसएस (इम्प्लिबनेट) के माध्यम से पहुँच ऑनलाइन डेटाबेस: 05

- औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी) डेटाबेस
- जेगेट प्लस (जेसीसीसी)
- मैथसाइंसनेट
- विज्ञान वेब
- ओरिगीनल सिमिलारटी चेकिंग सॉफ्टवेयर।

iii. डेटाबेस सदस्यता वर्तमान शीर्षक: 04

- इंडियास्टेट.कॉम

अध्याय-2

- ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़
- ग्रामरली
- रिमोट एक्सेस एवं एलएस डिस्कवरी

iv. सतत डेटाबेस: 11

- राष्ट्रीय अभिलेखागार संग्रह में महिला (22-23)
 - चीन त्रैमासिक (कैम्ब्रिज डिजिटल आर्काइव पत्रिकाएँ)
 - ग्रामीण इतिहास (कैम्ब्रिज डिजिटल आर्काइव पत्रिकाएँ)
 - ऐतिहासिक समाचार पत्र अभिलेखागार : टाइम्स ऑफ इंडिया (टीओआई)
 - शिक्षा अंवेशन : शिक्षा एवं अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ।
 - शांति, शिक्षा और विकास का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ
 - शिक्षा समुदाय : शैक्षिक एवं सामाजिक विकास का एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
 - संदर्भ (हिन्दी) तकनीकी शिक्षा : शैक्षिक तकनीक का एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
 - उड़िया पत्रपत्रिका संग्रह (उड़िया पत्रिकाओं का डिजिटल संकलन) 1856-1950
 - टेलर एवं फ्रेंक द्वारा विश्व युद्ध से लेकर शीत युद्ध तक की गुप्त फ़ाइलें
 - चीन एवं आधुनिक दुनिया : हांगकांग, ब्रिटेन एवं चीन, 1841-1951 सेंगेज लर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- सेमिनार – कार्यशाला - प्रदर्शनी - अन्य कार्यक्रम आयोजित
- विशेष सत्र

क्लिलबॉट पर ग्यारह (11) विशेष सत्र - अकादमिक लेखन मंच, साहित्यिक चोरी जाँच अंक, ज़ोटेरो: संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर, ऑरिजिनल के माध्यम से समान जाँच, विद्वान में पंजीकरण, संसाधन, विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के सेवाएँ एवं सुविधाएँ, मुक्त स्रोत प्रबंधन के रूप में मेंडली, प्रकाशन नीति अंक इत्यादि, पुस्तकालय उपयोगकर्ता के लिए (छात्रों, विद्वानों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों) एवं पुस्तकालय पेशेवर आदि हेतु 28 जून, 29 जून, 25 अगस्त, 26 अगस्त, 29 नवंबर को आयोजित किए गए हैं।, 30 नवंबर, 30 जनवरी, 31 जनवरी, 20 फरवरी, 21 फरवरी, 22 फरवरी को व्यवस्था किया गया।

- परीक्षा पे चर्चा -2022

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित "परीक्षा पे चर्चा 2022" के जीवंत प्रसारण में दिनांक 01 अप्रैल 2022 (शुक्रवार) को विश्वभारती के छात्रों, संकाय एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने एक साथ भाग लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से, विश्वविद्यालय पुस्तकालय (कार्यकारी)/प्रभारी, कंप्यूटर केंद्र ने तीन स्थान सम्मेलन कक्ष

वाचनालय और संदर्भ अनुभाग में उक्त प्रसंग का जीवन प्रसारण का आयोजन किया। पुस्तकालय में प्रोफेसर सबिता प्रधान कुलपति कार्यरत के रूप में एवं श्री अशोक कुमार महतो (कुलसचिव) ने विश्वविद्यालय के शोधार्थी, छात्रों (2 स्कूल), अधिकारी एवं स्टाफ के साथ मिलकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। केंद्रीय पुस्तकालय के अलावा, शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक कार्यालय से संबंधित विभाग में भी उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर इसके साक्षी बने। बहुत बड़े पैमाने पर (कुल प्रतिभागी लगभग 2237 थे जो संकाय सदस्यों का एक संयोजन था: 269, कर्मचारी: 197 और विद्वान छात्र: 1771) भौतिक एवं आभासी माध्यम से लोग जुड़े।

• 'विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस' का पालन

दिनांक 23 अप्रैल 2022 को 'विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस' के अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 25.04.2022 को शाम 5.00 बजे सम्मेलन हॉल, केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकालय द्वारा "पुस्तक, प्रकाशक, लेखक" विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से छात्रों के बीच पठन के अवसर को बढ़ावा देना था। संपूर्ण कार्यक्रम "पुस्तक बंधु" द्वारा योजना बनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत गीत, कार्यक्रम में अन्य कार्यसूची सहित - 'वर्तमान में पुस्तक एवं पुस्तकालय की भूमिका'; लगभग साठ प्रश्नों का खुला खुला प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (श्रव्य और दृश्य सहित), पुस्तकालय अधिकारियों से शब्द प्रतियोगिता से हुआ एवं शाम 7.20 बजे अंततः कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष (कार्यरत) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ आश्रम संगीत के माध्यम से हुआ। इस कार्यक्रम में सत्तर प्रतिभागियों से ज्यादा ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सुपर्णा मंडल, तुलनात्मक साहित्य के शोधार्थी से सबसे ज्यादा उत्तर देकर विजेता हुई। पुस्तकालय बंधु बारह (12) से बढ़कर इक्कीस (21) हो गये एवं वे भविष्य में निश्चित रूप से पुस्तकालय के लिए सहायक होंगे।

• पुस्तकालय बंधु के साथ बैठक (http://visva-bharti-library.in/images.pdf.Library_Friends%2022-23_VBLN.pdf)

इस आयोजन के अलावा विभिन्न कार्यक्रम, पुस्तकालय बंधु विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग का हाथ बढ़ा रहे हैं। पुस्तकालय बंधु का एक समूह अलमारी में पुस्तक प्रबंधन हेतु प्रशिक्षित किया गया है। 12.07.2022 (मंगलवार) को सात पुस्तकालय बंधु 'पुस्तकालय दिवस 2022' के आयोजन पर संदर्भ अनुभाग के साथ पुस्तकालय पेशेवर ने एक बैठक में पुस्तकालय संदर्भ के अलमारी पुस्तक के प्रबंधन हेतु पुस्तकालय पेशेवर के साथ मिलकर एक बैठक किया, जिसमें पुस्तकालय सेवा एवं संगठन के कुछ मुद्दे भी रहे।

• 'अनुसंधान प्रकाशन नीति' पर पाठ्यक्रम

विश्वभारती अधिसूचना के अनुसार विश्वभारती के पीएचडी शोधार्थी के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकाध्य (कार्यरत) के संयोजन से पुस्तकालय द्वारा 14-20.03.2023 (सुबह 10 बजे - शाम 5.30 बजे) के दौरान ब्लेंडेड माध्यम से

अध्याय-2

"अनुसंधान प्रकाशन नीति" पर छह दिवसीय सामान्य कोर्स वर्क का आयोजन किया। अकादमिक सत्र 2022-23 में विश्वभारती के विभिन्न विभागों से शोधार्थी ने नामांकन करवाया। 147 शोधार्थी में से एक सौ बयालीस (142) भिन्न विषयों से छात्रों ने उपस्थिति दर्ज कराई। दो संकाय सदस्य, डॉ. इप्सिता सरकार, दर्शनशास्त्र और धर्म विभाग, विद्या भवन, और प्रो. सुधांशु शेखर मैती, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा भवन, के साथ विश्वभारती पुस्तकालय के डॉ. निमाई चंद साहा, डॉ. पार्थ प्रतिम रे, डॉ. तापस कुमार दास, श्री अजय कुमार शर्मा, डॉ. सबाहत नौशीन, डॉ. सनत भट्टाचार्य, डॉ. कौशिक घोष और श्री प्रदीप हेम्ब्रम ने उक्त पाठ्यक्रम के कक्षा में भाग लिया।

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में, शिक्षण गुणवत्ता में छात्रों की प्रतिक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया। यह हितधारकों की संतुष्टि स्तर पर सेवा सुधार में सहायक है। उपयुक्त परिप्रेक्ष्य में 'गूगल फॉर्म' के माध्यम से उक्त पाठ्यक्रम हेतु संग्रह किया गया। [लिंक: <https://forms.gle.GuZD9po9rJx9FMks8>] परिणामस्वरूप, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर पांच-बिंदु पैमाने का 137 विद्वानों की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। विभिन्न पहलुओं पर सभी प्रतिक्रियाएँ आयोजक और प्रतिभागियों दोनों के संदर्भ में सकारात्मक और उत्साहजनक थीं। सभी व्याख्यान यूट्यूब पर लिंक के माध्यम से उपलब्ध हैं - <https://www.youtube.com/@visvabhartilibrarynetwork9081.videos>

• 12.08.2022 को डॉ. एस. आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि

डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 130वीं जयंती के अवसर पर, केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती, ने उनका जन्मोत्सव मनाया। केंद्रीय पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों ने प्रसिद्ध गुरु डॉ. एस.आर. को श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष (कार्यरत) ने एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया।

• 12.08.2022 को रक्षाबंधन का पालन

रक्षाबंधन प्रीति और एकता के प्रतीक के रूप में भारत एवं दुनिया के अन्य हिस्सों में इस पवित्र एवं प्रसिद्ध त्योहार को मनाया जाता है। गुरुदेव टैगोर ने लोगों के मन में आशा पैदा करने और सद्भाव फैलाने के लिए रक्षाबंधन का आयोजन किया। इस महान त्योहार के महत्व के साथ सभी के बीच प्रेम, एकता और अखंडता फैलाने के लिए इस उत्सव को शानदार तरीके से मनाया जाता है।

• 14.08.2022 'विभाजन त्रासदी स्मरण दिवस-2022' का विशेष सत्र का आयोजन एवं पुस्तक प्रदर्शनी

विश्वभारती ने 'विभाजन त्रासदी स्मरण दिवस-2022' को 14 अगस्त के दिन मनाने का पहल किया। दिनांक 07 अगस्त 2022 के यूजीसी के डी.ओ. नं. 2-66.2022 (सीपीपी-II) के अनुपालन में 15 अगस्त 2021 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घोषणा से यह पहल की गई। 10-14.08.2022 (सुबह 7.30 बजे से शाम 7.30 बजे तक) केंद्रीय पुस्तकालय ने पुस्तकालय संग्रह से संबंधित पुस्तकों के साथ एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रोफेसर बिद्युत चक्रवर्ती, माननीय कुलपति, विश्वभारती विश्वविद्यालय के द्वारा प्रिंसिपल, संकाय सदस्यों, एवं छात्रों की

उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। एक विशेष व्याख्यान "बांग्ला कथा साहित्ये दंगा ओ देशभाग (वाःना कथा आश्रित्य दाङ्गा ओ ङ) शीर्षक के तहत व्याख्यान का आयोजन किया गया। आभासी दर्शकों के लिए जूम बैठक का लिंक <https://zoom.us/j.93979493331?pwd=SUg4NXA3cUpiaVdqUmtpaVJ5TFEvdz09> था। डॉ. चंदन कुमार कुंडू, सहायक प्रोफेसर, बंगला विभाग, अभेदानंद महाविद्यालय, सैथिया, बीरभूम एवं विश्वभारती के पूर्व शोधार्थी वक्ता थे, जिनका शोध विषय था 'विभाजन'। विश्वभारती के माननीय कुलपति प्रो. विद्युत चक्रवर्ती ने सत्र की अध्यक्षता की। एक सौ-सत्तर से भी अधिक प्रतिभागी इस सत्र से जुड़े।

• ई-संसाधनों पर तीन दिवसीय प्रदर्शन कार्यक्रम

केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती ने 29-3.08.2022 के दौरान वर्चुअल मोड में विभिन्न प्रकाशकों द्वारा ई-संसाधनों पर तीन दिवसीय डेमो कार्यक्रम का आयोजन किया है। चौबीस (24) प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशकों ने अपने संबंधित मंच पर अपने ई-संसाधनों का प्रदर्शन किया है। प्रत्येक दिन लगभग बीस प्रतिभागी सत्र में उपस्थित हुए। पुस्तकालय द्वारा ई-संसाधन की प्राप्ति के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का अनुपालन करने और विभिन्न विश्व स्तरीय प्रकाशकों के ई-संसाधनों के संग्रह और विकास के संबंध में माहौल देने के लिए सत्र का आयोजन किया।

• पुस्तकालय दिवस-2022

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क ने 20.12.2022 को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया। राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। यह हमारे समाज में पुस्तकालय एवं पुस्तकालयाध्यक्षों द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर विचार करने का दिन है। एक सुसज्जित पुस्तकालय का नई दुनिया में पाठकों से परिचित करवाया गया एवं अधिक नागरिक सूचित बनने में मदद कर सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे उद्घाटन गीत के साथ हुई, जो कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर और पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन को पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्रख्यात पत्रकार और केंद्रीय पुस्तकालय के अस्थायी सदस्यों में से एक, श्री विश्वजीत राय मुख्य अतिथि थे और उन्होंने "समाज में पुस्तकालय का महत्व: अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर व्याख्यान दिया। श्री राय ने कहा, 'पुस्तकालय समाज के निर्माण और पाठक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक पुस्तकालय में पर्याप्त किताबें, पढ़ने का अच्छा माहौल और अन्य आवश्यक सुविधाएं होनी चाहिए, क्योंकि पुस्तकालय ज्ञान तथा प्रबुद्ध समाज के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका अदा करती है। छात्र प्रतिभागियों ने पुस्तकालय का उपयोग करने के अपने अनुभव भी साझा किए। श्री अजय कुमार शर्मा, सहायक पुस्तकाध्यक्ष एवं प्रभारी चीना भवन पुस्तकालय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय पुस्तकाध्यक्ष (कार्यरत) डॉ. निमाई चंद साहा ने सम्मानित सभा को संबोधित किया। बंगला विभाग, भाषा भवन के शोधार्थी इंद्राणी रूज और सुकांत मंडल ने 'विश्वविद्यालय पुस्तकालय बंधु' के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया। उक्त कार्यक्रम में 81 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

अध्याय-2

• विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला

विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला, विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क की ओर से 6.4.2022, 19.05.2022, 11.07.2022, 20.07.2022, 25.07.2022, 07.2022, 01.08.2022, 16.09.2022, 18.11.2022, 06.02.2023 और 13.03.2023 क्रमशः आभासी भौतिक माध्यम एवं मिश्रित माध्यम (49वें - 57वें व्याख्यान और एक विशेष व्याख्यान से) दोनों पर दस व्याख्यान (10) और एक विचार सत्र का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला में देश एवं विदेश के विख्यात डॉक्टर, शिक्षाविद, कलाकार एवं उत्साहित वक्ता ने अपने विषय से संबंधित विचार व्यक्त किए। इन व्याख्यानों में कुल 1416 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह सभी व्याख्यान यूट्यूब पर लिंक के माध्यम से उपलब्ध हैं - <https://www.youtube.com/@visvabhartilibrarynetwork9081.videos>

• विश्वभारती युवा शोधार्थी व्याख्यान श्रृंखला (वार्ता)

19.04.2022, 25.05.2022 और 27.09.2022 को विश्वभारती युवा शोधार्थी, व्याख्यान श्रृंखला की ओर से केंद्रीय पुस्तकालय में तीन दिवसीय व्याख्यान का आयोजन हुआ। सभी व्याख्यान यूट्यूब पर लिंक <https://www.youtube.com/@visva-bharti3330.videos> के माध्यम से उपलब्ध हैं।

• उपरोक्त के अलावा, वर्ष के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय का उपयोग चालीस (40) से अधिक विभिन्न प्रशासनिक बैठकों के लिए स्थान के रूप में उपयोग किया गया।

पुस्तकालय पेशेवरों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान इत्यादि

सभी कर्मचारी: विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क सभी अधिकारियों एवं पुस्तकालय के अधिकांश कर्मचारियों के समर्थन और सहयोग के साथ पूरे वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन होता है। (प्रतिभागिता एवं विभिन्न तरह की मेजबानी किया है। जैसे - वेबिनार, तकनीकी सहायता हेतु सहायक प्रचार, प्रतिभागी, व्याख्यान देना इत्यादि) अधिकांश अधिकारी (श्री अजय कुमार शर्मा, डॉ. सबाहत नौशीन, डॉ. कौशिक घोष) ने विभिन्न सत्र, पुनश्चर्या कार्यक्रम आदि पर व्याख्यान दिए। पुस्तकालय के सभी अधिकारी एवं सामान्य पाठ्यक्रम 'अनुसंधान प्रकाशन नीति पाठ्यक्रम हेतु (आरपीई) पर कक्षाएं ली।

निमाई चांद साहा

पुस्तकालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विश्वभारती के अलावा निम्नलिखित आमंत्रित व्याख्यान दिए गए हैं;

• 25.03.2023: 24-26 मार्च 2023 के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय (एनएसओयू), कोलकाता द्वारा 'एलआईएस और संबद्ध विषयों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस-लिसाड:2023)' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पारंपरिक ज्ञान की बहाली और प्रसार में

पुस्तकालय: समस्याएं और संभावनाएं" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया। इसके अलावा, समिति गठन के सदस्य के रूप में कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

- 04.02.2023: यूनिवर्सल ब्रीफिंग, कोलकाता द्वारा 04-05 फरवरी 2023 के दौरान 'कैंपस से परे पुस्तकालय: अगली पीढ़ी के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय सेवा को पुनर्जीवित करना' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्लेक्स में "वर्तमान संदर्भ में सार्वजनिक पुस्तकालय: अस्तित्व और वास्तविकता" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर उदयन भट्टाचार्य, प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता ने किया।

- 29.11.2022: 27-30 नवंबर 2022 के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर द्वारा 'साहित्य, संस्कृति, पुस्तकालय और समाज' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बदलते समाज में पुस्तकालय: अपेक्षा और वास्तविकता" पर एक आमंत्रित वीडियो-व्याख्यान दिया गया। इसके अलावा, आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने का अवसर मिलता है।

- 18.03.2023: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मुर्शिदाबाद केंद्र, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल की पुस्तकालय कमेटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "खुला समाज, खुली शिक्षा, खुली पुस्तकालय" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 15.03.2023: ए. के. दासगुप्ता योजना एवं विकास केंद्र, विश्वभारती (नीति आयोग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) द्वारा आयोजित 10 दिवसीय राष्ट्रीय ई-वर्क शॉप "सामाजिक विज्ञान में अग्रणी अनुसंधान विधि" पर शीर्षक "अनुसंधान एवं प्रकाशन में नीति : सामाजिक मुद्दे" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 19.01.2023: 19 जनवरी – 02 फरवरी 2023 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "पुस्तकालयों में आईसीटी अनुप्रयोग: योजना और कार्यान्वयन" पर पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (वार्षिक 2022-23) में "पुस्तकाध्यक्ष और आईसीटी एनएएसी के दो स्तंभ हैं: एक मिसिंग लिंक" विषय पर ऑनलाइन के माध्यम से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 07.12.2022: इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित दस दिवसीय रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स कोर्स में रिसोर्स पर्सन के रूप में "अनुसंधान और प्रकाशन के नैतिक पहलू: वर्तमान संदर्भ" विषय पर ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 10.09.2022: 25 अगस्त - 23 सितंबर 2022 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय, पूर्व बर्धमान द्वारा आयोजित दूसरे संकाय प्रेरण कार्यक्रम (वार्षिक 2022-23) में "अकादमिक लेखन की मूल बातें और अनुसंधान डेटा की हैंडलिंग: व्यावहारिक दृष्टिकोण" पर ऑनलाइन के माध्यम से दूसरा आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अध्याय-2

- 01.09.2022: 25 अगस्त - 23 सितंबर 2022 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय, पूर्व बर्धमान द्वारा आयोजित दूसरे संकाय प्रेरण कार्यक्रम (वार्षिक 2022-23) में "अनुसंधान और प्रकाशन के नैतिक पहलू: सुरक्षित यात्रा की ओर" पर ऑनलाइन माध्यम से पहला आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 01.08.2022: 12 जुलाई से 10 अगस्त 2022 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय, पूर्व बर्धमान द्वारा आयोजित प्रथम संकाय प्रेरण कार्यक्रम (वार्षिक 2022-23) में "शैक्षणिक प्रकाशनों का वर्तमान संदर्भ: सुरक्षित प्रथाओं की ओर" विषय पर ऑनलाइन माध्यम से दूसरा आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 29.07.2022: 12 जुलाई - 10 अगस्त 2022 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय, पूर्व बर्धमान द्वारा आयोजित प्रथम संकाय प्रेरण कार्यक्रम (वार्षिक 2022-23) में "ओपन एक्सेस शैक्षिक संसाधन: इसे वास्तव में खुला बनाने के तरीके और साधन" पर ऑनलाइन माध्यम से पहला आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 15.07.2022: इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "अनुसंधान में उद्धरण, संदर्भ और ग्रंथ सूची" पर ऑनलाइन माध्यम से आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 24.04.2022: ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती [नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित] द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञान में उन्नत अनुसंधान पद्धति" पर 10-दिवसीय राष्ट्रीय ई-कार्यशाला में 'सुरक्षित अभ्यास, करियर बचाएं: साहित्यिक चोरी पर मुद्दों को संभालना' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सबह नौशीन

- 14.01.23. यूनिवर्सल ब्रीफिंग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 14वें स्टडी सर्कल में "विश्वभारती संग्रह की अरबी, उर्दू और फारसी पांडुलिपि की सामग्री विश्लेषण और वर्णनात्मक सूची" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कौशिक घोष

- 06.12.2022: इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा साहित्यिक चोरी के मुद्दों पर आयोजित "अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम" में ऑनलाइन मोड के माध्यम से आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिए।

प्रकाशन:

मासिक ई-न्यूज़लेटर: वर्ष के दौरान सभी अधिकारियों ने संपादक, सहयोगी सह संपादक, सहायक संपादक आदि जैसी विभिन्न क्षमताओं में विश्वविद्यालय पुस्तकालय नेटवर्क के मासिक ई-न्यूज़लेटर को प्रकाशित करने में भाग लिया है। ब्राउज़ करने के लिए लिंक: <http://visva-भारती-पुस्तकालय.इन.इंडेक्स.php.publications.library-e-newsletter>

निमाई चांद साहा

- साहा, एन.सी. और पॉल, एन. (2022)। क्षेत्र समीक्षा ग्रंथमाला (2): पूर्वस्थली दक्षिण। नई दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक। आईएसबीएन: 978-931-93878-37-3

अजय कुमार शर्मा

- शर्मा, ए.के. (2022) विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क में समावेशी शिक्षा के लिए सहायक प्रौद्योगिकियों का उपयोग। पुस्तकालय प्रोग्रेस इंटरनेशनल, 42(1), 231-236।

शैक्षणिक. प्रशासनिक उपलब्धियाँ

निमाई चांद साहा

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के नियमित प्रशासन के अलावा, विश्वभारती प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ के समन्वयक (18 जनवरी 2023 तक), सभी इनफ्लिबनेट परियोजनाओं (शोध शुद्धि, ई-शोध सिंधु, शोधगंगा, शोधसंगोत्री, विद्वान, आईआरआईएनएस, आदि) के विश्वविद्यालय समन्वयक, नेशनल डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) और एनडीएलआई क्लब, आदि। विश्वभारती व्याख्यान शृंखला का समन्वय, विभिन्न प्रशासनिक समितियों के सदस्य (विश्वभारती की आईक्यूएसी, एनआईआरएफ, डीपीसी, ईओसी, सीआरसी, एचईएफए परियोजना निगरानी समिति, आदि) के सदस्य रहे हैं।

इसके अलावा, विभिन्न बाहरी विश्वविद्यालयों द्वारा निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ दी गई हैं;

- पुस्तकालय स्टॉक सत्यापन समिति, आईएसआई, कोलकाता के वाह्य सदस्य
- बीओएस के वाह्य सदस्य, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, सिधू काहनु बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया
- पुस्तकालय के विकास के लिए वाह्य विशेषज्ञ, उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, अंगारा, रांची, झारखंड।
- आईएसएलआईसी के शासी निकाय के सदस्य (<http://www.iaslic1955.org.in.Default.aspx?PageId=89>)
- सुरुल रीड इंडिया कम्युनिटी पुस्तकालय एंड रिसोर्स सेंटर की समिति के सदस्य।

संपादक:

2018 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन साइंस (आईजेएलआईएस)। आईएसएसएन: 2141-2537, <https://academicjournal.org/journal/iaslic1955.org.in.Default.aspx?PageId=89>

समीक्षक:

- 2015 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन साइंस (आईजेएलआईएस)। आईएसएसएन: 2141-2537, <https://academicjournal.org/journal/iaslic1955.org.in.Default.aspx?PageId=126>

आईएसएलआईसी बुलेटिन, आईएसएसएन: 0018-8441
<http://www.iaslic1955.org.in.Default.aspx?PageId=126>

अध्याय-2

कौशिक घोष

विश्वभारती युवा शोधार्थी की व्याख्यान श्रृंखला के सदस्य के अलावा, विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ और विश्वभारती वार्षिक रिपोर्ट के संयोजित सदस्य।

- विश्वभारती कॉपरेटीव क्रेडिट सोसायटी के वेबमास्टर। <http://www.vbccsl.org/>
- सुरुल रीड इंडिया सामुदायिक पुस्तकालय और संसाधन केंद्र की तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण समिति के मानद सदस्य।
- विशेष अधिकारी, विश्वभारती कॉपरेटीव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड
- अध्यक्ष, प्रफुल्ल सेन क्रिस्टी परिषद (सरकार प्रायोजित सार्वजनिक पुस्तकालय), बोलपुर, बीरभूम।

श्री अजय कुमार शर्मा

विश्वभारती युवा शोधार्थी की व्याख्यान श्रृंखला के सदस्य, विश्वभारती प्रवेश समन्वय प्रकोष्ठ, विश्वभारती आरटीआई प्रकोष्ठ, और विश्वभारती में समर्थ परियोजना के ज्ञान मॉड्यूल के प्रशासक।

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक रिसर्च इन लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (आईजेएआरएलआईएस) नामक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सोर्सेज एंड सर्विसेज (आईजेएसएस) नामक पत्रिका के सह संपादक।
- संगीत गैलेक्सी नामक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल लाइब्रेरी सर्विसेज नामक पत्रिका के संपादक।
- विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क के वेबमास्टर। (<http://visva-bharti-library.in.index.php>)
- चीना भवन, विश्वभारती के वेबमास्टर। (<http://visva-bharti.wix.com.cbvbs>)

संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, प्रशिक्षण में सहभागिता :

डॉ. निमाई चांद साहा ने वर्ष के दौरान 06.03.2023, 14-15.02.2023, 24.01.2023, 16.12.2022, 29.12.2022, 21.12.2022 और 30.11.2022 को डेलनेट द्वारा गो टू वेबिनार के माध्यम से आयोजित सात अलग-अलग वेबिनार में भाग लिया।

श्री अजय कुमार शर्मा ने वर्ष के दौरान 24.01.2023, 29.12.2022, 14-16.12.2022, 27-29.06.2022, 18.06.2022 और 31.05.2022 को छह अलग-अलग वेबिनार में भाग लिया।

सबाहत नौशीन

27.01.23- 02.02.23. यूजीसी एचआरडीसी जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित "एमओओसी: असिंक्रोनस लर्निंग के लिए एक ऊर्ध्वधर शिक्षाशास्त्र" पर ऑनलाइन संक्षिप्त पाठ्यक्रम में भाग लिया।

कौशिक घोष

वेबिनार की मेजबानी

- 19.04.2022: "टैगोर के नाटक का मंच पर प्रदर्शन: संकट और खोज" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला की सफलतापूर्वक मेजबानी की। " डायलॉगिक द्वारा आयोजित: विश्वभारती यंग स्कॉलर्स लेक्चर सीरीज़, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
- 25.05.2022: डायलॉगिक: विश्वभारती यंग स्कॉलर्स लेक्चर सीरीज़, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "नवीकरणीय ऊर्जा - ग्रामीण भारत में बायोगैस और इसकी बाधाएं" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला की सफलतापूर्वक मेजबानी की।
- 27.09.2022: डायलॉगिक: विश्वभारती यंग स्कॉलर्स लेक्चर सीरीज़, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "दिव्य माली": रवीन्द्रनाथ और इंडो-अर्जेन्टीना साहित्यिक लेनदेन पर एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला की सफलतापूर्वक मेजबानी की।

31 मार्च 2023 तक विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क की कुल पुस्तकों की संख्या से संबंधित जानकारी

अनुभागीय पुस्तकालय	31 मार्च 2023 तक पुस्तकें (खरीदी गईं)	31 मार्च 2023 तक पुस्तकें (उपहार स्वरूप)	सम्मिलित पुस्तकें		सम्मिलित पत्रिका	
			क्रय	उपहार	सदस्यता	उपहार
चीना भवन	41194	5023	22	08	06	01
शिक्षा भवन	21191	588	306	76	03	लागू नहीं
पाठ भवन	37946	2043	115	53	01	लागू नहीं
दर्शन सदन	9804	77	49	31	02	लागू नहीं
हिंदी भवन	36814	494	45	27	07	07
संगीत भवन	37370	604	161	18	10	03
पल्ली संगठन	37985	182	100	02	लागू नहीं	लागू नहीं
विनय भवन	22741	376	71	14	लागू नहीं	लागू नहीं
रवीन्द्र भवन	48860	3996	46	374	13	लागू नहीं

अध्याय-2

पल्ली शिक्षा भवन	55163	लागू नहीं	216	लागू नहीं	लागू नहीं	08
कला भवन	17806	68	48	29	07	01
शिक्षा सत्र	27989	473	160	43	लागू नहीं	लागू नहीं
सभी अनुभागीय पुस्तकालय	394863	13924	1339	675	49	20
केंद्रीय पुस्तकालय	442578	10765	1228	146	223	27
कुल	837441	24689	2567	821	272	67
ग्रंथन विभाग	8600					
बांग्लादेश भवन	3926					
कुल मुद्रित पुस्तकें (पी+जी)	874656					
ई बुक्स	7980					
थीसिस	3115					

शुरुआत में केंद्रीय ग्रंथागार में लगभग 90,000 पुस्तकें खरीदी गईं और उपयोग की गईं और उसके बाद उन पुस्तकों को उपयोगकर्ताओं के हित के लिए अलग-अलग अनुभागीय पुस्तकालयों में स्थानांतरित कर दिया गया और संबंधित अनुभागीय पुस्तकालय में पुनः शामिल कर लिया गया, यानी इन 90000+ पुस्तकों को डबल एक्सेस किया गया। एक बार केंद्रीय ग्रंथागार में और फिर से अनुभागीय पुस्तकालय में गिना गया। इसलिए, एक्सेसन रजिस्टर और डेटाबेस होल्डिंग्स में एक्सेसन नंबर के बीच एक अंतर है।

परिशिष्ट - I
 बिंदु 1 पर विस्तृत जानकारी
 अधिग्रहण अनुभाग:
 विषयवार खरीदी गई पुस्तकों की संख्या:

विषय	केंद्रीय पुस्तकालय	अनुभागीय पुस्तकालय
भाषा	743	205
मानविकी और सामाजिक विज्ञान	282	379
विज्ञान	153	662
गृह विज्ञान		
कंप्यूटर विज्ञान	10	65
वाणिज्य एवं प्रबंधन		15
शिक्षा	18	57
इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी		
चिकित्सीय विज्ञान		
कृषि विज्ञान	20	166
पशु चिकित्सा विज्ञान		
विधि		
अन्य (संगीत, कला, धर्म, कैरियर परामर्श, आदि)		1018
कुल: -	1228	2567

खरीदी गई पुस्तकों का भाषा संस्करण

	केंद्रीय पुस्तकालय	अनुभागीय पुस्तकालय
अंग्रेज़ी	573	1108

अध्याय-2

हिंदी		78
क्षेत्रीय.बंगाली	359	972
अन्य	296	409
केंद्रीय पुस्तकालय की कुल सदस्यता:-	1228	2567

आवधिक अनुभाग:-

विदेशी पत्रिकाएँ	49
भारतीय पत्रिकाएँ	82
पत्रिका	53
समाचार पत्र	22
केंद्रीय पुस्तकालय की कुल सदस्यता:-	206

बिंदु 5 पर विस्तृत जानकारी

परिचालन अनुभाग:-

श्रेणी	शिक्षक	शोधार्थी	छात्र	कार्मिक	विश्वविद्यालय सदस्य	सकल योग
पुस्तकालय उपयोगकर्ता	604	785	5901	470	25	7785

उपयोगकर्ता द्वारा केंद्रीय पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों का दौरा

महीना	अध्ययन कक्ष	आवधिक अनुभाग	स्टैक कक्ष	संदर्भ अनुभाग	कुल
अप्रैल-2022	2948	965	1944	563	6420
मई-2022	3494	1285	2358	654	7818
जून-2022	2869	1242	761	431	5303
जुलाई-2022	2992	1348	1053	334	5727

अगस्त-2022	2511	1105	1073	291	4980
सितम्बर-2022	1671	1096	1436	254	4457
अक्टूबर-2022	358	213	168	51	790
नवंबर-2022	2440	1297	1666	272	5675
दिसंबर-2022	2300	1141	1412	376	5229
जनवरी-2023	2925	1512	1622	463	6522
फरवरी-2023	2854	1651	2098	465	7068
मार्च-2023	3141	1785	1401	524	6851
कुल	30507	14640	16992	4698	66837
तथ्य यह है कि कुल उपयोगकर्ताओं में से लगभग 15% ने अपना हस्ताक्षर नहीं किया है। इसके अलावा, पुस्तकालय में ओपन रीडिंग ज़ोन में छात्रों के हस्ताक्षर एकत्र करने का कोई प्रावधान नहीं है, जो कुल उपयोगकर्ताओं का लगभग 5% है। इसलिए, वास्तविक फुटफॉल रिकॉर्ड किए गए फुटफॉल से 20% अधिक होगा। वर्तमान वर्ष के दौरान वास्तविक दर्शकों की संख्या 66837+66837 का 20% = 80,204 हो सकता है।					80204

ग्रंथन विभाग कोलकाता

कुल प्रकाशन: 24

प्रकाशनों की सूची:

1. चित्रा
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 120.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-439-1
2. गल्पगुच्छ (अखंड)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 800.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-175-8
3. गीत-बितान (अखंड)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 950.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-009-6
4. गीतिचर्चा (खंड 3)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 100.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-042-3
5. गोरा
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 400.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-268-7
6. जमींदार रवीन्द्रनाथ
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 180.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-535-0
7. जापानजात्री
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 220.00

आईएसबीएन: 978-81-7522-425-4

8. मुकुट
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 90.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-607-4
9. पाठ परिचय (खंड 4)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 150.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-318-9
10. रवीन्द्र-रचनावली (खंड 10) लोकप्रिय
कीमत: रु. लागू नहीं
आईएसबीएन: 978-81-7522-365-3
11. रवीन्द्र-रचनावली (खंड 13) लोकप्रिय
कीमत: रु. लागू नहीं
आईएसबीएन: 978-81-7522-368-4
12. रवीन्द्र परिचय (बंगाली)
लेखक: लागू नहीं
कीमत: रु. 120.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-493-3
13. राशियार चिठि
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 120.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-568-8
14. सहज पाठ (खंड 1)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 90.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-410-0
15. सहज पाठ (खंड 2)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 100.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-116-1

अध्याय-2

16. सहज पाठ (खंड 3)
लेखक: लागू नहीं
कीमत: रु. 110.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-056-0
17. सहज पाठ (खंड 4)
लेखक: लागू नहीं
कीमत: रु. 120.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-055-3
18. संगीतचिंता
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 350.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-375-2
19. शांतिनिकेतन (खंड 1)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 220.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-406-3
20. शांतिनिकेतन (खंड 2)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 220.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-637-1
21. शिशु
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 120.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-058-4
22. स्वरबितान (खंड 4)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 220.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-491-9
23. स्वरबितान (खंड 5)
लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 220.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-426-1
24. स्वरबितान (खंड 18)

लेखक: रवीन्द्रनाथ टैगोर
कीमत: रु. 200.00
आईएसबीएन: 978-81-7522-464-3

बिक्री विवरण:

- वर्ष 2022-2023 में सकल बिक्री : `2,32,62,964.00
- वर्ष 2022-2023 में शुद्ध बिक्री : `1,63,91,200.34

बांग्लादेश भवन

सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ:

- 09.01.2023. कोलकाता में बांग्लादेश के नवनियुक्त उप उच्चायोग श्री अंदलीबइलियास ने सद्भावना मिशन के तहत बांग्लादेश भवन का दौरा किया। उन्होंने विश्वभारती के कुलपति से भी मुलाकात की।
- 09.02.2023. मुख्य संयोजक प्रोफेसर मानवेंद्र मुखोपाध्याय ने बातचीत जारी रखने के लिए कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग में उप उच्चायुक्त से मुलाकात की।
- 21.02.2023. विश्वभारती ने बांग्लादेश भवन परिसर में 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' समारोहपूर्वक मनाया। बांग्लादेश भवन और विदेशी छात्र सहायता प्रकोष्ठ ने संयुक्त रूप से विश्वभारती की ओर से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 27.02.2023. पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश के कृषि मंत्री डॉ. मुहम्मद अब्दुर रज्जाक ने शांतिनिकेतन के अपने दो दिवसीय दौरे में बांग्लादेश भवन का दौरा किया।
- 14.03.2023. वित्त अधिकारी, विश्वविद्यालय अभियंता और मुख्य संयोजक सहित तीन सदस्यीय प्रतिनिधि ने वर्तमान स्थिति और भवन की बहाली के संभावित तरीकों पर बात करने के लिए कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग में एक द्विपक्षीय अधिकारी स्तर की बैठक की।
- 20.03.2023. राष्ट्रीय संग्रहालय, ढाका के महानिदेशक की अध्यक्षता में छह सदस्यीय प्रतिनिधि ने उप उच्चायोग के एक प्रतिनिधि के साथ संग्रहालय के लंबित कार्य पर बात करने के लिए बांग्लादेश भवन संग्रहालय का दौरा किया।

वर्तमान स्थिति के साथ एक संक्षिप्त इतिहास:

इसमें कोई संदेह नहीं है, हाल के दिनों में बांग्लादेश भवन, विश्वभारती का ताज है, जिसके साथ विश्वविद्यालय को 2018 में सुसज्जित किया गया था। भारत और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना ने क्रमशः 25 मई, 2018 को दोनों देशों के सम्मानित दर्शकों के सामने भवन का उद्घाटन किया। बांग्लादेश भवन का गठन साझा इतिहास, संघर्ष, भाषा और संस्कृति (आंशिक रूप से) को चिह्नित करने के लिए दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक स्मारक के रूप में किया गया था।), राष्ट्रीयता और जाहिर तौर पर दोनों देशों के सामान्य भावनात्मक लगाव पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर, निस्संदेह, दोनों देशों में राष्ट्रीय इकाई के निर्माण में आम प्रेरणाओं में से एक रहे हैं। दोनों पक्षों के बंगाली लोगों के पास हजारों वर्षों से एक समान विरासत

है। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना ने 2010 में अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान इस भवन की स्थापना के लिए भारत सरकार से अपनी हार्दिक इच्छा व्यक्त की; और 2013 में, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने ढाका में प्रस्ताव की घोषणा की और शांतिनिकेतन में साइट स्थापित करने का आग्रह किया। शांतिनिकेतन भवन स्थल के लिए एक स्वाभाविक चयन रहा है क्योंकि यह कवि का 'शांति का निवास' अभी भी विभाजनकारी राजनीतिक सीमा के दोनों ओर बंगाली मानस के बीच जीवंतता का कारण बनता है। भवन के निर्माण की लागत पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन की गई थी। बांग्लादेश का दूसरी ओर, विश्वभारती द्वारा सरकार की सहमति से 28880 वर्ग फुट की भूमि दान में दी गई थी। भारत की।

भवन की स्थापत्य विशिष्टता देश और विदेश से लोगों को भवन की ओर आकर्षित करती है।

भवन को दिनांक 29.01.2019 को बांग्लादेश सरकार द्वारा 10 करोड़ रुपये की एकमुश्त कॉर्पस निधि उपहार में दी गई थी।

यहां शांतिनिकेतन में बांग्लादेश भवन के शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान वर्तमान स्थिति और प्रदर्शन का संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

मुख्य विशाखा :

संग्रहालय

बांग्लादेश भवन संग्रहालय के नियमित कामकाज की शुरुआत 18 सितंबर 2018 से हुई, अब इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया। संग्रहालय में कुछ विशिष्ट कोने हैं। प्रदर्शनी कोनों में पूर्वी बंगाल में टैगोर परिवार की विरासत, पूर्वी पाकिस्तान में शुरू हुआ 1952 का ऐतिहासिक मातृभाषा आंदोलन, 1971 में पूर्वी पाकिस्तान का मुक्ति संग्राम, बांग्लादेश की नाजुक हस्तशिल्प और पूर्वी बंगाल की खोजी गई कुछ पुरातात्विक वस्तुएं प्रदर्शित हैं। उत्खनन द्वारा हालाँकि, इस वर्ष केंद्रीय एयर कंडीशनिंग प्रणाली पूरी तरह से ध्वस्त हो जाने के बाद से संग्रहालय में सामान्य यात्रा पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, उत्तर-पश्चिमी तूफान से प्रभावित इमारत की छतरी का अभी तक नवीनीकरण नहीं किया गया है। वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग अनुभाग द्वारा आंशिक नवीनीकरण किया गया था।

पुस्तकालय

बांग्लादेश भवन पुस्तकालय अपनी प्रकृति में अद्वितीय है क्योंकि यहां रखी लगभग सभी पुस्तकें (व्यक्तियों द्वारा उपहार में दी गई पुस्तकों सहित 3900 से अधिक) पूरी तरह से बांग्लादेश से प्रकाशित होती हैं और बांग्लादेश सरकार द्वारा दान की जाती हैं। मातृभाषा आंदोलन (1952) और बांग्लादेश मुक्ति संग्राम (1971) पर पुस्तकें निश्चित रूप से पुस्तकालय से अधिक महत्वपूर्ण हैं। रवीन्द्रनाथ, नज़रूल, लालन फकीर की पुस्तकें अलग से उल्लेख करने

अध्याय-2

योग्य अन्य वस्तुएँ हैं। रवीन्द्र रचनावली के दो प्रकार के संपूर्ण सेट और संपूर्ण नज़रुल रचनावली के दो सेट संबंधित विद्वानों को समृद्ध करते हैं, और शांतिनिकेतन के बाहर से विद्वान इस पुस्तकालय में निःशुल्क अध्ययन के लिए आते हैं।

सभागार, संगोष्ठी कक्ष एवं कैफेटेरिया

बांग्लादेश भवन में विश्वभारती का सबसे बड़ा सभागार है जिसमें सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ 453 सीटें हैं तो। विश्वभारती के किसी भी शैक्षणिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एक विशाल कैफेटेरिया और दो सम्मेलन कक्ष (350 व्यक्तियों को समायोजित करने की क्षमता वाली एक चल दीवार द्वारा विभाजित) हैं। बांग्लादेश भवन विश्वभारती को बैठकों के लिए हॉल उपलब्ध कराता है। बांग्लादेश भवन सामूहिक निर्णय और प्रयास करने में विश्वभारती बिरादरी को एकजुट करने का स्थान रहा है। हालाँकि, इस साल सेंट्रल एयर कंडीशनिंग सिस्टम पूरी तरह से ध्वस्त हो जाने के बाद से असेंबलिंग रोक दी गई है।

भविष्य की योजना:

25.05.2018 बांग्लादेश सरकार और विश्वभारती के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, विश्वविद्यालय भविष्य में बांग्लादेश भवन में एक अध्ययन और अनुसंधान केंद्र बनाने का समझौता ज्ञापन हुआ।

भवन के मुख्य पदधारी के डेस्क से टिप्पणी :

उप उच्चायोग और विश्वभारती के बीच भवन के मौजूदा समस्याओं को संबोधित करके उसके सुधार करने पर वार्ता की शुरुआत हुई, एवं दो पड़ोसी देश को एक साथ लाने का उद्देश्य है। नवनियुक्त उप उच्चायुक्त सद्भावना मिशन में बांग्लादेश भवन का दौरा किए। विश्वभारती के वित्त अधिकारी, विश्वविद्यालय अभियंता और मुख्य संयोजक ने उप उच्चायुक्त पदधारी से मिलकर भवन की समस्याओं एवं इसके स्थायी समाधान पर विचार किया। राष्ट्रीय संग्रहालय, ढाका के महानिदेशक के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधि शीर्ष संग्रहालय के लंबे समय से लंबित कार्य को पूरा करने के लिए बांग्लादेश भवन का दौरा करने आया था। विश्वविद्यालय इस भवन के निर्माण में लंबित कार्यों और खामियों को लेकर इसकी निर्माता कंपनी से बातचीत किया। मुख्य भवन के प्रवेश बिंदु पर टूटे हुए ग्लास पैनल को बदल दिया गया है, और इमारत की गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त छतरी (उत्तर-पश्चिम से प्रभावित) की इस वर्ष आंशिक रूप से मरम्मत किया गया।

ए.के.दासगुप्ता योजना एवं विकास केंद्र (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित एक केंद्र)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि.

- 20.04.2022 से 29.04.2022 तक सामाजिक विज्ञान में उन्नत अनुसंधान पद्धति।
- 19.05.2022 - बेसिक टू एडवांस: अनुसंधान पद्धति में एसपीएसएस का व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- 05.09.2022 से 14.09.2022 तक अनुसंधान, योजना और विकास के लिए 'आर' का उपयोग करके डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण।
- 20.02.2023 से 01.03.2023 तक अनुसंधान एवं विकास में सांख्यिकीय उपकरणों और एसपीएसएस का उपयोग।
- 06.03.2023 से 15.03.2023 सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ: सभी अनुसंधान परियोजनाएँ ए.के.दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र के तहत पूरी की जा रही है।

- बी.एड पाठ्यक्रम में संचाल समुदाय द्वारा प्रचलित स्वदेशी शिक्षाशास्त्र को शामिल करना।
- लेटो-गान: प्रदर्शन और आजीविका की चुनौतियाँ और संभावनाएँ-कोविड-10 महामारी से पहले, उसके दौरान और बाद में।
- कोविड-19 के दौरान और उसके बाद बीरभूम जिले में शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग
- पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में आजीविका निर्वाह के लिए हथकरघा उद्योग में महिलाओं की भागीदारी: सामाजिक आर्थिक निर्धारक और उद्यमशीलता मार्ग।
- कोयंबटूर जिले के विशेष संदर्भ में कृषि उत्पादन में किसानों और उनकी आजीविका के प्रति एक अध्ययन।
- उप-हिमालयी उत्तरी बंगाल में टोटो समुदाय की आजीविका पर कोविड-19 महामारी और भविष्य की अनुकूलन रणनीतियों के प्रभाव पर एक अध्ययन।
- ग्रामीण होम-स्टे पर्यटन और सतत आजीविका: दार्जिलिंग हिमालय क्षेत्र में चटकपुर का केस अध्ययन।

केंद्र का संक्षिप्त इतिहास:

1995 में तत्कालीन योजना आयोग ने शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार और सेवा को बढ़ावा देने के लिए कुछ चयनित विश्वविद्यालयों में एक इकाई और एक अध्यक्ष स्थापित करने की योजना शुरू की गई थी। विश्वभारती उन

अध्याय-2

विश्वविद्यालयों में से एक है जिसने ऐसे केंद्र और एक चेयर की स्थापना के लिए अक्षय निधि प्राप्त किया। इस तरह के केंद्र की स्थापना का उद्देश्य इस विषय पर पूर्ववर्ती योजना आयोग द्वारा किए गए पत्राचार से स्पष्ट होगा जिसमें कहा गया है कि "योजना आयोग योजना और विकास पर अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने और संबंधित मुद्दों पर एक सूचित बहस बढ़ाने में रुचि रखता है।"

जिन प्रमुख क्षेत्रों पर इकाई अपनी अनुसंधान गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है वे ग्रामीण विकास, कृषि, ग्रामीण स्वास्थ्य, बाल विकास और भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभाव मूल्यांकन है।

अब यूनिट का नाम बदलकर प्रोफेसर ए.के.दासगुप्ता के नाम पर कर दिया गया है। पूर्ववर्ती योजना आयोग ने 2012 में अध्यक्ष और इकाई का नाम बदलकर "योजना और विकास में प्रोफेसर ए.के.दासगुप्ता अध्यक्ष" और इकाई का नाम 'ए.के.दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र' कर दिया गया। वर्तमान में यह केंद्र स्वर्गीय ए.के.दासगुप्ता के निवास 33, पूर्वपल्ली, शांतिनिकेतन में स्थित है। । भारत के और कुलपति, विश्वभारती की अध्यक्षता में यह केंद्र नीति आयोग, सरकार द्वारा प्रायोजित है।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

केंद्र ने सामुदायिक विकास के एक भाग के रूप में चार कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए गए।

- 24.05.2022 से 27.05.2022-बंधनी पर प्रशिक्षण
- 11.07.2022 से 17.07.2022-हैंड बाटिक पर प्रशिक्षण।
- 08.12.2022 से 10.12.2022- घर के बने बिस्कुट।
- 06.02.2022 से 08.02.2022-घर के बने बिस्कुट।

पूरे कार्यक्रम में लगभग 105 महिलाओं ने केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया। अधिकांश प्रशिक्षित महिलाओं ने केंद्र के सहयोग से अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू किया।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

विश्वभारती ने 1983 में एससी और एसटी के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की है और इसकी निम्नलिखित गतिविधियाँ हैं:

छात्रों के प्रवेश, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की देखभाल के लिए विश्वभारती द्वारा एससी और एसटी के लिए विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। प्रकोष्ठ की गतिविधियों की देखभाल के लिए एक प्रोफेसर-प्रभारी और एक सहायक कुलसचिव को तैनात किया गया और उनकी सहायता के लिए एक अनुभाग अधिकारी, एक वरिष्ठ सहायक, एक कार्यालय सहायक और एक चपरासी (कैजुअल वर्कर) होते हैं। वर्तमान में यह प्रकोष्ठ एससी.एसटी.ओबीसी एवं पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रोफेसर लारिशा एम लिंडेम, प्राणीविज्ञान विभाग, शिक्षा भवन, प्रोफेसर देबासिस भट्टाचार्य, कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन और डॉ. संजय घोष, संयुक्त कुलसचिव (लेखा), विश्वभारती को क्रमशः एससी एसटी, पीडब्ल्यूडी और ईडब्ल्यूएस एवं ओबीसी श्रेणी के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर लारिशा एम लिंडेम, प्राणीविज्ञान विभाग, शिक्षा भवन, प्रोफेसर देबासिस भट्टाचार्य, कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन और डॉ. संजय घोष, संयुक्त कुलसचिव (लेखा), विश्वभारती को भी एससी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। एसटी.पीडब्ल्यूडी.ईडब्ल्यूएस और ओबीसी को समय-समय पर जारी भारत सरकार के प्रासंगिक नियमों/दिशानिर्देशों पर कर्तव्यों का पालन करना होता है।

कर्मचारियों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) और छात्रों के प्रवेश के संबंध में आरक्षण नीतियों के कार्यान्वयन की समीक्षा और निगरानी के लिए उपाचार्य द्वारा एससी.एसटी पर एक स्थायी सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, विभिन्न भवनों में एससी, एसटी, ओबीसी और पीडब्ल्यूडी और ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिए प्रवेश के संबंध में आरक्षण नीति के उचित कार्यान्वयन का निरीक्षण करने के लिए 'प्रवेश में आरक्षण की निगरानी के लिए समिति' का भी गठन किया गया है।

प्रकोष्ठ सीधी भर्ती और पदोन्नति के मामले में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों के लिए एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के आरक्षण रॉस्टर और आरक्षण रॉस्टर रजिस्ट्रों का रखरखाव किया जाता है। सीधी भर्ती में सभी समूह ए, बी, सी और डी पदों पर और केवल गैर-शिक्षण पदों के समूह सी और डी की पदोन्नति के मामले में विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण रजिस्टर भी प्रस्तुत किए गए हैं। सरकार भारत के दिशानिर्देश आरक्षण नीति और अन्य

अध्याय-2

संबंधित मामलों से संबंधित परिपत्र विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की मंजूरी के साथ लागू किए जाते हैं। वर्ष 2010, 2019 और 2021 में शिक्षण पदों में एससी.एसटी के बैकलॉग और कमी को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाया गया। इसके अलावा, कार्यालय ज्ञापन संख्या 30039.1.2019-स्था.(आर.) दिनांक 31 जनवरी, 2019 के अनुसार भारत सरकार के में विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक और गैर-शिक्षण पदों पर ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए सीधी भर्ती में 10% आरक्षण लागू किया गया।

इसके अलावा प्रकोष्ठ दिनांक 28 सितंबर, 2021 के पत्रांक सं.3-3.2021-सीयू.सीडीएन के आलोक में "मिशन मोड पर बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए विशेष अभियान" पर काम कर रहा है। बैकलॉग रिक्तियों को भरने की प्रगति का तदनुसार प्रकोष्ठ यूजीसी को मासिक रिपोर्ट भेज रहा है। एससी.एसटी.ओबीसी छात्रों या कर्मचारियों द्वारा दर्ज की गई किसी भी शिकायत पर समय पर ध्यान दिया जाता है और उनके समय पर और उचित निवारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में लाया जाता है।

विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के साथ, प्रकोष्ठ यूजी, पीजी और स्कूल स्तर पर प्रवेश में पीडब्ल्यूडी के लिए 5% आरक्षण और 4% भर्ती का पालन किया जाता है और साथ ही प्रवेश में ओबीसी श्रेणी के आरक्षण के लिए ओबीसी की केंद्रीय सूची का भी पालन किया जाता है।

इंदिरा गांधी केंद्र

विभाग द्वारा आयोजित एवं विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा विस्तार गतिविधियाँ.एनएसएस.सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में सभागिता।

इंदिरा गांधी केंद्र ने पिछले वर्षों की तरह 21 फरवरी, 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" मनाया। यह उत्सव इंदिरा गांधी केंद्र, बांग्लादेश भवन और विश्वभारती के विदेशी छात्र सहायता कक्ष का एक संयुक्त उद्यम था। पैदल जुलूस सुबह 8 बजे अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह के सड़क के किनारे से शुरू हुआ। जुलूस में भाग लेने वालों में हमारे माननीय कुलपति, प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती, कुलसचिव, विभिन्न विभागों के संकाय, केंद्रों के निदेशक, शामिल हुए। विभिन्न विभागों के स्टाफ सदस्य, शोधकर्ता, विदेशी और भारतीय छात्र, पाठ भवन और शिक्षा-सत्र के स्कूली छात्रों ने भी जुलूस में भाग लिया। जुलूस में सबसे आगे संगीत-भवन के विद्यार्थी "आम्र भङ्गरे बङ्गला ब्राञ्जना ২১শে ফেব্রু" गीत गाते हुए चल रहे थे।

जुलूस बांग्लादेश भवन के प्रांगण में लगभग सुबह 8.45 बजे समाप्त हुआ। इस अवसर पर एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव कार्यक्रम के आरंभ में माननीय कुलपति ने 21 फरवरी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन बांग्लादेश भवन की निदेशक के समापन भाषणों के साथ हुआ।

उत्सव के शाम के सत्र में भरत तीर्थ, शांतिनिकेतन के "रामकिंकर मंच" में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकांशतः विदेशी छात्रों के साथ-साथ विभिन्न भाषाओं के भारतीय छात्र भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन इंदिरा गांधी केंद्र के निदेशक के समापन भाषण और उसके बाद आश्रम संगीत के साथ हुआ।

प्रकाशन: एक, व्यक्तिगत प्रकाशन:

• सरकार दास, एम. (2023), बाग बंदी: भारत से एक गतिहीन खेल। फार्मास्युटिकल अनुसंधान और अनुप्रयोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 08 (02): 918-920.

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

- इंदिरा गांधी केंद्र की स्थापना विश्वभारती के दो पूर्व कुलपतियों की पहल पर की गई। मुख्य रूप से यह एक अनुसंधान केंद्र है जिसका उद्देश्य गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा बताए गए शांति और सार्वभौमिक भाईचारे के विचारों को प्रसारित करने के तौर-तरीकों का खुलासा करने के लिए परियोजनाएं (शैक्षणिक और सांस्कृतिक) है।
- वर्तमान में केंद्र के केवल रिसर्च एसोसिएट ही अनुसंधान परियोजना "सिंधु घाटी सभ्यता और स्वास्थ्य प्रथाएं" पर काम कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट पूरा होने की कगार पर है। परियोजना से दो शोध पत्र उचित पाठ्यक्रमों में प्रकाशन हेतु तैयार किये गये हैं।
- इंदिरा गांधी केंद्र में 2014 से विदेशी छात्र सहायक कक्ष स्थापित है।

उद्यान अनुभाग

गतिविधियाँ:

- उद्यान अनुभाग मुख्य रूप से पूरे विश्वविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता से संबंधित है।
- उपासनागृह, छातिमतला, रवीन्द्र भवन, मध्य के बगीचों की देखभाल करना। प्रशासनिक भवन, कुलपति कार्यालय, केंद्रीय पुस्तकालय, पुर्विता, कुथिबारी, कुलसचिव का निवास, पूर्वपल्ली बॉयज़ हॉस्टल, लिपिका, उद्यान कार्यालय, मालंचा, इंदिरा गांधी केंद्र, शैक्षणिक और अनुसंधान केंद्र, रथींद्र अतिथि गृह, पूर्वपल्ली गेस्ट हाउस, आदि का देखभाल किया जाता है।
- विश्वविद्यालय के वृक्षों की देखभाल करना तथा समय-समय पर विभिन्न परिसरों के सौंदर्यीकरण एवं स्वस्थ वातावरण हेतु नवीन वृक्षारोपण पर विशेष अभियान चलाया जाता है।

शारीरिक शिक्षा, खेल, राष्ट्रीय सेवा और छात्र कल्याण (पीएसएनएस)

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन सेमिनार कार्यशाला प्रदर्शनी आदि :

- 28.04.2022 से 05.05.2022 तक. विश्वभारती की एनएसएस इकाइयों द्वारा फिटनेस पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विस्तार गतिविधियाँ : एनएसएस.सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ विभाग द्वारा आयोजित की गईं और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया:

- 16.07.2022. एनएसएस विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छात्र गतिविधि केंद्र, पीएसएनएस, विश्वभारती में रक्तदान शिविर।
- 12.08.2022. एनएसएस विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव पदयात्रा।
- 15.08.2022. स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लिया।
- 24.09.2022. राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन.
- 25.12.2022. पौष उत्सव, विश्वभारती में भाग लिया।
- 26.01.2023. विनय भवन मैदान में गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लिया।
- निदेशक, पीएसएनएस का कार्यालय छात्रों के लिए कैरियर और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान किया जाता है।
- दिव्यांग छात्रों को विशेष रूप से डिज़ाइन की गई घड़ी प्रदान किया गया।
- दिव्यांग विद्यार्थियों को व्हील चेयर प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय के प्रमाणित छात्रों को सहायता निधि प्रदान किया गया।
- विद्यार्थी मेडिकल बीमा के लिए छात्रों को सुविधा प्रदान प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए स्विमिंग पूल सुविधाएं प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए जिम सुविधाएं प्रदान किया गया।
- अंतर विभाग, अंतर भवन, अंतर विश्वविद्यालय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया गया।
- अंतर विभाग, अंतर भावना, अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनएसएस इकाइयों द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनएसएस इकाइयों द्वारा 3 दिवसीय ग्राम शिविर का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनएसएस इकाइयों द्वारा सफाई अभियान का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनएसएस इकाई द्वारा ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अध्याय-2

- विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा रेड रोड कोलकाता में गणतंत्र दिवस परेड, 2023 में भाग लिया।
- 21.01.2023. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा एक दिवसीय अग्निशमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 23.01.2023. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया।
- 15.11.2022. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा जन जातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया।
- 21.01.23. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा एनसीसी कैडेटों के लिए रैंक वितरण समारोह का आयोजन किया गया।
- 10.12.2022. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा एनसीसी नामांकन परीक्षा का आयोजन किया गया।
- 14.01.23. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा पुलवामा शहीद की याद में काला दिवस मनाया गया।
- 31.12.2022. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा विश्वभारती में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया गया।
- 26.07.22. विश्वभारती की एनसीसी इकाई द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया गया।
- 21.06.2022. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।
- विश्वभारती में इंटर स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
- इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के तैयारी हेतु विभिन्न खेलों के लिए 7 दिवसीय कोचिंग शिविर का आयोजन किया गया।

शिक्षकों, विद्वानों या संपूर्ण विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ (जैसे विशेष सहायता विभाग (डी.एस.ए.)

या उन्नत अध्ययन केंद्र (सी.ए.एस.), आदि के रूप में मान्यता):

- राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2023 में क्ले मॉडलिंग और मेहंदी में प्रथम स्थान।
- राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2023 में इंस्टालेशन में दूसरा स्थान।
- राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2023 में मिमिक्री और क्लासिकल वोकल में तीसरा स्थान।
- ईस्ट ज़ोन यूथ फेस्टिवल, 2022 में समग्र रूप से विजेता।
- ईस्ट ज़ोन यूथ फेस्टिवल, 2022 में ललित कला में विजेता।
- ईस्ट ज़ोन यूथ फेस्टिवल, 2022 में निम्नलिखित कार्यक्रमों शास्त्रीय गायन, भारतीय समूह गीत, रंगोली, मेहंदी और जुलूस में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- ईस्ट ज़ोन यूथ फेस्टिवल, 2022 में निम्नलिखित कार्यक्रमों, भाषण, शास्त्रीय वाद्ययंत्र (एकल), लोक नृत्य, इंस्टॉलेशन, स्पोर्ट पेंटिंग, वन एक्ट प्ले, मिमिक्री और डिबेट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ईस्ट ज़ोन यूथ फेस्टिवल, 2022 में क्ले मॉडलिंग और क्लासिकल डांस में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

- विश्वभारती ने किट विश्वविद्यालय में आयोजित एआईयू द्वारा आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय और अंतर-क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- विश्वभारती पुरुष और महिला एथलेटिक्स टीम ने एआईयू द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए उत्तीर्ण हुआ और केआईआईटी विश्वविद्यालय में आयोजित 16वां स्थान हासिल किया।
- विश्वभारती पुरुष वॉलीबॉल टीम ने प्री क्वालीफाइंग मैच खेल और केआईआईटी यूनिवर्सिटी में एआईयू द्वारा आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में पूल चैंपियन बनीं।
- विश्वभारती ने पहली बार महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया।
- विश्वभारती पुरुष क्रिकेट टीम ने केआईआईटी विश्वविद्यालय में एआईयू द्वारा आयोजित पूल क्वार्टरफाइनल के लिए उत्तीर्ण हुआ।
- सुब्रत बिशाल और प्रियंका मुखर्जी ने युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित एनएसएस राष्ट्रीय एकता शिविर, 2023 (18 और 24 फरवरी, 23) में भाग लिया।
- सुब्रत बिशाल और नसरीन खातून ने कल्याणी विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर, 2023 में भाग लिया।
- 27 अक्टूबर-नवंबर 5, 2022 को अतनु मंडल ने मनाली में अभीमस द्वारा आयोजित साहसिक कार्यक्रम में भाग लिया।
- दूसरे और तीसरे वर्ष के एनसीसी कैडेटों ने बोलपुर और कल्याणी में सीएटीसी और प्री-आरडीसी शिविर में भाग लिया।
- दूसरे और तीसरे वर्ष के एनसीसी कैडेटों ने बी और सी प्रमाणपत्र परीक्षा में भाग लिया।
- 10.01.2023-टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप द्वारा कोविड योद्धाओं को शुभकामनाएँ।
- डॉ. (लेफ्टिनेंट) अभिजीत थंडर ने विश्वभारती एनसीसी यूनिट के एएनओ के रूप में बोलपुर में सीएटीसी शिविर में भाग लिया।
- 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के अवसर पर दो छात्रों ने संसद में पुष्पांजलि में भाग लिया।

प्रकाशन:

- पीएसएनएस न्यूज़लैटर, 2022. 1:1

नए पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या या विभाग द्वारा शुरू किए गए किसी अन्य शिक्षण नवाचार का डिजाइन :

- निदेशक कार्यालय, पीएसएनएस ने योग और ध्यान अभ्यास शिविर का आयोजन किया।
- निदेशक कार्यालय, पीएसएनएस ने स्पोकन इंग्लिश पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

व्याख्यान श्रृंखला

विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला:

विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला की ओर से, विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क ने 6.4.2022, 19.05 को वर्चुअल, फिजिकल मोड और हाइब्रिड मोड (49वें - 57वें व्याख्यान और एक विशेष व्याख्यान से) से वार्ता श्रृंखला पर दस व्याख्यान (10) और एक वाद-विवाद सत्र की क्रमशः 2022, 11.07.2022, 20.07.2022, 25.07.2022, 29.07.2022, 01.08.2022, 16.09.2022, 18.11.2022, 06.02.2023 और 13.03.2023 को आयोजन हुआ। इस व्याख्यान श्रृंखला में देश और

दुनिया के विभिन्न हिस्सों के प्रसिद्ध डॉक्टर, शिक्षाविद, अभिनेता और प्रेरक वक्ता ने अपने विषयों के विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। इन व्याख्यानों में कुल 1416 प्रतिभागी शामिल हुए। सभी व्याख्यान यूट्यूब पर लिंक के माध्यम से उपलब्ध हैं - <https://www.youtube.com/@visvabhartilibrarynetwork9081.videos>

- 06.04.2022. "उदारवादी मुसलमान, लेकिन किसके लिए और किस उद्देश्य के लिए" प्रोफेसर टॉमस लिंग्रेन, धर्म मनोविज्ञान के प्रोफेसर, ऐतिहासिक, दार्शनिक और धार्मिक अध्ययन विभाग, उमिया विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 19.05.2022. "11वीं और 12वीं सदी में बंगाल में बौद्ध प्रतिमा विज्ञान" प्रो. क्लॉडाइन बौटज़-पिक्रॉन एक विद्वान और कला इतिहासकार और कला इतिहास और पुरातत्व के पूर्व संकाय, दर्शनशास्त्र और पत्र संकाय, लिब्रा डी ब्रुसेल्स विश्वविद्यालय, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में व्याख्यान दिया।
- 11.07.2022. श्री कबीर बेदी द्वारा प्रस्तुत "कम यात्रा वाली सड़क के जोखिम और पुरस्कार", फिल्म उद्योग में एक अंतरराष्ट्रीय स्टार और लेखक होने के साथ-साथ विश्वभारती के पूर्व छात्र।
- 20.07.2022 "इक्कीसवीं सदी में टैगोर की प्रासंगिकता कम हो रही है" विषय पर विश्वभारती, शांतिनिकेतन और ढाका, बांग्लादेश प्रत्येक से चार छात्रों/विद्वानों ने वाद-विवाद सत्र में भाग लिया। चर्चा का संयोजन कलकत्ता डिबेटिंग सर्कल के अध्यक्ष डॉ कुणाल सरकार और एक प्रतिष्ठित सलाहकार - कार्डियक सर्जरी द्वारा किया गया।
- 25.07.2022. "काली पूजा की अवधारणा" स्वामी सारदात्मानंद जी महाराज, रामकृष्ण मिशन द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 29.07.2022. "निदेशक का आशावाद सीईओ की बर्खास्तगी को कैसे प्रभावित करता है?" डॉ. जयदीप चौधरी वित्त के एसोसिएट प्रोफेसर ने जेम्स मैडिसन यूनिवर्सिटी, वर्जीनिया, यूएसए में व्याख्यान दिया।
- 01.08.2022. 'तमिल भारत' का 'मध्यकालीन' इतिहास: विजयनगर-पूर्व स्थिति' प्रोफेसर वेंकटसुब्रमण्यन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर द्वारा व्याख्यान दिया गया।

- 16.09.2022. "विश्वभारती की परंपरा और आधुनिकता" प्रोफेसर अमल कुमार मुखोपाध्याय, सेवानिवृत्त प्राचार्य और प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, प्रेसीडेंसी कॉलेज (अब प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय), कोलकाता द्वारा व्याख्यान दिया गया ।
- 18.11.2022. प्रोफेसर नीरजा ए गुप्ता, माननीय कुलपति, सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज (एसयूबीआईएस), सांची, एमपी द्वारा "श्रुति, स्मृति, इतिहास और महाकाव्य ग्रंथों पर आधारित प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में लोकतंत्र के शासी सिद्धांत" द्वारा व्याख्यान दिया गया ।
- 06.02.2023. "मशीन इंटेलेजेंस: क्यों और कैसे?" भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष पद्मश्री प्रोफेसर शंकर कुमार पाल; अध्यक्ष भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई); प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक, आईएसआई द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 13.03.2023. वैश्विक भारतीय अभिनेता, फिल्म-निर्माता, प्रेरक वक्ता और सर्वश्रेष्ठ लेखक श्री अनुपम खेर द्वारा "पावर ऑफ फेल्योर" पर व्याख्यान दिया।

संवाद: विश्वभारती व्याख्यान श्रृंखला:

विश्वभारती युवा शोधार्थी व्याख्यान श्रृंखला की ओर से, 19.04.2022, 25.05.2022 और 27.09.2022 को तीन व्याख्यान कॉन्फ्रेंस हॉल सेंट्रल पुस्तकालय में आयोजित किए गए हैं। सभी व्याख्यान यूट्यूब पर [https: लिंक के माध्यम से उपलब्ध हैं।](https://www.youtube.com/@visva-bharti3330.videos) [//www.youtube.com/@visva-bharti3330.videos](https://www.youtube.com/@visva-bharti3330.videos)

- 19.04.2022- डॉ. अमर्त्य मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक, संगीत-भवन, विश्वभारती द्वारा "टैगोर के नाटक का मंचन : क्राइसिस एंड केस्ट (रवीन्द्रनाटक के मञ्चानुविष्ट : अंकुश और मूकजिन्धान)" पर व्याख्यान दिया ।
- 25.05.2022- एस बालचंद्रन, एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा-भवन, विज्ञान संस्थान, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा "नवीकरणीय ऊर्जा - ग्रामीण भारत में बायोगैस और इसकी बाधाएं" पर व्याख्यान दिया।
- 27.09.2022- "डिवाइन गार्डनर" पर: रवीन्द्रनाथ और इंडो-अर्जेंटीना साहित्यिक लेनदेन, तुलनात्मक साहित्य के सहायक प्रोफेसर, तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा व्याख्यान दिया गया।

अध्याय - 3
शैक्षणिक पंचांग/कार्यक्रम
वर्ष : 2022-23
शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक

	कार्यक्रम	समय सारणी
1.	प्रवेश	
क)	यूजी पाठ्यक्रमों के प्रवेश फॉर्म और प्रॉस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध हैं। प्री-डिग्री (कक्षा-XI), स्नातकोत्तर, पीएचडी, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश फॉर्म और प्रॉस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध हैं।	06 अप्रैल, 2022 से 01 जून, 2022 से
ख)	यूजी के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि स्नातकोत्तर, पीएच.डी. के लिए ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि। प्री-डिग्री (कक्षा-XI), सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	26 जून 2022 06 जुलाई, 2022 28 जुलाई 2022
ग)	मेरिट सूची का ऑनलाइन प्रकाशन	22 अगस्त, 2022
	उम्मीदवारों की काउंसलिंग (प्री-डिग्री (कक्षा-XI), स्नातकोत्तर, पीएचडी प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम)	30 अगस्त, 2022 - 22 दिसंबर, 2022
	कक्षाओं का प्रारम्भ	भवन के अनुसार
घ)	प्रवेश परीक्षा - पीजी पाठ्यक्रम और उसके परिणाम	जुलाई 2022 - अगस्त 2022
ङ)	पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश	अगस्त 2022 - नवंबर 2022
2.	कक्षाओं का प्रारम्भ	
क)	पाठ -भवन और शिक्षा-सत्र (माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा)	02 जनवरी, 2022 (सत्र 2022-23 के लिए)
ख)	यूजी/पीजी-I, यूजी/पीजी III, V, VII और IX सेमेस्टर बी.एड., बी.पी.एड., एम.एड., एम.पी.एड	21 जुलाई, 2022 04 जुलाई, 2022 एनसीटीई तालिका के अनुसार
ग)	यूजी-II	01 अप्रैल, 2023

	यूजी-IV, VI, VIII पीजी-II, IV पाठ्यक्रम बी.एड., बी.पी.एड., एम.एड., एम.पी.एड	16 फरवरी 2023 17 फरवरी 2023 एनसीटीई तालिका के अनुसार		
3.	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एड. डिप्लोमा पाठ्यक्रम			
क)	प्रवेश और प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने और कक्षाओं की शुरुआत के लिए विज्ञापन [प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ एडवांस्ड . डिप्लोमा / पाठ्यक्रम (विदेशी और भारतीय) ललित कला में और ललित कला में ब्रिज पाठ्यक्रम)	विज्ञापन: 28 जुलाई 2022 प्रवेश प्रक्रिया: अक्टूबर-नवंबर 2022		
4.	अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरना			
क)	विद्यालय प्रमाणपत्र/प्री-डिग्री परीक्षा (वार्षिक)	SC-31.01.2023 to 14.02.2023 PD 18.01.2023 to 31.01.2023		
ख)	यूजी/पीजी सेमेस्टर-I परीक्षा	6.2.2023 से 24.2.2023		
ग)	यूजी/पीजी ऑड सेमेस्टर (व्यतीत सेम- I)	15.12.2022 से 5.1.2023		
घ)	यूजी/पीजी (फाइनल / टर्मिणल) सेमेस्टर	18.04.2023 से 30.04.2023		
ड)	यूजी/पीजी इभेन सेमेस्टर (व्यतीत टर्मिणल/ फाइनल सेमेस्टर)	26.06.2023 से 13.07.2023		
5.	आंतरिक मूल्यांकन अंक जमा करना			
		प्रथम परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक सप्ताह पहले तक परीक्षा अनुभाग में जमा किया जाता है।		
6.	परीक्षा			
क)	विद्यालय प्रमाणपत्र	02.03.2023 से 13.04.2023		
	प्री -डिग्री	28.02.2023 से 28.03.2023		
ख)	यूजी/पीजी सेमेस्टर-I	09.03.2023 से 31.03.2023		
ग)	यूजी/पीजी ऑड सेमेस्टर (व्यतीत सेम- I)	17.01.2023 से 10.02.2023		
घ)	यूजी/पीजी (फाइनल / टर्मिणल) सेमेस्टर	12.05.2023 से 28.05.2023		
ड)	एम.फिल (इभेन) सेमेस्टर (यदि कोई)	17.12.2022 से 22.12.2022		
7. क.	अवकाश	क) पहला सत्र (गर्मी छुट्टी)	ख) दूसरा सत्र (पूजा अवकाश)	ग) तीसरा सत्र (शीतकालीन अवकाश)
	पाठ -भवन और शिक्षा-सत्र	10.05.2022 से 09.06.2022	01.10.2022 से 26.10.2022	26.12.2022 से 31.12.2022
7.ख.	संकाय के लिए अवकाश			
क)	पहला सत्र - गर्मी छुट्टी	23.05.2022 से 30.06.2022		
ख)	दूसरा सत्र - पूजा अवकाश	11.10.2022 से 21.10.2022		
ग)	तीसरा सत्र - शीतकालीन अवकाश	26.12.2022 से 30.12.2022		
8.	परिणाम का प्रकाशन			
क)	स्कूल सर्टिफिकेट	15.05.2023		
ख)	प्री-डिग्री	28.04.2023		
ग)	यूजी एवं पीजी सेमेस्टर-I	10.08.2023		

अध्याय-3

घ)	यूजी एवं पीजी ऑड सेमेस्टर (सेम-I व्यतीत)	30.05.2023 (सेम-III), 17.04.2023 (सेम-V)
ङ)	यूजी पीजी (फाईनल/ टर्मिणल) सेमेस्टर	03.07.2023 (यु.जी-VI), 21.06.2023 (सेम-VIII, अप्रैल), 11.07.2023 (पीजी-IV)
च)	यूजी पीजी इभेन सेमेस्टर (टर्मिणल एवं फाइनल सेमेस्टर व्यतीत)	08.09.2023 (यु.जी-IV), 18.09.2023 (पीजी-II)
9. क)	शोधछात्र का चयन -विभागवार	01 जून, 2022
ख)	पीएच.डी कोर्स वर्क की शुरुआत	21 जुलाई, 2022

अध्याय 4

31.03.2023 तक छात्रों के आँकड़े

अकादमिक वर्ष 2022-23 में नए दाखिले

पाठ्यक्रम का नाम: स्नातक

कार्यक्रम	सामान्य				अनु.जाति				अनु.ज.जा.				ईडब्ल्यूएस			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
यूजी सत्र-I	314	359	1	674	117	68	0	185	37	18	0	55	36	34	0	70

कार्यक्रम	दिव्यांग				अ.पि.वर्ग				अल्पसंख्यक श्रेणी				नागरिकता			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
यूजी सत्र-I	14	7	0	21	137	64	0	201	73	35	0	108	641	543	1	1185

पाठ्यक्रम का नाम: स्नातकोत्तर

कार्यक्रम	सामान्य				अनु.जाति				अनु.ज.जा.				ईडब्ल्यूएस			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
पीजी सत्र - I	381	527	0	908	148	141	0	289	52	60	0	112	18	15	0	33

कार्यक्रम	दिव्यांग				अ.पि.वर्ग				अल्पसंख्यक श्रेणी				नागरिकता			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
पीजी सत्र - I	16	10	0	26	143	152	1	296	95	89	0	184	742	895	1	1638

पाठ्यक्रम का नाम: एम.फिल/पी.एच.डी

कार्यक्रम	सामान्य				अनु.जाति				अनु.ज.जा.				ईडब्ल्यूएस			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
पीएच.डी.	62	29	0	91	5	11	0	16	2	5	0	7	4	5	0	9

कार्यक्रम	दिव्यांग				अ.पि.वर्ग				अल्पसंख्यक श्रेणी				नागरिकता			
	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल	पु.	म.	ट्रा.	कुल
पीएच.डी.	3	0	0	3	17	7	0	24	9	7	0	16	90	57	0	147

पाठ्यक्रम का नाम: डिप्लोमा/ प्रमाणपत्र

	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		शारीरिक दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष (प्रमाणपत्र)	62	118	0	1	1	0	0	0	1	1	7	5	-	-	-	-
प्रथम वर्ष (प्रमाणपत्र)	28	24	7	2	0	2	0	0	4	5	1	0	-	-	-	-

स्कूल अनुभाग

छात्रों के आँकड़े

पाठ-भवन और मृणालिनी आनंद पाठशाला: 31.03.2023 तक छात्रों की संख्या

कक्षा	सामान्य		ईडब्ल्यूएस		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		शारीरिक दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता		निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
एमएपी प्रथम वर्ष	11	13	1	1	10	8	3	-			3	6	2	-				
एमएपी द्वितीय वर्ष.	9	6	5	1	7	7	2	5	1	-	9	8	5	1				
कक्षा -I	7	13	-	-	7	6	2	3	-	-	5	8	-	1				
कक्षा -II	11	10	1	2	9	11	3	3	-	-	11	13	4	-			12	15
कक्षा -III	16	22	4	3	10	15	3	4	-	-	15	13	7	-			11	13
कक्षा -IV	17	14	1	-	10	12	4	8	-	1	14	23	9	11			4	14
कक्षा -V	21	18	-	-	8	15	5	2	-	-	16	17	8	5			10	12
कक्षा -VI	17	22	-	-	12	14	5	5	-	-	18	12	7	7			8	16
कक्षा -VII	21	26	-	2	8	14	3	5	1	1	8	11	2	2			10	18
कक्षा -VIII	16	16	2	2	17	16	6	3	1	1	8	9	2	2			16	23
कक्षा -IX	15	26	1	1	12	12	4	3	-	1	16	16	5	5			20	26
कक्षा -X	25	22	-	-	13	8	4	4	1	1	7	5	5	3			20	18
कक्षा -XI	11	22	1	-	7	18	1	2	6	4	1	1	3	3			6	23
कक्षा -XII	17	20	2	1	10	16	2	5	-	-	7	9	7	5			17	27
कुल	199	250	18	13	140	172	47	52	10	9	138	138	66	45	0	0	134	205

शिक्षा-सत्र, छात्रों की सांख्यिकी

31.03.2023 तक छात्र संख्या:

कक्षा	सामान्य		अनु.जाति		अनु.ज.जा.		शारीरिक दिव्यांग		अ.पि.वर्ग		अल्पसंख्यक श्रेणी		नागरिकता	निवासी छात्र	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.		पु.	म.
केजी-I	08	01	06	02	02	00	00	00	05	02	03	00	भारतीय	0	0
केजी-II	09	08	06	07	04	00	00	01	07	05	04	02	भारतीय	0	0
कक्षा -I	03	06	03	02	01	02	00	00	04	04	00	01	भारतीय	0	0
कक्षा -II	05	02	03	04	02	00	00	01	04	03	01	00	भारतीय	0	0
कक्षा -III	09	08	05	09	02	02	00	01	06	07	06	03	भारतीय	0	0
कक्षा -IV	11	09	08	08	02	02	00	00	04	07	02	02	भारतीय	0	0
कक्षा -V	14	14	08	05	02	03	00	00	08	04	07	07	भारतीय	0	0
कक्षा -VI	18	25	14	12	04	03	00	00	14	09	09	08	भारतीय	0	0
कक्षा -VII	21	14	15	10	06	02	00	00	19	11	09	08	भारतीय	0	0
कक्षा -VIII	14	17	11	14	03	03	00	00	10	08	02	03	भारतीय	0	0
कक्षा -IX	14	26	12	06	02	07	00	00	06	13	04	02	भारतीय	0	0

अध्याय-4

कक्ष -X	15	22	08	10	02	03	00	00	11	08	07	02	भारतीय	0	0
कक्ष -XI	24	31	08	13	04	04	00	00	07	13	04	05	भारतीय	0	0
कक्ष-XII	29	24	10	10	07	02	00	00	10	12	08	02	भारतीय	0	0
कुल	194	207	117	112	43	33	00	03	115	106	66	45		0	0

अध्याय-5

वर्ष 2022-2023 के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों में से मद शीर्ष 'परिसर विकास' के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	कार्य का नाम	आबंटन	कार्यान्वयन
1	शांतिनिकेतन और श्रीनिकेतन क्षेत्र, विश्वभारती में मौजूदा सड़कों की मरम्मत/नवीनीकरण/सुधार	*30,00,000.00	इंजीनियरिंग विभाग, विश्व-भारती
2	विश्व-भारती के परिसर के विभिन्न स्थानों पर बाड़/सीमा दीवारें (जैसे बालीपारा, चिपकुथी, श्रीनिकेतन, दक्षिणपल्ली, आदि)	905000.00	
3	आम्रपाली गर्ल्स हॉस्टल, शांतिनिकेतन में रोशनी में सुधार	2700000.00	
4	रतनपल्ली मैदान (क्वार्टर क्षेत्र), शांतिनिकेतन में रोशनी में सुधार		
5	पुरानी गैर एलईडी स्ट्रीट लाइट फिटिंग के प्रतिस्थापन के लिए अतिरिक्त/नई एलईडी स्ट्रीट लाइट फिटिंग		
6	परिसर में स्ट्रीट लाइट चरणों के उन्नयन/विस्तार की लागत (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल को जमा की जाएगी)		
7	संगीत कला भवन के ईमारत के खुले कुएं सबमर्सिबल पंप से संगीत भवन कैटीन, शांतिनिकेतन, विश्व-भारती तक पीवीसी जल आपूर्ति का उन्नयन/बिछाने	1695000.00	
8	विनय-भवन, शारीरिक शिक्षा विभाग, विश्वभारती में स्विमिंग पूल के बोरवेल से स्टेडियम तक पीवीसी जल मुख्य लाइन का उन्नयन/बिछाना		
9	पुरबापल्ली बैचलर्स क्वार्टर, रथींद्र अतिथिगृह, माननीय उपाचार्य के नए निवास, शांतिनिकेतन, विश्व-भारती में 150/100/80 मिमी व्यास डीआई पाइप का उन्नयन/बिछाना		
10	एंड्रयूस्पल्ली, शांतिनिकेतन में ब्लॉक-ए, टाइप-III नए फ्लैटों के लिए जल निकासी व्यवस्था में सुधार	1205000.00	
11	पीएम अस्पताल, सेवापल्ली, शांतिनिकेतन के सामने नालियों का सुधार		

12	पी.एम. के सामने नालियों का सुधार अस्पताल - पुरबापल्ली बॉयज हॉस्टल के पीछे ईटों वाला नाला		
13	उत्तरायन बॉयज हॉस्टल, पथ भवन, शांतिनिकेतन की परिधि की दीवार/बाड़ लगाने की ऊंचाई में वृद्धि		
14	चारा क्षेत्र (डेयरी और पोल्ट्री फार्म के सामने), पीएसबी, श्रीनिकेतन में बाड़ की मरम्मत और ग्रिल गेट का निर्माण	600000.00	
15	दक्षिणपल्ली, शांतिनिकेतन में बाड़ लगाने की मरम्मत		
16	रतनपल्ली परिधि सीमा दीवार, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन के बाहर सड़क का सुधार	2050000.00	
17	विनय-भवन, शांतिनिकेतन में शारीरिक शिक्षा विभाग की मुख्य सड़क से व्यायामशाला तक सड़क का सुधार		
18	श्रीनिकेतन और शिक्षा भवन क्षेत्र, विश्व-भारती की सड़कों सहित मौजूदा परिसर की सड़कों की मरम्मत/नवीनीकरण/सुधार	3000000.00	
19	विश्वभारती के विभिन्न स्थानों पर रैंप का प्रावधान	500000.00	
20	दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विश्व-भारती के विभिन्न स्थानों पर स्पर्श मार्ग का प्रावधान/उन्नयन	250000.00	
21	सिंचाई उद्देश्य के लिए मोलडांगा, श्रीनिकेतन से सटे आरकेवीके संचालित फार्म क्षेत्र में नया विद्युत कनेक्शन	326768.00	
22	शारीरिक शिक्षा विभाग, विनय-भवन, शांतिनिकेतन में बास्केटबॉल ग्राउंड का नवीनीकरण	823000.00	
23	शांतिनिकेतन में भौतिकी विभाग में मुख्य भवन से एनेक्सी भवन तक शेड के साथ एक मार्ग का निर्माण	600610.00	
24	विनय-भवन में भूमिगत जलाशय, डेक फर्श की मरम्मत और स्विमिंग पूल की इमारत और चारदीवारी की पेंटिंग	802430.00	
25	विश्व-भारती परिसर, शांतिनिकेतन - के उत्तरन हॉस्टल के सामने- क्वार्टर नंबर 13, गुरुपल्ली और बायपास रोड के किनारे, एस.एम. सेन के घर के पास, आश्रम क्षेत्र के आसपास सीमा दीवार/बाड़ का निर्माण।	717415.00	

अध्याय-5

26	परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण सहित विश्व-भारती के उद्यान अनुभाग के तहत बागवानी में सुधार (कम से कम 2 साल के पालन अनुबंध के साथ)	700000.00	उद्यान अनुभाग विश्व-भारती
	कुल	15970223.00	

* + जीएसटी एवं एलडब्ल्यूसी जैसा लागू हो।

अध्याय – 6

जारी किये गए अनुदानों का विवरण और वार्षिक प्रतिवेदन के लिए व्यय

		2018-19 रु. लाख में	2019-20 रु. लाख में	2020-21 रु. लाख में	2021-22 रु. लाख में	2022-23 रु. लाख में
वेतन	प्रारंभिक जमा	2359.25	-349.69	-185.97	-95.37	-380.96
	अनुदान जारी	15231.46	21000.00	18488.32	18866.50	21058.00
	व्यय	17940.40	20836.28	18397.72	19512.09	20932.15
	जमा शेष	-349.69	-185.97	-95.37	-380.96	-255.10
आवर्ती	प्रारंभिक जमा	15.48	-115.79	-818.84	-586.64	-724.94
	अनुदान जारी	9114.52	10866.44	10601.19	9732.30	12641.00
	आंतरिक पावती	883.73	1231.61	1100.28	1348.88	1183.35
	व्यय	10129.52	12801.10	11469.27	11219.48	13456.14
	जमा शेष	-115.79	-818.84	-586.64	-724.94	-356.72
पूँजीगत सम्पत्ति	प्रारंभिक जमा	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	अनुदान जारी	1225.00	900.00	631.04	454.00	675.00
	व्यय	939.34	729.69	458.00	448.04	669.33
	जमा शेष	285.66	170.31	173.04	5.94	5.67

परिशिष्ट

परिशिष्ट -क

भवनों के अध्यक्ष

कुमार सं.	प्रिंसिपल के नाम	भवन का नाम
1.	प्रो अरुण कुमार बारिक	पीएसवी
2.	प्रो. सविता प्रधान	भाषा भवन
3.	प्रो. बिपाशा राहा	विद्या भवन
4.	प्रो. सुमंत कुमार मंडल	विनय-भवन
5.	प्रो. स्वपन राहा	शिक्षा-भवन
6.	प्रो. अरविंद मंडल	पीएसवी
7.	प्रो. बुद्धदेव दास	संगीत भवन
8.	प्रो. संजय कुमार मल्लिक	कला-भवन

पाठ-भवन एवं शिक्षा-सत्र

प्रिंसिपल

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	भवन का नाम
1.	बोधिरूपा सिन्हा गांगुली	पाठ भवन
2.	सिउली सिन्हा (प्रभारी)	शिक्षा-सत्र

परिशिष्ट -ख

अध्यक्ष, भाषा भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. मानबेंद्र नाथ साहा	बांग्ला
2.	प्रो. सुदेव प्रतिम बासु	अंग्रेज़ी
3.	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती	समन्वयक, सीएमईएलएलसीएस
4.	प्रो. निरंजन जेना	संस्कृत, पाली और प्राकृत
5.	डॉ. सुभाष चंद्र राय	हिन्दी
6.	प्रो. सबिता प्रधान	ओड़िया
7.	प्रो. नियाज अहमद खान	अरबी, फारसी, उर्दू इस्लामी अध्ययन
8.	प्रिंसिपल, भाषा-भवन	भारत-तिब्बतन अध्ययन
9.	डॉ. गीता ए. कीनी	जापानी
10.	डॉ. अविजीत बनर्जी	चीनी भाषा और संस्कृति
11.	प्रो अरुणा रंजन मिश्रा	बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी
12..	डॉ. दुखिया मुर्मू	प्रभारी, संताली विभाग
13.	प्रो. अमल पाल	टैगोर अध्ययन के समन्वयक
14.	डॉ. धीमान भट्टाचार्य	प्रो.-प्रभारी, तुलनात्मक साहित्य केंद्र

अध्यक्ष, विद्या भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. सौम्य चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र एवं राजनीति
2.	प्रो. विपाशा राहा	इतिहास
3.	प्रो. अनिल कुमार	एआईएचसी एवं ए
4.	प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती	भूगोल
5.	डॉ. अनूप बर्मन	दर्शन एवं तुलनात्मक धर्म

परिशिष्ट

6.	डॉ. मौसुमी भट्टाचार्य	प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र
7.	डॉ. अर्णव घोष	मानव विज्ञान
8.	अध्यक्ष, विद्या-भवन	प्रभारी, स्त्री अध्ययन केंद्र
9.	अध्यक्ष, विद्या-भवन	शिक्षा

अध्यक्ष, शिक्षा भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. तापस रॉय महापात्रा	गणित
2.	प्रो. अस्मिता सेन गुप्ता	भौतिक विज्ञान
3.	प्रो. गौतम ब्रह्मचारी	रसायन शास्त्र
4.	प्रो. स्वदेश रंजन बिश्वास	वनस्पति विज्ञान
5.	प्रो. दीपक कुमार मंडल	प्राणि विज्ञान
6.	प्रो. परमार्थ दत्ता	कंप्यूटर और प्रणाली विज्ञान
7.	प्रो. सुधांशु शेखर माइती	सांख्यिकी
8.	डॉ. निलांजना दास	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
9.	प्रो. प्रताप कुमार पाधी	पर्यावरण अध्ययन विभाग
10.	डॉ. सुशांत घोष	प्रभारी, एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (आईएसईआरसी)
11.	प्रो. प्रशांत कुमार चटर्जी	प्रभारी, गणित शिक्षा केंद्र, (सीएमई), शिक्षा-भवन

अध्यक्ष, विनय भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	डॉ. पार्थ प्रतिम सिकदार	शिक्षा
2.	प्रो. गोपाल चंद्र साहा	शारीरिक शिक्षा
3.	प्रो. सुमंत कुमार मंडल	योगिक कला एवं विज्ञान

अध्यक्ष, कला भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	डॉ. अंशुमान दासगुप्ता	कला का इतिहास
2.	डॉ. देबाशीष महालानबीश	डिज़ाइन
3.	श्री सुतनु चटर्जी	मूर्ति
4.	अर्च्यप्रिय मजूमदार	चित्र
5.	श्री अजीत सील	ग्राफिक कला

अध्यक्ष, संगीत भवन, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1	श्री मोहन कुमारन पी	रवींद्र संगीत, नृत्य एवं नाटक (आरएसडीडी)
2	प्रो. सव्यसाची सरखेल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एच.सी.एम.)

अध्यक्ष, पीएसबी, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1	डॉ. प्रवीर कुमार चौधुरी	शिल्प-सदन, पीएसबी
2	प्रो. अमित हाजरा	आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (आरईसी)
3	प्रो. अरविंद मंडल	सामाजिक कार्य, पीएसबी
4	प्रो. शांतनु रक्षित	पी.सी.के, पीएसबी

अध्यक्ष, पीएसबी, विश्वभारती

कुमार सं.	अध्यक्ष के नाम	विभाग
1.	प्रो. गणेश चंद्र मलिक	कृषि विज्ञान
2.	डॉ. पवित्र कुमार विश्वास	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान
3.	प्रो. अरुण कुमार बारिक	कृषि अभियंता, पीएसबी

परिशिष्ट

4.	डॉ. जयंत कुमार चटर्जी	पशु विज्ञान
5.	डॉ. जयदीप मंडल	बागवानी एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी
6.	डॉ. अनिदिता साहा	कृषि विस्तार
7.	प्रो. परेश चंद्र कोले	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन
8.	प्रो. अरुण कुमार बारिक	फसल शरीर क्रिया विज्ञान, पीएसबी
9.	प्रो. देबाशीष सरकार	कृषि अर्थशास्त्र
10.	प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य	कृषि सांख्यिकी
11.	प्रो. हीरक चटर्जी	कृषि कीट विज्ञान
12.	डॉ. रंजन नाथ	वनस्पति-रोगविज्ञान

परिशिष्ट –ग

परिदर्शक (आगंतुक) : श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की माननीय राष्ट्रपति
 प्रधान (रेक्टर) : डॉ. सी. वी. आनंद बोस, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल
 विश्वविद्यालय के सांविधिक अधिकारी
 (विश्वभारती अधिनियम, 1951 की धारा 12 एवं नियम 7 के अनुसार)

आचार्य (कुलाधिपति)	श्री नरेंद्र मोदी भारत के माननीय प्रधानमंत्री
उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
सह-उपाचार्य (प्रो-वाइस-चांसलर)	रिक्त
ग्रंथगारिका	डॉ. निमाई चांद साहा (कार्यकारी)
छात्र-परिचालक (कुलानुशासक)	प्रो. सुदेव प्रतिम बसु (स्थानापन्न)
निदेशक, ग्रंथन विभाग (कार्यकारी)	प्रो. अमृत सेन (कार्यकारी)
अध्ययन निदेशक, शैक्षिक नवाचार एवं सांस्कृतिक संबंध	रिक्त
संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंध निदेशक (कार्यकारी)	प्रो. अमल कुमार पाल (कार्यकारी)
निदेशक शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	प्रो. अमित हाजरा (कार्यकारी)
निदेशक, इंदिरा गांधी केंद्र	प्रो. चौधुरी हबीबुर रहमान (कार्यकारी)
कुलसचिव एवं पदेन सचिव न्यायालय, ईसी, एसी	श्री अशोक कुमार महतो (कार्यकारी)
वित्त अधिकारी	प्रो. प्रशांत कुमार घोष (कार्यकारी)
भवनों के अध्यक्ष/प्रिंसिपल	परिशिष्ट-क अनुसार

अन्य (विश्वविद्यालय के गैर-सांविधिक अधिकारी)

पद	नाम	कार्यालय/अनुभाग
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती	परीक्षा एवं विकास
संयुक्त कुलसचिव	श्री देबाशीष दत्त	उपाचार्य कार्यालय
संयुक्त कुलसचिव	श्री सौम्येन्द्र सेन	आईक्यूएसी
संयुक्त कुलसचिव	डॉ संजय घोष	लेखा
संयुक्त कुलसचिव	श्री अशोक कुमार महतो	संपदा एवं विधि प्रकोष्ठ
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. प्रशांत मेथ्राम	शैक्षिक एवं अनुसंधान

परिशिष्ट

संयुक्त वित्त अधिकारी	श्री गौरांग दत्त	छात्र कल्याण कार्यालय
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. प्रज्ञालंकार भिक्कु	आईक्यूएसी
विशेष अधिकारी	श्री नीलांजन बनर्जी	रवीन्द्र भवन
उप कुलसचिव	डॉ तन्मय नाग	प्रशासन एवं स्थापना
उप कुलसचिव	श्री प्रशांत कुमार घोष	आंतरिक लेखापरीक्षा
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	डॉ. अभिजीत थंडर (स्थानापन्न)	खेल बोर्ड
विश्वविद्यालय अभियंता	श्री अमित सेनगुप्ता	अभियंता
मुख्य चिकित्सा अधिकारी (कार्यकारी)	डॉ. अरिंदम चटर्जी	पीएम हॉस्पिटल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. आनंद मोहन दास	पीएम हॉस्पिटल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. अनिर्वाण दासगुप्ता	पीएम हॉस्पिटल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. मोहित साहा	पीएम हॉस्पिटल
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. सौमित्र सामंत	पीएम हॉस्पिटल
कार्यक्रम अधिकारी	डॉ. विकास माझी	आरईसी, श्रीनिकेतन
उप पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. पार्थ प्रतिम रॉय	पीएसबी पुस्तकालय
उप पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. तापस कुमार दास	कला-भवन पुस्तकालय
सहायक कुलसचिव	श्री सुरंजन घोष	परीक्षा
सहायक कुलसचिव	श्री दैबकीनंदन दास	लेखा
सहायक कुलसचिव	श्री उत्पल हाजरा	प्रशासन
सहायक कुलसचिव	श्री ब्रतिन रॉय	वित्त
सहायक कुलसचिव	श्री मलय सूत्रधर	केन्द्रीय क्रय अनुभाग, एचबीए एवं सांख्यिकी अनुभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिर्बान सरकार	ग्रंथन विभाग
सहायक कुलसचिव	श्री हिल्लोल मुखोपाध्याय	विधि प्रकोष्ठ एवं ऑनलाइन आरटीआई
सहायक कुलसचिव	श्री प्रदीप साहा	भर्ती
सहायक अभियंता	श्री अंसुमन विश्वास	अभियंता (सिविल)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सुश्री सबाहत नौशीन	रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री अजय कुमार शर्मा	चीना भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सनत भट्टाचार्य	शिक्षा भवन पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ कौशिक घोष	केंद्रीय पुस्तकालय
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री प्रदीप हेम्ब्रम	संगीत-भवन पुस्तकालय
हिन्दी अधिकारी	श्री गोपाल कुमार	हिंदी प्रकोष्ठ
सूचना वैज्ञानिक	श्री रामप्रसाद मजूमदार	केंद्रीय पुस्तकालय

परिशिष्ट

संग्रहाध्यक्ष	डॉ प्रदीप मंडल	रवीन्द्र-भवन
फोटोग्राफी अधिकारी	श्री सौरव चक्रवर्ती	रवीन्द्र-भवन

परिशिष्ट-घ

प्रोफेसर की सूची

कुमारसं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
1.	प्रो. मृणाल कांति मंडल	बांग्ला विभाग
2.	प्रो.अमल कुमार पाल	बांग्ला विभाग
3.	प्रो. सुदीप बसु	बांग्ला विभाग
4.	प्रो. अपर्णा रॉय (भट्टाचार्य)	बांग्ला विभाग
5.	प्रो. अम्रा बोस	बांग्ला विभाग
6.	प्रो. मानवेन्द्र नाथ साहा	बांग्ला विभाग
7.	प्रो. मानवेन्द्र मुखोपाध्याय	बांग्ला विभाग
8.	प्रो. देवारति बंद्योपाध्याय	अंग्रेजी विभाग
9.	प्रो अमृत सेन	अंग्रेजी विभाग
10.	प्रो. स्वाति गांगुली	अंग्रेजी विभाग
11.	प्रो. सुदेव प्रतिम बसु	अंग्रेजी विभाग
12.	प्रो. इंद्राणी दास	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र (इतालवी)
13.	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र (फ्रेंच)
14.	प्रो चक्रधर त्रिपाठी	हिन्दी विभाग
15.	प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी	हिन्दी विभाग
16.	प्रो शकुंतला मिश्र	हिन्दी विभाग
17.	प्रो. नरोत्तम सेनापति	संस्कृत विभाग
18.	प्रो अरुण मंडल	संस्कृत विभाग
19.	प्रो ललिता चक्रवर्ती	संस्कृत विभाग

20.	प्रो. अरुण रंजन मिश्र	संस्कृत विभाग
21.	प्रो जगताराम भट्टाचार्य	संस्कृत विभाग
22.	प्रो. निरंजन जेना	संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग
23.	प्रो. सबिता प्रधान	ओड़िआ विभाग
24.	प्रो. मनोरंजन प्रधान	ओड़िआ विभाग
25.	प्रो अविजीत बनर्जी	चीनी विभाग
26.	प्रो. गीता ए कीनी	जापानी विभाग
27.	प्रो. संजीव कुमार दास	भारत तिब्बती अध्ययन विभाग
28.	प्रो नियाज़ अहमद खान	अरबी फ़ारसी विभाग
29.	प्रो. वासिफ अहमद	अरबी विभाग
30.	प्रो. विभास च. झा	भूगोल विभाग
31.	प्रो मंजरी भट्टाचार्य	भूगोल विभाग
32.	प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती	भूगोल विभाग
33.	प्रो. सिराजुल इस्लाम	दर्शन एवं धर्म विभाग
34.	प्रो. अनिल कुमार	एआईएचसी एवं ए विभाग
35.	प्रो बिप्लव लोहा चौधरी	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
36.	प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी	इतिहास विभाग
37.	प्रो बिपाशा राहा	इतिहास विभाग
38.	प्रो. सैयद एज़ाज़ हुसैन	इतिहास विभाग
39.	प्रो. सरबजीत सेनगुप्ता	अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
40.	प्रो. सुदीप्त भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
41.	प्रो. अपूर्वा चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
42.	प्रो. सौम्य चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
43.	प्रो स्वपन राहा	गणित विभाग
44.	प्रो. प्रशांत चटर्जी	गणित विभाग
45.	प्रो. प्रशांत मंडल	गणित विभाग
46.	प्रो. तापस राँय महापात्र	गणित विभाग

परिशिष्ट

47.	प्रो. दिवेंदु बनर्जी	गणित विभाग
48.	प्रो. शुभाशीष रॉय	गणित विभाग
49.	प्रो. मदन मोहन पांजा	गणित विभाग
50.	प्रो. तारापद बाग	गणित विभाग
51.	प्रो. मानस माईती	भौतिकी विभाग
52.	प्रो. तापस कुंडू	भौतिकी विभाग
53.	प्रो. पीयूष कांति घोष	भौतिकी विभाग
54.	प्रो. स्वपन मंडल	भौतिकी विभाग
55.	प्रो. अस्मिता सेनगुप्ता	भौतिकी विभाग
56.	प्रो. आशीष भट्टाचार्य	भौतिकी विभाग
57.	प्रो विकास चंद्र गुप्ता	भौतिकी विभाग
58.	प्रो. असीम कुमार दास	रसायन शास्त्र विभाग
59.	प्रो प्राणेश चौधरी	रसायन शास्त्र विभाग
60.	प्रो प्रणव सरकार	रसायन शास्त्र विभाग
61.	प्रो. गौतम ब्रह्मचारी	रसायन शास्त्र विभाग
62.	प्रो स्वपन कुमार चंद्रा	रसायन शास्त्र विभाग
63.	प्रो. भवतोष मंडल	रसायन शास्त्र विभाग
64.	प्रो. गौरव कांति दास	रसायन शास्त्र विभाग
65.	प्रो आदिनाथ माझी	रसायन शास्त्र विभाग
66.	प्रो. विजय कृष्ण दलुई	रसायन शास्त्र विभाग
67.	प्रो. नारायण चंद्र मंडल	वनस्पति विज्ञान विभाग
68.	प्रो स्वदेश रंजन विश्वास	वनस्पति विज्ञान विभाग
69.	प्रो. सुब्रत मंडल	वनस्पति विज्ञान विभाग
70.	प्रो. चौधुरी हबीबुर रहमान	वनस्पति विज्ञान विभाग
71.	प्रो.अंशुमान चट्टोपाध्याय	प्राणीशास्त्र विभाग
72.	प्रो दीपक मंडल	प्राणीशास्त्र विभाग
73.	प्रो. समर कु. साहा	प्राणीशास्त्र विभाग

74.	प्रो. लारिषा एम. लिंडेम	प्राणी शास्त्र विभाग
75.	प्रो. सुदीप्त मैत्रा	प्राणी शास्त्र विभाग
76.	प्रो. आलोक कु. दत्त	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग
77.	प्रो. परमार्थ दत्त	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग
78.	प्रो. उत्पल राँय	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग
79.	प्रो. सुधांशु शेखर मैती	सांख्यिकी विभाग
80.	प्रो. प्रताप कुमार पद्मी	पर्यावरण विज्ञान विभाग
81.	प्रो. सुब्रत सिन्हा	एकीकृत विज्ञान विभाग
82.	प्रो. तथागत चौधुरी	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
83.	प्रो. दिलीप कुमार मित्र	चित्रकला विभाग
84.	प्रो. संजय कुमार मल्लिक	कला इतिहास विभाग
85.	प्रो. पंकज पंवार	मूर्तिकला विभाग
86.	प्रो. गौतम कु. दास	डिज़ाइन विभाग
87.	प्रो. शिशिर कुमार सहाना	डिज़ाइन विभाग, चीनी मिट्टी
88.	प्रो. इंद्राणी मुखोपाध्याय	रवीन्द्र संगीत विभाग, वी.बी.
89.	प्रो. वाई. हेमन्त कुमार	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक विभाग
90.	प्रो. कोन्जेंगबाम सुनीता देवी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक विभाग
91.	प्रो. श्रुति बंदोपाध्याय	आरएसडीडी विभाग
92.	प्रो. सव्यसाची सरखेल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
93.	प्रो. स्वपन कु. घोष.	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
94.	प्रो. बासबी मुखर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
95.	प्रो. बुद्धदेव दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
96.	प्रो. बेनुधर चिनारा	शिक्षा विभाग
97.	प्रो. कानु चरण साहू	शिक्षा विभाग
98.	प्रो. राजर्षि राय	शिक्षा विभाग
99.	प्रो. सुमंत्र कुमार मंडल	शारीरिक शिक्षा विभाग
100.	प्रो. समीरन मंडल	शारीरिक शिक्षा विभाग

परिशिष्ट

101.	प्रो गोपाल चंद्र साहा	शारीरिक शिक्षा विभाग
102.	प्रो. परेश च. कोले	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
103.	प्रो. अमिताव पॉल	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
104.	प्रो. हीरक चटर्जी	कृषि कीट विज्ञान विभाग
105.	प्रो सौविक घोष	ईईएस विभाग
106.	प्रो. सिद्धार्थ देब मुखोपाध्याय	कृषि विस्तार विभाग
107.	प्रो. देवासिस भट्टाचार्य	कृषि सांख्यिकी विभाग
108.	प्रो विधान चंद्र रॉय	कृषि अर्थशास्त्र विभाग
109.	प्रो.. देबाशीष सरकार	कृषि अर्थशास्त्र विभाग
110.	प्रो. गौतम कु. घोष	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान विभाग
111.	प्रो. अरुण कु. बारिक	कृषि विज्ञान विभाग
112.	प्रो विनय कुमार सोरेन	कृषि विज्ञान विभाग
113.	प्रो. गणेश च. मलिक	कृषि विज्ञान विभाग
114.	प्रो. बुद्धदेव दुआरी	कृषि विज्ञान विभाग
115.	प्रो. रंजन नाथ	पादप रोगविज्ञान विभाग
116.	प्रो स्नेहाशीष चक्रवर्ती	बागवानी एवं कटाई प्रौद्योगिकी विभाग
117.	प्रो. अरविंद मंडल	शिल्प सदन विभाग
118.	प्रो शांतनु रक्षित	पल्ली चर्चा केंद्र विभाग
119.	प्रो. प्रशांत कु. घोष	सामाजिक कार्य विभाग
120.	प्रो. अशोक कु. सरकार	सामाजिक कार्य विभाग
121.	प्रो. देबोतोष सिन्हा	सामाजिक कार्य विभाग
122.	प्रो अमित कुमार हाजरा	आर.ई.सी. विभाग
123.	प्रो सुजीत कुमार पॉल	आर.ई.सी. विभाग

सह प्रोफेसर की सूची

कुमारसं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
1.	डॉ. रोमित रॉय	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र (जर्मनी)
2.	डॉ. सौरव दास ठाकुर	अंग्रेजी
3.	डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता	अंग्रेजी एवं अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ/भाषा भवन
4.	डॉ. दीपंकर रॉय	अंग्रेजी एवं अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ/भाषा भवन
5.	डॉ. तपू विश्वास	अंग्रेजी एवं अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ/भाषा भवन
6.	डॉ. निर्मल कुमार मंडल	बांग्ला विभाग
7.	डॉ. रीता मोदक	बांग्ला विभाग
8.	डॉ. अतनु ससमल	बांग्ला विभाग
9.	डॉ. श्रीला बसु	बांग्ला/भाषा भवन
10.	डॉ. विश्वजीत रॉय	बांग्ला/भाषा भवन
11.	डॉ. मिलन कांति विश्वास	बांग्ला/भाषा भवन
12.	डॉ. हरेकृष्ण मिश्र	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
13.	डॉ. संजय कुमार मंडल	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
14.	श्रीमती तंद्रिमा पैट्रिया	चीना विभाग
15.	डॉ. सुभाष च. रॉय	हिन्दी/भाषा भवन
16.	डॉ. मैरी हांसदा	हिन्दी/भाषा भवन
17.	डॉ. बिप्लव रायचौधुरी	भौतिकी विभाग
18.	डॉ. अपर्णा साहा	भौतिकी विभाग
19.	डॉ. श्रीकांत सिल	भौतिकी विभाग
20.	डॉ. स्वपन कुमार मंडल	भौतिकी/शिक्षा भवन
21.	डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी	भौतिकी/शिक्षा भवन

परिशिष्ट

22.	डॉ. विधान चंद्र बाग	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
23.	डॉ. नाज़िन आरा बेगम	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
24.	डॉ. अलकनंदा हाजरा	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
25.	डॉ. मानस घोष	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
26.	डॉ. सोमा चुनरी	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
27.	डॉ. ज्ञानेंद्र रथ	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
28.	डॉ. सुशांत घोष	एकीकृत विज्ञान विभाग
29.	श्री तथागत मुखोपाध्याय	कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग
30.	डॉ. अमर प्रसाद मिश्र	गणित/शिक्षा भवन
31.	डॉ. अंजन कुमार भुइया	गणित/शिक्षा भवन
32.	डॉ. पुलक कुमार पात्रा	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन
33.	डॉ. एस. बालचंद्रन	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन
34.	डॉ. नीलांजना दास	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन
35.	डॉ. संतदास घोष	अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
36.	डॉ. विश्वजीत मंडल	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
37.	श्री अमित कुमार विश्वास	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
38.	डॉ. सौम्यदीप चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
39.	श्री अनूप बर्मन	दर्शन एवं धर्म विभाग
40.	डॉ. कौशिक भट्टाचार्य	दर्शन एवं धर्म विभाग
41.	डॉ. मंजरी चक्रवर्ती	दर्शन एवं धर्म विभाग
42.	डॉ. अर्पिता सेन	इतिहास विभाग
43.	डॉ. अमरेंद्र कुमार	इतिहास/विद्या भवन
44.	डॉ. सरिता खेत्री	एआईएचसी एवं ए विभाग
45.	डॉ. अर्णव घोष	मानवविज्ञान/विद्या भवन
46.	डॉ. अमित चटर्जी	भूगोल विभाग, विद्या भवन
47.	डॉ. मौसमी भट्टाचार्य	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
48.	श्री साक्षी गोपाल	डिज़ाइन विभाग

49.	श्रीमती बनतनवी दास महापात्रा	डिज़ाइन विभाग
50.	श्री देवाशीष महालनबिश	डिज़ाइन विभाग
51.	डॉ. सुमिताभा पॉल	मूर्तिकला विभाग
52.	सुतनु चटर्जी	मूर्तिकला विभाग
53.	डॉ. मतिलाल कलई	मूर्तिकला विभाग
54.	श्री अर्घ्य प्रिया मजूमदार	चित्रकला विभाग
55.	श्री राजर्षि विश्वास	चित्रकला विभाग
56.	श्री संचयन घोष	चित्रकला विभाग
57.	श्री प्रशांत साहो	चित्रकारी/कला भवन
58.	डॉ. अर्पण मुखर्जी	ग्राफिक कला विभाग
59.	श्री अजित सील	ग्राफिक कला विभाग
60.	डॉ. मेघाली गोस्वामी	कला इतिहास विभाग
61.	डॉ. अंशुमान दासगुप्ता	कला इतिहास / कला भवन
62.	श्री मोहन कुमारन पी.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक विभाग
63.	श्री प्रशांत कुमार घोष	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक विभाग
64.	डॉ. जयंत कुमार चटर्जी	पशु विज्ञान विभाग
65.	डॉ. पबित्र कुमार विश्वास	सामाजिक विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग
66.	श्रीमती सुचंदा मंडल	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग
67.	डॉ. वासुदेव राव.वाई	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग
68.	डॉ. अनिदिता साहा	कृषि विस्तार विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
69.	डॉ. गौतम मंडल	बागवानी विभाग और कटाई प्रौद्योगिकी विभाग
70.	डॉ. जयदीप मंडल	बागवानी एवं कटाई प्रौद्योगिकी विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
71.	डॉ. कालीपद प्रमाणिक	कृषि विज्ञान विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
72.	डॉ. महुआ बनर्जी	कृषि विज्ञान विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
73.	श्री. स्वपन कुमार मैती	कृषि विज्ञान विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
74.	डॉ. राम प्रसाद दास	सामाजिक कार्य विभाग
75.	डॉ. परमिता रॉय (चौधुरी)	सामाजिक कार्य विभाग

परिशिष्ट

76.	श्री विशाल सी भांड	शिल्प सदन विभाग
77.	डॉ. शंकर राय मौलिक	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
78.	डॉ. आशीष कुमार मित्र	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
79.	डॉ. प्रवीर कुमार चौधुरी	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
80.	श्री सांतनु जेना	शिल्प सदन विभाग
81.	डॉ. एम. अलंकार मासिलामणि	पल्ली चर्चा केंद्र विभाग
82.	डॉ. रथींद्र नाथ प्रामाणिक	पल्ली चर्चा केंद्र विभाग
83.	डॉ. सुदर्शन विश्वास	शारीरिक शिक्षा विभाग
84.	डॉ. महेश स्वेता खेतमालिश	शारीरिक शिक्षा विभाग
85.	डॉ. श्यामसुंदर बैराग्य	शिक्षा विभाग
86.	डॉ. पार्थ प्रतिम सिकदार	शिक्षा/विनय भवन

सहायक प्रोफेसर की सूची

कुमारसं.	संकाय का नाम	विभाग / भवन
1.	डॉ अतीकुर रहमान	अरबी/भाषा भवन
2.	श्री सेंथिल प्रकाश. एस	तमिल/भाषा भवन
3.	श्री रणवीर सुमेध भगवान	मराठी/भाषा भवन
4.	डॉ पायल मुखर्जी	बांग्ला/भाषा भवन
5.	डॉ नीलरतन सरकार	बांग्ला/भाषा भवन
6.	श्रीमती संगीता सैकिया	असमिया/भाषा भवन
7.	श्रीमती नीलांजना भट्टाचार्य	भाषा एवं तुलनात्मक साहित्य/भाषा भवन

8.	श्रीमती सोमा मुखर्जी	तुलनात्मक साहित्य/भाषा भवन
9.	डॉ. धीमान भट्टाचार्य	तुलनात्मक साहित्य/भाषा भवन
10.	श्रीमती हेम कुसुम	चीनी/भाषा भवन
11.	श्री आत्रेय भट्ट	चीनी/भाषा भवन
12.	डॉ. देवदास कुंडू	चीनी/भाषा भवन
13.	श्री चिरंजीव सिन्हा	चीनी/भाषा भवन
14.	डॉ. शाओना बारिक	अंग्रेजी एवं अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ / भाषा भवन
15.	डॉ. उषम रोजियो सिंह	अंग्रेजी एवं अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाएँ / भाषा भवन
16.	श्री सुभाष कुमार ठाकुर	सीएमईएल एवं सीएस (रूसी)/भाषा भवन
17.	श्री निपुण नूतन	सीएमईएल एवं सीएस (फ्रेंच)/भाषा भवन
18.	सुश्री सुनीता आचार्य	सीएमईएल एवं सीएस (रूसी)/भाषा भवन
19.	डॉ. रुबेन फिलिप मैथ्यू	सीएमईएल एवं सीएस (जर्मनी)/भाषा भवन
20.	डॉ. अर्जुन कुमार	हिन्दी/भाषा भवन
21.	डॉ. जगदीश भगत	हिन्दी/भाषा भवन
22.	डॉ. श्रुति कुमुद	हिन्दी/भाषा भवन
23.	डॉ. सुकेश लोहार	हिन्दी/भाषा भवन
24.	डॉ. शेडुप तेनज़िन	भारत तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन
25.	श्रीमती प्रकृति चक्रवर्ती	भारत तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन
26.	डॉ. सोनम जंगपो	भारत तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन
27.	डॉ. नोरबू ग्यालत्सेन नेगी	भारत तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन
28.	डॉ. अजय कुमार दास	जापानी/भाषा भवन
29.	डॉ. सुदीप्त दास	जापानी/भाषा भवन
30.	डॉ. अलीउल अजीम	जापानी/भाषा भवन
31.	सुश्री अर्पिता पॉल	जापानी/भाषा भवन
32.	श्रीमती प्रमिला पाटुलिया	ओड़िआ/भाषा भवन
33.	डॉ. शरत कुमार जेना	ओड़िआ/भाषा भवन

परिशिष्ट

34.	डॉ. रवीन्द्र कुमार दास	ओडिआ/भाषा भवन
35.	डॉ. इंद्रमणि साहू	ओडिआ/भाषा भवन
36.	डॉ. धनेश्वर मांझी	संताली/भाषा भवन
37.	डॉ. दुखिया मुर्मू	संताली/भाषा भवन
38.	श्री मंसाराम मुर्मू	संताली/भाषा भवन
39.	श्री तपन सोरेन	संताली/भाषा भवन
40.	डॉ. रामू हेम्ब्रम	संताली/भाषा भवन
41.	डॉ. गार्गी भट्टाचार्य	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
42.	डॉ. प्रीतिलक्ष्मी स्वैन	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
43.	डॉ. राम प्रमल कुमार	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
44.	बिष्णु पद पाल	संस्कृत पाली एवं प्राकृत/भाषा भवन
45.	डॉ. बीना गांधी देवरी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
46.	डॉ. के. मावली राजन	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
47.	डॉ. सुचिरा रॉयचौधुरी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
48.	सुश्री सुजाता रक्षित	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
49.	डॉ. एल. एल. सिमटे	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
50.	डॉ. सबर्नी प्रमाणिक नायक	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
51.	डॉ. सुकेन शाह	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व/विद्या भवन
52.	डॉ. अचिरांशु आचार्य	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
53.	डॉ. उत्तम कुमार सिकंदर	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
54.	श्री विश्वजीत हलधर	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
55.	श्रीमती अनामिका मोक्तान	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
56.	डॉ. प्रिया व्रत दत्त	अर्थशास्त्र एवं राजनीति/विद्या भवन
57.	डॉ. माधवेंद्र सिन्हा	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन (अर्थ.)

58.	श्रीमती देवाश्री पाल	अर्थशास्त्र एवं राजनीति / विद्या भवन (राजनीति विज्ञान)
59.	श्री अरुणाभ दास	इतिहास/विद्या भवन
60.	श्री सुभायु चट्टोपाध्याय	इतिहास/विद्या भवन
61.	डॉ. सव्यसाची दासगुप्ता	इतिहास/विद्या भवन
62.	डॉ. सुधी मंडोली	इतिहास/विद्या भवन
63.	डॉ अतिग घोष	इतिहास/विद्या भवन
64.	डॉ विद्युत पातर	इतिहास/विद्या भवन
65.	श्रीमती संहिता चटर्जी	पत्रकारिता एवं जनसंचार/विद्या भवन
66.	डॉ. सुरहीता बसु	पत्रकारिता एवं जनसंचार/विद्या भवन
67.	डॉ. अर्पण पॉल	पत्रकारिता एवं जनसंचार/विद्या भवन
68.	डॉ मौसमी रॉय	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन
69.	डॉ. एम.पी. टेरेस सैमुअल	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन
70.	डॉ रेखा ओझा	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन
71.	श्रीमती फरहा नाज़	धर्म/विद्याभवन
72.	श्री शुभ्रा ज्योति दास	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन
73.	श्री सुजय मंडल	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन
74.	डॉ इप्सिता सरकार	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन (दर्शन)
75.	डॉ. मुरुगेसन ए	दर्शन एवं धर्म/विद्या भवन (दर्शन)
76.	श्री भैरू लाल यादव	भूगोल/विद्या भवन
77.	डॉ. कृष्णेंदु गुप्ता	भूगोल/विद्या भवन
78.	श्रीमती सुदीप्त सरकार	भूगोल/विद्या भवन
79.	डॉ. रघुनाथ पाल	भूगोल/विद्या भवन
80.	डॉ. ज्योति रतन घोष	मानवविज्ञान/विद्या भवन
81.	डॉ. रंग्या गचुई	मानवविज्ञान/विद्या भवन
82.	डॉ. सिपोय सर्वेश्वर	मानवविज्ञान/विद्या भवन
83.	डॉ प्रसेनजीत साहा	शिक्षा/विनय भवन
84.	डॉ शिल्पी घोष	शिक्षा/विनय भवन

परिशिष्ट

85.	डॉ. अदानी लोखो	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
86.	डॉ. हेमा गुप्ता (जोशी)	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
87.	डॉ. बोम्बा दाम	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
88.	डॉ. नंदलाल मंडल	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
89.	डॉ. अंजलिका मैथी रॉय	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
90.	डॉ. अनिंद्य विश्वास	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
91.	डॉ. शुभ्रांशु मंडल	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन
92.	डॉ. जॉली बसाक	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन
93.	डॉ. नरोत्तम दे	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन
94.	डॉ. समीरन साहा	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन
95.	डॉ. सौम्या ससमल	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन
96.	श्रीमती बुला सिंह	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
97.	डॉ. मोथिन शेख	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
98.	डॉ. विश्वजीत दे	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
99.	डॉ. कार्तिक च. भौमिक	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
100.	डॉ. सुदीप कुमार मंडल	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
101.	डॉ. पृथ्वीदीपा साहू	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
102.	श्री बिप्लव राजवंशी	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
103.	डॉ. सौरव बनर्जी	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
104.	श्री अशोक मण्डी	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
105.	डॉ. प्रदीप दे	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
106.	डॉ. ध्रुवज्योति मंडल	रसायन शास्त्र/शिक्षा भवन
107.	डॉ. महाश्वेता नंदी	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन
108.	डॉ. स्वपन कुमार पंडित	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन
109.	डॉ. नीलांजन बंद्योपाध्याय	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन
110.	डॉ. गिरीश ए	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन
111.	डॉ. कल्याण हांसदा	गणित/शिक्षा भवन

112.	डॉ. लक्ष्मी नारायण गुइन	गणित/शिक्षा भवन
113.	श्री निखिल पाल	गणित/शिक्षा भवन
114.	डॉ सौगत विश्वास	गणित/शिक्षा भवन
115.	डॉ बिपुल पाल	गणित/शिक्षा भवन
116.	श्री अरणि चक्रवर्ती	भौतिकी/शिक्षा भवन
117.	श्री सुभाष चंद्र टुडू	भौतिकी/शिक्षा भवन
118.	डॉ सुभाशीष रॉय	भौतिकी/शिक्षा भवन
119.	श्री आदित्य सो मंडल	भौतिकी/शिक्षा भवन
120.	डॉ. अमिताभ बंद्योपाध्याय	भौतिकी/शिक्षा भवन
121.	डॉ विश्वजीत पांडे	भौतिकी/शिक्षा भवन
122.	डॉ. सुदीप्त दास	भौतिकी/शिक्षा भवन
123.	डॉ. राजकुमार सिंह	भौतिकी/शिक्षा भवन
124.	डॉ. अनघ चक्रवर्ती	भौतिकी/शिक्षा भवन
125.	डॉ. स्वरूप कुमार माजी	भौतिकी/शिक्षा भवन
126.	डॉ. जगदीश चंद्र महतो	भौतिकी/शिक्षा भवन
127.	डॉ रोहित कुमार	भौतिकी/शिक्षा भवन
128.	डॉ. अरिंदम चक्रवर्ती	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
129.	डॉ तीर्थकर घोष	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
130.	डॉ. सरन इशिका मैती	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
131.	श्री सौमाल्य मुखोपाध्याय	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
132.	श्री सौरव राणा	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
133.	डॉ. देवाशीष चटर्जी	सांख्यिकी/शिक्षा भवन
134.	डॉ. सुरज्या कुमार सैकिया	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन
135.	डॉ. राकेश कुंडू	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन
136.	डॉ. सुतापा मुखर्जी	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन
137.	डॉ. विनोद कुमार चौहान	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन
138.	डॉ. रितिक देव	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन

परिशिष्ट

139.	डॉ. सुशील कुमार साहू	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन
140.	श्रीमती काकली दत्त	कंप्यूटर विज्ञान/शिक्षा भवन
141.	श्री सुभाशीष बनर्जी	कंप्यूटर विज्ञान/शिक्षा भवन
142.	श्रीमती संचिता पाल चौधुरी	कंप्यूटर विज्ञान/शिक्षा भवन
143.	श्री मधुसूदन पाल	कंप्यूटर विज्ञान/शिक्षा भवन
144.	श्री देवादित्य बर्मन	कंप्यूटर विज्ञान/शिक्षा भवन
145.	डॉ. सुशील कुमार	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन
146.	श्री मैडी लिंगा	डिज़ाइन/कला भवन
147.	श्री देवाशीष दास	डिज़ाइन/कला भवन
148.	श्रीमती अर्चना दास	डिज़ाइन/कला भवन
149.	श्रीमती भवन खजूरिया बसुमतारी	डिज़ाइन/कला भवन
150.	श्री अनुपम चौधुरी	डिज़ाइन/कला भवन
151.	श्री पिनाकी गायन	डिज़ाइन/कला भवन
152.	श्री सलिल सहनी	ग्राफिक कला/कला भवन
153.	डॉ. उत्तम कुमार बसाक	ग्राफिक कला/कला भवन
154.	श्री मोडरंगथेम थॉमस सिंह	ग्राफिक कला/कला भवन
155.	श्री प्रशांत फिरंगी	ग्राफिक कला/कला भवन
156.	डॉ. अदिति गनीव सांगवान	ग्राफिक कला/कला भवन
157.	श्री सौमिक नंदी मजूमदार	कला इतिहास / कला भवन
158.	डॉ. ऋषव गंधार नारज़ारी	कला इतिहास / कला भवन
159.	श्री एस. संतोष कुमार	कला इतिहास / कला भवन
160.	श्री अम्बरीश नंदन	चित्रकारी/कला भवन
161.	शेख साहजहां	चित्रकारी/कला भवन
162.	श्रीमती धरित्री बोरो	चित्रकारी/कला भवन
163.	श्री कुमार जसकिया	चित्रकारी/कला भवन
164.	श्री कमल धर	मूर्तिकला / कला भवन
165.	श्री ऋषि वरुआ	मूर्तिकला / कला भवन

166.	श्री अमित कुमार धारा	मूर्तिकला / कला भवन
167.	श्री लवनशाइभा खरमवलोग	मूर्तिकला / कला भवन
168.	सज्जाद हुसैन हमदानी	मूर्तिकला / कला भवन
169.	श्री तापस चटर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
170.	श्रीमती छाया रानी मंडल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
171.	श्री मनोजित मल्लिक	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
172.	श्री संदीप कुमार घोष	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
173.	डॉ. इशिता चक्रवर्ती	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
174.	श्री रणजीत दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत-भवन
175.	डॉ. अमित कुमार वर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
176.	श्री सीताराम दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
177.	श्री अनिमेष चन्द्र चन्द्र	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
178.	श्री सुभायु सेन मजूमदार	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
179.	श्री अबीर सिंह खंगुरा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
180.	श्री आलोक बनर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
181.	डॉ. मनोज कुमार शर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
182.	डॉ. रंजिनी रामचन्द्रन	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत / संगीत भवन
183.	श्री पी. मुकुंद कुमार	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
184.	श्री सुमित बसु	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
185.	श्री बसंत मुखर्जी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
186.	श्री राजेश मेनन. एन	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
187.	श्रीमती अर्पिता दत्त (नी दास)	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
188.	श्री सुचिन्द्रनाथन पी.के.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
189.	श्री राजेश के.वी.	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
190.	डॉ. नंदिता बसु सर्वाधिकारी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
191.	डॉ. मानिनी मुखोपाध्याय	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
192.	श्री सप्तर्षि राय	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन

परिशिष्ट

193.	डॉ सुरजीत रॉय	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
194.	श्री मानस भूल	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
195.	श्रीमती टी.ज्ञानपति देवी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
196.	श्री एन.पी. शंकरनारायण	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
197.	डॉ. अमर्त्य मुखर्जी	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
198.	डॉ बिप्लव विश्वास	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
199.	डॉ मृत्युंजय कुमार प्रभाकर	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
200.	श्री शुवंकर मंडल	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
201.	श्री सुमन भट्टाचार्य	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
202.	श्री कौस्तव कर्मकार	रवीन्द्र संगीत नृत्य एवं नाटक / संगीत भवन
203.	डॉ. नारायण चंद्र सरकार	कृषि विज्ञान विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
204.	डॉ. प्रीतम घोष	कृषि विज्ञान विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
205.	डॉ. माणिक चंद्र कुंडू	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग
206.	डॉ. उमालक्ष्मी थिंगुजम	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग
207.	डॉ. निहार रंजन चक्रवर्ती	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
208.	डॉ. संदीप देवनाथ	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
209.	डॉ. देवाशीष पांडा	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन और फसल शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
210.	डॉ. सानंद मंडल	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन और फसल शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
211.	डॉ. किशोर च. स्वाइन	कृषि अभियांत्रिकी विभाग
212.	डॉ. एल.हेंगशिंग	कृषि अभियांत्रिकी विभाग
213.	डॉ. दर्शन एनपी	कृषि विस्तार
214.	डॉ पलाश मंडल	पौध संरक्षण विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
215.	डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य	पौध संरक्षण विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
216.	डॉ मोहन कुमार विश्वास	पौध संरक्षण विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
217.	डॉ भोलानाथ मंडल	पौध संरक्षण विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
218.	श्री विवेक कुमार खरे	पौध संरक्षण विभाग/पल्ली शिक्षा भवन

219.	डॉ. प्रहलाद देव	बागवानी एवं कटाई प्रौद्योगिकी विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
220.	डॉ. दिग्विजय सिंह धाकरे	कृषि सांख्यिकी विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
221.	डॉ. कादर अली सरकार	कृषि सांख्यिकी विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
222.	डॉ. अशोक मुखर्जी	शारीरिक शिक्षा/(पीएसबी)
223.	डॉ. बितान मंडल	कृषि अर्थशास्त्र विभाग/पल्ली शिक्षा भवन
224.	डॉ. सुश्री आरती	कृषि अर्थशास्त्र विभाग / पल्ली शिक्षा भवन
225.	श्री सुब्रत गोरई	कृषि अर्थशास्त्र विभाग / पल्ली शिक्षा भवन
226.	श्रीमती श्यामली सेनगुप्ता	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
227.	श्रीमती जया बोरो	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
228.	श्री मनोज कुमार प्रजापति	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
229.	श्री आशीष घोष	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
230.	श्री नव कुमार माझी	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
231.	श्री देव कुमार दास	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
232.	श्री मृणाल कांति सरकार	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
233.	श्रीमती सुकन्या चटर्जी	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
234.	डॉ. तनिमा भट्टाचार्य	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग
235.	डॉ. सुकुमार पाल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
236.	श्रीमती सुदेशना साहा	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
237.	श्री नीलमणि जायसवाल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
238.	डॉ. सुस्मिता पटेल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
239.	डॉ. सुभश्री सान्याल	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
240.	श्री फिरदौस बरभुइया	सामाजिक कार्य / पल्ली संगठन विभाग
241.	डॉ. सुभ्रांगशु संतरा	आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार / पल्ली संगठन विभाग
242.	डॉ. सुमन सरकार	सांख्यिकी/पीसीके
243.	डॉ. के.सी. पाणिग्रही	ग्रामीण विकास
244.	डॉ. सनत कुमार रथ	शिक्षा/विनय भवन

परिशिष्ट

245.	डॉ. प्रहलाद रॉय	शिक्षा/विनय भवन
246.	डॉ. चित्रलेखा माइती	शिक्षा/विनय भवन
247.	सुश्री सरिता	शिक्षा/विनय भवन
248.	श्रीमती शर्मिला यादव	शिक्षा/विनय भवन
249.	श्री उमाकांत प्रसाद	शिक्षा/विनय भवन
250.	श्रीमती सौमी मंडल	शिक्षा/विनय भवन
251.	डॉ. अभिजीत थंडर	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
252.	डॉ. सेंटु मित्रा	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
253.	डॉ कल्लोल चटर्जी	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
254.	डॉ. लिप्सी जॉन एल	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
255.	सुश्री रेखा निंगथौजम	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
256.	डॉ अवशेष सुब्बा	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
257.	डॉ विश्वनाथ सुंदर	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन
258.	डॉ. सुश्री परिचिति साहा	योग एवं कला/विनय भवन
259.	श्री रूपेश कुमार	योग एवं कला/विनय भवन
260.	डॉ तनुश्री पॉल	स्त्री अध्ययन केंद्र

सहायक व्याख्याता, पाठ-भवन

क्र.सं.	सहायक व्याख्याता का नाम
1.	बोधिरूपा सिन्हा
2.	चंद्राणी मुखर्जी
3.	सोनाली चक्रवर्ती (मजूमदार)
4.	तारित रॉयचौधुरी
5.	निलय रे
6.	राखी सरकार
7.	हराधन सोरेन

क्र.सं.	सहायक व्याख्याता का नाम
8.	अनुराधा साहा
9.	निबिर कुमार घोष
10.	देबलीना दलाल
11.	समीर देबनाथ
12.	सुरोजीत सेन
13.	अमिताभ मुखर्जी
14.	सारदा बसु मुखोपाध्याय
15.	श्रीमयी घोष
16.	संगीता हेम्रम
17.	सुरंजीमा साहा
18.	अल्पना धीबर
19.	अनिदिता अग्रवाल
20.	सुभ्रांगसु सेन
21.	तारक नाथ साहा
22.	पत्रलेखा दत्त सरकार
23.	मधुसूदन मंडल
24.	सुतापा साहा
25.	नम्रता भट्टाचार्य
26.	जतींद्र नाथ राउल
27.	कुमार विक्रान्त बसाक
28.	बुलबुल कोनार
29.	सुचित चक्रवर्ती
30.	अनिमेष घोष
31.	छत्रपति मुर्मू
32.	लोपामुद्रा सेन
33.	अनिलबरन मंडल

परिशिष्ट

क्र.सं.	सहायक व्याख्याता का नाम
34.	किशोर भट्टाचार्य
35.	शिल्पी मुखर्जी
36.	सर्वरी दत्त
37.	चैताली घोषाल
38.	रूमा दास हाजरा
39.	दीपाली घोष
40.	श्रावणी भट्टाचार्य
41.	जयन्त मंडल
42.	प्रीति सी. नार्टियांग
43.	विश्वजीत वीर
44.	प्रिया हलदर
45.	सुतापा प्रमाणिक मजूमदार
46.	पार्थ प्रतिम रॉय
47.	पार्थ चक्रवर्ती

सहायक व्याख्याता, शिक्षा-सत्र

क्र.सं.	सहायक व्याख्याता का नाम
1.	पार्थ सारथी चटर्जी
2.	संदीप कुमार भक्त
3.	सिउली सिन्हा (घोष)
4.	तमाली मजूमदार
5.	सौमेन सेनगुप्ता
6.	सुब्रत सिन्हा
7.	मिताली दे सरकार
8.	कंचन दासगुप्ता
9.	देबब्रत बारात

10.	वंदना हाजरा
11.	गणेश मंडल
12.	मोहम्मद मोजहरुल हामिद
13.	दिव्येंदु मंडल
14.	तृप्ति घोष
15.	जयश्री मैती
16.	निबेदिता साहा
17.	अरूप भट्टाचार्य
18.	शंपा रॉय
19.	संगीता सरकार
20.	विश्वदीप दास
21.	प्रदीप सोरेन
22.	सोमनाथ मेहेता
23.	गौतम साहा
24.	कृष्णेंदु दे
25.	रूद्र प्रसाद सिन्हा
26.	गिरीश चंद्र देहुरी
27.	इकबाल जहांगीर
28.	प्रिया पाठक
29.	शुभ्रज्योति दत्ता
30.	सुदीप्त सेन
31.	सुमंत दास
32.	श्रीनिवाश घोष
33.	अंजलि दास (पाल)
34.	गोपीनाथ मंडल
35.	सुमन चक्रवर्ती
36.	ऋतुपर्णा चार

परिशिष्ट-ड

01-04-2022 से 31-03-2023 तक संसद (कोर्ट) के सदस्य

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(i)	आचार्य (कुलाधिपति)	श्री नरेंद्र मोदी
(ii)	उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
(iii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त
(iv)	अध्ययन, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण के निदेशक	रिक्त
(v)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंधों के निदेशक	रिक्त
(vi)	निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	रिक्त
(vii)	भवनों के अध्यक्ष	1. अध्यक्ष, भाषा भवन
		2. अध्यक्ष, विद्या भवन
		3. अध्यक्ष, शिक्षा भवन
		4. अध्यक्ष, कला भवन
		5. अध्यक्ष, संगीत भवन
		6. अध्यक्ष, पाठ भवन
		7. अध्यक्ष, पल्ली संगठन भवन
		8. अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग
		9. अध्यक्ष, विनय भवन
		10. अध्यक्ष, शिक्षा सत्र
(viii)	ग्रंथागारिक (पुस्तकालयाध्यक्ष)	पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय
(ix)	छात्र-परिचालक (कुलानुशासक)	कुलानुशासक

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
(x)	पल्ली संगठन विभाग के अध्यक्ष	
(xi)	ग्रंथन विभाग के अध्यक्ष	अध्यक्ष, ग्रंथन विभाग, विश्वभारती, 6, ए.जे. बोस रोड, कोलकाता - 700 017
(xii)	विभागों के अध्यक्ष	भाषा भवन
		1. अध्यक्ष, बांग्ला विभाग
		2. अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग
		3. अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
		4. अध्यक्ष, हिंदी विभाग
		5. अध्यक्ष, ओड़िया विभाग
		6. अध्यक्ष, अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामी अध्ययन विभाग
		7. अध्यक्ष, भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग
		8. अध्यक्ष, जापानी विभाग
		9. अध्यक्ष, चीना विभाग
		10. अध्यक्ष, संताली विभाग
		विद्या भवन
		1. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विभाग
		2. अध्यक्ष, इतिहास विभाग
		3. अध्यक्ष, एआईएचसी विभाग एवं ए
		4. अध्यक्ष, भूगोल विभाग
		5. अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र एवं धर्म विभाग
		6. प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र
		7. अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग

परिशिष्ट

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		शिक्षा-भवन
		1. अध्यक्ष, भौतिकी विभाग
		2. अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग
		3. अध्यक्ष, गणित विभाग
		4. अध्यक्ष, प्राणी विज्ञान विभाग
		5. अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
		6. अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग
		7. अध्यक्ष, कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान
		8. अध्यक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र
		9. अध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन केंद्र
		कला-भवन
		1. अध्यक्ष, मूर्तिकला विभाग
		2. अध्यक्ष, चित्रकला विभाग
		3. अध्यक्ष, डिजाइन विभाग
		4. अध्यक्ष, ग्राफिक कला विभाग।
		5. अध्यक्ष, कला इतिहास विभाग
		संगीत-भवन
		1. विभागाध्यक्ष, रवीन्द्र संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग
		2. अध्यक्ष, शास्त्रीय संगीत विभाग
		विनय-भवन
		1. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
		2. अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग
		पल्ली शिक्षा-भवन
		1. अध्यक्ष, कृषि विज्ञान विभाग

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		2. अध्यक्ष, फसल सुधार, बागवानी एवं कृषि विभाग। वनस्पति विज्ञान
		3. अध्यक्ष, पौध संरक्षण विभाग
		4. अध्यक्ष, कृषि विभाग। विस्तार और विभाग सांख्यिकी के,
		पल्ली संगठन विभाग
		1. अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग
		2. अध्यक्ष, पल्ली चर्चा केंद्र
		3. प्रधान, शिल्पा सदन
		4. अध्यक्ष, आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार विभाग (आरईसी)
(xiii)	प्रत्येक संस्थान से एक अध्यापक, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से;	भाषा भवन
		प्रो. सबिता प्रधान, ओडिआ विभाग, भाषा-भवन, विश्वभारती
		विद्या-भवन
		प्रो. वी.सी. झा, भूगोल विभाग, विद्या-भवन, विश्वभारती [31.03.2023 तक]
		शिक्षा-भवन
		1. प्रो. तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय भौतिकी विभाग, शिक्षा-भवन, विश्वभारती [30-09-2022 तक]
		2. प्रो. स्वपन कु. राहा गणित विभाग शिक्षा-भवन, विश्वभारती [13-12-2022 से]
		कला-भवन

परिशिष्ट

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		i. श्री देवाशीष महालनबीश कला भवन, विश्व-भारती [10-05-2022 तक] ii. श्री साक्षी गोपाल दास डिज़ाइन विभाग कला-भवन, विश्वभारती [13-12-2022 से]
		संगीत भवन
		प्रो. बुद्धदेव दास, संगीत भवन विश्वभारती [26-02-2023 तक]
		विनय-भवन
		प्रो. सुमंत कुमार मंडल विनयभवन, विश्वभारती [26-02-2023 तक]
		पल्ली-शिक्षा भवन
		प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती
		पल्ली संगठन विभाग
		i) प्रो. प्रशांत घोष, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती [10-05-2022 तक] ii) प्रो अमित हाजरा आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार विभाग पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती [13-12-2022 से]
		पाठ भवन

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		श्री पार्थ चक्रवर्ती, पाठ-भवन, विश्वभारती [31-03-2023 तक]
		शिक्षा सत्र
		श्री संदीप भक्त, शिक्षा-सत्र, विश्वभारती
xiv)	गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पांच प्रतिनिधि वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से;	i. श्री विनय भूषण दे, प्रयोगशाला परिचारक, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती [10-05-2022 तक] ii. श्री राम कुमार राय रवीन्द्र-भवन, विश्वभारती [13-12-2022 से]
		1. श्री विश्वनाथ किस्कु, हिंदी भवन, विश्वभारती [28-02-2023 तक]
		2. श्री पार्थ प्रतिम राय, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती
		3. Shri Bidur Bagdi Patha-Bhavana, Visva-Bharati
		4. श्री रेणुपद दास, प्रयोगशाला परिचारक, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती [26-02-2023 तक]
(xv)	शिक्षा-समिति (अकादमिक परिषद) द्वारा	1. रिक्त

परिशिष्ट

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
	अध्ययन, खेल, पाठ्येतर गतिविधियों एवं व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में खुद को प्रतिष्ठित करने वाले छात्रों में से या पिछले वर्ष के दौरान अध्ययन के क्षेत्र, ललित कला, खेल, विस्तार कार्य या दसवीं कक्षा और उससे ऊपर के स्तर पर कोई अन्य पुरस्कार जीतने वाले छात्रों में से दो छात्रों को नामांकित किया जाएगा।	2. रिक्त
(xvi)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा योग्यता के आधार पर तीन छात्रों को नामांकित किया जाना ताकि छात्रों के किसी भी वर्ग को प्रतिनिधित्व प्रदान किया जा सके जो उनकी राय में अप्रतिनिधित्व है: बशर्ते कि मद (xiv) और (xv) के तहत छात्रों को नामांकित करने में, महिला छात्रों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व किया जाएगा;	1. नीलग्रिव दास रसायन शास्त्र विभाग शिक्षा-भवन, विश्वभारती
		2. ब्रताती बरात शिक्षा-सत्र, विश्वभारती
		3. मोहम्मद रिजवानुल बसीर शिक्षा-सत्र, विश्वभारती
(xvii)	संसद के पांच प्रतिनिधि, तीन लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अपने सदस्यों में से और दो राज्यसभा के सभापति द्वारा अपने सदस्यों में से मनोनीत किए जाएंगे;	लोकसभा
		1. श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, 72/4, एस.एन. बनर्जी रोड, कोलकाता - 700 014 [8-03-2023 तक]
		2. श्रीमती लॉकेट चटर्जी, लोकसभा के माननीय सदस्य, शेरवुड एस्टेट, 'ई' ब्लॉक, 'आर'आई, अंद्रपुर, कोलकाता- 700103, पश्चिम बंगाल [18-03-2023 तक]
		3. श्री अधीर रंजन चौधरी, माननीय लोकसभा सदस्य, 9, हरिबूर, पश्चिम,

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		पीओ- कोसिमबाजार, बेरहामपुर, मुर्शिदाबाद-742102, पश्चिम बंगाल [8-03-2023 तक]
		राज्य सभा
		1. श्री विवेक ठाकुर, सी-1/19, हुमायूं रोड, नई दिल्ली, स्थाई पता : उमा कॉम्प्लेक्स, फ्रेजर रोड, पटना- 8000001
		2. डॉ. अमर पटनायक, प्लॉट नंबर 8/ए, खारवेला नगर, स्टेशन स्क्वायर, यूनिट - III, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751001
(xviii)	उस संघ द्वारा अपने सदस्यों में से चुने जाने वाले पूर्व छात्र संघ के तीन प्रतिनिधि;	1. रिक्त
		2. रिक्त
		3. रिक्त
(xix)	उद्योग, श्रम, वाणिज्य, बैंकिंग एवं कृषि के प्रतिनिधियों सहित पेशेवर व्यवसायों एवं विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात व्यक्ति, जिन्हें परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा नामित किया जाना है;	1. रिक्त
		2. रिक्त
		3. रिक्त
		4. रिक्त
		5. रिक्त
		6. रिक्त
		7. रिक्त
(xx)	प्रधान द्वारा नामित एक व्यक्ति (रेक्टर);	प्रो. गोपालचंद्र मिश्र 6ए, गोपाल लाल टैगोर रोड बरानगर, कोलकाता - 700 036
(xxi)	आचार्य (कुलपति) द्वारा नामित एक व्यक्ति;	रिक्त
(xxii)	कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) के अन्य सदस्य जो ऊपर निर्दिष्ट नहीं हैं।	1. श्री बिल्वदल भट्टाचार्य, एडवोकेट, 1, हर प्रसाद शास्त्री सराणि, न्यू अलीपुर,

परिशिष्ट

क्र.सं.	कोर्ट की संरचना	नाम
		ब्लॉक-बी, कोलकाता - 700 053
		2. प्रो मंजू मोहन मुखर्जी, पूर्व, अध्यापक, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी, विश्वभारती
		3. श्री तन्मय रॉय चौधुरी, एसआरबी 103बी, शिप्रा रिवेरा, इंदिरापुरम, ज्ञानखंड 3, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201014
		4. प्रो नियाज़ अहमद खान अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग भाषा-भवन, विश्वभारती
		5. प्रो. सबिता प्रधान, ओडिया विभाग, भाषा-भवन, विश्वभारती

परिशिष्ट-च

01-04-2022 से 31-03-2023 तक कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) के सदस्य

क्र. सं.	सदस्यगण	नाम
(i)	उपाचार्य (कुलपति)	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
(ii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त
(iii)	अध्ययन, शैक्षिक नवाचार एवं ग्रामीण पुनर्निर्माण के निदेशक	रिक्त
(iv)	संस्कृति एवं सांस्कृतिक संबंधों के निदेशक	रिक्त
(v)	निदेशक, शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा एवं छात्र कल्याण	रिक्त
(vi)	अध्यक्ष, पाठ भवन	श्रीमती बोधिरूपा सिन्हा
(vii)	पल्ली-संगठन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, कला भवन, संगीत भवन, विद्या भवन, शिक्षा भवन और भाषा भवन के अध्यक्षों में से तीन अध्यक्षों को चक्रानुक्रम में, वरिष्ठता के अनुसार, उपाचार्य द्वारा नामांकित किया जाएगा।	1. प्रो बिपाशा राहा अध्यक्ष, विद्या-भवन, विश्वभारती 2. i) प्रो. सबिता प्रधान अध्यक्ष, भाषा-भवन, विश्व-भारती [25-05-2022 तक] प्रो.पंकज पंवार अध्यक्ष, कला-भवन, विश्वभारती, [26-05-2022 से 28-09-2022 तक] ii) प्रो संजय कुमार मल्लिक अध्यक्ष, कला-भवन, विश्व-भारती [29-09-2022 से] iii)

परिशिष्ट

क्र. सं.	सदस्यगण	नाम
		3. i. प्रो. माधवी रुज अध्यक्ष, संगीत-भवन, विश्वभारती [30-11-2022 तक] प्रो.बुद्धदेव दास ii. अध्यक्ष, संगीत भवन, विश्वभारती [01-12-2022 से]
(viii)	विश्वविद्यालय के दो अध्यापक, वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से	1. i) डॉ. रफीकुल इस्लाम, आजीवन ज्ञानार्जन एवं विस्तार विभाग, पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती [30-11-2022 तक] ii) प्रो. नियाज़ अहमद खान अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग, भाषा-भवन, विश्वभारती [03-12-2022 से] 2. प्रो. सविता प्रधान, ओडिया विभाग, भाषा भवन, विश्व-भारती
(ix)	संसद (न्यायालय) द्वारा अपने सदस्यों में से चुने जाने वाले दो व्यक्ति, जिनमें से कोई भी कर्मचारी या विश्वविद्यालय का छात्र नहीं होगा	रिक्त
(x)	परिदर्शक (आगंतुक) द्वारा मनोनीत किए जाने वाले दो व्यक्ति	1. 20-07-2020 से रिक्त 2. 20-07-2020 से रिक्त
(xi)	प्रधान (रेक्टर) द्वारा नामित किया जाने वाला एक व्यक्ति	श्री बिल्वदल भट्टाचार्य, एडवोकेट, 1, हारा प्रसाद शास्त्री सरानी, न्यू अलीपुर, ब्लॉक-बी, कोलकाता - 700 053

क्र. सं.	सदस्यगण	नाम
(xii)	आचार्य (कुलाधिपति) द्वारा मनोनीत किया जाने वाला एक व्यक्ति	04-10-2021 से रिक्त
(xiii)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित एक पूर्व छात्र	श्री तन्मय रॉय चौधरी एसआरबी 103बी, शिप्रा रिवेरा, इंदिरापुरम, ज्ञानखंड 3, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201014
(xiv)	उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित किए जाने वाले विश्वभारती के एक पूर्व-अध्यापक (प्रोफेसर के रूप में कम से कम पांच वर्ष की सेवा के साथ)	प्रो मंजू मोहन मुखर्जी पूर्व शिक्षक, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसबी, विश्वभारती

परिशिष्ट-छ

01.04.2022 से 31.03.2023 तक नवनियुक्त संकाय

सं.क्र.सं.	नियुक्त व्यक्ति का नाम	विभाग / भवन	नियुक्ति की तिथि
सह आचार्य			
1.	डॉ. अमित चटर्जी	भूगोल/विद्या भवन	18.10.2022
सहायक प्रोफेसर			
1.	डॉ. सुशील कुमार साहू	प्राणी शास्त्र/शिक्षा भवन	06.06.2022
2.	श्री बिद्युत पातर	इतिहास/विद्या भवन	06.06.2022
3.	श्री सुब्रत गारेन	कृषि अर्थशास्त्र / पीएसबी	19.07.2022
4.	डॉ. सौम्या ससमल	जैव-प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	28.07.2022
5.	श्रीमती देवाश्री पाल	अर्थशास्त्र एवं राजनीति (राजनीति विज्ञान)/विद्या भवन	28.09.2022
6.	डॉ. रघुनाथ पाल	भूगोल/विद्या भवन	28.09.2022
7.	डॉ सुकेन शाह	एआईएचसी एवं ए/विद्या भवन	29.09.2022
8.	डॉ रोहित कुमार	भौतिक विज्ञान/शिक्षा भवन	29.09.2022
9.	डॉ विश्वनाथ सुंदर	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	30.09.2022
10.	डॉ. उषम रोजियो सिंह	अंग्रेजी/भाषा भवन	27.12.2022
11.	डॉ शुभ्रांशु मंडल	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	30.12.2022
12.	श्री फिरदौस बरभुइया	सामाजिक कार्य/पीएसबी	23.01.2023

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-2023
विश्वभारती

संपादकीय समिति

1. प्रो. बिपाशा राहा, अध्यक्ष, विद्या-भवन, अध्यक्ष
2. प्रो. सुधांशु शेखर माइती, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा-भवन
3. प्रो. शकुंतला मिश्र, हिन्दी विभाग, भाषा-भवन
4. प्रो. गीता ए कीनी, प्रोफेसर, जापानी विभाग, भाषा-भवन
5. प्रो. सौविक घोष, प्रोफेसर, कृषि विस्तार विभाग, पीएसबी
6. प्रो. अमित हाजरा, प्रोफेसर, एल.एल.एल एवं विस्तार विभाग, आरईसी, पीएसबी
7. प्रो. प्रेमांशु चक्रवर्ती, भूगोल विभाग, विद्या-भवन
8. डॉ. प्रोसेनजीत साहा, शिक्षा विभाग, विद्या-भवन
9. डॉ. प्रह्लाद रॉय, शिक्षा विभाग, विनय भवन
10. डॉ. सरिता आनंद, शिक्षा विभाग, विनय भवन
11. प्रो. अमल कुमार पाल, निदेशक, रवीन्द्र-भवन
12. प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, हिन्दी विभाग, भाषा-भवन
13. प्रो. देवारती बंद्योपाध्याय, अंग्रेजी विभाग, भाषा-भवन
14. प्रो. संजय कुमार मल्लिक, कला इतिहास विभाग, कला-भवन
15. डॉ. सुभाष चंद्र रॉय, हिन्दी विभाग, भाषा-भवन
16. डॉ. बितान मंडल, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पीएसबी
17. डॉ. अलीउल अजीम, जापानी विभाग, भाषा-भवन
18. डॉ. भैरू लाल यादव, भूगोल विभाग, विद्या-भवन
19. डॉ. भास्कर दास, भूगोल विभाग, विद्या-भवन
20. डॉ. सौमाल्य मुखोपाध्याय, सांख्यिकी विभाग, शिक्षा-भवन
21. डॉ. मधुसूदन पाल, विभाग. कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग, शिक्षा-भवन
22. श्री ऋषि बरुआ, विभाग. मूर्तिकला, कला-भवन
23. डॉ. परमिता रॉय, सामाजिक कार्य विभाग, पीएसबी

परिशिष्ट

24. डॉ. उमाकांत प्रसाद, शिक्षा विभाग, विनय-भवन
25. डॉ. सेंटु मित्र, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, विनय-भवन
26. डॉ. रूपेश कुमार, यौगिक कला एवं विज्ञान विभाग, विनय-भवन
27. डॉ. दर्शन एन.पी., कृषि विस्तार विभाग, पीएसबी
28. डॉ. शंकर राय मौलिक, शिल्प-सदन विभाग, पीएसबी
29. डॉ. अमित वर्मा, संगीत भवन
30. डॉ. मनोज कुमार शर्मा, संगीत भवन
31. डॉ. के.एम. राजन, एआईएचसी एवं पुरातत्व विभाग, विद्या-भवन
32. डॉ. कौशिक घोष, केंद्रीय पुस्तकालय
33. श्री गोपाल कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ
34. श्री पार्थ प्रतिम राय, पाठ-भवन
35. श्री राजेश साव, राजभाषा प्रकोष्ठ
36. श्री बीरेन्द्र कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ
37. श्री उत्तम दास, पीएम हॉस्पिटल
38. श्री अजितेश पॉल, अभियंता अनुभाग
39. श्री प्रियव्रत राय, रवीन्द्र भवन
40. श्री मलय सुब्रधर, सहायक कुलसचिव - सचिव

प्रकाशक: कुलसचिव, विश्वभारती, शांतिनिकेतन-731235